

सम-सामयिक घटना चक्र



मासिक करेन्ट नोट्स एवं सामयिक आलेख

वर्ष : 26 जुलाई - अगस्त, 2018 अंक : 5 मूल्य : 60/-

इस अंक के साथ
निःशुल्क

Website : <http://www.ssgcp.com/>

<https://www.facebook.com/ssgcpl>

<https://www.facebook.com/ssgc.gs.qa>

<https://plus.google.com./+Ssgcpssgcp>

<https://twitter.com/SamsamyikGhatna>

फीफा विश्व कप 2018

फ्रांस बना चैम्पियन

सम-सामयिक घटना चक्र

वर्ष - 26

अंक - 05

जुलाई-अगस्त, 2018 मूल्य - 60/-

▶ संपादकीय कार्यालय :

सम-सामयिक घटना चक्र

188A/128 एलनगंज, चर्चलेन,
इलाहाबाद - 211002

▶ फोन : 0532-2465524, 9335140296

▶ ई-मेल : ssgcald@yahoo.co.in

▶ वेबसाइट : ssgcp.com

▶ संपर्क समय : प्रातः 12 से सायं
8 बजे तक (सोमवार से शुकवार)

▶ © सम-सामयिक घटना चक्र - किसी भी रूप में सामग्री की नकल प्रतिबंधित।

▶ सभी विवादों का निबटारा इलाहाबाद की सीमा में आने वाली सक्षम अदालतों और फोरम में किया जाएगा।

▶ संपादक - संतोष कुमार चौधरी

▶ उप संपादक - सौरभ मेहरोत्रा

▶ सदस्य संपादक मण्डल - कालीशंकर 'शारदेय',
विकास कुमार शुक्ल, गोपाल कृष्ण पाण्डेय

▶ संपादकीय समन्वयक -

राजकुमार श्रीवास्तव, प्रदीप कुमार तिवारी

▶ कंप्यूटर सहयोग -

फैजुल इस्लाम अंसारी, बृजेश पटेल

▶ लेखा प्रबंधक - आर.पी. भट्ट

▶ विज्ञापन प्रबंधक - जितेन्द्र द्विवेदी

▶ प्रबंध संपादक - ममता चौधरी

सम-सामयिक घटना चक्र प्रकाशित लेखों में लेखकों के अपने विचार हैं। उनके विचारों से संपादकीय सहमति जरूरी नहीं है। संपादक की लिखित अनुमति के बिना इस पत्रिका में प्रकाशित किसी भी सामग्री को उद्धृत या उसका अनुवाद नहीं किया जा सकता है। पाठकों से अनुरोध है कि पत्रिका में छपे किसी भी विज्ञापन की सूचना की समुचित जांच स्वयं करके संतुष्ट हो लें।

मुद्रक, प्रकाशक और स्वामी संतोष कुमार चौधरी द्वारा उन्हीं के लिए अमर मुद्रणालय 15/1/7, कटरा रोड, माधो कुंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 188A/128, एलनगंज चर्चलेन इलाहाबाद से प्रकाशित। संपादक - संतोष कुमार चौधरी

अनुक्रमणिका

आवरण आलेख

(पृ.सं. : 5 - 13)

फीफा विश्व कप 2018 :
फ्रांस बना चैंपियन



सामयिक आलेख - 1

(पृ.सं. : 14 - 16)

केरल में निपाह विषाणु



सामयिक आलेख - 2

(पृ.सं. : 17 - 21)

ट्रम्प-किम जोंग उन बैठक :
दो ध्रुवों का अप्रत्याशित मिलन



सामयिक आलेख - 3

(पृ.सं. : 22 - 26)

प्रधानमंत्री की इंडोनेशिया,
मलेशिया और सिंगापुर यात्रा



सामयिक आलेख - 4

(पृ.सं. : 27 - 31)

वैश्वीकरण की धुन पर
संरक्षणवादी तराना



फोकस

(पृ.सं. : 32 - 52)

● सेशेल्स के राष्ट्रपति की भारत-यात्रा ● जी-7 शिखर सम्मेलन ● जीवनसाथी चुनने का अधिकार ● राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम-भारत ● विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट, 2018 ● कृषिगत उत्पादन, 2017-18 : तृतीय अग्रिम अनुमान ● वैश्विक खाद्य संकट रिपोर्ट, 2018 ● चिट फंड (संशोधन) विधेयक, 2018 ● राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान ● रूस में राष्ट्रपति चुनाव ● रक्षा उत्पादन नीति, 2018 ● अटल अमृत अभियान ● सेवा भोज योजना ● गोबर धन योजना ● लोक ऋण रजिस्ट्री



राष्ट्रीय परिदृश्य

(पृ.सं. : 53 - 60)

● समग्र जल प्रबंधन सूचकांक ● कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण ● कृषि कल्याण अभियान ● पूर्वोत्तर परिषद : पुनर्गठन स्वीकृत ● एडोप्ट हेरिटेज योजना ● बांध सुरक्षा विधेयक, 2018 ● राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय अध्यादेश, 2018 ● राष्ट्रीय पोषण मिशन हेतु ऋण समझौता ● प्रधानमंत्री वय वंदना योजना : प्रावधानों में संशोधन ● आंध्र प्रदेश के नए राजकीय प्रतीक ● मालदीव के विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) की संयुक्त निगरानी



अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

(पृ.सं. : 61 - 67)

● वैश्विक शांति सूचकांक, 2018 ● कोलम्बिया : नाटो में शामिल होने वाला प्रथम लैटिन अमेरिकी राष्ट्र ● उपराष्ट्रपति की ग्वाटेमाला, पनामा एवं पेरू यात्रा ● एसीआई : विश्व के सर्वाधिक व्यस्त हवाईअड्डों की सूची ● सिएरा लियोन में राष्ट्रपति चुनाव ● राष्ट्रीयता गुणवत्ता सूचकांक, 2017 ● स्वाजीलैंड : नाम परिवर्तन की घोषणा ● फ्रांस : नया आग्रजन विधेयक स्वीकृत



आर्थिक परिदृश्य

(पृ.सं. : 68 - 76)

● विश्व आर्थिक परिदृश्य जुलाई, 2018 ● क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की पुनर्पूजीकरण योजना का विस्तार ● पीएमजीएसवाई पर वित्त मंत्रालय एवं विश्व बैंक समझौता ● हरित क्रांति - कृषोन्नति योजना ● सीबीडीटी : भारत-कुवैत समझौता मंजूरी ● भारत-दक्षिण अफ्रीका व्यावसायिक शिखर सम्मेलन ● अटल न्यू इंडिया चैलेंज ● बोआओ फोरम फॉर एशिया, 2018 ● टाइम 100 : सर्वाधिक प्रभावशाली व्यक्तियों की सूची, 2018 ● फॉर्च्यून : 50 महान नेताओं की सूची ● फोर्ब्स विश्व के अरबपतियों की सूची, 2018 ● महत्वाकांक्षी जिलों की आधारभूत रैंकिंग



वैज्ञानिक परिदृश्य

(पृ.सं. : 77 - 82)

● ग्लोनास-M ● 26वां रिमपैक सैन्याभ्यास ● पिनाक रॉकेट ● WHO डिजिटल स्वास्थ्य प्रस्ताव ● वरीयता रोगों की वार्षिक समीक्षा, 2018 ● नई पीढ़ी का प्रशिक्षण विमान ● डेजर्ट टाइगर-5 सैन्य अभ्यास



स्थायी स्तंभ

(पृ.सं. : 83 - 160)

□ संक्षिप्तियां □ खेल परिदृश्य □ विशेष

□ संवाद □ ज्ञानिकी □ सामयिक प्रश्नकोश

रजिस्टर्ड डाक द्वारा कोरियर द्वारा

सदस्यता
शुल्क

अर्द्धवार्षिक (6 अंक) ₹400/-

₹500/-

वार्षिक (12 अंक) ₹800/-

₹1000/-

द्विवार्षिक (24 अंक) ₹1600/-

₹2000/-

त्रिवार्षिक (36 अंक) ₹2400/-

₹3000/-

सदस्यता शुल्क मनीऑर्डर द्वारा कार्यालय को प्रेषित करें। ग्राहक मनीऑर्डर फार्म पर अपना नाम, पता एवं मांग स्पष्ट लिखें। पते के साथ अपना मोबाइल अथवा फोन नंबर (यदि हो) भी लिख दें।



समाखंभ


 विश्व कप फुटबॉल में केवल फुटबॉल हो प्रायः ऐसा नहीं होता है। इस बार की स्पर्धा में भी बहुत-सी फुटबॉल इतर बातें हुईं। फाइनल स्पर्धा में फ्रांस के जीतने के बाद अफ्रीकी हास्य अभिनेता 'ट्रेवर नोह' (Trevor Noah) ने फ्रांस को जीत की बधाई देते हुए कहा कि "अफ्रीका ने विश्व कप जीत लिया" फ्रांस की टीम में अधिकांश खिलाड़ियों के अफ्रीकी मूल का होने के कारण की गई इस टिप्पणी की खासी आलोचना हुई। अमेरिका में फ्रांस के राजदूत ने श्री नोह को पत्र लिखा कि उनके कमेंट ने फ्रांस की एकता को संकट में डाला है। जवाब में 'नोह' ने कहा कि फ्रांस को अपनी बहु-पहचान को समाविष्ट करना सीखना चाहिए और अपनी औपनिवेशिक विरासत को मान्यता प्रदान करना चाहिए। बहरहाल, विश्व कप में फ्रांस की जीत के बाद शरणार्थियों और अन्य विदेशी मूल के लोगों का देश के प्रति लगाव, निष्ठा और उनके हकों का मुद्दा विमर्श के केंद्र में आया। जहां तक फ्रांस का सवाल है, वह अपने देश में 'रंग-अंध गणराज्य दर्शन' (Colour-blind republic philosophy) को मान्यता प्रदान करता है। रंग एवं जाति के आधार पर पहचान फ्रांस में केवल निजी दायरे तक सीमित है। इसी दर्शन के आधार पर फ्रांस ने वर्ष 2003 में स्कूलों में बुर्का एवं अन्य धार्मिक प्रतीकों को धारण करने पर प्रतिबंध लगा दिया था। रंग-जाति के आधार पर जनगणना फ्रांस में अवैध है। इन सब बातों से इतर फ्रांस फुटबॉल टीम के स्टार खिलाड़ी पॉल पोग्बा, एनगोलो कांटे, किलियन म्बापे एवं अन्य शुद्ध रूप से समकालीन फ्रांस के उत्पाद हैं, जिनका एक मात्र सपना वर्ष 1998 की महान फ्रांस टीम का अनुकरण कर जीत हासिल करना था, जिसे उन्होंने कर दिखाया। फ्रांस की जीत ने दिखाया कि 'देश' सभी रंग-जाति के लोगों का गुलदस्ता है और सभी के समावेशी योगदान से ही राष्ट्र उन्नति के शिखर पर पहुंचता है। इस अंक के आवरण आलेख में 'फीफा विश्व कप, 2018' का संपूर्ण कवरेज उपलब्ध कराया गया है, जो परीक्षार्थियों के लिए अनेक वर्षों तक प्रासंगिक रहने वाला है।

THE HINDU

 मानव स्वास्थ्य विज्ञान कितना भी समुन्नत क्यों न हो गया हो, नित नई उदजनित व्याधियां उसे चुनौतियां देती रहती हैं। एड्स, इबोला, बर्ड फ्लू आदि के बाद इसमें एक नया नाम 'निपाह' का भी जुड़ गया है। प्रायः व्याधियां पशुओं से मनुष्यों में संक्रमित हुई हैं। अतः पशु चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में भी अधिक अनुसंधान की जरूरत है, जिससे बीमारियों के मनुष्यों तक पहुंचने से पूर्व ही उनसे निपटने या रोकथाम के उपाय शुरू किए जा सकें। इस अंक में निपाह वायरस के कौन, क्या, कहां से पाठकों को अवगत कराया गया है।

FRONTLINE Business Line

 **नीति आयोग NITI AAYOG**
National Institute of Transforming India

 विश्व मानचित्र पर उत्तर कोरिया भले ही एक छोटा-सा देश हो, किंतु वह कई मायनों में अपनी हैसियत से बहुत अधिक बड़ा दिखाई पड़ता है। वह परमाणु संपन्न राष्ट्र है, चीन, अमेरिका एवं रूस जैसी महाशक्तियां उसमें रुचि रखती हैं। दक्षिण कोरिया के साथ उसके संबंध भू-स्त्रातजिक दशाओं में तूफान ला देने की क्षमता रखते हैं। ऐसे उत्तर कोरिया के साथ जब अमेरिका की वार्ता प्रस्तावित हुई, तो दुनिया ने राहत की सांस ली। सिंगापुर में प्रस्तावित यह वार्ता दो ध्रुवों का अप्रत्याशित मिलन था, जिसके नतीजे ठीक-ठाक ही रहे। इस घटनाक्रम पर आलेख इस अंक में प्रस्तुत किया गया है। प्रधानमंत्री की हालिया त्रिदेशीय यात्रा पर भी आलेख इस अंक में प्रस्तुत किया गया है।

 BBC NEWS

 nature.com
International weekly journal of science

15 जून को अमेरिका द्वारा लगाए गए एवं 6 जुलाई, 2018 से प्रभावी आयात शुल्क पर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा था, "यह पश्चिमी धारणा है कि यदि एक गाल पर कोई तमाचा मारे तो दूसरा गाल उसके आगे कर दो, हमारी संस्कृति में हम वापस प्रहार करते हैं।" अपनी संस्कृति के अनुरूप ही चीन ने भी स्पोर्ट्स प्रयोग के वाहन, पार्क एवं सोयाबीन सहित अनेक अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर आयात शुल्क लगा दिया। यह व्यापार युद्ध बढ़ता ही जा रहा है। देखना यह है कि यह किस अंजाम पर पहुंचता है। इस अंक में चीन-अमेरिका व्यापार-युद्ध पर आलेख "वैश्वीकरण की धुन पर संरक्षणवादी तराना" प्रस्तुत किया गया है।

इस अंक के साथ पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी पर अतिरिक्तांक निःशुल्क प्रदान किया जा रहा है। उम्मीद है यह अंक पाठकों को पसंद आएगा। पाठकों से अनुरोध है कि इस अंक पर अपनी प्रतिक्रिया अवश्य दें।

 **भारतीय रिजर्व बैंक**
Reserve Bank of India

फीफा विश्व कप, 2018

फ्रांस बना चैंपियन

— बृजेश रावत

पृथ्वी गोल है। यदि किसी अन्य गोल वस्तु से पृथ्वी की तुलना करनी हो, तो निश्चित ही यह 'फुटबॉल' है जो यत्र, तत्र, सर्वत्र पूरी दुनिया में प्रसरित है। आज शायद ही कोई देश हो जहां फुटबॉल न खेला जाता हो। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि फीफा वर्ल्ड कप को ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों को मिले दर्शकों से दोगुने से अधिक दर्शक मिले। इस वृहद् लोकप्रियता का एक कारण इसके साधारण नियम तथा इस खेल में बहुत कम उपकरणों की जरूरत है।

भले ही फुटबॉल पूरी दुनिया में खेला जाता हो और सभी जगह लोग इस खेल से रोमांचित होते हों किंतु जहां तक इस खेल की सर्वोच्च स्पर्धा फीफा विश्व कप का सवाल है, तो इस पर यूरोप का ही दबदबा है। इस खेल में यूरोप की ताकत को इसी बात से समझा जा सकता है कि इसकी बड़ी-बड़ी टीमों मसलन, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड्स के धराशायी होने के बावजूद सेमीफाइनल में पहुंचने वाली सभी 4 टीमों यूरोप की ही थीं। यद्यपि कि फुटबॉल में दक्षिण अमेरिकी देशों की ताकत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। ब्राजील तो 5 विश्व कप जीतने वाला इकलौता देश है।

➔ एक बात भारत की भी

फीफा विश्व कप के दौरान ही एक खबर आयी कि भारत ने फ्रांस को पछाड़ दिया। दरअसल यह आर्थिक क्षेत्र की खबर थी। भारत ने आर्थिक तौर पर फ्रांस को सातवें पायदान पर धकेल कर दुनिया की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश होने का गौरव हासिल किया है। फुटबॉल में कब ऐसा होगा कि भारत ने फ्रांस को हराया? भारत में फुटबॉल की प्रगति को देखते हुए क्या यह कभी संभव हो सकेगा? कुछ लोग तो यह भी पूछते हैं कि क्या हमारे जीवन में ऐसा कभी हो सकेगा? कुछ भी असंभव नहीं है। मात्र 6 करोड़ 7 लाख की आबादी वाला फ्रांस आज विश्व विजेता है, तो 130 करोड़ से ज्यादा आबादी वाला भारत विश्व विजेता खिलाड़ी क्यों नहीं पैदा कर सकता है। जरूरत है उत्कृष्ट सुविधाओं और सही दिशा-निर्देशन की। फुटबॉल के उतार-चढ़ाव की दास्तान का बखान इस आलेख में किया गया है।

□ फुटबॉल एवं फीफा विश्व कप : पूर्वावलोकन

आखिर ये उत्सुकता तो होती है कि इतने लोकप्रिय खेल का जन्म कब, कहां और कैसे हुआ? फुटबॉल के खेल का जन्म इंग्लैंड में हुआ माना जाता है। रास्ते में पड़ी किसी वस्तु को ठोकर मारना या ऐसा करने की इच्छा होना स्वाभाविक मानवीय प्रवृत्ति है, शायद इसी प्रवृत्ति ने फुटबॉल के खेल को जन्म दिया। फुटबॉल का सबसे आरंभिक स्वरूप चीन में खेले जाने वाले 'शुजु' (Cuju) में देखा जा सकता है। जैसे तो विश्व के अलग-अलग क्षेत्रों में फुटबॉल से मिलते-जुलते खेल खेले जाते थे, लेकिन आधुनिक फुटबॉल नियमों का मुख्य स्रोत पश्चिमी यूरोप और विशेष रूप से इंग्लैंड ही है। मध्यकालीन और आरंभिक आधुनिक यूरोप में 'सामूहिक फुटबॉल' (Mass or Mob Football) काफी लोकप्रिय था। इसमें खिलाड़ियों की संख्या की कोई सीमा नहीं थी और नियम भी न के ही बराबर थे, जिससे अक्सर लोगों तथा संपत्ति को नुकसान पहुंचता था जिसके चलते इंग्लैंड के शासक एडवर्ड द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ और हेनरी चतुर्थ ने इस पर रोक लगाने के आदेश जारी किए थे। परंतु इस प्रतिबंध के बावजूद यूरोप में और विशेष रूप से इंग्लैंड के पब्लिक स्कूलों में फुटबॉल दिनों-दिन और लोकप्रिय होता गया। जैसे-जैसे फुटबॉल की लोकप्रियता बढ़ने लगी जैसे-जैसे इसके अंतरराष्ट्रीय आयोजन के प्रयास भी होने लगे। पहला आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल मैच 1872 ई. में ग्लासगो (स्कॉटलैंड) में इंग्लैंड और स्कॉटलैंड के बीच खेला गया। वर्ष 1900 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों में पहली बार फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित की गई थी, हालांकि तब तीन क्लब टीमों के मध्य केवल दो प्रदर्शनी मैच ही खेले गए थे। वर्ष 1904 के ओलंपिक खेलों की फुटबॉल प्रतियोगिता में भी क्लब टीमों ने ही प्रतिभाग किया था। इसी बीच फुटबॉल की बढ़ती लोकप्रियता के मद्देनजर 21 मई, 1904 को सात राष्ट्रों यथा-बेल्जियम, डेनमार्क, फ्रांस, नीदरलैंड्स, स्पेन, स्वीडन और स्विट्जरलैंड के प्रतिनिधि इंग्लैंड में एकत्र हुए और फुटबॉल की अंतरराष्ट्रीय नियामक संस्था, 'फेडरेशन इंटरनेशनल डी फुटबॉल एसोसिएशन' (Federation International Football Association) यानी 'फीफा' (FIFA) का गठन किया। अपनी स्थापना के बाद फीफा ने वर्ष 1906 में स्विट्जरलैंड में ओलंपिक से इतर एक

आधिकारिक शुभंकर

यह **जाबीवाका** (Zabivaka) नामक एक भेड़िया (Wolf) है। यह मानवरूपी (Anthropomorphic) यूरेशियन भेड़िए का प्रतिनिधित्व करता है। सफेद और भूरे रोंके (Fur) वाले इस भेड़िए ने 'रूस 2018' शब्द लिखा एक टी-शर्ट और नारंगी रंग का स्पोर्ट्स चश्मा पहना हुआ है। सफेद, नीले टी-शर्ट और लाल शॉर्ट्स (Shorts) का संयोजन रूसी फुटबॉल टीम के राष्ट्रीय रंग को दर्शाता है।



जाबीवाका का रूसी भाषा में अर्थ होता है - **जो स्कोर कर सके** (The one who scores)। शुभंकर की डिजाइनर कैटरिना बोचायेवा हैं और लगभग 10 लाख लोगों ने इस शुभंकर को चुनने के लिए इंटरनेट पर वोटिंग की थी और फीफा इतिहास में यह प्रथम अवसर है, जब इतनी बड़ी संख्या में लोगों ने एक शुभंकर को चुनने के लिए मतदान किया था।

अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता कराने का प्रयास किया परंतु असफल रही। वर्ष 1914 में फीफा ने ओलंपिक खेलों में 'एमेच्योर' (Amateur) खिलाड़ियों हेतु फुटबॉल प्रतियोगिता को मान्यता प्रदान कर दी और प्रतियोगिता को आयोजित कराने की जिम्मेदारी स्वीकार की। इससे वर्ष 1920 के ओलंपिक खेलों में विश्व की पहली अंतरमहाद्वीपीय फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित करने का रास्ता साफ हो गया, जिसमें मिस्र और 13 यूरोपीय टीमों ने प्रतिभाग किया।

ओलंपिक खेलों में फुटबॉल प्रतियोगिताओं के सफल आयोजन से प्रेरित होकर फीफा ने अपने अध्यक्ष 'जूल्स रिमे' (Jules Rimet) के नेतृत्व में एक बार फिर ओलंपिक से इतर अपनी स्वयं की एक अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित करने की संभावनाएं तलाशनी प्रारंभ की।

फुटबॉल के इतिहास में रिमे को वही स्थान प्राप्त है, जो **पियरे डी कूर्बार्तिन** को ओलंपिक आंदोलन में हासिल है। रिमे के प्रयासों का ही फल था कि फीफा ने 28 मई, 1928 को एमस्टर्डम में स्वयं अपनी विश्व प्रतियोगिता कराने का निर्णय लिया। मेजबानी सौंपी गई वर्ष 1924 एवं 1928 के ओलंपिक खेलों की फुटबॉल प्रतियोगिता के विजेता उरुग्वे को। वर्ष 1930 में प्रथम **फीफा विश्व कप** का आयोजन किया गया। यह वही वर्ष था जब उरुग्वे अपने संविधान के प्रथम संस्करण की रचना के 100 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा था। तभी से फुटबॉल विश्व कप का आयोजन फीफा द्वारा प्रत्येक चार वर्ष पर किया जाता है।

□ 21वां फीफा विश्व कप, 2018

फीफा द्वारा वर्ष 1930 से अब तक विश्व कप फुटबॉल प्रतियोगिता के 20 संस्करणों का आयोजन किया गया था, जिनमें आठ अलग-

आधिकारिक गीत

'**लिव इट अप**' (Live it up) फीफा विश्व कप, 2018 का '**आधिकारिक गीत**' (Official Song) है। इसे 'सोनी म्यूजिक एंटरटेनमेंट' द्वारा जारी किया गया था। '**लिव**



इट अप' गाने में प्यूर्टो रिको के गायक **निकी जैम**, अमेरिकन रैपर **विल स्मिथ** और कोसोवो की गायिका **एरा इस्ट्रेफी** ने प्रदर्शन (Perform) किया है। इसके निर्माता अमेरिकी डीजे डिप्लो (Diplo) हैं।

'**कलर्स**' (Colors) फीफा विश्व कप, 2018 का कोका-कोला प्रचारक एंथम (Promotional Anthem) है। यह अमेरिकी गायक और गीतकार जेसन डेरूलो द्वारा रचित गीत है।

अलग देश विजेता रहे थे- **ब्राजील पांच बार**, इटली एवं जर्मनी चार बार, अर्जेंटीना एवं उरुग्वे दो-दो बार, जबकि इंग्लैंड, फ्रांस तथा स्पेन एक-एक बार। 14 जून से 15 जुलाई, 2018 के मध्य फीफा विश्व कप के 21वें संस्करण का आयोजन रूस में संपन्न हुआ। रूस ने पहली बार फीफा फुटबॉल विश्व कप की मेजबानी की है। ब्राजील, मेक्सिको, इटली, फ्रांस तथा जर्मनी विश्व के पांच ऐसे देश हैं, जो दो बार फुटबॉल विश्व कप का आयोजन कर चुके हैं। वर्ष 2006 के बाद से यह पहला अवसर है जब यूरोप के किसी देश में फुटबॉल विश्व कप का आयोजन संपन्न हुआ। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2006 में जर्मनी में इसका आयोजन संपन्न हुआ था।

वर्ष 2018 के फीफा विश्व कप के आयोजन के लिए **रूस, इंग्लैंड, स्पेन/पुर्तगाल** (संयुक्त) और **नीदरलैंड्स/बेल्जियम** (संयुक्त) ने अपनी-अपनी बोली लगायी थी। 2 दिसंबर, 2010 को ज्यूरिख में फीफा की कार्यकारी समिति के सदस्यों द्वारा किए गए मतदान के दूसरे चरण में रूस ने वर्ष 2018 विश्व कप के आयोजन का अधिकार जीत लिया था।

रूस में संपन्न फीफा विश्व कप, 2018 के मैच 11 शहरों के 12 स्थानों (Venues) पर खेले गए, जिनमें प्रमुख हैं- मॉस्को, सेंट पीटर्सबर्ग, कजान, सोची, वोल्गोग्राड।

12 मार्च, 2015 से 15 नवंबर, 2017 के मध्य खेले गए अर्हता मैचों के पश्चात 31 टीमों ने फीफा विश्व कप, 2018 में खेलने हेतु अर्हता प्राप्त की। रूस ने मेजबान होने के नाते स्वतः ही इस टूर्नामेंट में खेलने की अर्हता प्राप्त कर ली थी। इन 32 टीमों में से 20 टीमों वही थीं, जिन्होंने फीफा विश्व कप वर्ष 2014 में भी प्रतिभाग किया था। **पनामा और आइसलैंड ने फीफा विश्व कप के लिए पहली बार अर्हता प्राप्त की। आइसलैंड जनसंख्या के संदर्भ में फीफा विश्व कप में खेलने वाला अब तक का सबसे छोटा देश है।** पेरू ने 36, मिस्र ने 28, मोरक्को

आधिकारिक गेंद

टेलस्टार-18 एवं टेलस्टार-मेच्चा

विख्यात खेल सामान निर्माता कंपनी एडिडास द्वारा फीफा विश्व कप, 2018 के लिए विशेष रूप से तैयार गेंद को 'टेलस्टार-18' (Telstar-18) नाम दिया है। फीफा फुटबॉल विश्व कप में पहली बार NFC चिप लगी हुई गेंद का प्रयोग किया गया, इसने VAR प्रणाली में भी सहायता प्रदान की। उल्लेखनीय है कि एडिडास द्वारा ही निर्मित 'टेलस्टार' नामक फुटबॉल को फीफा विश्व कप, 1970 में आधिकारिक मैच बॉल के रूप में प्रयोग किया गया था। टेलस्टार शब्द 'टेलीविजन' और 'स्टार' शब्द का संयोजन है। विश्व कप के नॉकआउट मुकाबलों में नई गेंद 'टेलस्टार-मेच्चा' का प्रयोग किया गया। लाल रंग की इस गेंद का डिजाइन मेजबान रूस की संस्कृति को ध्यान में रखकर किया गया। गेंद पर नीले रंग की जगह रूस का लाल चटकीला रंग दर्शाया गया है। रूसी भाषा में मेच्चा शब्द का अर्थ- 'स्वप्न या महत्वाकांक्षा' (Dream or Ambition) है।



ने 20 और सेनेगल ने 16 वर्षों के अंतराल के पश्चात फीफा विश्व कप में खेलने हेतु अर्हता प्राप्त की। इस बार जो प्रमुख टीमों फीफा विश्व कप, 2018 में अर्हता प्राप्त नहीं कर सकीं उनमें इटली, नीदरलैंड्स, कैमरून, चिली, न्यूजीलैंड, अमेरिका, घाना और आइवरी कोस्ट शामिल हैं।

फीफा विश्व कप, 2018 में खेलने हेतु अर्हता प्राप्त करने वाली सबसे निचली रैंकिंग (फीफा रैंकिंग : 70) मेजबान देश रूस के बाद सऊदी अरब (फीफा रैंकिंग 67) की थी। सऊदी अरब के अतिरिक्त 'एशियाई फुटबॉल कंफेडरेशन' (AFC) से चार देशों यथा-ऑस्ट्रेलिया, ईरान, जापान एवं दक्षिण कोरिया की टीमों शामिल हुईं।

फीफा विश्व कप, 2018 को पिछले विश्व कप की भांति दो भागों में विभक्त किया गया था। पहला-राउंड रॉबिन लीग के आधार पर 'ग्रुप चरण' और दूसरा- 'नॉकआउट चरण'। ग्रुप



आधिकारिक चित्र : फीफा विश्व कप, 2018 : फ्रांस बना चैंपियन

प्रतीक चिह्न (Emblem)

फीफा विश्व कप, 2018 के आधिकारिक प्रतीक चिह्न का आकार विश्व कप ट्रॉफी की सार्वभौमिक रूप से पहचानी जाने योग्य रूपरेखा से प्रेरित है, जबकि प्रतीक चिह्न में लाल, गोल्डेन, काले और नीले रंग का गाढ़ा उपयोग विश्व विख्यात रूसी कला में देखी गई सदियों पुरानी तकनीक से प्रेरित था। प्रतीक चिह्न के शीर्ष पर मैजिक बॉल फुटबॉल के प्रति वैश्विक प्रेम को लोगों की नजर में लाती (Spotlight) है। प्रतीक चिह्न के घटक विश्व कप और मेजबान राष्ट्र रूस के अद्वितीय गुणों को एक साथ मिश्रित करते हैं।



चरण में 4-4 टीमों के 8 ग्रुप (A से H) बनाए गए थे, जो इस प्रकार थे- ग्रुप-'A' = उरुग्वे, रूस, सऊदी अरब एवं मिखा ग्रुप 'B'- स्पेन, पुर्तगाल, ईरान एवं मोरक्को। ग्रुप 'C' - फ्रांस, डेनमार्क, पेरू एवं ऑस्ट्रेलिया। ग्रुप 'D' - क्रोएशिया, अर्जेंटीना, नाइजीरिया एवं आइसलैंड। ग्रुप 'E' - ब्राजील, स्विट्जरलैंड, सर्बिया एवं कोस्टारिका। ग्रुप 'F' - स्वीडन, मेक्सिको, दक्षिण कोरिया एवं जर्मनी। ग्रुप 'G' - बेल्जियम, इंग्लैंड, ट्यूनीशिया एवं पनामा। ग्रुप 'H' - कोलंबिया, जापान, सेनेगल एवं पोलैंड।

उद्घाटन समारोह एवं ग्रुप चरण के मैच

रूस के मॉस्को स्थित 'लुज़्निंकी स्टेडियम' (Luzhniki Stadium) में फीफा विश्व कप का उद्घाटन समारोह 14 जून, 2018 को आयोजित हुआ। उद्घाटन समारोह की शुरुआत विश्व कप, 2018 के आधिकारिक गीत 'लिव इट अप' से हुई। हॉलीवुड स्टार विल स्मिथ,

निकी जैम और एरा इस्ट्रेफी ने 'लिव इट अप' पर अपनी प्रस्तुति दी। उद्घाटन समारोह में इंग्लैंड के पॉप स्टार रॉबी विलियम्स, गायक जुआन डिएगो फ्लोरेज, स्पेन के ओपेरा गायक प्लासिडो डॉमिंगो और रूसी ओपेरा गायक एडा गरिफुलिना ने रंगारंग प्रस्तुतियां दीं। रॉबी ने 'लेट मी इंटरटेन यू' पर अपनी प्रस्तुति दी। कार्यक्रमों के बाद ब्राजील के पूर्व कप्तान रोनाल्डो मैच की आधिकारिक गेंद



फीफा अध्यक्ष गियानि इन्फेन्टिनो

वर्ष 1930 में प्रथम फीफा विश्व कप का आयोजन

अब तक सभी विश्व कप में खेलने वाली एकमात्र टीम - ब्राजील

पनामा और अटमलैंड ने पहली बार अर्हता प्राप्त की (फीफा विश्व कप में खेलने वाला अंश तक का स्वप्नने छोटा देश)

टेलस्टार-18 मैदान पर लेकर आए। यह वही बॉल थी जिसे मार्च, 2018 में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन सदर्स्यों द्वारा अंतरिक्ष में ले

फीफा विश्व कप, 2018 : महत्वपूर्ण तथ्य

- कुल मैच :- 64
 - कुल हुए गोल :- 169 (पेनाल्टी शूट आउट में हुए गोल शामिल नहीं हैं)
 - प्रति मैच औसत गोल :- 2.6
 - आत्मघाती गोल (Own Goal) करने वाले खिलाड़ी :- 12 (1. अजीज बेहिच, ऑस्ट्रेलिया; 2. फर्नैंडिन्हो, ब्राजील; 3. अहमद फाथी, मिस्र; 4. एडसॉन अल्वारेज, मेक्सिको; 5. अजीज बोउहाडोउज, मोरक्को; 6. ओग्हेनेकारो एटेबो, नाइजीरिया; 7. थियागो किओनक, पोर्लैंड; 8. डेनिस चेरीसेव, रूस; 9. सर्गेई इग्नारोविक, रूस; 10. यान सोम्मर, स्विट्जरलैंड; 11. यासिने मेरीअह, ट्यूनीशिया एवं 12. मारियो मांडज्युकिक, क्रोएशिया, विश्व कप के इतिहास में फाइनल मैच का पहला आत्मघाती गोल)
 - सर्वाधिक गोल करने वाली टीम :- बेल्जियम (16 गोल)
 - सबसे कम गोल करने वाली टीम :- ऑस्ट्रेलिया, कोस्टारिका, मिस्र, जर्मनी, आइसलैंड, ईरान, मोरक्को, पनामा, पेरू, पोर्लैंड, सऊदी अरब एवं सर्बिया (प्रत्येक ने 2 गोल)
 - ऐसी टीम जिसके विरुद्ध सबसे अधिक गोल हुए :- पनामा (11 गोल)
 - एक मैच में किसी टीम द्वारा सर्वाधिक गोल :- 6 (इंग्लैंड द्वारा पनामा के विरुद्ध)
 - हैट्रिक :- क्रिस्टियानो रोनाल्डो (पुर्तगाल; स्पेन के विरुद्ध, विश्व कप की पहली हैट्रिक) एवं हैरी केन (इंग्लैंड; पनामा के विरुद्ध)
 - क्रिस्टियानो रोनाल्डो विश्व कप में हैट्रिक लगाने वाले सबसे उम्रदराज (33 वर्ष) खिलाड़ी भी बन गए।
 - सर्वाधिक मैन ऑफ द मैच :- एंटोनी ग्रीजमैन (फ्रांस), एडेन हजार्ड (बेल्जियम), हैरी केन (इंग्लैंड) एवं लुका मोड्रिक (क्रोएशिया), सभी 3-3 मैचों में।
 - कुल पीले कार्ड :- 219
 - कुल लाल कार्ड :- 4
 - ऐसी टीम जिसके खिलाड़ियों को सर्वाधिक पीले कार्ड दिखाए गए :- क्रोएशिया (15 पीले कार्ड)।
 - सर्वाधिक पीले कार्ड पाने वाला खिलाड़ी :- सेबास्टियन लार्सन, स्वीडन (3 पीले कार्ड)।
 - लाल कार्ड प्राप्त करने वाला प्रथम खिलाड़ी :- कार्लोस सांचेज (कोलंबिया)
 - विश्व कप खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने :- एसाम अल हदारी (मिस्र), गोलकीपर
 - अब तक सभी विश्व कप में खेलने वाली एकमात्र टीम :- ब्राजील
 - विश्व कप, 2018 का राजनयिक बहिष्कार करने वाले देश :- ब्रिटेन एवं आइसलैंड
 - एक मैच में सबसे तेज गोल :- मैथियास जोर्गेनसन, डेनमार्क (मैच के 57वें सेकंड में; क्रोएशिया के विरुद्ध)
- नोट :-** उल्लेखनीय है कि फीफा विश्व कप इतिहास में सबसे तेज गोल करने का रिकॉर्ड तुर्की के हकान सुकुर के नाम है, जिन्होंने वर्ष 2002 में दक्षिण कोरिया के विरुद्ध मैच के 11वें सेकंड में गोल किया था।



जाया गया और जून माह के शुरुआत में पृथ्वी पर वापस लाया गया था। उद्घाटन समारोह को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने संबोधित किया और फीफा अध्यक्ष गियानी इन्फैंटीनो ने टूर्नामेंट के प्रारंभ होने की आधिकारिक घोषणा की।

उद्घाटन समारोह के पश्चात **फुटबॉल विश्व कप, 2018 का पहला मैच मेजबान रूस एवं सऊदी अरब के मध्य** खेला गया, जिसमें रूस ने सऊदी अरब को 5-0 से पराजित कर दिया। इस विश्व कप में गोलों की शुरुआत रूस के यूरी गाजिंस्की द्वारा की गई।

फीफा विश्व कप, 2018 के ग्रुप चरण के मैच 14-28 जून, 2018 के मध्य खेले गए। ग्रुप चरण में वो सब कुछ था जिसकी उम्मीद की जा रही थी। साथ ही वो सब भी हुआ जिसकी उम्मीद किसी को नहीं थी। क्या कुछ नहीं था इस पहले दौर में। पिछले चैंपियन **जर्मनी** का अपने से कमजोर टीमों मेक्सिको और दक्षिण कोरिया से **पराजित होकर ग्रुप चरण में ही विश्व कप से बाहर होना**; मेक्सिको का विश्व

कप इतिहास में जर्मनी पर पहली जीत दर्ज करना; आइसलैंड का अर्जेंटीना को 1-1 से ड्रॉ पर रोकना; 8वीं रैंक पोर्लैंड तथा 11वीं रैंक पेरू का ग्रुप चरण में ही प्रतियोगिता से बाहर होना; क्रिस्टियानो रोनाल्डो और हैरी केन का हैट्रिक लगाना, मिस्र एवं पनामा ऐसी टीमों जिनका सभी मैच हार जाना; उरुग्वे द्वारा एक भी गोल नहीं खाना; उरुग्वे, बेल्जियम और क्रोएशिया द्वारा तीनों मैच में जीत दर्ज कर अंतिम 16 में पहुंचना; फ्रांस और डेनमार्क का मैच गोलरहित 0-0 बराबरी पर छूटना; और भी बहुत कुछ। पिछले 80 वर्षों में यह पहली बार हुआ कि जर्मनी फीफा विश्व कप के शुरुआती दौर से ही टूर्नामेंट से बाहर हो गया।

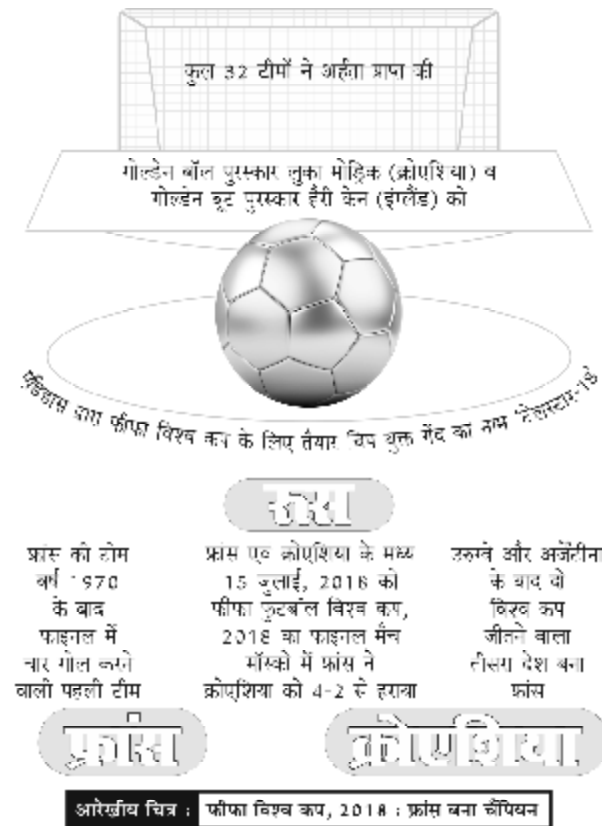
फुटबॉल विश्व कप, 2014 में कुल 171 गोल किए गए थे, जिसमें से 136 गोल ग्रुप चरण के दौरान ही किए गए थे। वर्ष 2018 के फुटबॉल विश्व कप में कुल 169 गोल हुए जिसमें से 122 गोल ग्रुप चरण के दौरान किए गए। हालांकि इस बार नॉकआउट चरण,

फीफा विश्व कप, 2018 : प्रमुख पुरस्कार

- गोल्डन बॉल (टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी) :- **लुका मोड्रिक** (कप्तान-क्रोएशिया), सिल्वर बॉल **एडन हजार्ड** (बेल्जियम) को एवं ब्रांज बॉल **एंटोनी ग्रीजमैन** (फ्रांस) को प्रदान किया गया।
- गोल्डन बूट (टूर्नामेंट में सर्वाधिक गोल के लिए) :- **हैरी केन** (इंग्लैंड) (कुल 6 गोल)। सिल्वर बूट **एंटोनी ग्रीजमैन** (फ्रांस) (4 गोल) को एवं ब्रांज बूट **रोमेलु लुकाकु** (बेल्जियम) (4 गोल) को प्रदान किया गया।
- गोल्डन ग्लव (टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर) :- **थिबाउट कोर्टोइस** (बेल्जियम)
- टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी :- **किलियन म्बापे** (फ्रांस)
- फेयर प्ले अवॉर्ड (टूर्नामेंट में सर्वाधिक साफ-सुथरे खेल के लिए) :- **स्पेन**

सेमीफाइनल, तीसरे स्थान एवं फाइनल में हुए कुल गोलों की संख्या गत विश्व कप के 35 के मुकाबले 47 रही, जो कि 12 गोल ज्यादा है।

ग्रुप चरण के मैचों के बाद प्री-क्वार्टर फाइनल के लिए जिन 16 टीमों ने अर्हता प्राप्त की उनमें **यूरोप की 10 टीमें**- बेल्जियम, क्रोएशिया, डेनमार्क, इंग्लैंड, फ्रांस, पुर्तगाल, रूस, स्पेन, स्वीडन एवं स्विट्जरलैंड; **दक्षिण अमेरिका की 4 टीमें यथा** -अर्जेंटीना, ब्राजील, कोलंबिया एवं उरुग्वे; **मध्य व उत्तरी अमेरिका की 1 टीम**- मेक्सिको एवं एशिया की 1 टीम **जापान** शामिल है। सबसे खराब प्रदर्शन



फीफा विश्व कप में भारत

फीफा फुटबॉल विश्व कप में भारत का कोई इतिहास है ही नहीं, क्योंकि अब तक एक बार भी भारतीय फुटबॉल टीम ने विश्व कप नहीं खेला है। हालांकि वर्ष 1950 में ब्राजील में आयोजित विश्व कप में ब्राजील ने यूरोपीय एवं एशियाई टीमों के न जाने के चलते भारत को आमंत्रित किया था, परंतु भारतीय फुटबॉल फेडरेशन ने जाने से मना कर दिया था। भारत ने मात्र फीफा का अंडर-17 विश्व कप, 2017 खेला था, वो भी मेजबान देश होने के कारण। फीफा विश्व कप में किसी भी आयु स्तर पर यह भारत की पहली उपस्थिति थी। अंडर-17 विश्व कप, 2017 में भारत ने ग्रुप 'A' में अमेरिका, कोलंबिया और घाना के विरुद्ध मैच खेले और तीनों से पराजित होकर ग्रुप चरण से बाहर हो गया। 9 अक्टूबर, 2017 को भारत ने फीफा U-17 विश्व कप में एकमात्र गोल कोलंबिया के विरुद्ध किया। यह गोल जैक्सन थोउनाओजाम ने 82वें मिनट में किया। इसी के साथ जैक्सन फीफा U-17 विश्व कप में गोल करने वाले पहले भारतीय फुटबॉलर बन गए।

अफ्रीकी टीमों का रहा। अफ्रीका की 5 टीमों में से कोई भी टीम अंतिम 16 में स्थान बनाने में सफल नहीं रहीं।

26 जून, 2018 को फ्रांस और डेनमार्क का मैच ग्रुप चरण और पूरे टूर्नामेंट का एकमात्र गोलरहित (0-0) ड्रॉ मैच रहा। एशियाई देशों में सबसे श्रेष्ठ प्रदर्शन जापान का रहा। ग्रुप 'H' में जापान 3 मैचों में 1 जीत, 1 हार और 1 ड्रॉ के साथ 4 अंक प्राप्त कर कोलंबिया के बाद दूसरे स्थान पर रहा। जापान, कोलंबिया को 2-1 से पराजित कर किसी दक्षिण अमेरिकी टीम को पराजित करने वाली पहली एशियाई टीम बनी। हालांकि जापान प्री-क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम के हाथों पराजित होकर टूर्नामेंट से बाहर हो गया।

□ नॉकआउट चरण एवं सेमीफाइनल

नॉकआउट चरण में अंतिम 16 एवं क्वार्टर फाइनल मैचों के पश्चात फ्रांस, बेल्जियम, क्रोएशिया एवं इंग्लैंड सेमीफाइनल में अपना स्थान सुनिश्चित करने में सफल रहे।

10 जुलाई, 2018 को रूस के सेंट पीटर्सबर्ग शहर में विश्व कप, 2018 का पहला सेमीफाइनल मैच फ्रांस और बेल्जियम के मध्य खेला गया। दोनों ही टीमों प्रतियोगिता में बिना कोई मैच हारे सेमीफाइनल तक पहुंची थीं। जहां बेल्जियम की टीम वर्ष 1986 के बाद पहली बार विश्व कप में सेमीफाइनल मुकाबला खेल रही थी, वहीं फ्रांस छठी बार विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचा था। फ्रांस वर्ष 1998 और वर्ष 2006 में फीफा विश्व कप का फाइनल खेल चुका है, और वह वर्ष 1998 का विश्व कप खिताब जीत चुका है। मैच के दूसरे हॉफ में 51वें मिनट में सेमुअल उमिटीटी के हेडर की बदौलत किए गए एकमात्र गोल से फ्रांस ने बेल्जियम को 1-0 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

नॉकआउट दौर में विभिन्न टीमों का प्रदर्शन

राउंड ऑफ 16

क्वार्टर फाइनल

सेमीफाइनल

फाइनल

30 जून, सोची

उरुग्वे	4
पुर्तगाल	3

30 जून, कजान

फ्रांस	4
अर्जेंटीना	3

2 जुलाई, समारा

ब्राजील	2
मेक्सिको	0

2 जुलाई, रोस्तोव-ऑनडोन

बेल्जियम	3
जापान	2

1 जुलाई, मॉस्को (लुज्जिनी)

स्पेन	1(3)
रूस (P)	1(4)

1 जुलाई, निजहनी नोवोरोड

क्रोएशिया (P)	1(3)
डेनमार्क	1(2)

3 जुलाई, सेंट पीटर्सबर्ग

स्वीडन	1
स्विट्जरलैंड	0

3 जुलाई, मॉस्को (ओट्टोक्रिटीए)

कोलंबिया	1(3)
इंग्लैंड (P)	1(4)

6 जुलाई, निजहनी नोवोरोड

उरुग्वे	0
फ्रांस	2

6 जुलाई, कजान

ब्राजील	1
बेल्जियम	2

7 जुलाई, सोची

रूस	2(3)
क्रोएशिया (P)	2(4)

7 जुलाई, समारा

स्वीडन	0
इंग्लैंड	2

10 जुलाई, सेंट पीटर्सबर्ग

फ्रांस	1
बेल्जियम	0

11 जुलाई, मॉस्को (लुज्जिनी)

क्रोएशिया(a.e.t.)	2
इंग्लैंड	1

15 जुलाई, मॉस्को (लुज्जिनी)

फ्रांस	4
क्रोएशिया	2

तृतीय स्थान

14 जुलाई, सेंट पीटर्सबर्ग

बेल्जियम	2
इंग्लैंड	0

* P-पेनाल्टी शूट आउट

फीफा विश्व कप, 2018 का दूसरा सेमीफाइनल क्रोएशिया एवं इंग्लैंड के मध्य 11 जुलाई, 2018 को लुज्जिनी स्टेडियम (मॉस्को) में खेला गया। क्रोएशिया ने अतिरिक्त समय तक चले मैच में इंग्लैंड को 2-1 से पराजित कर पहली बार फीफा फुटबॉल विश्व कप के फाइनल में प्रवेश किया। निर्धारित समय के बाद मैच 1-1 से बराबर रहा था, जिसके बाद मारियो मांडज्युकिक ने अतिरिक्त समय के दूसरे हॉफ में

109वें मिनट में गोल दागकर क्रोएशिया को फाइनल में पहुंचा दिया। उल्लेखनीय है कि इंग्लैंड ने मात्र एक बार वर्ष 1966 में फाइनल में प्रवेश किया था और अपनी सरजर्मी पर खिताब जीतने में सफल रहा था। विश्व कप इतिहास में दूसरी बार सेमीफाइनल खेल रही क्रोएशिया की टीम इससे पहले फ्रांस में वर्ष 1998 में सेमीफाइनल में पहुंची थी और तब उसे मेजबान टीम के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

फुटबॉल जगत का नया सितारा : किलियन म्बापे

फ्रांस के किलियन म्बापे ने फीफा फुटबॉल विश्व कप, 2018 के प्री-क्वार्टर फाइनल (नॉकआउट स्टेज) में अर्जेंटीना के विरुद्ध दो गोल किए। इसी के साथ म्बापे ने ब्राजील के पेले के 60 वर्ष पुराने रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

फुटबॉल फीफा विश्व कप के इतिहास में म्बापे दूसरे सबसे युवा (19 वर्षीय) फुटबॉलर हैं, जिन्होंने नॉकआउट चरण में एक टीम के विरुद्ध दो गोल किए। इससे पूर्व पेले (17 वर्ष) ने वर्ष 1958 के फीफा विश्व कप के फाइनल में स्वीडन के विरुद्ध दो गोल किए थे।

किलियन म्बापे (19 वर्ष, 207 दिन), फीफा विश्व कप के फाइनल में गोल करने वाले ब्राजील के दिग्गज फुटबॉलर पेले (17 वर्ष, 249 दिन) के बाद विश्व के दूसरे सबसे युवा फुटबॉलर भी बन गए।



□ फ्रांस बना चैंपियन

फ्रांस एवं क्रोएशिया के मध्य 15 जुलाई, 2018 को फीफा फुटबॉल विश्व कप, 2018 का फाइनल मैच रूस की राजधानी मॉस्को के प्रसिद्ध लुज़्निक् स्टेडियम (Luzhnik Stadium) में खेला गया। फ्रांस की टीम जहां तीसरी बार (1998, 2006 एवं 2018) फाइनल में थी, वहीं क्रोएशिया ने पहली बार फाइनल में प्रवेश किया था। क्रोएशिया वर्ष 1950 के बाद फीफा विश्व कप के फाइनल में पहुंचने वाला विश्व का सबसे छोटा देश (जनसंख्या की दृष्टि से) है। वर्ष 1930 तथा 1950 में उरुग्वे ने यह उपलब्धि प्राप्त की थी और दोनों ही बार वह विजेता बना था। विश्व कप इतिहास में यह फ्रांस और क्रोएशिया के मध्य दूसरा मैच था और इसमें भी फ्रांस ने बाजी मारी। इससे पहले वर्ष 1998 में जब फ्रांस की टीम विश्व चैंपियन बनी थी, तब उसने सेमीफाइनल में क्रोएशिया को 2-1 से पराजित किया था।

इस बार फाइनल में फ्रांस ने आसान मुकाबले में क्रोएशिया को 4-2 से हराकर फीफा विश्व कप, 2018 का खिताब अपने नाम कर लिया। इस प्रकार उरुग्वे और अर्जेंटीना के बाद दो विश्व कप खिताब

जीतने वाला तीसरा देश बना फ्रांस। यह लगातार चौथा विश्व कप है, जिसे किसी यूरोपीय देश ने जीता है।

स्टार खिलाड़ियों से सजी फ्रांसीसी टीम के खिलाफ फाइनल में क्रोएशियाई टीम शुरू से ही दबाव में दिखाई दी। इसका नतीजा यह रहा कि क्रोएशिया शुरू में ही आत्मघाती गोल कर बैठी। खेल के 18वें मिनट में एंटोनी ग्रीजमैन की कॉर्नर से मारी गई किक क्रोएशिया के मारियो मांडज्युकिच के हेडर से क्रोएशिया के गोल पोस्ट में समा गई। इस प्रकार अब तक संपन्न विश्व कप के फाइनल्स में पहला आत्मघाती गोल करने का रिकॉर्ड मारियो के नाम दर्ज हो गया। इस विश्व कप में सर्वाधिक 12 आत्मघाती गोलों का नया विश्व रिकॉर्ड बना। इससे पूर्व वर्ष 1998 में फ्रांस में हुए विश्व कप में सर्वाधिक 6 आत्मघाती गोल हुए थे।

वर्ष 2002 विश्व कप के बाद यह प्रथम अवसर था, जब फाइनल का नतीजा निर्धारित समय में निकला। वर्ष 2010 और 2014 के फाइनल का निर्णय अतिरिक्त समय में तथा वर्ष 2006 में पेनाल्टी शूट आउट में निर्णय निकला था।

फ्रांस की टीम वर्ष 1970 के बाद फाइनल में चार गोल करने वाली पहली टीम है। ज्ञातव्य है कि वर्ष 1970 में ब्राजील ने इटली को 4-1 से

फीफा विश्व कप, 2018 में नए प्रयोग

- **वीडियो सहायक रेफरी (VAR)** - 16 मार्च, 2018 को फीफा की फुटबॉल प्रतियोगिताओं में वीडियो सहायक रेफरी (VAR) प्रौद्योगिकी के प्रयोग को स्वीकृति प्रदान की गई। कोलंबिया के बोगोटा में संपन्न फीफा परिषद की बैठक में यह निर्णय लिया गया। VAR का उपयोग गोल सुनिश्चित करने, पेनाल्टी देने, रेड कार्ड पर तकनीकी निर्णय देने तथा किसी गलती में सुधार करने हेतु किया जाएगा। फीफा फुटबॉल विश्व कप के इतिहास में इसका पहला प्रयोग रूस में संपन्न फुटबॉल विश्व कप, 2018 में किया गया। VAR प्रणाली का प्रयोग विश्व कप में पहली बार 16 जून, 2018 को किया गया। ग्रुप स्टेज के 'ग्रुप C' के एक मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के डिफेंडरों ने फ्रांस के एंटोनी ग्रीजमैन को पेनाल्टी बॉक्स में गिरा दिया। रेफरी द्वारा पेनाल्टी नहीं दी गई, लेकिन VAR प्रणाली द्वारा समीक्षा के बाद निर्णय लिया गया कि यह पेनाल्टी है। इसके बाद ग्रीजमैन ने पेनाल्टी का लाभ उठाते हुए गोल कर दिया।

विश्व कप के फाइनल में भी फ्रांस को VAR प्रणाली की समीक्षा से क्रोएशिया के विरुद्ध पेनाल्टी मिली और ग्रीजमैन ने इस पेनाल्टी को गोल में बदल दिया। उल्लेखनीय है कि क्रोएशिया के पेरेसिच ने ग्रीजमैन की कॉर्नर किक को हाथ से छू कर बाहर कर दिया, जिसे मैदान पर मौजूद रेफरी नहीं देख सके थे। इस प्रकार फीफा विश्व कप के फाइनल में VAR प्रणाली द्वारा दी गई पेनाल्टी पर गोल करने का प्रथम रिकॉर्ड ग्रीजमैन के नाम दर्ज हो गया।

उल्लेखनीय है कि इस विश्व कप में अब तक सबसे ज्यादा पेनाल्टी (29) दिए जाने का नया रिकॉर्ड बना। इनमें से 22 पर गोल दागे गए।

पराजित किया था। 88 वर्षों में यह चौथा अवसर था जब फाइनल में निर्धारित समय (90 मिनट) में पांच से अधिक गोल हुए। वर्ष 1930 में उरुग्वे ने अर्जेंटीना को 4-2 से, वर्ष 1938 में इटली ने हंगरी को 4-2 से, वर्ष 1958 में ब्राजील ने स्वीडन को 5-2 से और अब 2018 में फ्रांस ने क्रोएशिया को 4-2 से परास्त किया।

वर्ष 1974 के बाद पहली बार हॉफ टाइम से पूर्व फाइनल मुकाबले में तीन गोल हुए। वर्ष 1974 में जर्मनी ने नीदरलैंड्स को 2-1 से हराया था और तीनों गोल पहले हॉफ में हुए थे।

20 वर्ष पूर्व वर्ष 1998 में जब फ्रांस विश्व विजेता बना था, तब वर्तमान मुख्य कोच डिडिएर डेशचैम्प्स उस टीम के कप्तान थे। वह खिलाड़ी और कोच के तौर पर खिताब हासिल करने वाले विश्व के तीसरे व्यक्ति बन गए। उनसे पहले यह कारनामा ब्राजील के मारियो जागालो और जर्मनी के फ्रान्ज बेकेनबाउर ने किया था।

भारतीय राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने अपने ट्विटर हैंडल के माध्यम से लिखा, 'फीफा विश्व कप जीतने के लिए फ्रांस के दृढ़-संकल्प खिलाड़ियों को बधाई! साहसी क्रोएशियाई टीम के लिए विशेष शुभकामनाएं।'

भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने ट्विटर हैंडल से बधाई दी। उन्होंने लिखा 'फ्रांस को विश्व कप जीतने की बधाई, वे पूरे टूर्नामेंट में तथा फाइनल के दौरान शानदार खेले। खेल भावना दिखाने के लिए क्रोएशिया को भी मेरी बधाई, विश्व कप में उनका प्रदर्शन ऐतिहासिक रहा।'

क्रोएशिया पर फ्रांस की धमाकेदार जीत के साथ फीफा वर्ल्ड कप, 2018 का समापन हो गया। हर बार की तरह इस विश्व कप में भी बहुत कुछ खास रहा। दुनिया ने क्रोएशिया जैसे छोटे देश का शानदार खेल देखा, वहीं मजबूत टीमों और नामी फुटबॉलरों को धराशायी होते भी देखा गया।

फीफा फुटबॉल विश्व कप, 2018 के दौरान रूस के सूचना संसाधनों पर लगभग 2.5 करोड़ साइबर हमले हुए लेकिन रूस ने सभी को विफल कर दिया। रूस की मेजबानी में विश्व कप का आयोजन बेदाग रहा। टूर्नामेंट से पहले और मैचों के दौरान लगभग 3300 खिलाड़ियों का डोप टेस्ट हुआ, पर एक भी पॉजीटिव नहीं पाया गया। रूस की उत्कृष्ट मेजबानी से प्रसन्न **फीफा अध्यक्ष गियानी इंफैंटिनो** ने इस विश्व कप को **अब तक का सर्वश्रेष्ठ विश्व कप करार दिया।**

फ्रांस के विश्व चैंपियन बनने के बाद फ्रांसीसी फुटबॉल टीम के सम्मान में पेरिस के छह मेट्रो स्टेशनों के नाम अस्थायी रूप से (Temporarily) बदल दिए गए हैं। इनमें से एक पेरिस के **नोटरे-दामे देसचाम्प्स** मेट्रो स्टेशन फ्रांस के कोच के नाम पर नोटरे डिडिएरडेशचैम्प्स कर दिया गया है। फ्रांस के **राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों** के कार्यालय की घोषणानुसार, खिलाड़ियों को **'लीजन ऑफ ऑनर'** प्रदान किया जाएगा।



केरल में निपाह विषाणु

— सौरभ मेहरोत्रा

“मैं अपने अंतिम सफर पर हूँ, मुझे नहीं लगता कि मैं अब कभी तुमसे मिल पाऊँगी। बच्चों का हमेशा ध्यान रखना और इन्हें अपने साथ खाड़ी ले जाना। ढेर सारा प्यार.....।” ये भावुक कर देने वाला पत्र एक 28 वर्षीय नर्स लिनी पुथुस्सेरी द्वारा अपनी मृत्यु के पूर्व अपने पति के लिए लिखा गया था। दो बच्चों की मां लिनी केरल के कोझिकोड जिले के एक अस्पताल में निपाह वायरस से पीड़ित मरीजों की देखभाल कर रही थी, वहां वह स्वयं इस वायरस से संक्रमित हो गई। अपनी मृत्यु को निकट जान उसने बहरीन में कार्यरत अपने पति को यह मार्मिक पत्र लिखा जिसमें उन्होंने दोनों बच्चों की ठीक से देखभाल करने का अनुरोध किया था।

इस पत्र ने एक मरणासन्न पत्नी की पीड़ा ही सामने नहीं रखी, बल्कि जानवरों से मनुष्यों में फैलती एक बीमारी की भीषणता से भी हमारा साक्षात्कार कराया, जिसने देश के लिए एक बड़ी चुनौती प्रस्तुत कर दी थी।

□ क्या है निपाह वायरस?

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, निपाह वायरस (NiV : Nipah Virus) एक जूनोटिक (Zoonotic) वायरस है अर्थात एक ऐसा वायरस, जो मुख्यतः जानवरों से मनुष्यों में संचारित होता है। हालांकि इस विषाणु का प्रसार संदूषित खाद्य के माध्यम से या प्रत्यक्ष रूप से व्यक्तियों के मध्य भी संभव है। चूंकि यह एक

आरएनए (RNA: Ribonucleic Acid) वायरस है, इस कारण इसमें आश्चर्यजनक दर से उत्परिवर्तन (Mutation) होता है यानी इसमें

अनुकूलन की क्षमता बेहिसाब होती है। नतीजतन यह परिस्थिति के अनुसार खुद को ढाल लेता है। इस कारण दवाओं से यह निष्क्रिय तो हो जाता है, लेकिन मरता नहीं है। लिहाजा भविष्य में इसके फिर से शरीर में सक्रिय होने का खतरा बना रहता है। निपाह वायरस की यही क्षमता इसे बेहद खतरनाक बना देती है। टेरोपोडीडे परिवार (Pteropodidae Family) के फलभक्षी चमगादड़ (Fruit bats) निपाह वायरस के प्राकृतिक वाहक (Natural Host) होते हैं। ऐसे चमगादड़ पेड़ पर लगे फलों को खाकर उन्हें संक्रमित कर देते हैं। जब इन संक्रमित फलों को कोई मनुष्य खा लेता है, तो वह निपाह वायरस संक्रमण की चपेट में आ जाता है।

□ वैश्विक मामले

निपाह वायरस की पहचान सर्वप्रथम वर्ष 1998 में मलेशिया के ‘कंपुंग सुंगई निपाह’ क्षेत्र में हुई थी, जहां इस विषाणु का प्रकोप देखने को मिला था। इस क्षेत्र के नाम पर ही इसे निपाह वायरस नाम दिया गया। हालांकि मलेशिया में यह संक्रमण सर्वप्रथम पालतू सुअरों में देखा गया था तथा वहां इन सुअरों से ही यह बीमारी मनुष्यों को हस्तांतरित हुई थी। दरअसल मलेशिया में वनों के कटने आदि कारणों से चमगादड़ों के प्राकृतिक आवास उजड़ गए थे और वे भोजन की तलाश में शहरी क्षेत्रों के निकट आ गए थे। ऐसे चमगादड़ों के लार,

मल-मूत्र इत्यादि के संपर्क में आने से सर्वप्रथम सुअर और फिर इन सुअरों से मनुष्य निपाह वायरस की चपेट में आ गए। इस प्रकार

भारत में मनुष्यत्व वर्ष 2001 में पश्चिम बंगाल के शिलिगुड़ी में निपाह वायरस



आरेखीय चित्र : केरल में निपाह विषाणु

मलेशिया में सुअर निपाह वायरस के मध्यवर्ती वाहक (Intermediate Hosts) साबित हुए थे। हालांकि इसके बाद के वर्षों में जिन स्थानों पर भी निपाह वायरस के मामले सामने आए, उनमें मध्यवर्ती वाहकों की कोई भूमिका नहीं थी और ये संक्रमण चमगादड़ों से ही सीधे मनुष्यों में संचारित हुए। सितंबर, 1998 से अप्रैल, 1999 के दौरान मलेशिया में निपाह वायरस संक्रमण के 265 मामले दर्ज किए गए थे, इनमें से लगभग 40 प्रतिशत व्यक्तियों की मृत्यु हो गई थी। मलेशिया के बाद वर्ष 1999 में सिंगापुर में भी निपाह वायरस संक्रमण के मामले सामने आए। बांग्लादेश में वर्ष 2001 में पहली बार निपाह वायरस संक्रमण की जानकारी प्राप्त हुई। तब से प्रति वर्ष वहां निपाह वायरस का प्रकोप देखने को मिलता रहा है।

□ भारत में निपाह का प्रकोप

हाल ही में केरल में निपाह वायरस के प्रकोप के कारण 17 व्यक्तियों की मौत हो गई। हालांकि यह प्रथम अवसर नहीं था जब देश में निपाह वायरस के मामले प्रकाश में आए थे। दरअसल, सर्वप्रथम वर्ष 2001 में पश्चिम बंगाल के सिलिगुड़ी में निपाह वायरस के मामले दर्ज किए गए थे। उस समय 66 लोग इस वायरस से प्रभावित हुए थे, जिनमें से 45 व्यक्तियों की मृत्यु हो गई थी। इसके बाद अप्रैल, 2007 में नाडिया (पश्चिम बंगाल) में निपाह वायरस संक्रमण देखने को मिला था, जिसमें 5 लोग प्रभावित हुए थे और सभी की मृत्यु हो गई थी। नाडिया में निपाह वायरस से ग्रसित जो पहला मरीज था, उसके बारे में माना जाता है कि उसने

चमगादड़ों के अवशिष्ट से दूषित ताड़ी पी ली थी और इस तरह उसके शरीर में निपाह वायरस पहुंचा था। इसके बाद यहां जो लोग भी निपाह से संक्रमित हुए, वे या तो इस मरीज के निकट संबंधी थे या उसकी देखभाल करने वाली नर्सों। कुछ ऐसा ही हाल ही में केरल के कोझिकोड में देखने को मिला। 19 मई, 2018 को केरल के कोझिकोड जिले में निपाह वायरस संक्रमण के चलते एक ही परिवार के तीन लोगों

की मौत की पुष्टि की गई। इसके बाद इन मरीजों की देखभाल करने वाली नर्स लीनी पुथुस्सेरी कोझिकोड में निपाह वायरस की चौथी शिकार बनीं। कुल मिलाकर केरल में 17 लोग निपाह वायरस की चपेट

निपाह वायरस : लक्षण एवं बचाव

- ◆ निपाह वायरस संक्रमण के शुरुआती लक्षणों में बुखार, सिर दर्द, उल्टी होना, चक्कर आना जैसी समस्याएं शामिल हैं। इन शुरुआती लक्षणों के बाद मरीज का दिमागी संतुलन बिगड़ने लगता है या उसकी चेतना में गिरावट आने लगती है, जो गंभीर इंसेफेलाइटिस (Acute Encephalitis) की स्थिति को प्रदर्शित करता है। इसके बाद मरीज कोमा में चला जाता है और उसकी मौत तक हो जाती है।
- ◆ निपाह वायरस की पहचान हुए लगभग दो दशक बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक इसके उपचार के लिए न तो कारगर दवाएं बनाई जा सकी हैं और न ही ऐसा टीका बन पाया है, जो इस बीमारी को पनपने ही न दे। इन कारणों के चलते फिलहाल इस जानलेवा वायरस से बचने का एकमात्र उपाय सावधानी बरतना ही है।

में आकर काल के गाल में समा गए। इनमें से 14 मौतें अकेले कोझिकोड में तथा शेष 3 मौतें मल्लपुरम जिले में हुईं।

□ निपटने के प्रयास

केरल में निपाह वायरस संक्रमण से निपटने तथा वहां की स्थिति की समीक्षा हेतु केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा के निर्देश पर राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (NCDC: National Centre

for Disease Control) के नेतृत्व में विशेषज्ञों का एक दल गठित किया गया था। निपाह वायरस के संक्रमण से मृत्यु के मामलों की समीक्षा के उपरांत इस उच्चस्तरीय दल ने यह निष्कर्ष निकाला कि केरल में निपाह वायरस का फैलना मात्र एक स्थानीय स्तर का संक्रमण ही था न कि कोई प्रकोप। इसी के अनुसार, इस दल ने दिशा-निर्देशों का एक प्रारूप तैयार कर स्वास्थ्यकर्मियों के लिए सलाह एवं आम जनता के लिए जानकारी आदि जारी की। केरल, जो कि



पूरे देश में अपनी श्रेष्ठ स्वास्थ्य सेवा के लिए जाना जाता है, ने अपनी ख्याति के अनुरूप इस संक्रमण से निपटने में तत्परता दिखायी। खुद राज्य सरकार ने निपाह से निपटने की कोशिशों के तहत सावधानी

निपाह वायरस : अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- ◆ विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने वर्ष 2018 में निपाह वायरस को इबोला एवं जीका जैसे उन 8 बेहद खतरनाक रोगाणुओं की सूची में शामिल किया है, जिन पर तुरंत शोध-अनुसंधान की आवश्यकता है।
- ◆ निपाह वायरस संक्रमण के कारण मृत्यु दर 40 प्रतिशत से 75 प्रतिशत तक अनुमानित है।
- ◆ निपाह वायरस की इंक्यूबेशन अवधि (Incubation Period) 4 से 14 दिनों के मध्य है अर्थात इस वायरस की चपेट में आने के बाद 4-14 दिनों में रोग के लक्षण दिखने प्रारंभ हो जाते हैं।
- ◆ वर्तमान में निपाह वायरस से ग्रसित किसी मरीज से लगभग 1 मीटर के दायरे में स्थित व्यक्तियों तक विषाणुओं का संचरण श्वसन, छींक इत्यादि माध्यमों द्वारा संभव है। लेकिन अगर यह रोगाणु उत्परिवर्तन के द्वारा वायुवाहित (Airborne) हो जाता है, तो इसे नियंत्रित करना बहुत कठिन हो जाएगा और तब यह वैश्विक महामारी का कारण भी बन सकता है।
- ◆ निपाह वायरस की भयावहता को देखते हुए इस पर एक फिल्म 'कंटेजियन' (Contagion) भी बनी थी। स्टीवन सॉडरबर्ग द्वारा निर्देशित यह फिल्म 3 सितंबर, 2011 को रिलीज हुई थी।

बरतते हुए कई कदम उठाए, जैसे अगली सूचना तक कोझिकोड और मल्लपुरम जिलों में होने वाली तमाम बैठकों को रद्द कर दिया गया, निपाह वायरस की चपेट में आई कुछ नर्सों एवं डॉक्टरों को छुट्टी पर भेज दिया गया तथा कई परीक्षाएं भी रद्द कर दी गईं। केरल की स्वास्थ्य व्यवस्था भी इन मामलों को लेकर काफी सजग रही। यहां डॉक्टरों ने दूसरे मरीज के साथ ही यह पहचान कर ली थी कि मामला निपाह वायरस से जुड़ा है। इन समग्र प्रयासों का ही परिणाम रहा कि केरल में 1 जून, 2018 के बाद से निपाह वायरस संक्रमण के कोई नए मामले दर्ज नहीं किए गए और राज्य सरकार ने 1 जुलाई, 2018 को आधिकारिक रूप से कोझिकोड एवं मल्लपुरम को निपाह-मुक्त घोषित कर दिया।

निपाह वायरस संक्रमण को केरल तक ही सीमित करके उस पर काबू पा लेना निश्चय ही एक बड़ी उपलब्धि है। निस्संदेह स्वास्थ्य अधिकारियों ने केरल के सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्रों में इस संक्रमण के नियंत्रण की दिशा में अच्छा काम किया है, लेकिन अन्य क्षेत्रों में इसके प्रसार की आशंका को खारिज नहीं किया जा सकता है। यहां उल्लेखनीय है कि असम एवं हरियाणा में भी चमगादड़ों की जांच में उनमें निपाह वायरस की उपस्थिति का पता चला है। अतः भविष्य में भी इसके खतरों से बचने के लिए प्रयास जारी रहने चाहिए। ■■■

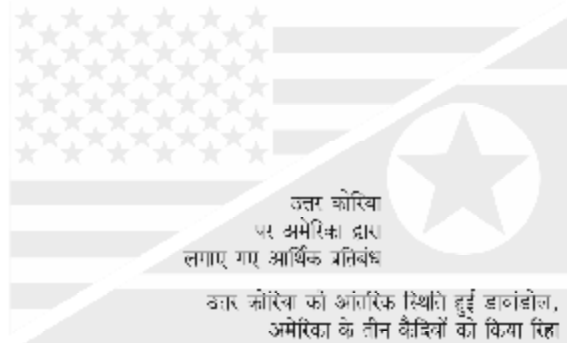
ट्रम्प-किम जोंग उन बैठक : दो ध्रुवों का अप्रत्याशित मिलन

— अंकित पाठक

दुनिया की राजनीति में ऐसे मौके गिने-चुने ही आए हैं, जब दो राष्ट्राध्यक्षों की मुलाकात पर पूरी दुनिया की निगाह टिकी हो और वह मुलाकात इतिहास की किताबों में दर्ज हो चुकी हो। ऐसी ही मुलाकातों ने कई बार दुनिया का भविष्य निर्धारित किया है। कई बार ऐसी मुलाकातों के असफल होने से युद्ध की घोषणाएं हुई हैं, तो कई बार विश्व युद्ध जैसे भयावह युद्धों पर विराम लगा है, कई बार द्विपक्षीय संघर्ष की नींव पड़ी है, तो कई बार शांति स्थापना को लेकर समझौते हुए हैं। यूं तो विश्व राजनीति के इतिहास में ऐसी मुलाकातों ने अपनी निर्णायक भूमिकाएं दी हैं, इसी क्रम में 21वीं सदी के अभी तक के सफर में सबसे महत्वपूर्ण मुलाकातों में से एक उल्लेखनीय मुलाकात डोनाल्ड ट्रम्प और किम जोंग उन के मध्य जून, 2018 में सिंगापुर की धरती पर हुई। इस अप्रत्याशित मुलाकात में एक ओर दुनिया के सबसे ताकतवर मुल्क संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति और दूसरी ओर दुनिया के सबसे अधिक बड़बोले और रहस्यमयी राष्ट्र उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन थे। आने वाले कुछ महीनों और वर्षों में यदि विश्व राजनीति की दिशा कुछ हद तक बदलती है, तो उसमें इस मुलाकात की भूमिका निश्चित तौर पर होगी। प्रस्तुत आलेख में इस ऐतिहासिक मुलाकात की पृष्ठभूमि, इससे उपजे क्षेत्रीय और वैश्विक समीकरण के साथ इसके वर्तमान और भविष्य पर चर्चा की गई है। इसके अलावा दोनों देशों के मध्य शीत युद्ध के दौर से चली आ रही खींचतान और कोरिया प्रायद्वीप का विभाजन और उससे निर्मित संघर्ष की स्थिति का भी विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है।

□ मुलाकात की पृष्ठभूमि

सबसे पहले उन परिस्थितियों का जिक्र करना आवश्यक है, जिससे उत्तर कोरिया और अमेरिका के मध्य नजदीकियां बढ़नी शुरू हुईं। मित्रवत परिस्थितियों को गढ़ने में उत्तर कोरिया की अंदरूनी दिक्कतों ने सबसे अधिक मदद की। अमेरिका के आर्थिक प्रतिबंधों को सबसे अधिक झेलने वाले देशों में उत्तर कोरिया का नाम है। उत्तर कोरिया की आंतरिक स्थिति बद से बदतर होती जा रही थी, उसे अपने व्यापारिक संबंधों को बढ़ाने की जरूरत थी, वह बहुत दिनों तक मात्र चीन के साथ द्विपक्षीय संबंधों के बल पर टिका नहीं रह सकता था। उत्तर कोरिया अपनी सैन्य सुरक्षा को मजबूत करने के लिए वर्षों से अन्य सामाजिक और मानवीय जिम्मेदारियों से पीछे हटता रहा है, लेकिन अब स्थिति गंभीर होती जा रही थी और अमेरिका के साथ संबंध सुधारने का निहितार्थ काफी व्यापक था। उत्तर कोरिया को अमेरिका के मित्र राष्ट्रों का सहयोग भी अमेरिका के साथ दोस्ती करके ही मिल सकता है, खास-तौर पर जब एशिया-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बाद सबसे अधिक दबदबा अमेरिका का है। इन परिस्थितियों में दोनों देशों के प्रमुखों की तरफ से पहलकदमी करने के पहले एक ऐसे व्यक्ति की तरफ से दोनों देशों के बीच संबंध सुधारने और उन्हें वार्ता की मेज पर लाने की कोशिश की गई, जो दोनों देशों



आरेखीय चित्र : ट्रम्प - किम जोंग उन बैठक : दो ध्रुवों का अप्रत्याशित मिलन

के बीच सेतु का काम करता था। ये अमेरिका के मशहूर बास्केटबॉल खिलाड़ी डेनिस रॉडमैन थे, जिन्होंने दोनों देशों के मध्य यह मुलाकात

संभव कराई। डेनिस रॉडमैन अपने समय के एक पेशेवर रेसलर (Wrestler) भी थे, उनकी दोस्ती अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से रेसलिंग के दिनों से ही थी, क्योंकि ट्रम्प भी पेशेवर रेसलिंग कर चुके थे। चूँकि रॉडमैन ने उत्तर कोरिया की कई यात्राएं की थीं, इसलिए उन्हें उत्तर कोरिया के शासक का करीबी समझा जाता था, वे दोनों देशों के मध्य शांतिपूर्ण संबंधों की हिमायत करते रहे हैं। उन्होंने अमेरिकी समाचार-पत्र को दिए एक साक्षात्कार में किम जोंग को एक बेहतरीन इंसान बताया था। रॉडमैन के द्वारा तैयार की गई इस ऐतिहासिक मुलाकात की पृष्ठभूमि की बची-खुची कसर उत्तर कोरिया ने स्वयं तब पूरी कर दी जब अप्रैल के महीने में उसने तीन अमेरिकी कैदियों को रिहा कर दिया। इन अमेरिकी नागरिकों को उत्तर कोरिया ने देश विरोधी गतिविधियों में संलिप्त होने के आरोप में कैद किया था। उत्तर कोरिया के इस कदम से पूरे अमेरिका में उत्तर कोरिया के प्रति सहानुभूति पैदा हुई, निश्चित तौर पर इस सहानुभूति ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर भी असर डाला। इसके बाद ट्रम्प के उत्तर कोरिया के प्रति रुख में बदलाव आया, वरना ट्रम्प के अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के ठीक बाद ही दोनों देशों के मध्य तीखी बयानबाजियां हो रहीं थीं, जिसका उल्लेख आलेख के अगले हिस्से में किया गया है।

□ सिंगापुर में हुई यह ऐतिहासिक मुलाकात

आसियान देशों में व्यापार और वाणिज्य की दृष्टि से पूरी दुनिया के लिए महत्वपूर्ण देश सिंगापुर की भौगोलिक स्थिति उसे कई खूबियों से नवाजती है। यह हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के बीच एक ऐसा केंद्र है, जहां लगभग सभी देशों के दूतावास और बड़ी-बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के अपने कार्यालय हैं। सिंगापुर, अमेरिका के लिए तो हमेशा से पसंदीदा जगह था ही, उत्तर कोरिया के साथ भी उसके रिश्ते अच्छे रहे। सिंगापुर में उत्तर कोरियाई दूतावास की उपस्थिति और पिछले वर्ष तक दोनों के व्यापारिक संबंध भी बने रहे। इसलिए उत्तर कोरिया के लिए सिंगापुर को अपने चिर प्रतिद्वंद्वी देश अमेरिका से मुलाकात के लिए चुनना हर तरह से मुफ़ीद था। सिंगापुर वर्ष 2015 में एक ऐसी ही ऐतिहासिक मुलाकात का गवाह बनकर यह साबित भी कर चुका था कि उसकी धरती सदियों की दुश्मनी को दोस्ती में बदलने के लिए याद की जाती रहेगी। यह मुलाकात चीन और ताइवान के बीच थी, जब दोनों देशों ने अपनी सात वर्ष पुरानी दुश्मनी खत्म करके दोस्ती का हाथ आगे बढ़ाया था। तीन वर्ष बाद सिंगापुर ने फिर एक ऐतिहासिक बैठक की मेजबानी की है। सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सिएन लूंग ने इस मेजबानी का नेतृत्व किया। सिंगापुर के सेंटोसा द्वीप पर उनके दो मेहमान थे— अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उत्तर कोरिया के प्रमुख किम जोंग उन। कुछ महीनों पहले तक अंतरराष्ट्रीय राजनीति में नव शीत युद्ध के कयास लगाए जा रहे थे, लेकिन उत्तर कोरिया और अमेरिका के बीच इस

मुलाकात ने प्रतिस्पर्धा और संघर्ष के नए दरवाजे खोल दिए, जिसका जिक्र आगे किया गया है। फिर भी यह मुलाकात 21वीं सदी की सबसे अहम मुलाकातों में से एक कही जा सकती है। यहां पर उत्तर कोरिया ने अपना परमाणु कार्यक्रम क्रमशः बंद करने का निर्णय लिया, जिसके उपरांत ही उसे अमेरिकी आर्थिक प्रतिबंधों में ढील मिल पाएगी। इसी बैठक के ठीक बाद ही अमेरिकी राष्ट्रपति ने कोरियन प्रायद्वीप में होने वाले अपने नौसैनिक युद्धाभ्यास को बंद करने का निर्णय भी लिया।

□ चीन और अमेरिका का ट्रेड वार

अमेरिका और उत्तर कोरिया के बीच हुई इस मुलाकात पर पूरी दुनिया की नजर थी, क्योंकि इस मुलाकात के बाद विश्व राजनीति में बदलाव होने वाले थे और हुए भी। चीन और अमेरिका के मध्य इसके बाद ही ट्रेड वार छिड़ गया है। वास्तव में चीन नहीं चाहता था कि अमेरिका और उत्तर कोरिया के मध्य दशकों से बिगड़े संबंधों में सुधार हो, क्योंकि एक तरफ चीन उत्तर कोरिया का सबसे पुराना और एकमात्र सहयोगी मित्र है, जिस पर उत्तर कोरिया आर्थिक (उत्तर कोरिया का अधिकांश व्यापार चीन के साथ होता है) और सैन्य रूप से निर्भर है और दूसरी तरफ एशियाई क्षेत्र में चीन अमेरिका का सबसे मजबूत प्रतिद्वंद्वी है। मई, 2018 में उत्तर कोरिया के एक प्रतिनिधिमंडल ने चीन के घरेलू आर्थिक विकास की उपलब्धियों के बारे में जानने के लिए बीजिंग का दौरा किया। इसी के बाद चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और किम जोंग के बीच बैठक भी हुई। चीन और उत्तर कोरिया की निकटता को अमेरिका भी पसंद नहीं कर रहा था, इसलिए अमेरिका की तरफ से एशिया प्रशांत क्षेत्र में चीन के प्रभाव को रोकने के लिए उत्तर कोरिया से हाथ मिलाना जरूरी हो गया था। मौका देखते ही अमेरिका की तरफ से की गई पहल को उत्तर कोरिया ने स्वीकार कर लिया और दोनों देशों के मध्य ऐतिहासिक वार्ता संपन्न हुई, लेकिन चीन इस वार्ता की असफलता में उत्तर कोरिया के साथ अपना आर्थिक हित तलाश रहा था, जो उसके लिए उल्टा पड़ गया। इस मुलाकात के तुरंत बाद ही अमेरिका ने चीनी उत्पादों पर 25 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की घोषणा की। अमेरिका ने उसकी प्रौद्योगिकी में चीन के निवेश के खिलाफ नए उपायों की तलाश शुरू करने की भी बात कही। उसका लक्ष्य चीन की 'मेड इन चाइना, 2025' रिपोर्ट के तहत प्रौद्योगिकी के दस व्यापक क्षेत्रों में वैश्विक नेता बनने की कोशिशों को रोकना है। जवाबी कार्रवाई करते हुए चीन ने भी अमेरिका से आयात होने वाले कुल 659 उत्पादों पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त आयात शुल्क लगाने की घोषणा कर दी। उल्लेखनीय है कि इन उत्पादों की कुल कीमत पचास अरब डॉलर है। चीन ने इसके अलावा भारत समेत 5 एशियाई देशों से सोयाबीन के आयात को शुल्क मुक्त करने की घोषणा भी कर दी। इन एशियाई देशों में भारत के अतिरिक्त दक्षिण कोरिया, बांग्लादेश, लाओस और श्रीलंका हैं। चीन ने इन देशों से आयातित सोयाबीन पर लगे 3 प्रतिशत आयात शुल्क को भी खत्म कर दिया। विदित है कि अब तक चीन के लिए अमेरिका ही

सोयाबीन का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता था। चीन ने एक और कदम उठाते हुए एशियाई क्षेत्र में अमेरिकी वर्चस्व को चुनौती देने की पूरी कोशिश की। उसने इन 5 एशियाई देशों से आयात होने वाले रसायन, कृषि उत्पाद, चिकित्सा उपकरण, कपड़े, स्टील एवं एल्युमीनियम उत्पादों पर भी शुल्क में कमी करने की घोषणा की। चीन ने यह कदम इसलिए भी उठाया क्योंकि अमेरिका चीन पर लगातार यह दबाव बना रहा था कि वह दोनों के मध्य होने वाले द्विपक्षीय व्यापार में अमेरिका का व्यापार घाटा कम करे, जो इस समय लगभग पौने चार सौ अरब डॉलर का है। इस तरह उत्तर कोरिया और अमेरिका के बीच मुलाकात ने चीन और अमेरिका में आर्थिक युद्ध-सा छेड़ दिया है, जिसमें अभी तक चीन ने कम-से-कम एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अपना वर्चस्व कायम किया हुआ है।

□ जेरे बहस में भारत

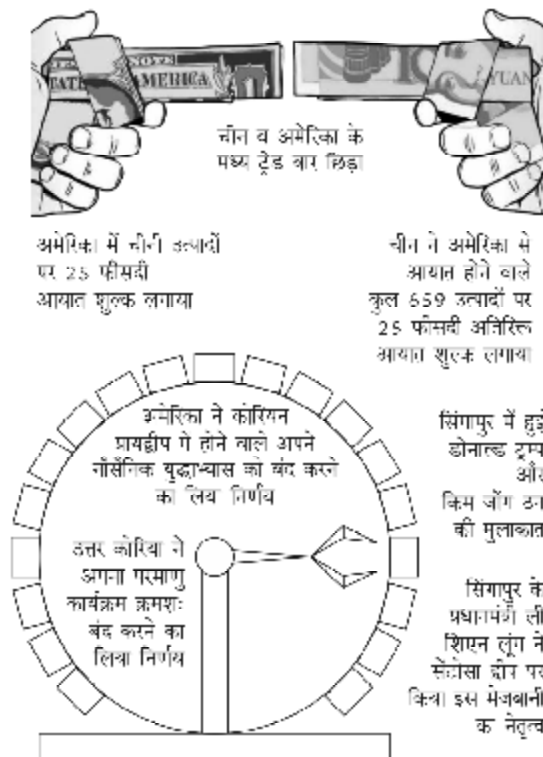
दुनिया के तमाम देशों के साथ भारत भी अमेरिका और उत्तर कोरिया की मुलाकात पर नज़र गड़ाए हुए था। ट्रम्प की उत्तर कोरिया के प्रमुख से हुई मुलाकात के पहले ही मई, 2017 में भारत के विदेश राज्य मंत्री वी.के. सिंह ने उत्तर कोरिया का दौरा किया। यह पिछले बीस वर्षों में किसी भारतीय राजनेता द्वारा की गई उत्तर कोरिया की पहली यात्रा थी। यह भी तब संभव हो पाया जब उत्तर कोरियाई सरकार के आमंत्रण को भारत सरकार ने स्वीकार किया। वी.के. सिंह के द्वारा की गई इस दो दिवसीय यात्रा में उन्होंने उत्तर कोरिया के विदेश मंत्री री योंग हो के साथ नाभिकीय प्रसार के मुद्दों पर बातचीत की। उत्तर कोरिया ने भारत को इस बात के लिए आश्वस्त किया कि उसकी कोई भी गतिविधि भारत की सुरक्षा के लिए चुनौती नहीं होगी। हालांकि भारत ने इसके पहले कई बार उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम का जुड़ाव पाकिस्तान के साथ होने की शंका जताई है और इस संबंध में जांच की मांग भी की है। भारत ने कोरियाई प्रायद्वीप में शांति और समृद्धि की स्थापना के लिए दोनों कोरियाई देशों की हर संभव मदद का आह्वान भी किया। इसके अलावा क्षेत्रीय, आर्थिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक सहयोग के विविध मुद्दों पर दोनों देशों के मध्य बातचीत हुई। उल्लेखनीय है कि चीन के बाद भारत, उत्तर कोरिया का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। उत्तर कोरिया के

कुल व्यापार का तकरीबन 4 प्रतिशत हिस्सा भारत के साथ है। दोनों देशों के मध्य हुई यह मुलाकात और भी महत्वपूर्ण तब हो गई जब उन्होंने अपनी औपचारिक कूटनीतिक संबंधों के 45 वर्ष इसी साल पूरे किए। इस प्रकार भारत के लिए भी यह जरूरी था कि वह अपना हस्तक्षेप ट्रम्प और किम जोंग की मुलाकात के बीच बनाए रखे, जिसमें भारत ने सफलता अर्जित की। हालांकि उत्तर कोरिया की चीन से जगजाहिर निकटता के चलते भारत को इस क्षेत्र में सावधानी बरतने की जरूरत है। निश्चित तौर पर एशिया प्रशांत क्षेत्र में चीन से बढ़ती अमेरिकी प्रतिस्पर्धा में अमेरिका, भारत के सहयोग की अपेक्षा करेगा।

□ कोरियाई प्रायद्वीप का इतिहास और विश्व राजनीति

उत्तर कोरिया के वर्तमान विश्व अर्थव्यवस्था में अलग-थलग पड़े रहने के पीछे, उसकी राजनीतिक कार्यप्रणाली एवं दुनिया की महाशक्तियों के साथ उसके संबंधों को समझने के लिए हमें कोरियाई प्रायद्वीप का इतिहास खंगालना पड़ेगा। शीत युद्ध के जमाने से वर्तमान तक कोरियाई प्रायद्वीप की राजनीतिक शकल के निर्धारण में महाशक्तियों की भूमिका निर्णायक रही। यह कहानी शुरू होती है द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से, जब युद्ध में जापान की पराजय होती है और जापान के उपनिवेशों की बंदरबांट शुरू होती है। जापान के कई उपनिवेशों में एक बड़ा उपनिवेश

कोरियाई प्रायद्वीप भी था। कोरियाई प्रायद्वीप पर लगभग 2 हजार वर्षों तक 'कोर यो' वंश का शासन था, इसलिए इसका नाम कोरिया पड़ गया। लंबे अरसे तक इसे चीन का ही एक हिस्सा समझा जाता था। 18वीं सदी के उत्तरार्द्ध में जापान ने कोरिया के साथ एक समझौता किया, लेकिन बाद में इसका अधिकांश हिस्सा रूस के प्रभाव क्षेत्र में आ गया था। वर्ष 1905 में हुए रूस-जापान युद्ध में रूस को मिली हार के बाद इस क्षेत्र पर जापान का अधिकार हो गया और वर्ष 1910 तक आते-आते यह जापान का अंग बन गया। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद दुनिया की दो महाशक्तियों को यह तय करना था कि जापान जैसे पराजित देशों के उपनिवेशों का क्या करना है। इस संबंध में अमेरिकी



आरेखीय चित्र : ट्रम्प - किम जोंग उन बैठक : दो धुर्यों का अप्रत्याशित मिलन

सरकार ने अपने दो अधिकारियों (डीन रस्क एवं चार्ल्स बोनेस्टेल) को नियुक्त किया, जिन्होंने कोरियाई प्रायद्वीप का विभाजन 38वीं समानांतर

रेखा के साथ उत्तर और दक्षिण कोरिया के रूप में दो हिस्सों में कर दिया। चूंकि यह शीत युद्ध के ठीक शुरू होने का समय था इसलिए ऐसे उपनिवेशों से वैचारिक प्रतिबद्धता की अपेक्षा की जाती थी। सबसे पहले उत्तर कोरिया में साम्यवादी नेता किम इल सुंग को सोवियत संघ का समर्थन मिला और वहां सरकार का गठन (अगस्त, 1948) हुआ और दक्षिण कोरिया के साम्यवाद विरोधी नेता सिंग मान री को अमेरिका का समर्थन मिला, जिससे वहां सरकार का गठन (सितंबर, 1948 में) हुआ। विदित है कि इस समय तक शीत युद्ध की बाकायदा घोषणा हो चुकी थी। पूरी दुनिया में साम्यवाद और पूंजीवाद के बीच प्रतिस्पर्धा का दौर कायम हो चुका था। इस क्रम में दुनिया के एक छोर पर बने दो राष्ट्र भी शीत युद्ध की भयावहता का शिकार होते चले गए। वर्ष 1948 से शुरू हुआ उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया के मध्य युद्ध (जिसे कोरिया संकट के नाम से भी जाना जाता है) तकरीबन 5 वर्ष तक चला, जिसमें लगभग 50 लाख लोग मारे गए। इस संघर्ष पर विराम जुलाई, 1953 में पन्मुनजोम नामक एक गांव में हुआ। इस संघर्ष विराम में हुए समझौते के तहत दोनों देशों के मध्य 250 किलोमीटर लंबी और 4 किलोमीटर चौड़ी एक पट्टी का निर्माण किया गया जिसे 'कोरियन डीमिलिटराइज्ड जोन' घोषित किया गया। हालांकि दोनों देशों के बीच तनाव की स्थिति लगातार बनी रही। दक्षिण कोरिया को अमेरिका का सैन्य सहयोग मिलता रहा और उत्तर कोरिया को युद्ध के दौरान माओ शासित चीन का सैन्य सहयोग मिला, जिसे उसने चीन के साथ वर्ष 1961 में एक संधि के जरिए किसी भी बाह्य आक्रमण की स्थिति में एक-दूसरे की मदद करने के रूप में हमेशा के लिए कर लिया। माओ के बाद दैंग शासित चीन ने इस संधि को वर्ष 2021 तक बढ़ा दिया था।

ऐसी स्थिति में उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया के बीच संवाद की गुंजाइश कम बन रही थी, लेकिन इस दिशा में दक्षिण कोरिया में आयोजित शीतकालीन ओलंपिक खेलों (9-25 फरवरी, 2018) ने प्रमुख भूमिका निभाई। इन खेलों के उद्घाटन समारोह में किम जोंग उन की बहन और उत्तर कोरिया के कुछ अन्य महत्वपूर्ण लोगों ने भाग लिया। इसी वर्ष अप्रैल माह में जब उत्तर कोरिया ने हथियारों की जगह अर्थव्यवस्था पर ध्यान देने की बात कही तो इसका सबसे पहले स्वागत उसके पड़ोसी देश दक्षिण कोरिया ने किया। इसका प्रमाण यह था कि दोनों देशों के बीच 27 अप्रैल, 2018 को उसी गांव में ऐतिहासिक मुलाकात हुई, जहां कोरिया युद्ध का संघर्ष विराम हुआ था। किम जोंग और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जाई के बीच मुलाकात ने अमेरिका और उत्तर कोरिया के शीर्ष नेताओं की मुलाकात की जमीन तैयार की। बाद में अमेरिकी राष्ट्रपति ने भी उत्तर कोरिया की इस पहल का स्वागत किया और दोनों के बीच यह ऐतिहासिक मुलाकात संभव हो पायी। हालांकि एक समय ऐसा भी आ गया था जब लग रहा

था कि उत्तर कोरिया और अमेरिका के बीच परमाणु युद्ध तक छिड़ सकता है। दोनों तरफ से तीखे बयान दिए जा रहे थे। उत्तर कोरिया लगातार मिसाइल परीक्षण कर रहा था, उसने घोषणा कर दी थी कि उसने अमेरिका तक मार करने में सक्षम मिसाइल का निर्माण कर लिया है। यहां तक की उत्तर कोरिया ने हाइड्रोजन बम के परीक्षण को सफलतापूर्वक कर लेने की घोषणा कर दी। फिर भी पिछले कुछ महीनों में उत्तर कोरिया के आंतरिक हालात पर आए संकट, क्षेत्रीय और वैश्विक परिस्थितियों ने ऐसा माहौल बनाया कि दो सबसे प्रतिद्वंद्वी देश वार्ता की मेज पर आ सके।

□ मुलाकात का भविष्य

उत्तर कोरिया एवं अमेरिका के बीच की मुलाकात का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि दोनों देश आने वाले समय में किस प्रकार एक-दूसरे के प्रति अपनी नीतियों में बदलाव की बात करते हैं। हालांकि अंतरराष्ट्रीय राजनीति के कतिपय विद्वानों ने दोनों देशों के शीर्ष नेताओं के बीच हुई मुलाकात की तुलना 20वीं सदी में हुई ऐसी मुलाकातों से की है, जिसके बाद दुनिया की राजनीति में व्यापक बदलाव हुए थे। इन मुलाकातों में कुछ प्रमुख हैं—हिटलर और चेम्बर्लैन (1938) की रुजवेल्ट और स्टालिन (याल्टा सम्मेलन) की, केनेडी और ख्रुश्चेव (1961) की तथा रीगन और गोर्बाचोव (1986) की आदि। ये मुलाकातें विश्व युद्ध के दौरान की हैं या तो शीत युद्ध के दौरान की। इनसे या तो युद्ध विराम की स्थिति आई या फिर दो देशों के मध्य तनावों को कम करने में मदद मिली। लेकिन ट्रम्प और किम के बीच इस मुलाकात से न केवल दोनों देशों के हित जुड़े हैं बल्कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र के अधिकांश देशों के हित भी इस मुलाकात के बाद अमेरिका की तरफ से उठाया गया सबसे महत्वपूर्ण कदम यह भी रहा कि उसने दक्षिण कोरिया से औपचारिक रूप से अमेरिकी सेना हटा ली। लेकिन जून के अंत में अमेरिकी मीडिया में ऐसी भी खबरें आईं, जिसमें यह था कि उत्तर कोरिया ने अभी तक अपना परमाणु कार्यक्रम जारी रखा है। खबरों के मुताबिक उत्तर कोरिया के पास एक से अधिक परमाणु स्थल मौजूद हैं, जहां पर उसने यूरेनियम उत्खनन का कार्य भी तेज कर दिया है। जबकि सिंगापुर में उत्तर कोरिया ने अपने परमाणु कार्यक्रम को बंद करने का वादा किया था। अमेरिकी मीडिया ने उत्तर कोरिया के इस कदम को ट्रम्प के साथ धोखे के रूप में प्रचारित किया है। अब यह आने वाला समय बताएगा कि इस मुलाकात की परिणति किस रूप में होगी? चीन और अमेरिका के बीच जारी व्यापार युद्ध कहां तक जाएगा, यह स्पष्ट होने में कुछ समय और लग सकता है। तब तक इस ऐतिहासिक मुलाकात की सफलता और असफलता के बारे में कयास लगाना थोड़ा कठिन है। फिर भी पिछले दिनों में उत्तर कोरिया के अपने पड़ोसी देशों और महाशक्तियों के साथ दोस्ताना रवैये को देखते हुए एक बेहतर भविष्य की उम्मीद की जा सकती है।

■■■

सामयिक आलेख - 3

सम-सामयिक विचार वैचारिक आलेखों का स्तम्भ

प्रधानमंत्री की इंडोनेशिया, मलेशिया और सिंगापुर यात्रा

— कालीशंकर 'शारदेय'

'ह'जारों वर्षों से हम पूर्व की ओर झुकते आए हैं। यह केवल सूर्योदय के लिए नहीं है, बल्कि उस रोशनी की पूजा करने के लिए है, जो पूरी दुनिया को आलोकित किए हुए है। आज लोग उभरते हुए पूर्व की ओर देख रहे हैं, उन उम्मीदों के साथ जो पूरे विश्व के लिए हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि विश्व का भविष्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र में होने वाले विकास की गहराई से जुड़ा है। पूर्व के देशों के संबंध में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए इस वक्तव्य से उन देशों की महत्ता प्रदर्शित होती है। उनकी इसी महत्ता को समझते हुए भारतीय प्रधानमंत्री ने हाल ही में इस क्षेत्र के तीन देशों- इंडोनेशिया, मलेशिया और सिंगापुर की यात्रा संपन्न की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडोनेशिया गणराज्य के राष्ट्रपति जोको विडोडो के निमंत्रण पर इंडोनेशिया की यात्रा (29-31मई, 2018) और सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सिएन लूंग के निमंत्रण पर सिंगापुर की यात्रा (31मई से 2 जून, 2018) संपन्न की। इसी यात्रा के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री ने 31मई, 2018 को मलेशिया में वहां के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री महाथिर मोहम्मद से भी संक्षिप्त मुलाकात की।

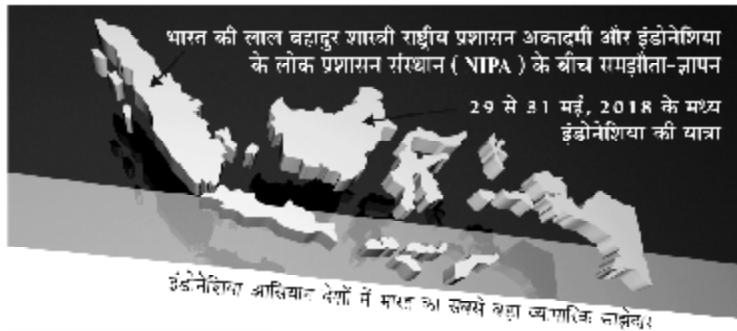
□ प्रधानमंत्री की इंडोनेशिया यात्रा

इंडिया और इंडोनेशिया सिर्फ नाम से मिलते-जुलते नहीं हैं। यह तालमेल सिर्फ तुक (Rhyme) का ही नहीं, बल्कि ताल (Rhythm) का भी है। यह तालमेल हमारी संस्कृति और परंपराओं का, आस्था एवं व्यवस्था का तथा लोक संपर्क एवं लोकतंत्र का है।

इसी संपर्क को मजबूती प्रदान करने के निमित्त भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29-31मई, 2018 के मध्य इंडोनेशिया की यात्रा पर रहे।

● इंडोनेशिया में प्रधानमंत्री का उद्बोधन

30 मई, 2018 को इंडोनेशिया में एक सामुदायिक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि कुछ महीने पहले ही भारत ने सभी 10 आसियान देशों के नेताओं के साथ गणतंत्र दिवस मनाया। आसियान में इंडोनेशिया सबसे बड़ी जनसंख्या वाला देश है। यह संयोग मात्र ही नहीं है कि वर्ष 1950 में भारत के पहले गणतंत्र दिवस के अवसर पर भी इंडोनेशिया के राष्ट्रपति ही मुख्य अतिथि थे। भारतीय मूल के लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि एक वो



आरेखीय चित्र : प्रधानमंत्री की इंडोनेशिया, मलेशिया और सिंगापुर यात्रा

दौर भी था, जब आपके पूर्वजों को अलग-अलग परिस्थितियों की वजह से भारत छोड़ना पड़ा। एक दौर यह भी है जब दुनिया भर

में भारत की मजबूत पहचान बनी है। आज भारत दुनिया की सबसे खुली अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। भारत में रिकॉर्ड स्तर पर विदेशी निवेश हो रहा है। भारत का विदेशी विनिमय भंडार लगभग 300 बिलियन डॉलर से बढ़कर 400 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। ग्रीनफील्ड एफ.डी.आई. को आकर्षित करने वाला भारत विश्व का अग्रणी देश बन गया है। एफ.डी.आई. कॉन्फिडेंस इंडेक्स में भारत शीर्ष दो उभरते बाजारों में से एक है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की रैंकिंग में भारत 130वें स्थान से 100वें स्थान पर आ गया है। अंकटाड की रिपोर्ट में भारत को भविष्य की शीर्ष तीन मजबूत अर्थव्यवस्थाओं में रखा गया है। पिछले 14 वर्षों में पहली बार मूडीज ने भारत की क्रेडिट रेटिंग में सुधार किया है।

प्रधानमंत्री ने अपने उद्बोधन में ओडिशा के कटक स्थित 'बालीजात्रा' का जिक्र किया। बालीजात्रा से तात्पर्य है- इंडोनेशिया के बाली नामक स्थान की यात्रा। सैकड़ों वर्ष पूर्व ओडिशा के महान नाविक कटक से निकलकर ही जावा-सुमात्रा और बोर्नियो तक आते थे। आज भी प्रत्येक वर्ष अक्टूबर-नवंबर माह में भारत के ओडिशा राज्य में 'बालीजात्रा' का उत्सव बहुत ही धूम-धाम से मनाया जाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत यानी हम इंडोनेशिया से 90 नॉटिकल मील दूर नहीं बल्कि 90 नॉटिकल मील पास हैं। इंडोनेशिया में रामकथा को एक नई भूमि और नया परिवेश मिला। यहां रामायण का मंचन करने वाले कलाकार मुस्लिम धर्म से हैं। रामायण और महाभारत जैसी कथाओं और परंपराओं को इंडोनेशिया के सामान्य जन-जीवन में आज भी विशेष स्थान प्राप्त है। आस्था और संस्कृति किस प्रकार साथ-साथ पल्लवित और पोषित होते हैं, उसकी ये बड़ी मिसाल है।

आज भारत और इंडोनेशिया ने अपनी स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप को कॉम्प्लेक्सिटीव स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप का दर्जा दिया है। इंडोनेशिया, आसियान देशों में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। वर्तमान में भारत और इंडोनेशिया के मध्य व्यापार 18 बिलियन डॉलर से अधिक पहुंच गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडोनेशिया के लोगों को अगले वर्ष जनवरी माह में उत्तर प्रदेश के प्रयाग में आयोजित होने वाले कुंभ में आने के लिए आमंत्रित किया।

● भारत-इंडोनेशिया के मध्य समझौता-ज्ञापन/घोषणाएं-

भारतीय प्रधानमंत्री की इंडोनेशिया यात्रा के दौरान निम्नलिखित समझौता-ज्ञापन/घोषणाएं की गईं -

1. सरकार से सरकार (Gto G: Government to Government) का अनुबंध/समझौता-ज्ञापन

- रक्षा के क्षेत्र में सहयोग के लिए भारत और इंडोनेशिया के बीच समझौता
- शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए बाहरी अंतरिक्ष की खोज और उपयोग में सहयोग पर भारत और इंडोनेशिया के बीच संरचनात्मक समझौता

- वैज्ञानिक और तकनीकी सहयोग पर भारत और इंडोनेशिया के बीच समझौता-ज्ञापन
- रेलवे के क्षेत्र में तकनीकी सहयोग पर भारत और इंडोनेशिया के बीच समझौता-ज्ञापन
- स्वास्थ्य सहयोग पर भारत और इंडोनेशिया के बीच समझौता-ज्ञापन
- फार्मास्युटिकल, जैविक और प्रसाधन सामग्री नियामक कार्यों पर भारत और इंडोनेशिया के बीच समझौता-ज्ञापन
- सरकारों के बीच नीति वार्ता और चिंतकों की आपसी बातचीत पर भारत और इंडोनेशिया के बीच समझौता-ज्ञापन
- भारत की लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी और इंडोनेशिया के लोक प्रशासन संस्थान (NIPA) के बीच समझौता-ज्ञापन
- गतिविधियों की योजना का आदान-प्रदान, वर्ष 2019-20 में भारत और इंडोनेशिया के बीच 70 वर्षों के राजनयिक संबंधों का जश्न मनाने के लिए गतिविधियों की योजना बनाना।

2. सरकार से व्यवसाय (Gto B : Government to Business) / व्यवसाय से व्यवसाय (B to B : Business to Business) के बीच समझौता/समझौता-ज्ञापन

- पतंग संग्रहालय, अहमदाबाद और लयांग-लयांग के बीच समझौता/समझौता-ज्ञापन
- ताजमहल और प्रंबानन मंदिर की विश्व सांस्कृतिक विरासत के संबंध में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण और पीटी तामन विसाता कैंडी बोरोबुदूर, प्रंबानन रतु बाको के बीच समझौता-ज्ञापन
- पीटी पिनदाद (पर्सरो) और भुखनवाला के बीच समझौता-ज्ञापन
- भारतीय उद्योग परिसंघ और के.डी.आई.एन. के बीच समझौता-ज्ञापन
- सूचना प्रौद्योगिकी के अंतरराष्ट्रीय संस्थान, बंगलुरु और इंडोनेशिया की संचार और सूचना विज्ञान पर मानव संसाधन विकास और अनुसंधान एजेंसी के बीच समझौता-ज्ञापन
- हिमालय ड्रग कंपनी और पीटी कलाबे फार्मा के बीच समझौता-ज्ञापन

इसके अतिरिक्त इंडोनेशिया में टाटा ट्रक की आपूर्ति में सहयोग करने के लिए टाटा और पीटी पिनदाद इंडोनेशिया द्वारा घोषणा, भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) द्वारा भारत के अपने प्रतिनिधि के साथ जकार्ता, इंडोनेशिया में अपना पहला विदेशी कार्यालय खोलने की घोषणा की गई तथा सहयोगी प्रांत व्यवस्था के तहत बाली और उत्तराखंड को जोड़ने के लिए अप्रैल, 2018 में इरादे के पत्र पर हस्ताक्षर किए गए।

● भारत-प्रशांत क्षेत्र में भारत-इंडोनेशियाई समुद्री सहयोग का साझा दृष्टिकोण

भारतीय प्रधानमंत्री की इंडोनेशिया गणराज्य की यात्रा के दौरान इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सहयोग पर दोनों देशों के साझा दृष्टिकोण पर सहमति व्यक्त की। सहमति के बिंदु इस प्रकार हैं-

- व्यापार और निवेश सहयोग में वृद्धि
- समुद्री संसाधनों के सतत विकास को बढ़ावा देना
- आपदा जोखिम प्रबंधन में सहयोग का विस्तार
- पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करना
- समुद्री सुरक्षा और संरक्षा को बढ़ावा देना
- अकादमिक, विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहयोग को सुदृढ़ बनाना

□ प्रधानमंत्री की सिंगापुर

यात्रा

भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सिंगापुर गणराज्य के प्रधानमंत्री ली सिएन लूंग के निमंत्रण पर 31 मई से 2 जून, 2018 के मध्य सिंगापुर की यात्रा पर रहे। प्रधानमंत्री ने सिंगापुर की राष्ट्रपति हत्तीमा याकूब से भी मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत-सिंगापुर के मध्य सांस्कृतिक संपर्क को प्रदर्शित करने वाले नान्यांग तकनीकी विश्वविद्यालय, भारतीय विरासत केंद्र, चांगी नौसेना बेस समेत कई अन्य स्थानों की यात्रा की। प्रधानमंत्री ने 31 मई, 2018 को 'भविष्य में कदम' नामित व्यापार समारोह में 13 समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें निवेश, प्रोत्साहन, स्टार्ट-अप, फिनटेक, नवाचार, कौशल, कृत्रिम बुद्धि आदि क्षेत्र शामिल हैं। सिंगापुर के प्रधानमंत्री ने नवंबर, 2018 में 33वें आसियान शिखर सम्मेलन के अवसर पर सिंगापुर में प्रधानमंत्री मोदी का पुनः स्वागत करने की इच्छा व्यक्त की।

□ प्रमुख समझौता-ज्ञापन

भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सिंगापुर यात्रा के दौरान भारत और सिंगापुर के मध्य 1 जून, 2018 को निम्नलिखित समझौतों/समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए-

- सी.ई.सी.ए की दूसरी समीक्षा के समापन पर संयुक्त वक्तव्य
- नर्सिंग पर परस्पर मान्यता का अनुबंध
- भारतीय नौसेना और सिंगापुर गणराज्य की नौसेना के बीच परस्पर समन्वय, नौसेना के जहाजों, पनडुब्बियों और विमानों की यात्राओं के लिए लॉजिस्टिक और सेवाओं के समर्थन से संबंधित (जहाज वाहित उड्डयन परिसंपत्तियों सहित) कार्यान्वयन समझौता
- भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार तथा सिंगापुर कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम (सिंगापुर गणराज्य की साइबर सुरक्षा एजेंसी) के मध्य साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग समझौता-ज्ञापन का विस्तार
- नार्कोटिक ड्रग्स, मनोवैज्ञानिक पदार्थों और उनके पूर्ववर्तियों की अवैध तस्करी का मुकाबला करने के लिए सहयोग पर भारत

गणराज्य के नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और सिंगापुर के केंद्रीय नार्कोटिक्स ब्यूरो के बीच समझौता-ज्ञापन

(vi) भारत के कार्मिक प्रबंधन, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय तथा सिंगापुर के लोक सेवा प्रभाग के बीच कार्मिक प्रबंधन और लोक-प्रशासन के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता-ज्ञापन

(vii) वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के आर्थिक मामलों के विभाग और सिंगापुर के मौद्रिक प्राधिकरण के बीच भारत और सिंगापुर में फिनटेक पर संयुक्त कार्यसमूह के गठन पर समझौता-ज्ञापन

(viii) नीति आयोग और सिंगापुर सहयोग उद्यम के बीच योजना के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता-ज्ञापन

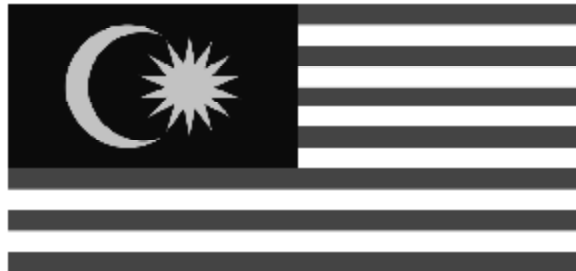
□ शांगरी-ला वार्ता में प्रधानमंत्री

सिंगापुर के वार्षिक सामरिक सम्मेलन शांगरी-ला वार्ता में पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूप में किसी भारतीय नेता ने भागीदारी की। प्रधानमंत्री ने अपने उद्बोधन में विश्व की दो प्रमुख शक्तियों अमेरिका और चीन में सीधे-सीधे

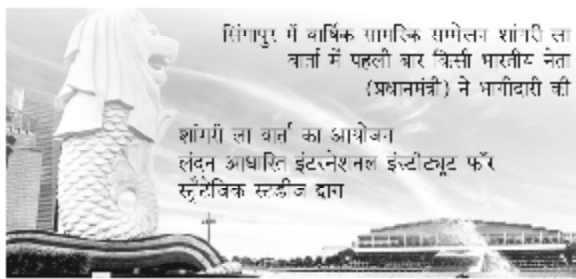
किसी के पक्ष में खड़े न होकर संतुलन की नीति अपनाई। उन्होंने जहां अमेरिका की मौजूदा संरक्षणवादी नीतियों पर हमला बोला, वहीं दक्षिण-चीन सागर में चीन की आक्रामकता की भी आलोचना की।



प्रधानमंत्री ने 29 मई से 2 जून, 2018 के मध्य इंडोनेशिया, मलेशिया और सिंगापुर की यात्रा की



- 31 मई, 2018 की मलेशिया यात्रा थी
- महागिर मोहम्मद 92 वर्ष की अवस्था में मलेशिया के प्रधानमंत्री बनने वाले विश्व के सबसे वयोवृद्ध नेतृ



सिंगापुर में वार्षिक सामरिक सम्मेलन शांगरी ला वार्ता में पहली बार किसी भारतीय नेता (प्रधानमंत्री) ने भागीदारी की

शांगरी ला वार्ता का आयोजन लंदन आधारित इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज द्वारा

आग्नेय चित्र : प्रधानमंत्री की इंडोनेशिया, मलेशिया और सिंगापुर यात्रा

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब भारत और चीन भरोसे और विश्वास के साथ मिलकर काम करेंगे, तो एशिया और दुनिया का भविष्य बेहतर होगा। दोनों देशों को एक-दूसरे के हितों को लेकर संवेदनशील होना होगा। एशिया की प्रतिद्वंद्विता क्षेत्र को पीछे धकेल देगी, जबकि सहयोग इसे वर्तमान सदी में सही आकार देगा। उन्होंने कहा कि, नेतृत्व करने वाली शक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा सामान्य है, लेकिन प्रतिस्पर्धा को कभी भी टकराव और मतभेद का रूप नहीं लेने दिया जाना चाहिए।

हिंद- प्रशांत का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वार्ता के माध्यम से इस क्षेत्र के लिए एक साझा नियम आधारित व्यवस्था तैयार की जानी चाहिए। आतंकवाद और कट्टरता जैसी बड़ी वैश्विक चुनौतियों के बारे में उन्होंने कहा कि परस्पर आश्रित समृद्धि और विफलताओं की दुनिया में कोई भी देश अपने दम पर खुद को न तो आकार दे सकता है और न ही सुरक्षित रख सकता है। संरक्षणवाद के खिलाफ मजबूत संदेश देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि संरक्षण की दीवार के पीछे समाधान की तलाश नहीं की जानी चाहिए। भारत एक खुली और स्थायी अंतरराष्ट्रीय व्यापार व्यवस्था के पक्ष में खड़ा है। वस्तु एवं सेवा क्षेत्र में संरक्षणवाद बढ़ रहा है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत एक नियम आधारित, खुला, संतुलित और स्थिर व्यापार वातावरण का समर्थन करेगा।

प्रधानमंत्री ने उन सरकारों की आलोचना की जो दूसरे देशों को ऐसे कर्ज के बोझ तले दबा देते हैं, जिन्हें चुका पाना संभव नहीं होता। इसके लिए उन्होंने विवादित दक्षिण-चीन सागर में चीन के व्यवहार और उसकी बेल्ट एंड रोड पहल जैसी ढांचागत परियोजनाओं का जिक्र किया जिसमें दूसरे देशों को कर्ज देना शामिल है।

उल्लेखनीय है कि शांगरी-ला वार्ता का आयोजन इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज करती है।

□ प्रधानमंत्री की मलेशिया यात्रा

अपनी तीन देशों की यात्रा के दौरान 31 मई, 2018 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मलेशिया पहुंचे। राजधानी कुआलालम्पुर से लगभग 30 किमी. दूर पुत्राज्या में उन्होंने मलेशियाई प्रधानमंत्री महाथिर मोहम्मद से मुलाकात की। प्रधानमंत्री की मलेशिया यात्रा बहुत संक्षिप्त रही। वे कुछ ही देर मलेशिया में रुके। उसके पश्चात सिंगापुर रवाना हो गए।

मलेशिया के प्रधानमंत्री से मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत बनाने पर सकारात्मक चर्चा हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने महाथिर मोहम्मद को मलेशिया के प्रधानमंत्री बनने पर बधाई दी। उल्लेखनीय है कि वे 92 वर्ष की अवस्था में देश के प्रधानमंत्री बनने वाले विश्व के सबसे वयोवृद्ध नेता हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार के अनुसार, मलेशिया एक रणनीतिक साझेदार और हमारी एक्ट ईस्ट नीति में प्राथमिकता वाला देश है।

□ लुक ईस्ट पॉलिसी से एक्ट ईस्ट पॉलिसी

भारत की 'लुक ईस्ट पॉलिसी' (Look East Policy) अर्थात् 'पूरब की ओर देखो नीति' वर्ष 1992 में तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव द्वारा प्रतिपादित की गई थी। आरंभ में लुक ईस्ट पॉलिसी की परिकल्पना दक्षिण-पूर्व एशिया के संदर्भ में की गई थी। इसकी प्रक्रिया भारत के दक्षिण- पूर्व एशियाई देशों के समूह 'आसियान' के एक क्षेत्रीय वार्ता साझीदार बनने से शुरू हुई। कालांतर में इस नीति का विस्तार पूर्वी एशिया और ओशनिया तक कर दिया गया।

वर्ष 2011 में भारत दौरे पर आई तत्कालीन अमेरिकी विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने भारत के एशिया-प्रशांत क्षेत्र में और अधिक सक्रिय रहने की आवश्यकता पर बल दिया था। उन्होंने भारत से 'लुकिंग ईस्ट' के बजाय 'एक्ट ईस्ट' पर ध्यान देने की अपील की थी। वर्ष 2014 में विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने यह घोषणा की कि अब भारत 'एक्ट ईस्ट' के लिए तैयार है। आगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2014 में 'नाय प्ही टा' में इस कार्यवाही उन्मुखी अपील को पुनः दोहराया।

'एक्ट ईस्ट', 'लुक ईस्ट' का अत्यंत सतर्कता के साथ तैयार किया गया उन्नयन है, जो क्षेत्र में बदलती हुई परिस्थितियों और साथ ही अपनी आर्थिक और सुरक्षा कार्यनीतियों में भारत की प्राथमिकताओं के विकास के प्रति एक असंशोधित प्रतिक्रिया है।

□ निष्कर्ष

भारत के विस्तारित पूर्वी पड़ोस के देशों के साथ घनिष्ठ संबंधों की तलाश की नवीन दृष्टि इसकी घरेलू आर्थिक चुनौतियों तथा सोवियत संघ के पतन और शीत युद्ध के अंत से घटित एक एकल ध्रुवीय विश्व द्वारा चिह्नित बदलती अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के प्रति भारत की सर्वोत्कृष्ट प्रतिक्रिया थी। कई आर्थिक और राजनीतिक समस्याओं से जूझते हुए, भारत ने दो नई समानांतर नीतिगत मार्गों को अपनाया- आर्थिक उदारीकरण के एक घरेलू नीति पथ तथा पूर्व की ओर नीति के रूप में विदेश नीति पथ, जो कि एक गतिशील आसियान क्षेत्र के साथ भारत के व्यापार और निवेश को बढ़ाने में मदद करता है।

बदलती अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में भारत के लिए पूर्व के देशों का महत्व बढ़ गया है। चीन के वर्चस्ववादी दृष्टिकोण को चुनौती देने के लिए भी पूर्व के देशों के साथ संबंध जरूरी है। शांगरी- ला वार्ता में दिए अपने उद्बोधन में भारतीय प्रधानमंत्री ने चीन एवं अमेरिका दोनों को साधने की कोशिश की। एक ओर जहां चीन ने भारत-चीन संबंधों पर प्रधानमंत्री मोदी की सकारात्मक टिप्पणी का स्वागत किया और द्विपक्षीय संबंधों की गति को बनाए रखने के लिए दोनों देशों के नेतृत्व के बीच सर्वसम्मति का अनुसरण करने के लिए भारत के साथ काम करने की इच्छा व्यक्त की। वहीं दूसरी ओर अमेरिकी रक्षा सचिव जिन मैटिस ने भी भारतीय प्रधानमंत्री की सराहना की। प्रधानमंत्री ने सिंगापुर में अमेरिका रक्षा सचिव जिन मैटिस से मुलाकात भी की।

भारतीय प्रधानमंत्री की पूर्व के इन तीन देशों की यात्रा के दौरान अनेक समझौते किए गए तथा संबंधों की प्रगाढ़ता पर बल दिया गया। यह सार्वभौम सत्य है कि सूरज पूरब में ही उगता है और भारत इस उगते हुए सूरज के स्वागत को तैयार खड़ा है।

■■■

वैश्वीकरण की धुन पर संरक्षणवादी तराना

— विकास कुमार शुक्ल

बौद्धिक जगत में आजकल यह जुमला काफी आम है कि, “वैश्वीकरण का जन्मदाता ही उसकी नृशंस हत्या को आतुर है।” यह जुमला अमेरिका पर एक व्यंग्य है। संयुक्त राज्य अमेरिका, जो कल तक खुद को वैश्वीकरण का दारोगा बताता फिरता था, आज संरक्षणवादी चोंगे में खुद को छिपाने का प्रयास करता प्रतीत होता है। भले ही यह जुमला विनोद में कहा जा रहा हो, परंतु यह काफी गंभीर निहितार्थ भी रखता है तथा अनेक गंभीर प्रश्नों को जन्म देता है। एक समय तक वैश्वीकरण का नेतृत्व करने वाला देश अचानक से संरक्षणवादी नीतियों का पोषण क्यों करने लगता है? अमेरिका का इस ओर झुकाव क्या केवल राष्ट्रवादी उन्माद है अथवा आजकल स्वतंत्र व्यापार वास्तव में दूषित हो गया है? यदि स्वतंत्र व्यापार में कुछ खामियां आ भी गई हों (यद्यपि इसे दृढ़ता से नहीं कहा जा सकता है), तो भी क्या संरक्षण ही उसका एकमात्र समाधान है? इन प्रश्नों के अतिरिक्त प्रस्तुत आलेख इस प्रश्न पर भी विचार करता है कि, क्या वैश्वीकरण का दर्शन सुविधानुसार है और क्या किसी भी देश को राष्ट्रवाद के नाम पर इसमें असीमित हस्तक्षेप की अनुमति दी जा सकती है?

□ सैद्धांतिक पृष्ठभूमि

उपर्युक्त प्रश्नों पर विचार करने से पूर्व संरक्षणवाद, व्यापार युद्ध, वैश्वीकरण तथा स्वतंत्र व्यापार की संकल्पनाओं पर एक दृष्टि डाल लेना समीचीन होगा। वैश्वीकरण और संरक्षण एक-दूसरे से विपरीत अवधारणाएं हैं। वैश्वीकरण स्वतंत्र व्यापार पर आधारित होता है, जहां

पर बिना किसी भेदभाव के वस्तुओं एवं सेवाओं का स्वतंत्र प्रवाह (व्यापार) होता है। इसके विपरीत संरक्षणवादी नीति में विदेशी उत्पादों के साथ भेदभाव कर उनकी कीमतों या मात्राओं अथवा दोनों को दुष्प्रभावित किया जाता है, जिससे विदेशी उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता में कमी आए तथा उनके बदले स्वदेशी उत्पादों की मांग बढ़े। इस प्रकार सरकारें घरेलू उद्योगों का विदेशी प्रतिस्पर्धा से संरक्षण करती हैं। संरक्षण के अनेक तरीके प्रचलन में हैं। इनमें से एक तरीका है, विदेशी उत्पादों पर आयात शुल्क की मात्रा में वृद्धि। आयात शुल्क के

बढ़ जाने से विदेशी उत्पाद, घरेलू उत्पादों की तुलना में कम प्रतिस्पर्धी (महंगे होने के कारण या दोनों की कीमतों में अंतर में कमी के कारण) हो जाते हैं तथा उनकी मांग कम हो जाती है। संरक्षण का दूसरा तरीका कोटा निर्धारण है। इसके तहत सरकार आयातित वस्तुओं की अधिकतम मात्रा (Import quota) का निर्धारण कर देती है। अब इस निर्धारित मात्रा से अधिक वस्तुओं का देश में आगमन प्रतिबंधित हो जाता है तथा घरेलू उद्योग उन वस्तुओं से प्रतिस्पर्धा से बच जाते हैं। संरक्षण का तीसरा तरीका है घरेलू उत्पादों को सहायता (Subsidy) देकर उनकी कीमत में कमी करना, जिससे वे विदेशी उत्पादों की तुलना में सस्ते हो जाएं तथा

घरेलू उद्योगों की कीमत पर मात्र सस्ती विदेशी वस्तुओं के द्वारा उपभोक्ता कल्याण छत्र कल्याण

आय व रोजगार का विकल्प खत्म, देश अर्थिक रूप से निर्मम अर्थव्यवस्था



पाकत ने संब, बादाम, अखरोट, कोले आदि जो अमेरिका से आयात होते हैं, उन पर 20-90% तक आयात कर बढ़ाया

अमेरिका ने आयातित स्टील एवं एल्युमीनियम पर आयात कर को बढ़ाया



अनेक उद्योगों द्वारा अमेरिका में सस्ती चीनी वस्तुओं (निशेधनर स्टील एवं एल्युमीनियम) का कच्चे माल के रूप में उपयोग करना होगा महंगा

आरेखीय चित्र : वैश्वीकरण की धुन पर संरक्षणवादी तराना

इनकी मांग बढ़े। इसके अतिरिक्त सरकारें जानबूझकर अपनी मुद्रा के मूल्य को विदेशी मुद्रा की तुलना में कम (अवमूल्यन) कर देती हैं। इससे भी देश के आयात महंगे होकर हतोत्साहित होते हैं तथा देश के

निर्यातों को प्रोत्साहन प्राप्त होता है, जो अंततः घरेलू उत्पादों की मांग को बढ़ाता है। इस प्रकार अवमूल्यन भी घरेलू उद्योगों का संरक्षण करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण होता है।

सैद्धांतिक दृष्टि से संरक्षण से भले ही विदेशी वस्तुओं के साथ भेदभाव कर घरेलू उद्योगों का संरक्षण होता है, परंतु व्यावहारिक रूप से संरक्षण संबंधी गतिविधियों से प्रभावित देश प्रतिक्रिया भी करते हैं। क्रिया-प्रतिक्रिया की प्रक्रिया की पुनरावृत्ति ही व्यापार युद्ध को जन्म देती है, इससे विदेशी उत्पादों के साथ भेदभाव का स्तर बढ़ता जाता है।

□ वर्तमान व्यापार युद्ध

आमतौर पर देखने से चीन और अमेरिका आपस में व्यापार युद्ध में लिप्त नजर आते हैं, परंतु वास्तविक स्थिति अमेरिका बनाम शेष विश्व की बनती जा रही है। मौजूदा व्यापार युद्ध की पृष्ठभूमि पिछले कई वर्षों से बन रही थी। अमेरिका द्वारा अपने यहां आयातित स्टील एवं एल्युमीनियम पर आरोपित आयात कर की दर में वृद्धि ने इसे सतह पर ला दिया। अमेरिका के आयात कर में बढ़ोतरी के कदम को संरक्षणवादी रवैया करार देते हुए चीन सहित संपूर्ण विश्व ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। भारत, चीन सहित अनेक यूरोपीय देशों ने प्रतिक्रिया स्वरूप अमेरिका से आयातित अनेक उत्पादों पर आयात कर की दर को बढ़ा दिया। अमेरिका द्वारा इस पर कड़ा ऐतराज जताते हुए भविष्य में और भी उत्पादों पर आयात कर की दर की पुनर्समीक्षा की बात की गई।

अमेरिका अपने इस कदम को न तो स्वतंत्र व्यापार के खिलाफ मानता है न ही वैश्वीकरण के विरुद्ध। उसका तर्क है कि, यह उसके व्यापार अधिनियम, 1974 (US Trade Act, 1974) की धारा 301के तहत अपारदर्शी एवं अनुचित व्यापार गतिविधियों के विरुद्ध उठाया गया कदम है। अमेरिका का तर्क है कि, विश्व के अनेक देशों ने अपने यहां आयात कर की दर काफी ऊंची रखी है, जबकि अमेरिका में यह काफी नीची है। ऐसे में स्वतंत्र व्यापार संतुलित नहीं है क्योंकि दूसरे देशों के उत्पाद तो अमेरिका में सुगमता से कम कीमतों पर आ जाते हैं, जबकि अमेरिकी उत्पादों के साथ दूसरे देशों में भेदभाव होता है। अमेरिका, चीन पर अनैतिक व्यापार रीतियों को



'अमेरिका प्रथम' का राजनीतिक नारा दबाव की रणनीति का जन्मदाता

तकनीक एवं व्यापार रहरियों के प्रवाह तथा आर्थिक नीतियों से बचाव का हवाला देकर संरक्षणवाद का तृष्णकरण

प्रतिस्पर्धा के अभाव में न तो नीमनों में कमी न ही गुणवत्ता में सुधार की गुंजाइश

आरेखित चित्र : वैश्वीकरण की धून पर संरक्षणवादी नारा

अपनाने का भी आरोप लगाता है तथा उसका कहना है कि, चीन उसकी तकनीक तथा व्यापारिक रहरियों को चुराने की जुगत में रहता है। इस हेतु वह अमेरिकी कंपनियों पर दबाव बनाता है, उन पर अन्यायपूर्ण शर्तें थोपता है तथा साइबर हमलों को मौन समर्थन देता है।

आधिकारिक वक्तव्यों के अतिरिक्त अन्य कारण भी हैं, जो अमेरिकी संरक्षणवादी नीतियों के मूल में हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का 'अमेरिका प्रथम' का राजनीतिक नारा जो सर्वप्रथम अमेरिकी हितों की पूर्ति तथा बाद में अन्य देश के हितों के संरक्षण का अभिप्राय रखता है, भी अमेरिका के इस रुख का प्रमुख कारण है। अमेरिका में उद्योगों के मंथर वृद्धि को प्रोत्साहन, वहां के लोगों को रोजगार दिलाने तथा अमेरिकी आर्थिक संवृद्धि को त्वरित करने हेतु विदेशी प्रतिस्पर्धा पर अवरोध लगाने का विचार भी इसके मूल में नजर आता है। अमेरिका के संरक्षणवादी रुख को सामरिक सुरक्षा की भावना से भी जोड़कर देखा जा रहा है, क्योंकि वह स्टील एवं एल्युमीनियम जैसे सामरिक महत्व के उत्पादों के लिए खुद को चीन पर निर्भर करने का जोखिम नहीं ले सकता है। अमेरिका के इस रुख का आर्थिक संदर्भ भी है। वह चीन के साथ 370 अरब डॉलर से अधिक के व्यापार घाटे (आयात > निर्यात) में है। अतः इस घाटे को दूर करने का लक्ष्य भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण हो सकता है।

कुछ विद्वान अमेरिका के इस कदम को दबाव की रणनीति से भी जोड़कर देख रहे हैं, क्योंकि हो सकता है कि अमेरिका शेष विश्व के देशों पर उनके यहां आयात कर में कमी का दबाव बना रहा हो।

□ व्यापार युद्ध का प्रभाव

व्यापार युद्ध के प्रभावों को लेकर विद्वानों में मतभेद का अभाव दिखायी देता है। कुछ विद्वान इसके गंभीर आर्थिक-राजनीतिक परिणामों की आशंका जताते हैं, तो कुछ विचारक इसे विश्व व्यापार की निवर्तमान विसंगतियों को दूर करने के अवसर के रूप में देखते हैं। व्यापार युद्ध के नकारात्मक परिणाम की आशंका रखने वाले लोगों का तर्क है कि सद्यः व्यापार युद्ध की



सभी देशों द्वारा WTO के मंच से व्यापार विसंगतियों को समावेसी दृष्टि से दूर करना ही उचित उपाय

स्थिति विश्व को पुनः मंदी की ओर धकेल सकती है क्योंकि विश्व में पहले से ही मांग की कमी है और व्यापार युद्ध की स्थिति उत्पादन एवं

रोजगार दोनों को घटाएगी। इसके अतिरिक्त जब स्वतंत्र प्रतिस्पर्धा नहीं होगी, तो नवप्रवर्तन एवं तकनीक में निवेश भी कम होता जाएगा, जो अंततः उत्पादकता एवं उत्पादन दोनों में कमी का कारण बनेगा। इस तरह संरक्षणवादी दृष्टिकोण एवं उससे उत्पन्न व्यापार युद्ध विश्व के उपभोक्ताओं को ऊंची लागत पर कम गुणवत्ता की वस्तुओं तक सीमित रखेंगे। इसका समग्र प्रभाव उपभोक्ता कल्याण को नकारात्मक रूप से प्रभावित करने वाला होगा।

व्यापार युद्ध के सकारात्मक पक्ष को देखने वालों का मानना है कि, यह दीर्घकाल में परस्पर सहयोग को बढ़ाएगा। ऐसा देखा भी जा रहा है कि आजकल तमाम वैचारिक विरोधी देश भी अमेरिका के खिलाफ एकजुट हो रहे हैं। यह व्यापार युद्ध मौजूदा आयात कर में विभेद की संरचना को समानता की ओर ले जाएगा तथा विश्व व्यापार संगठन को और भी मजबूत बनाएगा। इसे एक छद्म स्थिति के रूप में देखा जाना चाहिए तथा शीघ्र ही सकारात्मक परिणाम की आशा की जानी चाहिए।

● अमेरिका पर प्रभाव

मौजूदा परिस्थितियाँ अमेरिका को सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों तरीकों से प्रभावित कर सकती हैं। सस्ती चीनी वस्तुओं पर प्रतिबंध अमेरिकी उद्योगों को प्रोत्साहित करेगा जिससे वहां उत्पादन एवं रोजगार दोनों में वृद्धि होगी तथा अमेरिकी अर्थव्यवस्था त्वरित विकास की स्थिति में आ जाएगी। अमेरिका ने स्टील एवं एल्युमीनियम पर आयात कर की दर को बढ़ाकर भविष्य में इन क्षेत्रों में अमेरिका की चीन पर बढ़ती निर्भरता पर लगाम लगाने का संकेत दिया है। इससे अमेरिका भविष्य में इन रणनीतिक महत्व के उद्योगों में आत्मनिर्भर होगा। अमेरिका ने शेष विश्व को एक कड़ा संदेश भी दिया है कि, वह अपने यहां से बौद्धिक संपदा की चोरी को बर्दाश्त नहीं करेगा। इसके अतिरिक्त यदि अमेरिका की दबाव की यह रणनीति सफल रही और अन्य देशों ने भी अपने यहां आयात करों में कमी कर दी तो इसका लाभ भी अमेरिकी निर्यात को मिलेगा। आयात कर की दर के बढ़ने से अमेरिकी राजस्व में भी वृद्धि (यद्यपि अर्थव्यवस्था के आकार के सापेक्ष अति अल्प) भी होगी।

संरक्षणवादी रुख अमेरिका के संदर्भ में जोखिमपूर्ण भी हो सकता है क्योंकि इससे अमेरिका में कीमतों में बढ़ोतरी होगी तथा अमेरिकी जनता के लिए कम कीमत पर अधिक गुणवत्तापूर्ण वस्तुओं का विकल्प सीमित हो जाएगा। इससे अमेरिकी उद्योगों पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ने की संभावना है क्योंकि अनेक उद्योग जो सस्ती चीनी वस्तुओं (विशेषकर स्टील एवं एल्युमीनियम) को कच्चे माल के रूप में उपयोग करती हैं, की लागतों में वृद्धि होगी, जो उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता में कमी लाएगी। संरक्षणवादी रवैया देश में नवप्रवर्तन तथा गुणवत्ता को भी दुष्प्रभावित करेगा। इसके अतिरिक्त अमेरिका का यह रुख उसकी वैश्विक छवि को भी दुष्प्रभावित कर रहा है क्योंकि

इस रुख के कारण उसे संकीर्ण स्वार्थों से युक्त मानकर वैश्विक मुद्दों पर उसके नेतृत्व से किनारा भी काटा जा सकता है। कुल मिलाकर संरक्षणवादी रुख दीर्घकाल में अमेरिकी उपभोक्ताओं के कल्याण में कमी कर सकता है।

● चीन पर प्रभाव

मौजूदा व्यापार युद्ध में दूसरा बड़ा पक्ष चीन है। इस व्यापार युद्ध से चीन को अत्यधिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। चीन की आर्थिक तरक्की का एक बड़ा पहलू अमेरिका को निर्यात की कमाई है। यहां चीन व्यापार अधिशेष की स्थिति में है। इस स्थिति में यदि चीनी उत्पादों का अमेरिका में निर्यात कम होगा, तो उसका दुष्प्रभाव काफी व्यापक होगा। व्यापार युद्ध के बाद चीनी उत्पादों के साथ चीनी निवेश भी सीमित किया जा सकता है।

जिस तरह से अमेरिका ने चीन पर तकनीक चुराने, साइबर हमले करवाने, अन्यायपूर्ण शर्तें थोपने जैसे आरोप लगाए हैं, उससे चीनी साख दुष्प्रभावित हुई है। इससे अन्य देशों के भी चीन के साथ व्यापार से पीछे हटने की संभावना को नकारा नहीं जा सकता है।

चीन की आंतरिक राजनैतिक स्थिति भी असंतोषजनक है। यदि चीन में नकारात्मक आर्थिक प्रभाव उत्पन्न हुए तो ये नकारात्मक राजनीतिक परिणामों में भी रूपांतरित हो सकते हैं, जिससे चीन की राजनैतिक स्थिरता भी दुष्प्रभावित हो सकती है।

● भारत पर प्रभाव

अमेरिका एवं चीन के मध्य शुरू हुए इस व्यापार युद्ध में भारत ने भी अमेरिका के खिलाफ अपनी प्रतिक्रिया दी है। भारत द्वारा सेब, बादाम, अखरोट, छोले आदि उत्पाद, जो अमेरिका से आयात किए जाते हैं, पर 20 से 90 प्रतिशत तक आयात कर बढ़ा दिया है। वैसे देखा जाए तो भारत में भी उद्योगों को सामाजिक मुद्दा मानते हुए उन्हें संरक्षण मिलता है। अमेरिका के आयात कर में वृद्धि के निर्णय से यद्यपि कुछ भारतीय वस्तुओं का निर्यात भी दुष्प्रभावित हुआ है, परंतु भारत पर प्रभाव सांकेतिक मात्र माना जा सकता है। लेकिन यदि भविष्य में अमेरिका की आयात करों में बढ़ोतरी की प्रवृत्ति जारी रही, तो भारत पर भी इसके नकारात्मक परिणाम देखने को मिल सकते हैं। भारतीय वस्तुओं के निर्यात में कमी भारत की संवृद्धि एवं भारत में रोजगार दोनों को गंभीर रूप से दुष्प्रभावित करेगा। उल्लेखनीय है कि भारत भी अमेरिका के साथ व्यापार शेष (निर्यात > आयात) की स्थिति में है।

मौजूदा व्यापार युद्ध भारत के लिए अवसर भी ले आया है। अमेरिकी एवं चीनी प्रतिस्पर्धा तथा इन देशों की वस्तुओं पर प्रतिबंध तथा इन देशों के उत्पादों की कीमतों में वृद्धि (आयात कर बढ़ने के कारण) भारतीय वस्तुओं के लिए अनुकूल अवसर प्रदान करती है। इसके अतिरिक्त मौजूदा परिस्थितियों में उत्पन्न नेतृत्व निर्वात की स्थिति का लाभ भी भारत को मिल सकता है।

□ क्या संरक्षण ही एकमात्र समाधान है?

वर्तमान में लगभग सभी वैश्विक मंचों पर संरक्षणवाद आलोचनाओं के केंद्र में है। संरक्षणवाद की बढ़ती प्रवृत्ति को वैश्विक विकास में बड़ा अवरोध तथा वैश्विक उपभोक्ताओं के कल्याण में बाधक माना जाता है। इन सीमाओं के बावजूद भी अनेक देश इसे अपनाए हुए हैं या अपनाने हेतु तत्पर दिख रहे हैं। आश्चर्य की बात तो यह है कि कल तक संरक्षणवाद के धुर विरोधी रहे देश भी आजकल इसी राह पर चलते दिखाई दे रहे हैं। संरक्षण के पक्ष एवं विपक्ष दोनों में अनेक तर्क दिए जा रहे हैं।

□ पक्ष में तर्क

संरक्षणवादियों का मानना है कि, घरेलू उद्योगों की कीमत पर मात्र सस्ती विदेशी वस्तुओं के द्वारा उपभोक्ता कल्याण छद्म कल्याण होगा, क्योंकि इससे एक तो लोगों के आय, रोजगार का विकल्प खत्म होता जाएगा। दूसरा, देश भी आर्थिक रूप से निर्भर अर्थव्यवस्था बन जाएगा। आर्थिक निर्भरता दीर्घकाल में ऊंची कीमतों को जन्म देगी, जिससे उपभोक्ताओं के कल्याण पर प्रश्नचिह्न खड़ा होना स्वाभाविक ही है। इसके विपरीत संरक्षण से भले ही तात्कालिक रूप से कीमतों में थोड़ी वृद्धि हो परंतु दीर्घकाल में रोजगार एवं आय दोनों बढ़ेंगे तथा देश व्यापार संतुलन/ अधिशेष की स्थिति को प्राप्त करेगा। संरक्षण का एक और पहलू है समानता, जब देश में स्थानीय वस्तुओं का बाजार होगा तो इसका लाभ सभी को मिलेगा। इससे आय अंतराल तथा संसाधनों तक पहुंच का अंतराल दोनों में कमी आएगी। आर्थिक संरक्षण की स्थिति आत्मनिर्भरता को बढ़ाएगी तथा दूसरे देशों के हस्तक्षेप को कम करेगी। इससे राष्ट्रीय सुरक्षा भी दांव पर नहीं लगेगी। इसके अतिरिक्त स्वतंत्र व्यापार में यह दोष देखा जाता है कि वस्तुओं/ सेवाओं के प्रवाह के साथ-साथ तकनीक एवं व्यापार रहस्यों का भी प्रवाह हो जाता है। ऐसी स्थिति में देश द्वारा प्रौद्योगिकी विकास का प्रयास बौद्धिक चोरी का शिकार हो जाता है। संरक्षण की स्थिति में देश इस स्थिति से बच जाते हैं। संरक्षण से राजस्व वृद्धि का भी लाभ होता है। यद्यपि बड़े देशों के लिए तट कर से प्राप्त राजस्व इतना महत्वपूर्ण नहीं होता तथापि छोटे देशों के लिए यह पर्याप्त महत्व रखता है। संरक्षण का एक और फायदा यह है कि यहां उद्योगों को विकास का पूरा अवसर मिलता है, जबकि स्वतंत्र व्यापार की स्थिति में स्थानीय उद्योग/शिशु उद्योग बहुराष्ट्रीय कंपनियों से प्रतिस्पर्धा की भेंट चढ़ जाते हैं।

□ विपक्ष में तर्क

संरक्षणवाद के आलोचक संरक्षण के सभी स्वरूपों को विश्व के लिए हानिकारक मानते हैं। संरक्षण अल्पकालीन आभासी लाभ भले ही देता हो, परंतु प्रत्येक अर्थव्यवस्था को इसकी कीमत चुकानी होती है। प्रतिस्पर्धा के अभाव में न तो कीमतों में कमी आती है न ही गुणवत्ता

में सुधारा। प्रतिस्पर्धा के अभाव में न तो शिक्षा, तकनीक तथा नवप्रवर्तन में निवेश होता है और न ही उद्यमिता एवं उद्यम वृद्धिमान होते हैं। इसके अतिरिक्त संरक्षण से व्यापार युद्ध की स्थिति उत्पन्न होती है, जो न केवल राष्ट्रीय स्तर पर अपितु अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी कीमतों को बढ़ाता है तथा मांग को कम करता है। इससे रोजगार, उत्पादन, वस्तु की गुणवत्ता एवं आर्थिक विकास व्यापक रूप से दुष्प्रभावित होता है।

संरक्षण धारणीय विकास की दृष्टि से भी उचित नहीं है। संरक्षण के कारण उत्पादन निम्न प्रौद्योगिकी जो अदक्ष होती है, के माध्यम से किया जाता है जिससे संसाधनों का अपव्यय होता है। इसका समग्र परिणाम पर्यावरणीय संकटों के रूप में होता है। इस तरह संरक्षण न तो उत्पादों की गुणवत्ता की दृष्टि से उचित है न ही उनकी कीमतों की दृष्टि से। यह न तो देश के भीतर के कल्याण को बढ़ाता है और न ही वैश्विक कल्याण को।

□ वैश्विक मंच से समाधान

जिस तरह तलवार की धार पर लिखे शांति संदेशों के कोई मायने नहीं होते हैं, उसी तरह विश्व व्यापार की विसंगतियों को दूर करने हेतु संरक्षणवादी उपाय भी तर्कसंगत नहीं माने जा सकते हैं। यद्यपि इस संभावना को नकारा नहीं जा सकता है कि, चीन द्वारा व्यापारिक नैतिकता का उल्लंघन किया गया हो, तथापि अमेरिका की संरक्षणवादी प्रतिक्रिया को भी न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता है। संरक्षण समस्या का समाधान नहीं अपितु खुद अनेक समस्याओं का कारण है। यह सोच कि संरक्षण देश के लोगों के कल्याण को बढ़ाता है, का भी आनुभविक प्रमाण नगण्य है। संरक्षण के मुद्दे पर फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों का कथन कि “ दुनिया के लिए अपने दरवाजे बंद कर लेने से हम दुनिया को आगे बढ़ने से नहीं रोक सकते हैं। यह हमारे नागरिकों के भय को कम नहीं करेगा अपितु उसे और भी बढ़ाएगा। हम अतिवादी राष्ट्रवाद के उन्माद से दुनिया की उम्मीद को नुकसान नहीं पहुंचने दे सकते हैं”, उचित ही प्रतीत होता है।

स्वतंत्र व्यापार की विसंगतियों को दूर करने का उद्देश्य पवित्र है, परंतु इसे हठधर्मिता की रीति से नहीं अपितु वैश्विक मंच से, समावेशी दृष्टिकोण से दूर किया जाना चाहिए। व्यापार युद्ध दोतरफा हानि ही लाती है तथा यह दण्ड विधान के सामान्य सिद्धांत के भी प्रतिकूल है, क्योंकि इसमें दण्ड दोषी (जो देश अनैतिक व्यापार रीति अपनाए) को नहीं अपितु निर्दोषों (स्वयं के नागरिकों) को ऊंची कीमतों के रूप में मिलता है। अतः सभी देशों को आपसी समन्वय से विश्व व्यापार संगठन (WTO) के मंच से व्यापार विसंगतियों को दूर करना चाहिए तभी एक स्वस्थ, पारदर्शी एवं परस्पर सहयोगी व्यापारिक व्यवस्था बन पाएगी।

■■■

सेशेल्स के राष्ट्रपति की भारत-यात्रा

□ सेशेल्स : स्थिति

सेशेल्स अफ्रीकी देश केन्या के तट से पूर्व में 1600 किमी. दूर हिंद महासागर में अवस्थित है। इसकी 90 प्रतिशत जनसंख्या इसके सबसे बड़े 'माहे' द्वीप पर निवास करती है। मानचित्र पर भारत एवं सेशेल्स के मध्य केवल हिंद महासागर की विशाल जलराशि है।

□ हिंद महासागर में बढ़ती रुचि

हिंद महासागर में अंतरराष्ट्रीय शक्तियों की दिनोंदिन बढ़ती रुचि के दृष्टिगत यह जरूरी है कि इस क्षेत्र में भारत की एक सद्ब नौसैन्य योजना हो। हिंद महासागर में विदेशी नौसैन्य गतिविधियों के प्रभावी पर्यवेक्षण एवं नियंत्रण के लिए इस क्षेत्र के द्वीप-देशों से मैत्रीपूर्ण संबंध अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं।

□ सेशेल्स भी है महत्वपूर्ण

वर्ष 2007 में मेडागास्कर में स्थापित भारतीय निगरानी चौकी के अतिरिक्त हिंद महासागर के 2 अन्य द्वीपों - मॉरीशस में अगेलेगा (Agalega) एवं सेशेल्स में एजम्पशन (Assumption) को भारतीय नौसैन्य रणनीति की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थलों के रूप में चिह्नित किया गया है।

□ भारत - फ्रांस - सेशेल्स त्रिकोण

भारत-सेशेल्स संबंधों से एक कोण फ्रांस का भी है। भारत-फ्रांस सामुद्रिक सहयोग हाल के दिनों में काफी बढ़े हैं। एक-दूसरे की सैन्य सुविधाओं के प्रयोग की अनुमति एवं अपने नौसैन्य अड्डों को युद्धपोतों के लिए परस्पर खोलने से संबंधित समझौते ने भारत-फ्रांस संबंधों में खासा इजाफा किया है। फ्रांस के साथ सेशेल्स के ऐतिहासिक संबंध हिंद महासागर में भारत-फ्रांस-

सेशेल्स के मध्य सामुद्रिक साझेदारी के नए आयाम खोलते हैं।

□ सद्यः यात्रा

भारत-सेशेल्स के मध्य स्त्रातजिक संबंधों की उपयोगिता के आलोक में 22-27 जून, 2018 के मध्य सेशेल्स गणराज्य के राष्ट्रपति डैनी फौरे की 6 दिवसीय भारत यात्रा संपन्न हुई।

□ प्रगाढ़ संबंधों की परंपरा

भारत-सेशेल्स संबंध केवल स्त्रातजिक एवं अन्य MoU तक सीमित नहीं रहे हैं। भारतीय परंपरा के अनुरूप उपहारों का भी आदान-प्रदान हुआ है। भारत ने सेशेल्स को इसी यात्रा के दौरान दूसरा डोर्नियर विमान उसके राष्ट्रीय दिवस 29 जून को सौंप दिया। इसके पहले एक ऐसा ही विमान भारत, सेशेल्स को दे चुका है।

सेशेल्स के राष्ट्रपति ने अपनी इस यात्रा के दौरान ही भारत को दो बड़े अल्द्राबा कछुए भेंट में दिए। इन कछुओं की विशेषता इनकी दीर्घायु (300 वर्ष) है। सेशेल्स से ऐसे कछुए भारत पहले भी प्राप्त कर चुका है।

□ समझौते

➔ सेशेल्स के राष्ट्रपति डैनी फौरे की सद्यः यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच कुछ समझौते हस्ताक्षरित हुए, जो इस प्रकार हैं—

1. लघु विकास परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए भारतीय अनुदान सहायता के संबंध में एम.ओ.यू।
➔ ये परियोजनाएं स्थानीय निकायों, शैक्षणिक एवं स्वरोजगार संस्थानों के माध्यम से क्रियान्वित की जाएंगी।

2. पणजी (भारत) एवं विक्टोरिया (सेशेल्स) नगर निगमों के बीच मित्रता तथा सहयोग स्थापना पर युग्म समझौता।



अल्द्राबा कछुआ [वैज्ञानिक नाम (Geochelone gigantea)] IUCN की रेड लिस्ट में Vulnerable श्रेणी में



22-27 जून, 2018 के मध्य सेशेल्स गणराज्य के राष्ट्रपति डैनी फौरे की 6 दिवसीय भारत यात्रा

आरेखीय चित्र : सेशेल्स के राष्ट्रपति की भारत यात्रा

3. इंडियन कंप्यूटर रिसर्च टीम (CERT-in) तथा सेशेल्स के सूचना संचार प्रौद्योगिकी के बीच साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग पर एम.ओ.यू।
 4. वर्ष 2018-2022 के लिए दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम।
 5. भारतीय नौसेना तथा सेशेल्स के राष्ट्रीय सूचना सहभागिता और समन्वय केंद्र के बीच 'व्हाइट शिपिंग इंफॉर्मेशन' पर तकनीकी समझौता।
- नोट :** वाणिज्यिक जहाजों का कलर कोड 'व्हाइट', सैन्य जहाजों का 'ग्रे' तथा अवैध जहाजों का कोड 'ब्लैक' है। वाणिज्यिक जहाजों से संबंधित सूचनाओं का अग्रिम आदान-प्रदान समझौता 'व्हाइट शिपिंग एग्रीमेंट' कहलाता है।
6. भारत के विदेश सेवा संस्थान और सेशेल्स के विदेश मंत्रालय के बीच एम.ओ.यू।

□ लेन-देन ही नहीं विश्वासवर्धन भी

सेशेल्स के साथ हमारा सहयोग परस्पर विश्वास पर ही आधारित होगा। प्रधानमंत्री ने उस 'एजम्पशन द्वीप परियोजना' पर एक-दूसरे के हितों के आधार पर मिलकर कार्य करने का आश्वासन दिया, जिस पर सेशेल्स के विपक्षी दलों ने अपनी आपत्ति दर्ज कराई है। प्रधानमंत्री ने सेशेल्स की राष्ट्रीय प्राथमिकता की परियोजनाओं के लिए प्रभावी योगदान को जारी रखने की भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। इन परियोजनाओं से न केवल सेशेल्स की अर्थव्यवस्था बेहतर होगी बल्कि इससे हमारे आपसी संबंध भी कई गुना प्रगाढ़ होंगे।

□ एजम्पशन आइसलैंड प्रोजेक्ट

भारत एवं सेशेल्स के बीच 'एजम्पशन द्वीप' पर संयुक्त सैन्य सुविधा के निर्माण एवं संचालन संबंधी समझौता वर्ष 2015 में हस्ताक्षरित हुआ था। भारत के सहयोग से निर्मित तट निगरानी रडार प्रणाली वर्ष

2016 से ऑपरेशनल हो चुकी है। एजम्पशन द्वीप पर निर्माण एवं विकास से संबंधित परियोजना का वहां के विपक्षी दल इस आधार पर विरोध कर रहे हैं कि इससे इस क्षेत्र में भारत-चीन क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्विता बढ़ेगी। इस संबंध में भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने स्पष्ट किया है कि 'एजम्पशन आइसलैंड प्रोजेक्ट' दोनों देशों की एक संयुक्त परियोजना है और इसे सेशेल्स सरकार के अनुरोध पर क्रियान्वित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य सेशेल्स के 'अनन्य आर्थिक क्षेत्र' (EEZ) की सुरक्षा में सहायता प्रदान करना है। यह प्रस्तावित प्रसुविधा सेशेल्स के स्वामित्व में होगी और प्रबंधन संयुक्त रूप से किया जाएगा।

□ सुरक्षा चिंताएं

समुद्र तटवर्ती देशों के गहरे समुद्र स्थित पत्तनों के विकास में चीन की संलग्नता इस दिशा में भारतीय जागरूकता का विषय है। जिबूती में चीन द्वारा स्थापित उसके प्रथम सैन्य अड्डे (2017 में) के बाद श्रीलंका के हम्बन्टोटा पत्तन का अधिग्रहण भारत की सुरक्षा चिंताओं को बढ़ाता है। लेकिन सेशेल्स के साथ भारत के संबंध चीन के अन्य द्वीप देशों के साथ संबंधों जैसे नहीं हैं। दोनों देशों ने वर्ष 2003 में ही एक सैन्य सहयोग एम.ओ.यू. हस्ताक्षरित किया था। भारत लगातार सेशेल्स की समुद्री क्षमताओं के संवर्धन में सहयोग प्रदान कर रहा है। इसके लिए सेशेल्स को हेलीकॉप्टर, समुद्र निगरानी विमान एवं पेट्रोलिंग नौकाएं अनुदान में दी गई हैं। केंद्रीय सरकार ने यह स्पष्ट किया है कि हिंद महासागर के देशों के साथ भारत के सहयोग की नीति इसके 'सागर' (SAGAR-Security and Growth for All in the Region) पहल का हिस्सा है। इस नीति के विजन में 'विश्वास एवं पारदर्शी वातावरण', 'अंतरराष्ट्रीय सामुद्रिक नियमों एवं मानदंडों का सभी द्वारा सम्मान', 'एक-दूसरे के हितों के प्रति संवेदनशीलता', 'सामुद्रिक सुरक्षा मुद्दों का शांतिपूर्ण समाधान' और 'सामुद्रिक सहयोग संवर्धन' शामिल हैं। भारत-सेशेल्स संबंध भी इसी नीति से प्रेरित हैं।

जी-7 शिखर सम्मेलन

□ पृष्ठभूमि

➔ जी-7, विश्व की सात सर्वाधिक औद्योगिक एवं विकसित महाशक्तियों

का संगठन है। इस संगठन के सदस्य देश- संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, इटली, जर्मनी एवं जापान हैं।

➔ 1970 के दशक की वैश्विक आर्थिक मंदी व बढ़ते तेल संकट की पृष्ठभूमि में फ्रांस के तत्कालीन राष्ट्रपति वैलेरी जिस्कार्ड डी'एस्टेडिंग के आह्वान पर वर्ष 1975 में इस समूह का गठन हुआ।

☞ समूह के संस्थापक सदस्य तत्कालीन विश्व के सर्वाधिक

औद्योगिक एवं लोकतांत्रिक देश-फ्रांस, अमेरिका, ब्रिटेन, इटली, जर्मनी एवं जापान थे।



सदस्य (non-enumerated member) है, परंतु उसे पृथक सदस्य नहीं माना जाता है।

☞ पेरिस के निकट रम्बोइलेट में वर्ष 1975 में समूह की प्रथम बैठक का आयोजन हुआ।

☞ वर्ष 1976 में कनाडा के इस समूह में सम्मिलित होने के बाद समूह को 'जी-7' नाम दिया गया।

☞ गौरतलब है कि यूरोपीय संघ वर्ष 1977 से ही समूह का सहभागी

- जी-7 एक अनौपचारिक संगठन है, जिसका न तो कोई मुख्यालय है, और न ही सचिवालय। इसका कोई चार्टर भी नहीं है।
- समूह के सदस्य देश, विश्व के ज्वलंत मुद्दों पर वार्ता करने व उसका समाधान निकालने के लिए वार्षिक शिखर सम्मेलन का आयोजन करते हैं।

□ वर्तमान परिदृश्य

➤ 8-9 जून, 2018 के मध्य आयोजित 44वें जी-7 शिखर सम्मेलन की मेजबानी व अध्यक्षता कनाडा द्वारा की गई।

- सम्मेलन का आयोजन चार्लेवोइक्स (Charlevoix), क्यूबेक सिटी, कनाडा में हुआ।

➤ यह छटां अवसर है, जब कनाडा ने इस सम्मेलन की मेजबानी की।

□ शिखर-सम्मेलन के प्रतिभागी

➤ 44वें जी-7 शिखर सम्मेलन में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, ब्रिटिश प्रधानमंत्री थेरेसा मे, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन, जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल, जापान के प्रधानमंत्री शिंजो अबे और इटली के प्रधानमंत्री गिउसेपे कॉन्टे (Giuseppe Conte) शामिल हुए।

➤ यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष जीन क्लाउड जंकर (Jean Claude Juncker) तथा यूरोपीय काउंसिल के अध्यक्ष डोनाल्ड टस्क (Donald Tusk) ने यूरोपीय संघ का प्रतिनिधित्व शिखर सम्मेलन में किया।

- इसके अतिरिक्त 12 देशों के आमंत्रित राष्ट्र प्रमुखों सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठन जैसे- संयुक्त राष्ट्र संघ, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष तथा ऑर्गनाइजेशन ऑफ इकोनॉमिक कोऑपरेशन एंड डेवलपमेंट (OECD) के प्रमुखों ने शिखर सम्मेलन में भागीदारी की।

□ वार्ता में शामिल मुद्दे

➤ जी-7 की परंपरा के अनुसार, मेजबान देश सम्मेलन की अध्यक्षता करने के साथ ही वार्ता में शामिल मुद्दों का भी निर्धारण करता है।

➤ कनाडा द्वारा 44वें शिखर सम्मेलन में वार्ता हेतु शामिल पांच मुख्य मुद्दे निम्न हैं-

- (1) सभी के विकास हेतु निवेश में वृद्धि करना
- (2) भविष्य में रोजगार की संभावनाएं पैदा करना
- (3) महिला सशक्तीकरण एवं प्रगतिशील लैंगिक बराबरी सुनिश्चित करना
- (4) जलवायु परिवर्तन, महासागर एवं स्वच्छ ऊर्जा
- (5) शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित विश्व का निर्माण

□ 'जी 6+1' की चर्चा

➤ फ्रांस की सरकार व राजनीतिक समीक्षकों ने 44वें शिखर सम्मेलन को 'G6+1' सम्मेलन करार दिया। 'G6+1' से अभिप्राय अमेरिका का

अन्य सदस्य देशों के साथ विभिन्न मुद्दों पर टकराव से है।

➤ व्यापारिक संबंधों को लेकर अमेरिका-फ्रांस और अमेरिका-कनाडा के मध्य गतिरोध की स्थिति है।

- इसके अतिरिक्त ईरान के साथ संयुक्त समग्र कार्ययोजना (Joint Comprehensive Plan of Action) के समझौते से हटना, पेरिस जलवायु समझौते से बाहर आना और सीमा शुल्क में वृद्धि से अमेरिका की अन्य सदस्य देशों के साथ टकराव की स्थिति है।

□ लिंग समानता सलाहकार परिषद

➤ 44वें शिखर सम्मेलन की एक प्रमुख उपलब्धि 'लैंगिक समानता सलाहकार परिषद' (Gender Equality Advisory Council) का गठन है।

- सलाहकार परिषद, जी-7 के सदस्य देशों को महिला सशक्तीकरण एवं लैंगिक समानता के मुद्दों पर परामर्श देने का कार्य करेगी।

➤ परिषद का उद्देश्य निजी क्षेत्र की कंपनियों को लैंगिक असमानता की समस्या को समाप्त करने के लिए 'लैंगिक समानता परिषदों' के गठन हेतु प्रोत्साहित करना है।

- उल्लेखनीय है कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने जनवरी, 2018 में विश्व आर्थिक मंच के वार्षिक सम्मेलन के दौरान, विश्व की 21 शक्तिशाली महिलाओं को लेकर 'लैंगिक समानता सलाहकार परिषद' के गठन की घोषणा की थी।

- लिंग समानता सलाहकार परिषद की सह-अध्यक्षता मिलिंडा गेट्स तथा फ्रांस व मोनाको में कनाडा की राजदूत ईसाबेल हुडोन (Isabelle Hudson) द्वारा की गई।

□ अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➤ जी-7 के 44वें शिखर सम्मेलन में अमेरिका द्वारा स्टील व एल्युमीनियम पर आयात ड्यूटी में भारी वृद्धि करने के कारण फ्रांस व जर्मनी ने अंतिम समझौते पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया।

➤ 44वें शिखर सम्मेलन के समापन के अवसर पर सदस्य देशों ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को शांतिपूर्ण बनाए रखने पर प्रतिबद्धता जाहिर की।

➤ गौरतलब है कि रूस के 'जी-7' समूह में शामिल होने से वर्ष 1997 में समूह का नाम 'G-8' पड़ गया, परंतु वर्ष 2014 में सदस्य देशों द्वारा रूस को अनिश्चितकाल के लिए निलंबित करने के कारण, समूह का नाम पुनः 'जी-7' हो गया।

- जी-7 के राष्ट्रों का 45वां शिखर सम्मेलन वर्ष 2019 में फ्रांस में प्रस्तावित है।

सं. धीरेन्द्र त्रिपाठी

जीवनसाथी चुनने का अधिकार

□ वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➔ सर्वोच्च न्यायालय ने 27 मार्च, 2018 को दिए एक निर्णय के तहत 'जीवन साथी चुनने के अधिकार' को मौलिक अधिकार माना है। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा, न्यायाधीश ए.एम. खानविल्कर और न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड की तीन न्यायाधीशों की खंडपीठ ने कहा है कि एक बार जब दो वयस्क व्यक्ति विवाह में प्रवेश करने के लिए सहमत हों तो परिवार या समुदाय या कबीले की सहमति जरूरी नहीं। राज्य या पितृसत्तात्मक सर्वोच्चता द्वारा विवाह करने की सहमति व्यक्त करने वाले वयस्कों को रोकना अवैध है। जब दो वयस्क एक-दूसरे को जीवन-साथी के रूप में चुनते हैं, तो यह उनकी पसंद की एक अभिव्यक्ति है, जो संविधान के अनुच्छेद 19 और 21 के तहत शामिल है।

□ पृष्ठभूमि

➔ शक्तिवाहिनी नामक एक गैर-सरकारी संगठन द्वारा सर्वोच्च न्यायालय में एक याचिका दाखिल कर राज्य सरकारों और केंद्र सरकार को सम्मान के लिए अपराधों (Honour Killings) से निपटने हेतु प्रतिबंधात्मक कदम उठाने के लिए निर्देश मांगा गया था। देश में विशेषकर उत्तर-भारत में बढ़ रही इस प्रकार की हिंसक गतिविधियों को देखते हुए इस संस्था ने यह याचिका दाखिल की थी।

□ सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय

➔ शक्तिवाहिनी बनाम भारत संघ एवं अन्य (Shakti Vahini Versus Union of India and Others) वाद में मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा का निर्णय फ्रांसीसी दार्शनिक और चिंतक सिमोन वेल (Simone Weil) के एक उद्धरण से शुरू होता है, "स्वतंत्रता शब्द को ठोस अर्थ में लेने पर इसमें चयन करने की क्षमता शामिल होती है"।

➔ दो वयस्कों द्वारा विवाह करने के लिए परिवार/समुदाय / कबीले की अनावश्यक सहमति पर न्यायालय ने यह भी कहा

कि एक बार दो वयस्क व्यक्ति के विवाह में प्रवेश करने के लिए सहमत हो जाने पर परिवार या समुदाय या कबीले की सहमति जरूरी नहीं है। खंडपीठ ने निम्नलिखित दिशा-निर्देश जारी किए हैं—

□ निवारक उपाय (Preventive Steps)

➔ राज्य सरकारों को तुरंत उन जिलों, उप-प्रभागों और/या गांवों की पहचान करनी चाहिए जहां पिछले पांच वर्षों में ऑनर किलिंग अथवा खाप पंचायत की सभा के उदाहरण देखने को मिले हैं।

➔ संबंधित राज्यों के गृह विभाग के सचिव यह सुनिश्चित करने के लिए संबंधित जिलों के पुलिस अधीक्षक को यह निर्देश दे कि चिह्नित क्षेत्रों के पुलिस स्टेशन के प्रभारी अतिरिक्त सतर्कता बरतें, यदि कोई अंतर-जातीय या अंतर-धार्मिक विवाह का मामला सामने आता है।

○ यदि कहीं खाप पंचायत की प्रस्तावित सभा के बारे में किसी पुलिस अधिकारी या जिला प्रशासन के किसी अधिकारी को सूचना प्राप्त हो, तो उसे तुरंत अपने वरिष्ठ अधिकारी को सूचित करेंगे।

○ ऐसी जानकारी प्राप्त होने पर पुलिस उपाधीक्षक तुरंत खाप पंचायत के सदस्यों के साथ सहभागिता करके यह बताएं कि ऐसी बैठक/सभा आयोजित करने की कानून द्वारा अनुमति नहीं है।

○ इसके बावजूद भी अगर खाप पंचायत की बैठक आयोजित की जाती है, तो पुलिस उपाधीक्षक व्यक्तिगत रूप से बैठक के दौरान उपस्थित रहेंगे और सभा पर यह प्रभाव डालेंगे कि उस दंपति अथवा जोड़े के परिवार के सदस्यों को नुकसान पहुंचाने वाला कोई निर्णय नहीं लिया जाएगा। सभा के सदस्यों की चर्चा और भागीदारी की वीडियो रिकॉर्डिंग की जाए,

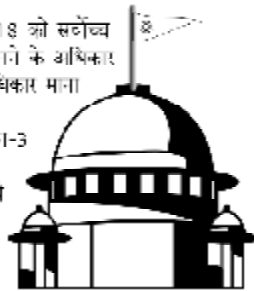
जिसके आधार पर कानून लागू करने वाली मशीनरी उचित कार्रवाई कर सके।

○ पुलिस उपाधीक्षक को ऐसा लगता है कि दंपति या उसके परिवार के सदस्यों को नुकसान पहुंचाया जा सकता है, तो वह तुरंत जिला मजिस्ट्रेट/उप-विभागीय मजिस्ट्रेट को संबंधित क्षेत्र के सक्षम प्राधिकारी सी.आर.पी.सी. की धारा 144 के तहत निवारक

कदम उठाने के आदेश देने के लिए प्रस्ताव करेगा, साथ ही सी.आर.पी.सी. की धारा 151 के तहत सभा में भागीदारी करने वालों की गिरफ्तारी भी।

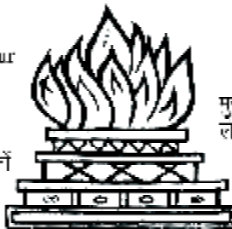
27 मार्च, 2018 को सर्वोच्च न्यायालय ने चुनने के अधिकार को मौलिक अधिकार माना।

संविधान के भाग-3 में संनहित अनुच्छेद 12 से 35, मौलिक अधिकारों के संबंध में



सम्मान के लिए अपराधों Honour Killing से निपटने के लिए प्रतिबंधात्मक कदम

युवाओं को उत्पीड़न की शिकायतों के लिए राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक जिले में विशेष सेल



मजदूमों का अपराध के संज्ञान लेने की दिशि से 6 महीने के अंदर निस्तारण

आयोजित चित्र : जीवन साथी चुनने का अधिकार

□ उपचारात्मक उपाय (Remedial Measures)

➔ राज्य पुलिस द्वारा उठाए गए निवारक उपायों के बावजूद यदि स्थानीय पुलिस के संज्ञान में आता है कि खाप पंचायत ने किसी अंतर-जातीय या अंतर-धार्मिक विवाह करने वाले जोड़े/परिवार के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए आदेश दिया है, तो उस क्षेत्र के पुलिस अधिकारी के पास तुरंत भारतीय दंड संहिता के अधीन धारा 141, 143 तथा धारा 506 के साथ पठित धारा 503 के तहत एफ.आई.आर. दर्ज करने का कारण होगा।

➔ एफ.आई.आर. के बाद पुलिस अधीक्षक/पुलिस उपाधीक्षक को एक साथ सूचना प्रदान की जाएगी, जो यह सुनिश्चित करेगा कि अपराध की प्रभावी जांच हो रही है और तर्कसंगत निर्णय लिया गया है।

- ☉ युगल/परिवार को सुरक्षा प्रदान करने के लिए तत्काल कदम उठाए जाने चाहिए।
- ☉ जिला मजिस्ट्रेट/पुलिस अधीक्षक को अत्यंत संवेदनशीलता के साथ इस तरह के युगल/परिवार के लिए खतरे से संबंधित शिकायत का निपटारा करना चाहिए।

□ दंडात्मक उपाय (Punitive Measures)

➔ किसी भी पुलिस अधिकारी या जिला अधिकारी/अधिकारियों द्वारा निर्देशों का पालन करने की विफलता को जानबूझकर लापरवाही या कदाचार माना जाएगा, जिसके लिए सेवा नियमों के तहत विभागीय कार्रवाई की जानी चाहिए। यह 6 महीने के अंदर ही कर ली जाएगी।

➔ अंतर-जातीय विवाह वाले 4 युगलों के लिए उत्पीड़न की शिकायतों के लिए राज्य सरकार प्रत्येक जिले में विशेष सेल बनाएगी, जिसमें पुलिस अधीक्षक, जिला समाज कल्याण अधिकारी और जिला आदि-द्रविड़ कल्याण अधिकारी शामिल होंगे।

- ☉ ये विशेष सेल इस तरह की शिकायतों को प्राप्त करने और पंजीकरण करने के लिए 24 घंटे की हेल्पलाइन सुविधा प्रदान करेंगे तथा युगलों को आवश्यक सहायता/सलाह और सुरक्षा प्रदान करेंगे।
- ☉ युगलों के खिलाफ ऑनर किलिंग अथवा हिंसा के लिए निर्धारित न्यायालय/फास्ट ट्रैक कोर्ट के समक्ष मुकदमा चलाया जाएगा। मुकदमे को अपराध के संज्ञान लेने की तिथि से 6 महीने के अंदर निस्तारित किया जाएगा।

□ निष्कर्ष

➔ निरंतर बढ़ रही ऑनर किलिंग की घटनाओं के मद्देनजर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया यह ऐतिहासिक निर्णय है। वर्ष 2014 से 2016 के मध्य ऑनर किलिंग के 288 मामले संज्ञान में आए। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2014 में ऑनर किलिंग के 28 मामले, वर्ष 2015 में 192 मामले तथा वर्ष 2016 में 68 मामले संज्ञान में आए। ऐसी स्थिति में जब सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जीवनसाथी चुनने के अधिकार को मौलिक अधिकार घोषित किया गया है, उम्मीद की जानी चाहिए ऑनर किलिंग जैसे आपराधिक कृत्यों को नियंत्रित किया जा सकेगा।

सं. काली शंकर 'शारदेय'

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम-भारत

□ पृष्ठभूमि

➔ जून, 1972 में स्टॉकहोम में आयोजित 'संयुक्त राष्ट्र मानव पर्यावरण सम्मेलन' (United Nations Conference on Human Environment) में लिए गए निर्णयों के कार्यान्वयन के लिए भारतीय संविधान के अनुच्छेद 253 के तहत 'वायु (प्रदूषण रोकथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981' [Air (Prevention and Control of Pollution) Act, 1981] लागू किया गया।

➔ वायु प्रदूषण की समस्या के समाधान के लिए भारत सरकार द्वारा विभिन्न महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं, जिनमें शामिल हैं—राष्ट्रीय परिवेशी (Ambient) वायु गुणवत्ता मानक और उद्योगों हेतु क्षेत्र विशिष्ट उत्सर्जन मानक की अधिसूचना, परिवेशी वायु गुणवत्ता आकलन हेतु निगरानी नेटवर्क की स्थापना, राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता सूचकांक का शुभारंभ, वर्ष 2017 से वाहनों हेतु बीएस-IV मानक का सार्वभौमिकरण, 1 अप्रैल, 2020 से बीएस-VI मानक लागू करने का प्रस्ताव, बायोमास जलाने पर प्रतिबंध, प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण-पत्र, 17 अत्यधिक प्रदूषक औद्योगिक क्षेत्रों द्वारा ऑनलाइन निरंतर (24x7) निगरानी प्रणाली की स्थापना आदि।



➔ सरकार के उपर्युक्त हालिया नीतिगत हस्तक्षेपों से कुछ प्रमुख शहरों में वायु गुणवत्ता में मामूली सुधार हुआ है जो कि पर्याप्त नहीं है।

- ☉ राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक तरीके से शहरी एवं ग्रामीण वायु प्रदूषण की समस्या का सामना करने के लिए समयबद्ध उच्चस्तरीय पहल की आवश्यकता है।
- ☉ इसी आवश्यकता की पूर्ति हेतु अप्रैल, 2018 में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा 'राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम-भारत' [National Clean Air Programme (NCAP)-INDIA] का मसौदा जारी किया गया।

□ लक्ष्य

➔ राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम का लक्ष्य निर्धारित समय-सीमा में देश में सभी स्थानों पर निर्धारित वार्षिक औसत परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों को पूरा करना है।

□ उद्देश्य

➔ व्यापक एवं विश्वसनीय डाटाबेस सुनिश्चित करने हेतु पूरे देश में प्रभावी तथा कुशल परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी नेटवर्क का विकास करना।

➔ वायु प्रदूषण की रोकथाम एवं शमन के लिए समयबद्ध उपायों और वायु प्रदूषण पर सरकार की नीतियों एवं कार्यक्रमों में सार्वजनिक भागीदारी हेतु प्रभावी डेटा प्रसार तथा सार्वजनिक पहुंच तंत्र का विकास करना।

☉ वायु प्रदूषण की रोकथाम, नियंत्रण और उपशमन के लिए व्यवहार्य प्रबंधन योजना का निर्माण करना।

□ सरकार की पहलें

➔ सरकार द्वारा परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी के राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम 'राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता निगरानी कार्यक्रम' (NAMP) का कार्यान्वयन किया जा रहा है।

☉ इसके तहत देश के 29 राज्यों एवं 6 संघ राज्य क्षेत्रों में 303 शहरों/कस्बों में 691 मैनुअल परिचालन स्टेशनों की स्थापना की गई है।

☉ कार्यक्रम के तहत सभी स्थानों पर चार वायु प्रदूषकों यथा- सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन के ऑक्साइड जैसे NO₂, सस्पेंडेड पार्टिकुलेट मैटर (PM10) और फ़ाइन पार्टिकुलेट मैटर (PM2.5) को नियमित निगरानी के लिए चिह्नित किया गया है।

☉ इसके अतिरिक्त 8 प्रदूषकों यथा- PM10, PM 2.5, SO₂, NO_x, अमोनिया, CO, ओजोन एवं बेंजीन की निगरानी हेतु 57 शहरों में 101 वास्तविक समय 'निरंतर परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों' (CAAQMS) की स्थापना की गई है।

☉ इसके अतिरिक्त मंत्रालय द्वारा केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के माध्यम से उद्योगों के 122 विभिन्न क्षेत्रों के लिए 118 उत्सर्जन/प्रवाह मानकों को अधिसूचित किया गया है।

➔ अप्रैल, 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 14 शहरों के लिए राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता सूचकांक का शुभारंभ किया था, जिसे अब 57 शहरों तक विस्तारित कर दिया गया है।

➔ वर्ष 1998 में पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 3(3) तहत 'पर्यावरण प्रदूषण (रोकथाम एवं नियंत्रण) प्राधिकरण' (EPCA) की स्थापना की गई थी।

□ राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम

➔ सरकार द्वारा जारी पहलों एवं मौजूदा वायु प्रदूषण स्तर के मध्य अंतराल के दृष्टिगत मिशन मोड में वायु प्रदूषण के शमन के प्रयास

किए जाने की आवश्यकता है।

➔ राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत देश में वायु गुणवत्ता के संरक्षण में अंतराल को समाप्त करने के लिए व्यापक रणनीति की परिकल्पना की गई है।

➔ कार्यक्रम के तहत 'राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता निगरानी नेटवर्क' का पुनरीक्षण किया जाएगा।

☉ मौजूदा 691 मैनुअल निगरानी केंद्रों की संख्या बढ़ाकर 1000 किया जाना है।

☉ कार्यक्रम के तहत 'निरंतर परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों' (CAAQMS) की संख्या में वृद्धि किया जाना है।

☉ कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में वायु प्रदूषण की निगरानी के लिए 50 निगरानी केंद्रों की स्थापना की जाएगी।

☉ कार्यक्रम के तहत PM2.5 की निगरानी मौजूदा 67 केंद्रों से बढ़ाकर सभी केंद्रों तक किया जाना है।

☉ कार्यक्रम के तहत 10 सिटी सुपर नेटवर्क की स्थापना किया जाना है।

☉ साथ ही 100 गैर-प्राप्ति (Non-Attainment) शहरों के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन योजना का निर्माण किया जाएगा।

☉ कार्यक्रम के अंतर्गत वायु सूचना केंद्र और वायु प्रदूषण निगरानी उपकरणों के प्रमाणन के लिए प्रमाणन निकाय की स्थापना की जाएगी।

विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट, 2018

□ पृष्ठभूमि

➔ जुलाई, 2011 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने एक ऐतिहासिक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें सदस्य देशों को अपने नागरिकों की प्रसन्नता के स्तर को मापने तथा इसके परिणामों का उपयोग लोक नीतियों के निर्माण में करने हेतु निर्देशित किया गया था। इस प्रस्ताव के अनुपालन में अप्रैल, 2012 में भूटान के तत्कालीन प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में 'प्रसन्नता एवं अच्छे रहन-सहन' (Happiness and Well-being) विषय पर संयुक्त राष्ट्र उच्चस्तरीय सम्मेलन आहूत किया गया था। इस सम्मेलन से प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वर्ष 2012 में पहली बार 'विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट' (World Happiness Report) जारी की गई थी।

□ उद्देश्य

➔ वर्ष 2012 से जारी की जाने वाली इस रिपोर्ट का मुख्य उद्देश्य सदस्य देशों को अपने नागरिकों की संतुष्टि एवं प्रसन्नता के स्तर को ध्यान में रखते हुए लोक नीतियों के निर्माण हेतु प्रेरित करना है।

□ वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➔ संयुक्त राष्ट्र महासभा के नेतृत्व में 'संयुक्त राष्ट्र निर्वहनीय विकास समाधान नेटवर्क' (UN Sustainable Development Solution Network : SDSN) द्वारा हाल ही में छठवीं 'विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट, 2018' (World Happiness Report, 2018) जारी की गई। इस रिपोर्ट में 156 देशों को उनकी प्रसन्नता के स्तर के अनुसार तथा 117 देशों को उनके अप्रवासियों (Immigrants) की प्रसन्नता के स्तर के अनुसार रैंकिंग प्रदान की गई है। इस वर्ष की रिपोर्ट का मुख्य फोकस "विश्वस्तर पर खुशी के स्तरों एवं उसमें बदलाव की सामान्य रैंकिंग के अलावा देशों के अंदर और विभिन्न देशों के मध्य प्रवासन पर है।"

□ रिपोर्ट के घटक

➔ इस रिपोर्ट के सर्वेक्षण कार्य के अंतर्गत विभिन्न देशों में लोगों की खुशियों के स्तर को मापने हेतु वर्ष 2015 से 2017 के बीच 6 महत्वपूर्ण निर्धारक कारकों (Key Factors) का प्रयोग किया गया है, जो निम्न हैं—

1. जीडीपी प्रति व्यक्ति आय (GDP Per Capita Income)
2. सामाजिक अवलंबन (Social Support)
3. स्वस्थ जीवन प्रत्याशा (Healthy Life Expectancy)
4. सामाजिक स्वतंत्रता (Social Freedom)
5. उदारता (Generosity)
6. भ्रष्टाचार का अभाव (Absence of Corruption)

□ 2018 की रिपोर्ट

➔ वर्ष 2018 की रिपोर्ट के अनुसार, नॉर्वे को पीछे छोड़ते हुए फिनलैंड विश्व के सर्वाधिक प्रसन्न देशों की सूची में पहले स्थान पर (7.632 अंक) पहुंच गया है।

WORLD HAPPINESS REPORT



देश	स्कोर	2018 (रैंक)	2017 (रैंक)
फिनलैंड	(7.632)	1	5
नॉर्वे	(7.594)	2	1
डेनमार्क	(7.555)	3	2
आइसलैंड	(7.495)	4	3
स्विट्जरलैंड	(7.487)	5	4
नीदरलैंड्स	(7.441)	6	6
कनाडा	(7.328)	7	7
न्यूजीलैंड	(7.324)	8	8
स्वीडन	(7.314)	9	10
ऑस्ट्रेलिया	(7.272)	10	9

➔ उल्लेखनीय है कि शीर्ष 10 देशों में कोई भी एशियाई देश शामिल नहीं है।

➔ गत वर्ष की तुलना में संयुक्त राज्य अमेरिका की रैंकिंग में 4 स्थानों की गिरावट दर्ज की गई है और यह 18वें स्थान पर है।

➔ भारत के दृष्टिकोण से यह रिपोर्ट संतोषजनक नहीं कही जा सकती, क्योंकि रैंकिंग में भारत विगत वर्ष (122वें स्थान) की तुलना में 11 स्थानों की गिरावट के साथ 133वें स्थान (4.190 अंक) पर आ गया है।

➔ विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट, 2018 में **सार्क** देशों की स्थिति

देश	रैंक
पाकिस्तान	75
भूटान	97
नेपाल	101
बांग्लादेश	115
श्रीलंका	116
भारत	133
अफगानिस्तान	145

➔ मालदीव को इस वर्ष की रिपोर्ट में भी स्थान नहीं दिया गया है।

➔ विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट, 2018 में भारत सहित ब्रिक्स (BRICS) देशों की स्थिति निम्न है —

देश	रैंक
ब्राजील	28
रूस	59
चीन	86
दक्षिण अफ्रीका	105
भारत	133

- इस रिपोर्ट में बुरुंडी विश्व का सबसे दुखी देश घोषित किया गया है और वह रैंकिंग में अंतिम (156वें) स्थान पर है।
- विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट, 2018 में रैंकिंग में अंतिम 5 स्थानों पर रहे देशों की स्थिति निम्न हैं—

विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट, 2018 : अंतिम 5 देशों की सूची		
देश	स्कोर	रैंक 2018
बुरुंडी	(2.905)	156
मध्य अफ्रीकी गणराज्य	(3.083)	155
दक्षिणी सूडान	(3.254)	154
तंजानिया	(3.303)	153
यमन	(3.355)	152

- सर्वाधिक प्रसन्न एशियाई देशों में इन्डोनेशिया (11वां स्थान) तथा संयुक्त अरब अमीरात (20वां स्थान) शामिल हैं।

- विश्व खुशहाली (प्रसन्नता) दिवस प्रत्येक वर्ष 20 मार्च को मनाया जाता है।

सं. शिवशंकर कुमार तिवारी

कृषिगत उत्पादन, 2017-18 : तृतीय अग्रिम अनुमान

□ पृष्ठभूमि

➔ विश्व के कुल भौगोलिक क्षेत्र का भारत में लगभग 2.4 प्रतिशत हिस्सा ही आता है, जबकि उसे विश्व की कुल जनसंख्या के लगभग 17.5 प्रतिशत हिस्से को पोषण प्रदान करना होता है। भारतीय कृषि में बेहतर निष्पादन मानसून पर निर्भर करता है। यदि मानसूनी वर्षा सामान्य से कम हुई तो कृषिगत उत्पादन में कमी देखी जाती है, जबकि मानसूनी वर्षा सामान्य अथवा अधिक होने पर कृषिगत उत्पादन में वृद्धि देखी जाती है।

□ वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➔ कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा वर्ष 2017-18 के लिए मुख्य फसलों के उत्पादन के तीसरे अग्रिम अनुमान 16 मई, 2018 को जारी किए गए।

- इन विभिन्न फसलों के उत्पादन का मूल्यांकन राज्यों से प्राप्त प्रतिपुष्टियों तथा इसकी वैधता अन्य स्रोतों से उपलब्ध सूचनाओं पर आधारित है।

□ रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन

➔ मानसून, 2017 के दौरान लगभग सामान्य वर्षा एवं सरकार द्वारा की गई विभिन्न नीतिगत पहलों वें परिणामस्वरूप मौजूदा वर्ष में देश में रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन हुआ है।

➔ वर्ष 2017-18 के लिए तीसरे अग्रिम अनुमानों के अनुसार, देश में

कुल खाद्यान्न उत्पादन 279.51 मिलियन टन तक अनुमानित है, जो वर्ष 2016-17 के दौरान 275.11 मिलियन टन के पिछले रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन की तुलना में 4.40 मिलियन टन अधिक है।

- वर्तमान वर्ष का उत्पादन विगत 5 वर्षों (2012-13 से 2016-17) के औसत खाद्यान्न उत्पादन की तुलना में भी 19.33 मिलियन टन अधिक है।

□ मुख्य फसलों के अनुमानित उत्पादन

➔ वर्ष 2017-18 के दौरान चावल का कुल उत्पादन रिकॉर्ड 111.52 मिलियन टन अनुमानित है।

- वर्ष 2017-18 में चावल का उत्पादन वर्ष 2016-17 के दौरान प्राप्त 109.70 मिलियन टन उत्पादन की तुलना में 1.82

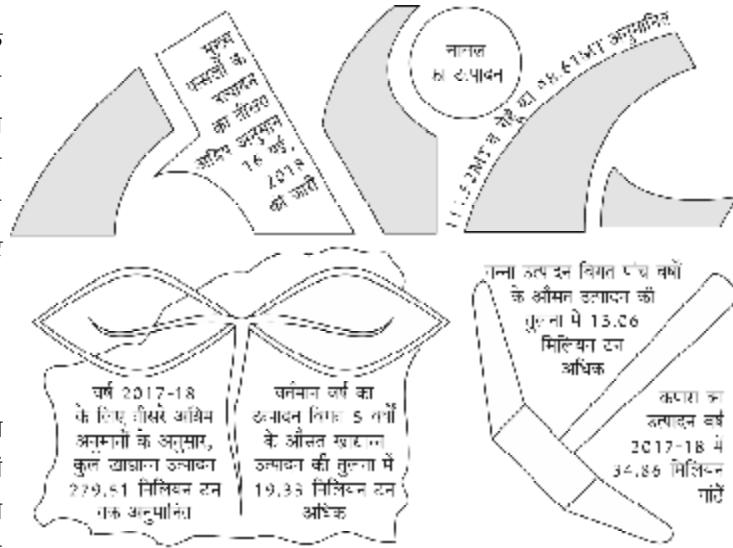
मिलियन टन अधिक है।

- वर्ष 2017-18 में चावल उत्पादन का अनुमान विगत 5 वर्षों के औसत उत्पादन (106.29 मि.टन) की तुलना में भी 5.22 मिलियन टन अधिक है।

➤ वर्ष 2017-18 में गेहूं का कुल उत्पादन रिकॉर्ड 98.61 मिलियन टन अनुमानित है, जो वर्ष 2016-17 के दौरान प्राप्त 98.51 मिलियन टन के उत्पादन की तुलना में 0.10 मिलियन टन अधिक है।

- वर्ष 2017-18 के दौरान

गेहूं का उत्पादन पिछले पांच वर्षों के दौरान इसके औसत उत्पादन की तुलना में 5.28 मिलियन टन अधिक है।



आरेखीय चित्र : कृषिगत उत्पादन, 2017-18 - तृतीय अग्रिम अनुमान

वर्ष 2017-18 में मुख्य फसलों के अनुमानित उत्पादन (मिलियन टन में)			
	वर्ष 2016-17	वर्ष 2017-18	
फसल	अंतिम अनुमान	लक्ष्य	तृतीय अग्रिम अनुमान
चावल	109.70	108.50	111.52
गेहूँ	98.51	97.50	98.61
ज्वार	4.57	5.75	4.73
बाजरा	9.73	9.50	9.08
मक्का	25.90	26.00	26.88
रागी	1.39	2.00	1.96
छोटे अनाज	0.44	0.50	0.44
जौ	1.75	1.90	1.79
मोटे अनाज	43.77	45.65	44.87
कुल अनाज	251.98	251.65	255.00
अरहर (तूर)	4.87	4.25	4.18
चना	9.38	9.75	11.16
उड़द	2.83	2.60	3.28
मूंग	2.17	2.30	1.90
अन्य खरीफ दालें	0.89	1.00	0.80
अन्य रबी दालें	1.77	3.00	1.68
कुल दालें	23.13	22.90	24.51
कुल खाद्यान्न	275.11	274.55	279.51
मूंगफली	7.46	9.00	8.94
रैपसीड और सरसों	7.92	8.10	8.04
सोयाबीन	13.16	14.70	10.93
अन्य तिलहन	2.74	3.70	2.73
कुल नौ तिलहन	31.28	35.50	30.64
गन्ना	306.07	355.00	355.01
कपास#	325.77	355.00	348.62
जूट और मेस्ता##	109.62	117.00	106.24

→ लाख गांठें प्रत्येक 170 किग्रा.

→ लाख गांठें प्रत्येक 180 किग्रा.

➔ मोटे अनाजों का उत्पादन 44.87 मिलियन टन अनुमानित है, जो औसत उत्पादन की तुलना में 3.17 मिलियन टन अधिक है।

☞ इसके अलावा यह वर्ष 2016-17 के दौरान प्राप्त 43.77 मिलियन टन उत्पादन की तुलना में 1.10 मिलियन टन अधिक है।

➔ वर्ष 2017-18 के दौरान दलहनों का कुल उत्पादन रिकॉर्ड 24.51 मिलियन टन अनुमानित है, जो विगत वर्ष के दौरान प्राप्त 23.13 मिलियन टन उत्पादन की तुलना में 1.37 मिलियन टन अधिक है।

☞ वर्ष 2017-18 के दौरान दलहनों का उत्पादन विगत 5 वर्षों के औसत उत्पादन की तुलना में 5.66 मिलियन टन अधिक है।

➔ वर्ष 2017-18 के दौरान तिलहनों का कुल उत्पादन 30.64 मिलियन टन अनुमानित है, जो वर्ष 2016-17 के दौरान प्राप्त 31.28 मिलियन टन उत्पादन की तुलना में 0.64 मिलियन टन कम है।

☞ फिर भी वर्ष 2017-18 के दौरान तिलहनों का अनुमानित उत्पादन विगत 5 वर्षों के औसत उत्पादन की तुलना में 1.09 मिलियन टन अधिक है।

➔ वर्ष 2017-18 के दौरान गन्ने का उत्पादन 355.10 मिलियन टन अनुमानित है, जो वर्ष 2016-17 के उत्पादन की तुलना में महत्वपूर्ण रूप से 49.03 मिलियन टन अधिक है।

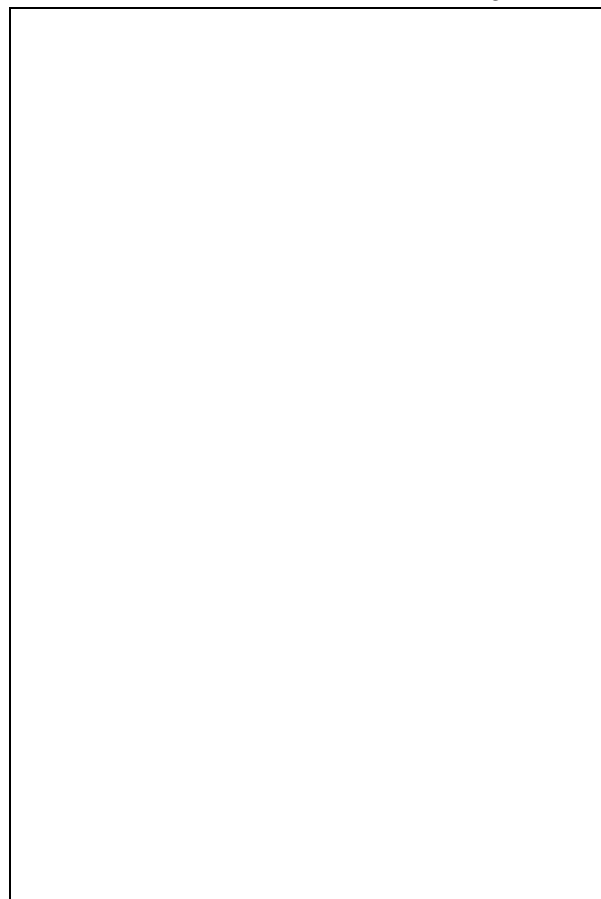
☞ वर्ष 2017-18 में अनुमानित गन्ना उत्पादन विगत पांच वर्षों के औसत उत्पादन (342.04 मिलियन टन) की तुलना में भी 13.06 मिलियन टन अधिक है।

➔ कपास का उत्पादन वर्ष 2017-18 में 34.86 मिलियन गांठें (प्रति 170 किग्रा. की) अनुमानित है, जो विगत वर्ष के 32.58 मिलियन गांठों के उत्पादन की तुलना में 2.28 मिलियन गांठें अधिक हैं।

☞ इसके अलावा यह विगत 5 वर्षों के औसत उत्पादन (33.50 मिलियन गांठें) की तुलना में 1.36 मिलियन गांठें अधिक हैं।

➔ वर्ष 2017-18 में पटसन एवं मेस्ता का उत्पादन 10.62 मिलियन गांठें (प्रति 180 किग्रा. की) अनुमानित है, जो वर्ष 2016-17 के दौरान प्राप्त उत्पादन की तुलना में कम है।

सं. शिवशंकर कुमार तिवारी



वैश्विक खाद्य संकट रिपोर्ट, 2018

□ पृष्ठभूमि

➔ वैश्विक खाद्य संकट रिपोर्ट विश्वभर में खाद्य संकट से प्रभावित विभिन्न देशों में विकट खाद्य असुरक्षा की स्पष्ट तस्वीर प्रदान करने के लिए क्षेत्रीय और राष्ट्रीय डेटा एवं विश्लेषण को एक रिपोर्ट में समाहित करती है। रिपोर्ट में संघर्ष, जलवायु परिवर्तन एवं प्राकृतिक आपदा और मुद्रास्फीति जैसे कारकों के प्रभाव का अध्ययन किया जाता है। साथ ही इसमें पोषण की स्थिति, कुपोषण के कारकों, खाद्य खपत, देखभाल प्रक्रियाओं और सार्वजनिक स्वास्थ्य से संबंधित कारकों पर विचार किया जाता है। यह रिपोर्ट मानवीय नियोजन और निर्णयन के मार्गदर्शन के लिए साक्ष्य आधारित विश्लेषण प्रस्तुत करती है।

□ प्रकाशन

➔ हाल ही में वैश्विक खाद्य संकट रिपोर्ट का तीसरा संस्करण 'वैश्विक खाद्य संकट रिपोर्ट, 2018' (Global Report on Food Crises, 2018) प्रकाशित हुआ।

➔ यह रिपोर्ट 'खाद्य सुरक्षा सूचना नेटवर्क' (Food Security Information Network) के अधीन शीर्ष 12 वैश्विक एवं क्षेत्रीय संस्थानों द्वारा सामूहिक रूप से तैयार की गई।

⊕ यह रिपोर्ट दुनिया भर में खाद्य संकट का विषयगत एवं देश-विशिष्ट विश्लेषण उपलब्ध कराती है।

□ महत्वपूर्ण तथ्य

➔ रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2017 में 51 देशों के लगभग 124 मिलियन लोग गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे थे।

➔ वर्ष 2017 में उत्तर-पूर्वी नाइजीरिया, सोमालिया, यमन और दक्षिण सूडान के लगभग 32 मिलियन लोग बदतर खाद्य संकट में थे।

⊕ जबकि वैश्विक खाद्य संकट रिपोर्ट, 2017 में 48 देशों के 108 मिलियन लोगों को खाद्य सुरक्षा संकट से ग्रस्त घोषित किया गया था।

⊕ दोनों वर्षों (2017 एवं 2018) की वैश्विक खाद्य संकट रिपोर्ट में शामिल 45 देशों की तुलना में खाद्य असुरक्षा से ग्रस्त

लोगों की संख्या में 11 मिलियन (11%) की वृद्धि का पता चलता है।

➔ वर्ष 2017 में 18 देशों में विकट खाद्य असुरक्षा के प्रमुख कारण संघर्ष एवं असुरक्षा थे और यहां लगभग 74 मिलियन खाद्य असुरक्षित लोगों की तात्कालिक सहायता की आवश्यकता थी।

⊕ इन 18 देशों में से 11 देश अफ्रीका के थे, जहां 37 मिलियन लोग विकट खाद्य असुरक्षा से ग्रस्त थे।

⊕ अत्यधिक जलवायु संबंधी घटनाएं, मुख्य रूप से सूखा, 23 देशों में खाद्य संकट का कारण थीं, जिसके कारण वर्ष 2017 में लगभग 39 मिलियन खाद्य असुरक्षित लोगों को तात्कालिक सहायता की आवश्यकता थी।

⊕ इनमें से लगभग 32 मिलियन लोगों के साथ दो-तिहाई देश अफ्रीका के थे।

➔ खाद्य असुरक्षा के प्रमुख कारक संघर्ष, विस्थापन एवं जलवायु परिवर्तन थे।

⊕ साथ ही महामारी और प्राथमिक चिकित्सा, स्वच्छता एवं पेयजल तक सीमित पहुंच ने कई देशों में कुपोषण की स्थिति उत्पन्न की।

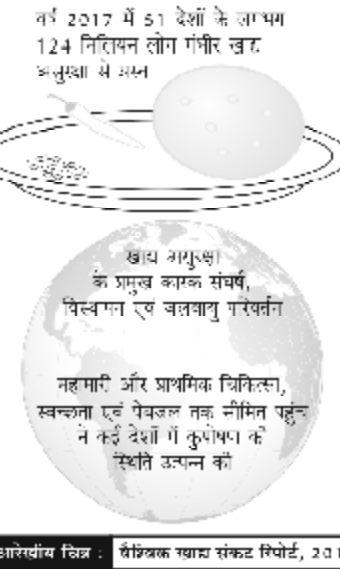
⊕ रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2018 में खाद्य सुरक्षा संकट के कारक संघर्ष एवं असुरक्षा बने रहेंगे जिससे अफगानिस्तान, मध्य अफ्रीकी गणराज्य, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, उत्तर-पूर्व नाइजीरिया, दक्षिण सूडान, सीरिया, लीबिया आदि प्रभावित होंगे।

⊕ यमन में सबसे बड़ा खाद्य संकट जारी रहेगा।

⊕ दक्षिण अफ्रीका में वर्ष 2016-17 की तुलना में स्थिति में सुधार होने का अनुमान है।

□ निष्कर्ष

➔ वैश्विक खाद्य संकट रिपोर्ट, 2018 विश्व में व्याप्त खाद्य असुरक्षा को रेखांकित करती है। साथ ही वैश्विक खाद्य संकट के समाधान के लिए



क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहल किए जाने की आवश्यकता पर बल देती है।

सं. नीरज ओझा

चिट फंड (संशोधन) विधेयक, 2018

□ पृष्ठभूमि

➔ भारत में चिट फंड एक देशी कारोबार है, जो निम्न आय वाले व्यक्तियों की वित्तीय आवश्यकताओं की परंपरागत रूप से पूर्ति करता है। चिट एक ऐसा तंत्र है, जो किसी योजना में जमा एवं बचतों को संयोजित करता है। चिट फंडों का विनियमन करने के लिए चिट फंड अधिनियम, 1982 अधिनियमित किया गया है। चिट फंड कारोबार से संबंधित चुनौतियों के समाधान के लिए उक्त अधिनियम में संशोधन करने हेतु सिफारिश करने के लिए भारत सरकार ने एक सलाहकार समिति का गठन किया था। समिति की सिफारिशों पर सरकार द्वारा 'चिट फंड (संशोधन) विधेयक, 2018' को प्रस्तावित किया गया है।

□ उद्देश्य

➔ विधेयक का उद्देश्य चिट फंड कारोबार का विकास करना और चिटों के अभिदाताओं के हितों की सुरक्षा के लिए संस्थागत एवं विधिक ढांचे में सुधार करना है।

□ संशोधन विधेयक

➔ 12 मार्च, 2018 को लोक सभा में चिट फंड (संशोधन) विधेयक, 2018 को पेश किया गया।

☉ इस विधेयक को 27 अप्रैल, 2018 को वित्त पर संसद की स्थायी समिति के विचारार्थ भेज दिया गया।

➔ इस विधेयक के माध्यम से चिट फंड अधिनियम, 1982 में संशोधन किया जाएगा।

☉ संसद द्वारा पारित होने एवं राष्ट्रपति के अनुमोदन के पश्चात यह विधेयक 'चिट फंड (संशोधन) अधिनियम, 2018' के नाम से प्रवृत्त होगा।

□ प्रावधान

➔ विधेयक के तहत चिट फंड के लिए प्रयोग किए जाने विभिन्न नामों यथा- चिट, चिट फंड, कुरी के साथ ही 'मैत्री फंड' को भी शामिल किया गया है।

➔ विधेयक में चिट निकालते समय कम से कम दो अभिदाताओं के वैयक्तिक रूप से या वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहने का प्रावधान किया गया है।

☉ विधेयक में चिट फंड के प्रधान (फोरमैन) के कमीशन को चिट

की कुल राशि का 5 प्रतिशत से बढ़ाकर 7 प्रतिशत कर दिया गया है।

➔ उल्लेखनीय है कि चिट फंड अधिनियम, 1982 किसी ऐसे चिट पर लागू नहीं होता जिसकी राशि 100 रुपये से कम है।

☉ जबकि संशोधन विधेयक में 100 रुपये की सीमा को हटाते हुए राज्य सरकारों को आधार राशि तय करने की अनुमति प्रदान करने का प्रावधान है।

□ चिट फंड की कार्य प्रणाली

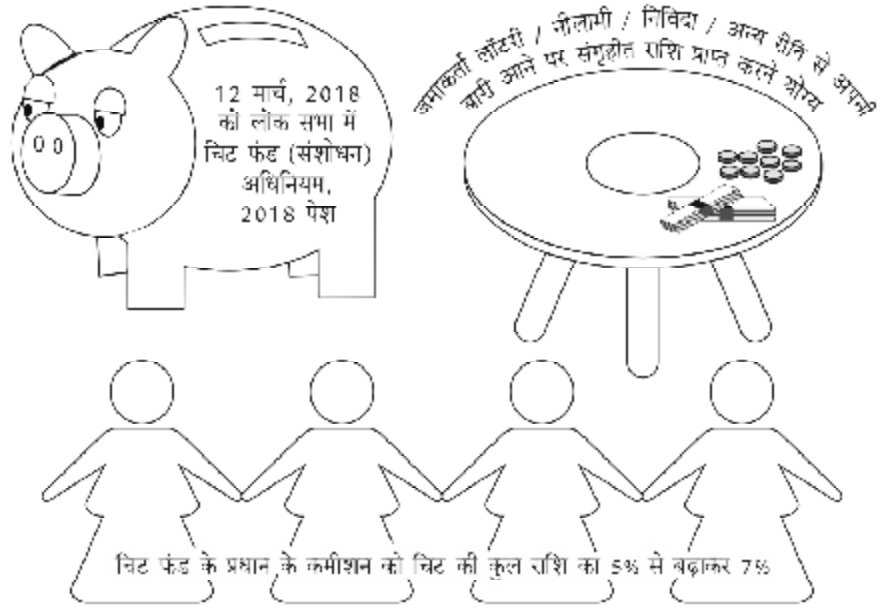
➔ चिट फंड में व्यक्तियों का एक समूह किसी पूर्व निर्धारित समयावधि के लिए एक साथ जुड़ते हैं और आवधिक किश्तों के माध्यम से धन की कतिपय राशि जमा करते हैं।

☉ ऐसा प्रत्येक जमाकर्ता लॉटरी द्वारा या नीलामी द्वारा या निविदा द्वारा या किसी अन्य विनिर्दिष्ट रीति से अपनी बारी आने पर संगृहीत राशि प्राप्त करता है।

☉ इस प्रकार से वे व्यक्ति जिन्हें निधियों की आवश्यकता है, वे अपनी आवश्यकताओं की समकालीन रूप से पूर्ति करने में समर्थ होते हैं।

□ निष्कर्ष

➔ इस विधेयक के पारित होने के बाद चिट फंड कारोबार को विनियमित करने, पारदर्शी बनाने और जमाकर्ताओं के हितों की सुरक्षा



आरेखीय चित्र : चिट फंड (संशोधन) विधेयक, 2018

करने में मदद मिलेगी। साथ ही इससे चिट फंड कारोबार का भी विस्तार होगा।

राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान

□ पृष्ठभूमि

→ राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (RUSA) उच्चतर शिक्षा विभाग (मानव संसाधन विकास मंत्रालय) की योजना है, जिसका उद्देश्य राज्य विश्वविद्यालयों और कॉलेजों का वित्तपोषण करना है। ताकि वे समानता, सुगमता एवं उत्कृष्टता प्राप्त कर सकें। यह केंद्र प्रायोजित योजना वर्ष 2013 में प्रारंभ की गई थी।

□ वर्तमान परिप्रेक्ष्य

→ हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने 'राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान' को 1 अप्रैल, 2017 से 31 मार्च, 2020 तक जारी रखने को स्वीकृति प्रदान की।

□ उद्देश्य

→ दूसरे चरण में राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान का उद्देश्य 70 नए मॉडल डिग्री कॉलेजों और 8 नए व्यावसायिक कॉलेजों की स्थापना करना, 10 चयनित राज्य विश्वविद्यालयों एवं 70 स्वायत्त कॉलेजों की गुणवत्ता तथा उत्कृष्टता में वृद्धि करना और 50 विश्वविद्यालयों एवं 750 कॉलेजों को अवसंरचना सहयोग उपलब्ध कराना है।

□ प्रमुख लक्ष्य

→ राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के दूसरे चरण में निम्नलिखित कार्य किया जाना प्रस्तावित है—

- वर्ष 2020 तक देश के सकल नामांकन अनुपात को 30 प्रतिशत तक बढ़ाना।
- राज्य सरकारों द्वारा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में खर्च में बढ़ोतरी करने के लिए प्रयास करना।
- अकादमिक सुधार, प्रशासनिक सुधार, संबद्धता सुधार आदि सुधारों के माध्यम से राज्यों में उच्च शिक्षा की पहुंच एवं उपलब्धता में सुधार करना।
- सामाजिक रूप से वंचित समुदायों को उच्च शिक्षा के लिए उपयुक्त अवसर उपलब्ध कराने के माध्यम से उच्च शिक्षा में समानता लाने में करना।
- साथ ही महिलाओं, अल्पसंख्यकों, अनुसूचित जाति/अनुसूचित

जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्गों और दिव्यांग व्यक्तियों के समावेशन को प्रोत्साहित करना।

- उच्च शिक्षा में वर्तमान अंतराल को चिह्नित कर उसे समाप्त करना।
- गुणवत्तायुक्त उच्च शिक्षा, शोध एवं नवाचार में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए राज्यों तथा संस्थानों के मध्य स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को समर्थन देना।

□ वित्तीय प्रावधान

→ वर्ष 2017-18 से 2019-20 की अवधि के दौरान राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान का वित्तीय परिव्यय इस प्रकार है—

क्र.सं.	मद	रुपये (करोड़ में)
1.	वचनबद्ध देनदारी (केंद्रीय हिस्सेदारी)	2453.54
2.	नए प्रस्ताव-केंद्रीय हिस्सेदारी@65%	4648.18
3.	योजना में कुल केंद्रीय हिस्सेदारी, 2017-18 से 2019-20 तक प्रभावी	7101.72
4.	योजना का कुल खर्च (नए प्रस्तावों में राज्यों की हिस्सेदारी समेत)	9604.58

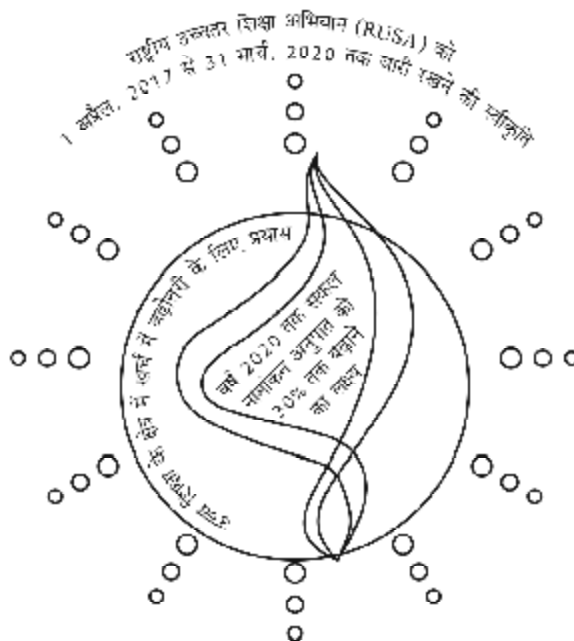
→ सभी उपघटकों के लिए सार्वजनिक वित्त पोषित संस्थानों में परियोजना व्यय केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों के मध्य साझा तौर पर वहन किया जाता है जिसका अनुपात पूर्वोक्त राज्यों, जम्मू एवं कश्मीर, हिमाचल प्रदेश तथा उत्तराखंड के लिए 90 : 10; अन्य राज्यों एवं विधानमंडल वाले संघशासित क्षेत्रों के लिए 60:40 और बिना विधानमंडल वाले संघशासित क्षेत्रों के लिए 100 :0 है।

□ नए उपाय

→ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की दो योजनाओं नामतः 'उत्कृष्टता हेतु क्षमतावान विश्वविद्यालय' (UPE) और 'उत्कृष्टता हेतु क्षमतावान कॉलेज' (CPE) वगे 'चयनित राज्य विश्वविद्यालयों में गुणवत्ता एवं उत्कृष्टता बढ़ाना' और 'स्वायत्तशासी कॉलेजों

में गुणवत्ता एवं उत्कृष्टता बढ़ाना' के घटकों के रूप में समायोजित कर दिया गया है।

→ 'शोध एवं नवाचार संबंधी घटक' राज्यों में 20 शोध संकुलों (Research Clusters) के सृजन के माध्यम से नवाचार, उद्यमशीलता



आंतरराष्ट्रीय चित्र - राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान



UGC की स्थापना वर्ष 1956 में

आरेखीय चित्र : राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान

और रोजगार परकता को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित करेगा।

► यह योजना नीति आयोग द्वारा चिह्नित आकांक्षी जिलों (Aspirational Districts) को प्राथमिकता देगी।

- ☉ राष्ट्रीय उच्च शिक्षा संसाधन केंद्र (NHERC) की स्थापना की जाएगी जो अनुसंधान, क्षमता निर्माण आदि का संसाधन केंद्र होगा।
- ☉ संस्थानात्मक सुधार एवं पुनर्निर्माण, क्षमता निर्माण एवं प्रबंधन सूचना प्रणालियों के घटकों को एकल घटक 'संस्थानात्मक पुनर्निर्माण, क्षमता निर्माण एवं सुधार' में शामिल किया गया है।
- ☉ राज्य उच्च शिक्षा क्षेत्र में अधिक संसाधन प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए राज्यों एवं संस्थानों को सार्वजनिक-निजी भागीदारी के आधार पर परियोजनाएं प्रारंभ करने हेतु प्रोत्साहित किया जाएगा।

□ निष्कर्ष

► राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान को जारी रखने से राज्य के विश्वविद्यालयों एवं स्वायत्तशासी कॉलेजों में शिक्षण तथा अनुसंधान में सुधार होगा, साथ ही राज्यों में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में निजी निवेश में भी वृद्धि होगी।

सं. नीरज ओझा

रूस में राष्ट्रपति चुनाव

□ पृष्ठभूमि

- रूसी संघ का राष्ट्रपति राज्य का प्रमुख और संविधान तथा मानव एवं नागरिक अधिकारों तथा स्वतंत्रताओं का उत्तरदायी होता है।
- राष्ट्रपति का चुनाव रूसी संघ के नागरिकों द्वारा गुप्त मतदान के माध्यम से सार्वभौमिक, समान और प्रत्यक्ष मताधिकार के आधार पर किया जाता है।

- ☉ राष्ट्रपति प्रत्येक नागरिक के अधिकारों एवं स्वतंत्रताओं के संरक्षण, रूसी संघ के संविधान के संरक्षण और राज्य की संप्रभुता, स्वतंत्रता, सुरक्षा एवं अखंडता की रक्षा की शपथ ग्रहण करता है।

□ राष्ट्रपति चुनाव

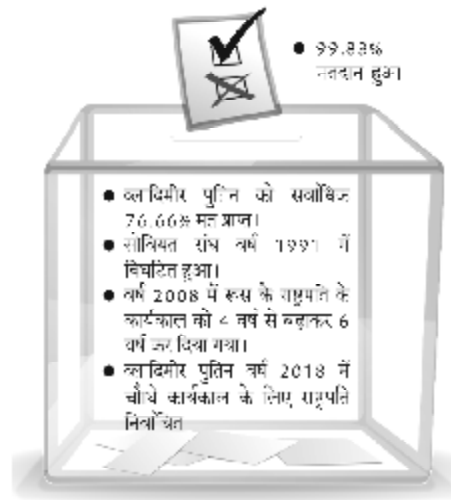
- 18 मार्च, 2018 को रूसी संघ के राष्ट्रपति पद हेतु चुनाव संपन्न हुए।
- रूसी केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा राष्ट्रपति चुनाव के लिए 8 उम्मीदवार पंजीकृत किए गए थे।

- ☉ रूसी संघ के निवर्तमान राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में राष्ट्रपति चुनाव में शामिल हुए।
- ☉ व्लादिमीर झिरिनोवस्की (Vladimir Zhirinovski) और पावेल ग्रुडिनिन (Pavel Grudinin) क्रमशः लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ रूसिया (LDPR) एवं कम्युनिस्ट पार्टी के उम्मीदवार थे।
- ☉ राष्ट्रपति चुनाव में शामिल अन्य उम्मीदवार पार्टी ऑफ ग्रोथ के

बोरिस तितोव, पार्टी याब्लोको के ग्रीगोरी यावर्लेस्की, सिविल इनीशिएटिव की सेनिया सोब्वाक, रसियन पीपुल्स यूनियन के सर्गेई बाबुरिन और कम्युनिस्ट्स ऑफ रूसिया के मैक्सिम सुराइकिन थे।



18 मार्च, 2018 को रूसी संघ के राष्ट्रपति पद हेतु चुनाव संपन्न



आरेखीय चित्र : रूस में राष्ट्रपति चुनाव

□ चुनाव परिणाम

- घोषित चुनाव परिणाम के अनुसार, निवर्तमान राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को सर्वाधिक 76.69 प्रतिशत मत प्राप्त हुए।
- ☉ पावेल ग्रुडिनिन 11.8 प्रतिशत मत पाकर रूसी संघ के राष्ट्रपति चुनाव में दूसरे स्थान पर रहे।

- राष्ट्रपति चुनाव में शामिल अन्य उम्मीदवारों में व्लादिमीर झिरिनोवस्की को 5.65 प्रतिशत, सेनिया सोब्बाक को 1.68 प्रतिशत, ग्रिगोरी यावलिंस्की को 1.05 प्रतिशत, बोरिस तितोव को 0.76 प्रतिशत, मैक्सिम सुराइकिन को 0.68 प्रतिशत तथा सर्गेई बाबुरिन को 0.65 प्रतिशत मत प्राप्त हुए।
- रूस के केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा व्लादिमीर पुतिन को राष्ट्रपति चुनाव में विजेता घोषित किया गया।
- गौरतलब है कि विपक्षी नेता एल्क्सी नेवल्नी (Alexei Navalny) को आपराधिक दोषसिद्धि के कारण राष्ट्रपति चुनाव में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया गया था।

❑ शपथ ग्रहण

- 7 मई, 2018 को मॉस्को स्थित ग्रैंड क्रेमलिन पैलेस में आयोजित समारोह में व्लादिमीर पुतिन ने रूसी संघ के राष्ट्रपति पद की शपथ ग्रहण की।
 - रूस के संवैधानिक न्यायालय के अध्यक्ष वैलेरी जोरकिन ने व्लादिमीर पुतिन को रूसी संघ के राष्ट्रपति की शपथ दिलाई।
 - शपथ ग्रहण समारोह में रूसी संसद के उच्च सदन फेडरेशन काउंसिल की अध्यक्ष वलेंटीना मैटविंको तथा निम्न सदन स्टेट ड्यूमा के अध्यक्ष ब्यावेस्लाव वोलोदिन शामिल हुए।

❑ व्लादिमीर पुतिन

- व्लादिमीर पुतिन का जन्म 7 अक्टूबर, 1952 को लेनिनग्राद में हुआ था।

- अगस्त, 1999 में व्लादिमीर पुतिन रूस के प्रधानमंत्री नियुक्त किए गए।
- दिसंबर, 1999 में वह रूस के कार्यकारी राष्ट्रपति बने।
- मई, 2000 में व्लादिमीर पुतिन पहली बार रूस के राष्ट्रपति बने और मार्च, 2004 में वह दूसरे कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति निर्वाचित हुए।
- मई, 2008 में वह रूस के प्रधानमंत्री नियुक्त किए गए।
- मार्च, 2012 में व्लादिमीर पुतिन तीसरी बार और मार्च, 2018 में चौथे कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति निर्वाचित हुए।

❑ अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- वर्ष 2008 में रूस के राष्ट्रपति के कार्यकाल को 4 वर्ष से बढ़ाकर 6 वर्ष कर दिया गया था।
- राष्ट्रपति के चुनाव में विजय के लिए उम्मीदवार को आधे से अधिक मत प्राप्त करना आवश्यक होता है।
 - दमित्रि मेदवेदेव वर्ष 2008-2012 के मध्य रूस के राष्ट्रपति थे।
 - रूसी संघ के पहले राष्ट्रपति बोरिस येल्तसिन थे, जो वर्ष 1991-1999 तक राष्ट्रपति रहे।

❑ निष्कर्ष

- व्लादिमीर पुतिन के एक बार फिर रूस का राष्ट्रपति बनने से देश की अर्थव्यवस्था के सशक्तीकरण एवं रोजगार सृजन में वृद्धि में मदद मिलेगी। साथ ही संयुक्त राज्य अमेरिका एवं यूरोप के साथ रूस के संबंधों में भी सुधार होगा।

रक्षा उत्पादन नीति, 2018

❑ पृष्ठभूमि

- भारत सरकार ने आम बजट 2018-19 में घोषणा की थी कि सार्वजनिक क्षेत्र, निजी क्षेत्र और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (MSMEs) द्वारा घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उद्योग अनुकूल 'रक्षा उत्पादन नीति, 2018' लाई जाएगी। उपर्युक्त घोषणा के अनुसरण में सरकार द्वारा हाल ही में 'रक्षा उत्पादन नीति, 2018' का मसौदा जारी किया गया।

❑ विजन

- रक्षा उत्पादन नीति, 2018 का विजन (Vision) सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी के साथ अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और रक्षा उद्योग में भारत को विश्व के शीर्ष पांच देशों में स्थान दिलाना है।

❑ लक्ष्य एवं उद्देश्य

- रक्षा उत्पादन नीति, 2018 के लक्ष्य एवं उद्देश्य निम्नलिखित हैं—
 1. एक गतिशील, मजबूत और प्रतिस्पर्धी रक्षा उद्योग को प्रोत्साहन करने वाले वातावरण का निर्माण करना।

2. प्रौद्योगिकी के तेजी से समावेशन की सुविधा प्रदान करना और देश में एक श्रेणीबद्ध रक्षा उत्पादन पारितंत्र का निर्माण करना।
3. आयात पर वर्तमान निर्भरता को कम करना और वर्ष 2025 तक लड़ाकू विमान, युद्धपोत आदि जैसी हथियार प्रणालियों/प्लेटफार्मों के निर्माण एवं विकास में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना।
 - वर्ष 2025 तक लगभग 2-3 मिलियन रोजगार सृजन और लगभग 70,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त निवेश समेत रक्षा वस्तुओं एवं सेवाओं में 17,000 करोड़ रुपये का टर्नओवर हासिल करना।
 - वर्ष 2025 तक रक्षा वस्तुओं एवं सेवाओं में 35000 करोड़ रुपये का निर्यात प्राप्त करना।

❑ प्रमुख प्रावधान

- रक्षा उद्योगों के लिए लाइसेंसिंग प्रक्रिया उदारीकृत की जाएगी और 30 दिनों के भीतर सभी लाइसेंस आवेदनों का निपटारा किया जाएगा।

➔ मुक्त प्रतिस्पर्धा (Open Competition) रक्षा खरीद का आधार बनी रहेगी।

➔ रक्षा में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) व्यवस्था को उदार बनाया जाएगा और विशिष्ट प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में स्वचालित मार्ग के तहत 74 प्रतिशत तक एफडीआई की अनुमति होगी।

➔ घरेलू विनिर्माण को आकर्षक बनाने के लिए कर व्यवस्था को तर्कसंगत बनाया जाएगा।

➔ रक्षा उत्पादन केंद्रों की स्थापना के लिए सुविधा एवं अत्याधुनिक अवसंरचना उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्यों की भागीदारी में दो रक्षा उद्योग गलियारों (Defence Industry Corridors) का निर्माण किया जाएगा।

➔ भारत सरकार द्वारा प्रत्येक रक्षा उद्योग गलियारा के निर्माण हेतु 50 प्रतिशत (3000 करोड़ रु. की सीमा तक) सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

➔ गुणवत्ता नियंत्रण प्रक्रिया की समीक्षा की जाएगी और इसे सर्वोत्तम वैश्विक प्रक्रियाओं से संबद्ध किया जाएगा।

➔ भारत की रक्षा विनिर्माण क्षमताओं का प्रदर्शन करने और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए डिफेंस एक्सपो एवं एयरो एक्सपो को प्रमुख वैश्विक आयोजन के रूप में स्थापित किया जाएगा।

➔ रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) के माध्यम से सार्वजनिक क्षेत्र आधारित अनुसंधान तथा विकास पारितंत्र को प्रोत्साहन दिया जाएगा।

➔ अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी एवं रक्षा क्षेत्रों में तकनीकी विकास में स्टार्ट-अप्स को शामिल किया जाएगा।

➔ इनोवेशन फॉर डिफेंस एक्सिलेंस (iDeX) नामक एक योजना तैयार की जाएगी जिसके तहत रक्षा क्षेत्र में स्टार्ट-अप को आवश्यक इंक्यूबेशन (Incubation) और अवसंरचना समर्थन प्रदान करने के लिए देश भर में रक्षा नवाचार केंद्रों (Defence Innovation Hubs) की स्थापना की जाएगी।

➔ रक्षा क्षेत्र में बौद्धिक संपदा के सृजन को बढ़ावा देने के लिए रक्षा उत्पादन विभाग में 'बौद्धिक संपदा प्रकोष्ठ' (Intellectual Property Cell) की स्थापना की जाएगी।

➔ नाभिकीय अथवा अंतरिक्ष आयोग की तर्ज पर एक स्वायत्त 'राष्ट्रीय वैमानिकी आयोग' (National Aeronautical

रक्षा उत्पादन नीति, 2018 का विजन (Vision) सार्वजनिक व निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी के साथ अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी एवं रक्षा उद्योग में भारत को शीर्ष 5 देशों में शामिल करना।



'रक्षा नवाचार केंद्रों' व 'बौद्धिक संपदा प्रकोष्ठ' की स्थापना।

स्वचालित मार्ग के तहत 74% (FDI) की अनुमति



भारत सरकार द्वारा प्रत्येक रक्षा उद्योग गलियारा के निर्माण हेतु 50% की सहायता

30 दिन के भीतर सभी लाइसेंस आवेदनों का निपटारा



राष्ट्रीय वैमानिकी आयोग की स्थापना

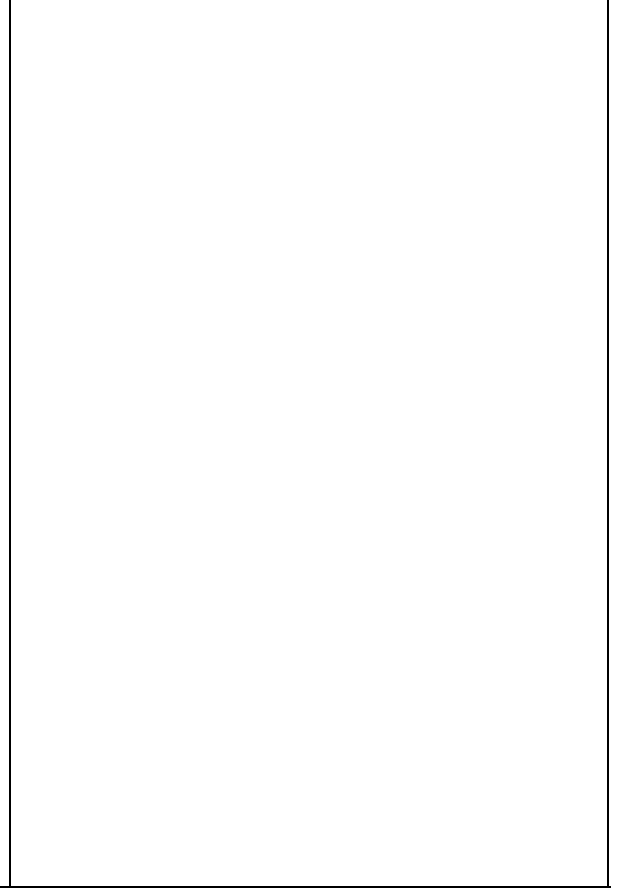
अखंडीय चित्र : रक्षा उत्पादन नीति, 2018

Commission) की स्थापना की संभाव्यता का पता लगाया जाएगा।

➔ रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा उत्पादन नीति, 2018 के कार्यान्वयन के लिए नोडल विभाग होगा।

□ निष्कर्ष

➔ रक्षा उत्पादन नीति, 2018 से भारत में रक्षा उपकरणों एवं हथियार प्रणालियों के निर्माण को बढ़ावा मिलेगा। इसके अतिरिक्त इस क्षेत्र में रोजगार का सृजन होगा।



अटल अमृत अभियान

□ पृष्ठभूमि

► स्वास्थ्य एवं संवृद्धि आपस में घनिष्टता से जुड़े हुए हैं। भारत जैसे श्रम आधारित आजीविका वाले देश में यह संबंध और भी घनिष्ट हो जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, आज भी विश्व की लगभग आधी आबादी आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाओं को प्राप्त करने में असमर्थ है तथा अपने पास से स्वास्थ्य सेवाओं पर व्यय करने के कारण प्रतिवर्ष बड़ी मात्रा में परिवार गरीबी के दुष्क्रम में फंस जा रहे हैं। विश्व के लगभग 80 करोड़ लोग अपने पारिवारिक बजट का कम-से-कम 10 प्रतिशत स्वास्थ्य सेवाओं पर व्यय कर देते हैं, जो अत्यंत चिंताजनक है। भारत में भी स्थिति चिंताजनक है। यहां सकल स्वास्थ्य व्यय का लगभग 62 प्रतिशत भार खुद की जेब पर पड़ता है। एक अनुमान के मुताबिक भारत में लगभग 6.3 करोड़ लोग स्वास्थ्य व्यय के कारण गरीबी में चले गए हैं।

► इसी पृष्ठभूमि में केंद्र सरकार द्वारा देश के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करवाने हेतु बजट 2018-19 में 'आयुष्मान भारत' की घोषणा की गई थी। इसी क्रम में असम सरकार द्वारा 18 अप्रैल, 2018 को अटल अमृत अभियान का शुभारंभ किया गया। असम के गुवाहाटी शहर में इस योजना का शुभारंभ करते हुए उपराष्ट्रपति वैकेंया नायडू ने इससे राज्य के 92 प्रतिशत लोगों (3.2 करोड़) को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त होने की बात कही।

□ प्रावधान

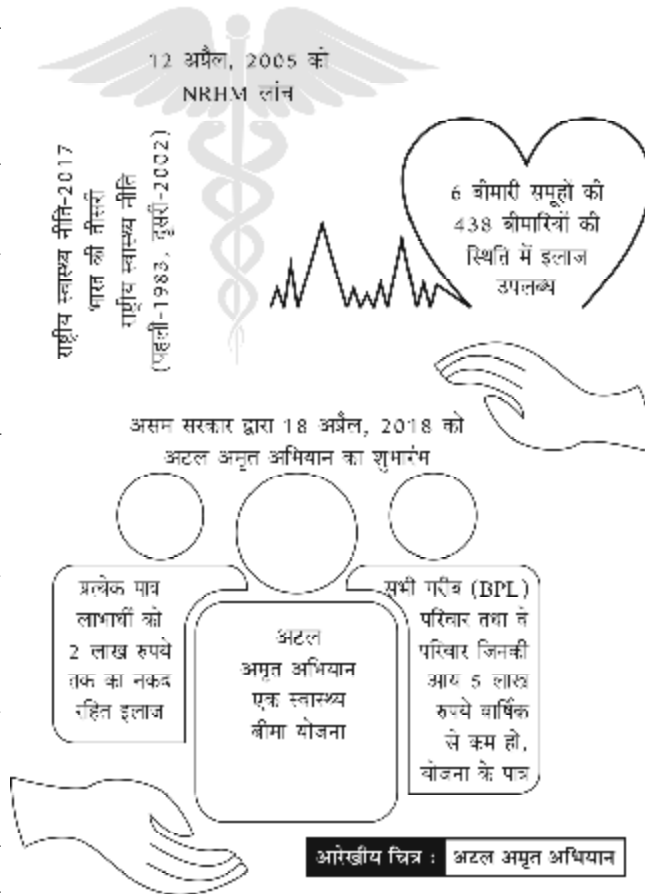
► अटल अमृत अभियान एक स्वास्थ्य बीमा योजना है।
► इसके तहत प्रत्येक पात्र लाभार्थी को 2 लाख रुपये तक का नकद रहित इलाज करवाया जाएगा।

- योजना के तहत सभी गरीब (BPL) परिवार तथा वे परिवार जिनकी आय 5 लाख रुपये वार्षिक से कम है, योजना के पात्र हैं।

- केंद्र/राज्य सरकार के कर्मचारी/सेवारत/सेवानिवृत्त योजना के पात्र नहीं हैं।
- इस योजना के अंतर्गत 6 बीमारी समूहों [(a) हृदय संबंधी, (b) कैंसर, (c) किडनी संबंधी, (d) तंत्रिका संबंधी, (e) नवजात बच्चों से संबंधित तथा (f) जलने से संबंधित] की 438 बीमारियों की स्थिति में इलाज उपलब्ध होगा।
- योजना गरीब परिवारों को निःशुल्क जबकि गरीबी रेखा से तो ऊपर किंतु निम्न आय वाले परिवारों को 100 रुपये के वार्षिक शुल्क पर उपलब्ध होगी।
- इस योजना के तहत राज्य के सूचित अस्पतालों के साथ-साथ कोलकाता, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR), चेन्नई, बंगलुरु तथा मुंबई के कुछ अस्पतालों से भी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कराए जाने का प्रावधान है।

□ लाभ

- राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-IV के अनुसार, असम की स्वास्थ्य संबंधी स्थिति गंभीर है। यहां 5 वर्ष से कम आयु के लगभग 29.8 प्रतिशत बच्चे सामान्य से कम वजन के हैं, तो वहीं 6-59 माह के बच्चों में से 35.7 प्रतिशत रक्ताल्पता से पीड़ित हैं। असम में शिशु मृत्यु दर (IMR) 44 प्रति हजार जीवित जन्म जबकि मातृ मृत्यु दर (MMR) 300 प्रति लाख जीवित जन्म राष्ट्रीय औसत (IMR-37, MMR - 167.1) से काफी अधिक है। यह स्थिति असम में निम्न गुणवत्ता की स्वास्थ्य सेवा प्रदायगी की ओर संकेत करती है। ऐसी स्थिति में अटल अमृत अभियान 2 लाख रुपये वार्षिक की स्वास्थ्य बीमा सुविधा प्रदान कर यहां की स्वास्थ्य स्थिति में सुधार करेगा। राज्य से बाहर स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता भी स्वागत योग्य है क्योंकि जहां इससे राज्य से प्रवासियों को लाभ मिलेगा, वहीं इन केंद्रों की विशिष्टता से भी राज्य के लोग लाभान्वित होंगे।



सेवा भोज योजना

□ वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➔ भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा 'सेवा भोज योजना' (Seva Bhoj Yojana) नामक एक नई योजना शुरू की गई है।

➔ वित्तीय वर्ष 2018-19 और वर्ष 2019-20 के लिए योजना का कुल परिव्यय 325 करोड़ रुपये का होगा।

☞ यह एक केंद्रीय योजना है।

□ उद्देश्य

➔ योजना के तहत 'चैरिटेबल धार्मिक संस्थानों' द्वारा लोगों को निःशुल्क भोजन वितरण हेतु विशिष्ट अनिर्मित खाद्य वस्तुओं की खरीद पर प्रदत्त केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (CGST) और एकीकृत वस्तु एवं सेवा कर (IGST) के केंद्र सरकार के हिस्से की भारत सरकार द्वारा वित्तीय सहायता के रूप में प्रतिपूर्ति की जाएगी।

□ विशेषताएं

➔ यह योजना व्यक्तियों/श्रद्धालुओं को निःशुल्क भोजन प्रदान करने हेतु धार्मिक संस्थानों द्वारा विशिष्ट अनिर्मित खाद्य वस्तुओं की खरीद पर प्रदत्त केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर और एकीकृत वस्तु एवं सेवा कर के केंद्र सरकार के हिस्से की प्रतिपूर्ति के लिए है।

➔ योजना के तहत पात्र संस्थानों के लिए ही यह योजना लागू होगी।

☞ योजना के तहत गुरुद्वारा, मंदिर, धार्मिक आश्रम, मस्जिद, दरगाह, चर्च, मठ, विहार आदि द्वारा दिए जाने वाले निःशुल्क प्रसाद या निःशुल्क भोजन/लंगर/भंडारा को समर्थन दिया जाएगा।

☞ योजनांतर्गत वित्तीय सहायता 'पहले आओ-पहले पाओ' आधार पर एक वित्तीय वर्ष में इस उद्देश्य हेतु उपलब्ध कोष से दी जाएगी।

☞ प्रतिपूर्ति के रूप में वित्तीय सहायता धार्मिक संस्थानों द्वारा घी, खाद्य तेल, चीनी/गुड़, चावल, आटा/भैदा/रवा और दालों पर प्रदत्त वस्तु एवं सेवा कर के लिए प्रदान की जाएगी।

□ वित्तीय सहायता हेतु मानदंड

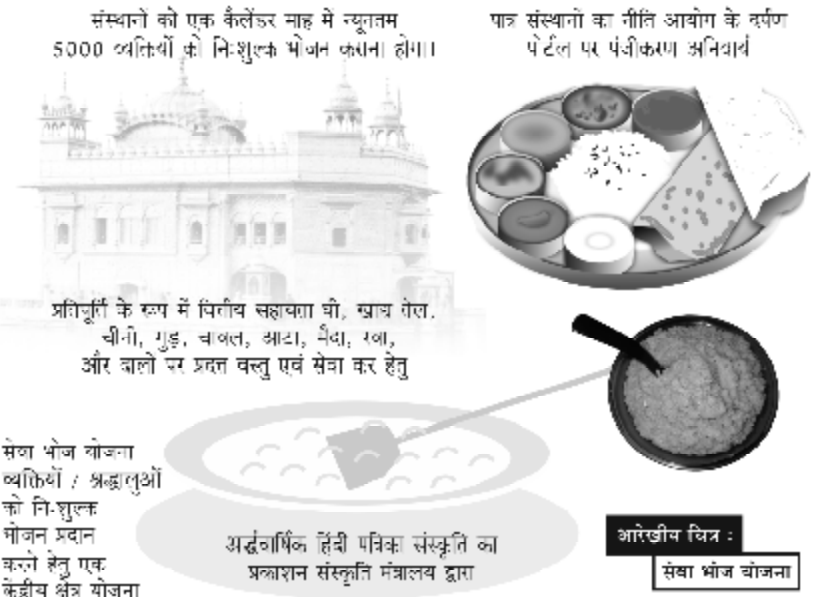
➔ सेवा भोज योजना के तहत वित्तीय सहायता के लिए पात्र संस्थानों में निम्नलिखित संस्थान शामिल होंगे—

☞ धार्मिक एवं चैरिटेबल उद्देश्यों हेतु आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 12AA के प्रावधानों के तहत पंजीकृत या आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10(23BBA) के प्रावधानों के तहत आच्छादित सार्वजनिक ट्रस्ट या सोसाइटी या निगमित निकाय या संगठन या संस्थान; अथवा

☞ धार्मिक एवं चैरिटेबल उद्देश्यों हेतु कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 25 या कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 8 के प्रावधानों के तहत गठित एवं पंजीकृत एक कंपनी; अथवा

☞ धार्मिक एवं चैरिटेबल उद्देश्यों हेतु सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत पंजीकृत सोसाइटी।

☞ उपर्युक्त संस्थानों को भोजन/प्रसाद/लंगर/भंडारा की निःशुल्क एवं परोपकारी वितरण की धार्मिक तथा चैरिटेबल दोनों गतिविधियों में शामिल होना अनिवार्य है।



☞ आवेदन के दिन से न्यूनतम विगत पांच वर्षों से निःशुल्क भोजन, प्रसाद एवं लंगर का वितरण कर रहे संस्थान ही वित्तीय सहायता के पात्र होंगे।

- ☉ ऐसे संस्थान जो एक कैलेंडर माह में न्यूनतम 5000 व्यक्तियों को निःशुल्क भोजन उपलब्ध करा रहे हैं, वे भी इस योजना के अंतर्गत शामिल होंगे।

☐ नामांकन प्रक्रिया

- ➔ सेवा भोज योजना के तहत पात्र धार्मिक संस्थानों का एक बार ही नामांकन होगा।
- ➔ 31 मार्च, 2020 तक संस्कृति मंत्रालय द्वारा पात्र धार्मिक संस्थानों का नामांकन किया जाएगा।
- ☉ सर्वप्रथम धार्मिक संस्थानों को नीति आयोग के दर्पण पोर्टल पर पंजीकरण कराना होगा।

☐ अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- ➔ योजना के उद्देश्यों के लिए प्रत्येक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में एक नोडल केंद्रीय कर अधिकारी होगा।
- ➔ वस्तु एवं सेवा कर प्राधिकारियों द्वारा संस्थानों के दावों को प्रमाणित एवं पारित किए जाने के पश्चात संस्थानों को निधि (Fund) जारी की जाएगी।
 - ☉ संस्कृति मंत्रालय के अधिकारियों या इसके अधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा प्रत्येक वर्ष न्यूनतम 5 प्रतिशत मामलों का निरीक्षण किया जाएगा।
 - ☉ वित्तीय वर्ष 2018-19 के अंत में संस्कृति मंत्रालय द्वारा योजना की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति का मापन किया जाएगा।

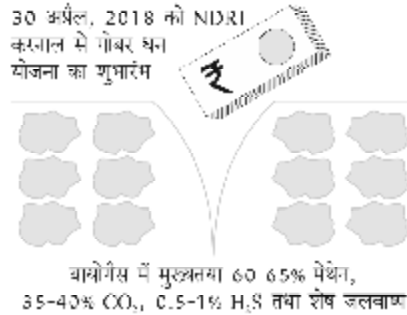
गोबर धन योजना

☐ पृष्ठभूमि

- ➔ भारत में प्रतिवर्ष बड़ी मात्रा में कार्बनिक अपशिष्ट उत्पन्न होता है। यहां प्रतिवर्ष लगभग 60 हजार टन अपशिष्ट पशुओं से तथा लगभग 600 मिलियन टन अपशिष्ट फसलों से उत्पन्न होता है। इनमें से अधिकांश का निष्पादन जलाकर अथवा इन्हें कहीं खाली पड़ी भूमि पर अथवा किसी जलाशय में फेंक कर किया जाता है। अपशिष्टों के इस अवैज्ञानिक निष्पादन से अनेक स्वास्थ्य एवं पर्यावरणीय दुष्प्रभाव उत्पन्न होते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के एक आकलन के अनुसार, भारत में प्रतिवर्ष लगभग 5 लाख लोग अस्वच्छ ईंधन के कारण काल का ग्रास बन जाते हैं।



लाभ : आव में संवर्धन, महिलाओं का सशक्तिकरण, धारणीय कृषि एवं स्वच्छ ऊर्जा में आत्मनिर्भरता



है। कार्बनिक अपशिष्टों की इन्हीं संभावनाओं के दोहन हेतु वित्त मंत्री द्वारा बजट भाषण, 2018-19 में गोबर धन योजना की घोषणा की गई थी।

☐ शुभारंभ

- ➔ 30 अप्रैल, 2018 को पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री सुश्री उमा भारती द्वारा हरियाणा के करनाल स्थित राष्ट्रीय डेयरी शोध संस्थान (NDRI) से गोबर धन (GOBAR Dhan) योजना का शुभारंभ किया गया।



आरेखीय चित्र :

गोबर धन योजना

➔ गोबर धन (Galvanizing Organic Bio-Agro Resources Dhan) योजना स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत क्रियान्वित की जाएगी।

☉ इस योजना के तहत वर्ष 2018-19 में कुल

700 बायोगैस इकाइयां स्थापित की जाएंगी।

- ☉ योजना के तहत प्रत्येक जिले में कम-से-कम एक बायोगैस इकाई लगाने का प्रस्ताव है।

□ उद्देश्य

➔ गोबर धन योजना बहुआयामी उद्देश्य रखती है। इसके उद्देश्यों को 6 प्रमुख बिंदुओं में रखा जा सकता है—

- (i) गांवों को बायो ऊर्जा उपलब्ध कराकर उन्हें स्वच्छ ऊर्जा में आत्मनिर्भर बनाना।
- (ii) स्वच्छ एवं सस्ती ऊर्जा उपलब्धता के द्वारा ग्रामीण परिवारों का सशक्तीकरण करना।
- (iii) बायोगैस संयंत्रों के निर्माण, प्रबंधन आदि कार्यों के माध्यम से गांवों में रोजगार के नए अवसरों का सृजन करना।
- (iv) कृषि हेतु कार्बनिक उर्वरक प्रदान कर कृषि की धारणीयता एवं उत्पादकता में वृद्धि करना।
- (v) कार्बनिक अपशिष्टों के उचित प्रबंधन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता को प्रोत्साहित करना।
- (vi) स्वच्छ परिवेश तथा स्वच्छ ईंधन के प्रयोग के माध्यम से अनेक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का समाधान करना।

□ प्रमुख तथ्य

- ➔ गोबर धन योजना स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के ओडीएफ प्लस (खुले में शौच से मुक्ति से आगे) रणनीति का प्रमुख भाग है।
- ➔ इसके तहत प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता केंद्र एवं राज्य

के मध्य 60:40 के अनुपात में होगी।

- ➔ इस पर तकनीकी सहायता देने हेतु पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समिति (NTAC) का गठन किया जाएगा।

□ लाभ

- ➔ योजना से गांवों में स्वच्छता बढ़ेगी जिससे पर्यावरणीय प्रदूषण की समस्या का समाधान होगा तथा अनेक बीमारियों जैसे मलेरिया, हैजा आदि के प्रभाव में कमी आएगी।
- ➔ रसोई तक स्वच्छ ईंधन की उपलब्धता से महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार के साथ-साथ महिलाओं का सशक्तीकरण भी होगा, क्योंकि अब वे ईंधन इकट्ठा करने के समय को उत्पादक गतिविधियों में लगा सकेंगी।
- ➔ गोबर धन योजना बड़ी मात्रा में रोजगार के अवसरों का सृजन करेगी जिससे लोगों की आय में संवर्धन भी होगा।
- ➔ कृषि की दृष्टि से भी यह योजना काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे जहां एक ओर किसानों को महंगी रासायनिक खादों के विकल्प में सस्ती कार्बनिक खादें मिलेंगी वहीं दूसरी ओर कृषि की उत्पादकता तथा धारणीयता दोनों में सुधार होगा। इसका समग्र प्रभाव किसानों एवं कृषि आश्रित अन्य वर्गों की आय में वृद्धि के रूप में दिखेगा।

सं. विकास कुमार शुक्ल

लोक ऋण रजिस्ट्री

□ वर्तमान संदर्भ

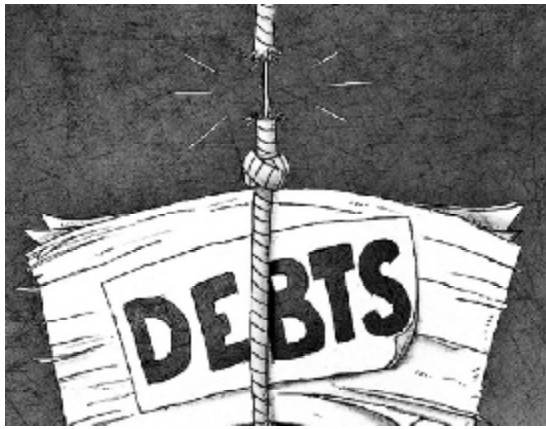
- ➔ 4 अक्टूबर, 2017 को भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा लोक ऋण संबंधी सूचनाओं के संग्रहण के संदर्भ में लोक ऋण रजिस्ट्री पर आवश्यक सुझाव देने हेतु यशवंत एम. देवस्थली कार्यदल का गठन किया गया था।
- ➔ इस कार्यदल ने 4 अप्रैल, 2018 को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें भारत में एक लोक ऋण रजिस्ट्री (PCR : Public Credit Registry) की आवश्यकता पर बल देते हुए इसके परिचालन से संबंधित विविध पक्षों पर संस्तुति प्रस्तुत की गई है।

□ क्या है लोक ऋण रजिस्ट्री?

- ➔ लोक ऋण रजिस्ट्री (पीसीआर) देश के भीतर लिए गए संपूर्ण ऋणों से संबंधित सूचनाओं का एक केंद्रीय डेटाबेस होगा।
- ➔ भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा इसका प्रबंधन किया जाएगा।
 - भारत के सभी कर्जदाताओं एवं कर्जदारों को अपने दिए/लिए गए कर्जों का विवरण कानूनी रूप से अनिवार्यतः लोक ऋण रजिस्ट्री को उपलब्ध कराना होगा।
 - कोई भी हितधारक या कर्जदाता जब चाहे इस डेटाबेस से कर्जदारों की कर्ज संबंधी संपूर्ण सूचना प्राप्त कर सकेगा।

□ पीसीआर की आवश्यकता

- ➔ कर्जदारों के द्वारा लिए गए ऋणों की वास्तविक स्थिति की जानकारी प्राप्त न हो पाने के कारण ऋण बाजार में पारदर्शिता का अभाव होता है तथा जोखिम युक्त ऋण स्वीकृत किए जाने का जोखिम भी बना रहता है।
- ➔ अपर्याप्त सूचना की प्राप्ति में ऋण प्रदाता को स्वविवेक का अधिकार मिल जाता है जिससे ऋण स्वीकृति के समय कदाचार का जोखिम बना रहता है।
 - व्यवहार में अपर्याप्त सूचना के कारण रसूखदार व्यक्ति (चाहे वो दागी ही क्यों न हो) तो आसानी से ऋण प्राप्त कर लेते हैं, जबकि सामान्य उद्यमी को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इससे समावेशी ऋण का लक्ष्य दूर की कौड़ी ही बना रहता है।
 - ऋण लेने वाले व्यक्ति की वास्तविक स्थिति की जानकारी न हो पाने के कारण ऋणदाता संस्था आवश्यकता से अधिक जमानत की मांग करती है। इससे ऋण संस्कृति नकारात्मक रूप से प्रभावित होती है।
 - समग्रता से कहा जाए तो ऋण सूचनाओं का अभाव गैर-निष्पादन संपत्तियों में वृद्धि के मूल में है।



□ भारत में ऋण सूचना की वर्तमान प्रणाली

- ➔ वर्तमान भारत में ऋणों के संदर्भ में सूचना ऋण, सूचना कंपनी (विनियमन) अधिनियम, 2005 द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक के नियंत्रणाधीन निजी क्रेडिट संस्थाओं द्वारा प्राप्त की जाती है।
- ➔ इनमें ऋण सूचना ब्यूरो (भारत) लिमिटेड (CIBIL), इक्वीफैक्स (Equifax), एक्सपेरियन (Experian) आदि प्रमुख हैं।
 - परंतु इन संस्थाओं द्वारा प्राप्त सूचनाओं का सामान्यतः खुदरा ऋणों (क्रेडिट कार्ड सहित) हेतु ही प्रयोग किया जाता है।
 - इस संदर्भ में बड़े ऋणों (5 करोड़ रुपये से अधिक) के संबंध में सूचना हेतु भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा वर्ष 2014-15 में बड़े ऋणों पर सूचना के लिए केंद्रीय कोष (CRILC : Central Repository of Information on Large Credits) का गठन किया गया।
 - वर्तमान में सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक अपने बड़े कर्जदारों (5 करोड़ रुपये से अधिक) का विवरण यहां उपलब्ध कराते हैं।
 - वर्तमान में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की लगभग 60 प्रतिशत सूचना CRILC के दायरे में है।

□ पीसीआर से लाभ

- ➔ एक केंद्रीय ऋण सूचना प्रणाली ऋण बाजार में पारदर्शिता लाएगी, जिससे एक तो सभी लोगों की ऋण तक पहुंच बढ़ेगी और दूसरे इससे आर्थिक कदाचार में कमी आएगी।
- ➔ बैंक ऋण स्वीकृति के समय विश्वासपूर्वक निर्णय कर पाएंगे जिससे गैर-निष्पादन परिसंपत्तियों में कमी आएगी।
 - सूचनाओं की उपलब्धता से बैंक कर्मचारियों की निर्णयन में वस्तुनिष्ठता का समावेश होगा, जो उन्हें जवाबदेह बनाएगा तथा इससे उनकी स्वेच्छाचारिता पर लगाम लगेगी।
 - साख का सृजन जब उद्यमियों के साख व्यवहार के आधार पर होने लगेगा, तो रसूखदार लोगों को प्राथमिकता देने की संस्कृति जाती रहेगी। इससे छोटे उद्यमी भी ऋण प्राप्त कर पाने में सक्षम होंगे। इससे ऋण वितरण अधिक समावेशी होगा।
 - नीति निर्धारकों हेतु सूचनाओं की उपलब्धता मौद्रिक नीति की प्रभावशीलता में वृद्धि करेगी तथा देश के हित में और सशक्त मौद्रिक नीति का निर्माण किया जा सकेगा।
 - समग्र रूप से लोक ऋण रजिस्ट्री सभी के लिए समान कारोबारी माहौल बनाएगी, जो अंततः तीव्र आर्थिक विकास को अंजाम देगा।



समग्र जल प्रबंधन सूचकांक

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➔ 14 जून, 2018 को समग्र जल प्रबंधन सूचकांक रिपोर्ट को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग और पोतवहन एवं जल संसाधन मंत्री नितिन गडकरी द्वारा जारी किया गया।

☞ इस रिपोर्ट को नीति आयोग द्वारा विकसित किया गया।

उद्देश्य

➔ इस सूचकांक को जारी करने का उद्देश्य जल संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन में राज्यों के प्रदर्शन का आकलन कर उनमें सुधार करना है।

☞ सूचकांक में राज्यों को दो विशेष समूहों 'गैर-हिमालयी राज्य' तथा 'हिमालयी एवं पूर्वोत्तर राज्य' में बांटा गया है।

सूचकांक

➔ समग्र प्रदर्शन के तहत सूचकांक में वर्ष 2016-17 के लिए गुजरात को प्रथम स्थान मिला है।

➔ हिमालयी एवं पूर्वोत्तर राज्यों में वर्ष 2016-17 के लिए त्रिपुरा को प्रथम स्थान मिला है।

➔ समय के साथ राज्यों के प्रदर्शन के विकास के संदर्भ में राजस्थान को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ, जबकि हिमालयी एवं पूर्वोत्तर राज्यों में मेघालय पहले स्थान पर रहा।

➔ गैर-हिमालयी राज्यों में झारखंड को सबसे निचला स्थान दिया गया है।

➔ पूर्वोत्तर एवं हिमालयी राज्यों में मेघालय सबसे निचले स्थान पर है।

➔ समग्र जल प्रबंधन सूचकांक में 9 क्षेत्रों के 28 संकेतक शामिल हैं।

इनमें सिंचाई, भूजल, जल निकायों का बहाली, कृषि पद्धतियों, पेयजल, नीति व शासन से संबंधित विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया है।

➔ सूचकांक के माध्यम से खराब प्रदर्शन करने वाले राज्यों पर अपने प्रदर्शन को सुधारने हेतु दबाव बनेगा।

➔ यह रिपोर्ट देश में गंभीर जल संकट की ओर इंगित करती है। रिपोर्ट के अनुसार, 600 मिलियन लोग गंभीर जल संकट से जूझ रहे हैं।



समग्र जल प्रबंधन सूचकांक			
गैर-हिमालयी राज्य		हिमालयी एवं पूर्वोत्तर राज्य	
बेहतर प्रदर्शन	स्कोर	बेहतर प्रदर्शन	स्कोर
1. गुजरात	— 76	1. त्रिपुरा	— 59
2. मध्य प्रदेश	— 69	2. हिमाचल प्रदेश	— 53
3. आंध्र प्रदेश	— 68	3. सिक्किम	— 49
खराब प्रदर्शन		खराब प्रदर्शन	
1. झारखंड	— 35	1. मेघालय	— 26
2. हरियाणा	— 38	2. उत्तराखंड	— 26
3. उत्तर प्रदेश	— 38	3. नगालैंड	— 28
4. बिहार	— 38		

कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➔ तमिलनाडु की लंबे समय से मांग व उच्चतम न्यायालय के आदेशानुसार, केंद्र सरकार द्वारा 1 जून, 2018 को कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण के गठन के लिए अधिसूचना जारी की गई।

➔ गौरतलब है कि फरवरी, 2018 में उच्चतम न्यायालय ने अपने निर्णय में केंद्र सरकार को कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण के गठन हेतु दिशा-निर्देश दिया था।

☞ उच्चतम न्यायालय का यह निर्णय तमिलनाडु व कर्नाटक जल बंटवारे के विवाद की पृष्ठभूमि में आया था।

उद्देश्य

➔ कावेरी नदी के जल का समतामूलक वितरण सुनिश्चित करना इस प्राधिकरण का उद्देश्य है।



महत्वपूर्ण तथ्य

- ➔ इस प्राधिकरण में एक अध्यक्ष, एक सचिव व आठ सदस्य होंगे।
 - ⊖ इन आठ सदस्यों में से दो स्थायी और दो अस्थायी सदस्य केंद्र सरकार की ओर से नामित होंगे।
- ➔ प्राधिकरण में चार अस्थायी सदस्य भागीदार राज्यों/केंद्रशासित प्रदेश द्वारा नामित किए जाने हैं।
- ➔ इसके भागीदार राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल एवं पुडुचेरी शामिल हैं।
- ➔ कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण का अध्यक्ष, केंद्रीय जल आयोग के चेयरमैन मसूद हुसैन को जबकि नवीन कुमार को कावेरी जल विनियामक समिति का अध्यक्ष बनाया गया है।
- ➔ उच्चतम न्यायालय द्वारा कावेरी जल विवाद न्यायाधिकरण (CWDT) के फैसले के विपरीत तमिलनाडु को मिलने वाले जल में कटौती करते हुए बंगलुरु की जल की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए कर्नाटक को मिलने वाली जल की मात्रा में बढ़ोत्तरी की गई है।

- ➔ 16 फरवरी, 2018 को उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुसार, कावेरी नदी के जल में तमिलनाडु व कर्नाटक का हिस्सा क्रमशः 404.25 व 284.75 बिलियन क्यूबिक फीट होगा।
 - ⊖ इसके अतिरिक्त केरल व पुडुचेरी को क्रमशः 30 व 7 बिलियन क्यूबिक फीट जल की प्राप्ति होगी।
- ➔ प्राधिकरण जल वर्ष (प्रत्येक वर्ष 1 जून) की शुरुआत में निर्दिष्ट जलाशयों में कुल अवशिष्ट भंडारण निर्धारित करेगा।
- ➔ कावेरी जल विनियामक समिति, जून से अक्टूबर महीने के दौरान, प्रत्येक 10 दिन में बैठक करेगी। इन्हीं महीनों के दौरान क्रमशः दक्षिणी-पश्चिमी व उत्तर-पूर्वी मानसून का आगमन होता है।
- ➔ 2 जुलाई, 2018 को बैठक में प्राधिकरण ने कर्नाटक से जुलाई माह में 31.24 हजार मिलियन क्यूबिक फीट जल छोड़ने को कहा।
- ➔ कावेरी एक अंतर्राज्यीय नदी है। इसका जलग्रहण क्षेत्र कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल व पुडुचेरी तक विस्तृत है।
- ➔ संविधान का अनुच्छेद 262 अंतर्राज्यीय नदी जल बंटवारे से संबंधित है।

कृषि कल्याण अभियान

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

- ➔ कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा 1 जून से 31 जुलाई, 2018 के मध्य 'कृषि कल्याण अभियान' का आयोजन किया जा रहा है।

उद्देश्य

- ➔ इस अभियान का उद्देश्य वर्ष 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करना तथा कृषि क्षेत्र में नई तकनीकों के प्रयोग पर जोर देना है।

संबंधित तथ्य

- ➔ इस अभियान हेतु 111 आकांक्षी जिलों के 1000 से अधिक आबादी वाले 25 गांवों को चुना जाना है।
 - ⊖ ऐसे जिले, जिनमें 1000 से अधिक जनसंख्या वाले गांवों की संख्या 25 से कम है, वहां सभी गांव इस अभियान से आच्छादित (Cover) होने हैं।
 - ⊖ इन गांवों का चयन नीति आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार, ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा किया जाना है।
- ➔ कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग, पशुपालन, डेयरी तथा मत्स्य पालन विभाग और कृषि शोध एवं शिक्षा विभाग के अंतर्गत एक कार्ययोजना तैयार की गई है, जिसके तहत विभिन्न गतिविधियां चिह्नित हैं।
- ➔ कृषि विज्ञान केंद्र, अपने जिले के गांवों में इस अभियान का समन्वय एवं कार्यान्वयन करेंगे।
- ➔ प्रत्येक जिले में इस अभियान की क्षेत्र स्तर की निगरानी व समग्र समन्वय हेतु एक अधिकारी की नियुक्ति की जाएगी।

अभियान के अंतर्गत गतिविधियों का आयोजन

- ➔ सभी किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्डों का वितरण।
- ➔ प्रत्येक गांव में खुर और मुंहपका रोग (Foot and Mouth Disease) से बचाव के लिए 100 प्रतिशत बोवाइन (Bovine) टीकाकरण से आच्छादन।
- ➔ भेड़ व बकरियों में बीमारी से बचाव के लिए 100 प्रतिशत आच्छादन।
- ➔ सभी किसानों के बीच दालों और तिलहन की मिनी किट का वितरण।
- ➔ प्रत्येक परिवार को पांच बागवानी/कृषि वानिकी/बांस के पौधों का वितरण।
- ➔ कृत्रिम गर्भाधान संतृप्ति।
- ➔ प्रत्येक गांव में 100 एनएडीएपी (NADAP) पिट बनाना।
- ➔ सूक्ष्म सिंचाई पर प्रदर्शन कार्यक्रम।
- ➔ एकीकृत फसल अभ्यास का प्रदर्शन।
- ➔ इसके अतिरिक्त भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद व कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा प्रत्येक गांव में मधुमक्खी पालन, मशरूम की खेती और गृह उद्यान के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम अयोजित किया जा रहा है।
 - ⊖ इन कार्यक्रमों में महिला प्रतिभागियों एवं किसानों को प्राथमिकता दी जा रही है।



पूर्वोत्तर परिषद : पुनर्गठन स्वीकृत

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➔ जून, 2018 में प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पूर्वोत्तर परिषद के पुनर्गठन के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की।

महत्वपूर्ण तथ्य

➔ पुनर्गठन प्रस्ताव में केंद्रीय गृहमंत्री को पूर्वोत्तर परिषद का पदेन अध्यक्ष (Ex-officio chairman) बनाने का प्रावधान है।

➔ पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) को परिषद के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य करने की स्वीकृति दी गई है।

➔ पूर्वोत्तर परिषद के सदस्य के रूप में पूर्वोत्तर के सभी आठ राज्यों के राज्यपाल और मुख्यमंत्री हैं।

⊕ ये आठ राज्य सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, मेघालय और असम हैं।

➔ परिषद अब मादक द्रव्यों सहित, हथियारों और गोला-बारूदों की

तस्करी, सीमा-विवाद जैसे अंतरराज्यीय विषयों पर भी विचार-विमर्श करेगी।

⊕ विभिन्न योजनाओं/परियोजनाओं के कार्यान्वयन की समीक्षा भी समय-समय पर परिषद द्वारा की जाएगी।

⊕ परियोजनाओं के लिए केंद्र और राज्यों के मध्य समन्वय बनाने हेतु परिषद कारगर उपायों की सिफारिश भी करेगी।

➔ पूर्वोत्तर परिषद को केंद्र सरकार द्वारा प्रदत्त शक्तियां प्राप्त होंगी।



पृष्ठभूमि

➔ पूर्वोत्तर परिषद का गठन पूर्वोत्तर परिषद अधिनियम, 1971 के प्रावधानों के अनुसार किया गया था।

➔ पूर्वोत्तर राज्यों का समन्वित विकास करना तथा विभिन्न राज्यों के मध्य समन्वय स्थापित करना परिषद का मुख्य कार्य है।

➔ पूर्वोत्तर परिषद अधिनियम में वर्ष 2002 में किए गए संशोधन द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए क्षेत्रीय नियोजन संस्था के रूप में कार्य करने का उत्तरदायित्व भी परिषद को सौंप दिया गया।

एडॉप्ट हेरिटेज योजना

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➔ जून, 2018 में संस्कृति मंत्रालय द्वारा 4 समझौता-ज्ञापनों संबंधी सूचना जारी की गई।

⊕ ये MoU एडॉप्ट हेरिटेज योजना के तहत किए गए हैं।

समझौता-ज्ञापन संबंधी क्षेत्र/स्मारक

(i) माउंट स्टोक कांगरी ट्रेक रूट- लद्दाख

➔ इसके लिए पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार, जम्मू-कश्मीर पर्यटन तथा एडवेंचर टूर ऑपरटर एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ATOAI) के मध्य समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।

⊕ स्टोक कांगरी लद्दाख स्थित ट्रेकिंग स्थान है।

⊕ स्टोक कांगरी से पर्यटक जास्कर श्रेणी और सिंधु नदी घाटी के आंतरिक दृश्यों का आनंद उठा सकते हैं।

(ii) गंगोत्री मंदिर क्षेत्र और ट्रेल (Trail) गोमुख-उत्तराखंड

➔ इसके लिए पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार, उत्तराखंड टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड तथा एटीओआई (ATOAI) के मध्य समझौता-ज्ञापन हस्ताक्षरित हुआ।

⊕ गंगोत्री मंदिर क्षेत्र, गंगोत्री ग्लेशियर का एक भाग है।

⊕ यह भारत के उत्तराखंड राज्य में है।

⊕ गंगोत्री ग्लेशियर के गोमुख से भागीरथी नदी का उद्गम होता है।

(iii) लाल किला क्षेत्र - दिल्ली

➔ इसके लिए पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण तथा डालमिया भारत लिमिटेड

के मध्य समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।

⊕ यह पुरानी दिल्ली में स्थित है।

⊕ इसका निर्माण शाहजहां ने करवाया था।

⊕ इसकी स्थापत्य कला इंडो-इस्लामिक है।

⊕ वर्ष 2007 में यह यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल हुआ।

(iv) गांदीकोटा किला (Gandikota Fort)- आंध्र प्रदेश

➔ इसके लिए पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण तथा डालमिया भारत लिमिटेड के मध्य समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।

⊕ यह आंध्र प्रदेश के कडप्पा (Kadapa) जिले में पेन्नार नदी के दाहिने तट पर अवस्थित है।

⊕ इस किले से पेम्मासनी कम्मा वंश (Pemmasani Kamma Dynasty) का शासन संचालित होता था।

पृष्ठभूमि

➔ इस योजना का शुभारंभ विश्व पर्यटन दिवस (27 सितंबर) पर भारत के राष्ट्रपति द्वारा वर्ष 2017 में किया गया था।

➔ योजना का क्रियान्वयन पर्यटन मंत्रालय द्वारा, संस्कृति मंत्रालय तथा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के सहयोग से किया जा रहा है।



बांध सुरक्षा विधेयक, 2018

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

- ➔ देश में एक रूप बांध सुरक्षा प्रक्रियाओं को सहज एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से 13 जून, 2018 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बांध सुरक्षा विधेयक, 2018 को संसद में प्रस्तुत करने संबंधी प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी।
- ➔ ज्ञातव्य है कि लंबे अंतराल से देश में एक समान कानून और प्रभावी प्रशासनिक ढांचे की आवश्यकता महसूस की जा रही थी जिससे बांधों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद मिल सके।

संस्थानिक ढांचा

(1) राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण

- ➔ विधेयक में राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण की स्थापना नियामक संस्था के रूप में करने का प्रावधान है। यह प्राधिकरण बांध सुरक्षा नीति, दिशा-निर्देश और देश में बांध सुरक्षा के लिए मानकों को लागू करेगा।
- ➔ प्राधिकरण, दो राज्यों के राज्य बांध सुरक्षा संगठन के बीच या किसी राज्य बांध सुरक्षा संगठन और उस राज्य में बांध स्वामी के मध्य विवादों का उचित समाधान भी करेगा।
- ➔ प्राधिकरण, देश में सभी बांधों से संबंधित राष्ट्रीय स्तर पर डेटा-



बेस तथा बांध विफलताओं संबंधी विवरण व कारकों का रिकॉर्ड रखेगा।

(2) बांध सुरक्षा पर राष्ट्रीय समिति

- ➔ विधेयक के तहत बांध सुरक्षा पर राष्ट्रीय समिति के गठन की बात की गई है, जो बांध सुरक्षा नीतियों को विकसित और आवश्यक नियमन की सिफारिश करेगी।

(3) बांध सुरक्षा पर राज्य समिति का गठन

- ➔ यह समिति राज्य में निर्दिष्ट सभी बांधों की उचित निगरानी, निरीक्षण, संचालन रख-रखाव की देख-रेख करेगी।

(4) राज्य बांध सुरक्षा संगठन की स्थापना

- ➔ एक निर्दिष्ट संख्या में बांधों की संख्या वाले

प्रत्येक राज्य में राज्य बांध सुरक्षा संगठन स्थापित करने का प्रावधान है। यह संगठन बांध सुरक्षा अधिकारियों द्वारा चलाया जाएगा।

अन्य संबंधित तथ्य

- ➔ वैश्विक स्तर पर सर्वाधिक बांधों की संख्या वाले देश- संयुक्त राज्य अमेरिका > चीन > भारत
- ➔ भारत में बड़े बांधों की संख्या 5254 है, जबकि 447 बांधों का निर्माण कार्य जारी है।

राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय अध्यादेश, 2018

वर्तमान परिदृश्य

- ➔ राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने 1 जून, 2018 को मणिपुर में देश के पहले राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु एक अध्यादेश को स्वीकृति प्रदान की।
- ➔ 'राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय अध्यादेश, 2018' राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय विधेयक, 2017 की तर्ज पर है, जो 10 अगस्त, 2017 को लोक सभा में पेश किया गया था।
- ➔ अध्यादेश के प्रस्ताव को अंतिम रूप युवा मामले एवं खेल मंत्रालय ने दिया।
- ➔ इस अध्यादेश के अनुसार, मणिपुर में राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय की स्थापना की जानी है।
 - ☉ यह दूरस्थ कैंपस, कॉलेज या क्षेत्रीय केंद्रों की स्थापना कर सकता है।

पृष्ठभूमि

- ➔ केंद्रीय क्ति मंत्री अरुण जेटली ने वर्ष 2014-15 के बजट भाषण में राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय स्थापित करने के प्रस्ताव की घोषणा की थी।

महत्वपूर्ण तथ्य

- ➔ खेल विश्वविद्यालय की स्थापना से खेल विज्ञान, खेल तकनीकों एवं खेल प्रशिक्षण में व्याप्त असमानता को कम करने में मदद मिलेगी।
- ➔ राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय अध्यादेश, 2018 के तहत इस विश्वविद्यालय के पास खेल संबंधित पाठ्यक्रमों को निर्दिष्ट करने और प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करने तथा डिग्री, डिप्लोमा व प्रमाण-पत्र

जारी करने की भी शक्ति होगी।

विश्वविद्यालय

- द्वारा शारीरिक शिक्षा पर शोध, खेल के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को मजबूती देना तथा शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग किया जाएगा।



National Sports University, Imphal (Manipur)

अन्य संबंधित तथ्य

- ➔ युवा मामले एवं खेल मंत्रालय ने वर्ष 2015 में राष्ट्रीय खेल विकास कोष (NSDF) के अंतर्गत 'टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना' प्रारंभ की थी, जिसका लक्ष्य ओलंपिक में भारत के पदकों की संख्या में वृद्धि करना था।
- ➔ टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना के तहत (वर्ष 2020 तक) एथलेटिक्स, तीरंदाजी, बैडमिंटन, मुक्केबाजी, कुश्ती और शूटिंग पर मुख्य ध्यान केंद्रित किया गया है।
- ➔ युवा मामले और खेल मंत्रालय ने स्कूल स्तर से ही खेल के प्रति सकारात्मक बदलाव के लिए जनवरी, 2018 में 'खेलो इंडिया' कार्यक्रम प्रारंभ किया।

निष्कर्ष

- ➔ राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय अध्यादेश, 2018 से देश में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी और राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल प्रदर्शन में सुधार के साथ, देश में आयोजित होने वाली खेल प्रतियोगिताओं से रोजगार उत्पादन भी बढ़ेगा।

राष्ट्रीय पोषण मिशन हेतु ऋण समझौता

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➔ 7 मई, 2018 को भारत सरकार ने 'राष्ट्रीय पोषण मिशन' (National Nutrition Mission: NNM) हेतु विश्व बैंक के साथ 200 मिलियन डॉलर के ऋण-पत्र पर हस्ताक्षर किए।

उद्देश्य

➔ इससे 0-6 आयु वर्ग के बच्चों में बौनापन को कम करने के भारत सरकार के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायता प्राप्त होगी।

महत्वपूर्ण तथ्य

➔ राष्ट्रीय पोषण मिशन को पोषण अभियान (POSHAN : PM's Overarching Scheme for Holistic Nourishment- abhiyan) नाम दिया गया है।

➔ पोषण अभियान का मुख्य तत्व विश्व बैंक द्वारा सहायतार्थ 'एकीकृत बाल विकास सेवा' (ICDS) को सुदृढ़ करना तथा बेहतर पोषण परियोजना को देश के सभी जिलों में लागू करना है।

➔ इस कर्ज से पहले चरण में समस्त राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के 315 जिलों में संचालन में मदद मिलेगी।

➔ एकीकृत बाल विकास सेवा के अंतर्गत स्तनपान कराने वाली महिलाओं तथा 3 वर्ष तक के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण पोषण प्रदान किया जाएगा।

➔ इसके साथ ही आईसीडीएस कर्मचारियों एवं सामुदायिक पोषण

कार्यकर्ताओं की क्षमता तथा कुशलता में सुधार हेतु निवेश किया जाएगा।

➔ इसके अतिरिक्त परियोजना के तहत पोषण संबंधी योजनाओं के अभिसरण को सुनिश्चित किया जाएगा और राज्यों और सामुदायिक पोषण और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा।

पृष्ठभूमि

➔ 8 मार्च, 2018 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय पोषण अभियान का शुभारंभ झुंझुनू (राजस्थान) में किया था।

➔ राष्ट्रीय पोषण अभियान के लिए तीन वर्षों हेतु 9046.17 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं।

➔ इसमें कुपोषण को दूर करने में योगदान कर रही विभिन्न योजनाओं को शामिल किया जाएगा।

➔ इसका उद्देश्य बच्चों में बौनापन, अल्पपोषण, खून की कमी (बच्चों, महिलाओं एवं किशोरियों में) और जन्म के समय बच्चों के कम वजन के मामलों को कम करके क्रमशः 2 प्रतिशत, 2 प्रतिशत, 3 प्रतिशत एवं 2 प्रतिशत वार्षिक तक लाना है।

➔ इस कार्यक्रम से 10 करोड़ से अधिक लोग लाभान्वित होंगे।

➔ इस अभियान के तहत पहले चरण वर्ष 2017-18 में 315 जिले, दूसरे चरण वर्ष 2018-19 में 235 जिले तथा तीसरे चरण वर्ष 2019-20 में शेष जिलों को शामिल किया जाना है।



प्रधानमंत्री वय वंदना योजना : प्रावधानों में संशोधन

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➔ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा प्रधानमंत्री वय वंदना योजना में निवेश की अधिकतम राशि को दोगुना करने तथा सदस्यता हेतु समय-सीमा के विस्तार का निर्णय लिया गया है।

योजना का उद्देश्य

➔ प्रधानमंत्री वय वंदना योजना का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

⊕ निवेश राशि में वृद्धि से यह सुरक्षा और अधिक प्रभावी हो सकेगी।

महत्वपूर्ण तथ्य

➔ 2 मई, 2018 को इस योजना में निवेश की अधिकतम राशि को 7,50,000 रु. से बढ़ाकर 15,00,000 रु. कर दिया गया है।

⊕ न्यूनतम राशि 1,50,000 रु. ही है।

⊕ योजना के प्रारंभ में निवेश की न्यूनतम राशि 1,50,000 रु. व अधिकतम 7,50,000 रु. रखी गई थी।

➔ नए प्रावधान के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली न्यूनतम

पेंशन 1000 रु. व अधिकतम 10000 रु. होगी।

⊕ जबकि पुराने प्रावधान के तहत न्यूनतम पेंशन 1000 रु. व अधिकतम 5000 रु. थी।

➔ इसके अतिरिक्त योजना का लाभ लेने की अंतिम तिथि को 4 मई, 2018 से बढ़ाकर 31 मार्च, 2020 तक कर दी गई है।

➔ इस योजना का शुभारंभ केंद्रीय वित्त मंत्री

अरुण जेटली द्वारा 21 जुलाई, 2017 को किया गया था।

➔ यह भारत सरकार की एक पेंशन योजना है।

⊕ इसके लाभार्थी 60 वर्ष या उससे अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिक हैं।

➔ यह योजना 10 वर्ष की अवधि के लिए 8 प्रतिशत प्रतिवर्ष मासिक रिटर्न पर आधारित सुनिश्चित पेंशन उपलब्ध कराती है।



- ➔ भुगतान, पेंशन के रूप में मासिक/त्रैमासिक/अर्द्धवार्षिक या वार्षिक आधार पर किया जाएगा।
- ➔ इस योजना का संचालन भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) द्वारा

किया जा रहा है।

- ➔ मार्च, 2018 तक प्रधानमंत्री वय वंदना योजना के तहत लाभ लेने वाले वरिष्ठ नागरिकों की संख्या 2.23 लाख है।

आंध्र प्रदेश के नए राजकीय प्रतीक

वर्तमान संदर्भ

- ➔ 30 मई, 2018 को आंध्र प्रदेश राज्य के पर्यावरण, वन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा राज्य के नए प्रतीकों को अधिसूचित किया गया।

नए राजकीय प्रतीक

- ➔ आंध्र प्रदेश के नए राजकीय प्रतीक एवं अविभाजित आंध्र प्रदेश के राज्य प्रतीक में केवल राजकीय पक्षी एवं राजकीय पुष्प में बदलाव किया गया है।

- ➔ आंध्र प्रदेश के राजकीय प्रतीकों की सूची निम्नलिखित है-

(i) **राजकीय वृक्ष** - नीम अथवा वेपा चेट्टू (Azadirachta Indica)

(ii) **राजकीय पुष्प** - चमेली (Jasminum)

(iii) **राजकीय पक्षी** - तोता (Rose Ringed Parakeet - Psittacula Krameri)

(iv) **राजकीय पशु** - काला हिरण (Black Buck - Antelope Cervicapra)



महत्वपूर्ण तथ्य

- ➔ राज्य के नए प्रतीकों को अधिसूचित किए जाने की घोषणा आंध्र प्रदेश राज्य के विभाजन के

चार वर्ष बाद की गई है।

- ➔ गौरतलब है कि अविभाजित आंध्र प्रदेश का राजकीय पक्षी पलपिता (Indian Roller - Coracias Benghalensis) था, जो कि वर्तमान में तेलंगाना, ओडिशा और कर्नाटक का राजकीय पक्षी है।



- ➔ वहीं अविभाजित आंध्र प्रदेश

का राजकीय पुष्प कुमुदिनी (Water lily - Nymphaeaceae) था।

- ➔ आंध्र प्रदेश में चमेली पुष्प का आर्थिक महत्व है। इस पुष्प की वाणिज्यिक कृषि गुंटूर, प्रकाशम, कुर्नुल, कडप्पा, अनंतपुर और चित्तूर जिलों में की जाती है।

- ➔ 2 जून, 2014 को भारत के 29वें राज्य के रूप में गठित तेलंगाना राज्य ने भी कुमुदिनी को छोड़कर टंगिडी पुष्प को राजकीय पुष्प के रूप में अपना लिया है।



- ➔ इस पुष्प का तेलंगाना राज्य के बतुकम्मा पर्व में बहुतायत में उपयोग होता है।

मालदीव के विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) की संयुक्त निगरानी

वर्तमान परिदृश्य

- ➔ 9-17 मई, 2018 के मध्य भारतीय नौसेना के 'मिशन आधारित तैनाती' (Mission Based Deployment) के एक भाग के रूप में मालदीव के विशेष आर्थिक क्षेत्र की संयुक्त निगरानी भारत व मालदीव द्वारा की गई।

महत्वपूर्ण तथ्य

- ➔ भारतीय नौसेना के अपतटीय निगरानी पोत 'सुमेधा' ने इस निगरानी कार्य में भारत का नेतृत्व किया।

- ➔ सुमेधा निगरानी पोत ने 11 व 12 मई, 2018 को मालदीव की राजधानी माले का भ्रमण किया तथा इस दौरान मालदीव के राष्ट्रीय सुरक्षा बलों को प्रशिक्षित भी किया।

- ➔ भारतीय नौसेना के मरीन कमांडो (MARCO) कैंडर के दो अधिकारियों व आठ नाविकों ने मालदीव में दूसरे विषम युद्ध प्रशिक्षण अभ्यास 'एकता, 2018' का संचालन 28 अप्रैल से 15 मई, 2018 के

दौरान किया।

- ➔ 'एकता अभ्यास' का संचालन राजधानी माले से 145 किमी. दूर उत्तर दिशा में कंपोजिट ट्रेनिंग सेंटर 'माफिलहाफुशी' में किया गया।



- ➔ अभ्यास के दौरान मालदीव के राष्ट्रीय सुरक्षा बलों को गोताखोरी उपकरणों के इस्तेमाल और रख-रखाव, आपातकालीन चिकित्सा सहित गोताखोरी से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया गया।

- ➔ यह निगरानी कार्यक्रम मालदीव के विशेष आर्थिक क्षेत्र की सुरक्षा हेतु भारत सरकार और भारतीय नौसेना का एक प्रयास था।



वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➔ 6 जून, 2018 को प्रकाशित 'वैश्विक शांति सूचकांक, 2018' (Global Peace Index, 2018) के परिणाम दर्शाते हैं कि विगत एक वर्ष के दौरान विश्व में शांति के स्तर में 0.27 प्रतिशत की दर से गिरावट दर्ज की गई है। यह लगातार चौथा वर्ष है जब वैश्विक शांति के स्तरों में गिरावट दर्ज की गई। इस दौरान 92 देशों के शांति के स्तर में गिरावट, जबकि 71 देशों में शांति के स्तर में वृद्धि दर्ज की गई।

सूचकांक

➔ 'वैश्विक शांति सूचकांक' (Global Peace Index - GPI) की स्थापना सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र के प्रसिद्ध ऑस्ट्रेलियाई उद्यमी स्टीव किल्लेलिया (Steve Killelea) द्वारा वर्ष 2007 में की गई थी। यह सूचकांक प्रतिवर्ष 'इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस' (Institute for Economics and Peace : IEP) द्वारा प्रकाशित किया जाता है।

IEP

➔ 'इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस' विश्व का एक अग्रणी विचार मंच है, जिसका उद्देश्य वैश्विक शांति का विश्लेषण करना तथा इसके आर्थिक लाभों की मात्रा का निर्धारण करते हुए विभिन्न प्रणालियों का विकास करना है। साथ ही वैश्विक स्तर पर पूरे विश्व का ध्यान 'मानव कल्याण एवं शांति' की तरफ आकृष्ट करना है।

वर्ष 2018 की रिपोर्ट

➔ 6 जून, 2018 को आईईपी (IEP) द्वारा 'वैश्विक शांति सूचकांक, 2018' (Global Peace Index, 2018) जारी किया गया।

➔ यह इस सूचकांक का 12वां संस्करण है।

➔ वर्ष 2018 के वैश्विक शांति सूचकांक का केंद्रीय विषय है- 'एक जटिल विश्व में शांति का मापन' (Measuring Peace in a Complex World)।

➔ वैश्विक शांति सूचकांक में विश्व की लगभग 99.7 प्रतिशत जनसंख्या के शांति के स्तर का मापन 23 गुणात्मक एवं मात्रात्मक संकेतकों के आधार पर किया जाता है।

➔ इन 23 संकेतकों को जिन तीन विस्तृत विषयों के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है, वे निम्न हैं-

1. समाज में बचाव एवं सुरक्षा का स्तर
2. घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय संघर्ष का विस्तार और
3. सैन्यीकरण का स्तर

➔ वर्ष 2018 के इस सूचकांक में विश्व के 163 स्वतंत्र देशों/क्षेत्रों को उनकी शांति के स्तर के अनुसार रैंकिंग प्रदान की गई है।

रिपोर्ट के मुख्य बिंदु

➔ रिपोर्ट के अनुसार, शांति में गिरावट के मद्देनजर, विश्व के नौ में से छह क्षेत्रों में शांति की स्थिति काफी बिगड़ गई है।

➔ चार सर्वाधिक शांतिपूर्ण क्षेत्रों- यूरोप, उत्तरी अमेरिका, एशिया-प्रशांत तथा दक्षिण अमेरिका में भी शांति की स्थिति में गिरावट दर्ज की गई है।

⦿ यह मुख्य रूप से इन क्षेत्रों में बंदी बनाने की दर और आतंकवाद के प्रभाव में वृद्धि के कारण हुआ है।

➔ इस सूचकांक के अनुसार, यूरोप विश्व का सर्वाधिक शांतिपूर्ण क्षेत्र है। हालांकि इस क्षेत्र में लगातार तीसरे वर्ष शांति के स्तर में गिरावट दर्ज की गई है।

➔ इस सूचकांक के इतिहास में पहली बार एक पश्चिमी यूरोपीय देश स्पेन को शांति के स्तर में हुई पांच सबसे बड़ी गिरावटों में से एक का सामना करना पड़ा।

⦿ स्पेन में यह गिरावट आंतरिक राजनीतिक तनाव और आतंकवाद के प्रभाव में वृद्धि के कारण हुई जिससे स्पेन रैंकिंग में 10 स्थान गिरकर 30वें स्थान पर आ गया।

➔ मध्य-पूर्व एवं उत्तरी अफ्रीका (Middle East and North Africa : MENA) क्षेत्र ने विगत ग्यारह वर्षों में केवल तीन बार शांति के स्तर में वृद्धि दर्ज की है।

⦿ इस सुधार के बावजूद यह वर्ष 2015 से लगातार विश्व का सबसे अशांत क्षेत्र बना हुआ है।



➔ शांति के संदर्भ में 10 वर्षीय प्रवृत्ति का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि वर्ष 2008 से अब तक वैश्विक शांति के स्तर में 2.38 प्रतिशत की दर से गिरावट दर्ज की गई है।

☉ इस दौरान 85 देशों के शांति के स्तर में गिरावट, जबकि 75 देशों के शांति के स्तर में सुधार दर्ज किया गया है।

➔ वर्ष 2017 में हिंसा के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था को कुल 14.76 ट्रिलियन डॉलर [ब्रय शक्ति समता (PPP) के संदर्भ में] का नुकसान हुआ, जो सकल वैश्विक उत्पाद का 12.4 प्रतिशत य 1,988 डॉलर प्रति व्यक्ति है।

➔ वैश्विक शांति सूचकांक, 2018 में

सर्वाधिक शांतिमय 5 देश			सर्वाधिक अशांत 5 देश		
देश	रैंक	स्कोर	देश	रैंक	स्कोर
आइसलैंड	1	1.096	सीरिया	163	3.600
न्यूजीलैंड	2	1.192	अफगानिस्तान	162	3.585
ऑस्ट्रिया	3	1.274	दक्षिणी सूडान	161	3.508
पुर्तगाल	4	1.318	इराक	160	3.425
डेनमार्क	5	1.353	सोमालिया	159	3.367

➔ वैश्विक शांति सूचकांक, 2018 में भारत को 163 देशों की सूची में 136वां (स्कोर-2.504) स्थान प्राप्त हुआ जबकि गत वर्ष यह 137वें स्थान पर था।

रैंकिंग

➔ वैश्विक शांति सूचकांक, 2018 के अनुसार, 163 देशों में न्यूनतम 1.096 स्कोर के साथ आइसलैंड विश्व का सर्वाधिक शांतिमय देश है।

☉ उल्लेखनीय है कि वर्ष 2008 से लगातार आइसलैंड इस सूचकांक में सर्वोच्च स्थान पर है।

➔ सीरिया (सर्वाधिक 3.6 स्कोर के साथ 163वां स्थान) विश्व का सर्वाधिक अशांत देश है।

➔ भारत की रैंकिंग में एक स्थान का सुधार हिंसक अपराधों से निपटने में सरकारी प्रयासों तथा सैन्य व्यय में कमी, खासतौर से हथियारों के आयात में कमी के कारण हुआ है।

वैश्विक शांति सूचकांक, 2018 : दक्षिण एशिया के देशों की स्थिति			
देश	समग्र रैंक	समग्र स्कोर	क्षेत्रीय रैंक
भूटान	19	1.545	1
श्रीलंका	67	1.954	2
नेपाल	84	2.053	3
बांग्लादेश	93	2.084	4
भारत	136	2.504	5
पाकिस्तान	151	3.079	6
अफगानिस्तान	162	3.585	7

➔ वैश्विक शांति सूचकांक, 2018 में शामिल विश्व के अन्य प्रमुख देशों में दक्षिण अफ्रीका को 125वां (स्कोर : 2.328), ब्राजील को 106वां (स्कोर : 2.160), अमेरिका को 121वां (स्कोर : 2.3), यूनाइटेड किंगडम को 57वां (स्कोर : 1.876) तथा जापान को 9वां (स्कोर : 1.391) स्थान प्राप्त हुआ है।

➔ इसके अलावा चीन को 112वां (स्कोर : 2.243) तथा रूस को 154वां (स्कोर : 3.16) स्थान प्राप्त हुआ है।

➔ ब्रिक्स (BRICS) देशों में सर्वाधिक शांत देश ब्राजील है, जबकि सर्वाधिक अशांत देश रूस है।

कोलम्बिया : नाटो में शामिल होने वाला प्रथम लैटिन अमेरिकी राष्ट्र

वर्तमान संदर्भ

➔ 31 मई, 2018 को उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (North Atlantic Treaty Organization - NATO) और कोलम्बिया ने साझा सुरक्षा चुनौतियों के विषय पर संवाद और सहयोग को सुदृढ़ करने के लिए एक साझेदारी अनुबंध पर अंतिम रूप से हस्ताक्षर किया।

➔ इस प्रकार कोलम्बिया नाटो में सम्मिलित होने वाला प्रथम लैटिन

अमेरिकी राष्ट्र बन गया है।

वैश्विक भागीदार

➔ कोलम्बिया नाटो में 'वैश्विक भागीदार' के रूप में शामिल हुआ है न कि पूर्णकालिक सदस्य के रूप में।

☉ वैश्विक भागीदार देशों को नाटो की सैन्य कार्रवाई में भाग लेने की बाध्यता नहीं होती है। वहीं पूर्णकालिक सदस्य देश नाटो की सैन्य कार्रवाई में भाग लेते हैं।

➔ 18 मई, 2017 को नाटो और कोलम्बिया व्यक्तिगत भागीदारी और सहयोग कार्यक्रम के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को निर्धारित करने के लिए तैयार हुए थे।

➔ 31 मई, 2018 को कोलम्बिया के राष्ट्रपति जुआन मैनुएल सैंटोस नाटो के मुख्यालय गए और नाटो के महासचिव जेंस स्टोलटेनबर्ग से द्विपक्षीय विचार-विमर्श किया। इसके पश्चात कोलम्बिया के नाटो से जुड़ने की घोषणा की गई।

➔ गौरतलब है कि नाटो सहयोगी दल वर्ष 2013 से ही सम्मान हितों के संबंध में कोलम्बिया के साथ उत्तरोत्तर सहयोग विकसित कर रहे हैं।

➔ नाटो के अन्य वैश्विक भागीदार राष्ट्र हैं- अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, इराक, जापान, कोरिया गणराज्य, मंगोलिया, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान।
नाटो (NATO) क्या है?

➔ उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन अर्थात् नाटो शीत युद्ध के दौरान निर्मित एक राजनीतिक एवं सैन्य गठबंधन है।



➔ इसकी स्थापना 4 अप्रैल, 1949 को वाशिंगटन संधि के हस्ताक्षरित होने के माध्यम से हुई थी।

➔ नाटो यूरोप और उत्तर अमेरिकी राष्ट्रों का सामूहिक सुरक्षा (Collective Defence) पर आधारित गठबंधन है।

➔ इसका मुख्यालय बेल्जियम की राजधानी ब्रूसेल्स में है।

➔ वर्तमान में 29 देश नाटो के सदस्य हैं।

उपराष्ट्रपति की ग्वाटेमाला, पनामा एवं पेरू यात्रा

वर्तमान परिदृश्य

➔ 6-11 मई, 2018 के मध्य उपराष्ट्रपति एम. वैकैया नायडू ने ग्वाटेमाला, पनामा और पेरू की आधिकारिक यात्रा संपन्न की।

⊙ यह यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि अगस्त, 2017 में उपराष्ट्रपति का पद ग्रहण करने के पश्चात इनकी यह पहली विदेश यात्रा है।

ग्वाटेमाला यात्रा

➔ भारत के उपराष्ट्रपति अपनी 6 दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर सर्वप्रथम ग्वाटेमाला पहुंचे।

➔ ज्ञातव्य है कि वर्ष 1972 में दोनों देशों के मध्य राजनयिक संबंधों की स्थापना के बाद, यह दोनों देशों के मध्य पहली द्विपक्षीय उच्चस्तरीय यात्रा है।

➔ सद्यः यात्रा के दौरान उपराष्ट्रपति वैकैया नायडू ने ग्वाटेमाला के राष्ट्रपति जिम्मी मोरालेस से मुलाकात की।

➔ ग्वाटेमाला वर्ष 2021-22 के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की अस्थायी सदस्यता के लिए और भारत वर्ष 2031-32 के लिए ग्वाटेमाला की सदस्यता हेतु समर्थन करेगा।

➔ भारत ने हवाई अड्डों हेतु सौर पैनल की आपूर्ति के ग्वाटेमाला के अनुरोध को स्वीकार कर लिया है।

➔ दोनों देशों के उप-राष्ट्रपतियों की उपस्थिति में दोनों पक्षों के मध्य राजनयिकों के प्रशिक्षण के लिए समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

⊙ इसके अतिरिक्त भारत में ग्वाटेमाला के अंग्रेजी शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए आशय-पत्र पर हस्ताक्षर किए गए।

⊙ ये समझौते तीन वर्ष की अवधि तक वैध रहेंगे तथा आवश्यकता पड़ने पर इसे और आगे बढ़ाया जा सकता है।

➔ उपराष्ट्रपति वैकैया नायडू ने ग्वाटेमाला से अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन में सम्मिलित होने के लिए अनुरोध किया।

पनामा यात्रा

➔ उपराष्ट्रपति वैकैया नायडू अपनी सद्यः लैटिन अमेरिका यात्रा के दूसरे चरण में 8-10 मई, 2018 के मध्य पनामा की यात्रा पर रहे।



⊙ उल्लेखनीय है कि पनामा द्वारा अपनी फाल्कन नीति के तहत विभिन्न देशों के साथ संबंधों को मजबूत करने के प्रयास किए जा रहे हैं और इस नीति के अंतर्गत भारत को भी शामिल किया गया है।

⊙ वर्तमान में दोनों देशों के मध्य द्विपक्षीय व्यापार 424 मिलियन डॉलर के स्तर पर है।

⊙ पनामा के आर्थिक विकास में दृढ़ता से योगदान करने की भारत की प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए भारत द्वारा 10 मिलियन डॉलर की ऋण सहायता के माध्यम से पनामा में एक जैव-विविधता एवं औषध अनुसंधान केंद्र स्थापित किया जाएगा।

⊙ इसके अतिरिक्त भारत द्वारा 15 मिलियन डॉलर की ऋण सहायता से पनामा में एक नवाचार एवं प्रौद्योगिकी केंद्र स्थापित करने की घोषणा भी की गई है।

पेरू यात्रा

⊙ अपनी यात्रा के अंतिम चरण में उपराष्ट्रपति पेरू की यात्रा पर रहे।
⊙ उल्लेखनीय है कि भारत एवं पेरू के मध्य मार्च, 1963 में राजनयिक संबंध स्थापित हुए थे।

⊙ इस प्रकार वर्ष 2018 में दोनों देशों के मध्य राजनयिक संबंधों की स्थापना के 55 वर्ष पूरे हो गए हैं।

⊙ उपराष्ट्रपति वैकैया नायडू की सद्यः यात्रा के दौरान पेरू की राजधानी लीमा में राजनयिक संबंधों की स्थापना की 55वीं वर्षगांठ के अवसर पर समारोह आयोजित किया गया।

⊙ ज्ञातव्य है कि भूतपूर्व राष्ट्रपति के. आर. नारायणन भी वर्ष 1998 में पेरू की आधिकारिक यात्रा पर गए थे।

एसीआई : विश्व के सर्वाधिक व्यस्त हवाईअड्डों की सूची

वर्तमान परिदृश्य

➔ हाल ही में एसीआई (Airports Council International) द्वारा विश्व हवाईअड्डा यातायात रैंकिंग, 2017 जारी की गई।

विश्व हवाईअड्डा यातायात रैंकिंग, 2017

➔ विश्व हवाईअड्डा यातायात रैंकिंग, 2017 विश्व के 1202 हवाईअड्डों से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर तैयार की गई है।

➔ रैंकिंग में विश्व के 20 सर्वाधिक व्यस्त हवाईअड्डों को स्थान दिया गया है।

रिपोर्ट के मुख्य बिंदु

➔ एसीआई के अनुसार, वर्ष 2017 में विश्व के 20 व्यस्ततम हवाईअड्डों के यात्री यातायात में 5.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

➔ वर्ष 2017 में लगभग 1.5 बिलियन यात्रियों ने इन हवाईअड्डों से यात्रा की, जो कि वैश्विक यात्री यातायात का 17 प्रतिशत है।

➔ एसीआई के अनुसार, भारतीय और चीनी हवाईअड्डे एयर कार्गो की वृद्धि में प्रमुख योगदानकर्ता हैं।

➔ एसीआई के अनुसार, हाल के वर्षों में एयर कार्गो बाजार में वृद्धि का एक प्रमुख कारण संयुक्त राज्य अमेरिका की मजबूत अर्थव्यवस्था के साथ-साथ वैश्विक औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि तथा अमेरिकी डॉलर का मजबूत होना रहा।

रैंकिंग

➔ लगभग 104 मिलियन यात्रियों के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका का अटलांटा हार्ट्सफील्ड-जैक्सन (ATL) विश्व का सर्वाधिक व्यस्त हवाईअड्डा है।

➔ रैंकिंग में चीन का बीजिंग कैपिटल अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा दूसरे तथा दुबई अंतरराष्ट्रीय (DXB) हवाईअड्डा तीसरे स्थान पर है।

⦿ अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की दृष्टि से दुबई विश्व का सबसे व्यस्त हवाईअड्डा है।

⦿ वर्ष 2017 में दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के कुल यात्री यातायात में 5.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

➔ वर्ष 2017 में विश्व के 20 व्यस्ततम हवाईअड्डों के एयर कार्गो की मात्रा में 6.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

⦿ ये हवाईअड्डे संयुक्त रूप से 51 मिलियन मीट्रिक टन एयर कार्गो का प्रबंधन करते हैं।

⦿ यह वैश्विक एयर कार्गो की मात्रा का 43 प्रतिशत है।

➔ एयर कार्गो की दृष्टि से हांगकांग (HKG) विश्व का सबसे व्यस्त हवाईअड्डा है।

⦿ वर्ष 2017 में

हांगकांग

हवाईअड्डे से

5 मिलियन

मीट्रिक टन से अधिक का एयर कार्गो संचालित किया गया।

⦿ इस हवाईअड्डे के एयर कार्गो की मात्रा में पिछले वर्ष की तुलना में 9.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

➔ एयर कार्गो की दृष्टि से मेम्फिस (अमेरिका) तथा शंघाई (चीन) अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे रैंकिंग में क्रमशः दूसरे एवं तीसरे स्थान पर हैं।

भारत की स्थिति

➔ दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा (IGIA) रैंकिंग में 16वें (भारत में प्रथम) स्थान पर है।

⦿ ध्यातव्य है कि वर्ष 2016 में आईजीआईए रैंकिंग में 22वें स्थान पर था।

⦿ वर्ष 2017 में आईजीआईए के यात्री यातायात में 14.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

➔ दिल्ली के पश्चात मुंबई, भारत का दूसरा सबसे व्यस्त हवाईअड्डा है।

➔ कलकत्ता (26.9%), हैदराबाद (19.6%), बंगलुरु (12.9%) तथा मद्रास (10.5%) विश्व के सबसे तेजी से वृद्धि करने वाले हवाईअड्डों में से हैं।

➔ एसीआई के अनुसार, यात्री यातायात की दृष्टि से वर्ष 2020 में भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका तथा चीन के पश्चात विश्व का तीसरा सबसे बड़ा विमानन बाजार होगा।

एयरपोर्ट्स काउंसिल इंटरनेशनल (Airports Council International-ACI)

➔ एयरपोर्ट्स काउंसिल इंटरनेशनल की स्थापना वर्ष 1991 में हुई थी।

⦿ यह विश्व के हवाईअड्डों का व्यापार संघ है।

➔ इसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन, अंतरराष्ट्रीय वायु परिवहन संघ तथा सिविल एयर नेवीगेशन सर्विसेज ऑर्गनाइजेशन समेत विश्व विमानन में अपने भागीदारों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है।

➔ एसीआई वैश्विक वायु परिवहन प्रणाली को सुरक्षित, कुशल तथा पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

सिएरा लियोन में राष्ट्रपति चुनाव

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➔ 4 अप्रैल, 2018 को भूतपूर्व सैन्य अधिकारी जूलियस माडा बाओ (Julius Maada Bio) ने सिएरा लियोन के राष्ट्रपति का पदभार ग्रहण किया।

चुनाव

➔ मार्च, 2018 को सिएरा लियोन में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव संपन्न हुए थे।

➔ अप्रैल, 2018 को राष्ट्रपति चुनाव के परिणाम घोषित किए गए थे।

➔ सिएरा लियोन के संविधान के तहत राष्ट्रपति चुनाव के विजेता को, चुनाव में विजेता घोषित होने के दिन ही राष्ट्रपति का पदभार ग्रहण करना होता है।

➔ जुलियस माडा बाओ सिएरा लियोन की सबसे पुरानी पार्टी 'सिएरा लियोन पीपुल्स पार्टी' (SLPP) के उम्मीदवार थे।

- उन्होंने ऑल पीपुल्स कांग्रेस (APC) पार्टी के उम्मीदवार समुरा कामारा (Samura Kamara) को पराजित किया।

➔ राष्ट्रपति चुनाव के द्वितीय

चरण में जूलियस माडा

बाओ को 51.81 प्रतिशत मत

प्राप्त हुए।

➔ उन्होंने निवर्तमान राष्ट्रपति अर्नेस्ट बाई कोरोमा (Ernest Bai Koroma) का स्थान ग्रहण किया।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➔ जूलियस माडा बाओ वर्ष 1992 में सिएरा लियोन सरकार का तख्ता पलट करने वाले सैनिकों के समूह का हिस्सा थे।

➔ वर्ष 1996 में उनके नेतृत्व में सैन्य शासक कैप्टन वैलेंटाइन स्ट्रासर (Valentine Strasser) का तख्ता पलट किया गया था।

➔ जूलियस माडा बाओ के समर्थकों द्वारा उन्हें 'फादर ऑफ डेमोक्रेसी' (Father of Democracy) कहा जाता है।



राष्ट्रीयता गुणवत्ता सूचकांक, 2017

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➔ अप्रैल, 2018 में लंदन शहर में हेनले एंड पार्टनर्स तथ्य प्रो. दिमित्री कोयेनोव द्वारा संयुक्त रूप से 'राष्ट्रीयता गुणवत्ता सूचकांक, 2017' [Quality of Nationality Index (QNI), 2017] जारी किया गया।

➔ राष्ट्रीयता गुणवत्ता सूचकांक के इस तीसरे संस्करण में विश्व के देशों को उनकी राष्ट्रीयता की गुणवत्ता के आधार पर पांच वर्गों में वर्गीकृत कर, उन्हें रैंकिंग प्रदान की गई है।

➔ राष्ट्रीयता की गुणवत्ता से आशय देश में लोगों के जीवन की गुणवत्ता तथा देश के बाहर उन्हें प्राप्त अवसरों की गुणवत्ता में उस देश की नागरिकता के योगदान से है।

प्रविधि

➔ इस सूचकांक का निर्माण आंतरिक कारकों (मानव विकास, आर्थिक सुदृढ़ता तथा शांति एवं स्थिरता) तथा बाह्य कारकों (यात्रा की स्वतंत्रता तथा निवास की स्वतंत्रता) के आधार पर किया गया है।

➔ QNI में देशों को 0 – 100 प्रतिशत तक के स्केल के आधार पर रैंकिंग प्रदान की गई है, जिसमें से 100 प्रतिशत सर्वश्रेष्ठ स्थिति को जबकि 0 प्रतिशत बदतर स्थिति को दर्शाता है।

➔ देशों को रैंकिंग प्रदान करने के अतिरिक्त उन्हें 5 वर्गों में भी वर्गीकृत किया गया है-

- (1) अत्यधिक उच्च गुणवत्ता (Extremely High Quality) – 75 प्रतिशत या उससे अधिक,
- (2) अति उच्च गुणवत्ता (Very High Quality) – 50-74.99 प्रतिशत
- (3) उच्च गुणवत्ता (High Quality) – 35 - 49.99 प्रतिशत
- (4) मध्यम गुणवत्ता (Medium Quality) – 20-34.99 प्रतिशत
- (5) निम्न गुणवत्ता (Low Quality) – 19.99 प्रतिशत या उससे कम।

➔ इस सूचकांक के सभी तथ्य 28 जुलाई, 2017 तक की स्थिति को दर्शाते हैं।

सूचकांक में देशों की स्थिति

➔ वर्ष 2017 के सूचकांक में फ्रांस 81.7 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान पर है।

➔ इसके पश्चात जर्मनी (81.6%) तथा आइसलैंड (81.5%) क्रमशः दूसरे एवं तीसरे स्थान पर हैं।

➔ इस सूचकांक में अंतिम तीन स्थान पर क्रमशः सोमालिया (167वां रैंक), अफगानिस्तान (166वां रैंक) तथा इराक (165वां रैंक) हैं।

सूचकांक में भारत

➔ इस सूचकांक में भारत 29.3 प्रतिशत अंकों के साथ सेनेगल के साथ संयुक्त रूप से 106वें स्थान पर है।

➔ वर्ष 2016 में भारत की रैंकिंग 101वीं थी।

➔ वर्ष 2017 में भारत को मध्यम गुणवत्ता वाले देशों में स्थान प्राप्त हुआ है।

➔ भारत की स्थिति ब्रिक्स देशों [ब्राजील (37वें), चीन (59वें), रूस (63वें) तथा दक्षिण अफ्रीका (92वें)] में भी सबसे निम्नतर है।

लाभ

➔ यह सूचकांक देशों की राष्ट्रीयता के कारण वहां के नागरिकों को आंतरिक एवं बाहर की दुनिया में विकास एवं व्यवसाय की संभाव्यता में सहयोग की स्थिति को दर्शाता है।

➔ यह सूचकांक देशों को उनकी कानूनी स्थिति की जानकारी प्राप्त होगी तथा वे इसमें सुधार हेतु तत्पर होंगे, जो अंततः वैश्वीकरण के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु सहायक होगा।



स्वाजीलैंड : नाम परिवर्तन की घोषणा

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

- ➔ हाल ही में दक्षिण अफ्रीकी देश स्वाजीलैंड के राजा मस्वाती तृतीय ने अपने देश 'स्वाजीलैंड' का नाम बदलकर 'द किंगडम ऑफ इस्वातिनी' (The Kingdom of eSwatini) रखने की घोषणा की।
- ➔ इस्वातिनी का अर्थ है- 'स्वाजियों की भूमि'।

उद्देश्य

- ➔ लोग स्वाजीलैंड को स्विट्जरलैंड के नाम से जोड़कर भ्रमित हो जाते थे, इस कारण नाम परिवर्तन की आवश्यकता महसूस की गई थी।

घोषणा से संबंधित तथ्य

- ➔ स्वाजीलैंड की आजादी के 50 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में राजा ने इसकी आधिकारिक घोषणा की है।
- ➔ राजा मस्वाती तृतीय पिछले कई वर्षों से स्वाजीलैंड को 'इस्वातिनी' के नाम से संबोधित कर रहे थे।
- ➔ उल्लेखनीय है कि वर्ष 2017 में संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते हुए और वर्ष 2014 में देश की संसद में संबोधन के अवसर पर भी इन्होंने इसी नाम का प्रयोग किया था।

क्या प्रभाव होगा ?

- ➔ देश के संविधान में 'स्वाजीलैंड' नाम का 200 बार प्रयोग किया गया है, जिसे बदलना होगा।
- ➔ अंतरराष्ट्रीय संगठनों (संयुक्त राष्ट्र, विश्व बैंक आदि) में भी देश का नाम फिर से पंजीकृत कराना होगा।
- ➔ देश के नोटों एवं सिक्कों पर सेंट्रल बैंक ऑफ स्वाजीलैंड मुद्रित है, उसे बदलना पड़ेगा।

- ➔ सरकारी वेबसाइट, इंटरनेट डोमेन, खिलड़ियों की यूनिफॉर्म तथा सरकारी संस्थानों पर लिखे गए नाम भी अब फिर से बदले जाएंगे।



स्वाजीलैंड के तथ्य

- ➔ स्वाजीलैंड (वर्तमान में किंगडम ऑफ इस्वातिनी) दक्षिणी अफ्रीका में स्थित एक संप्रभु देश है।
- ➔ पूर्व की ओर मोजाम्बिक व उत्तर, पश्चिम तथा दक्षिण की ओर दक्षिण अफ्रीका इस स्थल अवरुद्ध देश के पड़ोसी हैं।
- ➔ स्वाजीलैंड अफ्रीका के सबसे छोटे देशों में से एक है।
- ➔ इस साम्राज्य की स्थापना 1881 ई. में ग्वाने तृतीय ने की थी।
- ➔ 20वीं सदी के आरंभिक वर्षों से लेकर वर्ष 1967 तक यह ब्रिटेन का संरक्षित राज्य था।
- ➔ इसे 6 दिसंबर, 1968 को स्वतंत्रता प्राप्त हुई।
- ➔ इसका कुल क्षेत्रफल 17,364 वर्ग किमी. है।
- ➔ देश का वर्तमान संविधान वर्ष 2005 में स्वीकृत हुआ है।
- ➔ स्वाजीलैंड की मुद्रा स्वाजी लीलांगिनी है, जो दक्षिण अफ्रीका की मुद्रा रैंड के अनुसार आंकी जाती है।
- ➔ स्वाजीलैंड की शाही और वैधानिक राजधानी - लोबाम्बा
- ➔ इसकी प्रशासनिक राजधानी - बाबाने
- ➔ इसका सबसे बड़ा नगर - बाबाने

फ्रांस : नया आव्रजन विधेयक स्वीकृत

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

- ➔ हाल ही में फ्रांस की संसद के निचले सदन 'नेशनल असेंबली' द्वारा 'शरणार्थी आवेदनों का शीघ्रता से निस्तारण एवं मेजाबानी स्थितियों में सुधार' (Accelerate the Treatment of Asylum Applications and Improve Hosting Conditions) नामक नया आव्रजन विधेयक पारित किया गया।

उद्देश्य

- ➔ विधेयक का मुख्य उद्देश्य शरणार्थी आवेदनों की अवधि में कटौती करना और जिन शरणार्थियों के आवेदन अस्वीकृत किए जा चुके हैं उनके लिए निर्वासन प्रणाली को अधिक कुशल बनाना है।

महत्वपूर्ण तथ्य

- ➔ नेशनल असेंबली में यह विधेयक 139 के मुक़ाबले 228 मतों से पारित हुआ।
- ➔ यह विधेयक नियंत्रित आव्रजन (Immigration), शरण (Asylum) का प्रभावी अधिकार और सफल एकीकरण सुनिश्चित करने के लिए है।

- ➔ विधेयक के तहत फ्रांस में शरण पाने में असफल शरणार्थियों की निर्वासन अवधि 45 दिन से बढ़ाकर 90 दिन कर दी गई है।



- ➔ फ्रांस में शरण के लिए आवेदन की अवधि को 120 दिनों से घटाकर 90 दिन कर दी गई है।

- ➔ साथ ही शरणार्थी आवेदन निरस्त होने के खिलाफ अपील करने की अवधि दो सप्ताह निश्चित की गई है।

- ➔ विधेयक में फ्रांस की सीमा को अवैध रूप से पार करने को दंडनीय अपराध बना दिया गया है, जिसके लिए एक वर्ष की कैद और अर्थदंड का प्रावधान किया गया है।

- ➔ साथ ही अवैध आर्थिक प्रवासियों को तत्काल उनके स्वदेश भेजने का प्रावधान किया गया है।



विश्व आर्थिक परिदृश्य जुलाई, 2018

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➔ 16 जुलाई, 2018 को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा 'कम विस्तार, बढ़ते व्यापार तनाव' (Less Even Expansion, Rising Trade Tensions) शीर्षक के साथ विश्व आर्थिक दृष्टिकोण (World Economic Outlook), 2018 का अपडेट (Update) प्रस्तुत किया गया।

➔ विश्व आर्थिक दृष्टिकोण के जुलाई, 2018 के संस्करण में विश्व अर्थव्यवस्था में सुधार की संभावना व्यक्त की गई है।

➔ ध्यातव्य है कि विश्व आर्थिक परिदृश्य में विश्व अर्थव्यवस्था की मध्यावधिक समीक्षा/अनुमान प्रस्तुत किया जाता है।

विश्व अर्थव्यवस्था हेतु अनुमान

➔ अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा वर्ष 2018 तथा वर्ष 2019 दोनों वर्षों में 3.9 प्रतिशत की वैश्विक संवृद्धि का अनुमान प्रस्तुत किया गया है।

⊖ वर्ष 2016 एवं वर्ष 2107 में वैश्विक संवृद्धि दर क्रमशः 3.2 प्रतिशत एवं 3.7 प्रतिशत थी।

➔ रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2018 में विकसित देशों में 2.4 प्रतिशत की संवृद्धि, जबकि उभरते बाजारों में 4.9 प्रतिशत की संवृद्धि का अनुमान है।

➔ वर्ष 2018 में विश्व व्यापार मात्रा में 4.8 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। वर्ष 2019 के लिए यह अनुमान 4.5% है।

➔ वर्ष 2018 में

पेट्रोल की कीमतों

में वृद्धि जबकि वर्ष

2019 में पेट्रोल

की कीमतों में

कमी का अनुमान प्रस्तुत किया गया है।

⊖ पेट्रोल की कीमतों में वर्ष 2017 के 23.3 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में वर्ष 2018 में 33.0 प्रतिशत की वृद्धि अनुमानित है। वर्ष 2019 में पेट्रोल की कीमतों में 1.8 प्रतिशत की कमी का अनुमान है।

भारत हेतु अनुमान

➔ अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष वर्ष 2018 एवं वर्ष 2019 दोनों वर्षों में भारत को सर्वाधिक तीव्र संवृद्धि वाली अर्थव्यवस्था अनुमानित करता है।

➔ वर्ष 2018 एवं वर्ष 2019 में भारतीय अर्थव्यवस्था में क्रमशः 7.3 प्रतिशत तथा 7.5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है।

⊖ उल्लेखनीय है कि वर्ष 2017 में 6.7 प्रतिशत की संवृद्धि के साथ भारत, चीन (6.9% की संवृद्धि) के बाद दूसरी सबसे तीव्र संवृद्धि वाली अर्थव्यवस्था थी।



क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की पुनर्पूजीकरण योजना का विस्तार

पृष्ठभूमि

➔ क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (RRBs) की स्थापना ग्रामीण क्षेत्र में छोटे व सीमांत किसानों, कृषि श्रमिकों, कारीगरों और छोटे उद्यमियों को ऋण व अन्य सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से वर्ष 1975 में की गई थी।

➔ आरआरबी (RRB) भारत सरकार, संबंधित राज्य सरकार तथा प्रायोजक बैंक का एक संयुक्त उद्यम है, जिसमें इनका पूंजी निवेश क्रमशः 50 प्रतिशत, 15 प्रतिशत एवं 35 प्रतिशत है।

➔ वर्तमान में देश में 56 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक कार्यरत हैं।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➔ 4 जुलाई, 2018 को केंद्र सरकार द्वारा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों

(RRBs), की पुनर्पूजीकरण योजना को अगले तीन वर्षों अर्थात् 2017-18 से 2019-20 तक विस्तार देने की मंजूरी प्रदान की गई।

⊖ इस योजना के माध्यम से इन बैंकों को न्यूनतम निर्धारित पूंजी जोखिम परिसंपत्ति अनुपात (CRAR) को 9 प्रतिशत के स्तर पर बनाए रखने में सहायता मिलेगी।

⊖ उल्लेखनीय है कि पूंजी जोखिम परिसंपत्ति अनुपात, जिसे पूंजी पर्याप्तता अनुपात (Capital Adequacy Ratio) भी



कहा जाता है, बैंकों द्वारा प्रदान किए गए जोखिम युक्त ऋणों के एक अनुपात के रूप में रखी जाने वाली राशि होती है जिससे भविष्य में बैंकों के जोखिमों का प्रबंधन किया जा सके।

प्रमुख तथ्य

➔ उन आरआरबी (RRB) की पहचान जिन्हें पुनर्पूँजीकरण की आवश्यकता है, नाबार्ड के परामर्श से की जाएगी।

⊖ बैंकों का यह पूँजीकरण वर्ष 2018-19 की बजट घोषणा के अतिरिक्त होगा जिसमें वित्तीय रूप से मजबूत आरआरबी को भारत सरकार, राज्य सरकार और प्रायोजक बैंक स्रोतों के अलावा अन्य स्रोतों से पूँजी निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है।

➔ क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की पुनर्पूँजीकरण योजना की शुरुआत वित्त वर्ष 2010-11 में हुई थी और इसे वर्ष 2012-13 तथा 2015-16 में दो बार विस्तार दिया गया।

⊖ अंतिम विस्तार 31 मार्च, 2017 तक के लिए था।

➔ कुल 1450 करोड़ रुपये में से भारत सरकार द्वारा 31 मार्च, 2017 तक कुल 1107.20 करोड़ रुपये की धनराशि क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (RRBs : Regional Rural Banks) को जारी की जा चुकी है।

➔ शेष 342.80 करोड़ रुपये की धनराशि उन आरआरबी के पुनर्पूँजीकरण सहयोग के लिए उपलब्ध कराई जाएगी जिनका सीआरएआर (CRAR) वर्ष 2017-18, 2018-19 एवं वर्ष 2019-20 के दौरान 9 प्रतिशत से कम होगा।

योजना के विस्तार से लाभ

➔ एक मजबूत पूँजीगत संरचना और सीआरएआर (CRAR) के न्यूनतम स्तर से आरआरबी की वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित होगी।

⊖ इससे आरआरबी वित्तीय समावेशन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने और ग्रामीण क्षेत्रों की पूँजीगत जरूरतों को पूरा करने में सक्षम होंगे।

पीएमजीएसवाई पर वित्त मंत्रालय एवं विश्व बैंक समझौता

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➔ 31 मई, 2018 को भारत सरकार एवं विश्व बैंक के बीच 'प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना' हेतु अतिरिक्त ऋण के लिए समझौता हुआ।

➔ इस समझौते के अंतर्गत विश्व बैंक, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के लिए 500 मिलियन डॉलर की राशि का अतिरिक्त ऋण देगा।

प्रमुख तथ्य

➔ योजना के तहत 7000 किमी. की जलवायु अनुकूल ग्रामीण सड़कों का निर्माण किया जाना है, जिसमें से 3500 किमी. की सड़कों के निर्माण में हरित तकनीकों का प्रयोग किया जाएगा।

➔ प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का क्रियान्वयन ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है।

➔ सड़क निर्माण में कम कार्बन उत्सर्जन करने वाली हरित तकनीकों का प्रयोग किया जाएगा।

⊖ सड़कों के निर्माण व मरम्मत

हेतु महिला स्वयं सहायता समूहों को भी इस कार्यक्रम से जोड़ा जाएगा।

➔ विश्व बैंक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना को इसकी शुरुआत (वर्ष 2004) से ही वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है।

⊖ इस कार्यक्रम के तहत अब तक लगभग 35000 किमी. की ग्रामीण सड़कों का निर्माण व मरम्मत का कार्य किया जा चुका है।

➔ प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से 80 लाख ग्रामीण आबादी को हर मौसम में इस्तेमाल की जा सकने वाली सड़क सुविधा की प्राप्ति हुई है।



हरित क्रांति - कृषोन्नति योजना

वर्तमान परिदृश्य

➔ 2 मई, 2018 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति द्वारा कृषि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास हेतु 'हरित क्रांति-कृषोन्नति योजना' (Green Revolution-Krishonnati Yojana) को आगामी तीन वर्षों (2017-18 से 2019-20) तक जारी रखने की मंजूरी प्रदान की गई।

➔ वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुना करने के लिए इस योजना के अंतर्गत कृषि से संबंधित 11 योजनाओं को सम्मिलित किया गया है।

➔ इस योजना के तहत तीनों वित्तीय वर्षों हेतु लगभग 33,269.976 करोड़ रुपये अनुमोदित किए गए हैं।

उद्देश्य

➔ योजना का उद्देश्य समग्र और वैज्ञानिक तरीके से उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाकर तथा उत्पाद पर बेहतर लाभ सुनिश्चित करके किसानों की आय को बढ़ाना है।

सम्मिलित 11 योजनाएं

(1) बागबानी के एकीकृत विकास के लिए मिशन (MIDH : Mission for Integrated

Development of Horticulture)



➔ इस योजना के लिए कुल केंद्रीय हिस्सेदारी लगभग 7533.04 करोड़ रुपये हैं।

➔ इसका उद्देश्य बागबानी उत्पादन बढ़ाकर, आहार सुरक्षा में सुधार करके तथा कृषि परिवारों को आय समर्थन देकर बागबानी क्षेत्र के समग्र विकास को प्रोत्साहित करना है।

(2) तिलहन और पॉम ऑयल पर राष्ट्रीय मिशन सहित राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (NFSM : National Food Security Mission)

➔ इस योजना के लिए कुल केंद्रीय हिस्सेदारी लगभग 6893.38 करोड़ रुपये हैं।

➔ इसका उद्देश्य देश के चिह्नित जिलों में उचित तरीके से क्षेत्र विस्तार और उत्पादकता बढ़ाकर चावल, गेहूं, दालें, मोटे अनाज तथा वाणिज्यिक फसलों का उत्पादन बढ़ाना एवं खाद्य तेलों की उपलब्धता बढ़ाकर उसके आयात को कम करना है।

(3) सतत कृषि के लिए राष्ट्रीय मिशन (NMSA : National Mission for Sustainable Agriculture)

➔ इस योजना के लिए कुल केंद्रीय हिस्सेदारी लगभग 3980.82 करोड़ रुपये हैं।

➔ इसका उद्देश्य विशेष कृषि परिस्थितिकी में एकीकृत कृषि, उचित मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन और संसाधन संरक्षण प्रौद्योगिकी के मेलजोल से सतत कृषि को प्रोत्साहित करना है।

(4) कृषि विस्तार पर उपमिशन (SMAE : Sub-mission on Agriculture Extension)

➔ इस योजना के लिए कुल केंद्रीय हिस्सेदारी लगभग 2961.26 करोड़ रुपये हैं।

➔ इसका उद्देश्य राज्य सरकारों, स्थानीय निकायों आदि की जारी विस्तार व्यवस्था को मजबूत बनाकर एवं खाद्य और आहार सुरक्षा सुनिश्चित करके किसानों का समाजिक-आर्थिक सशक्तीकरण करना है।

(5) बीज तथा पौध रोपण सामग्री पर उपमिशन (Sub-mission on Seed and Plant Planting Materials)

➔ इस योजना के लिए कुल केंद्रीय हिस्सेदारी लगभग 920.6 करोड़ रुपये हैं।

➔ इसका उद्देश्य बीज उत्पादन, भंडारण, प्रमाणीकरण तथा गुणवत्ता हेतु संरचना को मजबूत और आधुनिक बनाना है।

(6) कृषि मशीनीकरण पर उपमिशन (SMAM : Sub-mission on Agricultural Mechanization)

➔ इस योजना के लिए कुल केंद्रीय हिस्सेदारी लगभग 3250 करोड़ रुपये हैं।

➔ इस उपमिशन का उद्देश्य लघु और सीमांत किसानों तक कृषि मशीनीकरण पहुंच में वृद्धि करना तथा उन क्षेत्रों में कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा देना है, जहां कृषि बिजली (Farm power) की उपलब्धता कम है।

(7) कृषि संगणना, अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी पर एकीकृत योजना (ISACES : Integrated Scheme on Agriculture Census, Economics and Statistics)

➔ इस योजना के लिए कुल केंद्रीय हिस्सेदारी लगभग 730.58 करोड़ रुपये हैं।

➔ इसका उद्देश्य कृषि गणना करना, फसलों की उपज एवं लागत का अध्ययन करना, कृषि आर्थिक समस्याओं पर शोध करना तथा कृषि सांख्यिकी के तौर-तरीकों में सुधार करना और फसल रोपण से लेकर फसल के काटे जाने तक की स्थिति के बारे में अनुक्रमिक सूचना प्रणाली तैयार करना है।

(8) पौध संरक्षण और पौधों के अलगाव पर उपमिशन (SMPPQ : Sub-mission on Plant Protection and Plant Quarantine)

➔ इस योजना के लिए कुल केंद्रीय हिस्सेदारी लगभग 1022.67 करोड़ रुपये हैं।

➔ इसका उद्देश्य कीड़े-मकोड़े, बीमारियों, अनचाहे पौधों, छोटे कीटाणुओं और अन्य कीटाणुओं आदि से कृषि फसलों तथा उनकी गुणवत्ता को होने वाले नुकसान को कम करना है।

(9) कृषि सहयोग पर एकीकृत योजना (ISAC : Integrated Scheme on Agricultural Cooperation)

➔ इस योजना के लिए कुल केंद्रीय हिस्सेदारी लगभग 1902.636 करोड़ रुपये हैं।

➔ इस योजना का उद्देश्य सहकारी समितियों की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना, क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करना और कृषि विपणन, प्रसंस्करण, भंडारण, कंप्यूटरीकरण और कमजोर वर्गों के लिए कार्यक्रमों में सहकारी विकास में तेजी लाना है।

(10) कृषि विपणन पर एकीकृत योजना (ISAM : Integrated Scheme on Agricultural Marketing)

➔ इस योजना के लिए कुल केंद्रीय हिस्सेदारी लगभग 3863.93 करोड़ रुपये हैं।

➔ इसका उद्देश्य कृषि विपणन संरचना विकसित करना, कृषि विपणन संरचना में नवाचार, नवीनतम प्रौद्योगिकी तथा प्रतिस्पर्धी विकल्पों को प्रोत्साहित करना है।

(11) राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्लान (National E-Governance Plan)

➔ इस योजना के लिए कुल केंद्रीय हिस्सेदारी लगभग 211.06 करोड़ रुपये हैं।

➔ इसका उद्देश्य विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत किसान और किसान केंद्रित सेवाओं को लाना है। इसके अंतर्गत किसानों तक सूचनाओं एवं सेवाओं की पहुंच को बढ़ाने का उद्देश्य है।

महत्वपूर्ण तथ्य

➔ इन योजनाओं/मिशनों का मुख्य ध्येय उत्पादन संरचना का सुदृढीकरण, उत्पादन लागत में कमी और कृषि तथा संबद्ध उत्पाद के विपणन में सुधार पर है।

➔ ये योजनाएं/मिशन अलग-अलग अवधि के लिए पिछले कुछ वर्षों से क्रियान्वित की जा रही हैं।

➔ वर्ष 2017-18 में इन सभी योजनाओं/मिशनों को एक छतरी योजना 'हरित क्रांति-कृषोन्नति योजना' में सम्मिलित किया गया है।

सीबीडीटी : भारत-कुवैत समझौता मंजूरी

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➔ 4 मई, 2018 को 'केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड' (CBDT : Central Board of Direct Taxes) ने भारत और कुवैत के मध्य दोहरे कराधान बचाव समझौते (DTAA : Double Taxation Avoidance Agreement) में संशोधन अधिसूचित किया।

लाभ

- ➔ संशोधन के पश्चात अब दोनों देशों के मध्य अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सूचनाओं का आदान-प्रदान किया जा सकेगा।
- ➔ सूचनाओं का आदान-प्रदान दोनों देशों को कर चोरी के विरुद्ध कड़े कदम उठाने में और भी दक्ष बनाएगा।

➔ यह 15 जून, 2006 को हस्ताक्षरित DTAA तथा 15 जनवरी, 2017 को हस्ताक्षरित



राजकोषीय चोरी की रोकथाम हेतु समझौते में संशोधन करता है।

महत्वपूर्ण तथ्य

- ➔ यह संशोधन 26 मार्च, 2018 से प्रभावी है।
- ➔ उल्लेखनीय है कि दोहरा कराधान एक ऐसी स्थिति है, जहां एक ही आय पर एक ही कंपनी या व्यक्ति (करदाता) एक से अधिक देश में कर देता है।
- ➔ दोहरा कराधान बचाव समझौते (DTAA) का मुख्य उद्देश्य करदाताओं को सामान आय पर अलग-अलग देशों में एक बार से अधिक कर देने से बचाना है।

भारत-दक्षिण अफ्रीका व्यावसायिक शिखर सम्मेलन

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➔ 29-30 अप्रैल, 2018 के मध्य 'भारत-दक्षिण अफ्रीका व्यावसायिक शिखर सम्मेलन' (India-South Africa Business Summit) का आयोजन जोहान्सबर्ग में किया गया।

➔ सम्मेलन की टैग-लाइन 'विरासत से एकजुट, समृद्धि के लिए एकीकृत' (United by Legacy, Unified for Prosperity) थी।

उद्देश्य

- ➔ सम्मेलन का उद्देश्य भारत-दक्षिण अफ्रीका संबंधों को मजबूत करना तथा दोनों देशों के मध्य आर्थिक साझेदारी को बढ़ाना है।
- ➔ व्यापार निवेश एवं आर्थिक सहयोग के माध्यम से समृद्धि हासिल करना भी सम्मेलन का प्रमुख उद्देश्य रहा।

महत्वपूर्ण तथ्य

- ➔ सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग और नागरिक उड्डयन मंत्री सुरेश प्रभु ने किया।
- ➔ सम्मेलन में दक्षिण अफ्रीका के व्यापार एवं उद्योग मंत्री डॉ. रॉब डेविस और स्वाजीलैंड, बोत्सवाना एवं लेसोथो के मंत्रियों ने भी प्रतिभाग किया।

2018 - समय हस्ताक्षर

- ➔ भारत और अफ्रीका के आपसी संबंधों के दृष्टिकोण से वर्ष 2018 अत्यंत महत्वपूर्ण है।
- ➔ वर्ष 2018 में भारत और दक्षिण अफ्रीका अपने आर्थिक और राजनयिक संबंधों के 25 वर्ष पूरे कर रहे हैं।
- ➔ वर्ष 2018 नेल्सन मंडेला के जन्म का शताब्दी वर्ष है।
- ➔ नेल्सन मंडेला दक्षिण अफ्रीका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति थे। उन्होंने देश में रंगभेद के खिलाफ लंबा संघर्ष किया।
- ➔ वर्ष 2018 में पीटरमैरिट्सबर्ग घटना के 125 वर्ष पूरे हो रहे हैं।
- ➔ ध्यातव्य है कि 7 जून, 1893 को महात्मा गांधी को डरबन से प्रिटोरिया की यात्रा के दौरान पीटरमैरिट्सबर्ग रेलवे स्टेशन पर प्रथम श्रेणी के डिब्बे से नीचे उतार दिया गया था।



मंडेला-गांधी युवा सम्मेलन, 2018

- जून, 2018 में पीटरमैरिट्सबर्ग घटना के 125 वर्ष पूरे होने के अवसर पर दक्षिण अफ्रीका के पीटरमैरिट्सबर्ग में तीन दिवसीय 'मंडेला-गांधी युवा सम्मेलन' का आयोजन किया गया।
- इस सम्मेलन में भारतीय विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज ने भाग लिया।
- इस सम्मेलन में भारत, इथियोपिया, नाइजीरिया, तंजानिया, जाम्बिया, मिश्र, मलावी, सेशेल्स और मोजम्बिक से आए प्रवासी युवाओं ने भी शिरकत की।
- सम्मेलन में महात्मा गांधी के सत्याग्रह, अहिंसा और सर्वोदय के सिद्धांतों की प्रासंगिकता पर चर्चा की गई तथा इन्हें मौजूदा वैश्विक चुनौतियों के समाधान की दृष्टि से प्रासंगिक माना गया।

अटल न्यू इंडिया चैलेंज

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➔ 26 अप्रैल, 2018 को नीति आयोग के अटल नवोन्मेषण मिशन (Atal Innovation Mission) द्वारा 'अटल न्यू इंडिया चैलेंज' की घोषणा की गई।

- ⦿ यह चैलेंज राष्ट्रीय महत्व एवं सामाजिक सारोकारों से संबंधित नवीन नवप्रवर्तनों को अमंत्रित करता है तथा समर्थवान नवप्रवर्तनों हेतु पुरस्कार का प्रावधान करता है।

उद्देश्य

➔ अटल न्यू इंडिया चैलेंज का मुख्य उद्देश्य ऐसे नवप्रवर्तनों को प्रोत्साहित करना है, जो देश की आवश्यकताओं के अनुरूप हों तथा जिनसे लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार होता हो।

➔ अटल न्यू इंडिया चैलेंज के दो विजन हैं-

- (a) मौजूदा तकनीक की सहायता से राष्ट्रीय एवं सामाजिक महत्व के उत्पादों को सहयोग प्रदान करना।
- (b) भारतीय जरूरतों के संदर्भ में नई गहन-तकनीकी उत्पादों हेतु सहायता प्रदान करना।

प्रमुख तथ्य

➔ अटल न्यू इंडिया चैलेंज भारत के नवप्रवर्तकों, उद्यमियों आदि को उनके ऐसे नवप्रवर्तनों हेतु आमंत्रित करता है, जो देश की आवश्यकताओं के अनुरूप हों तथा मौजूदा समस्याओं के समाधान में सहायक हों।

- ⦿ चयनित नवप्रवर्तनों जो समर्थवान हों और उन्हें उत्पादों के रूप में ढाला जा सके, को एक करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की जाएगी।

- ⦿ अनुदान सहायता के अतिरिक्त नवप्रवर्तकों को परामर्श, तकनीकी सहायता, प्रौद्योगिकी समर्थन आदि

ATAL NEW INDIA CHALLENGE

जैसी अतिरिक्त सहायता भी प्रदान की जाएगी।

➔ अटल न्यू इंडिया चैलेंज के तहत 24 प्राथमिकता क्षेत्रों को चिह्नित किया गया है।

- ⦿ इनमें स्मार्ट कृषि, रेलवे/सड़क परिवहन में धुंध, स्मार्ट परिवहन, विद्युत, जल की गुणवत्ता, अपशिष्ट प्रबंधन आदि से संबंधित विषय शामिल हैं।
- ⦿ इन चिह्नित क्षेत्रों में कंपनी अधिनियम 1956/2013 के तहत पंजीकृत कोई भी सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम कंपनी, कोई भी स्टार्टअप, सरकारी अथवा निजी शोध एवं विकास संगठन (R & D Organization) [रेलवे R & D संगठन को छोड़कर] तथा कोई भी निजी/संस्थागत नवप्रवर्तक/शोधार्थी नवप्रवर्तन प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकते हैं।

लाभ

- ➔ यह पहल प्रमुख भारतीय समस्याओं के समाधान पर ध्यान केंद्रित कर उनका समाधान करेगी।
- ➔ इससे नागरिकों के जीवन में गुणात्मक सुधार होगा।
- ➔ यह पहल बड़ी मात्रा में रोजगार का सृजन करेगी।
- ➔ तकनीकी प्रगति से दक्षता बढ़ेगी जिससे धारणीय विकास की दिशा में भारत अग्रसर होगा।
- ➔ यह भारत में औद्योगीकरण को भी बढ़ावा देगा।

अटल न्यू इंडिया चैलेंज के तहत चिह्नित क्षेत्र

क्र.सं.	क्षेत्र	क्र.सं.	क्षेत्र
1.	जलवायु स्मार्ट कृषि	2.	सड़क एवं रेलवे हेतु धुंध-दृश्यता प्रणाली
3.	रेलवे की विफलता से बचाव हेतु प्रौद्योगिकी का पूर्वानुमानित रख-रखाव	4.	रोलिंग स्टॉक (रेलवे कोच, इंजन आदि)
5.	वैकल्पिक ईंधन आधारित परिवहन	6.	स्मार्ट गतिशीलता
7.	इलेक्ट्रिक गतिशीलता	8.	सुरक्षित परिवहन
9.	त्वरित पोर्टेबल जल गुणवत्ता परीक्षण	10.	सतत पेयजल स्रोत
11.	डिजिटल जल प्रबंधन	12.	जल की गुणवत्ता प्रभावित क्षेत्रों में जल को पहुंचाना
13.	जल शासन का समंक विश्लेषण	14.	तटीय क्षेत्रों में लघु विलवणीकरण संयंत्र
15.	ग्रे वाटर (नहाने, बपड़े धोने आदि से निकला जल) का प्रबंधन	16.	वहनीय विलवणीकरण/रीसाइक्लिंग प्रौद्योगिकी
17.	अपशिष्ट प्रबंधन, पुनर्चक्रण एवं पुनर्प्रयोग	18.	कचरा संरचना उपकरण
19.	खाद की गुणवत्ता	20.	विकेंद्रीकृत कंपोस्टिंग
21.	खाद के लिए मिक्सिंग ब्लेड्स	22.	सार्वजनिक स्थानों पर अपशिष्ट
23.	सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी का निवारण	24.	सीवेज एवं सेप्टिक टैंकों की सफाई

बोआओ फोरम फॉर एशिया, 2018

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➔ 8-11 अप्रैल, 2018 के मध्य चीन के हैनान प्रांत के बोआओ शहर में 'बोआओ (Boao) फोरम फॉर एशिया' का वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया गया।

➔ विश्व आर्थिक मंच की तर्ज पर एशियाई मुद्दों पर विश्लेषण हेतु आयोजित इस मंच के वर्ष 2018 के संस्करण का मुख्य विषय 'एक वृहत्तर समृद्धि वाले विश्व के लिए एक खुला एवं नवप्रवर्तनशील एशिया' (An open and Innovative Asia for a World of Greater Prosperity)।

⊖ इस फोरम का उद्देश्य आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देना और एशियाई देशों को उनके विकास लक्ष्यों के करीब लाना है।

वर्ष 2018 का सम्मेलन

➔ चार दिवसीय सम्मेलन का औपचारिक उद्घाटन 10 अप्रैल, 2018 को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के द्वारा किया गया।

⊖ अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने अमेरिका की संरक्षणवादी नीति पर विरोध जताया।



➔ सम्मेलन में एशियाई अर्थव्यवस्था, वैश्वीकरण, जापानी अर्थव्यवस्था, परिवहन, आइसलैंड्स इकोनॉमिक कोऑपरेशन, डिजिटल अर्थव्यवस्था, ब्लॉकचेन, अमेरिकी अर्थव्यवस्था की संरचनात्मक चुनौतियों, इंटरनेट तथा टैक्स कटौतियों आदि विषयों पर परिचर्चा हुई।

बोआओ फोरम फॉर एशिया : प्रमुख तथ्य

➔ यह एक गैर-लाभकारी संगठन है, जिसका मुख्यालय चीन के हैनान प्रांत के 'बोआओ' नामक कस्बे में है।

⊖ इसका औपचारिक रूप से गठन फरवरी, 2001 में 26 एशियाई एवं आस्ट्रेलेशियाई देशों द्वारा किया गया था।

वैश्विक स्तर पर पहचान रखने वाले अन्य प्रमुख सामाजिक-आर्थिक मंच (फोरम)

अंतरराष्ट्रीय मंच	स्थापना	मुख्यालय/सचिवालय
विश्व आर्थिक मंच	1971	कोलोगनी, स्विट्जरलैंड
बोआओ फोरम फॉर एशिया	2001	हैनान, चीन
अंतरराष्ट्रीय ट्रांसपोर्ट फोरम	2006	पेरिस, फ्रांस
इस्तांबुल विश्व राजनैतिक मंच	2010	इस्तांबुल, तुर्की
सेंट पीटर्सबर्ग अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मंच	1997	सेंट पीटर्सबर्ग, रूस
विश्व ज्ञान मंच	2000	सियोल, द. कोरिया

टाइम 100 : सर्वाधिक प्रभावशाली व्यक्तियों की सूची, 2018

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➔ 19 अप्रैल, 2018 को प्रतिष्ठित 'टाइम' मैगजीन द्वारा वर्ष 2018 में विश्व के 100 सबसे प्रभावशाली व्यक्तियों की सूची (Time 100: The Most Influential People of 2018) जारी की गई।

➔ वर्ष 2018 की 'टाइम-100' सूची में सर्वाधिक प्रभावशाली लोगों को पांच श्रेणियों असाधारण व्यक्ति (Titans), नेता (Leaders), कलाकार (Artists), मार्गदर्शक (Pioneers) तथा आइकॉन (Icons) के अंतर्गत रखा गया है।

वर्ष 2018 की सूची

➔ वर्ष 2018 में मैगजीन द्वारा नेता श्रेणी में भारतीय मूल के माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला सहित अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो, लंदन के मेयर सादिक खान, प्रिंस हैरी, सऊदी अरब के शहजादे मोहम्मद बिन सलमान, उत्तर कोरिया



के सर्वोच्च नेता किम जोंग उन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, आयरलैंड के प्रधानमंत्री (भारतीय मूल के) लियो वरडकर, जापान के प्रधानमंत्री शिंजो अबे, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना आदि प्रमुख लोगों को शामिल किया गया है।

➔ जेनिफर लोपेज आईकॉन श्रेणी में तथा स्विट्जरलैंड के प्रसिद्ध टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर को टाइम्स की श्रेणी में रखा गया है।

➔ सूची में 12 वर्षीया ब्रिटिश कलाकार मिली बॉबी ब्राउन (Millie Bobby Brown) अब तक 'टाइम-100' में सम्मिलित होने वाली सबसे युवा शख्सियत हैं।

➔ टाइम सूची के व्यक्तियों को 'दुनिया को बदलने वालों' के रूप में जाना जाता है।

सूची में भारत

➔ वर्ष 2018 की 'टाइम-100' सूची में कुल 3 भारतीयों को स्थान प्राप्त हुआ है।

➔ इस सूची में 2 भारतीय मूल के लोगों को भी स्थान प्राप्त है।

➔ इस सूची में ऑनलाइन कैब सेवा देने वाली कंपनी ओला के सह-संस्थापक भावीश अग्रवाल को मार्गदर्शक श्रेणी में रखा गया है।

➔ सूची में प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण को कलाकार श्रेणी में जगह मिली है।

➔ भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली को असाधारण व्यक्तित्व की श्रेणी में शामिल किया गया है।

फॉर्च्यून : 50 महान नेताओं की सूची

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➔ 19 अप्रैल, 2018 को टाइम इंक द्वारा प्रकाशित बिजनेस पत्रिका 'फॉर्च्यून' ने विश्व के 50 महान नेताओं की सूची (World's 50 Greatest Leaders, 2018) जारी की।

➔ इस वार्षिक सूची में दुनिया भर के बिजनेसमैन, दानदाताओं, सरकारों, कला आदि क्षेत्रों के ऐसे लोगों को शामिल किया जाता है, जो दुनिया में बदलाव ला रहे हैं और दूसरों को ऐसा करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

सूची का विवरण

➔ इस सूची में शीर्ष स्थान पर विद्यार्थियों (The Students) को रखा गया है।

➔ विद्यार्थियों में मारजोरी स्टोनमैन डगलस हाईस्कूल समेत अमेरिका के अन्य स्कूलों के उन विद्यार्थियों को रखा गया है, जिन्होंने हिंसा के शिकार हुए लोगों की आवाज उठाई तथा इस पर नियंत्रण हेतु आंदोलन किया।

➔ इस सूची में बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन को स्वास्थ्य क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने हेतु द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है।

➔ सूची में तीसरा स्थान द हैश टैग मी टू मूवमेंट (The # me to movement) को यौन शोषण के विरुद्ध अभियान चलाने हेतु मिल है।

➔ दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जाई-इन को अपने देश में आर्थिक एवं सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने तथा कोरियाई प्रायद्वीप पर शांति बहाली हेतु प्रयास करने के लिए चौथा स्थान प्राप्त हुआ है।

सूची में भारतीय

➔ 'फॉर्च्यून' पत्रिका के इस संस्करण में 3 भारतीयों को शामिल किया गया है।

➔ सुप्रीम कोर्ट की वकील एवं मानवाधिकार कार्यकर्त्री इंदिरा जयसिंह को 20वां स्थान मिला है।

➔ ध्यातव्य है कि इंदिरा जयसिंह ने लॉयर्स कलेक्टिव (Lawyers collective) नामक NGO बनाया है, जो मानवाधिकार हेतु कार्य करता है।

➔ रिलायंस इंडस्ट्रीज के स्वामी मुकेश अंबानी को जीओ (Jio) के माध्यम से वहनीय कीमत पर संवार सुविधाओं को बढ़ावा देने हेतु 24वां स्थान प्राप्त हुआ है।

➔ आर्किटेक्ट बालकृष्ण दोशी को गरीबों हेतु सस्ती वास्तुकारी करने हेतु 43वां स्थान मिला है।

➔ उल्लेखनीय है कि भारत के प्रसिद्ध आर्किटेक्ट बालकृष्ण दोशी वर्ष 2018 के आर्किटेक्चर का नोबेल कहा जाने वाला प्रतिष्ठित 'प्रिंजकर आर्किटेक्चर' के पुरस्कार से नवाजे गए हैं।



फोर्ब्स विश्व के अरबपतियों की सूची, 2018

वर्तमान परिदृश्य

➔ मार्च, 2018 में अमेरिकी बिजनेस पत्रिका फोर्ब्स द्वारा विश्व के अरबपतियों की सूची, 2018 जारी की गई।

➔ फोर्ब्स की इस सूची में 72 देशों के रिकॉर्ड 2208 अरबपतियों को शामिल किया गया है।

विवरण

➔ जिम्बाब्वे और हंगरी को सूची में पहली बार शामिल किया गया है।

➔ सऊदी अरब को इस सूची में शामिल नहीं किया गया है।

➔ सूची में शामिल 2208 अरबपतियों की कुल संपत्ति 9.1 ट्रिलियन डॉलर है, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 18 प्रतिशत अधिक है।

➔ फोर्ब्स विश्व के अरबपतियों की सूची, 2018 में सर्वाधिक 585 अरबपति अमेरिका के हैं।

➔ अमेरिका के पश्चात 373 अरबपतियों के साथ चीन दूसरे स्थान पर है।



➔ फोर्ब्स की इस सूची में 259 नए अरबपति शामिल हैं।

रैंकिंग

➔ फोर्ब्स विश्व के अरबपतियों की सूची, 2018 में अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस 112 बिलियन डॉलर संपत्ति के साथ शीर्ष स्थान पर हैं।

➔ बेजोस विश्व के पहले अरबपति हैं जिन्होंने 100 बिलियन डॉलर का आंकड़ा पार किया।

➔ बिल गेट्स 90 बिलियन डॉलर की निवल संपत्ति के साथ सूची में दूसरे स्थान पर हैं।

➔ वारेन बफे 84 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ सूची में तीसरे स्थान पर हैं।

➔ फ्रांस के बर्नार्ड अर्नाल्ट 72 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ चौथे स्थान पर हैं, जबकि पांचवां स्थान फेसबुक के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग (71 बिलियन डॉलर) को प्राप्त हुआ।

➔ सूची में चीन के अरबपति मा हुआटेंग 17वें स्थान पर हैं।

⊖ ये एशिया के सबसे धनी व्यक्ति हैं।

भारत की स्थिति

➔ फोर्ब्स विश्व के अरबपतियों की सूची, 2018 में भारत के 121 अरबपति शामिल हैं जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 19 अधिक हैं।

➔ भारत अरबपतियों की संख्या की दृष्टि से विश्व में तीसरे स्थान पर है।

➔ रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष मुकेश अंबानी 40.1 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ सबसे धनी भारतीय हैं।

⊖ वैश्विक सूची में मुकेश अंबानी 19वें स्थान पर हैं।

⊖ ध्यातव्य है कि पिछले वर्ष वह सूची में 33वें स्थान पर थे।

➔ 18.8 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ अजीम प्रेमजी दूसरे तथा 18.5 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ लक्ष्मी मित्तल तीसरे स्थान पर हैं।

➔ जिंदल समूह की अध्यक्ष सावित्री जिंदल 8.8 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ सबसे धनी भारतीय महिला हैं।

⊖ वैश्विक सूची में सावित्री जिंदल 176वें स्थान पर हैं।

➔ बायोफैक की अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक किशन मजूमदार शॉ 3.6 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ दूसरी सबसे धनी भारतीय महिला हैं।

विश्व के शीर्ष पांच अरबपति

रैंक	अरबपति	संपत्ति (बिलियन डॉलर में)	कंपनी	देश
1.	जेफ बेजोस	112	अमेजन	संयुक्त राज्य अमेरिका
2.	बिल गेट्स	90	माइक्रोसॉफ्ट	संयुक्त राज्य अमेरिका
3.	वारेन बफे	84	बर्कशायर हैथवे	संयुक्त राज्य अमेरिका
4.	बर्नार्ड अर्नाल्ट	72	एलवीएमएच	फ्रांस
5.	मार्क जुकरबर्ग	71	फेसबुक	संयुक्त राज्य अमेरिका

शीर्ष पांच भारतीय अरबपति

रैंक	अरबपति	संपत्ति (बिलियन डॉलर में)	कंपनी	वैश्विक रैंकिंग
1.	मुकेश अंबानी	40.1	रिलायंस इंडस्ट्रीज	19
2.	अजीम प्रेमजी	18.8	विप्रो	58
3.	लक्ष्मी मित्तल	18.5	आर्सेलर-मिताल	62
4.	शिव नाडर	14.6	एचसीएल	98
5.	दिलीप सांघवी	12.8	सन फॉर्मा	115

महत्वाकांक्षी जिलों की आधारभूत रैंकिंग

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➔ 28 मार्च, 2018 को नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ कांत ने 101 महत्वाकांक्षी जिलों की आधारभूत रैंकिंग (Baseline Ranking of Aspirational District) जारी की।

➔ यह रैंकिंग पांच विकासात्मक क्षेत्रों, नामतः स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि एवं जल संसाधन, वित्तीय समावेशन एवं कौशल विकास तथा आधारभूत अवसंरचना से संबंधित 49 संकेतकों (81 आंकड़ा बिंदुओं) पर आधारित है।

पृष्ठभूमि

➔ जनवरी, 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'महत्वाकांक्षी जिलों के रूपांतरण' (Transformation of Aspirational Districts) कार्यक्रम की शुरुआत की थी।

⊖ इस कार्यक्रम का उद्देश्य देश के सबसे कम विकसित जिलों की पहचान कर उनका तीव्र एवं प्रभावी तरीके से रूपांतरण करना है।

➔ इस कार्यक्रम में प्रत्येक जिले की सुदृढ़ता की पहचान करने तथा उन जिलों में प्रगति के आकलन एवं जिलों की रैंकिंग पर विशेष ध्यान दिया गया है।

जिलों की रैंकिंग

➔ इस रैंकिंग में आंध्र प्रदेश के विजयनगरम (48.13 अंक) को शीर्ष स्थान प्राप्त हुआ है, जबकि हरियाणा का मेवात जिला (26.02 अंक) अंतिम स्थान पर रहा।

➔ राजनंदगांव (छत्तीसगढ़), ओस्मानाबाद (महाराष्ट्र), कडप्पा (आंध्र प्रदेश) तथा रामनाथपुरम् (तमिलनाडु) क्रमशः द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ एवं पंचम स्थान पर रहे।

⊖ वहीं असिफाबाद (तेलंगाना), सिंगरौली (मध्य प्रदेश), किपहायर (नगालैंड), श्रावस्ती तथा बहराइच (उत्तर प्रदेश) अंतिम (क्रमशः 100-96वें रैंक तक) स्थानों पर रहे।

➔ इस रैंकिंग में उत्तर प्रदेश के आठ जिले (फतेहपुर, चंदौली, चित्रकूट, सोनभद्र, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, बहराइच तथा श्रावस्ती) शामिल हैं।





ग्लोनास-M

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➔ जून, 2018 में रूस द्वारा 'प्लेसेट्सक स्पेस सेंटर' (Plesetsk Space Center) से सोयज 2-1b रॉकेट द्वारा ग्लोनास-M नेविगेशन उपग्रह का सफल प्रक्षेपण किया गया।

उद्देश्य

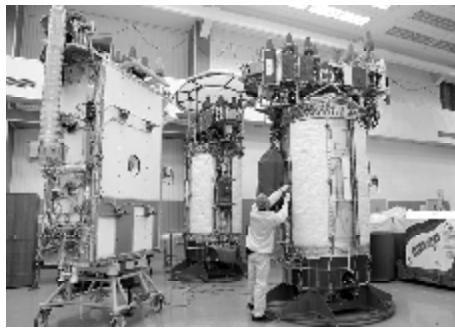
- ➔ रूस द्वारा अपनी नेविगेशन प्रणाली को अधिक तार्किक और सटीक बनाना।
- ➔ वैश्विक स्तर पर अपनी सॉफ्ट पॉवर के रूप में स्थिति मजबूत करना।
- ➔ अंतरिक्ष में अपना विस्तार करना।

ग्लोनास-M

- ➔ ग्लोनास-M, ग्लोनास रेडियो नेविगेशन प्रणाली का एक उपग्रह है।
- ➔ यह द्वितीय पीढ़ी का एक उपग्रह है। इसका जीवनकाल 7 वर्ष तथा भार 1415 किग्रा. है।
- ➔ इनमें समय निर्धारण के लिए सीजियम परमाणु घड़ी का प्रयोग किया गया है।

ग्लोनास नेविगेशन प्रणाली

- ➔ ग्लोनास रूस की रेडियो नेविगेशन उपग्रह प्रणाली है। इसके द्वारा वस्तु (Object) की स्थिति तथा गति का निर्धारण किया जाता है।



➔ सार्वजनिक रूप से अर्थात् आम लोगों को स्थिति (Position) की जानकारी 100 मीटर के परास में उपलब्ध है, जबकि सैन्य गतिविधियों के लिए यह परास 10-20 मीटर है।

➔ इस प्रणाली के सभी उपग्रहों का निर्माण रेशटनेव इन्फॉर्मेशन सैटेलाइट सिस्टम द्वारा किया जा रहा है।

ग्लोनास नेविगेशन प्रणाली का विकास क्रम

- ➔ वर्ष 1976 में तत्कालीन सोवियत संघ की सरकार द्वारा इस प्रणाली के विकास का निर्णय लिया गया।
- ➔ वर्ष 1982 में प्रथम उपग्रह प्रक्षेपित किया गया और वर्ष 1995 तक पर्याप्त उपग्रह प्रक्षेपित किए जा चुके थे।
- ➔ दुर्भाग्यवश वर्ष 1990-91 में रूस का विघटन हो गया और इसका नकारात्मक प्रभाव इस प्रोजेक्ट पर पड़ा।
- ➔ वर्ष 2000 में पुनः राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के नेतृत्व में इस प्रणाली को आगे बढ़ाया गया और बजट में वृद्धि की गई तथा इस प्रोजेक्ट को रूसी अंतरिक्ष केंद्र का मुख्य उद्देश्य बनाया गया।
- ➔ वर्तमान में यह प्रणाली अमेरिका के GPS के पूरक के रूप में उभर रही है।

26वां रिमपैक सैन्याभ्यास

वर्तमान संदर्भ

➔ जून, 2018 में संयुक्त राज्य अमेरिका के हवाई द्वीप एवं दक्षिणी कैलिफोर्निया के सागरीय क्षेत्र में प्रशांत महासागरीय तटीय देशों का सैन्याभ्यास अर्थात् रिमपैक (Rim of the Pacific : RIMPAC) आरंभ हुआ।

➔ संयुक्त राज्य अमेरिका की नौसेना इस अभ्यास की मेजबानी की।

रिमपैक, 2018

➔ रिमपैक, 2018 में 25 राष्ट्रों के 25000 सैनिक, 45 पोत एवं पनडुब्बियां, 200 से अधिक विमान आदि भाग ले रहे हैं।

➔ रिमपैक, 2018 रिमपैक अभ्यास शृंखला का 26वां अभ्यास है।

➔ रिमपैक, 2018 का विषय है- सक्षम, अनुकूल, भागीदार (Capable, Adaptive, Partners)

➔ इस अभ्यास के अंतर्गत समुद्री सुरक्षा अभियान (ऑपरेशन), आपदा राहत, मिश्रित युद्धाभ्यास, समुद्री डकैती विरोधी अभियान आदि पर विशेष बल दिया जाएगा।



➔ इस वर्ष अभ्यास में ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई, कनाडा, चिली, कोलम्बिया, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इस्राइल, जापान, मलेशिया, मेक्सिको, नीदरलैंड्स, न्यूजीलैंड, पेरू, कोरिया गणराज्य, फिलीपींस गणराज्य, सिंगापुर, श्रीलंका, थाईलैंड, टोंगा, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका और वियतनाम की सेनाएं हिस्सा ले रहीं हैं।

☞ श्रीलंका, वियतनाम, इस्राइल और ब्राजील पहली बार रिमपैक में भाग ले रहे हैं।

➔ रिमपैक, 2018 की मेजबानी संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रशांत महासागरीय बेड़े (U.S. Pacific Fleet) द्वारा की जा रही है, जिसका नेतृत्व संयुक्त राज्य नौसेना के तीसरे बेड़े (U.S. 3rd Fleet) के कमांडर वाइस एडमिरल जॉन डी. एलेक्जेंडर कर रहे हैं।

चीन रिमपैक, 2018 से बाहर

➔ रिमपैक, 2018 अभ्यास के लिए चीन को आमंत्रित नहीं किया गया है।

☞ दक्षिण चीन सागरीय क्षेत्र में चीन की प्रसारवादी नीति एवं इस क्षेत्र में अस्थिरता उत्पन्न करने वाले व्यवहार को कारण बताते

हुए अमेरिका ने चीन को रिमपैक, 2018 के अभ्यास से बाहर कर दिया है।

रिमपैक क्या है?

➔ रिमपैक एक अंतरराष्ट्रीय समुद्री सैन्य अभ्यास है।

➔ यह एक द्विवार्षिक अभ्यास है जिसकी शुरुआत वर्ष 1971 में हुई थी।

☞ प्रथम रिमपैक अभ्यास में ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका की सेनाओं ने भाग लिया था।

➔ यह अभ्यास समुद्री मार्गों एवं अंतर्संबंधित महासागरों को सुरक्षा प्रदान करने के संबंध में विशिष्ट प्रशिक्षण का अवसर उपलब्ध कराता है।

➔ ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका ने रिमपैक शृंखला के सभी अभ्यासों में हिस्सा लिया है।

➔ भारत रिमपैक अभ्यास में वर्ष 2012 से भाग ले रहा है।

➔ रिमपैक अभ्यास में भाग लेने वाला पहला भारतीय नौसैनिक पोत आई.एन.एस. सह्याद्रि था, जिसने वर्ष 2014 के रिमपैक अभ्यास में भाग लिया था।

पिनाक रॉकेट

वर्तमान परिदृश्य

➔ 30 एवं 31 मई, 2018 को ओडिशा के चांदीपुर स्थित प्रूफ एवं प्रयोगात्मक संगठन (PXE) से पिनाक रॉकेट के उन्नत संस्करण का सफल परीक्षण किया गया।

महत्वपूर्ण तथ्य

➔ पिनाक के उन्नत संस्करण को दिशा-निर्देशन प्रणाली (गाइडेड) से लैस किया गया है, इससे इसकी मारक क्षमता 70 किलोमीटर हो गई है।

☞ ध्यातव्य है कि पूर्व में पिनाक में दिशा-निर्देशन प्रणाली नहीं थी और इसकी मारक क्षमता 40 किलोमीटर तक थी।

➔ पिनाक के इस दिशा-निर्देशित संस्करण को पिनाक मार्क-II की संज्ञा दी गई है।



➔ पिनाक के विकास में पुणे का आयुध अनुसंधान एवं विकास संस्थान (ARDE) तथा अनुसंधान केंद्र इमारत (RCI), हैदराबाद शामिल है।

➔ पिनाक प्रणाली हेतु नौवहन, दिशा-निर्देशन और कंट्रोल किट का विकास अनुसंधान केंद्र इमारत द्वारा किया गया है।

पिनाक

➔ पिनाक एक विश्वस्तरीय मल्टीबैरेल रॉकेट प्रक्षेपण प्रणाली है।

➔ इसका डिजाइन और विकास आयुध अनुसंधान एवं विकास संस्थान, पुणे द्वारा किया गया है। यह संस्थान रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन का एक प्रतिष्ठान है।

➔ डॉ. के.एम. राजन पिनाक रॉकेट के मुख्य डिजाइनकर्ता हैं।

WHO डिजिटल स्वास्थ्य प्रस्ताव

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➔ 29 मई, 2018 को 71वीं विश्व स्वास्थ्य सभा (World Health Assembly) में भारत द्वारा डिजिटल स्वास्थ्य पर लाए गए प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई।

उद्देश्य

➔ इस प्रस्ताव का मुख्य उद्देश्य डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग करके सार्वभौमिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में गुणवत्तापरक सुधार करना है।

डिजिटल स्वास्थ्य प्रस्ताव से संबंधित तथ्य

➔ जेनेवा में 71वीं विश्व स्वास्थ्य सभा का आयोजन किया गया जिसमें विश्व स्वास्थ्य संगठन के सभी सदस्य देशों ने हिस्सा लिया।

➔ डिजिटल स्वास्थ्य प्रस्ताव, WHO के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचानकर डिजिटल



स्वास्थ्य के लिए वैश्विक रणनीति का निर्माण करता है।

➔ साथ ही इसमें WHO के अपने प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करने और वैश्विक स्वास्थ्य एजेंडे के अनुसार, सदस्य देशों द्वारा अपनी स्वास्थ्य प्रणाली में सुधार की बात कही गई है।

➔ डिजिटल स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज का समर्थन करने तथा स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच एवं गुणवत्ता में सुधार करने की बड़ी संभावना है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन से संबंधित तथ्य

➔ विश्व स्वास्थ्य संगठन (World Health Organization : WHO), स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर आपसी सहयोग एवं मानक विकसित करने की वैश्विक संस्था है।

➔ विश्व स्वास्थ्य संगठन के 194 सदस्य देश हैं।

➔ यह संयुक्त राष्ट्र संघ की आनुषंगिक इकाई है।

➔ इसकी स्थापना 7 अप्रैल, 1948 को की गई थी।

➔ इसका उद्देश्य विश्व के लोगों के स्वास्थ्य का स्तर ऊंचा करना है।

➔ WHO का मुख्यालय स्विट्जरलैंड के जेनेवा शहर में स्थित है।

वरीयता रोगों की वार्षिक समीक्षा, 2018

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➔ हाल ही में जेनेवा, स्विट्जरलैंड में विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 'डब्ल्यूएचओ आर एंड ब्लूप्रिंट' (WHO R&D Blueprint) के लिए वरीयता (Priority) रोगों की सूची की समीक्षा के लिए एक अनौपचारिक बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक का विवरण

➔ इस बैठक में वायरोलॉजी, बैक्टीरियोलॉजी एवं माइक्रोलॉजी समेत गंभीर बीमारियों के माइक्रोबायोलॉजी विशेषज्ञ, गंभीर संक्रमणों के चिकित्सा प्रबंधन विशेषज्ञ, महामारी विज्ञान विशेषज्ञ, सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति विशेषज्ञ, मानवविज्ञानी आदि शामिल हुए।

➔ साथ ही जैविक हथियारों से परिचित रक्षा या सुरक्षा विशेषज्ञ शामिल हुए।

➔ वर्ष 2018 की वार्षिक समीक्षा में यह अभिनिर्धारित किया गया कि सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात का कारक बनने की क्षमता एवं प्रभावी दवा या टीके की अनुपलब्धता के कारण कुछ रोगों के लिए तत्काल त्वरित अनुसंधान एवं विकास की आवश्यकता है।

➔ ये रोग हैं— क्रीमियन-कांगो रक्तस्रावी बुखार (CCHF), इबोला वायरल रोग एवं मारबर्ग वायरल रोग, लासा बुखार, मध्य पूर्व

श्वसन सिंड्रोम कोरोनावायरस (MERS-CoV) एवं सेवेयर एक्यूट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम (SARS), हैनिपावायरस रोग, रिफ्ट वैले फीवर (RVF), जीका वायरस रोग और डिजीज एक्स।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➔ मई, 2015 में 194 देशों के अनुरोध पर विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा महामारी रोकथाम हेतु कार्रवाई के लिए अनुसंधान एवं विकास (R&D) ब्लूप्रिंट तैयार करने हेतु विशेषज्ञों के सम्मेलन का आयोजन किया गया था।

➔ आर एंड डी ब्लूप्रिंट का लक्ष्य सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल की घोषणा और जीवन रक्षक प्रभावी नैदानिक परीक्षण, टीके, एंटी वायरस एवं अन्य उपचारों की उपलब्धता के मध्य समयांतराल को कम करना है।

➔ इसके तहत गतिविधियां तीन दृष्टिकोणों में आयोजित की जाती हैं, जिसके द्वितीय दृष्टिकोण में त्वरित अनुसंधान एवं विकास प्रक्रियाओं पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

➔ इसमें महामारी खतरे के आकलन का कार्य और वरीयता रोगजनकों की एक परिभाषित सूची शामिल है।



नई पीढ़ी का प्रशिक्षण विमान

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➔ हाल ही में वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) द्वारा 'राष्ट्रीय एयरोस्पेस प्रयोगशाला' (NAL) को 'भारत में निर्मित' (Made in India) नई पीढ़ी के प्रशिक्षक (Trainer) विमान हंसा-एनजी (Hansa-NG) के डिजाइन, विकास एवं प्रमाणन के लिए सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई।

हंसा-एनजी

➔ हंसा-एनजी राष्ट्रीय एयरोस्पेस प्रयोगशाला द्वारा डिजाइन एवं विकसित दो सीटों वाले हंसा-3 विमान का नई पीढ़ी का संस्करण है।

➔ हंसा-एनजी वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद, राष्ट्रीय एयरोस्पेस प्रयोगशाला और मेस्को (Mesco) एयरोस्पेस की भागीदारी वाली परियोजना है।

➔ हंसा-एनजी विमान संशोधित विशेषताओं एवं अत्याधुनिक प्रदर्शन

प्रणालियों से लैस होगा।

हंसा-3

➔ उल्लेखनीय है कि हंसा-3 सीएसआईआर एवं एनएएल द्वारा डिजाइन एवं विकसित भारत का पहला ऑल-कंपोजिट (All-Composite) हल्का विमान है।

➔ पूरे देश में फ्लाईंग क्लबों द्वारा पायलट प्रशिक्षण के लिए 12 हंसा-3 विमानों का उपयोग किया जा रहा है।

➔ यह विमान उड़ान प्रशिक्षण, खेल एवं शौकिया (Hobby) उड़ान के लिए उपयुक्त है।

➔ यह विमान आकाशीय बिजली से सुरक्षित है और इसे रात्रि उड़ान संचालनों के लिए अनुमति प्राप्त है।

➔ हंसा-3 विमान की लंबाई 7.6 मीटर, ऊंचाई 2.61 मीटर, पंख विस्तार 10.47 मीटर और कुल भार 750 किग्रा. है।

➔ हंसा-3 विमान की अधिकतम कूज गति 213 किमी./घंटा है।



डेजर्ट टाइगर-5 सैन्य अभ्यास

वर्तमान परिदृश्य

➔ अप्रैल, 2018 में संयुक्त अरब अमीरात और मलेशिया की सेनाओं के मध्य 'डेजर्ट टाइगर-5' (Desert Tiger-5) संयुक्त सैन्य अभ्यास संपन्न हुआ।

उद्देश्य

➔ डेजर्ट टाइगर-5 सैन्य अभ्यास का उद्देश्य दोनों देशों की सेनाओं के मध्य विशेषज्ञता का आदान-प्रदान और संयुक्त सैन्य कार्रवाइयों में वृद्धि करना था।

- ☉ साथ ही युद्धक दक्षता एवं प्रदर्शन के स्तर को बढ़ाना और सैन्य बलों की संपूर्ण क्षमता एवं युद्धक तैयारी में सुधार के लिए एक रणनीति के आधार पर साथ कार्य करना था।

अभ्यास का विवरण

➔ डेजर्ट टाइगर-5 अभ्यास का कार्यान्वयन सभी क्षेत्रों में दोनों देशों के मध्य सार्वभौम भागीदारी के निर्माण एवं सहयोग की संयुक्त अरब अमीरात के शीर्ष नेतृत्व की इच्छा के फ्रेमवर्क के तहत किया गया।

- ☉ अभ्यास के समापन सहारोह में संयुक्त अरब अमीरात की थल सेना के डिप्टी कमांडर ब्रिगेडियर रशीद अल शेही और मलेशिया के सैन्य प्रमुख दातो' श्री जुल्कीपल बिन हज कासिम शामिल हुए।
- ☉ संयुक्त अरब अमीरात की थल सेना द्वारा अपने सैनिकों की क्षमता में विकास के लिए रणनीतिक योजना का मसौदा तैयार

किया जा रहा है।



अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➔ संयुक्त अरब अमीरात और मलेशिया के मध्य विभिन्न क्षेत्रों, जैसे- विनिर्माण, नवीन तकनीक, सेवा एवं अंतरराष्ट्रीय व्यापार क्षेत्र, नवाचार, अनुसंधान तथा विकास, रक्षा क्षेत्र आदि में मजबूत संबंध हैं।

- ☉ अप्रैल, 2018 में कुआलालम्पुर, मलेशिया में आयोजित 16वें 'रक्षा सेवा एशिया (DSA), 2018' में संयुक्त अरब अमीरात के रक्षा एवं सुरक्षा उद्योग शामिल हुए थे।
- ☉ वर्तमान में संयुक्त अरब अमीरात, खाड़ी सहयोग परिषद (GCC) देशों में मलेशिया का सबसे बड़ा व्यापार भागीदार है।
- ☉ वर्ष 2016 में दोनों देशों के मध्य व्यापार 15.4 बिलियन दिरहम का था।
- ☉ वर्ष 2015 में अंत तक मलेशिया का संयुक्त अरब अमीरात में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 1.6 बिलियन दिरहम का था, जबकि समान अवधि में संयुक्त अरब अमीरात का मलेशिया में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 8.7 बिलियन दिरहम था।

संक्षिप्तियां करेन्ट नोट्स

चर्चित व्यक्ति, चर्चित स्थल, संघ/संगठन, योजना/परियोजना, ऑपरेशन/अभियान, चर्चित पुस्तकें, पुरस्कार, शब्द संक्षेप तथा और भी बहुत कुछ...



चर्चित व्यक्ति

□ टी. वी. नरेंद्रन

➔ टाटा स्टील लि. द्वारा अधिग्रहीत भूषण स्टील लि. के नए अध्यक्ष और गैर-कार्यकारी अतिरिक्त निदेशक नियुक्त। (11 जुलाई, 2018)



□ अनूप चंद्र पांडे

➔ भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी; उत्तर प्रदेश के प्रमुख सचिव के रूप में पदभार ग्रहण। (30 जून, 2018)



➔ इस पद पर इन्होंने राजीव कुमार का स्थान लिया।

□ शरद कुमार

➔ राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) के पूर्व अध्यक्ष, केंद्रीय सतर्कता आयोग में सतर्कता आयुक्त नियुक्त। (10 जून, 2018)



➔ कार्यकाल-4 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक जो भी पहले हो।

➔ वर्तमान में के.वी. चौधरी आयोग में केंद्रीय सतर्कता आयुक्त तथा टी.एम. भसीन सतर्कता आयुक्त के रूप में कार्यरत हैं।

□ अरविंद सक्सेना

➔ संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) के सदस्य; आयोग के कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त। (20 जून, 2018)



➔ इस पद पर वह विनय मित्तल का स्थान लेंगे।

□ टॉमी थॉमस

➔ भारतीय मूल के वकील; मलेशिया के सुल्तान मोहम्मद पंचम द्वारा देश के अटार्नी जनरल नियुक्त। (5 जून, 2018)



➔ वह इस पद पर नियुक्त होने वाले पहले अल्पसंख्यक व्यक्ति हैं।

□ अयान गोगोई गोहेन

➔ असम के लखीमपुर जिले के चार वर्षीय बालक; इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा 'भारत के सबसे युवा लेखक' के खिताब से सम्मानित। (5 जून, 2018)



- ➔ उन्हें उनकी पुस्तक 'हनीकॉम्ब' के लिए सम्मानित किया गया।
- ➔ यह पुस्तक जनवरी, 2018 में प्रकाशित हुई थी।

□ पिपा हैरिस

➔ प्रसिद्ध ब्रिटिश फिल्म और टेलीविजन निर्माता; ब्रिटिश फिल्म और टेलीविजन कला अकादमी (BAFTA) की अध्यक्ष निर्वाचिता। (5 जून, 2018)



□ मारिया फर्नांडा इस्पिनोसा

➔ इक्वाडोर की विदेश मंत्री; संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 73वें महासभा अधिवेशन के लिए अध्यक्ष निर्वाचिता। (5 जून, 2018)



➔ वह संयुक्त राष्ट्र के 73 वर्षों के इतिहास में महासभा अधिवेशन की अध्यक्ष बनने वाली चौथी महिला हैं।

➔ इससे पूर्व भारत की विजय लक्ष्मी पंडित 8वें महासभा अधिवेशन की, लाइबेरिया की एन्जी ई. ब्रुक्स 24वें महासभा अधिवेशन की तथा बहरीन की शेख हया राशेद अल-खलीफा 61वें महासभा अधिवेशन की अध्यक्षता कर चुकी हैं।

➔ मारिया फर्नांडा इस्पिनोसा महासभा के वर्तमान अध्यक्ष मिरोस्लाव लैजकक (स्लोवाकिया) के स्थान पर 18 सितंबर-5 अक्टूबर, 2018 के मध्य न्यूयॉर्क में होने वाले 73वें महासभा अधिवेशन से अपना कार्यकाल प्रारंभ करेंगी।

□ महेश कुमार जैन

➔ केंद्र सरकार द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के डिप्टी गवर्नर नियुक्त। (4 जून, 2018)



➔ कार्यकाल-3 वर्ष।

➔ इस पद पर उन्होंने एस.एस. मूंदरा का स्थान लिया।

□ पेड्रो सांचेज

➔ स्पेन के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण। (2 जून, 2018)



➔ इस पद पर इन्होंने मारियानो राजॉय का स्थान लिया।

□ सुधा बालाकृष्णन

➔ भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की पहली मुख्य वित्तीय अधिकारी (CFO) नियुक्त। (28 मई, 2018)

- कार्यकाल-3 वर्ष।
- इनका कार्यस्तर रिजर्व बैंक की कार्यकारी निदेशक के समतुल्य होगा।



□ वीणा सहजवाला

➔ भारतीय मूल की प्रसिद्ध वैज्ञानिक और नवोन्मेषक, उन 21 प्रतिष्ठित ऑस्ट्रेलियाई वैज्ञानिकों में शामिल हैं, जिन्हें इस वर्ष ऑस्ट्रेलियन एकेडमी ऑफ साइंस का फेलो चुना गया। (28 मई, 2018)



- उन्हें पुनर्चक्रण विज्ञान में क्रांतिकारी बदलाव लाने में उनके योगदान हेतु इस प्रतिष्ठित एकेडमी के फेलो के रूप में चुना गया है।
- वर्तमान में वह सिडनी स्थित न्यू साउथ वेल्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान संकाय में एसोसिएट डीन हैं।
- वह आईआईटी, कानपुर से धातु विज्ञान से बी.टेक हैं।

□ निमा जांगमु शेरपा

➔ नेपाल की महिला पर्वतारोही; एकर सत्र में विश्व के सबसे ऊंचे पर्वत शिखरों में शामिल तीन पर्वत शिखरों की चढ़ाई करके विश्व रिकॉर्ड बनाया। (23 मई, 2018)



- उन्होंने 23 मई, 2018 को विश्व के तीसरे सर्वोच्च शिखर माउंट कंचनजंघा पर चढ़ाई की।
- इससे पूर्व उन्होंने 14 मई, 2018 को माउंट एवरेस्ट और 29 अप्रैल, 2018 को माउंट व्होल्से की चढ़ाई की थी।

➔ इस प्रकार वह 25 दिनों में एक सत्र में इन तीन ऊंचे शिखरों पर चढ़ाई करने वाली विश्व की एकमात्र महिला बनीं।

□ गोबिंद सिंह देव

➔ मलेशिया में भारतीय मूल के सिख राजनेता; देश के कैबिनेट मंत्री बनने वाले पहले सिख बने। (21 मई, 2018)



- देश के इतिहास में मंत्री के रूप में नियुक्त किए जाने वाले वह अल्पसंख्यक समुदाय के पहले व्यक्ति हैं।

□ शिवांगी पाठक

➔ हरियाणा (भारत) की 16 वर्षीय पर्वतारोही; नेपाल की ओर से माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली देश की सबसे युवा महिला बनीं। (17 मई, 2018)



- ज्ञातव्य है कि वर्ष 2014 में तेलंगाना की 13 वर्षीय मालावत पूर्णा तिब्बत की ओर से माउंट एवरेस्ट पर सफलतापूर्वक चढ़ने वाली विश्व की सबसे कम उम्र की महिला बनीं थी।

□ सुभाष चंद्र खुंतिया

➔ भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी, भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (IRDAI) के अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण। (7 मई, 2018)



□ न्यायमूर्ति आर.के. अग्रवाल

➔ सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश; राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के अध्यक्ष नियुक्त। (मई, 2018)



- उन्होंने न्यायमूर्ति डी. के. जैन का स्थान लिया।

अब्य चर्चित ब्यक्ति

- नीना शेरिंग ला— भारतीय विदेश सेवा की अधिकारी; केंद्र सरकार द्वारा कांगो में भारत की अगली राजदूत नियुक्त। (10 जुलाई, 2018)
- गिरिश चंद्र चतुर्वेदी— भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी; आईसीआईसीआई बैंक के अंशकालिक गैर-कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त। (1 जुलाई, 2018)
- ले. जनरल अजीज अहमद— बांग्लादेश के नए सेना प्रमुख नियुक्त। (26 जून, 2018)
- टी. ऑर्मस्ट्रांग चांगसन— भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी; केंद्र सरकार द्वारा आइसलैंड में भारत के अगले राजदूत नियुक्त। (20 जून, 2018)
- रुद्रेंद्र टंडन— भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी; केंद्र सरकार द्वारा आसियान के लिए भारत के अगले राजदूत नियुक्त। (5 जून, 2018)
- नासिर-उल मुल्क— पाकिस्तान के पूर्व मुख्य न्यायाधीश; देश के अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण। (1 जून, 2018)
- एलन वीन— प्रसिद्ध अंतरिक्ष यात्री का निधन। (26 मई, 2018)
- इब्राहिमा कैसोरी फोफाना— गिनी के नए प्रधानमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण। (24 मई, 2018)
- स्टेसी कर्निंगम— न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज (NYSE) की पहली महिला अध्यक्ष नियुक्त। (22 मई, 2018)
- उत्तम पछरने— कलाकार एवं मूर्तिकार; राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा ललित कला अकादमी के अध्यक्ष नियुक्त। (17 मई, 2018)
- शांताराम नाइक— गोवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा पूर्व लोक सभा एवं राज्य सभा सदस्य का निधन। (9 जून, 2018)
- ललितेश्वर प्रसाद शाही— पूर्व केंद्रीय मंत्री व वरिष्ठ कांग्रेसी नेता का निधन। (9 जून, 2018)
- प्रोफेसर पनमना रामचंद्रन नायर— प्रसिद्ध मलयालम लेखक एवं शिक्षाविद् का निधन। (5 जून, 2018)
- ओमर रज्जाज— जॉर्डन के प्रधानमंत्री नियुक्त। (5 जून, 2018)
- अब्देल फतेह अल-सिसी— मिश्र के राष्ट्रपति के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल हेतु शपथ ग्रहण। (2 जून, 2018)

- **एम. वेंकटेश**— मैंगलौर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लि. (MRPL) के एमडी एवं सीईओ के रूप में कार्यभार ग्रहण। (1 जून, 2018)
- **रमेश चंद्र मीणा**— ट्राइबल को-ऑपरेटिव मार्केटिंग डेवलपमेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया लि. (ट्राइफेड) के अध्यक्ष निर्वाचित। (25 मई, 2018)
- **अनुव्रता बिस्वास**— एयरटेल पेमेंट्स बैंक लि. के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त। (24 मई, 2018)
- **टॉम वोल्फ (थॉमस केनेरली वोल्फ जूनियर)**— प्रसिद्ध अमेरिकी लेखक एवं पत्रकार का निधन। (14 मई, 2018)
- **डिक क्वाक्स**— न्यूजीलैंड के प्रसिद्ध धावक; ओलंपिक पदक विजेता का निधन। (28 मई, 2018)
- **प्रोफेसर गणेशीताल**— ओडिशा के राज्यपाल नियुक्त। (25 मई, 2018)
- **कुमानम राजशेखरन**— मिजोरम के राज्यपाल नियुक्त। (25 मई, 2018)
- **सुशील चंद्र**— केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (CBDT) के अध्यक्ष; केंद्र सरकार द्वारा अध्यक्ष के रूप में एक वर्ष का कार्यकाल विस्तार दिया गया। (मई, 2018)
- **न्यायमूर्ति चंद्रमौलि कुमार प्रसाद**— केंद्र सरकार द्वारा लगातार दूसरे कार्यकाल हेतु भारतीय प्रेस परिषद (PCI) के अध्यक्ष मनोनीत। (23 मई, 2018)
- **विनोद भट्ट**— वरिष्ठ गुजराती लेखक एवं गुजराती साहित्य परिषद के पूर्व अध्यक्ष का निधन। (23 मई, 2018)
- **सी. राजा मोहन**— प्रसिद्ध भारतीय शिक्षाविद् एवं विदेश नीति विश्लेषक; नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर के थिंक टैंक 'दक्षिण

- एशियाई अध्ययन संस्थान' (ISAS) के निदेशक के रूप में कार्यभार ग्रहण। (21 मई, 2018)
- **अनिल कुमार झा**— कोल इंडिया लि. (CIL) के सीएमडी के रूप में कार्यभार ग्रहण। (18 मई, 2018)
- **निकोलस मादुरो**— वेनेजुएला के राष्ट्रपति के रूप में पुनः निर्वाचित। (20 मई, 2018)
- **जीना हॉस्पेल**— अमेरिकी सीनेट द्वारा सीआईए (CIA) की पहली महिला निदेशक नियुक्त। (मई, 2018)
- **न्यायमूर्ति रामातिगम सुधाकर**— मणिपुर उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण। (18 मई, 2018)
- **निकोल पशिनियन**— आर्मेनिया के नए प्रधानमंत्री निर्वाचित। (8 मई, 2018)
- **नितिन बावनकुले**— प्रमुख सर्व इंजन कंपनी गूगल द्वारा गूगल क्लाउड इंडिया के नए प्रमुख (Country head) नियुक्त। (8 मई, 2018)
- **गोविंद लाल बोरा**— वरिष्ठ पत्रकार का निधन। (14 मई, 2018)
- **ई.सी. जॉर्ज सुदर्शन**— प्रसिद्ध भारतीय भौतिकशास्त्री का निधन। (13 मई, 2018)
- **रमेश हसन**— दक्षिण अफ्रीका में भारतीय मूल के प्रसिद्ध संगीतकार और गायक का निधन। (12 मई, 2018)
- **बालकवि बैरागी**— प्रसिद्ध कवि एवं लेखक तथा पूर्व सांसद का निधन। (13 मई, 2018)

चर्चित स्थल

□ झारखंड

➔ झारखंड के मुख्यमंत्री रघुवर दास द्वारा राज्य में देश का पहला 'खादी मॉल' बनाए जाने की घोषणा। (2 जुलाई, 2018)



☞ यह मॉल रांची स्थित है। इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन (एचईसी) परिसर की भूमि पर निर्मित किया जाएगा।

☞ इस खादी मॉल का निर्माण खादी बोर्ड करेगा।

□ चंडीगढ़

➔ महिला और बाल विकास मंत्री मेनका गांधी ने केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला, चंडीगढ़ के परिसर में सखी सुरक्षा आधुनिक फोरेंसिक डीएनए लैबोरेटरी की आधारशिला रखी। (1 जून, 2018)



☞ महिलाओं से जुड़े मामलों (यौन उत्पीड़न और दुष्कर्म के मामले की जांच) की जांच हेतु स्थापित यह देश की पहली आधुनिक फोरेंसिक लैब है।

☞ इस अवसर पर यौन उत्पीड़न के लंबित मामलों में डीएनए जांच हेतु फोरेंसिक लैब की कमी से निपटने हेतु आगामी तीन माह में ऐसी पांच और आधुनिक फोरेंसिक लैब मुंबई, चेन्नई, गुवाहाटी, पुणे और भोपाल में स्थापित किए जाने की घोषणा की गयी।

□ सिक्किम

➔ रक्षा राज्य मंत्री सुभाष रामराव भामरे द्वारा सिक्किम में थेंग सुरंग (लंबाई 578 मीटर) का उद्घाटन। (7 जून, 2018)



☞ यह सिक्किम की सबसे लंबी सुरंग है।

☞ यह डबल-लेन सुरंग सीमा सड़क संगठन द्वारा गंगटोक-चुंगथांग मार्ग पर निर्मित की गई है।

□ रीवा

➔ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा सुप्रसिद्ध फिल्म कलाकार एवं निर्देशक स्व.राजकपूर की पुण्यतिथि के अवसर पर रीवा, मध्य प्रदेश में नवनिर्मित कृष्णा-राजकपूर ऑडिटोरियम का उद्घाटन। (2 जून, 2018)



- ⊙ इस ऑडिटोरियम का नामकरण राजकपूर और उनकी पत्नी कृष्णा के नाम पर किया गया है।

□ चारमीनार

- ➔ राष्ट्रीय वाप विद्युत निगम लिमिटेड (एनटीपीसी) द्वारा स्वच्छ आइकॉनिक प्लेस प्रोजेक्ट के तहत हैदराबाद स्थित चारमीनार को गोद लिया गया। (1 जून, 2018)



□ किशनगंज

- ➔ बिहार मंत्रीमंडल द्वारा किशनगंज में मत्स्य पालन कॉलेज की स्थापना को मंजूरी। (29 मई, 2018)

- ⊙ इस कॉलेज की निर्माण लागत राशि 40.31 करोड़ रुपये होगी।



□ मानेसर

- ➔ केंद्रीय भारी उद्योग एवं लोक उपक्रम मंत्री अनंत गीते द्वारा आईएमटी मानेसर स्थित अंतरराष्ट्रीय ऑटोमेटिव तकनीक केंद्र-2 (आईकैट-2) में ऑटो इंडस्ट्री के लिए विकसित चार नई विश्वस्तरीय टेस्टिंग सुविधा का उद्घाटन। (29 मई, 2018)



- ⊙ आईकैट-2 में विकसित चार नई विश्वस्तरीय सुविधाओं में 'शोर कंपन और कठोरता' (NVH) लैब, विद्युतचुंबकीय संगतता (EMC) लैब, निष्क्रिय सुरक्षा प्रयोगशाला (PSL) और टायर परीक्षण लैब (TTL) शामिल हैं।

□ भुवनेश्वर

- ➔ केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री रवि शंकर प्रसाद द्वारा भुवनेश्वर में क्लाइड सक्षम राष्ट्रीय डेटा सेंटर का लोकार्पण। (28 मई, 2018)



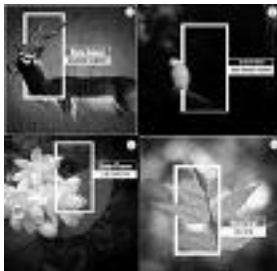
- ⊙ यह राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) द्वारा देश में स्थापित चौथा राष्ट्रीय डेटा सेंटर है।
- ⊙ ज्ञातव्य है कि इससे पूर्व एनआईसी द्वारा दिल्ली, हैदराबाद और पुणे में राष्ट्रीय डेटा सेंटर स्थापित किए जा चुके हैं।

□ आंध्र प्रदेश

- ➔ आंध्र प्रदेश के नए राज्य प्रतीक चिह्न की घोषणा। (मई, 2018)

- ⊙ नए राज्य प्रतीक चिह्न निम्न हैं-

- राज्य वृक्ष— नीम
- राज्य पशु— ब्लैक बक (काला हिरण)
- राज्य पक्षी— रोज-रिंगड तोता
- राज्य पुष्प— चमेली (जैसमीन)



□ डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम पार्क

- ➔ उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत द्वारा छावनी परिषद क्लेमेंटाउन, देहरादून में नवनिर्मित डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम पार्क का उद्घाटन। (30 मई, 2018)



- ⊙ ज्ञातव्य है कि उत्तराखंड सचिवालय परिसर के मुख्य भवन का नामकरण डॉ. कलाम के नाम पर किया गया है।

□ पांच जिलों में मेडिकल कॉलेज की स्थापना को मंजूरी

- ➔ उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल द्वारा पांच जिलों-गाजीपुर, फतेहपुर, एटा, मिर्जापुर एवं सिद्धार्थ नगर के जिला अस्तपालों को अपग्रेड कर मेडिकल कॉलेज बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी। (मई, 2018)



- ⊙ प्रत्येक कॉलेज की प्रस्तावित निर्माण लागत राशि 250 करोड़ रुपये है।
- ⊙ उक्त धनराशि का वहन केंद्र और राज्य सरकार 60:40 के अनुपात में करेंगी।

□ ब्रह्मपुत्र अध्ययन केंद्र

- ➔ केंद्र सरकार द्वारा ब्रह्मपुत्र अध्ययन केंद्र की स्थापना हेतु मंजूरी प्रदान। (मई, 2018)

- ⊙ यह केंद्र गुवाहाटी विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित किया जाएगा।

- ➔ यह केंद्र भौतिकी, जल विज्ञान, जलमार्ग, पर्यावरण, आपदा और बाढ़ प्रबंधन, जल विद्युत उत्पादन इत्यादि में ब्रह्मपुत्र नदी के पहलुओं पर शोध के अवसर प्रदान करेगा।



□ संयुक्त अरब अमीरात

- ➔ संयुक्त अरब अमीरात द्वारा केरल राज्य से आयातित ताजे फलों और सब्जियों पर प्रतिबंध लगाया गया। (29 मई, 2018)

- ⊙ यह प्रतिबंध राज्य में निपाह वायरस के प्रकोप के कारण लगाया गया है।



□ चीन

- ➔ भारत द्वारा चीन में दूसरे आईटी कॉरिडोर का शुभारंभ। (27 मई, 2018)

- ⊙ इस आईटी कॉरिडोर का नाम 'एसआईडीसीओपी' (Sino Indian Digital Collaborative Opportunities) रखा गया है।

- ⊙ इसकी स्थापना का उद्देश्य भारतीय आईटी कंपनियों की बड़े चीनी बाजार में पहुंच सुनिश्चित करना है।



□ कोलंबिया

→ कोलंबिया औपचारिक रूप से उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (NATO) में वैश्विक भागीदार के रूप में शामिल होने वाला प्रथम लैटिन अमेरिकी राष्ट्र बना। (मई, 2018)



□ कोंडापावुलुरु गांव

→ उपराष्ट्रपति वैकैया नायडू ने आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले के गन्नावरम मंडल में स्थित कोंडापावुलुरु गांव में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) के दक्षिणी परिसर की आधारशिला रखी। (22 मई, 2018)



→ यह परिसर आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014 के तहत स्थापित किया गया है।

□ कृष्णा जिला

→ तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) द्वारा आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले में नागायालंका ब्लॉक में कच्चे तेल (कूड ऑयल) हेतु ड्रिलिंग ऑपरेशन प्रारंभ। (22 मई, 2018)



→ उक्त स्थल पर 'अर्ली प्रोडक्शन सिस्टम' का भी उद्घाटन किया गया।

□ नेपाल

→ विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा नेपाल ट्रेकोमा मुक्त देश घोषित। (21 मई, 2018)

→ नेपाल दक्षिण-पूर्व एशिया में ट्रेकोमा मुक्त घोषित होने वाला पहला देश है।



→ इस हिमालयी राष्ट्र में 1980 के दशक में ट्रेकोमा अंधापन का दूसरा प्रमुख कारण था।

→ ट्रेकोमा जीवाणु से होने वाला संक्रमण है, जो आंखों पर असर करता है।

□ ब्राजील

→ ब्रिक्स देशों द्वारा स्थापित न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) द्वारा इस वर्ष ब्राजील में अमेरिका के लिए एक क्षेत्रीय कार्यालय खोले जाने की घोषणा। (21 मई, 2018)



→ यह घोषणा एनडीबी के अध्यक्ष के.वी. कॉमथ और ब्राजील के विदेश मंत्री अलॉयसियो नूनस फेरेरा के मध्य शंघाई, चीन में आयोजित बैठक के बाद की गई।

□ कानपुर

→ भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT), कानपुर द्वारा यूनाइटेड किंगडम सरकार की मदद से ऊर्जा विनियमन हेतु भारत के पहले केंद्र की स्थापना। (17 मई, 2018)

→ यह भारत में अपनी तरह का पहला केंद्र होगा जिसका उद्देश्य ऊर्जा/बिजली क्षेत्र में नीति और नियामक संस्थानों को मजबूत करना है।



□ मणिपुर

→ मणिपुर पूर्वोत्तर का पहला और भारत का तीसरा ऐसा राज्य बना, जहां पर सौर शौचालय निर्मित किया गया है। (मई, 2018)

→ यह शौचालय इबुधोउ मार्जिंग पहाड़ी, हेंगंग में निर्मित है।

→ ज्ञातव्य है कि इससे पूर्व तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में सौर शौचालय की स्थापना की जा चुकी है।



□ अरुणाचल प्रदेश

→ एलायंस एयर के 42 सीटर एटीआर विमान ने 'लोकप्रिय गोपीनाथ बारदोलोई हवाई अड्डा', गुवाहाटी से उड़ान भरकर अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी सियांग जिले में स्थित 'पासीघाट एडवांस लैंडिंग ग्राउंड' पर पहली वाणिज्यिक उड़ान के रूप में लैंडिंग की। (21 मई, 2018)



→ इस लैंडिंग के साथ ही अरुणाचल प्रदेश ने देश के विमानन मानचित्र पर राज्य की पहली वाणिज्यिक उड़ान के रूप में जगह बनायी।

□ गुवाहाटी

→ गुवाहाटी रेलवे स्टेशन, असम भारत का पहला सौर ऊर्जा संचालित रेलवे स्टेशन बना। (मई, 2018)

→ इस रेलवे स्टेशन की छत पर लगभग 2352 सौर मॉड्यूल (विद्युत उत्पादन क्षमता 700 किलोवॉट पीक) स्थापित किए गए हैं।



□ फगवाड़ा

→ पूर्णतः महिलाओं द्वारा संचालित पासपोर्ट सेवा केंद्र का फगवाड़ा, पंजाब में शुभारंभ। (14 मई, 2018)

→ यह भारत का 192वां पासपोर्ट सेवा केंद्र तथा पूर्णतः महिलाओं द्वारा संचालित पहला डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र है।

□ महाराष्ट्र

→ महाराष्ट्र डिजिटल हस्ताक्षरित भूमि रिकॉर्ड रसीद जिसे 7/12 रसीद भी कहा जाता है, ऑनलाइन प्रदान करने वाला देश का पहला राज्य बना। (1 मई, 2018)



☉ 7/12 रसीद एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है, जिससे भूमि के स्वामित्व का पता चलता है।

➔ सरकार द्वारा फ़सल सर्वेक्षण के दौरान और विभिन्न सुविधाओं का विस्तार करने के लिए भी इस रसीद का उपयोग किया जाता है।

☐ वडोदरा

➔ स्वीडिश-स्विस बहुराष्ट्रीय कंपनी एबीबी (ASEA Brown Boveri) द्वारा वडोदरा, गुजरात में स्थित अपने कारखाने में भारत के पहले औद्योगिक सौर माइक्रोग्रिड को शुरू करने की घोषणा। (26 अप्रैल, 2018)



☉ माइक्रोग्रिड एक स्थानीयकृत बिजली स्रोत है, जो पारंपरिक विद्युत ग्रिड (माइक्रोग्रिड) से जुड़कर और समन्वित होकर स्वायत्त रूप से कार्य करता है।

पुरस्कार/सम्मान

☐ 19वां अंतरराष्ट्रीय भारतीय फिल्म अकादमी (IIFA) पुरस्कार, 2018

➔ 19वां अंतरराष्ट्रीय भारतीय फिल्म अकादमी पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन बैंकॉक, थाईलैंड में किया गया। (24 जून, 2018)

☉ प्रमुख पुरस्कार एवं विजेता निम्न हैं-



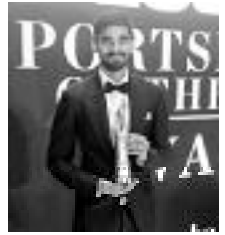
- सर्वश्रेष्ठ फिल्म— 'तुम्हारी सुलु' (निर्देशक-सुरेश त्रिवेणी)
- सर्वश्रेष्ठ निर्देशक— साकेत चौधरी (फिल्म-हिन्दी मीडियम)
- सर्वश्रेष्ठ अभिनेता— इरफ़ान खान (फिल्म-हिन्दी मीडियम)
- सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री— श्रीदेवी (मरणोपरांत) (फिल्म-मॉम)
- सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता— नवाजुद्दीन सिद्दिकी (फिल्म-मॉम)
- सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री— मेहर विज (फिल्म-सीक्रेट सुपरस्टार)
- सर्वश्रेष्ठ कहानी— अमित वी. मासुरकर (फिल्म-न्यूटन)
- सर्वश्रेष्ठ स्क्रीनप्ले— नितेश तिवारी एवं श्रेयश जैन (फिल्म-बरेली की बर्फी)
- सर्वश्रेष्ठ नवोदित निर्देशक— कोंकणा सेन शर्मा (फिल्म-ए डेथ इन द रूज)
- सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशक— अमाल मलिक, तनिष्क बगनी एवं अखिल सचदेवा (फिल्म-बद्रीनाथ की दुल्हनिया)
- सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायक— अरिजीत सिंह (फिल्म-जब हैरी मेट सेजल), गीत-हवाएं
- सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायिका— मेघना मिश्रा (फिल्म-सीक्रेट सुपरस्टार) गीत-'मैं कौन हूँ'
- सर्वश्रेष्ठ गीतकार— मनोज मुंतशिर (फिल्म-बादशाहो), गीत-मेरे रश्के कमर
- आउटस्टैंडिंग अचीवमेंट अवॉर्ड— अनुपम खेर
- स्टाइल आइकॉन ऑफ द ईयर अवॉर्ड— कृति सैनों

☐ स्पोर्ट्स इलस्ट्रेटेड वार्षिक पुरस्कार, 2017

➔ खेल पत्रिका स्पोर्ट्स इलस्ट्रेटेड (Sports Illustrated) भारत के आठवें पुरस्कार समारोह का वितरण नई दिल्ली में संपन्न। (20 जून, 2018)

➔ देश के शीर्ष बेडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकान्त को भारतीय 'स्पोर्ट्स पर्सन ऑफ द ईयर' पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

➔ अन्य पुरस्कार प्राप्तकर्ता इस प्रकार हैं-



- ☉ टीम ऑफ द ईयर - भारतीय महिला क्रिकेट टीम
- ☉ कोच ऑफ द ईयर - स्टीफेन कोंसटेनटाइन (राष्ट्रीय फुटबॉल टीम)
- ☉ यंग स्पोर्ट्स पर्सन ऑफ द ईयर - मानव विकास ठक्कर (टेबल टेनिस)
- ☉ गेमचेंजर ऑफ द ईयर - शुभंकर शर्मा (गोल्फ)
- ☉ लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड - धनराज पिल्लै (पूर्व हॉकी प्लेयर)
- ☉ कम्युनिटी डेवलपमेंट इन स्पोर्ट - सैलेन टुडु (रग्बी)
- ☉ कमबैक ऑफ द ईयर - सुशील कुमार (कुश्ती)
- ☉ स्पेशल अवॉर्ड टिविंग लेजेंड - बलबीर सिंह सीनियर (पूर्व हॉकी प्लेयर)

☐ 23वां निक्केई एशिया पुरस्कार, 2018

➔ जापान का प्रतिष्ठित पुरस्कार निम्न 3 श्रेणियों में प्रदान किया गया-

(i) आर्थिक और व्यापार नवाचार-मा जुन (चीन)

(ii) विज्ञान और प्रौद्योगिकी-प्रोफेसर न्युयेन थान लिएम (वियतनाम)

(iii) संस्कृति एवं सामुदायिक-सुलभ इंटरनेशनल के संस्थापक डॉ. बिंदेश्वर पाठक (भारत)।



☐ योग प्रोत्साहन और विकास में असाधारण योगदान हेतु प्रधानमंत्री पुरस्कार, 2018

➔ नासिक के विश्वास मांडलिक (व्यक्तिगत-राष्ट्रीय श्रेणी में) तथा योग संस्थान, मुंबई (संगठन-राष्ट्रीय श्रेणी में) को। (20 जून, 2018)

☉ वर्ष 2017 के लिए यह पुरस्कार राममणि आर्यंगर स्मारक योग संस्थान, पुणे को दिया गया था।

☉ पुरस्कार राशि-25 लाख रुपये।

☐ BCCI अवॉर्ड्स, 2016-17 एवं 2017-18

➔ भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) द्वारा सत्र 2016-17 एवं 2017-18 हेतु वार्षिक पुरस्कारों का वितरण बंगलुरु में किया गया। (12 जून, 2018)

➔ सत्र 2016-17 के लिए पूर्व भारतीय क्रिकेटर पंकज रॉय को मरणोपरांत (2001) कर्नल सी.के. नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड प्रदान किया गया।

☞ इसके अंतर्गत 25 लाख रुपये की धनराशि, एक प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान किया गया।

➔ बीसीसीआई लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड फॉर तुमेन डायना एडुल्जी को प्रदान किए जाने की घोषणा की गई थी, परंतु डायना ने यह पुरस्कार लेने से मना कर दिया।

➔ बीसीसीआई स्पेशल अवॉर्ड अब्बास अली बेग और स्व. नरेन तमहाने को प्रदान किया गया।

➔ पिछले दो सत्रों 2016-17 एवं 2017-18 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ भारतीय क्रिकेटर का पॉली उमरीगर अवॉर्ड विराट कोहली को प्रदान किया गया।



➔ वर्ष 2016-17 के लिए 'सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेटर' का अवॉर्ड हरमनप्रीत कौर को प्रदान किया गया।

➔ वर्ष 2016-17 के अन्य अवॉर्ड
लाला अमरनाथ अवॉर्ड

☞ सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंड प्रदर्शन रणजी ट्रॉफी में - परवेज रसूल (जम्मू-कश्मीर)

☞ सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंड प्रदर्शन घरेलू सीमित ओवर प्रतियोगिता में - कृणाल पांड्या

➔ माधवराव सिंधिया अवॉर्ड

☞ रणजी ट्रॉफी में सर्वाधिक रन हेतु - प्रियांक के. पांचाल (गुजरात), 10 मैचों में 1310 रन।

☞ रणजी ट्रॉफी में सर्वाधिक विकेट हेतु - शाहबाज नदीम (झारखंड), 10 मैचों में 56 विकेट।

➔ एम.ए. चिदंबरम ट्रॉफी

☞ U-23 सी.के. नायडू ट्रॉफी में सर्वाधिक रन हेतु - एकांत सी. सेन (हिमाचल प्रदेश)

☞ U-23 सी.के. नायडू ट्रॉफी में सर्वाधिक विकेट हेतु - करन कैला (पंजाब)

☞ U-19 कूच बिहार ट्रॉफी में सर्वाधिक रन हेतु - जॉटी सिद्ध (दिल्ली)

☞ U-19 कूच बिहार ट्रॉफी में सर्वाधिक विकेट हेतु - राहुल सिंह (असम)

➔ जगमोहन डालमिया ट्रॉफी

☞ U-16 विजय मर्चेट ट्रॉफी में सर्वाधिक रन हेतु - एन. ठाकुर तिलक वर्मा (हैदराबाद)

☞ U-16 विजय मर्चेट ट्रॉफी में सर्वाधिक विकेट हेतु - रोहित दत्तात्रेय (विदर्भ CA)

☞ सीनियर घरेलू सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी - पूनम राउत

☞ जूनियर घरेलू सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी - जेमिमाह रोड्रीगुएज

➔ घरेलू क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ अम्पायर - अनिल दांडेकर

➔ बीसीसीआई घरेलू टूर्नामेंटों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु - क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (8 अंक)

➔ सत्र 2017-18 हेतु पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंशुमान गायकवाड़ को कर्नल सी.के. नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

➔ महिला हेतु बीसीसीआई लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड सुधा शाह को प्रदान किया गया।

➔ बीसीसीआई विशेष अवॉर्ड स्व. बुद्धी कुंदेरन को प्रदान किया गया।

➔ वर्ष 2017-18 हेतु 'सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेटर' का पुरस्कार स्मृति मंधाना को प्रदान किया गया।

➔ वर्ष 2017-18 के अन्य अवॉर्ड
लाला अमरनाथ अवॉर्ड

☞ सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंड प्रदर्शन रणजी ट्रॉफी में - जलज सक्सेना (केरल)

☞ सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंड प्रदर्शन घरेलू सीमित ओवर प्रतियोगिता में - दिवेश पठानी ओडी (SSCB)

➔ माधवराव सिंधिया अवॉर्ड

☞ रणजी ट्रॉफी में सर्वाधिक रन हेतु - मयंक अग्रवाल (कर्नाटक), 8 मैचों में 1160 रन।

☞ रणजी ट्रॉफी में सर्वाधिक विकेट हेतु - जलज सक्सेना (केरल), 7 मैचों में 44 विकेट।

➔ एम.ए. चिदंबरम ट्रॉफी

☞ U-23 सी.के. नायडू ट्रॉफी में सर्वाधिक रन हेतु - आर्यमान बिड़ला (मध्य प्रदेश)

☞ U-23 सी.के. नायडू ट्रॉफी में सर्वाधिक विकेट हेतु - तेजस बरोका (दिल्ली)

☞ U-19 कूच बिहार ट्रॉफी में सर्वाधिक रन हेतु - वाई.वी. राठौड़ (विदर्भ -A)

☞ U-19 कूच बिहार ट्रॉफी में सर्वाधिक विकेट हेतु - आयुष एस. जामवाल (हिमाचल प्रदेश)

➔ जगमोहन डालमिया ट्रॉफी

☞ U-16 विजय मर्चेट ट्रॉफी में सर्वाधिक रन हेतु - के. नीतिश कुमार रेड्डी (आंध्र प्रदेश)

☞ U-16 विजय मर्चेट ट्रॉफी में सर्वाधिक विकेट हेतु - रेशु राज (बिहार)

☞ सीनियर घरेलू सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी - दिप्ती शर्मा

☞ जूनियर घरेलू सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी - जेमिमाह रोड्रीगुएज

☞ घरेलू क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी - यशवंत बर्डे

☞ बीसीसीआई घरेलू टूर्नामेंटों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु - दिल्ली एवं जिला क्रिकेट एसोसिएशन।

➔ बीसीसीआई ने इस वर्ष 2016-17 एवं 2017-18 के सत्रों का पुरस्कार एक साथ प्रदान किया है।

❑ फिक्शन के लिए महिला पुरस्कार, 2018

➔ ब्रिटिश-पाकिस्तानी लेखिका कमिला शमशी को। (6 जून, 2018)

- ☉ उन्हें यह पुरस्कार उनके सातवें उपन्यास 'होम फायर' के लिए प्रदान किया गया।



❑ 55वां फेमिना मिस इंडिया, 2018

➔ तमिलनाडु की अनुकृति वास को (19 जून, 2018)

- ☉ प्रथम उपविजेता-मीनाक्षी चौधरी (हरियाणा)
- ☉ द्वितीय उपविजेता-श्रेया राव (आंध्र प्रदेश)



➔ अनुकृति वास 'मिस वर्ल्ड, 2018' प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

❑ संतोकाबा मानवतावादी पुरस्कार, 2018

➔ शांति के नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी को। (30 मई, 2018)

- ☉ उन्हें यह पुरस्कार सामाजिक सुधारों में योगदान के लिए प्रदान किया गया।



➔ यह पुरस्कार रामकृष्ण नॉलेज फाउंडेशन द्वारा प्रतिवर्ष प्रदान किया जाता है।

- ☉ इस पुरस्कार के तहत 1 करोड़ रुपये की राशि और ट्रॉफी प्रदान की जाती है।

❑ सिएट क्रिकेट अवॉर्ड, 2018

➔ प्रसिद्ध टायर एवं ट्यूब निर्माता कंपनी सिएट (CEAT) द्वारा मुंबई में आयोजित एक समारोह में इन पुरस्कारों का वितरण किया गया। (28 मई, 2018)

- ☉ भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली को इंटरनेशनल क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया।
- ☉ अन्य पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं की सूची इस प्रकार है-

● इंटरनेशनल बैट्समैन ऑफ द ईयर— शिखर धवन

● इंटरनेशनल बॉलर ऑफ द ईयर— ट्रेट बोल्ट (न्यूजीलैंड)



● टी-20 बॉलर ऑफ द ईयर— राशिद खान (अफगानिस्तान)

● टी-20 बैट्समैन ऑफ द ईयर— कोलिन मुनरो (न्यूजीलैंड)

● आउटस्टैंडिंग इनिंग्स ऑफ द ईयर— हरमनप्रीत कौर

● डोमेस्टिक प्लेयर ऑफ द ईयर— मयंक अग्रवाल

● अंडर-19 प्लेयर ऑफ द ईयर— शुभमन गिल

● पॉपुलर चॉइस अवॉर्ड— क्रिस गेल (वेस्टइंडीज)

● लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड— पत्ररुख इंजीनियर (पूर्व विकेटकीपर)

❑ 8वां सार्क फिल्म महोत्सव, 2018

➔ कोलंबो, श्रीलंका में आयोजित। (22-27 मई, 2018)

- ☉ सार्क फिल्म पुरस्कार के विजेता इस प्रकार हैं-

● सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म— हाल्दा (निर्देशक-तौकीर अहमद), बांग्लादेश।

● सर्वश्रेष्ठ निर्देशक— प्रसन्ना जयाकोडी (फिल्म-ट्वेंटी-एट श्रीलंका)।

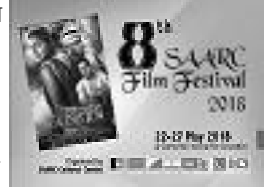
● सर्वश्रेष्ठ अभिनेता— महेंद्र परेरा (फिल्म-ट्वेंटी-एट), श्रीलंका।

● सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री— वैष्णवी तांगडे (फिल्म-क्षितिज : ए होराइजन) भारत।

● सर्वश्रेष्ठ लघु फिल्म— GI (निर्देशक-कुंजिला माशिलामनी), भारत।

● सर्वश्रेष्ठ स्क्रीनप्ले— प्रशांत पांडे एवं श्रेया देव वर्मा (फिल्म-पूर्णा), भारत।

● सर्वश्रेष्ठ सिनेमेटोग्राफर— इनामुल हक सोहेल (फिल्म-हाल्दा), बांग्लादेश।



❑ बंग विभूषण एवं बंग भूषण पुरस्कार, 2018

➔ बंग विभूषण- प्रसिद्ध पार्श्व गायिका आशा भोंसले, बंगाली फिल्म

अभिनेता प्रोसेनजीत चटर्जी,

न्यायमूर्ति श्यामल कुमार सेन

(सेवानिवृत्त) और लेखक समरेश

मजूमदार, फुटबॉलर सुब्रत भट्टाचार्य,

गिरिजा शंकर राय (लेखक), एस.के. भौमिक तथा मो. हबीब (फुटबॉलर)

को। (21 मई, 2018)

- ☉ बंग भूषण- श्रीराधा बंदोपाध्याय, अरुंधति होमबौधरी और पार्थ घोष को।



❑ मैन बुकर इंटरनेशनल प्राइज, 2018

➔ पोलिश लेखिका ओल्गा टोकारजुक (Olga Tokarczuk) को। (22 मई, 2018)

- ☉ उन्हें यह पुरस्कार उनके उपन्यास 'फ्लाइट्स' (Flights) के लिए प्रदान किया गया।



- ☉ यह पुरस्कार प्राप्त करने वाली वह पहली पोलिश लेखिका हैं।

➔ इस उपन्यास की अनुवादक जेनिफर क्रॉफ्ट हैं।

- ☉ ज्ञातव्य है कि वर्ष 2017 का यह पुरस्कार 'ए हॉर्स वाक्स इनटू ए बार' के लेखक डेविड ग्रासमैन (इस्त्राइल) को प्रदान किया गया था।

❑ क्लैरिफेट एनालिटिक्स इंडिया इनोवेशन पुरस्कार, 2018

➔ बंगलुरु में आयोजित 2018 इंडिया इनोवेशन सम्मेलन में भारत के शीर्ष 12 संगठनों को विभिन्न श्रेणियों में यह पुरस्कार नीति आयोग के सदस्य डॉ. वी.के. सारस्वत द्वारा प्रदान किया गया। (16 मई, 2018)

☞ प्रमुख पुरस्कार इस प्रकार हैं-

● **कॉर्पोरेशंस-फार्मास्युटिकल्स, बायोटेक्नोलॉजी एंड लाइफ साइंसेज-**

- (i) कैडिला हेल्थकेयर लि.
- (ii) सन फार्मास्युटिकल्स इंडस्ट्रीज लि.

● **कॉर्पोरेशंस-सॉफ्टवेयर एंड सर्विसेज-**

- (i) इंफोसिस लि.
- (ii) टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज लि.

● **कॉर्पोरेशंस-ऑटोमोबाइल एंड कैपिटल गुड्स-**

- (i) भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लि. (BHEL)
- (ii) टीवीएस मोटर कंपनी लि.

● **कॉर्पोरेशंस-अन्य**

- (i) पॉली मेडीक्योर लि.
- (ii) रिलाइंस इंडस्ट्रीज लि.



● **सरकारी अनुसंधान संगठन-**

- (i) वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR)
- (ii) डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी (DBT)

● **एकेडमिक इंस्टीट्यूट्स-**

- (i) आईआईटी, बॉम्बे
- (ii) जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च।

☐ **इंडिया बॉयोडायवर्सिटी अवॉर्ड, 2018**

➔ 'अंतरराष्ट्रीय जैव-विविधता दिवस' के अवसर पर राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (NBA) द्वारा प्रदान किया गया। (22 मई, 2018)

☞ यह पुरस्कार विभिन्न श्रेणियों में संस्थानों/व्यक्तियों को प्रदान किया गया है-

● **जंगली प्रजातियों का संरक्षण-** (i) सिंगवंग बुगुन ग्राम कम्युनिटी रिजर्व मैनेजमेंट कमेटी, अरुणाचल प्रदेश।

(ii) लेमसाचेनलोक संगठन, नगालैंड।

● **पालतू प्रजातियों का संरक्षण-** (i) कच्छ उंट उच्चेरक माल्धारी संगठन, गुजरात।

(ii) काल्देन सिंही भूटिया।

● **जैविक संसाधनों का सतत उपयोग-**

(i) संगम महिला किसान समूह, (संस्थागत) तेलंगाना।

(ii) पार्वती नागराजन (व्यक्तिगत), तमिलनाडु।

(iii) रायपासा जैव विविधता प्रबंधन समिति, त्रिपुरा।

● **सर्वश्रेष्ठ जैव-विविधता प्रबंधन समिति-** (i) पिथौराबाद ग्राम पंचायत, मध्य प्रदेश।

(ii) इरावीपेरुन ग्राम पंचायत, केरला।

☐ **71वां कांस फिल्म महोत्सव, 2018**

➔ फ्रांस के शहर कांस में आयोजित। (8-19 मई, 2018)

☞ इस महोत्सव में हिरोकजु कोरे-एडा निर्देशित जापानी फिल्म 'मैनबिकी काजोकू (शॉपलिफ्टर्स)' को सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार (PALME D'OR) प्रदान किया गया।

☞ महोत्सव का शुभारंभ असगर फरहदी की मनोवैज्ञानिक थ्रिलर

फिल्म 'एवरीबडी नोज' (Everybody Knows) से किया गया।

➔ महोत्सव का समापन 'द मैन हू किल्ड डॉन क्युजोट' (The Man Who Killed Don Quixote) से किया गया।



☞ महोत्सव में प्रदान किए गए कुछ प्रमुख पुरस्कार इस प्रकार हैं-

● **सर्वश्रेष्ठ निर्देशक-** पॉवेल पॉलीकोवस्की, फिल्म-जिमना वोजना (कोल्ड वार)।

● **सर्वश्रेष्ठ अभिनेता-** मार्सेलो फोंटे (Marcello Fonte), फिल्म-डॉगमैन (Dogman)।

● **सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री-** सामल येस्लियमोवा (Samal Yeslyamova), फिल्म-आयका (Ayka)।

● **सर्वश्रेष्ठ लघु फिल्म (PALM D'OR)-** 'ऑल दीज क्रिएचर्स' (All These Creatures), निर्देशक-चार्ल्स विलियम्स।

● **सर्वश्रेष्ठ नवोदित निर्देशक-** (CAMERA D'OR) लुकास धोंट (Lukas Dhont), फिल्म-गर्ल।

☞ इस महोत्सव में दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी को 'टाइटन रेगिनाल्ड एफ लुइस' फिल्म आईकॉन पुरस्कार दिया गया, जो उनके परिवार की ओर से फिल्मकार सुभाष घई और निर्माता नम्रता गोयल ने लिया।

☐ **एसएंडपी प्लैट्स ग्लोबल मेटल्स पुरस्कार, 2018**

➔ लंदन में आयोजित एक समारोह में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम एनएमडीसी लि. वने कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व श्रेणी में यह पुरस्कार प्रदान किया गया। (17 मई, 2018)

☞ एनएमडीसी ने पुरस्कार के लिए नामित विश्व की 12 बड़ी कंपनियों के बीच यह पुरस्कार प्राप्त किया।

☞ उल्लेखनीय है कि इस पुरस्कार की शुरुआत के बाद कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व की श्रेणी में पहली बार किसी भारतीय कंपनी को पुरस्कृत किया गया।

☞ मेटल्स कंपनी ऑफ इंडिया का पुरस्कार- पॉस्को को प्रदान किया गया।

☐ **डीआरडीओ पुरस्कार, 2016-17**

➔ केंद्रीय रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा डीआरडीओ के विभिन्न वैज्ञानिकों को उनके उत्कृष्ट योगदान हेतु यह पुरस्कार प्रदान किया गया। (14 मई, 2018)



☉ इसमें डीआरडीओ के पूर्व महानिदेशक डॉ. वी.के. सारस्वत को वर्ष 2017 का डीआरडीओ लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड प्रदान किया गया।

☉ जबकि वर्ष 2016 का डीआरडीओ लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड डीआरडीओ के ही पूर्व महानिदेशक डॉ. वासुदेव कल्कुते आत्रे को प्रदान किया गया।

➔ रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार, प्रसिद्ध वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (मिसाइल एवं सामरिक प्रणाली) डॉ. जी. सतीश रेड्डी को प्रौद्योगिकी नेतृत्व पुरस्कार, 2016 प्रदान किया गया।

☐ 27वां बिहारी पुरस्कार, 2017

➔ के.के. बिड़ला फाउंडेशन द्वारा राजस्थान के प्रसिद्ध लोक कला मर्मज्ञ एवं लेखक विजय वर्मा को प्रदान किए जाने की घोषणा। (11 मई, 2018)



☉ उन्हें यह पुरस्कार उनके निबंध संग्रह 'लोकावलोकन' के लिए दिया जाएगा।

☉ ज्ञातव्य है कि वर्ष 2016 का 26वां बिहारी पुरस्कार प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. सत्यनारायण को प्रदान किया गया था।

☐ वी.के. कृष्ण मेनन पुरस्कार, 2018

➔ भारतीय मूल के फिजी के पूर्व प्रधानमंत्री महेंद्र पाल चौधरी को इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए चुना गया। (7 मई, 2018)



☐ 26वां पी.सी. चंद्र पुरस्कार, 2018

➔ प्रसिद्ध पार्श्वगायिका आशा भोंसले को। (30 अप्रैल, 2018)



☉ उन्हें यह सम्मान भारतीय संगीत के क्षेत्र में उनके विशेष योगदान के लिए दिया गया।

योजना/परियोजना

☐ बीना सिंचाई परियोजना

➔ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा बीना सिंचाई परियोजना का शिवाचासा (2 जुलाई, 2018)

☉ यह परियोजना सागर जिले के खुरई (Khurai) में स्थापित की जा रही है।



☉ परियोजना की लागत राशि लगभग 4000 करोड़ रुपये है।

➔ परियोजनांतर्गत बुंदेलखंड अंचल के 4033 गांवों की 90 हजार हेक्टेयर से अधिक भूमि सिंचित होगी।

☐ अन्नपूर्णा दूध योजना

➔ राजस्थान की मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे द्वारा अन्नपूर्णा दूध योजना का शुभारंभ। (2 जुलाई, 2018)

☉ मिड-डे मील योजनांतर्गत प्रदेश के प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों में इस योजना के तहत पंचायत क्षेत्र की पंजीकृत महिला दुग्ध समितियों के माध्यम से दूध वितरित किया जाएगा।

☉ योजनांतर्गत राज्य के विद्यालयों, मदरसों, स्पेशल प्रशिक्षण केंद्र में अध्ययनरत कक्षा 1-8 तक के विद्यार्थियों को सप्ताह में 3 दिन उच्च गुणवत्तापूर्ण, गर्म, ताजा दूध उपलब्ध करवाया जाएगा।

☐ 'वाणिज्य कर आपके द्वार' योजना

➔ उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जी.एस.टी. दिवस के अवसर पर राज्य में जनसंपर्क की एक महत्वाकांक्षी योजना 'वाणिज्य कर आपके द्वार' योजना की शुरुआत। (1 जुलाई, 2018)



☉ इस योजना की प्रभावी अवधि 1 जुलाई से 31 अगस्त, 2018 तक है।

☉ इस अवधि में विभागीय अधिकारी सभी छोटे व्यापारियों से व्यक्तिगत संपर्क कर उनकी समस्याओं का निराकरण करेंगे।

☐ खुशी पाठ्यक्रम

➔ दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा दलाईलामा की उपस्थिति में सरकारी स्कूलों में नर्सरी से कक्षा 8 तक के छात्रों के लिए खुशी पाठ्यक्रम (Happiness (Curriculum)) लांच। (जुलाई, 2018)



☉ यह नया विषय छ: माह की अवधि में दिल्ली सरकार के 40 शिक्षकों, शिक्षाविदों और स्वयंसेवकों (Volunteers) की टीम द्वारा तैयार किया गया है।

☉ दिल्ली के सभी सरकारी स्कूलों में 45 मिनट का हेपीनेस पीरियड संचालित किया जाएगा।

➔ 10 लाख स्कूली बच्चे और 50,000 शिक्षक प्रतिदिन इसमें भाग लेंगे।
☉ यह पाठ्यक्रम ध्यान, नैतिक शिक्षाओं और मानसिक अभ्यास पर केंद्रित है।

☐ गट्टू लिफ्ट सिंचाई परियोजना

➔ तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने जोगुलम्बा गडवाल जिले में पेंचिकला गांव में गट्टू लिफ्ट सिंचाई परियोजना की आधारशिला रखी। (29 जून, 2018)

☉ इस परियोजना से जिले के 4 मंडलों में 33,000 एकड़ भूमि सिंचित होगी।

☉ इस परियोजना की लागत राशि 554 करोड़ रुपये होगी।

☐ शाइकांगचु लघु जलविद्युत परियोजना

➔ अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू द्वारा तवांग जिले के गोंगखार गांव में स्थापित शाइकांगचु लघु जलविद्युत परियोजना (6 मेगावॉट) का उद्घाटन। (26 जून, 2018)

□ मुख्यमंत्री मधु विकास योजना

➔ हिमाचल प्रदेश मंत्रिमंडल द्वारा बजट घोषणा के अनुरूप मुख्यमंत्री मधु विकास योजना के कार्यान्वयन हेतु दिशा-निर्देशों को मंजूरी। (6 जून, 2018)



- ➔ इस योजना का कार्यान्वयन बागवानी विभाग द्वारा किया जाएगा।
- ➔ योजनांतर्गत मधुमक्खी पालन में लगे लोगों के अलावा ऐसे मधुमक्खी पालक जो इसे अपनी आजीविका के साधन के रूप में अपनाने के इच्छुक हैं, भी लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

□ बिहार राज्य फसल सहायता योजना

➔ बिहार में नई फसल बीमा योजना 'बिहार राज्य फसल सहायता योजना' शुरू किए जाने का निर्णय। (5 जून, 2018)

- ➔ यह बीमा योजना खरीफ सीजन, 2018 से प्रभावी होगी।
- ➔ योजनांतर्गत किसानों को 20 प्रतिशत से कम फसल क्षतिग्रस्त होने की स्थिति में प्रति हेक्टेयर 7500 रुपये (अधिकतम 2 हेक्टेयर हेतु 15000 रुपये) की दर से सहायता राशि प्रदान की जाएगी।



➔ 20 प्रतिशत से अधिक फसल क्षतिग्रस्त होने की स्थिति में प्रति हेक्टेयर 10,000 रुपये (अधिकतम 2 हेक्टेयर हेतु 20,000 रुपये) की दर से सहायता राशि प्रदान की जाएगी।

□ आयकर मुखबिर पुरस्कार योजना और बेनामी लेन-देन मुखबिर पुरस्कार योजना

➔ आयकर विभाग द्वारा आयकर मुखबिर पुरस्कार योजना, 2018 और बेनामी लेन-देन मुखबिर पुरस्कार योजना, 2018 नामक नई पुरस्कार योजना का शुभारंभ। (1 जून, 2018)



- ➔ यह योजना वर्ष 2017 में जारी पुरस्कार योजना का स्थान लेगी।
- ➔ संशोधित योजनांतर्गत भारत में आय और परिसंपत्तियों पर कर चोरी के संदर्भ में आयकर विभाग में जांच निदेशालय के निर्दिष्ट अधिकारियों को निर्धारित प्रक्रियान्तर्गत विशेष सूचना देने वाले व्यक्ति को 50 लाख रुपये का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

➔ कालाधन (अधोषित विदेशी आय और परिसंपत्तियां) तथा करारोपण अधिनियम, 2015 के अंतर्गत कार्रवाई योग्य ऐसी आय और परिसंपत्तियों के संबंध में सूचना देने हेतु लोगों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से नई पुरस्कार योजना में 5 करोड़ रुपये तक की पुरस्कार राशि शामिल है।

- ➔ बेनामी लेन-देन मुखबिर पुरस्कार योजना, 2018 के अंतर्गत बेनामी लेन-देन तथा संपत्तियां तथा ऐसी संपत्तियों से हुई प्राप्तियां जो बेनामी लेन-देन (निषेध) संशोधन अधिनियम,

2016 द्वारा संशोधित बेनामी संपत्ति लेन-देन अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई योग्य हैं, के विषय में निर्धारित प्रक्रिया के अंतर्गत आयकर विभाग के जांच निदेशालय में संयुक्त या अपर आयुक्त (बेनामी निषेध इकाई) को सूचना देने वाला व्यक्ति 1 करोड़ रुपये तक का पुरस्कार प्राप्त कर सकता है।

- ➔ दोनों पुरस्कार योजनाओं हेतु विदेशी व्यक्ति भी पुरस्कार पाने के पात्र होंगे।

□ गोपाबंधु संवादिका स्वास्थ्य बीमा योजना

➔ ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक द्वारा राज्य में कार्यरत पत्रकारों के लिए प्रारंभ। (1 जून, 2018)

- ➔ योजनांतर्गत प्रथम चरण में 3233 कार्यरत पत्रकारों को प्रतिवर्ष 2 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवरेज प्रदान किया जाएगा।
- ➔ एक पत्रकार के परिवार के न्यूनतम 5 सदस्यों को इस योजना के तहत लाभ प्राप्त हो सकेगा।

□ समग्र संसाधन पोर्टल और मोबाइल ऐप

➔ केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन द्वारा लांच। (31 मई, 2018)



- ➔ यह पोर्टल और मोबाइल ऐप केरल इंफ्रास्ट्रक्चर एंड टेक्नोलॉजी फॉर एजुकेशन द्वारा विकसित किया गया है।
- ➔ राज्य में 40,000 से अधिक कक्षाओं को इस पोर्टल और मोबाइल ऐप के माध्यम से जून, 2018 तक हाइटेक बनाया जाएगा।

□ मुख्यमंत्री व्यापारी दुर्घटना बीमा योजना

➔ उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल की संपन्न बैठक में वाणिज्य कर विभाग में पंजीकृत व्यापारियों के लिए लागू मुख्यमंत्री व्यापारी दुर्घटना बीमा योजना के तहत प्रदत्त राशि को 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये किए जाने को कार्योत्तर स्वीकृति। (29 मई, 2018)

- ➔ बढ़ी हुई बीमा की राशि 27 अक्टूबर, 2017 से प्रभावी है।

□ हॉट कुक्ड फूड योजना

➔ उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल की संपन्न बैठक में विगत काफी समय से बंद हॉट कुक्ड फूड (गर्म खाना) योजना को पुनः शुरू किए जाने का निर्णय। (29 मई, 2018)



- ➔ इस योजना को अब बेसिक स्कूलों में संचालित मिड-डे मील के साथ जोड़ा जाएगा और बेसिक स्कूलों में ही आंगनबाड़ी केंद्रों का भी मिड-डे मील (भोजन) पकाया जाएगा।

➔ हॉट कुक्ड फूड पर मासिक व्यय 43.99 करोड़ रुपये तथा वार्षिक व्यय 527.98 करोड़ रुपये आकलित है।

□ दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे

➔ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा निजामुद्दीन पुल से दिल्ली-उत्तर प्रदेश सीमा तक विस्तारित (लंबाई 8.360 किमी.) 14 लेन वाले अभिगम नियंत्रित दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे का प्रथम चरण राष्ट्र को समर्पित। (27 मई, 2018)



☉ इस परियोजना की कुल लंबाई 82 किमी. है, जिसमें पहले 27.74 किमी. 14 लेन का होगा और शेष लंबाई 6 लेन एक्सप्रेस-वे होगा।

➔ यह ऐसा पहला एक्सप्रेस-वे होगा जिस पर दिल्ली एवं डालना के मध्य लगभग 28 किमी. के खंड पर साइकिल पथ होगा।

□ कुंडली-गाजियाबाद-पलवल एक्सप्रेस-वे

➔ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सड़क मार्ग परियोजना कुंडली- गाजियाबाद-पलवल एक्सप्रेस-वे (ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे) (लंबाई 135 किमी.) राष्ट्र को समर्पित। (27 मई, 2018)



☉ यह एक्सप्रेस-वे राष्ट्रीय राजमार्ग 1 और राष्ट्रीय राजमार्ग 2 को जोड़ता है।

☉ यह भारत का पहला स्मार्ट तथा हरित राजमार्ग है।

☉ यह देश का पहला एक्सप्रेस-वे है जिस पर पूर्णतः (135 किमी. तक) सौर बिजली का उपयोग किया गया है।

☉ इस एक्सप्रेस-वे पर प्रत्येक 500 मीटर की दूरी पर वर्षा जल संचयन की व्यवस्था की गई है, साथ ही वाहनों के गति की जांच हेतु कैमरे लगाए गए हैं जिससे कि ओवर-स्पीड वाहनों का चालान किया जा सके।

➔ यह देश का पहला एक्सेस कंट्रोल हाईवे (वाहन जितना सफर करेंगे उतना ही टोल देना होगा) भी है।

□ पतरातू सुपर थर्मल पॉवर परियोजना

➔ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड में पतरातू सुपर थर्मल पॉवर परियोजना (झारखंड सरकार और पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड का संयुक्त उद्यम) के प्रथम चरण (2400 मेगावॉट) की आधारशिला रखी। (25 मई, 2018)



☉ इसमें झारखंड सरकार और पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (एनटीपीसी की सहायक कंपनी) की हिस्सेदारी का अनुपात 74:26 है।

☉ पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड द्वारा दो चरणों में क्रियान्वित इस परियोजनांतर्गत प्रथम चरण में 2400 मेगावॉट

(3×800 मेगावॉट) और द्वितीय चरण में 1600 मेगावॉट (2×800 मेगावॉट) विद्युत का उत्पादन किया जाएगा।

➔ परियोजना अंतर्गत 85 प्रतिशत बिजली झारखंड को आवंटित की जाएगी।

□ कावेरी प्रबंधन योजना

➔ उच्चतम न्यायालय द्वारा दक्षिण भारत के चार राज्यों (कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल व पुडुचेरी) के बीच कावेरी के जल का सुचारु रूप से वितरण सुनिश्चित करने हेतु केंद्र द्वारा प्रस्तुत कावेरी प्रबंधन योजना के मसौदे को मंजूरी। (18 मई, 2018)

☉ यह मंजूरी प्रधान न्यायाधीश दीपक मिश्रा, न्यायमूर्ति ए.एम.

खानविलकर और न्यायमूर्ति डी.वाई.

चंद्रचूड की तीन सदस्यीय खंडपीठ

ने प्रदान की और योजना पर कर्नाटक



और केरल राज्य सरकार के सुझावों को खारिज कर दिया।

☉ ज्ञातव्य है कि 16 फरवरी, 2018 को उच्चतम न्यायालय ने अपने फैसले में केंद्र सरकार को चार राज्यों कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में कावेरी नदी के पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु कावेरी प्रबंधन बोर्ड की स्थापना सहित कावेरी प्रबंधन योजना तैयार करने हेतु निर्देशित किया था।

□ हम छू लेंगे आसमां योजना

➔ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा भोपाल में 'हम छू लेंगे आसमां योजना' का शुभारंभ। (21 मई, 2018)

☉ यह योजना विद्यार्थियों के कैरियर मार्गदर्शन हेतु शुरू की गई है।



□ पाकल दुल पनबिजली परियोजना

➔ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जम्मू एवं कश्मीर में पाकल दुल पनबिजली परियोजना (उत्पादन क्षमता 1000 मेगावॉट) का शिलान्यास। (19 मई, 2018)

☉ यह परियोजना पूर्ण होने पर राज्य की सबसे बड़ी पनबिजली परियोजना होगी।

☉ इसके कार्यान्वयन की समय-सीमा परियोजना के आरंभ होने की तिथि से 66 माह निर्धारित है।

☉ यह विश्ववाड़ जिले में चिनाब नदी की सहायक मरुसुदर नदी पर निर्मित की जा रही है।

➔ परियोजनांतर्गत 4 विद्युत इकाइयां (250×4 मेगावॉट) स्थापित होंगी।

☉ साथ ही प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में स्थित 330 मेगावॉट किशनगंगा हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट का भी उद्घाटन किया।

□ मुख्यमंत्री सामाजिक समरसता अंतरजातीय विवाह शगुन योजना

➔ हरियाणा सरकार द्वारा तात्कालिक प्रभाव से प्रदेश में अंतरजातीय विवाह करने वाले युगल को मुख्यमंत्री सामाजिक समरसता अंतरजातीय विवाह शगुन योजना अंतर्गत 2.50 लाख रुपये की राशि प्रोत्साहन के रूप में प्रदत्त करने का निर्णय। (17 मई, 2018)



☉ इससे पूर्व इस योजना के तहत 1.01 लाख रुपये की धनराशि प्रदान की जाती थी।

□ एसिड हमले एवं बलात्कार पीड़ितों को मुआवजा

➔ सर्वोच्च न्यायालय द्वारा यौन उत्पीड़न और एसिड हमले के पीड़ितों को मुआवजा देने हेतु अनिवार्य अनुदान योजना को मंजूरी। (11 मई, 2018)

☉ यह अनुदान राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA) द्वारा पीड़ितों हेतु प्रस्तावित मुआवजा योजना का एक भाग है।



- ☉ योजना के तहत एक मुआवजा निधि की स्थापना की जाएगी, जो राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रबंधित होगी।
- ☉ गैंगरेप पीड़ितों के लिए मुआवजा राशि 5-10 लाख रुपये, बलात्कार या अप्राकृतिक यौन मामले में 4-10 लाख रुपये जबकि एसिड हमले के कारण संपूर्णतः विरुद्ध पीड़ितों हेतु मुआवजे की राशि न्यूनतम 7-8 लाख रुपये और 50 प्रतिशत जलने की दशा में 5-8 लाख रुपये की राशि मुआवजे के रूप में निर्धारित की गई है।

□ जीवन रक्षक ऐप

➔ हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर द्वारा थैलीसीमिया रोगियों के लिए विश्व थैलीसीमिया दिवस के अवसर पर 'जीवन रक्षक ऐप' का शुभारंभ। (8 मई, 2018)

- ☉ इस ऐप के माध्यम से ऐसे रोगियों को शीघ्र रक्त प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

□ प्रवासी पेंशन योजना

➔ केरल के मुख्यमंत्री पिन्नारई विजयन द्वारा अनिवासी केरलवासियों के लिए प्रवासी पेंशन योजना का शुभारंभ। (21 अप्रैल, 2018)

- ☉ यह योजना राज्य या देश से बाहर रहने वाले प्रवासियों के लिए शुरू की गई है, जो मूल रूप से केरल के निवासी हैं।
- ☉ केरल प्रवासी पेंशन बोर्ड द्वारा प्रारंभ इस योजनांतर्गत प्रतिमाह 2000 रुपये की पेंशन प्रदान की जाएगी।

➔ योजना की अवधि 5 वर्ष और लाभार्थी की पात्रता आयु 60 वर्ष से अधिक निर्धारित है।

ऑपरेशन/अभियान

□ मीजल्स-रुबेला वैक्सीन टीकाकरण अभियान

➔ झारखंड में मीजल्स-रुबेला टीकाकरण अभियान प्रारंभ किया जाएगा। (26 जुलाई, 2018 से)

- ☉ इस अभियान के दौरान राज्य के सभी स्कूलों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में शिविर कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे।



- ☉ अभियान के अंतर्गत 9 माह से 15 वर्ष की आयु के बच्चों का टीकाकरण किया जाएगा।

➔ अभियान के दौरान पूरे राज्य में लगभग 1 करोड़ 17 लाख बच्चों का टीकाकरण लक्षित है।

□ प्रदूषण उपशमन अभियान

➔ हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर द्वारा राज्य में पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रदूषण उपशमन पौध अभियान का शुभारंभ। (5 जून, 2018)

□ पॉलिथीन हटाओ, पर्यावरण बचाओ अभियान

➔ हिमाचल प्रदेश में जनता के सहयोग से पूरे राज्य में साप्ताहिक पॉलिथीन उन्मूलन कार्यक्रम 'पॉलिथीन हटाओ, पर्यावरण बचाओ' अभियान संपन्न। (27 मई, 2018-2 जून, 2018 तक)



- ☉ प्रदेश सरकार ने विश्व पर्यावरण दिवस के मुख्य विषय 'बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन' के अंतर्गत इस अभियान को संचालित करने का निर्णय लिया था।

□ कृषि कल्याण अभियान

➔ कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा कृषि कल्याण अभियान का शुभारंभ। (1 जून, 2018)

- ☉ यह अभियान 31 जुलाई, 2018 तक संचालित होगा।



- ☉ यह अभियान प्रत्येक 111 आकांक्षी जिलों के 25 गांवों (1000 से अधिक आबादी वाले) में संचालित किया जा रहा है।

➔ जिन जिलों में गांवों की संख्या 25 से कम है, वहां के सभी गांवों (1000 से अधिक आबादी वाले) को इस योजनांतर्गत कवर किया जा रहा है।

- ☉ ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा इन गांवों का चयन नीति आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार किया गया है।

□ कृषि महाभियान-सह-बीज विकास वाहन रथ

➔ बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खरीफ सीजन के दौरान सरकारी योजनाओं के विषय में किसानों के बीच जागरूकता उत्पन्न

करने हेतु 'कृषि महाभियान-सह-बीज विकास वाहन रथ' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। (19 मई, 2018)



- यह रथ खरीफ सीजन के दौरान संचालित योजनाओं के विषय में किसानों को जानकारी प्रदान करने ब्लॉक, ग्राम पंचायत और गांवों का भ्रमण करेंगे।

□ माउंट भागीरथी-2 अभियान

➔ भारतीय सेना के महिला अधिकारियों के 9 सदस्यीय दल द्वारा पर्वतारोहण अभियान माउंट भागीरथी-2 संपन्न। (14 मई, 2018 से 11 जून, 2018)

- इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं को साहसिक कार्य के क्षेत्र में प्रोत्साहित करना था।
- इस टीम द्वारा योग दिवस, 2018 के अवसर पर 21000 फीट की ऊंचाई पर योगाभ्यास कर एक नया विश्व रिकॉर्ड बनाया गया।

➔ ज्ञातव्य है कि माउंट भागीरथी-2 (ऊंचाई 6512 मीटर), गंगोत्री राष्ट्रीय उद्यान, गढ़वाल हिमालय में स्थित है।

□ कैंसर आउट अभियान

➔ राजस्थान की मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे द्वारा लोगों में कैंसर के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने हेतु जयपुर में कैंसर आउट अभियान का शुभारंभ। (11 मई, 2018)

- मुख्यमंत्री ने सवाई मानसिंह क्रिकेट स्टेडियम में क्रिकेट टूर्नामेंट आईपीएल, 2018 के दौरान राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपरकिंग्स के मध्य मैच प्रारंभ होने से पूर्व हरी झंडी दिखाकर इस अभियान की शुरुआत की।



- अभियान के तहत प्रदेश में कैंसर के संभावित रोगियों की जांच कर रोग की पहचान की जाएगी, जिससे प्रारंभिक चरण में ही इस बीमारी का पता लगाकर समय पर उपचार शुरू किया जा सके।

□ मिशन लाकाडोंग

➔ मेघालय के राज्यपाल गंगा प्रसाद द्वारा राज्य में 5 वर्षों की अवधि में प्रतिवर्ष न्यूनतम 50,000 मीट्रिक टन तक उष्णकटिबंधीय हल्की किस्म के लाकाडोंग हल्दी के उत्पादन में 5 गुना वृद्धि हासिल करने हेतु पांच वर्षीय 'मिशन लाकाडोंग' का शुभारंभ। (24 अप्रैल, 2018)

□ 26वां रिमपैक (RIMPAC) अभ्यास, 2018

➔ हवाई द्वीप एवं दक्षिणी कैलिफोर्निया, अमेरिका में जारी। (27 जून-2 अगस्त, 2018)

- इस द्विवार्षिक अभ्यास का मुख्य विषय (Theme)- "सक्षम, अनुकूल, सहभागी" (Capable, Adaptive, Partners) है।

- इस वर्ष इस अभ्यास में भारत सहित 26 देशों की सेनाएं भाग ले रही हैं।



- रिम ऑफ द पैसिफिक (रिमपैक) विश्व का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय समुद्री अभ्यास है।

- इसकी शुरुआत वर्ष 1971 में हुई थी।

□ नौसैन्य अभ्यास मालाबार, 2018

➔ भारत, जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच त्रिपक्षीय नौसैन्य अभ्यास का 22वां संस्करण फिलीपीन सागर में गुआम तट पर संपन्न। (7-16 जून, 2018)

□ 13वां भारत-नेपाल संयुक्त सैन्याभ्यास 'सूर्य किरण'

➔ पिथौरागढ़, उत्तराखंड में संपन्न। (30 मई से 12 जून, 2018)

आयोग/समिति

□ कृषि एवं मनरेगा नीतियों में समन्वय हेतु उप-समूह

➔ केंद्र सरकार द्वारा कृषि एवं मनरेगा से संबंधित नीतिगत दृष्टिकोणों में समन्वय स्थापित करने हेतु मुख्यमंत्रियों का एक उप-समूह गठित। (17 जून, 2018)

- मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान इसके संयोजक हैं।
- जबकि आंध्र प्रदेश, बिहार, गुजरात, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल एवं सिक्किम के मुख्यमंत्री तथा नीति आयोग के सदस्य रमेश चंद इस उप-समूह के सदस्य हैं।



□ सेज नीति का अध्ययन करने हेतु प्रतिष्ठित व्यक्तियों के समूह का गठन

➔ केंद्र सरकार द्वारा विशेष आर्थिक जोन (SEZ) नीति का अध्ययन करने हेतु प्रतिष्ठित व्यक्तियों के समूह का गठन। (6 जून, 2018)

- 'भारत फोर्ज' के अध्यक्ष बाबा कल्याणी इस समूह के अध्यक्ष होंगे।

➔ यह समूह निम्न कार्य करेगा-

- सेज नीति का अध्ययन करेगा।
- वर्तमान आर्थिक परिदृश्य में निर्यातकों की जरूरत के अनुसार सुझाव देगा।
- सेज नीति डब्ल्यूटीओ के अनुकूल बनाएगा।
- सेज योजनाओं का तुलनात्मक विश्लेषण करेगा और सेज नीति को अन्य समान योजनाओं के अनुरूप संगत बनाने हेतु सुझाव देगा।



- यह समूह तीन माह में केंद्र सरकार को अपनी अनुशंसा प्रदान करेगा।

□ तूतीकोरिन हिंसा की जांच हेतु जांच आयोग

➔ तमिलनाडु सरकार द्वारा तूतीकोरिन हिंसा की जांच हेतु मद्रास उच्च न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुणा जगदीशन की अध्यक्षता में एक सदस्यीय जांच आयोग गठित। (23 मई, 2018)

- ☉ गौरतलब है कि 22 मई, 2018 को प्रदूषण संबंधी कथित मुद्दे को लेकर तूतीकोरिन में वेदांता की स्टरलाइट कॉपर इकाई को स्थायी रूप से बंद करने को लेकर हुए हिंसक प्रदर्शन में 10 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी।

□ कालेधन और PSBs के प्रदर्शन की जांच हेतु संसदीय समिति

➔ लोक सभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन द्वारा कालेधन और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (PSBs) के प्रदर्शन की जांच हेतु एक 30 सदस्यीय संसदीय समिति का गठन। (10 मई, 2018)

- ☉ सांसद डॉ. मुरली मनोहर जोशी (वरिष्ठ भाजपा नेता) को इस संसदीय समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।



□ 15वें वित्त आयोग द्वारा सलाहकार परिषद का गठन

➔ 15वें वित्त आयोग द्वारा अपने विचारार्थ विषयों से संबंधित मसलों पर परामर्श देने एवं सहायता के लिए एक सलाहकार परिषद का गठन। (9 मई, 2018)

- ☉ इस 6 सदस्यीय परिषद की अध्यक्षता रणनीतिक पहलों के लिए फोरम के अध्यक्ष अरविंद विरमानी करेंगे।



□ लोक लेखा समिति और प्राक्कलन समिति का पुनर्गठन

➔ लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन द्वारा वित्त वर्ष 2018-19 के लिए लोक लेखा समिति (PAC) एवं प्राक्कलन समिति का गठन। (1 मई, 2018)

- ☉ इन दोनों समितियों का कार्यकाल 1 मई, 2018 से 30 अप्रैल, 2019 तक होगा।
- ☉ लोकसभा अध्यक्ष ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं लोकसभा सदस्य मल्लिकार्जुन खड़गे को लोक लेखा समिति तथा वरिष्ठ भाजपा नेता एवं लोकसभा सदस्य डॉ. मुरली मनोहर जोशी को प्राक्कलन समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया।



सम्मेलन/समारोह

□ 17वां विश्व संस्कृत सम्मेलन

➔ कनाडा के वैंकूवर में आयोजित। (9-13 जुलाई, 2018)

- ☉ इस सम्मेलन का आयोजन ब्रिटिश कोलम्बिया विश्वविद्यालय में एशियाई अध्ययन विभाग द्वारा किया गया।

- ☉ इस सम्मेलन का उद्घाटन केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने किया।

□ 18वां अंतरराष्ट्रीय आईसीटी सम्मेलन, 2018

➔ काठमांडू, नेपाल में आयोजित। (17-18 जून, 2018)

- ☉ मुख्य विषय- 'स्मार्ट समाज के लिए सतत विकास लक्ष्य' "Sustainable Development Goals for Smart Society" था।

□ 5वां कलिंग साहित्य महोत्सव

➔ भुवनेश्वर, ओडिशा में संपन्न। (8-10 जून, 2018)

- ☉ महोत्सव में ओडिशा के विभिन्न जिलों के युवा लेखकों और कवियों को साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट लेखन के लिए कलिंग साहित्य युवा पुरस्कार प्रदान किए गए।
- ☉ इस महोत्सव में 250 से अधिक लेखकों, कवियों, गीतकारों, अदाकारों और बुद्धिजीवियों ने भागीदारी की।



□ ट्रिप्स-सीबीडी संयोजन पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, 2018

➔ जेनेवा, स्विट्जरलैंड में आयोजित। (7-8 जून, 2018)



- ☉ इसका आयोजन डब्ल्यूटीओ अध्ययन केंद्र, भारतीय विदेश व्यापार संस्थान और साउथ सेंटर (जेनेवा स्थित एक अंतर-सरकारी संगठन) के सहयोग से भारत सरकार द्वारा किया गया।
- ☉ इस सम्मेलन में ब्राजील, चीन, भारत, इंडोनेशिया, पेरू, फिलीपींस, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, स्विट्जरलैंड और अमेरिका सहित कई देशों की संसाधन हस्तियों, हितधारक और विशेषज्ञों ने भाग लिया।

□ महिला राजनीतिक नेत्रियों का वैश्विक शिखर सम्मेलन (WPL Summit), 2018

➔ विलनियस (Vilnius), लिथुआनिया में आयोजित। (6-8 जून, 2018)

- ☉ इसका आयोजन वूमन पॉलिटिकल लीडर्स ग्लोबल फोरम (WPL Global Forum) द्वारा लिथुआनिया की संसद 'सीमास' (Seimas) की सह-मेजबानी में किया गया।

□ जियो-इंटेलिजेंस एशिया, 2018

➔ 11वां संस्करण मानेकशॉ सेंटर, नई दिल्ली में संपन्न। (4-5 जून, 2018)

- ☉ इसका आयोजन जियो स्पेसियल मीडिया एंड कम्युनिकेशन द्वारा सूचना प्रणाली निदेशालय के सहयोग से किया गया।



- ☉ इस वर्ष का मुख्य विषय (Theme)-' भू-स्थानिक : रक्षा और औद्योगिक सुरक्षा के लिए एक बल गुणक' (GeoSpatial : A Force Multiplier for Defence and Industrial Security) था।

☐ योग पर स्वास्थ्य संपादकों का तीसरा राष्ट्रीय सम्मेलन

➔ मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित। (5 जून, 2018)



- ☉ इस सम्मेलन का आयोजन संयुक्त रूप से मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान, नई दिल्ली एवं पत्र सूचना कार्यालय (PIB), सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा किया गया।
- ☉ उद्देश्य- विशेषज्ञों की मदद से योग के सिद्धांतों एवं तैर-तरीकों के विषय में जागरूकता बढ़ाना और योग के वैज्ञानिक एवं तकनीकी पहलुओं से लोगों को अवगत कराना था।

☐ ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की दूसरी औपचारिक बैठक, 2018

➔ प्रिटोरिया, दक्षिण अफ्रीका में आयोजित। (4 जून, 2018)

- ☉ इस बैठक में विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया।
- ☉ बैठक में उन्होंने काले धन पर अंकुश, आतंकवाद को वित्तीय सहायता रोकने और कट्टरपंथ पर रोक लगाने के लिए जल्द ही 'ब्रिक्स सुरक्षा फ्रेमवर्क' बनाने की वकालत की।

☐ राज्य पर्यावरण मंत्रियों का सम्मेलन

➔ विज्ञान भवन, नई दिल्ली में संपन्न। (4 जून, 2018)

- ☉ इस सम्मेलन का आयोजन पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा किया गया।



➔ सम्मेलन के उद्घाटन समारोह के दौरान ई.के. जानकी अम्मल राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए गये-

- वनस्पति वर्गीकरण के लिए डॉ. एस.आर.यादव को।
- जंतु वर्गीकरण के लिए डॉ. पी.टी. चेरियन को।
- जीवाणु वर्गीकरण के लिए डॉ.एस. शिवाजी को।

- ☉ पुरस्कार के तौर पर 5 लाख रुपये की नकद राशि, एक शॉल और पदक प्रदान किए गए।

☐ ओईसीडी मंत्रिस्तरीय परिषदीय बैठक, 2018

➔ पेरिस, फ्रांस में संपन्न इस बैठक में डब्ल्यूटीओ के 30 सदस्य देशों के मंत्रियों एवं प्रतिनिधियों ने भाग लिया। (31 मई, 2018)

- ☉ इसे ऑस्ट्रेलिया द्वारा आयोजित किया गया और ऑस्ट्रेलिया के मंत्री स्टीवेन सिओबो द्वारा इसकी अध्यक्षता की गई।

- ☉ केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री सुरेश प्रभु ने इस सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

☐ भारतीय वायु सेना का कमांडर सम्मेलन

➔ भारतीय वायु सेना का पहला अर्द्धवार्षिक कमांडर सम्मेलन वायु भवन, नई दिल्ली में आयोजित। (31 मई-1 जून, 2018)



- ☉ सम्मेलन का उद्घाटन रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण ने किया।
- ☉ सम्मेलन में कमांडरों ने परिचालन, रख-रखाव और प्रशासनिक कार्यों से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श किया।

☐ आसियान-भारत फिल्म महोत्सव, 2018

➔ नई दिल्ली में संपन्न। (25-30 मई, 2018)

- ☉ विदेश मंत्रालय के सहयोग से सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित इस गैर-प्रतियोगी महोत्सव में भारत के अतिरिक्त आसियान के सभी 10 देशों की 32 फिल्मों का प्रदर्शन किया गया।



☐ 9वां राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव

➔ संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित 9वां राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव टिहरी, उत्तराखंड में संपन्न। (25-27 मई, 2018)

- ☉ उद्देश्य- राष्ट्रीय भागीदारी को मजबूत करने हेतु विभिन्न राज्यों के बीच समृद्ध सांस्कृतिक विविधता और अंतर-संबंधों को प्रस्तुत करना और बढ़ावा देना।
- ☉ इस कार्यक्रम के कार्यान्वयन की जिम्मेदारी नोडल एजेंसी के रूप में नामित उत्तरी क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (NZCC), पटियाला को सौंपी गई थी।



➔ महोत्सव का आयोजन 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की अवधारणा के तहत किया गया।

- ☉ इस महोत्सव के साथ ही तीन दिवसीय 'टिहरी झील महोत्सव' भी आयोजित हुआ।

☐ चौथा स्मार्ट सिटीज इंडिया, 2018 एक्सपो

➔ प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित। (23-25 मई, 2018)

- ☉ यह एक मेगा इवेंट था, जिसमें इसके साथ ही चार अन्य एक्सपो (दूसरा-बिल्डिंग इंडिया, 2018 एक्सपो, तीसरा-सोलर इंडिया, 2018 एक्सपो, तीसरा-ट्रांसपोर्ट इंडिया, 2018 एक्सपो तथा पांचवां वाटर इंडिया, 2018 एक्सपो) का आयोजन किया गया।
- ☉ इसका आयोजन इंडिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गनाइजेशन (ITPO),

नैस्काम सेंटर ऑफ़ एकसीलेंस-इंटरनेट ऑफ़ थिंग्स (CoE-IoT) और एक्सीबिशन इंडिया ग्रुप (Exhibition India Group) द्वारा किया गया।

□ यूएनडब्ल्यूटीओ (UNWTO) कार्यकारी परिषद की 108वीं बैठक, 2018

- ➔ सैन सेबेस्टियन, स्पेन में आयोजित। (23-25 मई, 2018)
 - इस तीन दिवसीय बैठक में भारतीय शिष्टमंडल का प्रतिनिधित्व केंद्रीय पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के.जे. अल्फोंस ने किया।

□ तीसरी मिशन नवाचार मंत्रिस्तरीय बैठक, 2018

- ➔ माल्मो, स्वीडन में आयोजित। (22-23 मई, 2018)
 - केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने इस बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया।
 - गौरतलब है कि मिशन नवाचार 23 देशों और यूरोपीय संघ का एक वैश्विक मंच है, जो अधिक सरकारी सहायता, बृहद सार्वजनिक निजी क्षेत्र की भागीदारी और अधिक वैश्विक सहयोग द्वारा स्वच्छ ऊर्जा नवाचार को गति देने के उद्देश्य से बनाया गया है।



- ➔ भारत इस मंच का संस्थापक सदस्य और संचालन समिति का भागीदार है।

□ 5वां भारत-सीएलएमवी (CLMV) व्यवसाय सम्मेलन, 2018

- ➔ नोम पेन्ह, कम्बोडिया में आयोजित। (21-22 मई, 2018)
 - भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कम्बोडिया के वाणिज्य मंत्रालय के साथ मिलकर इस सम्मेलन का आयोजन किया।
 - इस कार्यक्रम में भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) संस्थागत साझेदार है।



- ➔ इस सम्मेलन में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री सुरेश प्रभु ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया।

□ पहला भारत-रूस अनौपचारिक शिखर सम्मेलन, 2018

- ➔ सोची शहर, रूस में आयोजित। (21 मई, 2018)
 - इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भाग लिया।



- उल्लेखनीय है कि इस शिखर सम्मेलन का आयोजन भारत और रूस के बीच उच्चस्तरीय राजनीतिक आदान-प्रदान की परंपरा को ध्यान में रखते हुए किया गया था।

- ➔ सम्मेलन में दोनों नेताओं ने संबंधों को और मजबूत बनाने तथा अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

□ प्रथम केरल अंतरराष्ट्रीय बाल फिल्म समारोह, 2018

- ➔ तिरुवनंतपुरम, केरल में संपन्न। (14-20 मई, 2018)
 - इसका आयोजन केरल बाल कल्याण राज्य परिषद द्वारा केरल राज्य चलचित्र अकादमी, केरल राज्य फिल्म विकास निगम और राज्य बाल साहित्य संस्थान के सहयोग से किया गया।
- ➔ इसमें 140 से अधिक फिल्मों, लघु फिल्मों और वृत्त चित्रों का प्रदर्शन किया गया।



□ अंतरराष्ट्रीय रेल कोच एक्सपो, 2018

- ➔ चेन्नई, तमिलनाडु में आयोजित। (17-19 मई, 2018)
 - इसका आयोजन रेल मंत्रालय के अधीन इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (ICF) द्वारा भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) तथा रेल मंत्रालय के अंतर्गत सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम राइट्स लिमिटेड के सहयोग से किया गया।



□ सेवाओं पर चौथी वैश्विक प्रदर्शनी, 2018

- ➔ मुंबई, महाराष्ट्र में आयोजित। (15-18 मई, 2018)
 - इसका आयोजन वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, महाराष्ट्र सरकार, भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) और सेवा निर्यात संवर्धन परिषद (SEPC) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।
 - राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने इस प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।
- ➔ इस अवसर पर उन्होंने सेवा क्षेत्र से जुड़े 12 चैंपियन क्षेत्रों पर एक पोर्टल लांच किया।
 - इस वैश्विक प्रदर्शनी में 100 देशों के लगभग 500 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।



□ शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के संस्कृति मंत्रियों की 15वीं बैठक, 2018

- ➔ सान्या, हेनान प्रांत (चीन) में संपन्न। (17 मई, 2018)
 - भारत ने पहली बार एससीओ संस्कृति मंत्रियों की बैठक में भाग लिया।
 - इस बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व केंद्रीय संस्कृति राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. महेश शर्मा ने किया।

□ 15वां एशिया मीडिया शिखर सम्मेलन, 2018

➔ नई दिल्ली में आयोजित (10-12 मई, 2018)

➔ इसका आयोजन सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा भारतीय जनसंघार संस्थान (IIMC) और ब्रॉडकास्ट



इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स इंडिया लि. (BECIL) की संयुक्त भागीदारी से किया गया।

☉ मुख्य विषय-"Telling our stories-Asia and More".

☉ भारत में पहली बार इसका आयोजन किया गया।

➔ इस शिखर सम्मेलन में 39 देशों के लगभग 200 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

□ 6वां यूएस-भारत विमानन शिखर सम्मेलन, 2018

➔ मुंबई, महाराष्ट्र में आयोजित (9-11 मई, 2018)

☉ यह तीन दिवसीय शिखर सम्मेलन संयुक्त रूप से भारत सरकार के केंद्रीय नागर विमानन मंत्रालय और अमेरिकी व्यापार और विकास एजेंसी (USTDA) द्वारा आयोजित किया गया।

□ स्मार्ट सिटीज के सीईओ का पहला बृहत सम्मेलन, 2018

➔ भोपाल, मध्य प्रदेश में आयोजित (8-9 मई, 2018)

☉ इस सम्मेलन का उद्देश्य विगत ढाई वर्षों में हासिल की गई उपलब्धियों, अनुभव और जानकारी को साझा करना है।

□ शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के पर्यटन मंत्रियों का सम्मेलन, 2018

➔ वुहान, चीन में आयोजित (9 मई, 2018)

☉ एससीओ के सदस्य देशों के बीच यह पहली मंत्रिस्तरीय बैठक है।

☉ केंद्रीय पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के.जे. अल्फोंस ने सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व किया।



□ भारत-इथियोपिया संयुक्त आयोग की दूसरी बैठक, 2018

➔ नई दिल्ली में संपन्न (9 मई, 2018)

☉ इसमें भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने, जबकि इथियोपियाई प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्री एच.ई. वर्कनेह गेबेयेहु ने किया।

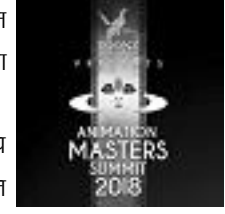
☉ गौरतलब है कि इस वर्ष भारत-इथियोपिया के राजनयिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है, इस परिप्रेक्ष्य में भी यह बैठक महत्वपूर्ण थी।

□ 19वां एनीमेशन मास्टर्स शिखर सम्मेलन, 2018

➔ टेक्नो पार्क कैंपस, त्रिवेंद्रम (केरल) में संपन्न (4-5 मई, 2018)

☉ इस शिखर सम्मेलन का आयोजन टून्ज (TOONZ) मीडिया ग्रुप द्वारा किया गया था।

➔ शिखर सम्मेलन के दौरान भारतीय एनीमेशन के अग्रणी निर्माता वी.जी. सामंत को एनीमेशन उद्योग में उनके योगदान के लिए 'लीजेंड ऑफ एनीमेशन' पुरस्कार से सम्मानित किया गया।



□ पहला भारत-दक्षिण अफ्रीका व्यावसायिक शिखर सम्मेलन, 2018

➔ जोहान्सबर्ग, दक्षिण अफ्रीका में संपन्न (29-30 अप्रैल, 2018)

☉ इसमें भारत का प्रतिनिधित्व केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री सुरेश प्रभु ने किया।



□ 8वीं इंडियन हॉर्टिकल्चर कांग्रेस, 2018

➔ हॉर्टिकल्चर सोसायटी ऑफ इंडिया की 8वीं इंडिया हॉर्टिकल्चर कांग्रेस का आयोजन रायपुर, छत्तीसगढ़ में किया जाएगा। (29 अक्टूबर 1 नवंबर, 2018 के मध्य)

☉ यह कांग्रेस इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में आयोजित की जाएगी।

☉ इंडियन हॉर्टिकल्चर कांग्रेस, 2018 का मुख्य विषय (Theme) "भारतीय उद्यानिकी का भविष्य निर्माण" है।

□ चौथा भारतीय अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव, 2018

➔ आयोजन इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में प्रस्तावित। (5-8 अक्टूबर, 2018 के मध्य)

☉ इस महोत्सव का मुख्य विषय (Theme) 'विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी-साझेदारी निर्माण, समाज पर प्रभाव' (Science and Technology-Building Partnerships, Impacting Society) है।

☉ इसका आयोजन विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय व विज्ञान भारती के सहयोग से पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा किया जाएगा।

➔ जैव प्रौद्योगिकी विभाग तथा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी इस कार्यक्रम में समन्वय की भूमिका निभाएंगे।

□ वैश्विक पवन शिखर सम्मेलन, 2018

➔ पहला संस्करण हैम्बर्ग, जर्मनी में प्रस्तावित। (25-28 सितंबर, 2018)

☉ यह हरित प्रौद्योगिकी के साथ पवन ऊर्जा का उपयोग करने के लिए



नवाचारों पर ध्यान केंद्रित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जाएगा।

- इस चार दिवसीय सम्मेलन में चीन, भारत, अमेरिका, स्पेन और डेनमार्क सहित लगभग 100 देश भाग लेंगे।

❑ विश्व रोबोट सम्मेलन, 2018

➤ बीजिंग, चीन में प्रस्तावित। (15-19 अगस्त, 2018)

- यह सम्मेलन रोबोट उद्योग में नवाचार, अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देगा।



- सम्मेलन में 10 से अधिक देशों और क्षेत्रों की 12,000 से अधिक टीमें और 50,000 प्रतिभागियों के भाग लेने की संभावना है।

संधि/समझौता

❑ भारत-फ्रांस समझौता

➤ मार्च, 2018 में भारत और फ्रांस के बीच टिकाऊ शहरी विकास के क्षेत्र में हुए समझौते के विषय में केंद्रीय मंत्रिमंडल को जानकारी प्रदान की गई। (6 जून, 2018)

➤ इस समझौते की अवधि 5 वर्ष है।

- केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा भारत और फ्रांस के बीच नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में हस्ताक्षरित समझौता-ज्ञापन को पूर्वव्यापी मंजूरी। (23 मई, 2018)

➤ यह समझौता-ज्ञापन 10 मार्च, 2018 को नई दिल्ली में हस्ताक्षरित हुआ था।

- इस समझौता-ज्ञापन के तहत दोनों देशों का उद्देश्य राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान (NISE), भारत और फ्रेंच अल्टरनेटिव एनर्जीज़ एंड एटॉमिक एनर्जी कमीशन (CEA) के मध्य चयनित क्षेत्रों में अनुसंधान/प्रदर्शन/पायलट परियोजना की पहचान करना है।

❑ एमएसएमई मंत्रालय और आयुष मंत्रालय में समझौता

➤ सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय और आयुष मंत्रालय के बीच आयुष उद्यमों के विक्रस में साझेदारी हेतु समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर। (4 जून, 2018)



- उद्देश्य- 'समग्र स्वास्थ्य सेवा' में भारत को एक वैश्विक नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित करना।

❑ भारत-सिंगापुर समझौता

➤ भारत और सिंगापुर के मध्य नर्सिंग क्षेत्र में परस्पर मान्यता सहमति-पत्र (MRA-Mutual Recognition Agreement) पर हस्ताक्षर। (1 जून, 2018)

➤ किसी एफटीए (मुक्त व्यापार क्षेत्र) सहयोगी के साथ किया जाने वाला यह पहला एमआरए है।

➤ इसके तहत भारतीय नर्सिंग संस्थानों के कवरेज का विस्तार करने हेतु सिंगापुर द्वारा 7 भारतीय नर्सिंग संस्थानों को मान्यता देने पर सहमति व्यक्त की गई।

➤ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा भारत और सिंगापुर के बीच कार्मिक प्रबंधन तथा लोक प्रशासन के क्षेत्र में सहयोग हेतु समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने को मंजूरी। (23 मई, 2018)

❑ भारत सरकार-विश्व बैंक समझौता

➤ भारत सरकार और विश्व बैंक के बीच राजस्थान परियोजना में सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने हेतु 21.7 मिलियन अमेरिकी डॉलर के आईबीआरडी ऋण हेतु समझौता-ज्ञापन हस्ताक्षरित। (29 मई, 2018)



➤ इस परियोजना की कुल लागत राशि 31 मिलियन अमेरिकी डॉलर है, जिसमें 21.7 मिलियन अमेरिकी डॉलर राशि विश्व बैंक द्वारा और शेष राशि राज्य बजट से वित्तपोषित की जाएगी।

➤ उद्देश्य-सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन ढांचे को सुदृढ़ बनाना, व्यय एवं राजस्व प्रणाली को सुदृढ़ करना और परियोजना प्रबंधन एवं क्षमता निर्माण।

➤ परियोजना अवधि 5 वर्ष है।

❑ हरियाणा सरकार और नीदरलैंड्स में समझौता

➤ हरियाणा सरकार और नीदरलैंड्स के मध्य कृषि क्षेत्र को विकसित करने एवं बढ़ावा देने की दिशा में परस्पर सहयोग हेतु समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर। (24 मई, 2018)

➤ इस समझौता-ज्ञापन के तहत हरियाणा व नीदरलैंड्स कृषि, पशुपालन व डेयरी, मत्स्य पालन, बागवानी व फूलों की खेती के उन्नयन, कृषि क्षेत्र में सक्षम जल प्रबंधन, खारे पानी का उपयोग, उप-सतह जल निकासी तथा जल निकासियों की पुनर्स्थापना में पारस्परिक सहयोग करेंगे।

➤ उत्कृष्ट केंद्रों व प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना में तकनीकी परामर्श सहित हरियाणा में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में फूलों की मंडी स्थापित किए जाने में भी नीदरलैंड्स सहयोग करेगा।

❑ भारत-डेनमार्क समझौता

➤ केंद्रीय मंत्रिमंडल को सतत और स्मार्ट शहरी विकास के क्षेत्र में तकनीकी सहयोग पर भारत और डेनमार्क के बीच अप्रैल, 2018 में हस्ताक्षरित समझौता-ज्ञापन से अवगत कराया गया। (6 जून, 2018)

➤ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा भारत और डेनमार्क के बीच खाद्य सुरक्षा और सहयोग समझौता-ज्ञापन को पूर्वव्यापी मंजूरी। (23 मई, 2018)

➤ यह समझौता-ज्ञापन 16 अप्रैल, 2018 को हस्ताक्षरित हुआ था।

□ भारत-तुर्की समझौता

➔ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा भारत और तुर्की के बीच पोस्ता दाना व्यापार से संबंधित समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने हेतु मंजूरी। (23 मई, 2018)

☉ इसका उद्देश्य तुर्की से पोस्ता दाना आयात हेतु तीव्र और पारदर्शी प्रोसेसिंग सुनिश्चित करना है।

➔ तुर्की अनाज बोर्ड (TMO) पोस्ता दाना को तुर्की से भारत को निर्यात करने के नियमों के लिए ऑनलाइन प्रणाली का संचालन करेगा।

□ भारत-मोरक्को समझौता

➔ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा भारत और मोरक्को के बीच नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग हेतु समझौता-ज्ञापन को पूर्वव्यापी मंजूरी। (23 मई, 2018)

☉ यह समझौता-ज्ञापन 10 अप्रैल, 2018 को नई दिल्ली में हस्ताक्षरित हुआ था।

➔ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा भारत और मोरक्को

के बीच भू-विज्ञान एवं खनन क्षेत्र में समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर को मंजूरी। (16 मई, 2018)

☉ यह समझौता-ज्ञापन 11 अप्रैल, 2018 को नई दिल्ली में हस्ताक्षरित हुआ था।



□ डीईपीडब्ल्यूडी और एलिम्को में समझौता

➔ सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग (डीईपीडब्ल्यूडी) और भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) के बीच वित्त वर्ष 2018-19 हेतु दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण हेतु लक्ष्य निर्धारित करने के लिए समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर। (22 मई, 2018)

□ कैसर संस्थान एवं अस्पताल, लखनऊ एवं टाटा मेमोरियल सेंटर, मुंबई के मध्य समझौता

➔ टाटा मेमोरियल सेंटर, मुंबई और सुपर स्पेशियलिटी कैसर संस्थान एवं अस्पताल, लखनऊ के मध्य समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर। (21 मई, 2018)

☉ समझौता-ज्ञापन के तहत टाटा कैसर संस्थान, मुंबई द्वारा लखनऊ स्थित संस्थान के लिए विश्वस्तरीय एवं आधुनिक चिकित्सा प्रणाली उपलब्ध कराई जाएगी।

➔ यह संस्थान यहां के विशेषज्ञ डॉक्टरों, नर्सों व अन्य कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने के साथ ही तकनीकी एवं प्रक्रियाजन्य अनुभव का भी आदान-प्रदान करेगा।

□ भारत-कोलंबिया समझौता

➔ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा भारत और कोलंबिया के बीच भारत की परंपरागत औषधि प्रणालियों पर सहयोग स्थापित करने हेतु समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर को मंजूरी। (16 मई, 2018)

☉ इस समझौता-ज्ञापन के फलस्वरूप चिकित्सकों को प्रशिक्षण देने हेतु विशेषज्ञों का आदान-प्रदान, परंपरागत औषधि प्रणालियों में सहयोगपूर्ण अनुसंधान से औषधि विकास और परंपरागत चिकित्सा में नया आविष्कार हो सकेगा।

□ भारत-सूरीनाम समझौता

➔ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा भारत और सूरीनाम के बीच चुनाव प्रबंधन और प्रशासन के क्षेत्र में सहयोग हेतु समझौता-ज्ञापन को मंजूरी। (16 मई, 2018)

☉ समझौता-ज्ञापन के अंतर्गत दोनों देशों के बीच चुनाव प्रक्रिया के संगठनात्मक और तकनीकी विकास के क्षेत्र में परस्पर सूचनाओं के आदान-प्रदान, संस्थाओं को सशक्त बनाने, क्षमता विकास और प्रशिक्षण हेतु ज्ञान और अनुभवों को साझा करने तथा नियमित विचार-विमर्श की प्रक्रिया को जारी रखने का प्रावधान है।

□ भारत-स्वाजीलैंड समझौता

➔ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा स्वास्थ्य और औषधि के क्षेत्र में सहयोग हेतु भारत और स्वाजीलैंड के बीच समझौता-ज्ञापन हेतु पूर्वव्यापी मंजूरी। (16 मई, 2018)

☉ इस समझौता-ज्ञापन पर 9 अप्रैल, 2018 को हस्ताक्षर किया गया था।

☉ सहयोग के विवरण की विस्तृत जानकारी और समझौता-ज्ञापन के कार्यान्वयन की निगरानी हेतु कार्यदल की स्थापना की गई है।

□ नाल्को-भारत सरकार समझौता

➔ एल्युमीनियम क्षेत्र की प्रमुख और सार्वजनिक क्षेत्र की नवरत्न कंपनी राष्ट्रीय एल्युमीनियम कंपनी लिमिटेड (NALCO) और भारत सरकार के मध्य समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर। (15 मई, 2018)



☉ नाल्को कंपनी द्वारा समझौता-ज्ञापन के तहत वित्त वर्ष 2018-19 के लिए 9,350 करोड़ रुपये का राजस्व लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

➔ इसके अलावा कंपनी ने वर्ष 2018-19 के लिए 1100 करोड़ रुपये का कैपेक्स (Capital Expenditure) लक्ष्य निर्धारित किया है।

□ पंजाब सरकार-यू.के. समझौता

➔ पंजाब सरकार द्वारा राज्य में बायो-गैस और बायो-सीएनजी संयंत्रों की स्थापना हेतु यूनाइटेड किंगडम (यू.के.) के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर। (11 मई, 2018)

☉ इस समझौता-ज्ञापन के भागीदारों में पंजाब ब्यूरो ऑफ इंडस्ट्रियल प्रमोशन (PBIP), पंजाब एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी (PEDA) और रिका बायोफ्यूल्स डेवलपमेंट लिमिटेड, यू.के. शामिल हैं।

- समझौता-ज्ञापन की शर्तों के अनुसार, रिका बायोफ्यूल्स डेवलपमेंट लिमिटेड, यू.के. 100-150 मिलियन अमेरिकी डॉलर के कुल निवेश के साथ 10 से अधिक बायो-सीएनजी संयंत्रों का निर्माण करेगी।

➔ प्रति संयंत्र की उत्पादन क्षमता लगभग 100 मीट्रिक टन प्रतिदिन होगी।

□ महाराष्ट्र सरकार और गृह (GRIHA) परिषद में समझौता

➔ महाराष्ट्र सरकार और केंद्रीय एकीकृत आवास मूल्यांकन हेतु ग्रीन रेटिंग (Green Rating for Integrated Habitat Assessment : GRIHA) परिषद के बीच महाराष्ट्र में सरकारी भवनों का मूल्यांकन करने के लिए लोक निर्माण विभाग (PWD) के अधिकारियों को प्रशिक्षित करने हेतु समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर। (11 मई, 2018)



- महाराष्ट्र इस प्रकार के समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने वाला देश का पहला राज्य है।
- इसका उद्देश्य पर्यावरणीय रूप से जिम्मेदार प्रक्रियाओं और सामग्रियों का उपयोग कर डिजाइन, निर्माण, देखभाल और पर्यावरण अनुकूल/ग्रीन इमारतों के निर्माण को प्रोत्साहन प्रदान करना है।

□ राष्ट्रीय पोषण अभियान हेतु समझौता

➔ भारत सरकार और विश्व बैंक के बीच राष्ट्रीय पोषण अभियान हेतु 200 मिलियन डॉलर राशि के ऋण-पत्र पर हस्ताक्षर। (7 मई, 2018)

➔ ज्ञातव्य है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 8 मार्च, 2018 को झुंझनू, राजस्थान में राष्ट्रीय पोषण अभियान का शुभारंभ किया था।

- यह अभियान सभी राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के 315 जिलों में संचालित किया जाएगा।

□ किसानों को फसल अनुमान की पूर्व जानकारी देने हेतु समझौता

➔ नीति आयोग और सूचना तकनीकी फर्म, आईबीएम (IBM) के मध्य आकांक्षी जिलों में किसानों को फसल अनुमान की वास्तविक समय पर जानकारी प्रदान करने हेतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence) का उपयोग कर फसल उपज पूर्वानुमान मॉडल विकसित करने हेतु आशय-पत्र पर हस्ताक्षर। (4 मई, 2018)



- इसका उद्देश्य फसल उत्पादन और मिट्टी की उत्पादकता बढ़ाने, कृषि पैदावार को नियंत्रित करने तथा व्यापक रूप से किसानों की आय बढ़ाने हेतु मिलकर काम करना है।

□ पीएचडीसीसीआई और आईवाईए में समझौता

➔ पीएचडी चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (PHDCCI) और इंडियन योगा एसोसिएशन (IYA) के बीच उत्तर प्रदेश के कृष्णा सर्किट में योगा, स्वास्थ्य और आध्यात्मिक पर्यटन को संयुक्त रूप से बढ़ावा देने हेतु समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर। (29 अप्रैल, 2018)

□ यूपीपीसीएल और ईईएसएल में समझौता

➔ उत्तर प्रदेश पॉवर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (UPPCL) और एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (EESL) के बीच प्रदेश में 40 लाख मीटर लगाने हेतु समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर। (26 अप्रैल, 2018)

- राज्य में उपभोक्ताओं के घरों में 40 लाख स्मार्ट मीटर लगाने हेतु इस अभियान की शुरुआत 15 मई, 2018 से की गयी है।

संघ/संगठन

□ उत्तर पूर्वी परिषद (NEC) का पुनर्गठन

➔ NEC के पुनर्गठन को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा मंजूरी। (13 जून, 2018)

- नई व्यवस्था के अंतर्गत केंद्रीय गृहमंत्री एनईसी के पदेन अध्यक्ष होंगे।
- जबकि केंद्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) इसके उपाध्यक्ष होंगे।



➔ पूर्वोत्तर के सभी 8 राज्यों के राज्यपाल तथा मुख्यमंत्री इसके सदस्य होंगे।

- ज्ञातव्य है कि एनईसी की स्थापना पूर्वोत्तर परिषद अधिनियम, 1971 के अंतर्गत की गई थी।

□ कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण

➔ केंद्र सरकार द्वारा तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल एवं पुडुचेरी के बीच जल के बंटवारे संबंधी विवाद को निपटाने हेतु 'कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण' (CWMA) का गठन। (1 जून, 2018)

- केंद्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुपालन में इस प्राधिकरण का गठन किया।

➔ इस प्राधिकरण में एक अध्यक्ष, 8 सदस्यों के अलावा एक सचिव होगा।

□ वॉंगडुडी होल्डिंग कंपनी का अधिग्रहण

➔ इन्फोसिस द्वारा अमेरिकी कंपनी वॉंगडुडी होल्डिंग का अधिग्रहण। (30 मई, 2018)

- इन्फोसिस द्वारा इस कंपनी के अधिग्रहण की घोषणा अप्रैल, 2018 में ही की गई थी। इस अधिग्रहण की राशि 75 मिलियन डॉलर है।

❑ महिला सुरक्षा प्रभाग

➔ गृह मंत्रालय द्वारा महिला सुरक्षा के मुद्दे पर व्यापकता से निपटने हेतु एक नया प्रभाग 'महिला सुरक्षा प्रभाग' गठित। (25 मई, 2018)



⊕ यह प्रभाग संबंधित मंत्रालयों/विभागों और राज्य सरकारों के साथ मिलकर महिला सुरक्षा के सभी पहलुओं से निपटेगा।

⊕ 1993 बैच की एजीएमयूटी कैडर की अधिकारी पुण्य सलिला श्रीवास्तव को इस प्रभाग का नेतृत्व करने हेतु संयुक्त सचिव के पद पर तैनात किया गया है।

❑ भारतीय एयरटेल और टेलीनॉर इंडिया के विलय को मंजूरी

➔ दूरसंचार विभाग द्वारा भारती एयरटेल और टेलीनॉर इंडिया के विलय संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी। (14 मई, 2018)



⊕ नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (NCLT) ने 8 मार्च, 2018 को दोनों कंपनियों के विलय को मंजूरी प्रदान की थी।

⊕ विलय के अंतर्गत टेलीनॉर को अपनी इकाई की सारी संपत्ति एवं सभी ग्राहक भारतीय एयरटेल को स्थानांतरित करना होगा।

वर्ष/दिवस

❑ सांख्यिकी दिवस, 2018

➔ तिथि-29 जून, 2018

⊕ मुख्य विषय- 'आधिकारिक सांख्यिकी में गुणवत्तापूर्ण आश्वासन' (Quality Assurance in Official Statistics) था।



❑ मादक-द्रव्य दुरुपयोग और अवैध व्यापार के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय दिवस

➔ तिथि-26 जून, 2018

⊕ मुख्य विषय- 'पहले सुनो-बच्चों और युवाओं को सुनना, उन्हें स्वस्थ और सुरक्षित रहने में सहायता हेतु पहला कदम है' (Listen First-Listening to children and youth is the first step to help them grow healthy and safe) था।



❑ विश्व रक्तदाता दिवस

➔ तिथि-14 जून, 2018

⊕ मुख्य विषय- 'किन्हीं अन्य के लिए तैयार रहें। रक्तदान करें। जीवन दें' (Be There for Someone else. Give blood. Share life) था।



❑ अंतरराष्ट्रीय नाविक दिवस

➔ तिथि-25 जून, 2018

⊕ मुख्य विषय- 'नाविक कल्याण' (Seafarers wellbeing) था।

❑ विश्व बाल श्रम निषेध दिवस

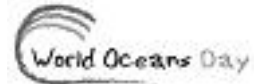
➔ तिथि- 12 जून, 2018

⊕ मुख्य विषय- 'सुरक्षित और स्वस्थ पीढ़ी' (Generation Safe & Healthy) था।

❑ विश्व महासागर दिवस

➔ तिथि- 8 जून, 2018

⊕ वर्ष 2018 में इस दिवस का एक्शन फोकस (Action Focus)- 'प्लास्टिक प्रदूषण को रोकना और एक स्वस्थ महासागर के लिए समाधान को प्रोत्साहित करना' (Preventing Plastic Pollution and Encouraging Solutions for a Healthy Ocean) था।



❑ वित्तीय साक्षरता सप्ताह

➔ तिथि- 4-8 जून, 2018

⊕ मुख्य विषय- 'ग्राहक संरक्षण' था।

❑ विश्व पर्यावरण दिवस

➔ तिथि- 5 जून, 2018

⊕ मुख्य विषय- 'प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना' (Beat Plastic Pollution)



❑ विश्व साइकिल दिवस

➔ तिथि- 3 जून, 2018

⊕ संयुक्त राष्ट्र ने अप्रैल, 2018 में परिवहन के सामान्य, सस्ते, विश्वसनीय, स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल साधन के रूप में बढ़ावा देने के लिए इस दिवस को मनाने की घोषणा की थी।



❑ विश्व तंबाकू निषेध दिवस

➔ तिथि-31 मई, 2018

⊕ मुख्य विषय- 'तंबाकू और हृदय की बीमारी' (Tobacco and Heart Disease) था।



❑ संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय शांति सैनिक दिवस

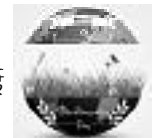
➔ तिथि- 29 मई, 2018

⊕ मुख्य विषय- 'संयुक्त राष्ट्र शांतिकर्मी : सेवा और बलिदान के 70 वर्ष' (UN Peacekeepers : 70 Years of Service and Sacrifice) था।

❑ अंतरराष्ट्रीय जैव-विविधता दिवस

➔ तिथि- 22 मई, 2018

⊕ मुख्य विषय- 'जैव विविधता के लिए कार्रवाई हेतु 25 वर्षों का जश्न मनाना' था।



Advertisement

□ अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस

➔ तिथि-18 मई, 2018

- ☉ मुख्य विषय- 'हाइपरकनेक्टेड संग्रहालय : नए दृष्टिकोण, नए लोग' (Hyperconnected Museums : New Approaches, New Publics) था।

□ वर्ल्ड हाइपरटेंशन डे

➔ तिथि- 17 मई, 2018

- ☉ मुख्य विषय- 'अपनी संख्या जानें' (Know Your Numbers) था।



□ विश्व दूरसंचार और सूचना समाज दिवस

➔ तिथि- 17 मई, 2018

- ☉ मुख्य विषय- 'सभी के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सकारात्मक उपयोग को सक्षम बनाना' (Enabling the Positive use of Artificial Intelligence for all) था।



□ अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस

➔ तिथि-15 मई, 2018

- ☉ मुख्य विषय- 'परिवार और समावेशी विकास' (Families and Inclusive Societies) था।

□ विश्व प्रवासी पक्षी दिवस

➔ तिथि- 12 मई, 2018

- ☉ यह दिवस वर्ष में दो बार मई और अक्टूबर माह के दूसरे शनिवार को मनाया जाता है।
- ☉ मुख्य विषय- 'पक्षी संरक्षण के लिए हमारी आवाजें एकीकृत करना' (Unify our Voices for Bird Conservation) था।



□ अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस

➔ तिथि-12 मई, 2018

- ☉ मुख्य विषय- 'नर्स : स्वास्थ्य एक मानवाधिकार है, का नेतृत्व करने के लिए एक आवाज' (Nurses : A Voice to Lead Health is a Human Right) था।

□ अंतरराष्ट्रीय थैलीसीमिया दिवस

➔ तिथि-8 मई, 2018

- ☉ मुख्य विषय- 'थैलीसीमिया अतीत, वर्तमान, भविष्य : दुनिया भर में रोगियों की जरूरतों एवं प्रगति का दस्तावेजीकरण' (Thalassaemia Past, Present and Future : Documenting Progress and Patients' needs Worldwide) था।



अब्ब प्रमुख वर्ष/दिबस

- संयुक्त राष्ट्र लोक सेवा दिवस— 23 जून, 2018
- विश्व शरणार्थी दिवस— 20 जून, 2018
- विश्व दुग्ध दिवस— 1 जून, 2018
- वैश्विक अभिभावक दिवस — 1 जून, 2018
- विश्व कछुआ दिवस— 23 मई, 2018
- प्रसूति नालग्रण को समाप्त करने का अंतरराष्ट्रीय दिवस — 23 मई, 2018
- आतंकवाद निरोधक दिवस — 21 मई, 2018
- राष्ट्रीय डेंगू दिवस— 16 मई, 2018
- पहला अंतरराष्ट्रीय प्रकाश दिवस— 16 मई, 2018
- राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस— 11 मई, 2018
- विश्व लूपस दिवस— 10 मई, 2018
- विश्व रेडगॉस दिवस— 8 मई, 2018

पुस्तकें

- हैलो फर गड्ड — स्नेह सप्रू
- एल्युमिनियम : द फ्यूचर मेटल — तपन कुमार चंद
- विनिंग ताइक सौरव : थिंक एंड सक्सीड लाइक गंगुवी — अभिरूप भट्टाचार्य
- द इंग्लिश पेशेंट — माइकल ओन्डात्जे
- इलेवेन्थ ऑवर — एस. हुसैन जैदी
- वेदविज्ञान आलोक — आचार्य अग्निव्रत नैथिक
- अहिंसा — सुप्रिया केलकर
- द आईवरी थ्रोन : क्रॉनिकल्स ऑफ द हाउस ऑफ त्रावणकोर — मनु एस. पिल्लई
- किचेन कॉफी डेन्सिथत : एडवेंचर्स इन कलीनरी अंडरबेली — एंथोनी बोर्डेन
- स्ट्रेट टॉक — डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी
- फ्लाइट्स — ओल्गा टोकरजुक
- सेवन डेकेड्स ऑफ इंटीपेंडेंट इंडिया : आइडियाज एंड रिफ्लेक्शन — विनोद राय, डॉ. अमितेंदु पलित
- द ग्रेट इंडियन नेचर ट्रेल विथ अंकल विक्की — रोहन चक्रवर्ती, बिजल वाचरजनी
- होम फायर — कमिला शम्सी
- हनीवॉब — अयान गोगोई गोहेन
- वगज की तलाश : एन अनवांटेड इंडीवर — गुरमिंदर सिंह
- एस.डी. बर्मन : द प्रिंस-म्यूजीशियन — अनिरुद्ध भट्टाचार्य, बालाजी विट्टल
- द मोस्ट डेंजरस प्लेस : अ हिस्ट्री ऑफ द यूनाइटेड स्टेट्स इन साउथ एशिया — श्रीनाथ राघवन
- ऐन ऑनरेबल एसासिन — स्टीव हैमिल्टन
- द आउटसाइडर — स्टीफन किंग
- द वर्ड इज मर्डर — एन्थोनी होरोविट्ज
- ब्रोकेन आइस — मैट गोल्डमैन

- आपातकालीन पत्रकारिता की संघर्ष गाथा
— प्रो. अरुण कुमार भगत
- कंटेंम्पोरेरी रिफ्लेक्शंस
— अलका वासुदेव
- स्पेक्ट्रम पॉलिटिक्स : अनवेलिंग द डिफेंस
— सलमान खुर्शीद, दक्षा शर्मा
- टेक-ऑल
— रेहम खान
- कश्मीर : ग्लिम्पसेस ऑफ हिस्ट्री एंड द स्टोरी ऑफ स्टूगल
— सैफुद्दीन सोज
- इंटरवाइंड लाइव्स : पी. एन. हक्सर एंड इंदिरा गांधी
— जयराम रमेश
- ट्रेकिंग द इंडियन इकोनॉमी : अ कलेक्शन ऑफ आर्टिकल्स
— सी. रंगराजन

विविध

□ कानपुर-दिल्ली के बीच हवाई उड़ान सेवा

➔ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा कानपुर-दिल्ली के बीच पहली हवाई उड़ान सेवा का शुभारंभ (3 जुलाई, 2018)

- ⊕ यह उड़ान सेवा क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना 'उड़ान' के तहत प्रारंभ की गई है।
- ⊕ दोनों शहरों के बीच हवाई उड़ान सेवा स्पाइस जेट द्वारा शुरू की गई है।

□ मोबाइल ऐप 'रीयूनाइट'

➔ केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग तथा नागरिक उड्डयन मंत्री सुरेश प्रभु द्वारा मोबाइल ऐप 'रीयूनाइट' (ReUnite) लांचा (29 जून, 2018)

- ⊕ यह ऐप देश में खोए एवं परित्यक्त बच्चों का पता लगाने में सहायता प्रदान करेगा।



□ फिल्म एप्रिसिएशन कोर्स कार्यशाला

➔ फिल्म एप्रिसिएशन कोर्स पर आयोजित कार्यशाला, देहरादून (उत्तराखंड) में संपन्न। (6-12 जून, 2018)

- ⊕ उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत की पहल पर पहली बार इस प्रकार की कार्यशाला का आयोजन उत्तराखंड में किया गया।
- ⊕ पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन संयुक्त रूप से भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान (FTII), पुणे और उत्तराखंड फिल्म विकास परिषद द्वारा किया गया।

□ 'धनुष' का सफल परीक्षण

➔ पोखरण (राजस्थान) में संपन्न। (10 जून, 2018)

➔ यह भारत की पहली स्वदेशी लंबी दूरी की आर्टिलरी गन है।



- ⊕ इसे अब भारतीय सेना में शामिल किया जाएगा।
- ⊕ यह 155 मिमी. × 45 मिमी. कैलिबर आर्टिलरी बंदूक है और इसे 'देशी बोफोर्स' भी कहा जाता है।
- ➔ यह गन कैरिज फैक्ट्री (GCF) द्वारा निर्मित की गई है।
- ⊕ इसकी स्ट्राइक रेंज 38 किमी. है।

□ पहला राष्ट्रीय पुलिस संग्रहालय

➔ केंद्र सरकार द्वारा नई दिल्ली में देश का पहला राष्ट्रीय पुलिस संग्रहालय स्थापित करने का निर्णय। (10 जून, 2018)



- ⊕ राष्ट्रीय राजधानी के चाणक्यपुरी क्षेत्र में स्थित राष्ट्रीय पुलिस स्मारक परिसर में भूमिगत संग्रहालय का निर्माण होगा।

□ क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग-2019

➔ क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग (QS World University Ranking), 2019 जारी। (6 जून, 2018)

- ⊕ इस रैंकिंग में 85 देशों के लगभग 1000 विश्वविद्यालयों को शामिल किया गया है।
- ⊕ इसमें अमेरिका के मैसाच्युसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (MIT) को शीर्ष स्थान प्राप्त हुआ है।



➔ स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी को दूसरा, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी को तीसरा, कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी को चौथा तथा यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड को पांचवां स्थान प्राप्त हुआ है।

- ⊕ क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग, 2019 में भारत के तीन संस्थानों को विश्व के शीर्ष 200 विश्वविद्यालयों में स्थान प्राप्त हुआ है।

➔ इसके अनुसार आईआईटी, बॉम्बे को 162वां, आईआईएससी, बंगलुरु को 170वां तथा आईआईटी, दिल्ली को 172वां स्थान प्राप्त हुआ है।

□ एफसीआरए के अंतर्गत विदेशी योगदान की निगरानी हेतु टूल लांच

➔ केंद्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह द्वारा विदेशी योगदान (नियमन) अधिनियम, 2010 के अंतर्गत विदेशी धन प्रवाह तथा इसके उपयोग की निगरानी हेतु एक ऑनलाइन विश्लेषण टूल लांचा। (1 जून, 2018)

- ⊕ वेब आधारित यह टूल सरकार के विभिन्न विभागों के अधिकारियों को विदेशी योगदान के स्रोत और भारत में इसके उपयोग की जांच करने में मदद करेगा।

□ एसएफडीआर मिसाइल का सफल परीक्षण

➔ भारत ने ओडिशा तट के एकीकृत परीक्षण रेंज (ITR), चांदीपुर से सॉलिड फ्यूल डकटेड रैमजेट (SFDR) प्रणोदन आधारित मिसाइल का

पहला सफल परीक्षण किया। (31 मई, 2018)

- ☉ यह डीआरडीओ द्वारा डिजाइन और विकसित सतह-से-हवा में मार करने वाली मिसाइल है।



☐ साहसिक पर्यटन पर दिशा-निर्देश

➔ साहसिक पर्यटन पर भारत सरकार के दिशा-निर्देश जारी। (31 मई, 2018)

- ☉ यह दिशा-निर्देश सरकार ने पहली बार जारी किया है।



- ☉ साहसिक खेलों को सुरक्षित बनाने के तहत भारत में साहसिक पर्यटन हेतु सुरक्षा और गुणवत्ता मानकों वाला यह दिशा-निर्देश 'एडवेंचर टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया' (ATOAI) के सहयोग से तैयार किया गया है।

➔ दिशा-निर्देशों के अंतर्गत भूमि, वायु और जल आधारित गतिविधियां पर्वतारोहण, ट्रेकिंग, बंजी जंपिंग, पैराग्लाइडिंग, कयाकिंग, स्कूबा डाइविंग, स्नार्कलिंग, रिबर राफ्टिंग आदि शामिल हैं।

☐ वैश्विक वयस्क तंबाकू सर्वेक्षण रिपोर्ट

➔ हिमाचल प्रदेश की वैश्विक वयस्क तंबाकू सर्वेक्षण (GATS-Global Adult Tobacco Survey) रिपोर्ट जारी। (31 मई, 2018)

- ☉ वैश्विक वयस्क तंबाकू सर्वेक्षण (गैट्स) व्यवस्थित तरीके से वयस्कों में तंबाकू नियंत्रण के मुख्य घटकों को ज्ञात करने का एक वैश्विक पैमाना है।



➔ स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा द्वितीय चरण का सर्वेक्षण देश के 30 राज्यों में वर्ष 2017 के अंत तक कराया गया।

- ☉ हिमाचल प्रदेश में इस अवधि के दौरान तंबाकू सेवन करने वालों में लगभग 24 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।
- ☉ राज्य में तंबाकू सेवन करने वालों की संख्या 16 प्रतिशत है, जबकि देश में यह दर 28.6 प्रतिशत है।
- ☉ ज्ञातव्य है कि शिमला को पूरे देश में सबसे पहले तंबाकू मुक्त शहर घोषित किया गया था।

☐ मध्य प्रदेश में सिंचाई को बढ़ावा देने हेतु ऋण की मंजूरी

➔ एशियाई विकास बैंक द्वारा मध्य प्रदेश में सिंचाई को बढ़ावा देने हेतु 375 मिलियन डॉलर राशि के ऋण को मंजूरी। (31 मई, 2018)

- ☉ उद्देश्य-राज्य की सिंचाई व्यवस्था में सुधार लाना और किसानों की आमदनी बढ़ाने में सहायता करना।

☐ अत्याधुनिक ई-टिकट प्रणाली का नया यूजर इंटरफेस

➔ रेलवे के ऑनलाइन ट्रेवल पोर्टल (www.irctc.co.in) द्वारा उपयोगकर्ताओं के अनुकूल और अधिक विशेषताओं वाले नए यूजर इंटरफेस का बीटा संस्करण लांच। (30 मई, 2018)



- ☉ ई-टिकटिंग वेबसाइट के नए इंटरफेस की लॉन्चिंग से उपयोगकर्ता अब बिना लॉग इन किए भी रेलगाड़ी से संबंधित समस्त जानकारी (सीटों की उपलब्धता, प्रस्थान-आगमन समय इत्यादि) प्राप्त कर सकते हैं।

☐ ग्राम चौकीदार का पदनाम परिवर्तित

➔ उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल की संपन्न बैठक में 'ग्राम चौकीदार' का पदनाम परिवर्तित कर 'ग्राम प्रहरी' किए जाने का निर्णय। (29 मई, 2018)



- ☉ ज्ञातव्य है कि उ.प्र. पुलिस रेगुलेशन के प्रस्तर 89 से 96 (क) तक तथा प्रस्तर 129, 322, 396(3) एवं 476 में 'ग्राम चौकीदार' शब्द का प्रयोग हुआ है।
- ☉ मंत्रिमंडल के निर्णय के तहत उक्त प्रस्तरों में अब ग्राम चौकीदार के स्थान पर 'ग्राम प्रहरी' लिखा जाएगा।

☐ स्टरलाइट कॉपर फैक्ट्री को बंद करने का आदेश

➔ तमिलनाडु सरकार द्वारा थूथुकुडी (तूतीकोरिन) में स्थित वेदांता समूह की स्टरलाइट कॉपर (तांबा) फैक्ट्री को बंद करने का आदेश दिया गया। (28 मई, 2018)

- ☉ यह कार्रवाई जल अधिनियम, 1974 की धारा 18(1)(बी) के तहत ब्यापक सार्वजनिक हित में की गई है।



☐ पतंजलि स्वदेशी समृद्धि सिम कार्ड

➔ नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में बाबा रामदेव द्वारा भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) की साझेदारी में पतंजलि 'स्वदेशी समृद्धि सिम कार्ड' लांच। (27 मई, 2018)



- ☉ प्रारंभ में इस सिम कार्ड का उपयोग केवल पतंजलि के कर्मचारी और पदाधिकारी कर सकेंगे।

➔ इस कार्ड पर आकर्षक डेटा और कॉल पैकेज के अलावा 5 लाख रुपये का जीवन बीमा तथा 2.5 लाख रुपये का चिकित्सा बीमा मिलेगा।

❑ एलईडी स्ट्रीट लाइट डैशबोर्ड का लोकार्पण

➔ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शास्त्री भवन, लखनऊ में एलईडी स्ट्रीट लाइट डैशबोर्ड का लोकार्पण। (28 मई, 2018)

- ⊙ इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने माउस क्लिक कर लखनऊ तथा वाराणसी की स्ट्रीट लाइटों को 'स्विच ऑन' कर जनता को समर्पित किया।

❑ तूफान अल्बर्टो

➔ तीन अमेरिकी राज्यों फ्लोरिडा, अलाबामा और मिसिसिपी द्वारा उपोष्णकटिबंधीय तूफान अल्बर्टो के कारण राज्य में आपातकाल की घोषणा। (26 मई, 2018)

❑ आईएन एलसीयू एल-54

➔ पोर्ट ब्लेयर में 'आईएन एलसीयू एल-54' को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। (25 मई, 2018)

- ⊙ जल तथा स्थल पर चलने योग्य यह जहाज लैंडिंग क्रॉफ्ट यूटिलिटी (LCU) एम के-IV श्रेणी का चौथा जहाज है।
- ⊙ इसका निर्माण कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (GRSE) द्वारा किया गया है।

➔ इसे समुद्री तट के अभियानों, तलाशी और बचाव, आपदा राहत अभियानों आदि में प्रयोग किया जा सकता है।

❑ कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात पर रणनीति-पत्र

➔ केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग और नागरिक उड्डयन मंत्री सुरेश प्रभु द्वारा नई दिल्ली में कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात पर तैयार किए गए रणनीति-पत्र का विमोचन। (24 मई, 2018)



- ⊙ यह रणनीति-पत्र इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कंप्यूटर सॉफ्टवेयर निर्यात संवर्धन परिषद (ईएससी) द्वारा तैयार किया गया है।
- ⊙ उद्देश्य- वर्ष 2022 तक सॉफ्टवेयर निर्यात को बढ़ाकर 178 बिलियन अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंचाना।

❑ यात्री घोषणा-पत्र का मसौदा जारी

➔ नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा यात्री घोषणा-पत्र का मसौदा जारी। (22 मई, 2018)

- ⊙ यदि एयरलाइंस की गलती के कारण कोई उड़ान रद्द की जाती है, तो यात्रियों को मुआवजा प्रदान किया जाएगा अथवा उन्हें टिकट का पैसा वापस किया जाएगा।
- ⊙ यदि कनेक्टिंग उड़ानों के लिए पहली फ्लाइट के विलंब से पहुंचने के कारण दूसरी फ्लाइट छूट जाती है, तो एयरलाइंस यात्रियों को क्षतिपूर्ति देगी- यदि 3 घंटे से अधिक देरी हो तो

5000 रुपये, यदि 4-12 घंटों के बीच देरी हो तो 10000 रुपये और यदि 12 घंटे से अधिक देरी हो तो 20000 रुपये।

➔ इस मसौदे के अंतर्गत दिव्यांग यात्रियों के लिए भी सीटों का प्रस्ताव है।

➔ मसौदे में यह भी प्रावधान है कि यदि कोई यात्री टिकट लेने के 24 घंटे के अंदर इसे रद्द कराता है, तो कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

❑ 'निदान' सॉफ्टवेयर

➔ 'निदान' सॉफ्टवेयर का शुभारंभ। (19 मई, 2018)

- ⊙ इस सॉफ्टवेयर पर प्रदेश के चिकित्सा संस्थानों में अब विभिन्न मौसमी बीमारियों, गैर-संचारी रोगों सहित लगभग 46 बीमारियों की आनलॉइन प्रविष्टि की जाएगी।



- ⊙ इससे नियमित तौर पर क्षेत्र विशेष में होने वाली बीमारियों के ट्रेंड की समीक्षा हो सकेगी और साथ ही उनकी रोकथाम हेतु तात्कालिक रूप से विशिष्ट कार्ययोजना बनाकर कार्यवाही करने में भी काफी सहायता प्राप्त होगी।

❑ महिलाओं के लिए पुलिस बल में 10 प्रतिशत पद आरक्षित

➔ त्रिपुरा सरकार द्वारा राज्य में पुलिस बल में महिलाओं के लिए 10 प्रतिशत पद आरक्षित करने का निर्णय। (19 मई, 2018)



- ⊙ उद्देश्य-महिलाओं के साथ संबंधित अपराधों से और अधिक कुशलता से निपटना।
- ⊙ महिलाओं को आरक्षण पुलिस बल की सभी भर्ती में प्रदान किया जाएगा।

❑ सीएसटीटी द्वारा 'आयुष' शब्द अपनाने का निर्णय

➔ वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग (CSTT-The Commission for Scientific and Technical Terminology) द्वारा वैज्ञानिक और तकनीकी उद्देश्यों हेतु अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं में एक शब्द के रूप में 'आयुष' शब्द को अपनाने का निर्णय। (18 मई, 2018)

Ayush

➔ आयोग के अनुसार, 'आयुष' शब्द का अर्थ स्वास्थ्य और उपचार की पारंपरिक प्रणाली होगा- जिसमें आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, होम्योपैथी आदि शामिल हैं।

□ मालदीव के ईईजेड की संयुक्त निगरानी

➔ भारतीय नौसेना का आपततीय निगरानी पोत (NOPV) आईएनएस सुमेधा मालदीव के विशेष आर्थिक क्षेत्र (EEZ) की संयुक्त निगरानी के लिए तैनात किया गया। (9-17 मई, 2018)

- ☉ यह तैनाती नौसेना के 'मिशन आधारित तैनाती' के एक भाग के रूप में की गई।
- ☉ ज्ञातव्य है कि भारतीय नौसेना द्वारा 28 अप्रैल, 2018 से 15 मई, 2018 तक मालदीव में दूसरा विषम युद्ध प्रशिक्षण अभ्यास (एकता, 2018) संचालित किया गया।

□ पर्यटन से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों को उद्योग का दर्जा

➔ उत्तराखंड सरकार द्वारा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (MSME) नीति में संशोधन कर पर्यटन से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों को उद्योग का दर्जा प्रदान किया गया। (16 मई, 2018)

- ☉ इसके तहत अब क्राया कल्प रिजॉर्ट, आयुर्वेद, योगा, पंचकर्मा, बंजी जंपिंग, जॉय राइडिंग, सर्फिंग, कैंपिंग, रॉपिंग जैसे उद्यम सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) नीति के अंतर्गत आएंगे और उद्यमियों को इस नीति के अंतर्गत अनुमत्य सभी प्रकार की सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

□ पंडित दीनदयाल उपाध्याय सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत निधि की स्थापना

➔ उत्तराखंड मंत्रिमंडल की बैठक में पंडित दीनदयाल उपाध्याय सामाजिक सुरक्षा योजनांतर्गत 50 लाख रुपये की राशि से निधि स्थापित किए जाने का निर्णय। (16 मई, 2018)

- ☉ इस निधि से तलाकशुदा/परित्यक्ता/ एकल महिला के अतिरिक्त किन्नर श्रेणी को सुरक्षा प्रदान करने हेतु 1 लाख रुपये तक का सहकारिता ऋण प्रदान किया जाएगा।

□ रेलवे द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का प्रयोग

➔ रेलवे द्वारा पहली बार इम्फाल में 10.28 किमी. लंबी सुरंग में वायु परिसंचरण, संकेतों और पर्यवेक्षण एवं रख-रखाव के कार्यों को नियंत्रित करने हेतु कृत्रिम बुद्धि (Artificial Intelligence) का उपयोग किया जाएगा। (मई, 2018)

- ☉ यह सुरंग जिरीबाम-इम्फाल तक 110 किमी. लंबी रेल लाइन का एक हिस्सा है।
- ☉ इस प्रणाली का उपयोग हैदराबाद, मुंबई और अहमदाबाद मेट्रो में भी किया जाएगा।

□ आईपी नानी

➔ केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री सुरेश प्रभु द्वारा राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा का प्रतीक चिह्न 'आईपी नानी' लांचा। (16 मई, 2018)

- ☉ यह प्रतीक चिह्न बौद्धिक संपदा अधिकारी के महत्व के बारे में जागरूकता का प्रसार करेगा।



□ अरुणाचल प्रदेश में एलईडी सोलर स्ट्रीट लाइटिंग सिस्टम को मंजूरी

➔ राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा अरुणाचल प्रदेश के लिए ग्रामीण बुनियादी ढांचा विकास कोष के तहत 87.83 लाख रुपये के कुल अनुदान के साथ एलईडी सोलर स्ट्रीट लाइटिंग सिस्टम को मंजूरी। (मई, 2018)

□ सड़क दुर्घटना पीड़ितों का चिकित्सा खर्च वहन करने की घोषणा

➔ गुजरात सरकार द्वारा राज्य में प्रत्येक सड़क दुर्घटना पीड़ित को पहले के 48 घंटे मुफ्त चिकित्सा उपचार प्रदान किए जाने की घोषणा। (16 मई, 2018)

- ☉ योजनांतर्गत सरकार प्रत्येक दुर्घटना पीड़ित पर 50000 रुपये राशि तक के चिकित्सा व्यय का वहन करेगी।
- ☉ यह सुविधा दुर्घटना पीड़ित को राज्य के किसी भी सरकारी, निजी अस्पताल में भर्ती करने पर प्रदान की जाएगी।

□ सिंधु डॉल्फिन की पहली जनगणना

➔ विश्व के सबसे दुर्लभ स्तनधारियों में से एक सिंधु डॉल्फिन के संरक्षण हेतु पंजाब सरकार द्वारा वर्ल्ड वाइड फंड इंडिया (WWF India) के साथ अपने यहां उपस्थित डॉल्फिन की जनसंख्या पर पहली संगठित जनगणना आयोजित। (3-6 मई, 2018)

- ☉ वन और वन्यजीव संरक्षण विभाग, पंजाब और WWF भारत के अधिकारियों ने दो टीमों बनाकर जनगणना का कार्य किया।
- ☉ दोनों टीमों ने चार दिवसीय अभ्यास (3-6 मई) में डॉल्फिन की प्रजनन आबादी 5-11 के मध्य पाई।
- ☉ भारत में इस प्रजाति की डॉल्फिन की संख्या कम है, जो केवल ब्यास नदी में पाई जाती है।



□ भारत का 100वां कार्यात्मक हवाई अड्डा

➔ सिक्किम के पाकयोंग हवाई अड्डे को परिचालन प्रारंभ करने हेतु लाइसेंस प्राप्त हुआ। (4 मई, 2018)

- ☉ यह देश का 100वां कार्यात्मक हवाई अड्डा होगा।
- ☉ यह पूर्वोत्तर भारत में स्थापित पहला ग्रीन फील्ड हवाई अड्डा भी है।
- ☉ सिक्किम अब तक भारत का एकमात्र राज्य था, जहां कोई हवाई अड्डा नहीं था।





टेनिस

❑ विंबलडन, 2018

➔ लंदन (ब्रिटेन) में संपन्ना (2-15 जुलाई, 2018)

➔ प्रतियोगिता परिणाम

⊖ पुरुष एकल

विजेता - नोवाक जोकोविक (सर्बिया)

उपविजेता - केविन एंडरसन (द. अफ्रीका)



⊖ महिला एकल

विजेता - एंजेलिक कर्बर (जर्मनी)

उपविजेता - सेरेना विलियम्स (अमेरिका)



⊖ पुरुष युगल

विजेता - माइक ब्रायन एवं जैक सॉक (दोनों अमेरिका)

उपविजेता - रावेन क्लासेन (द. अफ्रीका) एवं माइकल वीनस (न्यूजीलैंड)

⊖ महिला युगल

विजेता - बारबोरा क्रेजिकोवा एवं कैटरिना सिनियकोवा (दोनों चेक गणराज्य)

उपविजेता - निकोल मेलीचार (अमेरिका) एवं क्वेटा पेशचेक (चेक गणराज्य)

➔ मिश्रित युगल

विजेता - अलेक्जेंडर पेया (ऑस्ट्रेलिया) एवं निकोल मेलीचार (अमेरिका)

उपविजेता - जैमी मरे (ब्रिटेन) एवं विक्टोरिया अजारेंका (बेलारूस)

➔ यह जोकोविक के कैरियर का 13वां ग्रैंड स्लैम खिताब (6 ऑस्ट्रेलिया ओपन, 1 फ्रेंच ओपन, 4 विंबलडन एवं 2 यू.एस. ओपन) है।

➔ एंजेलिक कर्बर ने ऑस्ट्रेलियन तथा यू.एस. ओपन, 2016 के बाद अपने कैरियर का तीसरा ग्रैंड स्लैम खिताब जीता है।

➔ केविन एंडरसन वर्ष 1921 में ब्रायन नॉर्टन के बाद विंबलडन के पुरुष एकल फाइनल में पहुंचने वाले प्रथम द. अफ्रीकी खिलाड़ी बने।

➔ एंडरसन एवं जॉन इस्नर के मध्य खेला गया सेमीफाइनल मैच 6 घंटे एवं 36 मिनट की अवधि तक चला और यह विंबलडन में पुरुष एकल के इतिहास का दूसरा सबसे लंबा पुरुष एकल मैच था।

➔ टेनिस इतिहास का सबसे लंबा पुरुष एकल मैच जीतने का विश्व रिकॉर्ड जॉन इस्नर के नाम है।

➔ इस्नर ने वर्ष 2010 के विंबलडन टूर्नामेंट के पहले दौर में फ्रांस के निकोलस माहुत को 11 घंटे, 5 मिनट तक चले मैच में पराजित किया था।

❑ गेरी वेबर ओपन, 2018

➔ हाले, जर्मनी में संपन्ना (18-24 जून, 2018)

➔ प्रतियोगिता परिणाम

⊖ पुरुष एकल

विजेता - बोर्ना कोरिक (क्रोएशिया)

उपविजेता - रोजर फेडरर (स्विट्जरलैंड)



⊖ पुरुष युगल

विजेता - लुकासज कुबोत (पोलैंड) एवं मार्सेलो मेले (ब्राजील)

उपविजेता - अलेक्जेंडर ज्वेरेव एवं मिस्चा ज्वेरेव (दोनों जर्मनी)

❑ क्वीन्स क्लब चैंपियनशिप, 2018

➔ लंदन, यूनाइटेड किंगडम में संपन्ना (18-24 जून, 2018)

➔ प्रतियोगिता परिणाम

⊖ पुरुष एकल

विजेता - मारिन सिलिक (क्रोएशिया)

उपविजेता - नोवाक जोकोविक (सर्बिया)



⊖ पुरुष युगल

विजेता - हेनरी कोटीनेन (फिनलैंड) एवं जॉन पियर्स (ऑस्ट्रेलिया)

उपविजेता - जेमी मरे (ब्रिटेन) एवं ब्रूनो सोआरेस (ब्राजील)

❑ बर्मिंघम क्लासिक, 2018

➔ बर्मिंघम, इंग्लैंड में संपन्ना (18-24 जून, 2018)

➔ प्रतियोगिता परिणाम

⊖ महिला एकल

विजेता - पेन्ना क्विटोवा (चेक गणराज्य)

उपविजेता - मैगडालेना रिबारीकोवा (स्लोवाकिया)

⊖ महिला युगल

विजेता - तिमेया बाबोस (हंगरी) एवं क्रिस्टिना म्लाडेनोविक (फ्रांस)

उपविजेता - एलिस मर्टेंस (बेल्जियम) एवं डेमी स्चुअर्स (नीदरलैंड्स)



□ ITF Pro सर्किट हांगकांग, 2018

➔ हांगकांग, चीन में संपन्ना (18-24 जून, 2018)

➔ प्रतियोगिता परिणाम

☉ महिला एकल

विजेता - करमन कौर थांडी (भारत)

उपविजेता - जिया-जिंग लु (चीन)

☉ महिला युगल

विजेता - पेइ-ची ली (चीनी ताइपे) एवं जेसी रोमपीज (इंडोनेशिया)

उपविजेता - विक्टोरिया मुनटियान (फ्रांस) एवं प्रांजला यादलापल्ली (भारत)



□ रॉसमालेन ग्रास कोर्ट चैंपियनशिप, 2018

➔ प्रतियोगिता का 29वां संस्करण रॉसमालेन, नीदरलैंड्स में संपन्ना (11-17 जून, 2018)

➔ प्रतियोगिता परिणाम

☉ पुरुष एकल

विजेता - रिचर्ड गैरकेट (फ्रांस)

उपविजेता - जेरेमी चार्डी (फ्रांस)

☉ महिला एकल

विजेता - अलेक्जेंद्रा कुनिक (सर्बिया)

उपविजेता - कर्स्टेन फिलपकेंस (बेल्जियम)



□ मर्सिडीज कप, 2018

➔ 41वां संस्करण, स्टुटगार्ट (जर्मनी) में संपन्ना (11-17 जून, 2018)

➔ प्रतियोगिता परिणाम

☉ पुरुष एकल

विजेता - रोजर फेडरर (स्विट्जरलैंड)

उपविजेता - मिलोस राओनिक (कनाडा)

☉ पुरुष युगल

विजेता - फिलिप पेट्रुश्चनर एवं टिम पट्टज (दोनों जर्मनी)

उपविजेता - रॉबर्ट लिंडस्टेड्ट (स्वीडन) एवं मार्सिन मात्कोवस्की (पोलैंड)



□ फ्रेंच ओपन, 2018

➔ 122वां संस्करण रोलेड गैरोस स्टेडियम, पेरिस में संपन्ना (27 मई से 10 जून, 2018)

➔ प्रतियोगिता परिणाम

☉ पुरुष एकल

विजेता - राफेल नडाल (स्पेन)

उपविजेता - डोमिनिक थिएम (ऑस्ट्रिया)

☉ महिला एकल

विजेता - सिमोना हालेप (रोमानिया)

उपविजेता - स्लोएन स्टीफेंस (अमेरिका)

☉ पुरुष युगल

विजेता - पियरे ह्युजेस हर्बर्ट एवं निकोलस माहुत (दोनों फ्रांस)

उपविजेता - ओलिवर माराच (ऑस्ट्रिया) एवं मैट पाविक (क्रोएशिया)



☉ महिला युगल

विजेता - बारबोरा क्रेजीकोवा एवं कैटरिना सिनियाकोवा (दोनों चेक गणराज्य)

उपविजेता - एरी होजुमी एवं मकोतो निनोमिया (दोनों जापान)

☉ मिश्रित युगल

विजेता - लतिशा चान (चीनी ताइपे) एवं इवान डेडिग (क्रोएशिया)

उपविजेता - गैब्रिएला डब्रोवस्की (कनाडा) एवं मैट पाविक (क्रोएशिया)

➔ 32 वर्षीय स्पेनिश खिलाड़ी नडाल का यह 11वां फ्रेंच ओपन खिताब था।

➔ टेनिस इतिहास में कोई ग्रैंड स्लैम खिताब 11 बार जीतने वाले नडाल विश्व के दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं।

☉ नडाल से पूर्व ऑस्ट्रेलिया की मार्ग्रेट कोर्ट ने वर्ष 1960 से 1973 के मध्य 11 बार ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था।

➔ सिमोना हालेप के टेनिस कैरियर का यह पहला ग्रैंड स्लैम खिताब है।

□ लियोन ओपन, 2018

➔ लियोन, फ्रांस में संपन्ना (20-26 मई, 2018)

➔ प्रतियोगिता परिणाम

☉ पुरुष एकल

विजेता - डॉमिनिक थिएम (ऑस्ट्रिया)

उपविजेता - जाइल्स सिमोन (फ्रांस)

☉ पुरुष युगल

विजेता - निक किर्गिओस (ऑस्ट्रेलिया) एवं जैक सोक (अमेरिका)

उपविजेता - रोमन जेबावी (चेक गणराज्य) एवं मैटवे मिडेलकूप (नीदरलैंड्स)



□ समरकंद चैलेंजर, 2018

➔ समरकंद, उज्बेकिस्तान में संपन्ना (14 - 19 मई, 2018)

➔ प्रतियोगिता परिणाम

☉ पुरुष एकल

विजेता - लुका वानी (इटली)

उपविजेता - मारियो विलेला मार्टिनेज (स्पेन)

☉ पुरुष युगल

विजेता - श्रीराम बाताजी एवं विष्णुवर्धन

(दोनों भारत)

उपविजेता - मिखाइल एल्गिन (रूस)

एवं डेनिस इस्तोमिन (उज्बेकिस्तान)



□ रोम मास्टर्स, 2018

➔ रोम, इटली में संपन्ना (14-20 मई, 2018)

➔ इसे 'इटैलियन ओपन' के नाम से भी जाना जाता है।

➔ प्रतियोगिता परिणाम

☉ पुरुष एकल

विजेता - राफेल नडाल (स्पेन)

उपविजेता - अलेक्जेंडर ज्वेरेव (जर्मनी)



❖ महिला एकल

विजेता - एलिना खितोलीना (यूक्रेन)
उपविजेता - सिमोना हालेप (रोमानिया)



❑ मुतुआ मैड्रिड ओपन, 2018

➔ मैड्रिड, स्पेन में संपन्ना (5-13 मई, 2018)

➔ प्रतियोगिता परिणाम

❖ पुरुष एकल

विजेता - अलेक्जेंडर जेरेव (जर्मनी)
उपविजेता - डॉमिनिक थिएम (ऑस्ट्रेलिया)



❖ महिला एकल

विजेता - पेत्रा क्विटोवा (चेक गणराज्य)
उपविजेता - किकी बर्टेस (नीदरलैंड्स)



क्रिकेट

❑ एक पारी में सर्वाधिक रनों का विश्व रिकॉर्ड

➔ इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध 5 एकदिवसीय मैचों की शृंखला के तीसरे मैच में नॉटिंगहम में 6 विकेट पर 481 रन बनाकर एकदिवसीय क्रिकेट (पुरुष) में एक पारी में सर्वोच्च स्कोर का विश्व रिकॉर्ड बनाया (19 जून, 2018)



❖ इससे पूर्व भी यह रिकॉर्ड इंग्लैंड के ही नाम था, जब उसने अगस्त, 2016 में इसी मैदान पर पाकिस्तान के विरुद्ध 3 विकेट पर 444 रन बनाए थे।

➔ इस मैच में इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को 242 रनों से पराजित किया और यह रनों के हिसाब से इंग्लैंड की सबसे बड़ी जीत और ऑस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी हार है।

➔ इस मैच में इंग्लैंड ने कुल 21 छक्के लगाए।

➔ उल्लेखनीय है कि एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में एक पारी में सर्वाधिक 22 छक्के लगाने का विश्व रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के नाम है, जो उसने जनवरी, 2014 में क्वींसटाउन में वेस्टइंडीज के विरुद्ध बनाया था।

❑ भारत-अफगानिस्तान टेस्ट, 2018

➔ भारत एवं अफगानिस्तान के मध्य एकमात्र टेस्ट मैच एम. चिन्नस्वामी स्टेडियम, बंगलुरु में खेला गया। (14-15 जून, 2018)

➔ जून, 2017 में टेस्ट क्रिकेट का दर्जा प्राप्त करने के बाद यह अफगानिस्तान का प्रथम टेस्ट मैच था।

➔ अफगानिस्तान टेस्ट मैच खेलने वाला विश्व का 12वां देश बना।

➔ भारत ने इस ऐतिहासिक टेस्ट मैच के दूसरे दिन अफगानिस्तान को एक पारी और 262 रन के रिकॉर्ड अंतर से हराकर जीत दर्ज की।

➔ 141 वर्षों के टेस्ट इतिहास में यह 21वां अवसर है, जब किसी टीम ने कोई टेस्ट मैच सिर्फ दो दिन में जीत लिया।

➔ भारत मात्र दो दिन में टेस्ट मैच जीतने वाली पहली एशियाई टीम भी बन गई।

➔ इस टेस्ट मैच के दूसरे दिन कुल 24 विकेट (20 विकेट अफगानिस्तान के एवं 4 विकेट भारत के) गिरे जो पिछले 116 वर्षों में टेस्ट क्रिकेट में एक दिन के खेल में गिरे सर्वाधिक विकेट हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व वर्ष 1902 में मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया एवं इंग्लैंड के मध्य खेले गए टेस्ट मैच में एक दिन में कुल 25 विकेट गिरे थे।

➔ उल्लेखनीय है कि इसके पूर्व वर्ष 1953 में ओल्ड ट्रैफर्ड में इंग्लैंड के विरुद्ध खेले हुए भारत की पूरी टीम एक ही दिन में दो बार आउट हो गई थी।

➔ इसके अतिरिक्त वर्ष 2005 एवं 2012 में दो अवसरों पर जिम्बाब्वे की पूरी टीम न्यूजीलैंड के विरुद्ध एक दिन में दो बार आउट हो गयी थी।

➔ टेस्ट क्रिकेट में यह चौथा अवसर था, जब किसी देश की पूरी टीम एक ही दिन में दो बार आउट हुई हो।

➔ भारतीय गेंदबाज **उमेश यादव** ने अफगानिस्तान के बाल्लेबाज रहमत शाह को आउट कर **टेस्ट क्रिकेट में अपना 100वां विकेट** प्राप्त किया।

➔ **मैन ऑफ द मैच** - शिखर धवन (भारत)

➔ **मैच में सर्वाधिक रन** - शिखर धवन

(भारत), कुल 107 रन

➔ **मैच में सर्वाधिक विकेट** - रवींद्र जडेजा (भारत), कुल 6 विकेट

➔ मैच में भारतीय कप्तान अजिंक्य रहाणे एवं अफगानिस्तान के कप्तान असघर स्टानिकजाई रहे।

➔ अफगानिस्तान के **मुजीब-उर-रहमान** 21वीं सदी में जन्में पहले व्यक्ति हैं, जिन्हें **टेस्ट मैच खेलने का गौरव प्राप्त हुआ**।



❖ साथ ही मुजीब अफगानिस्तान की ओर से टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले **सबसे युवा क्रिकेटर** (17 वर्ष, 78 दिन) बने।

❑ महिला टी-20 एशिया कप, 2018

➔ एशियाई क्रिकेट परिषद (ACC) द्वारा आयोजित इस टूर्नामेंट का 7वां संस्करण मलेशिया में संपन्ना। (3-10 जून, 2018)

➔ **प्रतिभागी टीमें (6)**- बांग्लादेश, भारत, मलेशिया, पाकिस्तान, श्रीलंका एवं थाईलैंड।

➔ **फाइनल स्थल** - किनरारा एकेडमी ओवल, कुआलालम्पुर (मलेशिया)

➔ प्रतियोगिता परिणाम

विजेता - बांग्लादेश (3 विकेट से), पहला खिताब।

उपविजेता - भारत

➔ **प्लेयर ऑफ द फाइनल मैच** - रुमाना अहमद (बांग्लादेश)

➔ **प्लेयर ऑफ द सीरीज** - हरमनप्रीत कौर (भारत),

टूर्नामेंट में सर्वाधिक 215 रन।

➔ **टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट** - निदा डार

(पाकिस्तान), कुल 11 विकेट।

➔ भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर और बांग्लादेश की कप्तान सलमा खातून थीं।



➔ 7 जून, 2018 को श्रीलंका के विरुद्ध खेलते हुए मिताली राज (भारत) ने अंतरराष्ट्रीय टी-20 महिला क्रिकेट में 2000 रनों का आंकड़ा पार कर लिया और इस प्रकार वह यह उपलब्धि प्राप्त करने वाली प्रथम भारतीय क्रिकेटर बन गईं।



❑ अफगानिस्तान-बांग्लादेश टी-20 शृंखला, 2018

➔ बांग्लादेश और अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के मध्य 3 टी-20 मैचों की शृंखला संपन्ना (1-7 जून, 2018)

➔ **आयोजन स्थल** - राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, देहरादून (उत्तराखंड)

➔ 25000 दर्शकों की क्षमता वाले इस स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों के आयोजन का यह प्रथम अवसर था।

➔ अफगानिस्तान ने बलीन स्वीप करते हुए 3-0 से यह शृंखला जीत ली।

➔ **प्लेयर ऑफ द सीरीज** - राशिद खान (अफगानिस्तान), शृंखला में सर्वाधिक 8 विकेट।



➔ **शृंखला में सर्वाधिक रन** - समीउल्लाह शेनवारी (अफगानिस्तान), कुल 118 रन।

❑ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का सर्वाधिक टीम स्कोर

➔ न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम ने एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का सर्वाधिक टीम स्कोर का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया (8 जून, 2018)



➔ न्यूजीलैंड ने आयरलैंड के विरुद्ध तीन एकदिवसीय मैचों की शृंखला के पहले मैच में 50 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 490 रनों का विशाल स्कोर बनाया।

⊕ यह पुरुष एवं महिला एकदिवसीय क्रिकेट इतिहास का सर्वाधिक टीम स्कोर है।

➔ इससे पूर्व महिला एकदिवसीय क्रिकेट में एक पारी में सर्वाधिक टीम स्कोर का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के नाम ही था, जिसने वर्ष, 1997 में क्राइस्टचर्च में पाकिस्तान के विरुद्ध 455 रन बनाए थे।

❑ विश्व एकादश एवं वेस्टइंडीज के मध्य टी-20 चैरिटी मैच

➔ लॉर्ड्स क्रिकेट मैदान, लंदन में यह टी-20 मैच संपन्ना (31 मई, 2018)

➔ **प्रतियोगिता परिणाम**

विजेता - वेस्टइंडीज (72 रनों से)

उपविजेता - विश्व एकादश (World-XI)

➔ **प्लेयर ऑफ द मैच** - इविन लेविस (वेस्टइंडीज)

➔ वेस्टइंडीज टीम के कप्तान कार्लोस ब्रेथवेट एवं विश्व एकादश के कप्तान शाहिद अफरीदी (पाकिस्तान) थे।

➔ विश्व एकादश में शामिल एकमात्र भारतीय क्रिकेटर दिनेश कार्तिक थे।



➔ यह एक अंतरराष्ट्रीय सहायतार्थ टी-20 मैच था, जिसका उद्देश्य वेस्टइंडीज में आए हरिकेन इरमा एवं मारिया तूफान के कारण क्षतिग्रस्त हुए स्टेडियमों के पुनर्निर्माण के लिए धनराशि एकत्रित करना था।

❑ IPL-11 ट्वेंटी-20 टूर्नामेंट, 2018

➔ भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) द्वारा प्रशासित 11वां IPL ट्वेंटी-20 (प्रायोजक - वीवो) क्रिकेट टूर्नामेंट भारत के विभिन्न शहरों में संपन्ना (7 अप्रैल से 27 मई, 2018)



➔ मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए फाइनल मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (कप्तान - एम.एस. धोनी)

ने सनराइजर्स हैदराबाद (कप्तान - केन विलियम्सन) को 8 विकेट से पराजित



कर तीसरी बार इस टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया।

➔ चेन्नई सुपर किंग्स ने तीसरा IPL खिताब जीतकर मुंबई के सर्वाधिक खिताब (2013, 2015 एवं 2017) जीतने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

⊕ फाइनल में 57 गेंदों पर नाबाद 117 रन

बनाने वाले शेन वाटसन (चेन्नई सुपर किंग्स) को 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया।



⊕ कोलकाता नाइट राइडर्स के सुनील नारायण

को आईपीएल के इस सत्र का 'सबसे मूल्यवान खिलाड़ी' (Most Valuable Player) चुना गया।



❑ IPL - 11 : प्रमुख तथ्य

➔ **आरंज कैप** - (सर्वाधिक रन बनाने के लिए) - केन विलियम्सन (735 रन), सनराइजर्स हैदराबाद

➔ **पर्पल कैप** - (सर्वाधिक विकेट लेने के लिए) - एंड्रयू टाई (24 विकेट), किंग्स इलेवन पंजाब



➔ **सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर** : (एक पारी में) - ऋषभ पंत - (128 रन नाबाद, दिल्ली डेयरडेविल्स, सनराइजर्स हैदराबाद के विरुद्ध)

➔ **सबसे तेज शतक** : शेन वाटसन (चेन्नई सुपर किंग्स); 51 गेंदों पर सनराइजर्स हैदराबाद एवं राजस्थान रॉयल्स के विरुद्ध।

⊕ **सबसे तेज अर्धशतक** - लोकेश राहुल (किंग्स इलेवन पंजाब), 14 गेंदों पर, दिल्ली डेयरडेविल्स के विरुद्ध।

➔ **सर्वाधिक छक्के** : 37, ऋषभ पंत (दिल्ली डेयरडेविल्स)

➔ **सर्वाधिक चौके** : 68, ऋषभ पंत (दिल्ली डेयरडेविल्स)



➔ **सर्वश्रेष्ठ उभरता खिलाड़ी** : ऋषभ पंत (दिल्ली डेयरडेविल्स)

➔ **FBB स्टाइलिश प्लेयर ऑफ द सीजन** : ऋषभ पंत

➔ टाटा नेक्सॉन सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन : सुनील नारायण (कोलकाता नाइट राइडर्स)

➔ वीवो परफेक्ट कैच ऑफ द सीजन : ट्रेंट बोल्ट (दिल्ली डेयरडेविल्स)

➔ स्टार प्लस नई सोच अवॉर्ड : महेंद्र सिंह धोनी (चेन्नई सुपर किंग्स)

➔ फेयर प्ले अवॉर्ड : मुंबई इंडियंस

➔ 7 या इससे अधिक मैचों की मेजबानी करने हेतु पिच और ग्राउंड अवॉर्ड : क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (ईडेन गार्डेंस, 9 मैच)

➔ 7 से कम मैचों की मेजबानी करने हेतु पिच और ग्राउंड अवॉर्ड : पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (मोहाली, 3 मैच)

➔ IPL-11 में शतक लगाने वाले 4 खिलाड़ी इस प्रकार रहे - शेन वाटसन (चेन्नई सुपर किंग्स, 2 शतक), ऋषभ पंत (दिल्ली डेयरडेविल्स), क्रिस गेल (किंग्स इलेवन पंजाब) एवं अंबाती रायडु (चेन्नई सुपर किंग्स)

➔ सर्वाधिक टीम स्कोर - 245/6, कोलकाता नाइट राइडर्स, किंग्स इलेवन पंजाब के विरुद्ध।

➔ न्यूनतम टीम स्कोर - 87/10, मुंबई इंडियंस, सनराइजर्स हैदराबाद के विरुद्ध।

➔ सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन - अंकित राजपूत (किंग्स इलेवन पंजाब), 4 ओवर में 14 रन देकर 5 विकेट (सनराइजर्स हैदराबाद के विरुद्ध)।



➔ किसे क्या मिला?

○ विजेता - चेन्नई सुपर किंग्स (20 करोड़ रुपये)

○ उपविजेता - सनराइजर्स हैदराबाद (12.5 करोड़ रुपये)

➔ IPL-11 में दो वर्षों के प्रतिबंध के बाद चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स ने वापसी की।

○ इस बार IPL-10 में शामिल दो टीमों रॉयल्स पुणे सुपरजाइंट्स और गुजरात लायंस ने प्रतिभाग नहीं किया।

□ महिला टी-20 चैलेंज प्रदर्शनी मैच, 2018

➔ BCCI ने महिला IPL क्रिकेट को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस मैच का आयोजन किया। (22 मई, 2018)

○ आयोजन स्थल - वानखेड़े स्टेडियम; मुंबई।

➔ प्रतियोगिता परिणाम

➔ विजेता - सुपरनोवाज (कप्तान - हरमनप्रीत कौर), 3 विकेट से।

➔ उपविजेता - ट्रेलब्लेजर्स (कप्तान - स्मृति मंधाना)

➔ प्लेयर ऑफ द मैच - सूजी बेट्स (ट्रेलब्लेजर्स)

हॉकी

□ पुरुष हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी, 2018

➔ 37वां एवं अंतिम संस्करण ब्रेडा, नीदरलैंड्स में संपन्न। (23 जून - 1 जुलाई, 2018)

➔ आयोजक - अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (FIH)



➔ प्रतियोगिता परिणाम

○ स्वर्ण पदक - ऑस्ट्रेलिया (15वां खिताब), पेनाल्टी शूट आउट में 3-1 से।

○ रजत पदक - भारत

○ कांस्य पदक - नीदरलैंड्स (अर्जेंटीना को 2-1 से पराजित किया)।

➔ बेल्जियम और पाकिस्तान को क्रमशः 5वां एवं 6वां स्थान प्राप्त हुआ।

➔ भारतीय टीम के कप्तान एस.वी. सुनील एवं कोच हरेंद्र सिंह थे।

➔ प्रतियोगिता में प्रदत्त पुरस्कार

○ राबोवैंक सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी - अरैन जेलेवस्की (ऑस्ट्रेलिया)

○ ONVZ सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर - पी.आर. श्रीजेश (भारत)

○ हीरो शीर्ष गोल स्कोरर - गोंजालो पेईलाट (अर्जेंटीना)

○ वोल्वो सर्वश्रेष्ठ उभरता खिलाड़ी - जाके हारविए (ऑस्ट्रेलिया), 6 गोल

○ डेलॉइट सर्वश्रेष्ठ कोच - कोलिन बैच (ऑस्ट्रेलिया)

○ औपिंग सर्वश्रेष्ठ गोल - माइक्रो प्रूइज्जर (नीदरलैंड्स)

□ भारतीय महिला टीम का स्पेन दौरा

➔ भारतीय महिला हॉकी टीम का स्पेन दौरा संपन्न। (12-18 जून, 2018)

➔ भारत ने पांचवें और अंतिम मुकाबले में स्पेन को 4-1 से पराजित कर शृंखला 2-2 की बराबरी (ड्रा) पर समाप्त की।

➔ भारतीय टीम की कप्तान रानी रामपाल एवं मुख्य कोच श्जोर्ड मारिज्ने थे।

□ एशियाई महिला हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी, 2018

➔ 5वां संस्करण डोंगहाई सिटी, द. कोरिया में संपन्न। (13-20 मई, 2018)

➔ प्रतिभागी टीमों (5) - चीन, भारत, जापान, द. कोरिया तथा मलेशिया।

➔ प्रतियोगिता परिणाम

● स्वर्ण पदक - द. कोरिया (1-0 से)

● रजत पदक - भारत

● कांस्य पदक - चीन

● चौथा स्थान - मलेशिया

➔ टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी - वंदना कटारिया (भारत), कुल 3 गोल।

➔ टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ उभरती हुई खिलाड़ी - लालरमसैमी (भारत)



फुटबॉल

□ इंटरकॉन्टिनेंटल कप, 2018

➔ ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (AIFF) द्वारा आयोजित यह फुटबॉल प्रतियोगिता संपन्न। (1-10 जून, 2018)

○ प्रायोजक कारणों से इसे 2018 हीरो इंटरकॉन्टिनेंटल कप के नाम से भी जाना जाता है।

- ➔ आयोजन स्थल - मुंबई फुटबॉल एरेना, मुंबई
- ➔ प्रतिभागी टीमें (4) - भारत, केन्या, न्यूजीलैंड तथा चीनी ताइपे।
- ➔ प्रतियोगिता परिणाम
विजेता- भारत (2-0 से), पहला खिताब।
उपविजेता - केन्या



- ➔ प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट - भारतीय कप्तान सुनील छेत्री (टूर्नामेंट में सर्वाधिक 8 गोल)
- ➔ टूर्नामेंट के दौरान 4 जून, 2018 को सुनील छेत्री ने अपना 100वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेला।
- ☉ इस मैच में छेत्री ने केन्या के विरुद्ध दो गोल किए।
- ➔ इसी के साथ छेत्री पूर्व भारतीय कप्तान बाईचुंग भूटिया (कुल 104 अंतरराष्ट्रीय मैच) के बाद 100 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले दूसरे भारतीय फुटबॉलर बने।



☐ यूएफा चैंपियंस लीग, 2017-18

- ➔ कीव, यूक्रेन में संपन्ना (26 मई, 2018)
- ➔ प्रतियोगिता परिणाम
विजेता - रियल मैड्रिड (3-1 से), 13वां खिताब।
उपविजेता - लिवरपूल
- ➔ सर्वाधिक गोल - क्रिस्टियानो रोनाल्डो (रियल मैड्रिड), 15 गोल।



☐ सी.डी. ओलंपिक डी जतिवा फुटबॉल क्लब

- ➔ दिल्ली के सुदेवा फुटबॉल क्लब ने स्पेनिश लीग के तीसरी डिवीजन के क्लब सी.डी. ओलंपिक डी जतिवा को खरीद लिया। (मई, 2018)
- ☉ सुदेवा किसी यूरोपियन क्लब को खरीदने वाला प्रथम भारतीय क्लब है।
- ➔ इस कदम से भारतीय फुटबॉलरों को स्पेनिश लीग में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्राप्त हो सकेगा।



☐ इटैलियन कप, 2018 (Coppa Italia)

- ➔ रोम, इटली में संपन्ना (9 मई, 2018)
- ➔ प्रायोजक कारणों से इसे TIM कप के नाम से भी जाना जाता है।
- ➔ प्रतियोगिता परिणाम
विजेता - जुवेंट्स (4-0 से), रिकॉर्ड लगातार चौथा एवं कुल 13वां खिताब।
उपविजेता - एसी मिलान



☐ यूएफा महिला चैंपियंस लीग, 2017-18

- ➔ 17वां संस्करण कीव, यूक्रेन में संपन्ना (24 मई, 2018)
- ➔ प्रतियोगिता परिणाम
विजेता - लियोन (फ्रांस) 4-1 से, 5वां खिताब।
उपविजेता - वुल्फ्सबर्ग (जर्मनी)
- ➔ सर्वाधिक गोल - एडा हेगरबर्ग (लियोन), 15 गोल



☐ ला लीगा, 2017-18

- ➔ 87वां संस्करण संपन्ना (20 मई, 2018)
- ➔ प्रायोजक कारणों से इसे ला लीगा सैंटेंडर (Santander) के नाम से भी जाना जाता है।
- ➔ प्रतियोगिता परिणाम
विजेता - बार्सिलोना (93 अंक), 25वां खिताब
- ➔ एटलेटिको मैड्रिड 79 अंकों के साथ द्वितीय स्थान पर रहा।

☐ यूएफा यूरोपा लीग, 2017-18

- ➔ यूएफा (UEFA) द्वारा आयोजित यूरोप की सेकेंडरी क्लब फुटबॉल प्रतियोगिता का 47वां संस्करण संपन्ना (16 मई, 2018)
- ➔ प्रतियोगिता परिणाम
विजेता - एटलेटिको मैड्रिड (3-0 से)
उपविजेता - मार्सेली



बैडमिंटन

☐ मलेशिया ओपन, 2018

- ➔ कुआलालम्पुर (मलेशिया) में संपन्ना (26 जून - 1 जुलाई, 2018)
- ➔ प्रतियोगिता परिणाम
- ☉ पुरुष एकल
विजेता - ली चोंग वेई (मलेशिया)
उपविजेता - केंटो मोमोटा (जापान)
- ☉ महिला एकल
विजेता - ताई त्जु-यिंग (चीनी ताइपे)
उपविजेता - ही बिंगजियाओ (चीन)



☐ कैमरून इंटरनेशनल, 2018

- ➔ याओयुंडे, कैमरून में संपन्ना (14-17 जून, 2018)
- ➔ प्रमुख प्रतियोगिता परिणाम
- ☉ पुरुष युगल
विजेता - मैथियास पेडरसन (डेनमार्क) एवं जोनाथन पर्सॉन (जर्मनी)
उपविजेता - शौविक घोष एवं रातिकान्त साहा (दोनों भारत)

☐ यू.एस. ओपन, 2018

- ➔ कैलिफोर्निया, अमेरिका में संपन्ना (12-17 जून, 2018)
- ➔ प्रतियोगिता परिणाम
- ☉ पुरुष एकल
विजेता - ली डोंग-कियुन (द. कोरिया)
उपविजेता - मार्क काल्जोउ (नीदरलैंड्स)
- ☉ महिला एकल
विजेता - ली शुएरुई (चीन)
उपविजेता - झांग बेइवेन (अमेरिका)

➔ भारत के अजय जयराम पुरुष एकल के सेमीफाइनल में मार्क काल्जोउ से पराजित हो गए और उन्हें कांस्य पदक प्राप्त हुआ।

❑ मॉरीशस इंटरनेशनल, 2018

➔ रोज हिल, मॉरीशस में संपन्ना (7-10 जून, 2018)

➔ प्रमुख प्रतियोगिता परिणाम

☉ पुरुष युगल

कांस्य पदक - स्वर्णराज बोरा एवं कौस्तुभ रावत (दोनों भारत)

☉ महिला युगल

विजेता - सिमरन सिंधी एवं रितिका ठाकर (दोनों भारत)

❑ थॉमस एवं उबेर कप, 2018

➔ पुरुषों की बैडमिंटन टीम प्रतियोगिता 'थॉमस कप' का 30वां तथा महिलाओं की बैडमिंटन टीम प्रतियोगिता का 27वां संस्करण बैंकॉक, थाईलैंड में संपन्ना (20-27 मई, 2018)

➔ प्रतियोगिता परिणाम

☉ थॉमस कप

स्वर्ण पदक - चीन (10वां खिताब)

रजत पदक - जापान

कांस्य पदक - डेनमार्क एवं इंडोनेशिया

☉ उबेर कप

स्वर्ण पदक - जापान (6वां खिताब)

रजत पदक - थाईलैंड

कांस्य पदक - द. कोरिया एवं चीन

➔ जापान ने वर्ष 1981 के बाद पहली बार उबेर कप जीता है।



शतरंज

❑ अल्टीबॉक्स नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट, 2018

➔ 5वां संस्करण स्टावांजेर, नॉर्वे में संपन्ना (27 मई से 8 जून, 2018)

➔ प्रतियोगिता परिणाम

विजेता - फैबियानो करुआना (अमेरिका), 5 अंक।

➔ विश्वनाथन आनंद (भारत) 4.5 अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे।

➔ वॉर्म अप मैच के रूप में खेली गई 9 चक्रीय ब्लिट्ज स्पर्धा का खिताब अमेरिका के वेस्ली सो ने 6 अंक प्राप्त कर जीत लिया।



स्नूकर/बिलियर्ड्स/स्कवैश

❑ मेयर्स कप, 2018

➔ अखिल भारतीय महिला आमंत्रण स्नूकर चैंपियनशिप मेयर्स कप, 2018 ग्वालियर, मध्य प्रदेश में संपन्ना (28-30 मई, 2018)

➔ प्रतियोगिता परिणाम

विजेता - एमी क्मानी (मध्य प्रदेश)

उपविजेता - विद्या पिल्लई (कर्नाटक)



❑ 34वीं एशियन स्नूकर चैंपियनशिप, 2018

➔ तबरीज, ईरान में संपन्ना (6-12 मई, 2018)

➔ प्रतियोगिता परिणाम

विजेता - अमीर सरखोश (ईरान)

उपविजेता - अली घारेग्होउजलु (ईरान)

टेबल टेनिस

❑ सिएट अल्टीमेट टेबल टेनिस, 2018

➔ सिएट द्वारा प्रायोजित अल्टीमेट टेबल टेनिस, 2018 का फाइनल चरण कोलकाता में संपन्ना (1 जुलाई, 2018)

➔ प्रतियोगिता में 6 टीमों - दबंग स्मैशर्स टीटीसी, इमपॉवरजी चैलेंजर्स, फालकॉन्स टीटीसी, महाराष्ट्र यूनाइटेड, आरपी-एसजी मावेरिकस एवं वॉरियर्स टीटीसी ने प्रतिभाग किया।

➔ प्रतियोगिता परिणाम

विजेता - दबंग स्मैशर्स टीटीसी

(11-7 से), पुरस्कार राशि - 1

करोड़ रुपये।

उपविजेता - फालकॉन्स टीटीसी, पुरस्कार राशि - 75 लाख रुपये।



➔ प्रतियोगिता में प्रदत्त पुरस्कार

☉ स्टैंडआउट भारतीय खिलाड़ी- मानिका बत्रा (दबंग स्मैशर्स)

☉ सबसे मूल्यवान खिलाड़ी (MVP), महिला - एलिजाबेता समारा (महाराष्ट्र यूनाइटेड)

☉ सिएट (CEAT) सबसे मूल्यवान खिलाड़ी (पुरुष) - लियाम पिचफोर्ड (फालकॉन्स)

☉ सुपर सर्वर - मातिल्दा एकहोल्म (फालकॉन्स)

☉ अल्टीमेट 1 - योशिदा मसाकी (दबंग स्मैशर्स)

गोल्फ

❑ ट्रेवलर्स चैंपियनशिप, 2018

➔ कनेक्टिकट, अमेरिका में संपन्ना (24 जून, 2018)

➔ प्रतियोगिता परिणाम

☉ विजेता - बुब्बा वाटसन (अमेरिका)

❑ यू.एस. ओपन गोल्फ, 2018

➔ न्यूयॉर्क, अमेरिका में संपन्ना (17 जून, 2018)

➔ प्रतियोगिता परिणाम

☉ विजेता - ब्रुक्स कोएपका (अमेरिका)

❑ द मेमोरियल टूर्नामेंट, 2018

- ➔ ओहियो, अमेरिका में संपन्ना (3 जून, 2018)
- ➔ प्रतियोगिता परिणाम
विजेता - ब्रायसन डिवैम्ब्यू (अमेरिका)

❑ फेडेक्स सेंट जूड क्लासिक, 2018

- ➔ टेन्नेसी, अमेरिका में संपन्ना (10 जून, 2018)
- ➔ प्रतियोगिता परिणाम
विजेता - डस्टिन जॉनसन (अमेरिका)

❑ वॉलन्टियर्स ऑफ अमेरिका, LPGA टेक्सास क्लासिक

- ➔ टेक्सास, अमेरिका में संपन्ना (3 - 6 मई, 2018)
- ➔ प्रतियोगिता परिणाम
विजेता - पार्क सुंग ह्युन (दक्षिण कोरिया)

❑ द प्लेयर्स चैंपियनशिप, 2018

- ➔ फ्लोरिडा, अमेरिका में संपन्ना (13 मई, 2018)
- ➔ प्रतियोगिता परिणाम
विजेता - वेब सिम्पसन (अमेरिका)

❑ फोर्ट वोर्थ आमंत्रण, 2018

- ➔ टेक्सास, अमेरिका में संपन्ना (27 मई, 2018)
- ➔ प्रतियोगिता परिणाम
विजेता - जस्टिन रोज (इंग्लैंड)

फॉर्मूला वन

❑ फ्रेंच ग्रैंड प्रिक्स, 2018

- ➔ फ्रांस में संपन्ना (24 जून, 2018)
- ➔ प्रतियोगिता परिणाम
⊕ विजेता - लुईस हैमिल्टन (ब्रिटिश चालक), टीम - जर्मन टीम मर्सिडीज



❑ कनाडियन ग्रैंड प्रिक्स, 2018

- ➔ मॉन्ट्रियल में संपन्ना (10 जून, 2018)
- ➔ प्रतियोगिता परिणाम
➔ विजेता - सेबास्टियन वेट्टल (जर्मनी), टीम - फेरारी (इटली)

❑ मोनाको ग्रैंड प्रिक्स, 2018

- ➔ मोंटे कार्लो, मोनाको में संपन्ना (27 मई, 2018)
- ➔ प्रतियोगिता परिणाम
⊕ विजेता - डैनियल रिक्विआर्डो (ऑस्ट्रेलिया), टीम- रेड बुल रेसिंग।

❑ स्पैनिश ग्रैंड प्रिक्स, 2018

- ➔ मोंटमेलो, स्पेन में संपन्ना (13 मई, 2018)
- ➔ प्रतियोगिता परिणाम
⊕ विजेता - लुईस हैमिल्टन (ब्रिटेन), टीम- मर्सिडीज

एथलेटिक्स

❑ 58वीं राष्ट्रीय अंतरराज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप, 2018

- ➔ गुवाहाटी में संपन्ना (26-29 जून, 2018)
- ➔ हरियाणा ने 129 अंकों के साथ चैंपियनशिप का ओवरऑल खिताब जीत लिया।
- ➔ तमिलनाडु (127 अंक) तथा केरल (112 अंक) के साथ क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे।
- ➔ पुरुष चैंपियनशिप तमिलनाडु (88 अंक) ने जीती।
- ➔ उत्तर प्रदेश की महिला एथलीटों ने 65 अंकों के साथ महिला चैंपियनशिप जीत ली।
- ➔ केरल के जिनसन जॉनसन ने 800 मीटर दौड़ 1 मिनट, 45.65 सेकंड में पूरी कर 42 वर्ष पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया।
- ⊕ इससे पूर्व यह रिकॉर्ड श्रीराम सिंह के नाम था, जब उन्होंने वर्ष 1976 के मॉन्ट्रियल ओलंपिक में 1 मिनट, 45.77 सेकंड में 800 मीटर दौड़ पूरी की थी।



❑ TCS वर्ल्ड 10K बंगलुरु, 2018

- ➔ बंगलुरु में संपन्ना (27 मई, 2018)
- ➔ प्रतियोगिता परिणाम (अंतरराष्ट्रीय)
⊕ पुरुष वर्ग विजेता - ज्योफ्री कैमवोरोर (केन्या)
⊕ महिला वर्ग विजेता - एग्नेस तिरोप (केन्या)
- ➔ प्रतियोगिता परिणाम (भारतीय)
⊕ पुरुष वर्ग विजेता - सुरेश कुमार
⊕ महिला वर्ग विजेता - संजीवनी जाधव
- ➔ संजीवनी ने 33 मिनट एवं 38 सेकंड में रेस पूरी कर कविता राउत के नौ वर्ष पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ा।

विविध

❑ केमिस्ट्री वर्ल्ड कप ऑफ ओलंपिक बॉक्सिंग, 2018

- ➔ हाले (साले), जर्मनी में संपन्ना (19-24 जून, 2018)
- ➔ भारत ने 2 स्वर्ण, 1 रजत और 3 कांस्य पदक (कुल 6 पदक) जीतकर पदक तालिका में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- ➔ क्यूबा कुल 9 पदक (6 स्वर्ण, 3 रजत) जीतकर टूर्नामेंट में शीर्ष पर रहा।
- ➔ भारतीय पदक विजेता इस प्रकार रहे-
 1. स्वर्ण पदक - गौरव सोलंकी (फलाई 52 किग्रा. भार वर्ग)
 2. स्वर्ण पदक - मोहम्मद हुशामुद्दीन (बेंटम 56 किग्रा. भार वर्ग)

3. रजत पदक - लाल मदन (बैंटम 56 किग्रा. भार वर्ग)
4. कांस्य पदक - अमित (लाइट फ्लाई 46-49 किग्रा. भार वर्ग)
5. कांस्य पदक - धीरज (लाइट वेल्टर 64 किग्रा. भार वर्ग)
6. कांस्य पदक - नरेंद्र (सुपर हैवी 91+ किग्रा. भार वर्ग)

❑ हुंडई तीरंदाजी विश्व कप, 2018 (स्टेज श्री)

➔ हुंडई तीरंदाजी विश्व कप, 2018 का तीसरा चरण (स्टेज श्री) सॉल्ट लेक सिटी, अमेरिका में संपन्ना (18-24 जून, 2018)

➔ **प्रतियोगिता परिणाम**

➔ **रिकर्व महिला स्पर्धा (स्वर्ण पदक) - दीपिका कुमारी (भारत)**



➔ **कम्पाउंड पुरुष स्पर्धा (रजत पदक) - अभिषेक कुमार (भारत)**

➔ **कम्पाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा (कांस्य पदक) - अभिषेक कुमार एवं वी. ज्योति सुरेखा**

➔ दीपिका ने फाइनल में जर्मनी की मिशेल क्रोपेन को 7-3 से पराजित कर स्वर्ण पदक जीता।

➔ स्टेज श्री तीरंदाजी विश्व कप में भारत को चौथा स्थान प्राप्त हुआ।

❑ उलानबटोर कप, 2018

➔ मुक्केबाजी टूर्नामेंट मंगोलिया के उलानबटोर में संपन्ना (24 जून, 2018)

➔ भारत ने टूर्नामेंट में 1 स्वर्ण, 4 रजत और 4 कांस्य पदक सहित कुल 9 पदक जीते।

➔ भारत के लिए एकमात्र स्वर्ण पदक **मनदीप जांगड़ा** (69 किग्रा. भार वर्ग) ने जीता।



➔ **रजत पदक प्राप्तकर्ता भारतीय मुक्केबाज**

1. सोनिया लक्ष्मी (57 किग्रा. भार वर्ग)
2. लवलीना बोरगोहेन (69 किग्रा. भार वर्ग)
3. हिमांशु शर्मा (49 किग्रा. भार वर्ग)
4. ऐतास खान (56 किग्रा. भार वर्ग)

❑ उमाखानोव मेमोरियल मुक्केबाजी टूर्नामेंट, 2018

➔ रूस के कैस्पियस्क (Kaspiysk) शहर में संपन्ना (5-13 जून, 2018)

➔ भारत ने इस टूर्नामेंट में **कुल 7 पदक** (1 स्वर्ण, 2 रजत एवं 4 कांस्य) प्राप्त किए।

➔ भारत के लिए एकमात्र स्वर्ण पदक **स्वीटी बूरा** (75 किग्रा. भार वर्ग) ने जीता।

➔ **भारतीय रजत एवं कांस्य पदक विजेता**

➔ **रजत पदक विजेता**

1. ब्रजेश यादव (81 किग्रा. भार वर्ग)
2. वीरेंद्र कुमार (91 किग्रा. भार वर्ग)



➔ **कांस्य पदक विजेता**

1. शशि चोपड़ा (57 किग्रा. भार वर्ग)
2. पवित्रा (60 किग्रा. भार वर्ग)
3. गौरव विधूड़ी (56 किग्रा. भार वर्ग)
4. पिकी जांगड़ा (51 किग्रा. भार वर्ग)

❑ प्रो. कबड्डी लीग : खिलाड़ियों की नीलामी, 2018

➔ प्रो. कबड्डी लीग, 2018 सत्र के लिए खिलाड़ियों की नीलामी संपन्ना (31 मई, 2018)

➔ **मोनु गोयत प्रो. कबड्डी लीग के अब तक के सबसे महंगे खिलाड़ी** बने।



➔ लीग के छठे सत्र हेतु **हरियाणा स्टील्स** ने इन्हें 1.51 करोड़ रुपये में खरीदा।

➔ नीलामी में एक करोड़ रुपये से अधिक राशि में बिकने वाले भारतीय-

1. राहुल चौधरी (1.29 करोड़ रुपये), तेलुगु टाइंट्स
2. नितिन तोमर (1.15 करोड़ रुपये), पुणेरी पल्टन
3. दीपक निवास हुड्डा (1.15 करोड़ रुपये), जयपुर पिक पैथर्स
4. ऋषांक देवदिगा (1.11 करोड़ रुपये), यूपी योद्धाज

❑ ESPN वर्ल्ड फेम 100, 2018

➔ ESPN ने वर्ल्ड फेम 100, 2018 नामक 100 शीर्ष एथलीटों की सूची जारी की। (23 मई, 2018)

➔ **क्रिस्टियानो रोनाल्डो (पुर्तगाल), लेब्रॉन जेम्स (अमेरिका) एवं लियोनल मेसी (अर्जेंटीना)** को



इस सूची में क्रमशः पहला, दूसरा तथा तीसरा स्थान प्रदान किया गया है।

➔ इस सूची में शामिल **11 भारतीय एथलीट** हैं- विराट कोहली (11वां स्थान), एम.एस. धोनी (20वां), रोहित शर्मा (30वां), सुरेश रैना (41वां), साइना नेहवाल (50वां), युवराज सिंह (57वां), आर. अश्विन (71वां), हरभजन सिंह (80वां), गौतम गंभीर (83वां), शिखर धवन (94वां) एवं सानिया मिर्जा (100वां) हैं।

चर्चित खेल व्यक्ति

❑ राहुल द्रविड़

➔ क्रिकेट की दुनिया में 'द वॉल' के उपनाम से प्रसिद्ध पूर्व भारतीय क्रिकेटर '**ICC हाल ऑफ फेम**' में शामिल (1 जुलाई, 2018)

➔ ICC ने डब्लिन (आयरलैंड) में आयोजित समारोह में राहुल के नाम की घोषणा की।

➔ ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान **रिची पोर्टिंग** और इंग्लैंड की पूर्व महिला क्रिकेटर **व्हेयर टेलर** को भी 'हॉल ऑफ फेम' में शामिल किया गया है।



- ➔ 45 वर्षीय द्रविड़ इस सूची में शामिल होने वाले पांचवें भारतीय हैं।
- ➔ इससे पूर्व **बिशन सिंह बेदी** और **सुनील गावस्कर** को वर्ष 2009 में, **कपिल देव** को वर्ष 2010 में, **अनिल कुंबले** को वर्ष 2015 में 'हॉल ऑफ फेम' में शामिल किया गया था।
- ➔ 'ICC हॉल ऑफ फेम' की शुरुआत वर्ष 2009 में की गई थी।

❑ हिमा दास

- ➔ भारतीय महिला धावका
- ➔ टेम्पेरे (फिनलैंड) में संपन्न; 2018 IAAF विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की 400 मी. स्पर्धा में स्वर्ण पदक (51.46 सेकंड) जीता। (12 जुलाई, 2018)
- ➔ हिमा विश्व स्तर पर ट्रैक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट हैं।



❑ एसाम अल हदारी

- ➔ मिश्र के फुटबॉल गोलकीपर।
- ➔ फीफा फुटबॉल विश्व कप में मैच खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने। (25 जून, 2018)
- ➔ हदारी सऊदी अरब के विरुद्ध 45 वर्ष 161 दिन की उम्र में मैच खेलने उतरे।
- ➔ इससे पूर्व यह रिकॉर्ड कोलम्बिया के फरीद मोंद्रागोन के नाम था।
- ➔ फरीद वर्ष 2014 में ब्राजील में हुए विश्व कप में 43 वर्ष, 3 दिन की उम्र में जापान के विरुद्ध मैच खेलने उतरे थे।



❑ सुभाष भौमिक

- ➔ पूर्व भारतीय फुटबॉलर और आई-लीग क्लब ईस्ट बंगाल के तकनीकी निदेशक।
- ➔ कोलकाता स्थित विशेष सीबीआई अदालत ने घूसकांड का दोषी करार देते हुए तीन वर्ष कैद की सजा सुनाई। (25 जून, 2018)



❑ गावित मुरली कुमार

- ➔ लंबी दूरी के भारतीय धावका
- ➔ नीदरलैंड्स के लेइडेन में संपन्न गौडेन स्पाइक मीट में 10000 मीटर की दौड़ का स्वर्ण पदक जीता। (12 जून, 2018)
- ➔ मुरली ने यह दौड़ 28 मिनट 43.44 सेकंड में पूरी की।
- ➔ मुरली 10000 मीटर की रेस को सबसे कम समय में पूरा करने वाले दूसरे भारतीय हैं।
- ➔ वर्तमान में 10,000 मीटर की रेस का राष्ट्रीय रिकॉर्ड सुरेंद्र सिंह (28 मिनट, 02.89 सेकंड) के नाम दर्ज है।



❑ स्मृति मंधाना

- ➔ भारतीय महिला क्रिकेटर।
- ➔ स्मृति किया सुपर लीग (Kia Super League) में प्रतिभाग करने वाली प्रथम भारतीय हैं।
- ➔ 22 जुलाई से 27 अगस्त, 2018 तक आयोजित इस लीग में वह वेस्टर्न स्टॉर्म (Western Storm) टीम का हिस्सा हैं।
- ➔ महिला क्रिकेट सुपर लीग (WC SL) जिसे किया सुपर लीग के नाम से भी जाना जाता है, इंग्लैंड एवं वेल्स की सेमी-प्रोफेशनल महिला क्रिकेट प्रतियोगिता है।



❑ आर. प्रागनानंद

- ➔ भारतीय शतरंज खिलाड़ी।
- ➔ भारत के सबसे युवा (12 वर्ष, 10 माह, 13 दिन) और विश्व के दूसरे सबसे युवा ग्रैंड मास्टर बने। (24 जून, 2018)
- ➔ चेन्नई निवासी प्रागनानंद ने अपना अखिरी और तीसरा नॉर्म चतुर्थ अंतरराष्ट्रीय शतरंज महोत्सव, इटली में प्राप्त किया।
- ➔ उल्लेखनीय है कि विश्व के सबसे युवा ग्रैंड मास्टर होने का रिकॉर्ड रूस के सर्गेइ कर्जाकिन के नाम (12 वर्ष, 7 महीने में) है।
- ➔ इससे पूर्व वर्ष 2016 में प्रागनानंद 10 वर्ष, 10 माह एवं 19 दिन की आयु में विश्व के सबसे युवा अंतरराष्ट्रीय मास्टर (IM) बने थे।



❑ नतानिया जॉन एवं ऋषि तेज

- ➔ तमिलनाडु (भारत) की 11 वर्षीय बालिका।
- ➔ नतानिया ने फीफा विश्व कप, 2018 में कोस्टारिका के विरुद्ध मुकाबले में टीम ब्राजील के लिए आधिकारिक तौर पर बॉल गर्ल (OMBC : Official Match Ball Carrier) का कार्य किया। (22 जून, 2018)
- ➔ नतानिया के अतिरिक्त भारत के 10 वर्षीय तेज ने भी फीफा विश्व कप, 2018 में बेल्जियम एवं पनामा के बीच हुए मैच में ऑफिशियल मैच बॉल कैरियर की भूमिका अदा की।



❑ शिखर धवन

- ➔ भारतीय क्रिकेटर।
- ➔ टेस्ट क्रिकेट के प्रथम दिन लंच के पहले (पहला सत्र) शतक लगाने वाले पहले भारतीय एवं विश्व के छठे बल्लेबाज बने। (14 जून, 2018)
- ➔ शिखर ने अफगानिस्तान के विरुद्ध खेले गए एकमात्र टेस्ट के पहले दिन 87 गेंदों पर शतक पूरा किया और 96 गेंदों पर 107 रन बनाकर आउट हुए।



➔ इससे पूर्व ऑस्ट्रेलिया के विकटर ट्रंपर (वर्ष 1902 में), चार्ली मैकार्टनी (वर्ष 1926 में), सर डॉन ब्रैडमैन (वर्ष 1930 में), पाकिस्तान के मजिद खान (वर्ष 1976-77 में) एवं डेविड वॉर्नर (वर्ष 2016-17 में) टेस्ट मैच के पहले सत्र में शतक लगा चुके हैं।

❑ एमेलिया केर्

➔ न्यूजीलैंड की 17 वर्षीय महिला क्रिकेटर।

➔ महिला एकदिवसीय क्रिकेट इतिहास में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर का रिकॉर्ड तोड़ा (13 जून, 2018)

➔ एमेलिया ने डबलिन में आयरलैंड के विरुद्ध नाबाद 232 रनों की नाबाद पारी के दौरान ऑस्ट्रेलिया की बेलेंडा क्लार्क (229 रन) का रिकॉर्ड तोड़कर यह उपलब्धि प्राप्त की।

➔ एमेलिया ने अपनी इस पारी के दौरान 31 चौके और 2 छक्के लगाए।

➔ पुरुष क्रिकेट में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर का रिकॉर्ड भारत के रोहित शर्मा (264 रन) के नाम दर्ज है।

❑ राशिद खान

➔ अफगानिस्तानी क्रिकेटर।

➔ पदार्पण के बाद अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैचों में सबसे तेज (2 वर्ष, 220 दिनों में) 50 विकेट लेने वाले गेंदबाज बने। (3 जून, 2018, बांग्लादेश के विरुद्ध)

➔ हालांकि सबसे कम मैचों (31) में यह उपलब्धि प्राप्त करने के मामले में वह संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं।

➔ राशिद से पूर्व द. अफ्रीका के स्पिनर इमरान ताहिर ने भी 31 मैचों में 50 टी-20 विकेट प्राप्त किए थे।

➔ टी-20 क्रिकेट में सबसे कम मैचों में (26 मैचों में) 50 विकेट लेने का विश्व रिकॉर्ड श्रीलंका के अजंता मेंडिस के नाम दर्ज है।

❑ विराट कोहली

➔ भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान।

➔ फोर्ब्स (Forbes) द्वारा जारी सर्वाधिक कमाई करने वाले 100 खिलाड़ियों की सूची, 2018 में 83वें स्थान (एकमात्र भारतीय) पर रहे। (5 जून, 2018)

➔ विराट की कुल कमाई 2 करोड़ 40 लाख डॉलर (लगभग 160 करोड़ रुपये) है।

➔ सर्वाधिक कमाई करने वाले शीर्ष 3 खिलाड़ी

➔ फ्लायड मेवेदर (अमेरिका, बॉक्सिंग), 285 मिलियन डॉलर (1730 करोड़ रुपये)



➔ लियोनल मेसी (अर्जेन्टीना, फुटबॉल), 111 मिलियन डॉलर (744 करोड़ रुपये)

➔ क्रिस्टियानो रोनाल्डो (पुर्तगाल, फुटबॉल), 108 मिलियन डॉलर (724 करोड़ रुपये)

❑ एलिस्टेयर कुक

➔ इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज।

➔ लगातार 154 टेस्ट मैच खेलने का विश्व रिकॉर्ड बनाया (1 जून, 2018)

➔ उन्होंने हेडिंग्ले में पाकिस्तान के विरुद्ध दूसरे टेस्ट मैच के प्रथम दिन यह उपलब्धि प्राप्त की।

➔ उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान एलन बॉर्डर के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 1979 से 1994 के मध्य लगातार 153 अंतरराष्ट्रीय टेस्ट मैच खेले थे।

❑ लियोनल मेसी

➔ बार्सिलोना फुटबॉल क्लब एवं अर्जेन्टीना के फुटबॉलर।

➔ रिकॉर्ड 5वीं बार यूरोपीय गोल्डेन शू अवॉर्ड जीता। (21 मई, 2018)

➔ मेसी ने ला लीगा सत्र 2017-18 में 34 गोल (68 अंक) किए और शीर्ष गोल स्कोरर रहे।



➔ लिवरपूल क्लब के लिए खेलने वाले मिश्र के फुटबॉलर मोहम्मद सालेह 32 गोलों (64 अंक) के साथ द्वितीय स्थान पर रहे।

❑ जॉन ग्रेगोरी

➔ चेन्नईयन फुटबॉल क्लब के मुख्य कोच।

➔ इंग्लैंड के लीग मैनेजर्स एसोसिएशन (LMA) द्वारा विशेष अचीवमेंट अवॉर्ड से लंदन में सम्मानित। (16 मई, 2018)

➔ LMA इंग्लैंड के सभी फुटबॉल कोचों और इंग्लिश फुटबॉल क्लबों के सभी मैनेजरों का एक निकाय है।



❑ एबी डी विलियर्स

➔ दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर।

➔ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा। (23 मई, 2018)

➔ डी विलियर्स के नाम एकदिवसीय मैचों में सबसे तेज शतक (31 गेंदों पर) तथा सबसे तेज अर्द्धशतक (16 गेंदों पर) बनाने का रिकॉर्ड दर्ज है।

➔ साथ ही इनके नाम एकदिवसीय मैचों में सबसे तेज 150 रन (64 गेंदों पर) बनाने का भी रिकॉर्ड है।



➔ डी विलियर्स ने 114 टेस्ट मैचों में 22 शतक (कुल रन 8765) तथा 228 एकदिवसीय मैचों में 25 शतक (कुल रन 9577) बनाए हैं।

➔ इन्होंने 78 अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैचों में कुल 1672 रन बनाए हैं।

❑ लालचंद राजपूत

➔ पूर्व भारतीय क्रिकेट कोच।

➔ जिम्बाब्वे क्रिकेट बोर्ड द्वारा राष्ट्रीय टीम के अंतरिम कोच नियुक्त। (17 मई, 2018)

➔ इस पद पर वह जिम्बाब्वे के हीथ स्ट्रीक का स्थान ग्रहण करेंगे।



❑ राजिंदर सिंह

➔ हॉकी इंडिया के पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष।

➔ हॉकी इंडिया के नए अध्यक्ष नियुक्त। (19 मई, 2018)

➔ इस पद पर मरियम्मा कोशी के इस्तीफा देने के बाद उन्होंने यह पद ग्रहण किया।



❑ राजिंदर पाल

➔ भारत की ओर से मात्र एक टेस्ट खेलने वाले दिल्ली के पूर्व क्रिकेटर।

➔ देहरादून में निधन। (9 मई, 2018)

➔ दाएं हाथ के तेज गेंदबाज राजिंदर ने अपना एकमात्र टेस्ट इंग्लैंड के विरुद्ध जनवरी, 1964 में मुंबई के ब्रेबोर्न स्टेडियम में खेला था।



❑ जी. साथियान

➔ भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी।

➔ जर्मन बुंडिश लीगा के शीर्ष डिविजन क्लब एएसवी ग्रनवेटरस्बाश टिशटेनिस के साथ करार। (11 मई, 2018)

➔ साथियान, अंचल शरत कमल के बाद विश्व की सबसे प्रतिष्ठित लीग से जुड़ने वाले दूसरे भारतीय हैं।



❑ नेमार

➔ ब्राजीली फुटबॉलर।

➔ फ्रेंच लीग के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में चयनित। (13 मई, 2018)

➔ नेमार, फ्रांसीसी फुटबॉल क्लब पेरिस सेंट-जर्मेन की ओर से खेलते हैं।



❑ हिना सिद्धू

➔ भारतीय महिला निशानेबाज।

➔ जर्मनी के हैनोवर में अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। (मई, 2018)



➔ उन्होंने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में 239.8 अंकों के साथ टाईब्रेकर में जीत दर्ज की।

➔ इसी स्पर्धा में भारत की श्री निवेता ने कांस्य पदक (219.2 अंक) जीता।

❑ शशांक मनोहर

➔ पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष।

➔ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) के चेयरमैन पद पर पुनः निर्विरोध चयनित। (15 मई, 2018)



❑ दिलीप वेंगसरकर

➔ भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान।

➔ नेशनल स्कूल क्रिकेट लीग (NSCL) के मेंटॉर (mentor) नियुक्त। (20 मई, 2018)

➔ NSCL, स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (SGFI) द्वारा पहली बार आयोजित टैलेंट हंट प्रोग्राम है।



अन्य चर्चित खेला ब्यक्ति

● **आंद्रेस इनेस्ता** - स्पेन के फुटबॉल खिलाड़ी, फीफा फुटबॉल विश्व कप, 2018 के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लिया। (जुलाई, 2018)

● **जेवियर मैकरानो** - अर्जेंटीना के फुटबॉल खिलाड़ी, फीफा फुटबॉल विश्व कप, 2018 के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लिया। (जुलाई, 2018)

● **सर्गेइ इग्नेसविच** - रूस के फुटबॉल खिलाड़ी, फीफा फुटबॉल विश्व कप, 2018 के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लिया। (जुलाई, 2018)

● **टिम काहिल** - ऑस्ट्रेलियाई फुटबॉल खिलाड़ी, फीफा फुटबॉल विश्व कप, 2018 के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लिया। (जुलाई, 2018)

● **पेपे** - पुर्तगाल के फुटबॉल खिलाड़ी, फीफा फुटबॉल विश्व कप, 2018 के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लिया। (जुलाई, 2018)

● **एड जोएस** - आयरलैंड के क्रिकेटर; अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा। (24 मई, 2018)

● **मार्कोस** - ब्राजीलियाई फुटबॉल कोच; ISL फ्रेंचाइजी एफसी पुणे सिटी द्वारा टीम के नए मुख्य कोच नियुक्त। (1 जून, 2018)

● **मारिया ब्युनो** - लेजेंडरी ब्राजिलियन महिला टेनिस खिलाड़ी, साओ पाउलो में निधन। (8 जून, 2018)

सिविल सेवा (प्रा.) परीक्षा, 2018

प्रथम प्रश्न-पत्र

सीरीज - D

परीक्षा तिथि - 03/06/2018

सम-सामयिक घटना चक्र द्वारा अपने पाठकों के लिए सिविल सेवा (प्रा.) परीक्षा, 2018 का हल प्रश्न-पत्र व्याख्यात्मक उत्तरों के साथ प्रस्तुत किया जा रहा है। प्रत्येक प्रश्न के हल हेतु व्याख्या के लिए उत्तर के मूल स्रोत तक पहुंचने का प्रयास किया गया है। इन मूल स्रोतों अर्थात् उत्तर को प्रमाणित करने वाली व्याख्या हेतु प्रयुक्त अधिकांश पाठ्य सामग्री हमारे पास संरक्षित है। इन्हीं मूल स्रोतों के आधार पर हम इस हल प्रश्न-पत्र की अधिकतम शुद्धता का दावा करते हैं। यदि कहीं किसी प्रश्न के उत्तर हेतु हमारी व्याख्या से न संतुष्ट हो पा रहे हों, तो दूरभाष सं. 9335140296 पर मध्याह्न 12 बजे से सायं 8 बजे के मध्य हमसे संपर्क करें। हम आपको वस्तुस्थिति से अवगत करा देंगे।

1. निम्नलिखित घटनाओं पर विचार कीजिए-

1. भारत के किसी राज्य में सर्वप्रथम लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई साम्यवादी दल की सरकार।
2. भारत का उस समय का सबसे बड़ा बैंक 'इम्पीरियल बैंक ऑफ इंडिया' जिसका नाम बदलकर 'भारतीय स्टेट बैंक' रखा गया।
3. एयर इंडिया का राष्ट्रीयकरण किया गया और यह राष्ट्रीय वाहक बन गया।
4. गोवा स्वतंत्र भारत का अंग बन गया।

निम्नलिखित में से कौन-सा उपर्युक्त घटनाओं का सही कालानुक्रम है?

- (a) 4-1-2-3 (b) 3-2-1-4
(c) 4-2-1-3 (d) 3-1-2-4

उत्तर-(b)

वर्ष 1953 में एयर इंडिया का राष्ट्रीयकरण किया गया और यह राष्ट्रीय वाहक बन गया। जुलाई, 1955 में 'इम्पीरियल बैंक ऑफ इंडिया' का नाम बदलकर 'भारतीय स्टेट बैंक' रखा गया। अप्रैल, 1957 में सर्वप्रथम केरल में लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई साम्यवादी दल की सरकार बनी तथा केरल के मुख्यमंत्री के रूप में ई.एम.एस. नंबूदरीपाद ने स्वतंत्र भारत में पहली गैर-कांग्रेसी सरकार का गठन किया। वर्ष 1961 में पुलिस कार्यवाही के जरिए गोवा को भारत में अधिग्रहीत किया गया। 12वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1962 के द्वारा गोवा को संघशासित क्षेत्र के रूप में स्थापित किया गया तथा वर्ष 1987 में गोवा एक पूर्ण राज्य बना दिया गया।

2. निजता के अधिकार को जीवन एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार के अंतर्भूत भाग के रूप में संरक्षित किया जाता है। भारत के संविधान में निम्नलिखित में से किससे उपर्युक्त कथन सही एवं समुचित ढंग से अर्थित होता है?

- (a) अनुच्छेद 14 एवं संविधान के 42वें संशोधन के अधीन उपबंध
(b) अनुच्छेद 17 एवं भाग IV में दिए राज्य की नीति के निदेशक तत्व
(c) अनुच्छेद 21 एवं भाग III में गारंटी की गई स्वतंत्रताएं
(d) अनुच्छेद 24 एवं संविधान के 44वें संशोधन के अधीन उपबंध

उत्तर-(c)

उपर्युक्त दिया गया कथन अनुच्छेद 21 एवं भाग III में गारंटी की गई स्वतंत्रताओं के अंतर्गत सही एवं समुचित ढंग से अर्थित होता है। 24 अगस्त, 2017 को सर्वोच्च न्यायालय की 9 सदस्यीय पीठ ने भी निजता के अधिकार को मौलिक अधिकार का दर्जा प्रदान किया तथा यह कहा कि निजता का अधिकार जीवन एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार के अंतर्भूत भाग के रूप में संरक्षित है।

3. निम्नलिखित पर विचार कीजिए -

1. सुपारी
2. जौ
3. कॉफी
4. रागी
5. मूंगफली

6. तित

7. हल्दी

उपर्युक्त में से किनके न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने की है?

- (a) केवल 1, 2, 3 और 7 (b) केवल 2, 4, 5 और 6
(c) केवल 1, 3, 4, 5 और 6 (d) 1, 2, 3, 4, 5, 6 और 7

उत्तर—(b)

किसानों को उनकी फसलों का उचित एवं लाभप्रद मूल्य प्रदान करना सुनिश्चित करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा प्रतिवर्ष दो मुख्य फसल ऋतुओं रबी और खरीफ के दौरान प्रमुख फसलों के लिए 'न्यूनतम समर्थन मूल्य' (Minimum Support Price) की घोषणा की जाती है, जो कि किसानों को उनकी फसलों के लिए न्यूनतम गारंटी मूल्य के रूप में होता है। इस संबंध में सरकार को संस्तुतियां देने के लिए वर्ष 1965 में 'कृषि मूल्य आयोग' की स्थापना की गई थी, जिसका नाम बदलकर वर्ष 1985 में 'कृषि लागत और मूल्य आयोग' (CACF) कर दिया गया। आयोग उत्पादन की लागत, समग्र मांग-पूर्ति, घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय कीमत, अंतर-फसल कीमत तुल्यता, कृषि एवं गैर-कृषि क्षेत्र के बीच व्यापार की शर्तों को ध्यान में रखते हुए 23 अधिसूचित कृषि जिनसों के लिए 'न्यूनतम समर्थन मूल्य' की सिफारिश करता है। यह 23 कृषि जिनस हैं- 7 अनाज (धान, गेहूँ, मक्का, ज्वार, बाजरा, जौ तथा रागी), 5 दालें (चना, तूर/अरहर, मूंग, उरद तथा मसूर), 7 तिलहन (मूंगफली, रैपसीड/ सरसों, सोयाबीन, सूरजमुखी, तिल, रामतिल तथा सैफ फ्लावर), 4 वाणिज्यिक फसलें (कोपरा, गन्ना, कपास तथा पटसन)।

4. निम्नलिखित राज्यों में से किस एक में पाखुई वन्यजीव अभयारण्य अवस्थित है?

- (a) अरुणाचल प्रदेश (b) मणिपुर
(c) मेघालय (d) नगालैंड

उत्तर—(a)

पाखुई वन्यजीव अभयारण्य अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी कामेंग जिले में स्थित है। मूलतः यह क्षेत्र 'पक्के संरक्षित वन' (Pakke Reserve Forest) के नाम से जाना जाता था। वर्ष 1977 में इसे कोमो अभयारण्य के रूप में निर्दिष्ट किया गया। इसके बाद इसे वर्ष 2002 में पाखुई वन्यजीव अभयारण्य घोषित किया गया।

5. भारत के उपग्रह प्रमोचित करने वाले वाहनों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. PSLV से वे उपग्रह प्रमोचित किए जाते हैं, जो पृथ्वी के संसाधनों की मॉनीटरिंग में उपयोगी हैं, जबकि GSLV

को मुख्यतः संचार उपग्रहों को प्रमोचित करने के लिए अभिकल्पित किया गया है।

2. PSLV द्वारा प्रमोचित उपग्रह आकाश में एक ही स्थिति में स्थायी रूप में स्थिर रहते प्रतीत होते हैं जैसा कि पृथ्वी के एक विशिष्ट स्थान से देखा जाता है।

3. GSLV Mk III, एक चार-स्टेज वाला प्रमोचन वाहन है, जिसमें प्रथम और तृतीय चरणों में ठोस रॉकेट मोटर्स का तथा द्वितीय और चतुर्थ चरणों में द्रव रॉकेट इंजनों का प्रयोग होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 (b) 2 और 3
(c) 1 और 2 (d) केवल 3

उत्तर—(a)

PSLV तथा GSLV दोनों ही इसरो (ISRO) द्वारा विकसित उपग्रह प्रक्षेपण यान हैं। PSLV को लगभग 1750 किग्रा. वजन की भू-अवलोकन (Earth-observation) या सुदूर-संवेदी (Remote sensing) उपग्रहों को लगभग 600 किमी. की ऊंचाई वाली सूर्य-समकालिक ध्रुवीय कक्षाओं में स्थापित करने के लिए डिजाइन किया गया है। GSLV को मुख्यतः संचार उपग्रहों को दीर्घवृत्ताकार भू-समकालिक अंतरण कक्षा (GTO) में स्थापित करने के लिए डिजाइन किया गया है। अतः कथन (1) सत्य है। GSLV द्वारा GTO में स्थापित उपग्रह को कक्षोन्नयन के पश्चात लगभग 36000 किमी. की ऊंचाई वाली भू-तुल्यकालिक पृथ्वी कक्षा (GEO) में स्थापित कर दिया जाता है। इस कक्षा में उपग्रह आकाश में एक ही स्थिति में स्थिर प्रतीत होते हैं। अतः कथन (2) असत्य है। GSLV Mk III एक त्रिचरणीय प्रक्षेपण यान है, अतः कथन (3) असत्य है।

6. भारत में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के संचालन के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए -

1. पिछले दशक में भारत सरकार द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में पूंजी के अंतर्वेशन में लगातार वृद्धि हुई है।

2. सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को सुव्यवस्थित करने के लिए मूल भारतीय स्टेट बैंक के साथ उसके सहयोगी बैंकों का विलय किया गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1, न ही 2

उत्तर—(b)

वर्ष 2008-09 से वर्ष 2016-17 के मध्य भारत सरकार द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में 1.18 लाख करोड़ रुपये अंतर्वेशित किए गए। सरकार द्वारा अंतर्वेशित इस पूंजी में वर्षवार काफी विचलन देखा गया। इसमें क्रमिक वृद्धि का अभाव दिखाई देता है। अतः कथन (1) असत्य है।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक भारतीय स्टेट बैंक तथा इसके पांच सहायक बैंकों यथा- स्टेट बैंक ऑफ़ बीकानेर एवं जयपुर, स्टेट बैंक ऑफ़ हैदराबाद, स्टेट बैंक ऑफ़ मैसूर, स्टेट बैंक ऑफ़ पटियाला तथा स्टेट बैंक ऑफ़ त्रावणकोर का विलय सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में सुधार की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है। इससे स्टेट बैंक के आकार में वृद्धि होगी तथा उसकी परिचालन दक्षता में सुधार होगा। बैंकों के पर्यवेक्षण की दृष्टि से भी यह सहायक होगा। SBI और उसके सहायक बैंकों का विलय न केवल SBI की दृष्टि से सुधारात्मक है, अपितु यह अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को भी सुव्यवस्थित/सुदृढ़ करने का मार्ग प्रशस्त करेगा। अतः केवल कथन 2 सत्य है।

7. निम्नलिखित मद्दों पर विचार कीजिए-

1. छिलका उतारे हुए अनाज
2. मुर्गी के अंडे पकाए हुए
3. संसाधित और डिब्बाबंद मछली
4. विज्ञापन सामग्री युक्त समाचार-पत्र

उपर्युक्त मद्दों में से कौन-सा/से जी.एस.टी. (वस्तु एवं सेवा कर) के अंतर्गत छूट प्राप्त है/हैं?

- (a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1, 2 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर—(c)

वस्तु एवं सेवा कर (Goods and Service Tax : GST) के तहत कुछ आवश्यक वस्तुओं एवं सेवाओं को जीएसटी से छूट प्रदान की गई है। छिलका उतारे हुए अनाज, मुर्गी के पकाए हुए अंडे (पक्षियों के छिलका रहित प्रसंस्कृत अंडों को छोड़कर) तथा समाचार-पत्र (विज्ञापन सामग्री युक्त) आदि जीएसटी से छूट प्राप्त वस्तुओं में शामिल हैं। संसाधित एवं डिब्बाबंद मछली तथा प्रसंस्कृत छिलका रहित अंडों पर 5 प्रतिशत की दर से जीएसटी लगाया जाता है।

8. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. "संकटपूर्ण वन्यजीव पर्यावास" (क्रिटिकल वाइल्डलाइफ हैबिटेट) की परिभाषा वन अधिकार अधिनियम, 2006 में समाविष्ट है।
2. भारत में पहली बार बैगा (जनजाति) को पर्यावास (हैबिटेट) अधिकार दिए गए हैं।

3. केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत के किसी भाग में विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के लिए पर्यावास अधिकार पर आधिकारिक रूप से निर्णय लेता है और उसकी घोषणा करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर—(a)

'संकटपूर्ण वन्यजीव पर्यावास' (Critical wildlife habitat) की परिभाषा अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 (प्रचलित नाम) वन अधिकार अधिनियम (FRA), 2006 में समाविष्ट है। इस अधिनियम का मुख्य लक्ष्य जनजातियों के अधिकारों को मान्यता और उनके अधिकारों, दायित्वों एवं लाभ का तर्कसंगत वितरण है ताकि वनों पर निर्भर समुदायों की जीविका सुनिश्चित होकर वन संरक्षण के उद्देश्य की प्राप्ति हो सके।

भारत में सबसे पहले बैगा समुदाय (जनजाति) को पर्यावास अधिकार (Habitat Rights) दिए गए। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा पहली बार डिंडौरी जिले के सात गांवों में जनजातीय समूहों को यह अधिकार दिया गया। जनजातीय मामलों के मंत्रालय, भारत सरकार, भारत के किसी भाग में विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के लिए पर्यावास अधिकार पर आधिकारिक रूप से निर्णय लेता है और उसकी घोषणा करता है।

9. निम्नलिखित पर विचार कीजिए-

1. पक्षी
2. उड़ती धूल
3. वर्षा
4. बहती हवा

उपर्युक्त में से कौन-से पादप रोग फैलाते हैं?

- (a) केवल 1 और 3
(b) केवल 3 और 4
(c) केवल 1, 2 और 4
(d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर—(d)

पादप रोग विज्ञान (Phytopathology) शब्द की उत्पत्ति ग्रीक भाषा के तीन शब्दों जैसे - पादप, रोग व ज्ञान से हुई है जिसका शाब्दिक अर्थ है 'पादप रोगों का ज्ञान' (अध्ययन)। अतः पादप रोग विज्ञान, कृषि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान या जीव विज्ञान की वह शाखा है जिसके अंतर्गत रोगों के लक्षणों, कारणों, रोगों से हानि

एवं उनके नियंत्रण का अध्ययन किया जाता है।
पादप रोग फैलाने वाले कारक -
हवा (Wind)
बारिश (Rain)
जानवर (Animal)
मिट्टी (Soil)
नर्सरी ग्राफ्ट (Nursery Graft)
दूषित औजार और उपकरण (Contaminated Equipment and Tools)
संक्रमित बीज स्टॉक (Infected Seed Stock)
पराग (Pollen)
धूल तूफान (Dust Storm)
सिंचाई पानी (Irrigation water)
पक्षी (Birds) तथा
लोग (People)
हालांकि उपर्युक्त में से पादप रोग फैलाने में पक्षियों का बहुत ही कम योगदान होता है, फिर भी इन्हें पादप रोग फैलाने वाले कारणों में शामिल किया जाता है।

10. भारत में जैविक कृषि के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए -

1. 'जैविक उत्पादन के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम' (एन.पी.ओ.पी.) केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के मार्गदर्शन एवं निदेश के अधीन कार्य करता है।
2. एन.पी.ओ.पी. के क्रियान्वयन के लिए 'कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण' (APEDA) सचिवालय के रूप में कार्य करता है।
3. सिक्किम भारत का पहला पूरी तरह से जैविक राज्य बन गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर—(b)

वर्ष 2001 से ही जैविक उत्पादन के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम का कार्यान्वयन वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है। अतः कथन (1) असत्य है। NPOP के कार्यान्वयन के लिए APEDA सचिवालय के रूप में कार्य करता है। अतः कथन (2) सत्य है। वर्ष 2016 में सिक्किम भारत का पहला पूर्ण जैविक राज्य बन गया है। अतः कथन (3) सत्य है।

11. धन विधेयक के संबंध में, निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?

- (a) किसी बिल (विधेयक) को धन विधेयक तब माना जाएगा जब इसमें केवल किसी कर के अधिरोपण, उन्मूलन, माफी, परिवर्तन या विनियमन से संबंधित प्रावधान हों।
- (b) धन विधेयक में भारत की संचित निधि एवं भारत की आकस्मिकता निधि की अभिरक्षा से संबंधित उपबंध होते हैं।
- (c) धन विधेयक भारत की आकस्मिकता निधि से धन के विनियोजन से संबंधित होता है।
- (d) धन विधेयक भारत सरकार द्वारा धन के उधार लेने या कोई प्रत्याभूति देने के विनियमन से संबंधित होता है।

उत्तर—(c)

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 110 धन विधेयक के संदर्भ में स्पष्ट प्रावधान करता है। धन विधेयक भारत की संचित निधि से धन के विनियोजन से संबंधित है न कि आकस्मिकता निधि से। अतः कथन (c) को छोड़कर शेष सभी विकल्प सत्य हैं।

12. भारत के राष्ट्रपति के निर्वाचन के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए -

1. प्रत्येक एम.एल.ए. के वोट का मूल्य अलग-अलग राज्य में अलग-अलग होता है।
2. लोक सभा के सदस्यों के वोट का मूल्य राज्य सभा के सदस्यों के वोट के मूल्य से अधिक होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 न ही 2

उत्तर—(c)

संविधान के अनुच्छेद 55 में दी गई राष्ट्रपति के निर्वाचन की रीति के अनुसार, राष्ट्रपति का निर्वाचन "आनुपातिक प्रतिनिधित्व पद्धति" के अनुसार, एकल संक्रमणीय मत प्रणाली द्वारा होता है, जिसमें राज्य की विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्य तथा संसद के दोनों सदनों के निर्वाचित सदस्य भाग लेते हैं। राज्य की विधानसभा के प्रत्येक सदस्य का मत मूल्य निम्न सूत्र से निकाला जाता है-

राज्य की जनसंख्या

विधानसभा के कुल निर्वाचित सदस्यों की संख्या × 1000

प्रत्येक राज्य की जनसंख्या तथा कुल निर्वाचित सदस्यों की संख्या

भिन्न-भिन्न होने के कारण प्रत्येक MLA (विधानसभा सदस्य) का मत मूल्य अलग-अलग राज्य में अलग-अलग होता है। इस प्रकार कथन (1) सही है।

संसद के एक सदस्य का मत मूल्य निकालने हेतु निम्न सूत्र का उपयोग किया जाता है-

$$\frac{\text{सभी राज्य विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्यों के मत मूल्य का योग}}{\text{संसद के दोनों सदनों (लोक सभा + राज्य सभा) के निर्वाचित सदस्यों की संख्या}}$$

अतः स्पष्ट है कि लोक सभा के प्रत्येक सदस्य तथा राज्य सभा के प्रत्येक सदस्य का मूल्य समान होता है। किंतु लोक सभा के सदस्यों की संख्या राज्य सभा के सदस्यों की संख्या से अधिक होती है। अतः लोक सभा के सभी सदस्यों का मत मूल्य राज्य सभा के सभी सदस्यों के मत मूल्य से अधिक होगा। चूंकि कथन (2) में यह स्पष्ट नहीं है कि लोक सभा या राज्य सभा के एक सदस्य के मत मूल्य की बात की जा रही है या फिर सभी सदस्यों के मत मूल्य की। यदि एक सदस्य के मत मूल्य की गणना की जाए तो दोनों सदनों के प्रत्येक सदस्य के मत का मूल्य एक समान (708) होता है। अतः कथन (2) गलत हो जाएगा। परंतु यदि दोनों सदनों के सभी सदस्यों के कुल मत मूल्य की गणना की जाए तो फिर लोक सभा के सदस्यों की संख्या अधिक होने के कारण उनका कुल मत मूल्य राज्यसभा सदस्यों के कुल मत मूल्य से अधिक हो जाएगा। अतः इस दृष्टिकोण से कथन (2) सही हो जाएगा।

नोट - कथन (2) में 'सदस्यों' का भाव सभी सदस्यों के रूप में ग्रहण करते हुए कथन (2) को सत्य मानते हुए प्रश्न का उत्तर विकल्प (c) को दिया गया है।

13. भारत के संदर्भ में 'अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी' (आई.ए.ई.ए) के 'अतिरिक्त न्याचार' (एडीशनल प्रोटोकॉल) का अनुसमर्थन करने का निहितार्थ क्या है?

- असैनिक परमाणु रिएक्टर आई.ए.ई.ए. के रक्षोपायों के अधीन आ जाते हैं।
- सैनिक परमाणु अधिष्ठान आई.ए.ई.ए. के निरीक्षण के अधीन आ जाते हैं।
- देश के पास नाभिकीय पूर्तिकर्ता समूह (एन.एस.जी.) से यूरेनियम के क्रय का विशेषाधिकार हो जाएगा।
- देश स्वतः एन.एस.जी. का सदस्य बन जाता है।

उत्तर—(a)

अतिरिक्त प्रोटोकॉल (Additional Protocol), जो अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) तथा किसी भी व्यक्तिगत देश के मध्य वार्तालाप का कानूनी दस्तावेज है, उस राज्य के व्यापक सुरक्षा उपायों के निरीक्षण का अधिकार प्रदान करता है। आई.ए.ई.ए. के साथ भारत का अतिरिक्त प्रोटोकॉल जुलाई, 2014 से प्रभावी हुआ। इस प्रोटोकॉल के तहत आई.ए.ई.ए. (IAEA) द्वारा निगरानी सुविधाओं को बढ़ाया जाएगा और हथियारों के निर्माण के लिए प्रयोग में लाए जाने वाले गैर-रक्षा सुविधाओं पर इसका असर नहीं होगा। अतिरिक्त प्रोटोकॉल की वजह से सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा और बड़े परमाणु तकनीकों के आयात में वृद्धि होगी। यह भारत के परमाणु निर्यात के आंकड़ों का संग्रह सुनिश्चित करेगा और इस बात की गारंटी देगा कि सामानों को अनधिकृत उपयोग के लिए नहीं बांटा जा रहा है।

14. निम्नलिखित देशों पर विचार कीजिए -

- ऑस्ट्रेलिया
- कनाडा
- चीन
- भारत
- जापान
- यू.एस.ए.

उपर्युक्त में से कौन-कौन आसियान (ए.एस.इ.ए.एन.) के 'मुक्त व्यापार भागीदारों' में से हैं?

- 1, 2, 4 और 5
- 3, 4, 5 और 6
- 1, 3, 4 और 5
- 2, 3, 4 और 6

उत्तर—(c)

आसियान द्वारा 6 वार्ता भागीदारों यथा - चीन, जापान, कोरिया, भारत, ऑस्ट्रेलिया तथा न्यूजीलैंड के साथ पांच मुक्त व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

15. 'जलवायु-अनुकूल कृषि के लिए वैश्विक सहबंध' (ग्लोबल एलायन्स फॉर क्लाइमेट-स्मार्ट एग्रीकल्चर) (GACSA) के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सही हैं/हैं?

- GACSA, 2015 में पेरिस में हुए जलवायु शिखर सम्मेलन का एक परिणाम है।
 - GACSA में सदस्यता से कोई बंधनकारी दायित्व उत्पन्न नहीं होता।
 - GACSA के निर्माण में भारत की साधक भूमिका थी। नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए-
- केवल 1 और 3
 - केवल 2
 - केवल 2 और 3
 - 1, 2 और 3

उत्तर—(b)

GACSA को 23 सितंबर, 2014 को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन के दौरान लांच किया गया था। अतः कथन (1) असत्य है। GACSA एक स्वैच्छिक मंच है, जो सरकारों, अंतरराष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय संगठनों, संस्थानों, सिविल सोसाइटी आदि के लिए खुला है। GACSA की सदस्यता से कोई बंधनकारी दायित्व उत्पन्न नहीं होता। वर्तमान में इसके 236 सदस्य हैं। अतः कथन (2) सत्य है। भारत ने इसकी स्थापना में योगदान नहीं दिया। अतः कथन (3) असत्य है।

16. निम्नलिखित में से कौन-सा/से भारत सरकार का/के "डिजिटल इंडिया" योजना का/के उद्देश्य है/हैं?

1. भारत की अपनी इंटरनेट कंपनियों का गठन, जैसा कि चीन ने किया।
2. एक नीतिगत ढांचे की स्थापना जिससे बड़े आंकड़े एकत्रित करने वाली समुद्रपारीय बहु-राष्ट्रीय कंपनियों को प्रोत्साहित किया जा सके कि वे हमारी राष्ट्रीय भौगोलिक सीमाओं के अंदर अपने बड़े डेटा केंद्रों की स्थापना करें।
3. हमारे अनेक गांवों को इंटरनेट से जोड़ना तथा हमारे बहुत से विद्यालयों, सार्वजनिक स्थलों एवं प्रमुख पर्यटक केंद्रों में वाई-फाई (Wi-Fi) लाना।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए-

- (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 3
(c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर—(b)

डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के विभिन्न स्तंभों में ब्रॉडबैंड हाइवेज (Broadband Highways) भी शामिल है। इस स्तंभ के तहत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में सभी के लिए ब्रॉडबैंड की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी है। स्कूलों, सार्वजनिक स्थलों आदि में निःशुल्क वाई-फाई उपलब्ध कराया जाना प्रस्तावित है। स्पष्ट है कि कथन (3) सत्य है। कथन (1) एवं (2) असत्य हैं।

17. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए -

- | कभी-कभी समाचारों में उल्लिखित शहर | देश |
|-----------------------------------|---------------|
| 1. अलेप्पो | - सीरिया |
| 2. किरकूक | - यमन |
| 3. मोसूल | - फिलिस्तीन |
| 4. मजार-ए-शरीफ | - अफगानिस्तान |
- उपर्युक्त युग्मों में से कौन-से सही सुमेलित हैं?
- (a) 1 और 2 (b) 1 और 4
(c) 2 और 3 (d) 3 और 4

उत्तर—(b)

अलेप्पो सीरिया में, किरकूक एवं मोसूल इराक में जबकि मजार-ए-शरीफ अफगानिस्तान में स्थित है। स्पष्ट है कि युग्म 1 और 4 सही सुमेलित हैं।

18. भारतीय शासन अधिनियम, 1935 के द्वारा स्थापित संघ में अवशिष्ट शक्तियां किसे दी गई थीं?

- (a) संघीय विधानमंडल को (b) गवर्नर जनरल को
(c) प्रांतीय विधानमंडल को (d) प्रांतीय राज्यपालों को

उत्तर—(b)

भारतीय शासन अधिनियम, 1935 द्वारा स्थापित संघ में अवशिष्ट शक्तियां गवर्नर जनरल को प्रदान की गई थीं।

19. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए -

1. विधानसभा का/की अध्यक्ष, यदि विधानसभा का/की सदस्य नहीं रहता है/रहती है, तो अपना पद रिक्त कर देगा/देगी।
2. जब कभी विधानसभा का विघटन किया जाता है, तो अध्यक्ष अपने पद को तुरंत रिक्त कर देगा/देगी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर—(a)

दिए गए कथनों में कथन (1) सही है, जबकि कथन (2) सही नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 179 के खंड (क) के अनुसार, विधानसभा का अध्यक्ष या उपाध्यक्ष के रूप में पद धारण करने वाला सदस्य यदि विधानसभा का सदस्य नहीं रहता है, तो अपना पद रिक्त कर देगा। कथन (2) सही नहीं है क्योंकि अनुच्छेद 179 के दूसरे परंतुक के अनुसार, जब कभी भी विधानसभा का विघटन किया जाता है, तो विघटन के पश्चात होने वाले विधानसभा के प्रथम अधिवेशन के ठीक पहले तक अध्यक्ष अपने पद को रिक्त नहीं करेगा।

20. विधि और स्वाधीनता के बीच सबसे उपयुक्त संबंध को, निम्नलिखित में से कौन प्रतिबिम्बित करता है?

- (a) यदि विधियां अधिक होती हैं, तो स्वाधीनता कम होती है।
(b) यदि विधि नहीं हैं, तो स्वाधीनता भी नहीं है।
(c) यदि स्वाधीनता है, तो विधि-निर्माण जनता को करना होगा।
(d) यदि विधि-परिवर्तन बार-बार होता है, तो वह स्वाधीनता के लिए खतरा है।

उत्तर—(b)

“यदि विधि नहीं है, तो स्वाधीनता भी नहीं है।” यह कथन विधि तथा स्वाधीनता के मध्य सबसे उपयुक्त संबंध को दर्शाता है। स्वाधीनता का तात्पर्य विधि की पूर्ण अनुपस्थिति कदापि नहीं है। विधिशास्त्री जॉन लॉक के अनुसार, स्वाधीनता के अस्तित्व के लिए विधि का अस्तित्व जरूरी है। कानून ही स्वतंत्रता की रक्षा करता है। वे कहते हैं “जहां कोई कानून नहीं है वहां कोई स्वतंत्रता नहीं है।”

21. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. किसी राज्य के राज्यपाल के विरुद्ध उसकी पदावधि के दौरान किसी न्यायालय में कोई दांडिक कार्यवाही संस्थित नहीं की जाएगी।
 2. किसी राज्य के राज्यपाल की परिलब्धियां और भत्ते उसकी पदावधि के दौरान कम नहीं किए जाएंगे।
- उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
- (a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर—(c)

उपर्युक्त दिए गए दोनों कथन सही हैं। कथन (1) अनुच्छेद 361 के संदर्भ में तथा कथन (2) अनुच्छेद 158 के संदर्भ में सही हैं। अनुच्छेद 361 के खंड (2) में यह उपबंधित है कि राष्ट्रपति या राज्यपाल के विरुद्ध उसकी पदावधि के दौरान किसी न्यायालय में किसी भी प्रकार की दांडिक कार्यवाही संस्थित नहीं की जाएगी या चालू नहीं रखी जाएगी। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 158 "राज्यपाल के पद के लिए शर्त" विषय से संबंधित है। इसके खंड (4) के प्रावधानानुसार - राज्यपाल की उपलब्धियां और भत्ते उसकी पदावधि के दौरान कम नहीं किए जाएंगे।

22. सुप्रसिद्ध चित्र "बणी-ठणी" किस शैली का है?

- (a) बूंदी शैली (b) जयपुर शैली
(c) कांगड़ा शैली (d) किशनगढ़ शैली

उत्तर—(d)

बणी-ठणी चित्र किशनगढ़ शैली से संबंधित है। इस चित्र के चित्रकार निहाल चंद हैं। इस चित्र में एक ऐसी महिला को दर्शाया गया है, जो सुंदर एवं आकर्षक है। बणी-ठणी राजस्थान की किशनगढ़ रियासत के तत्कालीन शासक राजा सावंत सिंह की प्रेमिका थीं। राजा सामंत सिंह शृंगार प्रिय एवं अच्छे साहित्यकार थे, जो नागरीदास के नाम से प्रसिद्ध हुए। इनकी प्रेमिका बणी-ठणी राधा का सौंदर्य इनके काव्य पर आधारित है।

23. कभी-कभी समाचार में उल्लिखित 'टर्मिनल हाई ऑल्टिट्यूड एरिया डिफेंस' (टी.एच.ए.ए.डी) क्या है?

- (a) इजरायल की एक राडार प्रणाली
(b) भारत का घरेलू मिसाइल-प्रतिरोधी कार्यक्रम
(c) अमेरिकी मिसाइल-प्रतिरोधी प्रणाली
(d) जापान और दक्षिण कोरिया के बीच एक रक्षा सहयोग

उत्तर—(c)

THAAD (Terminal High Altitude Area Defence) अमेरिकी बैलिस्टिक मिसाइल प्रतिरोधी प्रणाली है, जो लघु एवं मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों के विरुद्ध प्रतिरक्षा की क्षमता उपलब्ध कराती है। यह प्रणाली वायुमंडल के भीतर तथा बाहर मिसाइलों के अवरोधन में सक्षम है।

24. भारत के सांस्कृतिक इतिहास के सदंर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. त्यागराज की अधिकांश कृतियां भगवान कृष्ण की स्तुति के भक्ति गीत हैं।
2. त्यागराज ने अनेक नए रागों का सृजन किया।
3. अन्नमाचार्य और त्यागराज समकालीन हैं।
4. अन्नमाचार्य कीर्तन भगवान वेंकटेश्वर की स्तुति के भक्ति गीत हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

- (a) केवल 1 और 3 (b) केवल 2 और 4
(c) 1, 2 और 3 (d) 2, 3 और 4

उत्तर—(b)

तंजावुर (तमिलनाडु) में जन्में त्यागराज (1767-1847 ई.) कर्नाटक संगीत के सबसे बड़े प्रतिपादकों में से एक थे। इन्होंने अनेक रागों का सृजन किया और यह भक्ति मार्ग के एक प्रसिद्ध कवि थे। इन्होंने भगवान राम को समर्पित भक्ति गीतों की रचना की थी। 'पंचरत्न' इनकी सर्वश्रेष्ठ कृति थी। कड़प्पा (आंध्र प्रदेश) में जन्में अन्नमाचार्य (1408-1503 ई.) एक तेलुगू संत कवि और कर्नाटक संगीत रचयिता थे। वे दक्षिण भारत के पहले संगीतज्ञ थे, जिन्होंने संकीर्तन की रचना की। उन्होंने तिरुमाला सात पर्वतों के देवता भगवान वेंकटेश्वर की स्तुति में अनेक भजनों की रचना की। तेलुगू भाषा-भाषी उन्हें पद-कविता का पितामह मानते हैं।

25. निम्नलिखित में से किनको "विधि के शासन" के प्रमुख लक्षणों के रूप में माना जाएगा?

1. शक्तियों का परिसीमन
2. विधि के समक्ष समता
3. सरकार के प्रति जन-उत्तरदायित्व
4. स्वतंत्रता और नागरिक अधिकार

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए-

- (a) केवल 1 और 3 (b) केवल 2 और 4
(c) केवल 1, 2 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर—(c)

दिए गए विकल्पों में से विकल्प (c) सही है। प्रो. डायसी ने 1885 ई. में अपनी पुस्तक "द लॉ ऑफ कांस्टीट्यूशन" में विधि के शासन के निम्न तीन लक्षण दिए -

(1) विधि की सर्वोपरिता - इसका तात्पर्य है कि विधि सर्वोच्च है तथा राज्य की या व्यक्ति की स्वेच्छाचारिता का अभाव होना अर्थात् किसी भी व्यक्ति को केवल विधि के उल्लंघन हेतु दंडित किया जा सकता है अन्य किसी हेतु नहीं। स्वेच्छाचारिता का अभाव शक्तियों

के परिसीमन के रूप में प्रतिबिम्बित होता है।

(2) विधि के समक्ष समता - अर्थात् विधि के लिए सभी समान हैं और कोई भी विधि से ऊपर नहीं है।

(3) विधि भी भावना की प्रबलता (Predominance of Legal Spirit) - इसका तात्पर्य है कि संविधान के सामान्य सिद्धांत व्यक्तियों के अधिकार, स्वतंत्रताओं का निर्धारण करने वाले न्यायिक विनिश्चयों का परिणाम है।

सरकार के प्रति जन-उत्तरदायित्व विधि के शासन का लक्षण नहीं है। अतः स्पष्ट है कि विकल्प (c) सही उत्तर है।

26. निम्नलिखित में से किससे/किनसे भारत में अंग्रेजी शिक्षा की नींव पड़ी?

1. 1813 का चार्टर एक्ट
 2. जनरल कमेटी ऑफ पब्लिक इंस्ट्रक्शन, 1823
 3. प्राच्यविद् एवं आंग्लविद् विवाद
- नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए-

- (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर—(d)

ईस्ट इंडिया कंपनी ने ओरिएंटल शिक्षा की प्रचलित प्रणाली को हतोत्साहित किया तथा पश्चिमी शिक्षा और अंग्रेजी भाषा को बढ़ावा दिया। 1813 के चार्टर अधिनियम में भारत में शिक्षा के प्रसार के लिए प्रतिवर्ष एक लाख रुपये खर्च करने के प्रावधान को अपनाया गया। 1823 ई. में जनरल कमेटी ऑफ पब्लिक इंस्ट्रक्शन का गठन किया गया, जिसकी जिम्मेदारी शिक्षा के लिए एक लाख रुपये देने (Grant) की थी। समिति में 10 यूरोपीय सदस्य शामिल थे जिसके अध्यक्ष लॉर्ड मैकाले थे। इसके बाद गवर्नर जनरल लॉर्ड विलियम केवेंडिश बेंटिक (1828-1835 ई.) के शासनकाल में 7 मार्च, 1835 को लॉर्ड मैकाले के प्रस्ताव को स्वीकृत कर भारत में अंग्रेजी को उच्च शिक्षा का माध्यम मान लिया गया। भारत में आंग्ल (Anglicist) शिक्षा के समर्थकों के नेता ट्रेविलियन थे, जबकि एच.टी. प्रिंसेप प्राच्य (Orientalist) शिक्षा के समर्थकों के नेतृत्वकर्ता थे।

27. निम्नलिखित में से कौन-सी एक कृत्रिम झील है?

- (a) कोडाईकनाल (तमिलनाडु) (b) कोल्लेरु (आंध्र प्रदेश)
(c) नैनीताल (उत्तराखंड) (d) रेणुका (हिमाचल प्रदेश)

उत्तर—(a)

कोडाईकनाल झील ताजे जल की एक मानव निर्मित झील है। यह झील तमिलनाडु के डिंडीगुल जिले के कोडाईकनाल शहर में स्थित है।

28. प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. यह श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की फ्लैगशिप स्कीम है।
2. यह, अन्य चीजों के साथ-साथ, सॉफ्ट स्किल, उद्यमवृत्ति, वित्तीय और डिजिटल साक्षरता में भी प्रशिक्षण उपलब्ध कराएगी।
3. यह देश के अविनियमित कार्यबल की कार्यकुशलताओं को राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचा (नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क) के साथ जोड़ेगी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 3 (b) केवल 2
(c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर—(c)

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY) कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (MSDE) की फ्लैगशिप स्कीम है। 'PMKVY गाइडलाइंस, 2016-2020' के अनुसार, PMKVY ट्रेनिंग सेंटर (TCs) में दी गई लघु अवधि ट्रेनिंग (Short Term Training) से भारतीय राष्ट्रियता के उम्मीदवारों को लाभ पहुंचाने की उम्मीद है, जो या तो स्कूल/कॉलेज छोड़े चुके हैं या बेरोजगार हैं। राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचा (NKQF) के अनुसार, प्रशिक्षण प्रदान करने के अतिरिक्त TCs सॉफ्ट कौशल, उद्यमिता, वित्तीय और डिजिटल साक्षरता में प्रशिक्षण भी प्रदान करेगी। प्रशिक्षण की अवधि प्रति जॉब के अनुसार 150 से 300 घंटों के मध्य होगी।

29. 1920 में, निम्नलिखित में से किसने अपना नाम परिवर्तित कर "स्वराज्य सभा" रख लिया?

- (a) ऑल इंडिया होमरूल लीग
(b) हिंदू महासभा
(c) साउथ इंडियन लिबरल फेडरेशन
(d) द सर्वेन्ट्स ऑफ इंडिया सोसाइटी

उत्तर—(a)

होमरूल आंदोलन, अखिल भारतीय होमरूल लीग, एक राष्ट्रीय राजनीतिक संगठन था, जिसकी स्थापना 28 अप्रैल, 1916 में बाल गंगाधर तिलक द्वारा तथा एनी बेसेंट द्वारा सितंबर, 1916 में किया गया था। तिलक की होमरूल लीग कर्नाटक, महाराष्ट्र (बंबई छोड़कर) मध्य प्रांत और बरार की 6 शाखाओं तक सीमित थी। देश के बाकी हिस्से एनी बेसेंट की लीग के जिम्मे आए। लीग का उद्देश्य ब्रिटिश साम्राज्य के अधीन रहते हुए संवैधानिक तरीके से स्वशासन को प्राप्त करना था। अप्रैल, 1920 में अखिल भारतीय होमरूल लीग ने महात्मा गांधी को इसके अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित किया और महात्मा गांधी ने इसका नाम परिवर्तित कर 'स्वराज्य सभा' (Assembly) रखा।

30. निम्नलिखित में से कौन-सी घटना सबसे पहले हुई?
- स्वामी दयानंद ने आर्य समाज की स्थापना की।
 - दीनबंधु मित्र ने नीलदर्पण का लेखन किया।
 - बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने आनंदमठ का लेखन किया।
 - सत्येन्द्रनाथ टैगोर इंडियन सिविल सर्विस परीक्षा में सफलता पाने वाले प्रथम भारतीय बने।

उत्तर—(b)

नीलदर्पण एक बंगाली नाटक है, जिसे दीनबंधु मित्र ने 1858-1859 ई. में लिखा। इसमें दीनबंधु मित्र ने नील बागान मालिकों के अत्याचारों का खुला चित्रण किया है। सत्येन्द्रनाथ टैगोर 1863 ई. में इंडियन सिविल सर्विस परीक्षा में सफलता पाने वाले प्रथम भारतीय बने। आनंदमठ की रचना बंकिमचंद्र चटर्जी ने 1882 ई. में की थी, जिसका कथानक संन्यासी विद्रोह (1763-1800 ई.) पर आधारित है। दयानंद सरस्वती (मूलशंकर) ने 7 अप्रैल, 1875 को बंबई (वर्तमान मुंबई) में आर्य समाज की स्थापना की, जिसका मुख्य उद्देश्य प्राचीन वैदिक धर्म की शुद्ध रूप से पुनः स्थापना करना था।

31. निम्नलिखित में से कौन-सा/से नदी तल में बहुत अधिक बालू खनन का/के संभावित परिणाम हो सकता है/सकते हैं?
- नदी की लवणता में कमी
 - भौमजल का प्रदूषण
 - भौम जलस्तर का नीचे चले जाना
- नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए-
- केवल 1
 - केवल 2 और 3
 - केवल 1 और 3
 - 1, 2 और 3

उत्तर—(b)

बालू खनन से नदियों का तंत्र प्रभावित होता है तथा इससे नदियों की खाद्य-शृंखला नष्ट होती है। सैंड-पंपों के कारण नदी की जैव-विविधता पर भी असर पड़ता है। बालू खनन से नदियों का प्रवाह-पथ प्रभावित होता है। इससे भू-कटाव बढ़ने से भूस्खलन जैसी आपदाओं की आवृत्ति में वृद्धि हो सकती है। नदियों में रेत खनन से निकटवर्ती क्षेत्रों का भू-जल स्तर बुरी तरह प्रभावित होता है साथ ही भू-जल प्रदूषित होता है। प्राकृतिक रूप से पानी को शुद्ध करने में बालू की बड़ी भूमिका होती है। बालू खनन के कारण नदियों की स्वतः जल को साफ कर सकने की क्षमता पर दुष्प्रभाव पड़ता है।

32. कृषि मृदाओं के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए -
- मृदा में कार्बनिक पदार्थ का उच्च अंश इसकी जल धारण क्षमता को प्रबंध रूप से कम करता है।
 - गंधक चक्र में मृदा की कोई भूमिका नहीं होती है।
 - कुछ समयावधि तक सिंचाई कुछ कृषि भूमियों के तवणीभवन में योगदान कर सकती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- केवल 1 और 2
- केवल 3
- केवल 1 और 3
- 1, 2 और 3

उत्तर—(b)

गुरुत्वीय जल (Gravitational Water) के रिस जाने के पश्चात मिट्टी में बचे हुए जल की अधिकतम मात्रा को मृदा जलधारिता/जलधारण क्षमता कहते हैं। मृदा में पाए जाने वाले कार्बनिक पदार्थ मृदा के कणों को अत्यधिक सघन बना देते हैं। जिस कारण मृदा की जल धारण क्षमता बढ़ जाती है। अतः कथन (1) गलत है। सल्फर, प्रोटीन, विटामिन व अमीनो एसिड का प्रमुख घटक है। यह सामान्यतः सल्फेट के रूप में मिट्टी और चट्टानों के रूप में पाया जाता है। पादप इसे सल्फेट के रूप में ग्रहण करते हैं। मृत जीवों के अपघटन द्वारा H₂S के ऑक्सीकरण से सल्फेट प्राप्त होते रहते हैं। इस प्रकार गंधक चक्र में मृदा की भूमिका प्रत्यक्ष रूप से है। अतः कथन (2) भी गलत है।

कुछ समयावधि तक सिंचाई के कारण लवण, भूमि की सतह पर आ जाता है और जल के वाष्पीकरण के पश्चात इसके अपशिष्ट सतह पर शेष रह जाते हैं। यह मृदा के ऊपरी परत में लवण को एकत्रित भी कर सकता है। इस प्रकार मृदा में अत्यधिक मात्रा में लवण का निर्माण होता है, जिसे लवणीभवन (Solinitization) कहा जाता है। अतः कथन (3) सही है। इस प्रकार विकल्प (b) सही उत्तर होगा।

33. हरित अर्थव्यवस्था पर कार्रवाई के लिए भागीदारी (पी.ए.जी.ई.), जो अपेक्षाकृत हरित एवं और अधिक समावेशी अर्थव्यवस्था की ओर देशों के संक्रमण में सहायता देने के लिए संयुक्त राष्ट्र की एक क्रियाविधि है, आविर्भूत हुई-
- जोहांसबर्ग में 2002 के संधारणीय विकास के पृथ्वी शिखर-सम्मेलन में
 - रियो डी जेनोरो में 2012 के संधारणीय विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में
 - पेरिस में 2015 में जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन में
 - नई दिल्ली में 2016 के विश्व संधारणीय विकास शिखर-सम्मेलन में

उत्तर—(b)

वर्ष 2012 में संयुक्त राष्ट्र सतत विकास सम्मेलन (रियो + 20) का आयोजन रियो डी जेनोरो, ब्राजील में किया गया। इसी सम्मेलन में हरित अर्थव्यवस्था की ओर संक्रमण में रुचि रखने वाले देशों को समर्थन प्रदान करने के लिए सरकारों आदि से कार्यवाही का आह्वान किया गया। इसी आह्वान पर संयुक्त राष्ट्र की प्रत्यक्ष प्रतिक्रिया के फलस्वरूप PAGE का सृजन किया गया।

34. "3D मुद्रण" का निम्नलिखित में से किसमें प्रयोग होता है?

1. मिष्टान्न की चीजें बनाने में
2. जैव-इलेक्ट्रॉनिकी कर्ण के निर्माण में
3. ऑटोमोटिव उद्योग में
4. पुनर्निर्माणकारी शल्यकर्म में
5. दत्त (डेटा) संसाधन प्रौद्योगिकियों में

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए-

- (a) केवल 1, 3 और 4 (b) केवल 2, 3 और 5
(c) केवल 1 और 4 (d) 1, 2, 3, 4 और 5

उत्तर—(d)

एक डिजिटल फाइल से त्रिविमीय टोस वस्तुओं के निर्माण की प्रक्रिया ही 3-डी प्रिंटिंग है। चॉकलेट, कैंडी इत्यादि के निर्माण में 3-डी प्रिंटिंग का प्रयोग किया जा रहा है। प्रिंसटन विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने 3-डी प्रिंटिंग के प्रयोग द्वारा बायोनिक कान का निर्माण किया है। अतः कथन (2) सत्य है।
कारों के पुर्जे इत्यादि के निर्माण में 3-डी प्रिंटिंग का प्रयोग सामान्य है। चेहरे की पुनर्निर्माणकारी शल्य क्रिया में भी 3-डी प्रिंटिंग का प्रयोग किया जा चुका है। कंप्यूटर के पुर्जे के निर्माण में 3-डी प्रिंटिंग का प्रयोग किया जाता है। ये पुर्जे डाटा प्रोसेसिंग में प्रयोग किए जाते हैं।

35. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. बैरेन द्वीप ज्वालामुखी एक सक्रिय ज्वालामुखी है, जो भारतीय राज्य-क्षेत्र में स्थित है।
2. बैरेन द्वीप, ग्रेट निकोबार के लगभग 140 किमी. पूर्व में स्थित है।
3. पिछली बार बैरेन द्वीप ज्वालामुखी में 1991 में उद्गार हुआ था और तब से यह निष्क्रिय बना हुआ है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 (b) 2 और 3
(c) केवल 3 (d) 1 और 3

उत्तर—(a)

बैरेन द्वीप बंगाल की खाड़ी के अंडमान सागर में पोर्ट ब्लेयर से लगभग 139 किमी. दूर उत्तर-पूर्व में स्थित है। यह भारत का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी है। अतः कथन (1) सही है।
बैरेन द्वीप तथा पोर्ट ब्लेयर के मध्य दूरी लगभग 139 किमी. है। पोर्ट ब्लेयर तथा ग्रेट निकोबार की दूरी लगभग 540 किमी. है। अतः बैरेन द्वीप एवं ग्रेट निकोबार की दूरी 140 किमी. से अधिक होगी। अतः कथन (2) गलत है।
बैरेन द्वीप लगभग 177 वर्ष निष्क्रिय रहने के पश्चात वर्ष 1991 में सक्रिय हुआ एवं इस द्वीप में वर्ष 1994-95 में पुनः उद्गार हुआ था। अतः कथन (3) गलत है। इस प्रकार विकल्प (a) सही होगा।

36. प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा नामक पादप प्रायः क्यों समाचारों में उल्लिखित होता है?

- (a) इसके सार का व्यापक रूप से प्रसाधन-सामग्रियों में उपयोग होता है।
(b) जिस क्षेत्र में यह उगता है वहां की जैव-विविधता को कम करने लगता है।
(c) इसके सार का उपयोग कीटनाशकों के संश्लेषण में किया जाता है।
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर—(b)

प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा मूलतः मेक्सिको, दक्षिण अमेरिका एवं कैरेबियन क्षेत्र का एक छोटा पौधा या झाड़ी है। यह पौधा भारत में 19वीं शताब्दी में लाया गया। इस पौधे को तमिल में सीमई करुवेलम तथा हिंदी में विलायती बबूल कहते हैं। ऐसा माना जा रहा है कि यह पौधा पर्यावरण के लिए हानिकारक है। विशेषज्ञों का कहना है कि इसकी जड़ें काफी गहराई तक जाती हैं और यह भूजल को बड़े पैमाने पर सोख रहा है। यह पौधा न केवल मिट्टी से जल सोखता है, बल्कि आस-पास के क्षेत्र में वायु की नमी को भी खत्म कर देता है, जिससे इसके निकट दूसरा पौधा ठीक से पनप नहीं पाता। यह पौधा वायुमंडल में विभिन्न जहरीले पदार्थों का उत्सर्जन करता है। स्पष्ट है कि यह जैव-विविधता के लिए एक खतरा है।

37. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. विश्व की सर्वाधिक प्रवाल भित्तियां उष्णकटिबंधीय सागर जलों में मिलती हैं।
2. विश्व की एक-तिहाई से अधिक प्रवाल भित्तियां ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया और फिलीपींस के राज्य-क्षेत्रों में स्थित हैं।
3. उष्णकटिबंधीय वर्षा वनों की अपेक्षा, प्रवाल भित्तियां कहीं अधिक संख्या में जंतु संघों का परपोषण करती हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर—(d)

प्रवाल भित्तियों का निर्माण सागरीय जीव मूंगे या कोरल पालिप (Coral Polyps) के अस्थिपंजरों के समेकन तथा संयोजन द्वारा होता है। प्रवाल भित्ति का निर्माण 25° उ. से 25° द. अक्षांशों के मध्य उष्णकटिबंधीय महासागरों में किसी तट या द्वीप के सहारे होता है। अतः कथन (1) सही है।
Reef Base : A Global Information System for Coral reef के अनुसार, विश्व में कुल प्रवाल भित्ति के क्षेत्रफल का लगभग 19

प्रतिशत ऑस्ट्रेलिया में एवं 17 प्रतिशत इंडोनेशिया में है। इस प्रकार कहा जा सकता है कि विश्व की एक-तिहाई से अधिक प्रवाल भित्तियाँ ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया एवं फिलीपींस के राज्य क्षेत्रों में स्थित हैं। अतः कथन (2) सही है।

प्रवाल भित्तियों में उष्णकटिबंधीय सदाबहार वर्षा वनों की अपेक्षा अधिक विविधता पाई जाती है क्योंकि प्रवाल की लगभग 1000,000 प्रजातियाँ हैं, जिनमें से केवल 10 प्रतिशत प्रजातियों का ही अध्ययन किया जा सका है। इसी कारण प्रवाल को सामुद्रिक वर्षा वन (Rain forest of the Oceans) कहा जाता है। अतः कथन (3) सही है। इस प्रकार विकल्प (d) सही उत्तर है।

38. "मोमेंटम फॉर चेंज : क्लाइमेट न्यूट्रल नाउ" यह पहल किसके द्वारा प्रवर्तित की गई है?

- जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी पैनेल
- UNEP सचिवालय
- UNFCCC सचिवालय
- विश्व मौसम विज्ञान संगठन

उत्तर—(c)

संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सचिवालय (UNFCCC सचिवालय) ने 'मोमेंटम फॉर चेंज : क्लाइमेट न्यूट्रल नाउ' नामक एक नई पहल को लांच किया है, जो जलवायु तटस्थता (Climate Neutrality) की ओर संक्रमण में वास्तविक परिणाम प्राप्त करने वाले व्यक्तियों, कंपनियों तथा सरकारों के प्रयासों को दर्शाएगी।

39. भारत में औपनिवेशिक शासन के दौरान शैक्षणिक संस्थाओं के संदर्भ में, निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए -

(संस्थान) (संस्थापक)

- बनारस का संस्कृत कॉलेज - विलियम जोन्स
- कलकत्ता मदरसा - वॉरेन हेस्टिंग्स
- फोर्ट विलियम कॉलेज - आर्थर वेलेजली

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

- 1 और 2
- केवल 2
- 1 और 3
- केवल 3

उत्तर—(b)

युग्मों का सही सुमेलन इस प्रकार है-

- बनारस का संस्कृत कॉलेज - जोनाथन डंकन (1791 ई.)
 - कलकत्ता मदरसा - वॉरेन हेस्टिंग्स (1781 ई.)
 - फोर्ट विलियम कॉलेज - रिचर्ड कोले वेलेजली (1800 ई.)
- अतः विकल्प (b) सही उत्तर होगा।

40. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए -
क्षेत्र जो कभी-कभी देश
समाचारों में उल्लिखित होते हैं

- केटालोनिया - स्पेन
- क्रीमिया - हंगरी
- मिंडानाओ - फिलीपींस
- ओरोमिया - नाइजीरिया

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-से सही सुमेलित हैं?

- 1, 2 और 3
- केवल 3 और 4
- केवल 1 और 3
- केवल 2 और 4

उत्तर—(c)

केटालोनिया, स्पेन का एक स्वायत्त समुदाय है। रूस जहां क्रीमिया को रूसी संघ के एक अंग के रूप में मान्यता देता है, वहीं यूक्रेन यह दावा करता है कि क्रीमिया उसका अभिन्न अंग है। क्रीमिया के दावे को अधिकतर विदेशी सरकारों तथा संयुक्त राष्ट्र महासभा के संकल्प 68/262 का समर्थन प्राप्त है। मिंडानाओ, फिलीपींस का दूसरा सबसे बड़ा द्वीप है। ओरोमिया, इथियोपिया का एक क्षेत्रीय राज्य है। स्पष्ट है युग्म (1) एवं (3) सही सुमेलित हैं।

41. भारतीय क्षेत्रीय-संचालन उपग्रह प्रणाली (इंडियन रीजनल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम/IRNSS) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

- IRNSS के तुल्यकाली (जियोस्टेशनरी) कक्षाओं में तीन उपग्रह हैं और भूतुल्यकाली (जियोसिंक्रोनस) कक्षाओं में चार उपग्रह हैं।
- IRNSS की ब्याप्ति संपूर्ण भारत पर और इसकी सीमाओं के लगभग 5500 वर्ग किमी. बाहर तक है।
- 2019 के मध्य तक भारत की, पूर्ण वैश्विक व्याप्ति के साथ अपनी उपग्रह संचालन प्रणाली होगी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- केवल 1
- केवल 1 और 2
- केवल 2 और 3
- कोई नहीं

उत्तर—(a)

भारतीय क्षेत्रीय नौवहन उपग्रह प्रणाली (IRNSS) भारत द्वारा विकसित स्वतंत्र क्षेत्रीय नौवहन उपग्रह प्रणाली है। यह प्रणाली भारतीय उपयोगकर्ताओं के साथ ही भारतीय सीमा के बाहर 1500 किमी. के दायरे में आने वाले सभी क्षेत्रों में सटीक स्थिति संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए डिजाइन की गई है। अप्रैल, 2016 में इस प्रणाली के 7वें उपग्रह IRNSS-IG के सफल प्रमोचन के

पश्चात भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने IRNSS को नाविक (Navic) नाम दिया था।

इस प्रणाली के 7 उपग्रहों में से तीन उपग्रहों को उपयुक्त भूस्थिर कक्षा में तथा शेष 4 उपग्रहों को दो विभिन्न तलों पर विषुवत रेखा समपार और अपेक्षित झुकाव के साथ भू-समकालिक कक्षाओं में स्थापित किया गया है।

भारतीय उपग्रह नौवहन प्रणाली एक क्षेत्रीय प्रणाली है तथा वर्ष 2019 तक इनका पूर्ण वैश्विक विस्तार प्रस्तावित नहीं है। स्पष्ट है कि कथन (1) सत्य है परंतु कथन (2) तथा (3) असत्य हैं।

42. निम्नलिखित परिघटनाओं पर विचार कीजिए -

1. प्रकाश, गुरुत्व द्वारा प्रभावित होता है।
2. ब्रह्माण्ड लगातार फैल रहा है।
3. पदार्थ अपने चारों ओर के दिक्काल को विकुंचित (वार्प) करता है।

उपर्युक्त में से एल्वर्ट आइंस्टाइन के आपेक्षिकता के सामान्य सिद्धांत का/के भविष्यकथन कौन-सा/से है/हैं, जिसकी/जिनकी प्रायः समाचार माध्यमों में विवेचना होती है?

- (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर—(d)

विशालकाय पिण्डों जैसे न्यूट्रॉन तारों तथा ब्लैक होल से होकर गुजरने के दौरान प्रकाश में झुकाव उत्पन्न होता है। अतः कथन (1) सत्य है। आइंस्टाइन के भविष्यकथन के अनुरूप खगोलविदों ने पाया है कि ब्रह्माण्ड का लगातार समय के साथ तेजी से विस्तार हो रहा है। पदार्थ (ग्रह एवं तारे) अपने चारों ओर के दिक्काल में विकुंचित करते हैं, अतः कथन (3) सत्य है।

43. भारत में विकसित आनुवंशिकतः रूपांतरित सरसों (जेनेटिकली मॉडिफाइड सरसों/ GM सरसों) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. GM सरसों में मृदा जीवाणु के जीन होते हैं, जो पादप को अनेक किस्मों के पीड़कों के विरुद्ध पीड़क-प्रतिरोध का गुण देते हैं।
2. GM सरसों में वे जीन होते हैं, जो पादप में पर-परागण और संकरण को सुकर बनाते हैं।
3. GM सरसों का विकास IARI और पंजाब कृषि विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 3 (b) केवल 2
(c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर—(b)

दिल्ली विश्वविद्यालय के 'सेंटर फॉर जेनेटिक मैनीपुलेशन ऑफ क्रॉप प्लांट्स' के वैज्ञानिकों ने GM सरसों का विकास किया है। जिसमें एक मृदा जीवाणु से दो जीन (barnase & barstar) प्रविष्ट कराए गए हैं, जो इसमें पर-परागण एवं संकरण को सुकर बनाते हैं।

44. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए -

कभी-कभी समाचारों संदर्भ/विषय
में आने वाले शब्द

1. बेल II प्रयोग - कृत्रिम बुद्धि
 2. ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी - डिजिटल/क्रिप्टो मुद्रा
 3. CRISPR - Cas9 - कण भौतिकी
- उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?
- (a) केवल 1 और 3 (b) केवल 2
(c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर—(b)

बेल II प्रयोग कण भौतिकी का एक प्रयोग है, जिसे B मेसॉन के गुणों के अध्ययन हेतु डिजाइन किया गया है। यह प्रयोग वर्तमान में जापान में संचालित किया जा रहा है। अतः युग्म 1 सुमेलित नहीं है। ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी क्रिप्टो करेंसी से संबंधित है। अतः युग्म (2) सुमेलित है। CRISPR-Cas9 जीनोम एडिटिंग तकनीक है, जो ऐसी पूर्व तकनीकों की तुलना में तीव्र, सस्ती तथा सटीक है। स्पष्ट है कि युग्म (3) सुमेलित नहीं है।

45. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा 'कार्बन निषेचन' (कार्बन फर्टिलाइजेशन) को सर्वोत्तम वर्णित करता है?

- (a) वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की बढ़ी हुई सांद्रता के कारण बढ़ी हुई पादप वृद्धि
- (b) वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की बढ़ी हुई सांद्रता के कारण पृथ्वी का बढ़ा हुआ तापमान
- (c) वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की बढ़ी हुई सांद्रता के परिणामस्वरूप महासागरों की बढ़ती हुई अम्लता
- (d) वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की बढ़ी हुई सांद्रता के द्वारा हुए जलवायु परिवर्तन के अनुरूप पृथ्वी पर सभी जीवधारियों का अनुकूलन

उत्तर—(a)

कार्बन डाइऑक्साइड (CO₂) अन्य ग्लोबल वार्मिंग ग्रीन हाउस गैसों के विपरीत पौधों के विकास के लिए संभावित रूप से फायदेमंद प्रभाव डालता है। क्योंकि पौधे अपनी ऊर्जा तथा वृद्धि के लिए कार्बोहाइड्रेट के निर्माण हेतु सूर्य के साथ वायु में कार्बन डाइऑक्साइड का उपयोग करते हैं। संभावित रूप में परिवेश में कार्बन डाइऑक्साइड

की वृद्धि ही 'कार्बन निषेचन' (Carbon Fertilization) कहलाता है। अतः विकल्प (a) "वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की बढ़ी हुई सांद्रता के कारण बढ़ी हुई पादप वृद्धि" 'कार्बन निषेचन' को सर्वोत्तम वर्णित करता है।

46. जब सुबह आपके स्मार्ट फोन का अलार्म बजता है, तो आप उठ जाते हैं और अलार्म को बंद करने के लिए उसे थपकी देते हैं, जिससे आपका गीजर स्वतः ही चल पड़ता है। आपके स्नानागार में लगा स्मार्ट दर्पण दिन के मौसम को दर्शाता है और आपकी ऊपरी टंकी में पानी के स्तर का भी संकेत देता है। जब आप नाश्ता बनाने के लिए अपने रेफ्रिजरेटर से कुछ किराना-सामान निकाल लेते हैं, यह इसमें भंडारित सामान में आई कमी को जान लेता है और ताजे किराना-समानों की पूर्ति के लिए क्रयादेश दे देता है। जब आप घर से बाहर कदम रखते हैं और दरवाजे पर ताला लगाते हैं, तब सभी बत्तियां, पंखे, गीजर और ए.सी. मशीनें स्वतः बंद हो जाती हैं। आपके कार्यालय के रास्ते पर, आपकी कार आगे आने वाले यातायात की भीड़ के बारे में आपको चेतावनी देती है और वैकल्पिक रास्ते का सुझाव देती है, और यदि आपको किसी बैठक के लिए देर हो रही है, तो यह उसके अनुसार आपके कार्यालय में संदेश भेज देती है।

इन आविर्भूत होती हुई संचार प्रौद्योगिकियों के संदर्भ में, उपर्युक्त परिदृश्य के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा पद सबसे उपयुक्त रूप से लागू होता है?

- (a) बॉर्डर गेटवे प्रोटोकॉल
- (b) इंटरनेट ऑफ थिंग्स
- (c) इंटरनेट प्रोटोकॉल
- (d) वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क

उत्तर—(b)

इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IOT) भौतिक उपकरणों, वाहनों, घरेलू उपकरणों आदि का एक नेटवर्क है, जो इन उपकरणों को आपस में संबद्ध करके डाटा के विनिमय में सक्षम बनाता है। IOT उपकरणों की सहायता से गृह स्वचालनीकरण (Home Automation) संभव होता है तथा सुदूर निगरानी समताएं (Remote Monitoring Capabilities) उपलब्ध हो जाती हैं।

47. भारत में सौर ऊर्जा उत्पादन के संदर्भ में, नीचे दिए गए कथनों पर विचार कीजिए -

1. भारत प्रकाश-वोल्टीय इकाइयों में प्रयोग में आने वाले सिलिकॉन वेफर्स का दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है।

2. सौर ऊर्जा शुल्क का निर्धारण भारतीय सौर ऊर्जा निगम के द्वारा किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर—(d)

2016 IITA सेमीकंडक्टर और सेमीकंडक्टर मैनुफैक्चरिंग इक्विपमेंट टॉप मार्केट रिपोर्ट के अनुसार, भारत सिलिकॉन वेफर्स (Semi Conductor) के उत्पादन रैंकिंग में 11वें स्थान पर है। प्रथम तीन स्थानों पर क्रमशः चीन, जापान एवं द. कोरिया हैं। भारतीय सौर ऊर्जा निगम (सेकी), नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र का एक निगम है। इसका उद्देश्य भारत और विदेश में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के विकास और कार्यान्वयन के संबंध में एक एकीकृत कार्यक्रम के लिए योजना बनाना और निष्पादन करना है। भारत में सौर ऊर्जा शुल्क का निर्धारण केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग (CERC) और राज्य विद्युत विनियामक आयोग (SERC) द्वारा प्रतिस्पर्धी बोली (Competitive bidding) द्वारा किया जाता है।

48. 18वीं शताब्दी के मध्य इंग्लिश ईस्ट इंडिया कंपनी के द्वारा बंगाल से निर्यातित प्रमुख पण्यपदार्थ (स्टेपल क्मोडिटीज) क्या थे?

- (a) अपरिष्कृत कपास, तिलहन और अफीम
- (b) चीनी, नमक, जस्ता और सीसा
- (c) तांबा, चांदी, सोना, मसाले और चाय
- (d) कपास, रेशम, शोरा और अफीम

उत्तर—(d)

ब्रिटिश भारतीय क्षेत्र को ब्रिटेन के लिए खाद्य सामग्री और कच्चे माल के स्रोत के रूप में विकसित किया गया था, जिसने अपने विनिर्माण क्षेत्र में तेजी से वृद्धि को बढ़ावा दिया, जो एक शक्तिशाली पूंजीवादी अर्थव्यवस्था के उद्भव के लिए महत्वपूर्ण था। 18वीं शताब्दी के मध्य इंग्लिश ईस्ट इंडिया कंपनी के द्वारा बंगाल से निर्यातित प्रमुख पदार्थों में अफीम (Opium), अनाज (grain), शोरा (Saltpetre), हथियार (Fire arms), रेशम (Silk), कपास (Cotton) और सामान के छोटे टुकड़े (Piece of goods) शामिल थे।

49. निम्नलिखित में से कौन-सा एक चंपारण सत्याग्रह का अति महत्वपूर्ण पहलू है?

- (a) राष्ट्रीय आंदोलन में अखिल भारतीय स्तर पर अधिवक्ताओं, विद्यार्थियों और महिलाओं की सक्रिय सहभागिता

- (b) राष्ट्रीय आंदोलन में भारत के दलित और आदिवासी समुदायों की सक्रिय भागीदारी
- (c) भारत के राष्ट्रीय आंदोलन में किसान असंतोष का सम्मिलित होना
- (d) रोपण फसलों तथा वाणिज्यिक फसलों की खेती में भारी गिरावट

उत्तर—(c)

19वीं सदी के आरंभ में गोरे बागान मालिकों ने चंपारण (बिहार) के किसानों से एक अनुबंध के आधार पर यह विनिश्चित करा लिया था कि उन्हें अपनी जमीन के 3/20वें भू-भाग में नील की खेती करना अनिवार्य है। जिसको 'तिनकठिया पद्धति' के नाम से जाना जाता था। वर्ष 1917 में राजकुमार शुक्ल के आग्रह पर महात्मा गांधी ने चंपारण सत्याग्रह की शुरुआत की जिसके बाद यह अनुबंध समाप्त कर दिया गया।

50. निम्नलिखित में से कौन 1948 में स्थापित "हिंदू मजदूर सभा" के संस्थापक थे?

- (a) बी. कृष्ण पिल्लई, ई.एम.एस. नम्बूदिरिपाद और के.सी. जॉर्ज
- (b) जय प्रकाश नारायण, दीन दयाल उपाध्याय और एम.एन. रॉय
- (c) सी.पी. रामास्वामी अय्यर, के. कामराज और वीरेशलिंगम पंतुलु
- (d) अशोक मेहता, टी.एस. रामानुजम और जी.जी. मेहता

उत्तर—(d)

हिंदू मजदूर सभा (HMS) की स्थापना 24-26 दिसंबर, 1948 के मध्य ट्रेड यूनियन सम्मेलन के दौरान कलकत्ता में हुई थी। इस सम्मेलन में भारतीय मजदूर संघ (IFL, 1941 में स्थापित), हिंदू मजदूर पंचायत (HMP, 1948 में स्थापित), फॉरवर्ड ब्लॉक के संघों (सुभाष चंद्र बोस द्वारा स्थापित पार्टी) और शीर्ष स्वतंत्र व्यापार संघों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। संस्थापक सम्मेलन में रामचंद्र सखाराम रुइकर को प्रथम अध्यक्ष तथा अशोक मेहता को महासचिव चुना गया। जी.जी. मेहता और वी.एस. माथुर को सचिव चुना गया। मणिबेन कारा और टी.एस. रामानुजम को HMS का उपाध्यक्ष तथा आर.ए. खेदगीकार को कोषाध्यक्ष चुना गया था।

51. भारत की धार्मिक प्रथाओं के संदर्भ में "स्थानकवासी" संप्रदाय का संबंध किससे है?

- (a) बौद्ध मत (b) जैन मत
- (c) वैष्णव मत (d) शैव मत

उत्तर—(b)

स्थानकवासी भारत के श्वेतांबर जैनों का एक आधुनिक संप्रदाय है। स्थानकवासी मूल समूह से इस अर्थ में भिन्न है कि वह मूर्ति पूजा एवं मंदिर के आचार को अस्वीकार करते हैं। इस संप्रदाय की स्थापना 17वीं सदी में लौकाशाह के नेतृत्व में हुई थी, जो पहले 'लुपांक' या 'लौकागच्छ' कहलाने वाले अमूर्ति पूजक संप्रदाय के सदस्य थे। लुपांक तथा लौकागच्छ दोनों समूहों की आस्था इस तर्क पर आधारित थी कि जैन धर्मशास्त्र में मूर्ति पूजा का उल्लेख नहीं है। स्थानकवासी संज्ञा मंदिर के बजाय मुनियों के ठहरने के स्थान (स्थानक), जैसे- लौकिक स्थलों पर धार्मिक कर्तव्यों के निष्पादन को प्राथमिकता देने के कारण आई है। इस समूह को कभी-कभी 'दूँढिया' (खोजने वाला) भी कहते हैं।

52. भारत के सांस्कृतिक इतिहास के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. फतेहपुर सीकरी स्थित बुलंद दरवाजा तथा खानकाह के निर्माण में सफेद संगमरमर का प्रयोग हुआ था।
2. लखनऊ स्थित बड़ा इमामबाड़ा और रुमी दरवाजा के निर्माण में लाल-बलुआ पत्थर और संगमरमर का प्रयोग हुआ था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर—(a)

फतेहपुर सीकरी स्थित विश्व का सबसे बड़ा प्रवेश द्वारा माने जाने वाले बुलंद दरवाजा के निर्माण में लाल बलुआ पत्थर का प्रयोग किया गया है, जिसे सफेद संगमरमर से सजाया गया है। इसका निर्माण सम्राट अकबर ने गुजरात विजय की स्मृति 1601 ई. में कराया था। खानकाह के निर्माण में भी सफेद संगमरमर का प्रयोग हुआ था। लखनऊ स्थित बड़ा इमामबाड़ा और रुमी दरवाजा का निर्माण आसफउद्दौला ने कराया था। इमामबाड़े का केंद्रीय कक्ष लगभग 50 मीटर लंबा और 16 मीटर चौड़ा है। स्तंभहीन इस कक्ष की छत 15 मीटर से अधिक ऊंची है। यह कक्ष लकड़ी, लोहे या पत्थर के बीम के बाहरी सहारे के बिना खड़ी विश्व की अपने आप में सबसे बड़ी रचना है। इसकी छत की किसी बीम या गर्डर के उपयोग के बिना ईंटों को आपस में जोड़कर खड़ा किया गया है। इसके निर्माण में पत्थर और संगमरमर के स्थान पर ईंटों और चूने का प्रयोग किया गया है।

53. निम्नलिखित विदेशी यात्रियों में से किसने भारत के हीरों और हीरे की खदानों की विस्तृत रूप से चर्चा की?

- (a) फ्रांस्वा बर्नियर (b) ज्यां-बैप्टिस्ट टेवर्नियर

(c) ज्यां द थेवेनो

(d) एबे बार्थलेमी कारे

उत्तर—(b)

ज्यां-बैटिस्ट टेवर्नियर (1605-1689ई.) सत्रहवीं शताब्दी के सर्वाधिक ख्याति प्राप्त विदेशी यात्रियों में से एक था। कर्म से यह जौहरी था, किंतु साथ ही एक अनुभवी और साहसिक यात्री भी था। यह मुगल बादशाह शाहजहां के शासनकाल में भारत आया था। पूर्व दिशा की ओर उसने सात यात्राएं की, जिनमें से 6 बार की यात्राएं हिंदुस्तान के लिए थीं। टेवर्नियर ने ही प्रसिद्ध भारतीय हीरे 'कोहिनूर' के संबंध में जानकारी दी थी साथ ही इन्होंने हीरे की खदानों, जवाहरात तथा मोतियों के बारे में अत्यंत महत्वपूर्ण और विशुद्ध विवरण प्रदान किए हैं।

54. भारतीय इतिहास के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन भावी बुद्ध है, जो संसार की रक्षा हेतु अवतरित होंगे?

(a) अवलोकितेश्वर

(b) लोकेश्वर

(c) मैत्रेय

(d) पद्मपाणि

उत्तर—(c)

बौद्ध मान्यताओं के अनुसार, मैत्रेय (संस्कृत) एक बोधिसत्व है, जो पृथ्वी पर भविष्य में अवतरित होंगे और बुद्धत्व प्राप्त करेंगे तथा विशुद्ध धर्म की शिक्षा देंगे। मैत्रेय के अवतरण की भविष्यवाणी ऐसे समय के लिए की गई है, जब इस लोक में अनैतिकता - अनाचार इतना बढ़ जाएगा कि मानव जीवन असुरक्षित होता दिखेगा, सुरक्षा के लिए लोग झुंझ-झुंझ भटकेंगे। सर्वत्र त्राहि-त्राहि मच जाएगी और मानव जीवन संघर्षमय बनता दिखेगा। ऐसे आपातकाल में 'बोधिसत्व मैत्रेय' इस भूतल पर भविष्य के बुद्ध के रूप में अवतार लेंगे। वह पुनः बौद्ध धर्म की संस्थापना करेंगे और सभी मानवों को सुख, शांति एवं समृद्धि प्रदान करेंगे।

55. लॉर्ड वेलेजली द्वारा लागू की गई सहायक संधि व्यवस्था के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन लागू नहीं होता?

(a) दूसरों के खर्च पर एक बड़ी सेना बनाए रखना

(b) भारत को नेपोलियन के खतरे से सुरक्षित रखना

(c) कंपनी के लिए एक नियत आय का प्रबंध करना

(d) भारतीय रियासतों के ऊपर ब्रिटिश सर्वोच्चता स्थापित करना

उत्तर—(c)

लॉर्ड वेलेजली ने भारतीय राज्यों को अंग्रेजी राजनैतिक परिधि में लाने के लिए सहायक संधि प्रणाली का प्रयोग किया। उस समय फ्रांस के विरुद्ध यूरोपीय शक्तियों का बना हुआ मोर्चा छिन्न-भिन्न हो चुका था। नेपोलियन मिस्र तथा सीरिया को विजित कर चुका था।

और गंभीरतापूर्वक भारत पर आक्रमण करने की सोच रहा था। ऐसी परिस्थिति में वेलेजली ने भारत में सहायक संधि प्रणाली का प्रयोग किया, जिससे अंग्रेजी सत्ता की श्रेष्ठता स्थापित हो गई और नेपोलियन का भय भी टल गया। सहायक संधि की शर्तों में एक शर्त यह भी थी कि संधि को स्वीकार करने वाली रियासत कंपनी की एक सेना को रखेगा जिसका सारा खर्च राज्य को देना होगा। इस सेना को चलाने का अधिकार केवल कंपनी को होगा। सहायक संधि को स्वीकार करने वाला राज्य किसी भी यूरोपीय या अंग्रेजों के दुश्मनों की सहायता नहीं करेगा और उनके किसी भी व्यक्ति को नौकरी नहीं देगा। लॉर्ड वेलेजली द्वारा विशिष्ट रूप से परिवर्तित सहायक संधि को स्वीकार करने वाला प्रथम राज्य हैदराबाद था।

56. निम्नलिखित में से कौन-सा एक कथन वैध मुद्रा (लीगल टेंडर मनी) के अर्थ को सही वर्णित करता है?

(a) न्यायालय में विधिक मामलों के लिए फीस के चुकाने में जो मुद्रा दी जाती है।

(b) वह मुद्रा जो कोई ऋणदाता अपने दावों के निपटाने में स्वीकार करने के लिए बाध्य होता है

(c) चेक, ड्राफ्ट, विनिमय बिलों आदि के रूप में बैंक मुद्रा

(d) किसी देश में चलन में धातु मुद्रा

उत्तर—(b)

वैध मुद्रा (Legal Tender Money) वह मुद्रा (सिकके एवं बैंक नोट) होती है, जिसे भुगतान हेतु सरकार की मान्यता प्राप्त होती है। अर्थात् प्रत्येक व्यक्ति के लिए इसे स्वीकार करना कानूनी रूप से बाध्यकारी होता है। कोई भी ऋणदाता चाहे सरकार हो अथवा निजी व्यक्ति को अपने ऋणों का पुनर्भुगतान वैध मुद्रा में अनिवार्यतः स्वीकार करना होता है।

यद्यपि किसी देश में चलन में धातु मुद्रा को वैध मुद्रा माना जा सकता है तथापि यह वैध मुद्रा की पूरी ब्याख्या नहीं करता है, क्योंकि वैध मुद्रा के अंतर्गत प्रचलन में धातु एवं पत्र दोनों मुद्राएं आती हैं।

57. यदि सरकार द्वारा कोई वस्तु जनता को निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती है, तो -

(a) विकल्प लागत शून्य होती है।

(b) विकल्प लागत की उपेक्षा की जाती है।

(c) विकल्प लागत को उत्पाद के उपभोक्ता से कर देने वाली जनता को अंतरित कर दिया जाता है।

(d) विकल्प लागत को उत्पाद के उपभोक्ता से शासन को अंतरित कर दिया जाता है।

उत्तर—(c)

विकल्प अवसर लागत से अभिप्राय उस सर्वश्रेष्ठ विकल्प से है, जिसे किसी एक काम के बदले छोड़ दिया जाता है। सरल शब्दों में यदि एक बढ़ई एक दिन में या तो एक मेज अथवा दो कुर्सी बना पाता है, तो एक मेज की अवसर लागत दो कुर्सी होगी क्योंकि यदि वह एक मेज को बनाने का विकल्प चुनता है, तो वह दो कुर्सी के विकल्प का त्याग करता है। निःशुल्क वस्तु का विकल्प लागत शून्य होता है क्योंकि उसके बदले कुछ भी त्याग नहीं करना होता है, जैसे हवा, प्रकाश, जल आदि। परंतु यदि सरकार कोई वस्तु निःशुल्क उपलब्ध करवाती है, तो इसे प्राप्त करने वाले उपभोक्ताओं के लिए उस वस्तु की विकल्प लागत तो शून्य होगी परंतु इस वस्तु की कीमत की भरपाई करदाताओं से कर वसूली के द्वारा होगी। इस तरह सरकार द्वारा निःशुल्क प्रदान की गई वस्तु के संदर्भ में विकल्प लागत को वस्तु को प्राप्त करने वाले उपभोक्ता से कर देने वाली जनता को अंतरित (Transfer) कर दिया जाता है।

58. निरपेक्ष तथा प्रति व्यक्ति वास्तविक GNP की वृद्धि आर्थिक विकास की ऊंची दर का संकेत नहीं करती, यदि -

- औद्योगिक उत्पादन कृषि उत्पादन के साथ-साथ बढ़ने में विफल रह जाता है।
- कृषि उत्पादन औद्योगिक उत्पादन के साथ-साथ बढ़ने में विफल रह जाता है।
- निर्धनता और बेरोजगारी में वृद्धि होती है।
- निर्यातों की अपेक्षा आयात तेजी से बढ़ते हैं।

उत्तर—(c)

सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) तथा प्रति व्यक्ति GNP में वृद्धि को आमतौर पर आर्थिक संवृद्धि (Growth) से जोड़कर देखा जाता है, परंतु यह आर्थिक विकास (Development) की सही तस्वीर तब तक प्रस्तुत नहीं करता है जब तक कि इसका प्रभाव सभी व्यक्तियों पर सकारात्मक रूप से न पड़े। यदि GNP अथवा प्रतिव्यक्ति GNP में वृद्धि के साथ-साथ अर्थव्यवस्था में बेरोजगारी और निर्धनता बढ़ रही हो, तो इसका तात्पर्य यह है कि अर्थव्यवस्था में आय का संकेंद्रण कुछ ही लोगों के पास हो रहा है। इसे अर्थव्यवस्था में उच्च आर्थिक विकास नहीं माना जा सकता है क्योंकि इससे सभी लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार नहीं होता है।

59. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

एक संकल्पना के रूप में मानव पूंजी निर्माण की बेहतर व्याख्या उस प्रक्रिया के रूप में की जाती है, जिसके द्वारा -

- किसी देश के व्यक्ति अधिक पूंजी का संचय कर पाते हैं।
- देश के लोगों के ज्ञान, कौशल स्तरों और क्षमताओं में वृद्धि हो पाती है।

3. गोचर धन का संचय हो पाता है।

4. अगोचर धन का संचय हो पाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- 1 और 2
- केवल 2
- 2 और 4
- 1, 3 और 4

उत्तर—(c)

मानव पूंजी निर्माण का तात्पर्य देश के लोगों में कौशल संवर्धन तथा उनकी समझ एवं क्षमताओं के विस्तार से है। किसी देश के लोगों को सामान्य श्रमिक से एक अधिक दक्ष एवं कुशल व्यक्ति के रूप में रूपांतरित करने हेतु उसे शिक्षण एवं प्रशिक्षण प्रदान करने की प्रक्रिया को ही मानव पूंजी निर्माण की प्रक्रिया कहा जाता है। मानव पूंजी निर्माण से देश में अगोचर संपत्तियों (ज्ञान, नैतिकता, बौद्धिक संपदा आदि) का संचयन होता है। यद्यपि मानव पूंजी निर्माण से गोचर संपत्तियां भी बढ़ती हैं और व्यक्ति अधिक पूंजी का संचय कर पाने में समर्थवान भी हो जाते हैं परंतु यह मानव पूंजी निर्माण की प्रक्रिया न होकर उसका परिणाम है। अतः प्रश्न के संदर्भ में केवल कथन (2) और (4) सही हैं।

60. उच्च बचत वाली अर्थव्यवस्था होते हुए भी किस कारण पूंजी निर्माण महत्वपूर्ण उत्पादन वृद्धि में परिणामित नहीं हो पाता है?

- कमजोर प्रशासन तंत्र
- निरक्षरता
- उच्च जनसंख्या घनत्व
- उच्च पूंजी-उत्पाद अनुपात

उत्तर—(d)

पूंजी-उत्पाद अनुपात (Capital- Output Ratio) किसी अर्थव्यवस्था में एक इकाई उत्पादन हेतु आवश्यक पूंजी की मात्रा को दर्शाता है। जब किसी अर्थव्यवस्था का पूंजी-उत्पाद अनुपात अधिक होता है, तो इसका अर्थ यह होता है कि उत्पादन प्रक्रिया कम दक्ष है। अर्थात् एक इकाई के उत्पादन हेतु अधिक पूंजी का उपयोग होता है। इसके विपरीत निम्न पूंजी-उत्पाद अनुपात उत्पादन प्रक्रिया की दक्षता को दर्शाता है क्योंकि अब कम पूंजी के प्रयोग द्वारा ही एक इकाई उत्पादित की जा सकती है। यदि अर्थव्यवस्था में उच्च पूंजी उत्पाद अनुपात है, तो उस अर्थव्यवस्था में अधिक बचत तथा अधिक निवेश से भी अत्यधिक उत्पादन प्राप्त नहीं हो पाता है क्योंकि प्रत्येक इकाई के उत्पादन में अधिक पूंजी निवेशित करना होता है।

61. संथाल विद्रोह के शांत हो जाने के बाद, औपनिवेशिक शासन द्वारा कौन-सा/से उपाय/किए गए?

- 'संथाल परगना' नामक राज्य क्षेत्रों का सृजन किया गया।

2. किसी संथाल का गैर-संथाल को भूमि अंतरण करना गैर-कानूनी हो गया।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए-

- (a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर—(c)

1855-56 ई. का संथाल विद्रोह बिहार एवं उड़ीसा का एक प्रसिद्ध आदिवासी आंदोलन था। यह विद्रोह 1856 ई. तक जारी रहा और अंग्रेज सरकार एक बड़ी सैन्य कार्रवाई के बाद इस विद्रोह को दबाने में सफल रही। अंग्रेज सरकार ने अलग संथाल परगना की मांग को मानकर क्षेत्र में शांति स्थापित की। इसके बाद 1885 ई. में भागलपुर और वीरभूम का बंटवारा कर संथाल परगना जिला बनाया गया। साथ ही किसी संथाल आदिवासी का गैर-संथाल को भूमि अंतरण गैर-कानूनी हो गया। झारखंड में जमीन की खरीद-फरोख्त हेतु सीएनटी (छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम), एसपीटीए (संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम) और शिड्युल रेगुलेशन एक्ट प्रभावी है।

62. आर्थिक तौर पर, 19वीं शताब्दी में भारत पर अंग्रेजी शासन का एक परिणाम था-

- (a) भारतीय हस्त-शिल्पों के निर्यात में वृद्धि
(b) भारतीयों के स्वामित्व वाले कारखानों की संख्या में वृद्धि
(c) भारतीय कृषि का वाणिज्यीकरण
(d) नगरीय जनसंख्या में तीव्र वृद्धि

उत्तर—(c)

1813 ई. के चार्टर एक्ट द्वारा ईस्ट इंडिया कंपनी का व्यापारिक एकाधिकार समाप्त करके मुक्त व्यापार नीति अपनाई गई। इंग्लैंड में औद्योगिक क्रांति उफान पर थी, अतः इंग्लैंड को अपने उद्योगों के लिए सस्ते माल की आवश्यकता थी। इस प्रकार भारत कच्चे माल का उत्पादन करने वाला देश बनकर रह गया। इसके अतिरिक्त भारत में पूंजीवादी व्यवस्था के बढ़ने के साथ-साथ नई लगान नीति के कारण किसान को अब नकद राशि की आवश्यकता थी। इसलिए किसान भी उन फसलों को उगाने के लिए विवश हुए जिनका बाजार में क्रय-विक्रय हो सके। जबकि इससे पूर्व किसान केवल उन्हीं फसलों को उगाता था जिनकी खपत स्थानीय स्तर पर होती थी। चाय, रबर, कॉफी, नील, रेशम, जूट और तंबाकू जैसी वाणिज्यिक फसलों के उत्पादन की शुरुआत हो गई, जो ब्रिटिश पूंजीवाद की पहली पसंद थी। इन फसलों के लिए उन्हें यूरोपीय बाजारों में अत्यधिक कीमत प्राप्त होती थी। इस प्रकार उत्पादन के स्वरूप और प्रकृति में मूलभूत परिवर्तन हुए और भारतीय कृषि का वाणिज्यीकरण हो गया।

63. यदि भारत का राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 356 के अधीन यथा उपबंधित अपनी शक्तियों का किसी विशेष राज्य के संबंध में प्रयोग करता है, तो-

- (a) उस राज्य की विधानसभा स्वतः भंग हो जाती है।
(b) उस राज्य के विधानमंडल की शक्तियां संसद द्वारा या उसके प्राधिकार के अधीन प्रयोज्य होंगी।
(c) उस राज्य में अनुच्छेद 19 निलंबित हो जाता है।
(d) राष्ट्रपति उस राज्य से संबंधित विधियां बना सकता है।

उत्तर—(b)

राष्ट्रपति द्वारा संविधान के अनुच्छेद 356 के अधीन यथा उपबंधित अपनी शक्तियों (आपात उद्घोषणा) का किसी विशेष राज्य के संबंध में प्रयोग करने का प्रभाव यह रहता है कि-

- (1) उस राज्य की सरकार के सभी या कुछ कृत्य तथा राज्यपाल या राज्य के किसी प्राधिकारी या निकाय में निहित या उसके द्वारा प्रयोज्य सब या कोई कृत्य शक्ति राष्ट्रपति अपने हाथ में ले सकता है;
(2) राष्ट्रपति यह घोषित कर सकता है कि राज्य के विधानमंडल की शक्तियां संसद के प्राधिकार के द्वारा या अधीन प्रयोज्य होंगी।

ज्ञातव्य है कि अनुच्छेद 356 के तहत आपात उद्घोषणा की स्थिति में राज्य की विधानसभा स्वतः निलंबित नहीं होती अपितु राष्ट्रपति चाहे तो उसे भंग कर सकता है अथवा उसका निलंबन कर सकता है। उल्लेखनीय है कि अनुच्छेद 19 राज्य में संविधान के अनुच्छेद 352 के अधीन जारी आपात उद्घोषणा के समय स्वतः निलंबित हो जाता है न कि अनुच्छेद 356 की आपात उद्घोषणा के तहत। अनुच्छेद 356 की आपात उद्घोषणा के प्रभावी रहते अनुच्छेद 19 का निलंबन राष्ट्रपति के आदेश से हो सकता है। अतः दिए गए विकल्पों में विकल्प (b) सही उत्तर है।

64. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए -

शिल्प	किस राज्य की परंपरा
1. पुथुकुलि शॉल	- तमिलनाडु
2. सुजनी कढ़ाई	- महाराष्ट्र
3. उप्पाडा जामदानी साड़ी	- कर्नाटक

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेवित है/हैं?

- (a) केवल 1
(b) 1 और 2
(c) केवल 3
(d) 2 और 3

उत्तर—(a)

बिहार की सुजनी कढ़ाई, कढ़ाई का एक खास रूप है। बंगाल की कांथा कढ़ाई से मिलती - जुलती सुजनी में पहले मनचाहे डिजाइंस का बेस तैयार करते हैं और फिर इस पर सिलाई करके इसे और भी खूबसूरत बनाते हैं। यह कढ़ाई अपने ब्लैक एंड व्हाइट लुक के लिए पहचानी जाती है। उप्पाडा जामदानी साड़ी एक रेशम साड़ी है, जिसकी बुनाई आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले के उप्पाडा में की जाती है। पुथुक्कुलि शॉल नीलगिरि क्षेत्र (तमिलनाडु) में निर्मित होता है। अतः विकल्प (a) सही सुमेलित है।

65. GPS तकनीक का उपयोग निम्नलिखित में से किन क्षेत्रों में हो सकता है ?

1. मोबाइल फोन प्रचालन

2. बैंकिंग प्रचालन

3. पॉवर ग्रिडों का नियंत्रण

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए-

(a) केवल 1

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर—(d)

GPS (Global Positioning System), एक उपग्रह (अंतरिक्ष) आधारित नौचालन प्रणाली है, जिसका विकास अमेरिकी रक्षा विभाग द्वारा किया गया था। वर्तमान में जीपीएस तीन प्रमुख तंत्रों— (1) उपग्रह खंड, (2) नियंत्रण एवं निगरानी खंड तथा (3) उपभोगकर्ता खंड से मिलकर बना है। जीपीएस रिसेवर (प्राप्तकर्ता) अपनी स्थिति का आकलन पृथ्वी से ऊपर स्थापित जीपीएस सैटेलाइट द्वारा भेजे जाने वाले संकेतकों के आधार पर करता है। इन संकेतकों के आधार पर जीपीएस रिसेवर की 3-डी स्थिति (अक्षांश, देशांतर तथा उन्नतांश) तथा समय के बारे में पता चल जाता है। वर्तमान में जीपीएस का प्रयोग बड़े पैमाने पर होने लगा है। सेना में इस तकनीक का प्रयोग काफी समय से किया जा रहा है। नागरिक और वाणिज्यिक प्रयोग की दृष्टि से यह काफी महत्वपूर्ण है। वैज्ञानिक और सर्वेक्षण कार्य हेतु ट्रेनों, जहाजों के परिचालन तथा जमीन का सर्वेक्षण करने, नक्शा बनाने, आपदा राहत कार्यों के लिए भी जीपीएस तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है। इसके अलावा बैंकिंग तथा मोबाइल प्रचालन और पॉवरग्रिडों के नियंत्रण हेतु भी जीपीएस तकनीक का उपयोग किया जा सकता है।

66. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए -

1. भारतीय रिजर्व बैंक, भारत सरकार की प्रतिभूतियों का प्रबंधन और प्रयोजन करता है किंतु किसी राज्य सरकार की प्रतिभूतियों का नहीं।

2. भारत सरकार कोष-पत्र (ट्रेजरी बिल) जारी करती है और राज्य सरकारें कोई कोष-पत्र जारी नहीं करतीं।

3. कोष-पत्र ऑफर अपने सममूल्य से बढ़े पर जारी किए जाते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं ?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 3

(c) केवल 2 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर—(c)

भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 के तहत RBI भारत सरकार एवं राज्य सरकारों दोनों की प्रतिभूतियों का प्रबंधन एवं प्रयोजन करता है। सरकारी प्रतिभूतियां केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा जारी की जाती हैं। केंद्र सरकार द्वारा जारी अल्पकालीन (एक वर्ष से कम अवधि की) प्रतिभूतियों को ट्रेजरी बिल कहा जाता है, जबकि दीर्घकालीन प्रतिभूतियों को सरकारी बॉण्ड कहा जाता है। राज्य सरकारें केवल दीर्घकालीन प्रतिभूतियां ही जारी कर सकती हैं, इन्हें राज्य विकास ऋण (SDL : State Development Loan) कहा जाता है। ट्रेजरी बिल पर ब्याज का भुगतान नहीं होता है, यद्यपि इन्हें उनके मूल्य से बढ़े (Discount) पर जारी किया जाता है। उदाहरणस्वरूप 100 रुपये मूल्य का 91 दिनों का ट्रेजरी बिल 98.20 रुपये पर जारी होगा और इसकी वापसी पर क्रेता को 100 रुपये प्राप्त होंगे।

67. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए -

1. पृथ्वी का चुंबकीय क्षेत्र हर कुछ सौ हजार सालों में उत्क्रमित हुआ है।

2. पृथ्वी जब 4000 मिलियन वर्षों से भी अधिक पहले बनी, तो ऑक्सीजन 54 प्रतिशत थी और कार्बन डाइऑक्साइड नहीं थी।

3. जब जीवित जीव पैदा हुए, उन्होंने पृथ्वी के आरंभिक वायुमंडल को बदल दिया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं ?

(a) केवल 1

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर—(c)

पुराचुंबकत्व के अध्ययन से इस तथ्य का पता चला कि भू-पर्पटी पर पाई जाने वाली कुछ शैलों का चुंबकन पृथ्वी के मुख्य चुंबकीय क्षेत्र की दिशा में नहीं बल्कि उसकी विपरीत दिशा में है। अनुमान है कि पिछले कुछ वर्षों में प्रति मिलियन वर्ष एक या दो बार उत्क्रमण हुआ है। अतः कथन (1) सत्य है। पृथ्वी की उत्पत्ति के समय वायुमंडल में ऑक्सीजन उपस्थित नहीं थी बल्कि वायुमंडल ज्वालामुखीय गैसों यथा- नाइट्रोजन, कार्बन डाइऑक्साइड तथा मीथेन का मिश्रण था। लगभग तीन बिलियन

वर्ष पूर्व पृथ्वी पर सायनो बैक्टीरिया की उत्पत्ति हुई, जो प्रकाश संश्लेषण में सक्षम थे। ये जीवाणु आज-कल के पौधों की तरह ऑक्सीजन गैस उत्सर्जित करते थे। जैसे-जैसे सायनो बैक्टीरिया की संख्या बढ़ती गई, पृथ्वी के वायुमंडल में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती गई। स्पष्ट है कि कथन (3) सत्य है।

68. 'वान्नाक्राई, पेट्या हौर इटर्नलब्लू' पद जो हाल ही में समाचारों में उल्लिखित थे, निम्नलिखित में से किसके साथ संबंधित हैं?

- एक्सोप्लैनेट्स
- प्रच्छन्न मुद्रा (क्रिप्टोकॉरेंसी)
- साइबर आक्रमण
- लघु उपग्रह

उत्तर—(c)

वान्नाक्राई मई, 2017 में विश्व भर में हुआ साइबर हमला था, जिसने माइक्रोसॉफ्ट विंडोज ऑपरेटिंग सिस्टम पर संचालित होने वाले कंप्यूटरों को निशाना बनाया था। यह हमला अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी से चुराए गए साइबर हथियार इटर्नलब्लू से किया गया था। पेट्या भी एक प्रकार का रैनसमवेयर है।

69. भारतीय कृषि में परिस्थितियों के संदर्भ में 'संरक्षण कृषि' की संकल्पना का महत्व बढ़ जाता है। निम्नलिखित में से कौन-कौन से संरक्षण कृषि के अंतर्गत आते हैं?

- एकधान्य कृषि पद्धतियों का परिहार
- न्यूनतम जोत को अपनाना
- बागानी फसलों की खेती का परिहार
- मृदा धरातल को ढकने के लिए फसल अवशिष्ट का उपयोग
- स्थानिक एवं कालिक फसल अनुक्रमण/फसल आवर्तनों को अपनाना।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए -

- 1, 3 और 4
- 2, 3, 4 और 5
- 2, 4 और 5
- 1, 2, 3 और 5

उत्तर—(c)

संरक्षण कृषि वह पद्धति है, जिसमें कृषिगत लागत को कम रखते हुए अत्यधिक लाभ व टिकाऊ उत्पादकता लाई जा सकती है। साथ ही प्राकृतिक संसाधनों जैसे मृदा, जल, वातावरण व जैविक कारकों में संतुलित वृद्धि होती है। इसमें कृषि क्रियाओं उदाहरणार्थ शून्यकर्षण/अति न्यूनकर्षण (Zero tillage/Minimum tillage) के साथ कृषि रसायनों एवं अकार्बनिक व कार्बनिक स्रोतों का संतुलित व समुचित प्रयोग होता है ताकि कृषि की विभिन्न जैव-क्रियाओं पर

विपरीत प्रभाव न हो। संरक्षित खेती में न्यूनतम जुताई से फसल अवशेष मृदा की सतह पर बने रहते हैं। इससे मृदाक्षरण बहुत कम हो जाता है। सामान्यतः 30 प्रतिशत तक फसल अवशेषों द्वारा मृदा का ढका रहना अति आवश्यक है। संरक्षित खेती में फसल विविधीकरण एवं फसल चक्र अपनाना अति आवश्यक है। सामान्यतः किसान एक ही प्रकार की फसल चक्र कई वर्षों तक अपनाते हैं। जैसे धान-गेहूँ फसल प्रणाली वर्षों से किसान एक ही खेत में लगा रहे हैं, जिससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति पर सीधा असर पड़ता है। फसल विविधीकरण मिट्टी की उर्वरता को बनाए रखता है तथा फसल संबंधित कीटों एवं रोग व्याधि को भी कम करता है।

70. "छठा व्यापक विलोप/छठा विलोप" यह शब्द किसी विवेचना के संदर्भ में समाचारों में प्रायः उल्लिखित होता है?

- विश्व के बहुत से भागों में कृषि में व्यापार रूप में एकधान्य कृषि प्रथा और बड़े पैमाने पर वाणिज्यिक कृषि के साथ रसायनों के अविवेकी प्रयोग के परिणामस्वरूप अच्छे देशी पारितंत्र की हानि।
- आसन्न भविष्य में पृथ्वी के साथ उल्का पिंड की संभावित टक्कर का भय, जैसा कि 65 मिलियन वर्ष पहले हुआ था, जिसके कारण डायनोसोर की जातियों समेत अनेक जातियों का व्यापक रूप से विलोप हो गया।
- विश्व के अनेक भागों में आनुवांशिकतः रूपांतरित फसलों की व्यापक रूप में खेती और विश्व के दूसरे भागों में उनकी खेती को बढ़ावा देना, जिसके कारण अच्छे देशी फसली पादपों का विलोप हो सकता है और खाद्य जैव-विविधता की हानि हो सकती है।
- मानव द्वारा प्राकृतिक संसाधनों का अतिशोषण/दुरुपयोग, प्राकृतिक आवासों का सविभाजन/नाश, पारितंत्र का विनाश, प्रदूषण और वैश्विक जलवायु परिवर्तन।

उत्तर—(d)

जैव-विविधता पृथ्वी पर जीन से लेकर जैव-भौगोलिक क्षेत्रों तक और पारिस्थितिकीय एवं उद्विकास की प्रक्रियाओं तक सभी स्तरों पर जीवन का वैविध्य प्रस्तुत करती है। जैव-विविधता पारितंत्रों के स्वास्थ्य का पैमाना है। जैव-विविधता जितनी व्यापक होगी, वहां स्वास्थ्य की उतनी ही परिपूर्णता विद्यमान होगी। पृथ्वी पर जीवन के प्रारंभ से पांच प्रमुख बृहद विलोपन (Mass Extinction) के फलस्वरूप जैव-विविधता के स्तर में अचानक भारी गिरावट आ गई। इस छठे (होलोसीन विलोपन) व्यापक विलोपन में जैव-विविधता की गिरावट की दर जीवाश्म रिकॉर्ड में पांच पूर्ववर्ती व्यापक विलोपन की घटनाओं की दरों से अधिक है। विलोपन की यह घटनाएं

प्राथमिक रूप से पर्यावरण एवं जलवायु संबंधी स्थितियों में हुए अचानक परिवर्तनों के कारण हुई हैं। तथापि-जैव विविधता में होने वाली वर्तमान क्षति की दर विलोपन की प्राकृतिक पृष्ठभूमि से अधिक है। इसका मुख्य कारण मानवीय क्रिया-कलाप हैं जिनके कारण पर्यावास विखंडन, अवक्रमण एवं क्षति, आनुवंशिक विविधता में संकुचन विजातीय प्रजातियों का अतिक्रमण, संसाधनों का अति दोहन, प्रदूषण आदि की घटनाएं होती हैं। जैव-विविधता को होने वाली क्षति के परिणामस्वरूप प्राकृतिक संपदा को क्षति पहुंचती है। वर्ष 2004 में, चार महाद्वीपों पर किए गए एक अंतरराष्ट्रीय सहयोगात्मक अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि जलवायु परिवर्तन के कारण वर्ष 2050 तक लगभग 10 प्रतिशत प्रजातियां विलुप्त हो जाएंगी।

71. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सी.ए.आर.) वह राशि है, जिसे बैंकों को अपनी निधियों के रूप में रखना होता है जिससे वे यदि खाताधारकों द्वारा देयताओं का भुगतान नहीं करने से कोई हानि होती है, तो उसका प्रतिकार कर सकें।
2. सी.ए.आर. का निर्धारण प्रत्येक बैंक द्वारा अलग-अलग किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर—(a)

पूंजी पर्याप्तता अनुपात (CAR: Capital Adequacy Ratio) बैंकों के जोखिम की स्थिति में बचाव हेतु निधि होती है। इसे CRAR (Capital-to-Risk Weighted Assets Ratio) भी कहा जाता है। इसका निर्धारण केंद्रीय बैंक द्वारा किया जाता है। वर्तमान में भारत में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा इसे न्यूनतम 9 प्रतिशत निर्धारित किया गया है। स्मरणीय है कि बैंकों को जोखिम से बचाने हेतु बेसल-III मानकों (न्यूनतम 8%) के अनुरूप सुधार किया जा रहा है। भारत में 1 अप्रैल, 2013 से बेसल-III मानक लागू है जिसे 31 मार्च, 2019 तक पूर्ण रूप से क्रियान्वित किए जाने का लक्ष्य है।

72. पहचान प्लेटफॉर्म 'आधार' खुला (ओपेन) 'एप्लीकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस' (ए.पी.आई.) उपलब्ध कराता है। इसका क्या अभिप्राय है?

1. इसे किसी भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण के साथ एकीकृत किया जा सकता है।
2. परितारिका (आईरिस) का प्रयोग कर ऑनलाइन प्रमाणीकरण संभव है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर—(c)

UIDAI का उद्देश्य भारत में प्रत्येक निवासी के लिए एक आधार नंबर जारी करना है ताकि निवासी पोर्टेबल पहचान सक्षम हो, जिसे कभी भी कहीं भी प्रमाणित किया जा सकता है। आधार मंच सेवा प्रदाताओं को सुरक्षित और त्वरित इलेक्ट्रॉनिक तरीके से निवासियों की पहचान प्रमाणित करने और अधिक लागत प्रभावी तथा कुशल तरीके से सेवा प्रदान कराने में मदद करता है। यू.आई.डी.ए.आई (UIDAI) ने अपनी वेबसाइट पर आधार प्रमाणीकरण आवेदन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (APIs) विनिर्देश प्रकाशित किया है, जिसमें एपीआई टेडा प्रारूप, प्रोटोकॉल और सुरक्षा विनिर्देशों सहित विवरण शामिल हैं। Cएप्लीकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (APIs) कमांड, फंक्शन, प्रोटोकॉल तथा आब्जेक्ट्स का एक सेट होता है, जिसका उपयोग किसी भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण के साथ एकीकृत करने में किया जा सकता है। इसके माध्यम से परितारिका (Iris) का प्रयोग कर ऑनलाइन प्रमाणीकरण भी संभव है।

73. बिल्कुल हाल में, निम्नलिखित में से किन देशों में लाखों लोग या तो भयंकर अकाल एवं कुपोषण से प्रभावित हुए या उनकी युद्ध/संजातीय संघर्ष के चलते उत्पन्न भुखमरी के कारण मृत्यु हुई?

- (a) अंगोला और जाम्बिया
(b) मोरक्को और ट्यूनीशिया
(c) वेनेजुएला और कोलंबिया
(d) यमन और दक्षिण सूडान

उत्तर—(d)

फरवरी, 2017 से जून, 2017 के मध्य यमन, नाइजीरिया, सोमालिया तथा दक्षिण सूडान में लाखों लोग भयंकर अकाल, कुपोषण और युद्ध/संजातीय संघर्ष के चलते उत्पन्न भुखमरी के कारण मृत्यु के काल में समा गए। अफ्रीकी देश दक्षिण सूडान के कुछ हिस्सों में अकाल की स्थिति घोषित की गई थी। पिछले छह वर्षों में ऐसा पहली बार है कि विश्व में कहीं अकाल घोषित किया गया था।

74. वुड डिस्पैच के बारे में निम्नलिखित में से कौन-से कथन सत्य हैं?

1. सहायता अनुदान व्यवस्था (ग्रांट्स-इन-एड) शुरू की गई।
2. विश्वविद्यालयों की स्थापना की सिफारिश की गई।
3. शिक्षा के सभी स्तरों पर शिक्षण माध्यम के रूप में अंग्रेजी

की सिफारिश की गई।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए-

- (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर—(a)

‘वुड डिस्पैच या वुड घोषणा-पत्र’ (Wood's Dispatch) ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के बोर्ड ऑफ कंट्रोल के अध्यक्ष चार्ल्स वुड द्वारा 19 जुलाई, 1854 को जारी किया गया था। इस घोषणा-पत्र में भारतीय शिक्षा पर एक व्यापक योजना प्रस्तुत की गई थी। इस घोषणा-पत्र में शिक्षा के उद्देश्य, माध्यम, सुधारों आदि पर विचार किया गया था। इस घोषणा-पत्र को ‘भारत में अंग्रेजी शिक्षा का मैग्नाकार्टा’ भी कहा जाता है। प्रस्ताव में सरकार ने पाश्चात्य शिक्षा के प्रसार को अपना उद्देश्य बनाया। उच्च शिक्षा को अंग्रेजी भाषा के माध्यम से दिए जाने पर बल दिया गया, परंतु साथ ही देशी भाषा के विकास को भी महत्व दिया गया। इस घोषणा-पत्र के अनुसार, ‘लंदन विश्वविद्यालय’ के आधार पर कलकत्ता, बंबई (मुंबई) एवं मद्रास प्रेसीडेंसी में एक - एक विश्वविद्यालय की स्थापना की व्यवस्था की जाए। इसमें इस बात पर बल दिया गया कि सरकारी शिक्षण संस्थानों में दी जाने वाली शिक्षा धर्म निरपेक्ष हो। शिक्षा के क्षेत्र में निजी प्रयत्नों को प्रोत्साहित करने के लिए अनुदान सहायता (Grant-in-aid) की पद्धति चलाने की सिफारिश भी इसमें की गई।

75. भारत की संसद के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सी संसदीय समिति इसकी संवीक्षा करती है और सदन को सूचित करती है कि जो विनियम, नियम, उप-नियम, उप-विधि आदि बनाने की शक्तियां संविधान द्वारा प्रदत्त हैं या सदन द्वारा प्रत्यायोजित हैं, उनका कार्यपालिका द्वारा इन प्रत्यायोजनों (डेलिगेशन) की परिधि के भीतर उचित प्रयोग हो रहा है?

- (a) सरकारी आशवासनों संबंधी समिति
(b) अधीनस्थ विधान संबंधी समिति
(c) नियम समिति
(d) कार्य सलाहकार (बिजनेस एडवाइजरी) समिति

उत्तर—(b)

अधीनस्थ या प्रत्यायोजित विधायन उन नियमों, विनियमों, उप-नियमों, उप-विधियों आदि को कहा जाता है, जो कि संसद द्वारा किसी अधीनस्थ को प्रत्यायोजित विधायी कृत्य के अनुसरण में निर्मित किया जाता है। संसद द्वारा इन अधीनस्थ विधायनों पर सबसे प्रभावी नियंत्रण स्थायी संवीक्षा समिति (Standing Scrutiny Committee) के माध्यम से रखा जाता है। इस स्थायी

संवीक्षा समिति को ‘‘अधीनस्थ विधायन संबंधी संसदीय समिति’’ कहा जाता है। अधीनस्थ विधायन संबंधी समिति ही सदन को सूचित करती है कि प्रत्यायोजित शक्तियों का प्रयोग प्रत्यायोजनों की परिधि के भीतर उचित रूप में हो रहा है। लोक सभा के लिए ऐसी समिति प्रथम बार 1 दिसंबर, 1953 को तथा राज्य सभा के लिए 30 सितंबर, 1964 को गठित हुई थी।

76. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए -

1. शिक्षा का अधिकार (आर.टी.ई.) अधिनियम के अनुसार, किसी राज्य में शिक्षक के रूप में नियुक्त होने हेतु अर्ह होने के लिए किसी व्यक्ति में संबंधित राज्य अध्यापक शिक्षा परिषद द्वारा निर्धारित न्यूनतम योग्यता का होना आवश्यक है।
2. आर.टी.ई. अधिनियम के अनुसार, प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षण हेतु किसी अभ्यर्थी के लिए राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद के दिशा-निर्देशों के अनुरूप लिए गए अध्यापक अर्हता परीक्षण में उत्तीर्ण होना आवश्यक है।
3. भारत में 90 प्रतिशत से अधिक अध्यापक शिक्षा संस्थान प्रत्यक्ष रूप से राज्य सरकारों के अधीन हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) 1 और 2 (b) केवल 2
(c) 1 और 3 (d) केवल 3

उत्तर—(b)

5 अप्रैल, 2010 को जारी अधिसूचना के तहत निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा 23 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (NCTE) को शिक्षक के रूप में नियुक्त किए जाने के लिए पात्र व्यक्तियों के लिए न्यूनतम अर्हताओं का निर्धारण करने वाले शैक्षिक प्राधिकरण के रूप में प्राधिकृत किया गया है। इस अधिनियम के अनुसार, प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षण हेतु किसी अभ्यर्थी के लिए राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद के दिशा-निर्देशों के अनुरूप लिए गए अध्यापक अर्हता परीक्षण में उत्तीर्ण होना आवश्यक है। यदि सरकारों अथवा स्थानीय प्राधिकारियों अथवा विद्यालयों द्वारा विज्ञापन जारी कर अध्यापकों की नियुक्ति की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है, ऐसी स्थिति में नियुक्तियां राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (स्कूलों में अध्यापकों की भर्ती के लिए न्यूनतम योग्यताओं का निर्धारण) विनियम, 2001 (समय-समय पर यथासंशोधित) के अनुसार की जा सकती है।

77. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए -

(परंपरा) (राज्य)

1. चपचार कुट त्योहार - मिजोरम
2. खोंगजॉम परबा गाथागीत - मणिपुर
3. थांग-टा नृत्य - सिक्किम

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

- (a) केवल 1 (b) 1 और 2
(c) केवल 3 (d) 2 और 3

उत्तर—(b)

मिजोरम के लोकप्रिय त्योहारों मिम कूट, पॉल कूट तथा चपचार कूट में से 'चपचार कूट त्योहार' मार्च के महीने में मनाया जाता है। इसे 'झूम' यानी जंगल की सफाई के बाद मनाया जाता है। खोंगजॉम परबा गाथागीत तथा थांग-टा नृत्य (मार्शल आर्ट) मणिपुर की परंपरा है। अतः युग्म 1 एवं 2 सही सुमेलित हैं।

78. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए -

1. खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 ने खाद्य अपमिश्रण की रोकथाम (प्रिवेंशन ऑफ फूड एडल्टरेशन) अधिनियम, 1954 को प्रतिस्थापित किया।
2. भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (फूड सेफ्टी एवं स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया) (एफ.एस.एस.ए.आई) केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक के प्रभार में है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) केवल 1 और 2 (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर—(a)

खाद्य से संबंधित विधियों को समेकित करने (Consolidate), खाद्य पदार्थों के लिए विज्ञान आधारित मानक निर्धारित करने तथा उनके विनिर्माण, भंडारण, वितरण, विक्रय और आयात को विनियमित करने, मानव उपभोग के लिए सुरक्षित तथा स्वास्थ्यप्रद खाद्य की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु 23 अगस्त, 2006 को 'खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006' (The Food Safety and Standard bill, 2006) संसद द्वारा अधिनियमित किया गया। साथ ही इस अधिनियम में 'भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण' (FSSAI) की स्थापना करने तथा उनसे संबंधित या उनके आनुषंगिक विषयों के उपबंध भी अधिनियमित किए गए हैं। इस अधिनियम ने 'खाद्य अपमिश्रण की रोकथाम अधिनियम, 1954' (Prevention of Food Adulteration Act, 1954) को प्रतिस्थापित किया। 'खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006' के तहत ही केंद्र सरकार

द्वारा 'भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण' (FSSAI) का गठन किया गया। इसका संचालन भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत किया जाता है। इस संस्था का मुख्यालय नई दिल्ली में है।

79. कभी-कभी समाचारों में उल्लिखित पद "टू-स्टेट सोल्यूशन" किसकी गतिविधियों के संदर्भ में आता है?

- (a) चीन (b) इजराइल
(c) इसाक (d) यमन

उत्तर—(b)

दो-राज्य समाधान (Two - State Solution) इजराइली- फिलिस्तीनी संघर्ष के समाधान को संदर्भित करता है, जो 'दो राज्यों के लोगों के लिए दो राज्यों' (Two State for two groups of people) की मांग करता है। दो राज्य समाधान जॉर्डन नदी के पश्चिमी में इजराइल राज्य के साथ एक स्वतंत्र राज्य फिलिस्तीन की परिकल्पना करता है।

80. राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के अधीन बनाए गए उपबंधों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. केवल वे ही परिवार सहायता प्राप्त खाद्यान्न लेने की पात्रता रखते हैं, जो "गरीबी रेखा से नीचे" (बी.पी.एल.) श्रेणी में आते हैं।
2. परिवार में 18 वर्ष या उससे अधिक उम्र की सबसे अधिक उम्र वाली महिला ही राशन कार्ड निर्गत किए जाने के प्रयोजन से परिवार का मुखिया होगी।
3. गर्भवती महिलाएं एवं दुग्ध पिलाने वाली माताएं गर्भावस्था के दौरान और उसके छः महीने बाद तक प्रतिदिन 1600 कैलोरी वाला राशन घर ले जाने की हकदार हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) 1 और 2 (b) केवल 2
(c) 1 और 3 (d) केवल 3

उत्तर—(b)

केंद्र सरकार द्वारा 'राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013' 10 सितंबर, 2013 को अधिसूचित किया गया। इस अधिनियम का उद्देश्य एक गरिमापूर्ण जीवन जीने के लिए लोगों को वहीनीय मूल्यों पर अच्छी गुणवत्ता के खाद्यान्न की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध कराते हुए उन्हें मानव जीवन-चक्र दृष्टिकोण में खाद्य और पौषणिक सुरक्षा प्रदान करना है। इस अधिनियम के तहत लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (TPDS) के अंतर्गत राजसहायता (Subsidy) प्राप्त खाद्यान्न प्राप्त करने के लिए 75 प्रतिशत ग्रामीण आबादी और

50 प्रतिशत शहरी आबादी के आच्छादित करने का प्रावधान है। पात्र व्यक्ति चावल/गेहूँ/मोटे अनाज क्रमशः 3/2/1 रुपये प्रति किग्रा. के राजसहायता प्राप्त मूल्यों पर 5 किग्रा. खाद्यान्न प्रति व्यक्ति प्रतिमाह प्राप्त करने का हकदार है। इस अधिनियम में महिलाओं और बच्चों के लिए पौषणिक सहायता पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। गर्भवती महिलाएं और स्तनपान कराने वाली माताएं गर्भावस्था के दौरान तथा बच्चे के जन्म के 6 माह बाद भोजन के अलावा कम-से-कम 6000 रुपये का मातृत्व लाभ प्राप्त करने की भी हकदार हैं। हकदारी के खाद्यान्नों एवं भोजन की आपूर्ति नहीं किए जाने की स्थिति में लाभार्थी खाद्य सुरक्षा भत्ता प्राप्त करेंगे। राशन कार्ड जारी करने के प्रयोजनार्थ परिवार में 18 वर्ष या उससे अधिक आयु की सबसे बड़ी महिला को परिवार का मुखिया माना जाएगा।

81. भारत में माल के भौगोलिक संकेत (रजिस्ट्रेशन और संरक्षण) अधिनियम, 1999 को निम्नलिखित में से किससे संबंधित दायित्वों के अनुपातन के लिए लागू किया गया?
- (a) आई.एल.ओ.
 (b) आई.एम.एफ.
 (c) यू.एन.सी.टी.ए.डी.
 (d) डब्ल्यू. टी.ओ.

उत्तर—(d)

भारत में विश्व व्यापार संगठन (WTO) के निर्देशों के अनुरूप एक सुव्यवस्थित बौद्धिक संपदा अधिकार प्रणाली का संचालन किया जा रहा है। बौद्धिक संपदा अधिकारों को संरक्षण प्रदान करने के लिए भारत में निम्न कानूनों, अधिनियमों को क्रियान्वित किया गया है -

(i) माल के भौगोलिक संकेत (पंजीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999
 (ii) ट्रेडमार्क अधिनियम, 1999
 (iii) पेटेन्ट अधिनियम, 1970 आदि।

82. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए -
1. भारत में राज्य सरकारों को गैर-कोयला खदानों की नीलामी का अधिकार नहीं है।
 2. आंध्र प्रदेश एवं झारखंड में सोने की खदानें नहीं हैं।
 3. राजस्थान में लौह अयस्क की खदानें हैं।
- उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
- (a) 1 और 2
 (b) केवल 2
 (c) 1 और 3
 (d) केवल 3

उत्तर—(d)

भारत में राज्य सरकारों को गैर-कोयला खदानों की नीलामी का अधिकार है। वर्ष 2018-19 के अंतर्गत लगभग 95 गैर-कोयला खनिज ब्लॉकों की नीलामी संभावित है, जो खनन क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित कर सकता है और छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिशा जैसे राज्य लभान्वित होंगे। तीन सक्रिय खदानों में से दो झारखंड और आंध्र प्रदेश में हैं। राजस्थान के भीलवाड़ा में लौह अयस्क खदानें हैं।

83. डिजिटल भुगतान के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए -
1. भीम (BHIM) ऐप उपयोग करने वाले के लिए यह ऐप यू.पी.आई. (UPI) सक्षम बैंक खाते से किसी को धन का हस्तांतरण करना संभव बनाता है।
 2. जहां एक चिप-पिन डेबिट कार्ड में प्रमाणीकरण के चार घटक होते हैं, भीम ऐप में प्रमाणीकरण के सिर्फ दो घटक होते हैं।
- उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
- (a) केवल 1
 (b) केवल 2
 (c) 1 और 2 दोनों
 (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर—(a)

भीम (BHIM : Bharat Interface for Money) एक UPI आधारित भुगतान इंटरफेस है, जो एकल पहचान जैसे मोबाइल नंबर या नाम के प्रयोग द्वारा रियल टाइम में धन का हस्तांतरण संभव बनाता है। भीम ऐप में प्रमाणीकरण या सत्यापन के तीन स्तर हैं। पहला स्तर डिवाइस आईडी तथा मोबाइल नंबर है, दूसरा स्तर वह बैंक अकाउंट है, जिसे प्रयोक्ता भीम ऐप से लिंक करता है, जबकि अंतिम स्तर के रूप में UPI पिन है, जो किसी लेन-देन को पूरा करने के लिए आवश्यक है। इसके विपरीत चिप-पिन डेबिट कार्ड में प्रमाणीकरण के केवल दो घटक होते हैं। अतः कथन (2) असत्य है।

84. निम्नलिखित में से कौन-सा शहर दिल्ली के सबसे समीप के देशांतर पर स्थित है?
- (a) बंगलुरु
 (b) हैदराबाद
 (c) नागपुर
 (d) पुणे

उत्तर—(a)

दिल्ली का देशांतरीय विस्तार 76°-50' पूर्व से 77°-20' पूर्व के मध्य है। वह शहर दिल्ली के समीप देशांतर पर स्थित होगा जिसका देशांतरीय अंतर दिल्ली से सबसे कम होगा। प्रश्न में दिए गए

शहरों का देशांतरीय विस्तार इस प्रकार है-

(शहर) (देशांतरीय विस्तार)

- (a) बंगलुरु - 77°-19' पूर्व से 77° - 50' पूर्व
 (b) हैदराबाद - 78°-23' पूर्व से 78° - 68' पूर्व
 (c) नागपुर - 78°-15' पूर्व से 79° - 40' पूर्व
 (d) पुणे - 73°-19' पूर्व से 75° - 10' पूर्व

दिए गए विकल्पों में बंगलुरु, दिल्ली के सर्वाधिक समीप देशांतर पर स्थित होगा। क्योंकि दिल्ली और बंगलुरु के मध्य देशांतरीय अंतर सबसे कम है। अतः विकल्प (a) सही उत्तर है।

85. अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के 138 एवं 182 अभिसमय किससे संबंधित हैं ?

- (a) बाल श्रम
 (b) कृषि के तरीकों का वैश्विक जलवायु परिवर्तन से अनुकूलन
 (c) खाद्य कीमतों एवं खाद्य सुरक्षा का विनियमन
 (d) कार्यस्थल पर लिंग समानता

उत्तर—(a)

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) के अभिसमय 138 एवं 182 बाल श्रम से संबंधित हैं। अभिसमय 138 रोजगार के लिए न्यूनतम उम्र के प्रवेश के संबंध में (admission of minimum age to employment) तथा अभिसमय 182 बाल श्रम को सबसे बुरे प्रारूपों (worst forms of child labour, 1999) से संबंधित है।

86. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए -

1. पहली लोक सभा में विपक्ष में सबसे बड़ा राजनीतिक दल स्वतंत्र पार्टी था।
2. लोक सभा में "नेता-प्रतिपक्ष" को सर्वप्रथम 1969 में मान्यता दी गई थी।
3. लोक सभा में यदि किसी दल के न्यूनतम 75 सदस्य न हों, तो उसके नेता को नेता-प्रतिपक्ष के रूप में मान्यता नहीं मिल सकती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं ?

- (a) केवल 1 और 3 (b) केवल 2
 (c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर—(b)

दिए गए कथनों में से केवल कथन (2) सत्य है, अन्य कथन सही नहीं हैं। प्रथम लोक सभा के चुनाव 489 सीटों के लिए हुए थे जिसमें से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC) ने 364 सीटें प्राप्त कीं और जीत हासिल की। दूसरे स्थान पर 16 सीटें प्राप्त करने वाली "कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया" (CPI) विपक्ष में सबसे बड़ा

राजनीतिक दल था। सर्वप्रथम, 1969 में लोक सभा में 'नेता प्रतिपक्ष' को मान्यता प्राप्त हुई। इस रूप में INC के राम सुभग सिंह को चुना गया था। लोक सभा में किसी दल के नेता को नेता-प्रतिपक्ष के रूप में मान्यता मिलने के लिए उस दल के लोक सभा में कुल सदस्य संख्या के 10 प्रतिशत सांसद होने आवश्यक हैं।

87. मरुस्थल क्षेत्रों में जल हास को रोकने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा/से पर्ण रूपांतरण होता है/होते हैं ?

1. कठोर एवं मोमी पर्ण
 2. लघु पर्ण
 3. पर्ण की जगह कांटे
- नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए-
- (a) केवल 2 और 3 (b) केवल 2
 (c) केवल 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर—(d)

मरुस्थलीय वनस्पतियों में उच्च ताप तथा शुष्क मौसम को सहन करने की क्षमता होती है। ऐसी वनस्पति को मरुदृग् (Xerophyte) वनस्पति कहते हैं। यहां पर उगने वाले पौधे गर्म तथा शुष्क जलवायु के साथ समायोजन करने के लिए कई उपाय करते हैं। मरुस्थलीय वनस्पतियों की जड़ें लंबी होती हैं, ताकि अधिक गहराई तक प्रविष्ट होकर नमी प्राप्त कर सकें। तने की छाल मोटी होती है। पत्तियां या तो होती ही नहीं और यदि होती भी हैं, तो वे छोटी-छोटी तथा मोमी (waxy) एवं मोटी होती हैं, उन पर छोटे-छोटे कांटे होते हैं, रोम छिद्र बंद होते हैं ताकि उनसे वाष्पीकरण - वाष्पोत्सर्जन (Exapotranspiration) न हो सके। अतः स्पष्ट है कि विकल्प (d) सही उत्तर है।

88. एन.एस.एस.ओ. के 70वें चक्र द्वारा संचालित "कृषक-कुटुम्बों की स्थिति आकलन सर्वेक्षण" के अनुसार निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. राजस्थान में ग्रामीण कुटुम्बों में कृषि कुटुम्बों का प्रतिशत सर्वाधिक है।
2. देश के कुल कृषि कुटुम्बों में 60 प्रतिशत से कुछ अधिक ओ.बी.सी. के हैं।
3. केरल में 60 प्रतिशत से कुछ अधिक कृषि कुटुम्बों ने यह सूचना दी कि उन्होंने अधिकतम आय गैर-कृषि स्रोतों से प्राप्त की है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं ?

- (a) केवल 2 और 3 (b) केवल 2
 (c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर—(c)

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन ने अपने 70वें दौर (जनवरी-दिसंबर, 2013) में कृषक परिवारों की स्थिति का मूल्यांकन सर्वेक्षण के प्रमुख संकेतकों को 19 दिसंबर, 2014 को जारी किए। इस सर्वेक्षण का उद्देश्य भारत सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों के संदर्भ में देश के ग्रामीण क्षेत्रों में कृषक परिवारों की स्थिति की जानकारी हासिल करना था। इस सर्वेक्षण के अनुसार -

1. उत्तर प्रदेश में अनुमानित 18.05 मिलियन कृषक परिवार थे और यह देश में कृषक परिवारों का 20 प्रतिशत था।
2. राजस्थान के ग्रामीण परिवारों में सबसे अधिक प्रतिशत (78.4 %) कृषक परिवारों का है तथा केरल में ग्रामीण परिवारों में कृषक परिवारों का सबसे कम प्रतिशत (27.3%) था।
3. देश में कुल अनुमानित कृषक परिवारों में लगभग 45 प्रतिशत अन्य पिछड़े वर्गों के थे।
4. लगभग 16 प्रतिशत कृषक परिवार अनुसूचित जाति के तथा 13 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति के थे।
5. कृषक परिवार की आय का मुख्य स्रोत इस बात से निर्धारित होता है कि परिवार के पास कितनी जमीन है।
6. केरल को छोड़कर सभी प्रमुख राज्यों में कृषक परिवारों ने अपनी आय का मुख्य स्रोत खेती-बारी गतिविधि (जुताई, पशुधन तथा अन्य कृषि गतिविधियां) बताया। केरल में लगभग 61 प्रतिशत कृषक परिवारों ने कृषि को छोड़ दूसरे स्रोतों से अपनी अधिकतम आय की जानकारी दी।
7. देश में लगभग 52 प्रतिशत कृषक परिवार ऋणग्रस्त थे।

89. राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एन.जी.टी.) किस प्रकार केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सी.पी.सी.बी.) से भिन्न है?

1. एन.जी.टी. का गठन एक अधिनियम द्वारा किया गया है, जबकि सी.पी.सी.बी. का गठन सरकार के कार्यपालक आदेश से किया गया है।
2. एन.जी.टी. पर्यावरणीय न्याय उपलब्ध कराता है और उच्चतर न्यायालयों में मुकदमों के भार को कम करने में सहायता करता है, जबकि सी.पी.सी.बी. झरनों और कुओं की सफाई को प्रोत्साहित करता है तथा देश में वायु की गुणवत्ता में सुधार लाने का लक्ष्य रखता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर—(b)

राष्ट्रीय हरित अधिकरण की स्थापना अक्टूबर, 2010 में राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम, 2010 के तहत वनों एवं अन्य प्राकृतिक संसाधनों के पर्यावरण संरक्षण से संबंधित मामलों के प्रभावी एवं तीव्र निपटान के लिए की गई थी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एक सांविधिक संगठन है, जिसका गठन सितंबर, 1974 में जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 के तहत किया गया था। स्पष्ट है कि कथन (1) असत्य है।

पर्यावरणीय मुद्दों पर राष्ट्रीय हरित न्यायधिकरण का समर्पित क्षेत्राधिकार द्रुत गति से पर्यावरणीय न्याय उपलब्ध कराता है तथा उच्चतर न्यायालयों में मुकदमों का भार कम करने में मदद करता है। जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 तथा वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981 में वर्णित CPCB के मुख्य कार्यों में नदियों एवं कुओं की स्वच्छता को बढ़ावा देना तथा देश में वायु की गुणवत्ता में सुधार करना शामिल है। अतः कथन (2) सत्य है।

90. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए -

1. भारत की संसद किसी कानून विशेष को भारत के संविधान की नौवीं अनुसूची में डाल सकती है।
2. नौवीं अनुसूची में डाले गए किसी कानून की वैधता का परीक्षण किसी न्यायालय द्वारा नहीं किया जा सकता एवं उसके ऊपर कोई निर्णय भी नहीं किया जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर—(a)

उपर्युक्त कथनों में से कथन (1) सही है किंतु कथन (2) सही नहीं है। भारतीय संविधान (प्रथम) संशोधन अधिनियम, 1951 के जरिए संविधान में नवीं अनुसूची तथा अनुच्छेद 31-क और 31-ख जोड़े गए। संसद द्वारा विधि विशेष (भूमि - सुधार विधियां) को नवीं अनुसूची में रखा जा सकता है, जिन्हें न्यायिक समीक्षा से बचाव दिया जाना आशयित हो। वर्तमान में नवीं अनुसूची में ऐसी 284 विधियां शामिल की गई हैं। अनुच्छेद 31-ख यह कहता है कि नवीं अनुसूची में उल्लिखित नियमों और विनियमों को इस आधार पर शून्य नहीं समझा जाएगा कि वे भाग 3 के किन्हीं उपबंधों और प्रदत्त अधिकारों में से किसी से असंगत हैं या उनको छीन लेते हैं या न्यून करते हैं। किंतु वर्ष 2007 में सर्वोच्च न्यायालय ने आईआर कोएल्हो बनाम तमिलनाडु के मामले में यह निर्णय करते हुए स्पष्ट किया संसद को नवीं अनुसूची में विधि विशेष को प्रविष्टि करने की शक्ति प्रदान की गई है, किंतु यह न्यायिक समीक्षा के दायरे से

बाहर नहीं है। न्यायालय ने निर्धारित किया कि 24 अप्रैल, 1973 के बाद नवीं अनुसूची में शामिल किए गए विधायनों की न्यायिक समीक्षा इस आधार पर की जा सकेगी कि वे अनुच्छेद 21, 14, 19 में प्रतिबिम्बित मूल ढांचे की अवधारणा को नष्ट करने वाला है।

91. कभी-कभी समाचारों में आने वाले पद 'व्यापारी छूट दर' (मर्चेंट डिस्काउंट रेट) को निम्नलिखित में से कौन-सा सबसे सही स्पष्ट करता है?

- यह किसी बैंक द्वारा किसी व्यापारी को उस बैंक के डेबिट कार्ड के माध्यम से भुगतान स्वीकार करने के लिए दिया जाने वाला प्रोत्साहन है।
- यह बैंकों द्वारा अपने ग्राहकों को वस्तुओं और सेवाओं के क्रय हेतु वित्तीय लेन-देनों के लिए डेबिट कार्ड का प्रयोग करने पर वापसी दी जाने वाली राशि है।
- यह बैंक द्वारा किसी व्यापारी पर अपने ग्राहकों के डेबिट कार्ड से भुगतान लेने पर लगाया जाने वाला शुल्क है।
- यह सरकार द्वारा व्यापारियों को अपने ग्राहकों से 'पॉइंट ऑफ सेल' (पी.ओ.एस.) मशीनों और डेबिट कार्ड के माध्यम से डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए दिया जाने वाला प्रोत्साहन है।

उत्तर—(c)

व्यापारी छूट दर (Merchant Discount Rate - MDR) बैंक द्वारा व्यापारियों पर लगाया जाने वाला शुल्क है। यह व्यापारियों पर उनके ग्राहकों से डेबिट कार्ड से भुगतान प्राप्त करने की स्थिति में लगाया जाता है।

92. किसी देश के 'नाभिकीय पूर्तिकर्ता समूह' के सदस्य बनने का/के क्या परिणाम है/हैं?

- इसकी पहुंच नवीनतम और सबसे कुशल परमाणु प्रौद्योगिकियों तक हो जाएगी।
- यह स्वमेव "नाभिकीय आयुध अप्रसार संधि" (एन.पी.टी.) का सदस्य बन जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- केवल 1
- केवल 2
- 1 और 2 दोनों
- न तो 1, न ही 2

उत्तर—(a)

भारत ने मई, 1974 में पहला परमाणु परीक्षण किया था और इसी वर्ष 'नाभिकीय आपूर्तिकर्ता समूह' (NSG) की स्थापना हुई थी और इसकी पहली बैठक वर्ष 1975 में लंदन में हुई थी। वर्तमान में इसके 48 देश सदस्य हैं। इसका लक्ष्य परमाणु सामग्री, तकनीक एवं उपकरणों का निर्यात नियंत्रित करना है। इसके सदस्य की

पहुंच नवीनतम और सबसे कुशल परमाणु प्रौद्योगिकियों तक हो जाती है। NSG में शामिल होने वाले देश के लिए 'परमाणु आयुध अप्रसार संधि' (NPT) पर हस्ताक्षर करना अनिवार्य है। NSG का सदस्य स्वमेव NPT का सदस्य नहीं बन सकता, भारत ने अब तक NPT पर हस्ताक्षर नहीं किया है। फ्रांस NSG का संस्थापक सदस्य है और वह बिना NPT पर हस्ताक्षर किए NSG का सदस्य बना था।

93. अप्रवासी सत्त्वों द्वारा दी जा रही ऑनलाइन विज्ञापन सेवाओं पर भारत द्वारा 6% समकरण कर लगाए जाने के निर्णय के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

- यह आयकर अधिनियम के भाग के रूप में लागू किया गया है।
- भारत में विज्ञापन सेवाएं देने वाले अप्रवासी सत्त्व अपने गृह देश में "दोहरे कराधान से बचाव समझौते" के अंतर्गत टैक्स क्रेडिट का दावा कर सकते हैं।

निम्नलिखित कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए -

- केवल 1
- केवल 2
- 1 और 2 दोनों
- न तो 1, न ही 2

उत्तर—(d)

वर्ष 2016 में डिजिटल अर्थव्यवस्था पर लेवी प्रस्तावित करने वाला भारत विश्व का पहला देश है। इस प्रस्ताव के तहत सरकार ने अनिवासी संस्थाओं द्वारा देश में दी जा रही ऑनलाइन विज्ञापन सेवाओं पर 60 प्रतिशत समकरण कर (Equalization tax) लगाए जाने का निर्णय लिया है। हालांकि यह आयकर अधिनियम के भाग के रूप में लागू नहीं किया गया है, लेकिन वित्त विधेयक के तहत एक अलग कानून के रूप में लागू किया गया है, जिससे भारत में विज्ञापन सेवाएं देने वाली अप्रवासी संस्थाएं अपने गृह देश में 'दोहरे कराधान से बचाव समझौते' के अंतर्गत टैक्स क्रेडिट का दावा न कर सकें। उपरोक्त व्याख्या से स्पष्ट है कि दिए गए कथनों में से कोई भी कथन सत्य नहीं है। अतः विकल्प (d) सही उत्तर होगा।

94. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए -

- राजकोषीय दायित्व और बजट प्रबंधन (एफ.आर.बी.एम.) समीक्षा समिति के प्रतिवेदन में सिफारिश की गई है कि वर्ष 2023 तक केंद्र एवं राज्य सरकारों को मिलाकर ऋण जी.डी.पी. अनुपात 60% रखा जाए, जिसमें केंद्र सरकार के लिए यह 40% तथा राज्य सरकारों के लिए 20% हो।
- राज्य सरकारों के जी.डी.पी. के 49% की तुलना में

केंद्र सरकार के लिए जी.डी.पी. का 21% घरेलू देयताएं हैं।

3. भारत के संविधान के अनुसार, यदि किसी राज्य के पास केंद्र सरकार की बकाया देयताएं हैं, तो उसे कोई भी ऋण लेने से पहले केंद्र सरकार से सहमति लेना अनिवार्य है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर—(c)

पूर्व राजस्व एवं व्यय सचिव और पूर्व सांसद तथा वर्तमान में 15वें वित्त आयोग के अध्यक्ष एन.के. सिंह की अध्यक्षता वाली राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन (FRBM) समिति ने अपनी रिपोर्ट जनवरी, 2017 में पेश की। इस समिति के प्रतिवेदन में सिफारिश की गई है कि वर्ष 2023 तक केंद्र एवं राज्य सरकारों को मिलाकर ऋण सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) अनुपात 60 प्रतिशत रखा जाए, जिसमें केंद्र सरकार के लिए यह 40 प्रतिशत तथा राज्य सरकारों के लिए यह 20 प्रतिशत हो।

वर्ष 2013 में ओईसीडी (OECD) द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, राज्य सरकारों के जीडीपी के 21 प्रतिशत की तुलना में केंद्र सरकार के लिए जीडीपी का 49.23 प्रतिशत घरेलू देयताएं हैं अर्थात् राज्य सरकारों की तुलना में केंद्र सरकार की घरेलू देयताएं बहुत ही अधिक हैं।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 293 की उपधारा (3) के अनुसार, यदि किसी राज्य के पास केंद्र सरकार की बकाया देयताएं हैं, तो उसे कोई भी ऋण लेने से पहले केंद्र सरकार से सहमति लेना अनिवार्य है।

उपर्युक्त व्याख्या के आधार पर स्पष्ट है कि दिए गए कथनों में कथन (1) एवं (3) सत्य हैं। अतः विकल्प (c) सही उत्तर है।

95. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए -

1. पिछले पांच वर्षों में आयातित खाद्य तेलों की मात्रा, खाद्य तेलों के घरेलू उत्पादन से अधिक रही है।
2. सरकार विशेष स्थिति के तौर पर सभी आयातित खाद्य तेलों पर किसी प्रकार का सीमा शुल्क नहीं लगाती।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1, न ही 2

उत्तर—(a)

वर्ष	खाद्य तेलों का घरेलू उत्पादन (लाख टन में)	आयात (लाख टन में)
2011-12	89.57	99.43
2012-13	92.19	106.05
2013-14	100.80	109.76
2014-15	89.78	127.31
2015-16	91.8	148.2

उपर्युक्त से स्पष्ट है कि पिछले पांच वर्षों में आयातित खाद्य तेलों की मात्रा, खाद्य तेलों के घरेलू उत्पादन से अधिक रही है। सरकार खाद्य तेलों के आयात पर सीमा शुल्क लगाती है। अतः कथन (2) असत्य है।

96. उन्होंने मैजिनी, गैरिबॉल्डी, शिवाजी तथा श्रीकृष्ण की जीवनी लिखी; वे अमेरिका में कुछ समय के लिए रहे; तथा वे केंद्रीय सभा के सदस्य भी निर्वाचित हुए। वे थे-

- (a) अरविंद घोष
(b) विपिन चंद्र पाल
(c) लाला लाजपत राय
(d) मोतीलाल नेहरू

उत्तर—(c)

‘पंजाब केसरी’ के नाम से प्रसिद्ध भारतीय स्वतंत्रता सेनानी लाला लाजपत राय वर्ष 1907 में 6 माह के निर्वासन के दौरान कुछ समय के लिए अमेरिका में रहे और प्रथम विश्व युद्ध के दौरान वापस लौटे। राजनीतिज्ञ के साथ-साथ वह ओजस्वी लेखक भी थे। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण, शिवाजी, स्वामी दयानंद सरस्वती, मैजिनी और गैरिबॉल्डी की संक्षिप्त जीवनियां भी लिखीं। ‘अनहैप्पी इंडिया’ और ‘द स्टोरी ऑफ माई डिपोर्टेशन’ उनकी अन्य महत्वपूर्ण रचनाएं हैं।

97. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए -

1. आधार कार्ड का प्रयोग नागरिकता या अधिवास के प्रमाण के रूप में किया जा सकता है।
2. एक बार जारी करने के पश्चात इसे निर्गत करने वाला प्राधिकरण आधार संख्या को निष्क्रिय या लुप्त नहीं कर सकता।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1, न ही 2

उत्तर—(d)

आधार संख्या भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (UIDAI) द्वारा प्रदत्त 12 अंकों की एक अद्वितीय संख्या है, जो भारत के निवासियों को पहचान हेतु प्रदान की जाती है। इसके तहत आधार पहचान पत्र/संख्या प्राप्त करने हेतु भारतीय निवासियों को अपनी जनांकिकीय एवं बायोमैट्रिक सूचनाएं प्रदान करनी होती हैं।

आधार अधिनियम, 2016 की धारा 9 के अनुसार, आधार केवल पहचान पत्र है तथा इसके आधार पर किसी नागरिकता या अधिवास का दावा नहीं किया जा सकता है। आधार अधिनियम, 2016 के 23(g) के अनुसार, आधार संख्या को नियमों के तहत निष्क्रिय या लुप्त भी किया जा सकता है।

98. निम्नलिखित में से कौन-सा/से मानव क्रिया-कलापों के कारण हाल में बहुत अधिक संकुचित हो गया है/सूख गया है?

1. अराल सागर
2. काला सागर
3. बैकाल झील

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए -

- | | |
|------------|------------|
| (a) केवल 1 | (b) 2 और 3 |
| (c) केवल 2 | (d) 1 और 3 |

उत्तर—(a)

अराल सागर मानवीय क्रिया-कलापों के कारण अत्यंत संकुचित अथवा लगभग सूख गया है। नासा द्वारा अराल सागर का उपग्रहीय चित्र वर्ष 1989 की स्थिति से तुलना करते हुए वर्ष 2014 में प्रदर्शित किया गया है। इस चित्र में (वर्ष 2014) अराल सागर को लगभग सुखा दिया गया है। काला सागर एवं बैकाल झील में भी संकुचन जरूर हुआ है लेकिन यह अराल सागर की तुलना में अति न्यून है।

यहां प्रश्न में 'बहुत अधिक संकुचित/सूख' जैसी विशेषणात्मक शब्दावली का प्रयोग किया गया है, जो केवल अराल सागर के संदर्भ में सही है।

99. "विधि का नियम सूचकांक" (रूल ऑफ ला इंडेक्स) को निम्नलिखित में से किसके द्वारा जारी किया जाता है?

- (a) एमनेस्टी इंटरनेशनल
- (b) अंतरराष्ट्रीय न्यायालय
- (c) संयुक्त राष्ट्र मानव अधिकार आयुक्त कार्यालय
- (d) विश्व न्याय परियोजना

उत्तर—(d)

विश्व न्याय परियोजना (WJP) द्वारा जारी 'विधि का नियम सूचकांक' (Rule of Law Index) विश्व के 113 देशों और न्याय क्षेत्रों में 1,10,000 से अधिक परिवारों और 3000 विशेषज्ञ सर्वेक्षणों के आधार पर कानून पालन के नियमों का मापन करता है। विश्व न्याय परियोजना (WJP) एक अमेरिकी स्वतंत्र, बहुआयामी संगठन है, जो विश्व भर में विधि के नियम को उन्नत करने के मिशन पर कार्यरत है। इसकी स्थापना वर्ष 2006 में विलियम एच. न्यूकोम (William H. Neukom) द्वारा की गई थी।

100. निम्नलिखित में से कौन भारत के सभी ATM को जोड़ता है?

- (a) भारतीय बैंक एसोसिएशन
- (b) राष्ट्रीय प्रतिभूति निक्षेप लिमिटेड (नेशनल सेक्युरिटीज डिपोजिटरी लिमिटेड)
- (c) भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया)
- (d) भारतीय रिजर्व बैंक

उत्तर—(c)

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (National Payments Corporation of India : NPCI) भारत में सभी खुदरा भुगतान प्रणाली के लिए एक छाता संगठन (Umbrella Organisation) है, जिसे भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) और भारतीय बैंक संघ (Indian Bank Association : IBA) के मार्गदर्शन और समर्थन के साथ भुगतान और निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007 के तहत स्थापित किया गया था।

एनपीसीआई (NPCI) के दस प्रमोटर बैंक हैं। यह निम्नलिखित भुगतान प्रणालियों का संचालन करता है-

- नेशनल फाइनेंशियल स्विच (NFS)
- इमिडिएट पेमेंट सिस्टम (IMPS)
- बैंकों द्वारा जारी रुपये कार्ड (डेबिट कार्ड/प्रीपेड कार्ड) की संबद्धता और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (NBFC) द्वारा जारी किए गए सह-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड या आरबीआई (RBI) द्वारा अनुमोदित किसी भी अन्य इकाई की संबद्धता।

- नेशनल ऑटोमेटिक क्लियरिंग हाउस (NACH)

- आधार इनएबल्ड पेमेंट सिस्टम (AEPS)

- ऑपरेशन ऑफ चेक ट्रंक्शन सिस्टम (CTS)

भारत में सभी एटीएम (ATM) नेटवर्क को जोड़ने का कार्य 'नेशनल फाइनेंशियल स्विच (NFS) द्वारा किया जाता है। लेकिन वर्तमान में यह संस्था 'भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम' (NPCI) के अंतर्गत संचालित है। अतः विकल्प (c) इसका सही उत्तर है।



गुप्त काल

13 अंकों में आविष्कार/खोज, 4 अंकों में राष्ट्रगान, 5 अंकों में संसद, 3 अंकों में मुद्राओं तथा 11 अंकों में धरातलीय आकृतियों के पश्चात अब ज्ञानिकी के तहत पृथक-पृथक शीर्षकों में जानकारीयां प्रदान की जा रही हैं। विगत 30 अंकों में परिवहन के विभिन्न घटकों, महासागरीय नितल के उच्चावच, स्थानीय पवन, आर्द्रता, कुहरा एवं बादल, वर्षा, चक्रवात, भूकंप, बाढ़ एवं सूखा, भारत की प्रमुख बहुउद्देश्यीय नदी घाटी परियोजनाओं, भारत के प्रमुख अनुसंधान संस्थानों/केंद्रों, पाषाण काल, हड़प्पा काल, वैदिक सभ्यता, जैन धर्म, बौद्ध धर्म, वैष्णव, शैव, शाक्त धर्म, उत्तर भारत की राजनैतिक दशा (600 ई.पू.-325 ई.पू.) तथा मौर्य साम्राज्य के विषय में तथ्यों को प्रस्तुत करने के बाद विगत अंक में मौर्योत्तर काल के विषय में जानकारी प्रदान की गई थी, इस अंक में गुप्त काल की जानकारी दी जा रही है।

□ गुप्त इतिहास के साधन

- ➔ साहित्यिक और पुरातत्वीय दोनों स्रोतों से गुप्त राजवंश का इतिहास ज्ञात होता है।
- ➔ विष्णु, वायु तथा ब्रह्मांड पुराण से हमें प्रारंभिक गुप्तवंश के इतिहास का ज्ञान प्राप्त होता है।
- ➔ विशाखदत्तकृत 'देवीचंद्रगुप्तम' नाटक से गुप्त शासक, रामगुप्त एवं चंद्रगुप्त द्वितीय के विषय में जानकारी प्राप्त होती है।
- ➔ महाकवि कालिदास की रचनाओं से गुप्तकालीन जानकारी प्राप्त होती है।
- ➔ वात्स्यायन के 'कामसूत्र' तथा शूद्रक के 'मृच्छकटिक' से गुप्तकालीन शासन एवं नगर जीवन के विषय में सूचना मिलती है।
- ➔ विदेशी यात्रियों के विवरण से भी गुप्त शासन के बारे में जानकारी प्राप्त होती है।
- ➔ फाह्यान चंद्रगुप्त द्वितीय के समय में भारत आया था। इसके विवरण से हमें गुप्त शासन की जानकारी प्राप्त होती है।
- ➔ चीनी यात्री ह्वेनसांग ने कुमारगुप्त प्रथम शक्रादित्य, बुधगुप्त, बालादित्य आदि गुप्त शासकों का उल्लेख किया है।
- ➔ पुरातत्वीय साक्ष्यों के द्वारा गुप्त राजवंश के इतिहास के पुनर्निर्माण में सहायता मिलती है।

☉ इनका तीन भागों में वर्गीकरण किया जा सकता है, ये हैं—
अभिलेख, सिक्के तथा स्मारक।

➔ अभिलेख

- ➔ प्रयाग स्तंभ लेख के द्वारा समुद्रगुप्त के राज्याभिषेक, दिग्विजय तथा उसके व्यक्तित्व पर प्रकाश पड़ता है।
- ➔ उदयगिरि गुहालेख से चंद्रगुप्त द्वितीय के दिग्विजय की जानकारी प्राप्त होती है।
- ➔ स्कंदगुप्त के भितरी स्तंभ लेख से हूण आक्रमण की सूचना मिलती है।
- ➔ जूनागढ़ अभिलेख से ज्ञात होता है कि स्कंदगुप्त ने सुदर्शन झील का पुनर्निर्माण करवाया था।

➔ सिक्के

- ➔ गुप्तकाल में स्वर्ण, रजत तथा तांबे के सिक्के प्रचलित थे।
- ➔ स्वर्ण सिक्कों को 'दीनार', रजत सिक्कों को 'रुपक' या 'रुप्यक' तथा ताम्र सिक्कों को 'माषक' कहा जाता था।
- ➔ चंद्रगुप्त प्रथम के एक सिक्के के मुख भाग पर चंद्रगुप्त एवं कुमारदेवी की आकृति तथा पृष्ठ भाग पर 'लिच्छवयः' उत्कीर्ण मिलता है।

☉ इससे ज्ञात होता है कि लिच्छवि राजकुमारी कुमारदेवी के साथ चंद्रगुप्त ने विवाह किया था।

- ➔ समुद्रगुप्त के अश्वमेध प्रकार के सिक्कों से उसके अश्वमेध यज्ञ की सूचना तथा चंद्रगुप्त द्वितीय के व्याघ्र हनन प्रकार के सिक्कों से उसके पश्चिमी भारत के शक प्रदेश के विजय की सूचना प्राप्त होती है।

➔ रामगुप्त के कुछ सिक्के मध्य प्रदेश के एरण तथा भिलसा से प्राप्त हुए हैं।

➔ स्मारक

➔ गुप्तकाल में अनेक स्तंभ, मंदिर, मूर्तियां एवं चैत्य गृह प्राप्त होते हैं।

⊙ इनसे तत्कालीन कला एवं स्थापत्य की जानकारी प्राप्त होती है।

➔ मंदिरों में भितरगांव (कानपुर) का मंदिर, देवगढ़ (झांसी) का दशावतार मंदिर, तिगांवा का विष्णु मंदिर, नचना-कुठार का पार्वती मंदिर, भूमरा का शिव मंदिर उल्लेखनीय है।

➔ बाघ तथा अजंता की गुफाओं (16वीं और 17वीं) के चित्र गुप्त काल के माने जाते हैं।

➔ गुप्तों की उत्पत्ति

➔ विभिन्न विद्वानों ने गुप्तों की उत्पत्ति के संबंध में भिन्न-भिन्न मत दिए हैं। इनमें कुछ प्रमुख मत निम्न हैं—

- ⊙ के.पी. जायसवाल के अनुसार, गुप्त निम्न वर्ण से संबंधित थे। 'कौमुदीमहोत्सव' नाटक के माध्यम से इन्होंने अपने मत की पुष्टि की।
- ⊙ रोमिला थापर, अल्टेकर, रामशरण शर्मा जैसे विद्वान गुप्तों को वैश्य मानते हैं।
- ⊙ आर.सी. मजूमदार, गौरी शंकर ओझा जैसे विद्वान गुप्तों को क्षत्रिय मानते हैं।
- ⊙ हेमचंद्र रायचौधरी गुप्तों का तादात्म्य ब्राह्मण धर्म से करते हैं।

गुप्तों की उत्पत्ति से संबंधित विद्वानों का मत	
उत्पत्ति	विद्वान
शूद्र	के.पी. जायसवाल
वैश्य	अल्टेकर, रोमिला थापर, एलन, रामशरण शर्मा
क्षत्रिय	रमेश चंद्र मजूमदार, गौरी शंकर ओझा
ब्राह्मण	हेमचंद्र रायचौधरी

➔ गुप्त वंश की स्थापना लगभग 275 ई. में महाराज गुप्त द्वारा की गई थी।

⊙ इस वंश के दूसरे शासक महाराज घटोत्कच थे, जो श्रीगुप्त के पुत्र थे।

➔ प्रभावती गुप्ता के पूना और रिद्धपुर ताम्रपत्रों में घटोत्कच को गुप्त वंश का प्रथम शासक (आदिराज) बताया गया है।

⊙ स्कंदगुप्त के सुपिया के लेख में भी घटोत्कच से ही गुप्तों की वंशावली प्रारंभ होती है।

➔ चंद्रगुप्त प्रथम (319-335 ई.)

➔ गुप्त वंश का प्रथम शक्तिशाली शासक चंद्रगुप्त प्रथम था।

⊙ इसने अपनी महत्ता सूचित करने के लिए अपने पूर्वजों के विपरीत 'महाराजाधिराज' की उपाधि धारण की।

➔ लिच्छवियों का सहयोग और समर्थन प्राप्त करने के लिए उनकी राजकुमारी कुमारदेवी के साथ विवाह किया।

➔ हेमचंद्र रायचौधरी के अनुसार, अपने महान पूर्ववर्ती शासक बिम्बिसार की भांति चंद्रगुप्त प्रथम ने लिच्छवि राजकुमारी कुमारदेवी के साथ विवाह कर द्वितीय मगध साम्राज्य की स्थापना की।

⊙ विवाह की स्मृति में उसने राजा-रानी प्रकार के सिक्कों को चलवाया।

➔ चंद्रगुप्त I ने गुप्त संवत् का प्रारंभ 319 ई. में किया।

➔ समुद्रगुप्त (335-375 ई.)

➔ चंद्रगुप्त I के पश्चात उसका पुत्र समुद्रगुप्त गुप्त साम्राज्य की गद्दी पर बैठा।

⊙ वह लिच्छवि राजकुमारी कुमारदेवी से उत्पन्न हुआ था।

⊙ समुद्रगुप्त के प्रयाग अभिलेख में उसे 'लिच्छवि दौहित्र' (लिच्छवि कन्या से उत्पन्न) बताया गया है।

➔ 'इलाहाबाद स्तंभ लेख' अथवा 'प्रयाग प्रशस्ति' समुद्रगुप्त के विषय में जानकारी का एक महत्वपूर्ण स्रोत है।

⊙ इसकी रचना समुद्रगुप्त के संधिविग्रहक सचिव हरिषेण ने की थी।

⊙ कनिंघम के मतानुसार, यह लेख मूलतः कौशाम्बी में खुदवाया गया था।

⊙ अकबर ने इसे कौशाम्बी से मंगाकर इलाहाबाद के किले में स्थापित करवाया।

⊙ इस पर जहांगीर का एक लेख, रानी का अभिलेख एवं अशोक द्वारा कौशाम्बी के महामात्रों को संघ भेद रोकने के लिए निर्देश भी खुदा है।

➔ मध्य प्रदेश के सागर जिले में स्थित एरण से समुद्रगुप्त का लेख प्राप्त हुआ है, जो खंडित अवस्था में है।

⊙ इसमें समुद्रगुप्त को राघव, पृथु आदि राजाओं से बढ़कर दानी कहा गया है, जो प्रसन्न होने पर कुबेर के समान तथा क्रोधित होने पर यमराज के समान था।

⊙ इस अभिलेख में उसकी पत्नी का नाम 'दत्तदेवी' मिलता है।

➔ समुद्रगुप्त ने राजधानी में अपनी स्थिति सुदृढ़ कर लेने के पश्चात अपने युद्ध एवं विजय अभियान का शुभारंभ किया।

➔ प्रयाग प्रशस्ति से ज्ञात होता है कि उसके दिग्विजय का उद्देश्य 'संपूर्ण पृथ्वी को जीतना' (धरणिबंध) था।

➔ प्रयाग प्रशस्ति में उल्लेखित है कि समुद्रगुप्त ने अपने दिग्विजय का प्रारंभ आर्यावर्त के प्रथम युद्ध से करता है, जिसमें उसने तीन शक्तियों को पराजित किया।

⊖ ये शक्तियां थीं—अच्युत, नागसेन तथा कोतकुलजा।

⊖ इस युद्ध का उल्लेख प्रशस्ति के 13वीं-14वीं पंक्तियों में हुआ है।

➔ मनुस्मृति के अनुसार, आर्यावर्त का क्षेत्र पूर्वी समुद्र से लेकर पश्चिमी समुद्र तक और विंध्याचल तथा हिमालय पर्वतों के बीच स्थित था।

➔ दक्षिणापथ के बारह राज्यों एवं उनके शासकों का उल्लेख प्रशस्ति की 19वीं एवं 20वीं पंक्ति में मिलता है।

➔ समुद्रगुप्त ने पहले इन राज्यों को जीता फिर उनका राज्य वापस कर दिया ('ग्रहणमोक्षानुग्रह')।

➔ दक्षिणापथ अभियान के पश्चात समुद्रगुप्त ने पुनः उत्तर भारत में एक युद्ध किया जिसे 'आर्यावर्त का द्वितीय युद्ध' कहा गया।

⊖ इस युद्ध में उसने नौ राज्यों को जीतकर अपने साम्राज्य में मिला लिया।

⊖ इस नीति को प्रशस्ति में 'प्रसभोद्धरण' कहा गया है।

➔ प्रशस्ति की 21वीं पंक्ति में आर्यावर्त के नौ राज्यों का उल्लेख हुआ है।

➔ प्रशस्ति की 21वीं पंक्ति में ही आटविक राज्यों का उल्लेख है।

⊖ सभी आटविक राज्यों को समुद्रगुप्त ने अपना सेवक बना लिया।

➔ फ्लीट के अनुसार, ये आटविक राज्य उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले से लेकर मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले तक फैले हुए थे।

➔ प्रयाग प्रशस्ति की 22वीं पंक्ति में सीमावर्ती राज्यों का उल्लेख है।

⊖ उत्तरी तथा उत्तरी-पूर्वी सीमा पर स्थित इन राज्यों की संख्या 5 थी।

⊖ ये राज्य थे— समतट, डवाक, कामरूप, कर्तूपुर तथा नेपाल।

➔ प्रशस्ति की 23वीं-24वीं पंक्तियों में कुछ विदेशी शक्तियों के नाम प्राप्त होते हैं।

⊖ इनके नाम हैं—देवपुत्रषाहिषाहानुषाहि, शक, मुरुण्ड, सिंहल एवं आदि सर्वद्वीपवासिभि।

⊖ इनके विषय में बताया गया है कि वे 'स्वयं' को सम्राट की सेवा में उपस्थित करना, कन्याओं के उपहार एवं अपने-अपने राज्यों में शासन करने के निमित्त गरुड़ मुद्रा से अंकित राजाज्ञा के लिए प्रार्थना करना आदि विविध उपाय द्वारा उनकी सेवा किया करते थे।

➔ प्रयाग प्रशस्ति में समुद्रगुप्त द्वारा अश्वमेध यज्ञ करने का उल्लेख नहीं है।

⊖ इससे ज्ञात होता है कि अश्वमेध यज्ञ का अनुष्ठान समुद्रगुप्त ने प्रशस्ति लिखने के बाद किया है।

➔ समुद्रगुप्त को कभी पराजय का सामना नहीं करना पड़ा। इसी कारण वी. स्मिथ ने उसे 'भारत का नेपोलियन' कहा।

➔ प्रशस्ति में कुछ प्रशासनिक अधिकारियों के नाम मिलते हैं। वे हैं—

संधिविग्रहिक	-	संधि एवं युद्ध का मंत्री
खाद्यटपाकिक	-	राजकीय भोजनालय का अध्यक्ष
कुमारामात्य	-	प्रांतीय पदाधिकारी
महादण्डनायक	-	न्यायाधीश

➔ **रामगुप्त**

➔ समुद्रगुप्त के बाद रामगुप्त गुप्तवंश का शासक हुआ।

⊖ रामगुप्त के बारे में साहित्यिक और अभिलेखीय साधनों से जानकारी प्राप्त होती है।

➔ अभिलेख जिनसे रामगुप्त के बारे में जानकारी प्राप्त होती है, वे हैं—संजन का लेख, काम्बे का लेख, संगली का लेख तथा दुर्जनपुर (विदिशा) का लेख।

रामगुप्त की ऐतिहासिकता के साहित्यिक साक्ष्य	
साहित्य	लेखक
देवीचंद्रगुप्तम्	विशाखदत्त
हर्षचरित	बाणभट्ट
काव्यमीमांसा	राजशेखर
शृंगारप्रकाश	भोज
हर्षचरित की टीका	शंकरार्य
मुजमल-उत-तवारीख	अबुल हसन अली

➔ भिलसा तथा एरण से प्राप्त मुद्राओं से भी रामगुप्त का विवरण प्राप्त होता है।

⊖ ये मुद्राएं तांबे की हैं।

➔ **चंद्रगुप्त द्वितीय (375-415 ई.)**

➔ चंद्रगुप्त द्वितीय के बारे में जानकारी के साधनों में साहित्य, विदेशी विवरण, अभिलेख तथा सिक्के हैं।

- साहित्य में कालिदास के ग्रंथ महत्वपूर्ण हैं।
- विदेशी विवरण में चीनी यात्री फाह्यान का यात्रा वृत्तांत प्रमुख है।
- स्वर्ण, रजत तथा ताम्र प्रकार के विविध सिक्के भी जानकारी के प्रमुख स्रोत हैं।
- ➔ चंद्रगुप्त द्वितीय का अन्य नाम 'देव' भी था।
 - उसे देवराज, देवगुप्त, देवश्री आदि कहा गया है।
- ➔ विक्रमादित्य, विक्रमांक, परमभागवत आदि उसकी सुप्रसिद्ध उपाधियां थीं।
- ➔ चंद्रगुप्त द्वितीय ने वैवाहिक संबंधों द्वारा अपनी आंतरिक स्थिति सुदृढ़ किया।
 - उसने तीन प्रमुख राजवंशों के साथ वैवाहिक संबंध स्थापित किया।
- ➔ चंद्रगुप्त II ने नाग राजकुमारी कुबेरनागा के साथ अपना विवाह किया।
 - इससे प्रभावती गुप्ता नामक कन्या का जन्म हुआ।
- ➔ पूना ताम्रपत्र में प्रभावती गुप्ता ने अपनी माता को 'नागकुलसंभूता' (नागकुल में उत्पन्न) कहा है।
- ➔ नाग राजवंश मथुरा, अहिच्छत्र, पद्मावती आदि क्षेत्रों में स्थित था।
- ➔ चंद्रगुप्त ने अपनी पुत्री प्रभावती गुप्ता का विवाह वाकाटक नरेश रुद्रसेन द्वितीय के साथ कर दिया।
- ➔ वाकाटकों तथा गुप्तों की संयुक्त शक्ति ने शकों का उन्मूलन कर दिया।
 - आधुनिक महाराष्ट्र प्रांत में वाकाटक शासन करते थे।
- ➔ कदंब राजवंश का शासन कुंतल (कर्नाटक) में था।
- ➔ तालगुण्ड अभिलेख से ज्ञात होता है कि कदंब शासक काकुत्सवर्मन् ने अपनी पुत्री का विवाह गुप्त राजकुमार से किया था।
- ➔ क्षेमेंद्रकृत 'औचित्यविचारचर्चा' तथा भोज के 'शृंगारप्रकाश' से ज्ञात होता है कि चंद्रगुप्त ने कालिदास को अपना दूत बनाकर कुंतल नरेश के दरबार में भेजा था।
- ➔ चंद्रगुप्त द्वितीय के समय शक शासक रुद्रसिंह तृतीय था।
 - शकों पर विजय प्राप्त करने के उपलक्ष्य में उसने व्याघ्र शैली के चांदी के सिक्के चलाए।
 - शकों को हराने के कारण चंद्रगुप्त द्वितीय की एक अन्य उपाधि शकारि भी है।
- ➔ दिल्ली के महारौली नामक स्थान से 'मेहरौली लौह स्तंभ लेख' प्राप्त हुआ है, जो वर्तमान में कुतुबमीनार के समीप है।
- इसमें 'चंद्र' नामक किसी राजा की उपलब्धियों का वर्णन किया गया है, जिसका समीकरण गुप्तवंशीय शासक चंद्रगुप्त द्वितीय से किया जाता है।
- इस स्तंभ के शीर्ष पर भगवान विष्णु के वाहक गरुड़ का चिह्न अंकित था।
- ➔ चंद्रगुप्त द्वितीय का संधिविग्रहिक सचिव वीरसेन 'शाव' था।
 - उदयगिरि गुहालेख में इसका उल्लेख मिलता है।
- ➔ आम्रकादंब चंद्रगुप्त द्वितीय का प्रधान सेनापति था।
- ➔ चंद्रगुप्त द्वितीय के एक पुत्र गोविंदगुप्त 'तीरभुक्ति' प्रदेश का राज्यपाल था।
 - इस प्रदेश का उल्लेख बसाद मुद्रालेख में मिलता है।
- ➔ अनुश्रुति के अनुसार, चंद्रगुप्त द्वितीय के दरबार में नौ विद्वानों की मण्डली थी, जिसे 'नौरत्न' कहा गया।
 - ये 'नौरत्न' थे—कालिदास (महाकवि), धन्वन्तरि (चिकित्सक), क्षपणक (ज्योतिष), अमरसिंह (कोशकार), शंकु (वास्तुकार), केतालभट्ट (जादूगर), घटकर्पर (कूटनीतिज्ञ), वाराहमिहिर (खगोल विज्ञानी) तथा वररुचि (वैयाकरणज्ञ)।
- ➔ चंद्रगुप्त द्वितीय का संधिविग्रहिक वीरसेन व्याकरण, न्याय, मीमांसा का प्रकाण्ड पंडित एवं कवि था।
- ➔ **फाह्यान**
- ➔ चंद्रगुप्त द्वितीय के समय में चीनी यात्री फाह्यान भारत आया था।
 - उसने 399 ई. से 414 ई. तक भारत के विभिन्न स्थानों का भ्रमण किया।
- ➔ फाह्यान ने मध्य देश का वर्णन विस्तारपूर्वक किया है।
 - उसके अनुसार, यह ब्राह्मणों का देश था जहां लोग सुखी और संपन्न थे।
 - बजारों में बूचड़खाने तथा मदिरालय नहीं थे।
 - लोग क्रय-विक्रय में कौड़ियों का प्रयोग करते थे।
- ➔ पवित्र बौद्ध स्थलों की फाह्यान ने यात्रा की।
 - 'जेतवन विहार' की वह प्रशंसा करता है।
 - कपिलवस्तु नगर को वह उजड़ा हुआ पाया।
 - उसने लुम्बिनी, रामग्राम तथा वैशाली की यात्रा की।
 - उसने पाटलिपुत्र में अशोक के राजमहल को देखा तथा इसकी भव्यता से इतना अधिक प्रभावित हुआ कि इसके बारे में लिखा कि इसका निर्माण दैत्यों द्वारा किया गया था।
- ➔ उसने नालंदा, राजगृह तथा बोधगया की भी यात्रा की।
- ➔ उसने अपनी वापसी यात्रा पाटलिपुत्र से प्रारंभ किया।



- Q. 6 जुलाई, 2018** को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'वन महोत्सव, 2018' का शुभारंभ किस जिले में किया?
- A.** बाराबंकी में।
- Q. 6 जुलाई, 2018** को किस राज्य सरकार ने यहूदी समुदाय को धार्मिक अल्पसंख्यक का दर्जा प्रदान करने की घोषणा की?
- A.** गुजरात सरकार ने।
- Q. 5 जुलाई, 2018** को अंतरराष्ट्रीय ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी केंद्र (ICAT) ने किस ऑटोमोबाइल कंपनी को प्रथम बीएस-VI इंजन प्रमाण-पत्र जारी किया?
- A.** मेसर्स वोल्वो आयशर कॉमर्शियल वेहिकल लिमिटेड को।
- Q. 2 जुलाई, 2018** को भारतीय भुगतान परिषद (PCI) का नया अध्यक्ष किसे नियुक्त किया गया?
- A.** विश्वास पटेल को।
- Q. 4 जुलाई, 2018** को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने त्रिपुरा के अगरतला हवाई अड्डे का नाम बदलने को मंजूरी प्रदान की। इस हवाई अड्डे का नया नाम क्या है?
- A.** महाराजा वीर विक्रम माणिक्य किशोर हवाई अड्डा, अगरतला।
- Q. 3 जुलाई, 2018** को भारत निर्वाचन आयोग ने आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की रिपोर्ट करने में नागरिकों को सक्षम बनाने के लिए कौन-सा मोबाइल ऐप लांच किया?
- A.** 'सीविजिल' (cVIGIL)।
- Q. 3-6 जुलाई, 2018** के मध्य 'आपदा जोखिम में कमी पर एशियाई मंत्रिस्तरीय सम्मेलन, 2018' कहाँ आयोजित किया गया?
- A.** उलानबटोर, मंगोलिया में।
- Q. 30 जून, 2018** को किसने केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा कर बोर्ड (CBIC) के अध्यक्ष का कार्यभार ग्रहण किया?
- A.** एस. रमेश ने।
- Q. 30 जून, 2018** को मनामा, बहरीन में यूनेस्को द्वारा किसे भारत की 37वीं विश्व धरोहर संपदा घोषित किया गया?
- A.** मुंबई के विक्टोरियन गोथिक एवं आर्ट डेको इंसेबल्स को।
- Q. 1 जुलाई, 2018** को किसने आगुध निर्माणी बोर्ड के नए महानिदेशक एवं अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया?
- A.** पी.के. श्रीवास्तव ने।
- Q. 1 जुलाई, 2018** को उत्तर प्रदेश वाणिज्य कर विभाग द्वारा दो माह के लिए जी.एस.टी. दिवस पर कौन-सी योजना शुरू की गई?
- A.** 'वाणिज्य कर आपके द्वार' योजना।
- Q. 27 जून, 2018** को किसने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जाट-सहित अन्य पिछड़े वर्गों के पिछड़ेपन का पता लगाने के लिए गठित समिति में अध्यक्ष का कार्यभार ग्रहण किया?
- A.** न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) राघवेन्द्र कुमार ने।
- Q. 29 जून, 2018** को किस राज्य सरकार ने गट्टू सिंचाई परियोजना की आधारशिला रखी?
- A.** तेलंगाना सरकार ने।
- Q. 29 जून, 2018** को नीति आयोग ने 31 मार्च, 2018 से 31 मई, 2018 के बीच जिलों के स्व-रिपोर्ट किए गए आंकड़ों के आधार पर आकांक्षी जिलों के लिए पांच विकासात्मक क्षेत्रों में पहली डेल्टा रैंकिंग (वृद्धिशील प्रगति) शुरू की। इसके तहत पहला स्थान किस जिले ने प्राप्त किया?
- A.** दाहौद (गुजरात) ने।
- Q. 29 जून, 2018** को स्वयंसेवी संगठन 'बचपन बचाओ आंदोलन' और 'कैपजेमिनी' द्वारा विकसित उस ऐप का नाम क्या है, जो भारत में खोए हुए बच्चों का पता लगाने में सहायता प्रदान करेगा?
- A.** रीयूनाइट (ReUnite)।
- Q. 28 जून, 2018** को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहाँ पर संत कबीर अकादमी का शिलान्यास किया?
- A.** मगहर, जनपद संत कबीर नगर (उत्तर प्रदेश) में।
- Q. 27 जून, 2018** को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा किन दो स्थानों पर 6.5 एमएमटी क्षमता के अतिरिक्त आपातकालीन पेट्रोलियम भंडार स्थापित करने और इन दोनों के लिए समर्पित एसपीएम (सिंगल प्वाइंट मूरिंग) के निर्माण को मंजूरी प्रदान की गई?
- A.** कर्नाटक के पदुर और ओडिशा के चांदीखोल में।
- Q. 27 जून, 2018** को आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने एक्सपोर्ट क्रेडिट गारंटी कॉर्पोरेशन लिमिटेड में कितनी पूंजी निवेश को मंजूरी दी?
- A.** 2000 करोड़ रुपये की।

- Q. जून, 2018 में किसे भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (SEBI) का पूर्णकालिक सदस्य नियुक्त किया गया?
- A. अनंत बरुआ को।
- Q. 30 जून, 2018 को पहली बार किस हवाई अड्डे से शारजाह को भेड़-बकरियों का निर्यात किया गया?
- A. नागपुर हवाई अड्डा से।
- Q. 29 जून, 2018 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय वृद्धजन केंद्र की आधारशिला कहाँ रखी?
- A. एम्स, नई दिल्ली में।
- Q. 2 जुलाई, 2018 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लोकार्पित 'नगरीय प्रशिक्षण एवं शोध केंद्र व स्थानीय निकाय निदेशालय' कहाँ स्थित है?
- A. लखनऊ में।
- Q. 1 जुलाई, 2018 को फ्रांस में लेस सैबल्स डी' ओलोन हार्बर से आरंभ हुई गोल्डेन ग्लोब रेस, 2018 में भाग लेने वाले एकमात्र एशियाई कौन हैं?
- A. अभिलाष टोमी (भारतीय नौसेना कमांडर)।
- Q. जहाजरानी मंत्रालय के बंदरगाह आधारित समृद्धि का वह कौन-सा कार्यक्रम है, जिसे हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित 52वें स्कॉच सम्मेलन, 2018 में बुनियादी ढांचा क्षेत्र में स्वर्ण पुरस्कार मिला?
- A. सागरमाला कार्यक्रम को।
- Q. पुणे और हैदराबाद नगर निगम के बाद अमृत (AMRUT) योजना के लिए बॉण्ड जारी करने वाला देश का तीसरा नगर निगम कौन है?
- A. इंदौर नगर निगम।
- Q. 25-26 जून, 2018 के मध्य एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इंवेस्टमेंट बैंक (AIIB) की तीसरी वार्षिक बैठक कहाँ आयोजित की गई?
- A. मुंबई में।
- Q. जून, 2018 में अपनी भारत यात्रा के दौरान सेशेल्स के राष्ट्रपति ने भारतीय राज्यों का दौरा किया। वे भारतीय राज्य कौन-कौन से थे?
- A. गुजरात, गोवा तथा उत्तराखंड।
- Q. 26 जून, 2018 को किसके द्वारा वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट जारी की गई?
- A. भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा।
- Q. 29 जून, 2018 को जारी आंकड़ों के अनुसार मार्चात, 2018 में भारत का कुल विदेशी ऋण भंडार कितना है?
- A. 529.7 बिलियन डॉलर।
- Q. कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा किसानों की आय में वृद्धि हेतु 1 जून से 31 जुलाई, 2018 के मध्य चलाया जा रहा अभियान कौन-सा है?
- A. कृषि कल्याण अभियान।
- Q. जून, 2018 में जारी भारत के पहले 'आपदा जोखिम सूचकांक' में सर्वाधिक आपदा जोखिम वाले राज्यों में क्रमशः पहले एवं दूसरे स्थान पर महाराष्ट्र एवं पश्चिम बंगाल के बाद तीसरे स्थान पर कौन-सा राज्य है?
- A. उत्तर प्रदेश।
- Q. 24 जून, 2018 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए किस मेट्रो लाइन का उद्घाटन किया?
- A. बहादुरगढ़ (हरियाणा) - मुंडका (दिल्ली) मेट्रो लाइन का।
- Q. जून, 2018 में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राज्य सभा में लंबित किस विधेयक को वापस लेने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी?
- A. नालंदा विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2013 को।
- Q. 27 जून, 2018 को लगभग साढ़े तीन वर्ष की यात्रा के पश्चात हायाबुसा-2 अंतरिक्षयान किस क्षुद्रग्रह पर पहुंच गया?
- A. रयुगु क्षुद्रग्रह पर।
- Q. 26 जून, 2018 को छठें पासपोर्ट सेवा दिवस के अवसर पर विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने कौन-सा मोबाइल ऐप लांच किया जिसमें पासपोर्ट सेवाओं के लिए आवेदन करने, भुगतान करने और समय निर्धारित करने की सुविधाएं होंगी?
- A. एम-पासपोर्ट सेवा मोबाइल ऐप का।
- Q. जून, 2018 में भारत का सबसे युवा एवं विश्व का दूसरा सबसे युवा शतरंज ग्रैंडमास्टर कौन बना?
- A. आर. प्रागनानंद।
- Q. जून, 2018 में भारतीय स्टेट बैंक का प्रबंध निदेशक किसे नियुक्त किया गया?
- A. अरिजीत बसु को।
- Q. देश का पहला खादी मॉल किस राज्य में स्थापित किया जाएगा?
- A. झारखंड में।
- Q. प्रो. अभिजीत चक्रवर्ती (भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद) के नेतृत्व में वैज्ञानिक टीम ने सूर्य जैसे तारे के चारों ओर उप-शनि या सुपर-नेपच्यून आकार के ग्रह की खोज की है। इस ग्रह का द्रव्यमान पृथ्वी के द्रव्यमान का 27 गुना और त्रिज्या पृथ्वी की त्रिज्या का 6 गुना है। इस ग्रह का नाम क्या है?
- A. ई.पी.आई.सी. 211945201बी या के2-236 बी।
- Q. 23 जून, 2018 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश में कौन-सी सिंचाई परियोजना राष्ट्र को समर्पित की?
- A. मोहनपुरा सिंचाई परियोजना।
- Q. 21 जून, 2018 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुभाष चंद्रा (चेयरमैन, एस्सेल ग्रुप) द्वारा स्थापित यो-वन प्राकृतिक उपचार केंद्र (Natural Cure Centre) का उद्घाटन किया। यह प्राकृतिक उपचार केंद्र कहाँ स्थित है?
- A. न्यूयॉर्क, संयुक्त राज्य अमेरिका में।

- Q. 21 जून, 2018 को कौन इंटरनेशनल चैंबर ऑफ कॉमर्स (ICC) के अध्यक्ष निर्वाचित हुए?
- A. पॉल पोलमैन (सीईओ, यूनीलीवर)
- Q. जून, 2018 में किस राज्य सरकार द्वारा राज्य में योग आयोग के गठन का निर्णय किया गया?
- A. हरियाणा सरकार द्वारा
- Q. 20 जून, 2018 को 100वें स्मार्ट सिटी के रूप में चयनित शहर कौन-सा है?
- A. शिलांग (मेघालय)
- Q. जून, 2018 में खादी और ग्रामोद्योग आयोग (KVIC) द्वारा स्वच्छता अभियान के लिए किस गांव को गोद लिया गया?
- A. जगतपुर गांव (दिल्ली) को।
- Q. 18-20 जून, 2018 के मध्य 'राष्ट्रीय योग ओलंपियाड, 2018' का आयोजन कहाँ किया गया?
- A. नई दिल्ली में।
- Q. 19 जून, 2018 को नवीन एवं नवीकरणीय मंत्रालय द्वारा अपतटीय पवन ऊर्जा क्षमता बढ़ाने हेतु घोषित मध्यम (वर्ष 2022 तक) एवं दीर्घकालिक (वर्ष 2030 तक) लक्ष्य कितना है?
- A. क्रमशः 5 गीगावॉट एवं 30 गीगावॉट।
- Q. 19 जून, 2018 को भारत के साथ रक्षा संबंधों को विस्तार देने संबंधी राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण विधेयक, 2019 को किसके द्वारा पारित किया गया?
- A. अमेरिकी सीनेट द्वारा।
- Q. 22 जून, 2018 को ओपेक का 15वां पूर्ण सदस्य कौन-सा देश बना?
- A. कांगो गणराज्य।
- Q. 20 जून, 2018 को 'इंडिया स्मार्ट सिटी पुरस्कार, 2018' के तहत परियोजनाओं के कार्यान्वयन में तेज गति प्रदर्शित करने पर किस स्मार्ट सिटी को 'सिटी अवॉर्ड' के लिए चुना गया?
- A. सूरत स्मार्ट सिटी को।
- Q. 18-24 जून, 2018 के मध्य साल्ट लेक सिटी, अमेरिका में संपन्न हुंडई तीरंदाजी विश्व कप, 2018 (स्टेज श्री) में रिकर्व महिला स्पर्धा की स्वर्ण पदक विजेता कौन हैं?
- A. दीपिका कुमारी (भारत)।
- Q. 24 जून, 2018 को मंगोलिया में संपन्न उलानबटोर कप मुक्केबाजी प्रतियोगिता में भारत के लिए एकमात्र स्वर्ण पदक विजेता कौन हैं?
- A. मनदीप जांगड़ा (69 किग्रा. भार वर्ग)।
- Q. 19 जून, 2018 को अंतरराष्ट्रीय एकदिवसीय क्रिकेट (पुरुष) में एक पारी में सर्वाधिक टीम स्कोर का रिकॉर्ड किस देश ने बनाया?
- A. इंग्लैंड ने, ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध, 6 विकेट पर 481 रन।
- Q. 19 जून, 2018 को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद की सदस्यता को त्यागने की घोषणा करने वाला कौन-सा देश है?
- A. अमेरिका।
- Q. पुस्तक 'संभवामि युगे युगे' के लेखक कौन हैं?
- A. विद्या सिंह।
- Q. 'अंतरराष्ट्रीय एल्बिनिज्म जागरूकता दिवस' कब मनाया जाता है?
- A. 13 जून को।
- Q. बाईचुंग भूटिया के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 100 मैच खेलने वाला दूसरा भारतीय फुटबॉल खिलाड़ी कौन है?
- A. सुनील छेत्री।
- Q. 23 जून से 1 जुलाई, 2018 के मध्य ब्रेडा, नीदरलैंड्स में संपन्न पुरुषों की रबोबैंक हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी, 2018 का विजेता एवं उपविजेता कौन हैं?
- A. क्रमशः ऑस्ट्रेलिया एवं भारत।
- Q. 14 जून, 2018 को जारी समग्र जल प्रबंधन सूचकांक, 2016-17 के अनुसार, गैर-हिमालयी राज्यों में शीर्ष स्थान पर कौन-सा राज्य है?
- A. गुजरात (मध्य प्रदेश दूसरे तथा आंध्र प्रदेश तीसरे स्थान पर)।
- Q. 13 जून, 2018 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पूर्वोत्तर परिषद के पुनर्गठन को मंजूरी प्रदान की। इसका अध्यक्ष कौन होगा?
- A. केंद्रीय गृहमंत्री।
- Q. 25 जून, 2018 को विश्व खाद्य फाउंडेशन द्वारा वर्ष 2018 का प्रतिष्ठित विश्व खाद्य पुरस्कार किसे प्रदान किए जाने की घोषणा की गई?
- A. डॉ. लॉरेंस हैडाड एवं डेविड नाबैरो को।
- Q. 19 जून, 2018 को मुंबई में संपन्न 55वें फेमिना मिस इंडिया, 2018 का खिताब किसने जीता?
- A. अनुकृति वास (तमिलनाडु) ने।
- Q. 14 जून, 2018 को किस प्रसिद्ध चित्रकार की पेंटिंग 'काली' एक ऑनलाइन नीलामी में रिकॉर्ड 26.4 करोड़ रुपये में बिकी?
- A. तैयब मेहता की।
- Q. जून, 2018 में अमेरिका की सबसे बड़ी वाहन निर्माता कंपनी जनरल मोटर्स का मुख्य वित्तीय अधिकारी (CFO) किसे नियुक्त किया गया?
- A. भारतीय मूल की अमेरिकी महिला दिव्या सूर्यदेवरा को।
- Q. 31 मई, 2018 को 'उत्तर अटलांटिक संधि संगठन' (NATO) में वैश्विक भागीदार के रूप में शामिल होने वाला प्रथम लैटिन अमेरिकी राष्ट्र कौन है?
- A. कोलम्बिया।
- Q. 19 मई, 2018 को दक्षिण एशिया में पहली बार निपाह वायरस रोग के मामले कहाँ पर दर्ज किए गए?
- A. कोझीकोड (केरल) में।

सम-सामयिक **घटना चक्र**

अतिरिक्तांक



G.S.

प्वाइंडर

(पूर्वावलोकन सार)

निःशुल्क

जुलाई-अगस्त, 2018
अंक के साथ

पर्यावरण एवं

पारिस्थितिकी

शृंखला का अगला अंक - **आर्थिक एवं सामाजिक विकास**

GS प्वाइंटर 8

सामान्य अध्ययन

2017, अगस्त माह से सम-सामयिक घटना चक्र मुख्य पत्रिका के साथ निःशुल्क अतिरिक्तांक की शृंखला प्रारंभ की गई है। शृंखला में सामान्य अध्ययन के विभिन्न विषयों पर GS 'प्वाइंटर' क्रमशः प्रस्तुत किया जाएगा।

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

पर्यावरण एवं सतत विकास

- * 'सतत विकास लक्ष्य', 2017 के सूचकांक में भारत का स्थान है
—116वां
- * वर्षा की मात्रा निर्भर करती है
—वायुमंडल में नमी पर
- * जलमंडल, स्थलमंडल, जैवमंडल तथा जीवोम में से पृथ्वी का सर्वाधिक बृहद पारिस्थितिक तंत्र है
—जैवमंडल
- * नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एन.जी.टी.) की भारत सरकार द्वारा स्थापना की गई थी
—वर्ष 2010 में
- * पर्यावरण से अभिप्राय है
—भूमि, जल, वायु, पौधों एवं पशुओं की प्राकृतिक दुनिया जो इनके चारों ओर अस्तित्व में है।
उन संपूर्ण दशाओं का योग जो व्यक्ति को एक समय विंदु पर घेरे हुए होती है।
भौतिक, जैविकीय एवं सांस्कृतिक तत्वों की अंतःक्रियात्मक व्यवस्था जो अंतःसंबंधित होती हैं।
- * पृथ्वी पर पाए जाने वाले भूमि, जल, वायु, पेड़-पौधों एवं जीव-जंतुओं का समूह जो हमारे चारों ओर है, सामूहिक रूप से कहलाता है
—पर्यावरण
- * पर्यावरण किसी जीव के चारों तरफ घिरे भौतिक एवं जैविक दशाएं एवं उनके साथ अंतःक्रिया को सम्मिलित करता है —पर्यावरण (संरक्षण)
अधिनियम, 1986 की परिभाषा के अनुसार
- * पर्यावरणीय सुरक्षा से संबंध नहीं है
—गरीबी कम करने का
- * भारत में पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम पारित हुआ
—वर्ष 1986 में
- * पर्यावरण बनता है
—जीवीय घटकों, भू-आकृतिक घटकों, तथा अजैव घटकों से
- * पर्यावरण के कुछ कारक संसाधन के रूप में कार्य करते हैं तथा कुछ कारक कार्य करते हैं
—नियंत्रक के रूप में
- * धारणीय विकास के उपयोग के संदर्भ में अंतर-पीढ़ीगत संवेदनशीलता का विषय है
—प्राकृतिक संसाधन
- * विकास की वह अवधारणा जिसके तहत वर्तमान की आवश्यकताओं के साथ-साथ भविष्य की आवश्यकताओं को भी ध्यान में रखा जाता है
—धारणीय विकास
- * वर्ष 2002 में जोहॉन्सबर्ग में आयोजित पृथ्वी सम्मेलन का मुख्य मुद्दा था
—सतत विकास
- * संयुक्त राष्ट्र संघ ने सतत विकास लक्ष्यों (Sustainable Development Goals-SDGS) का निर्धारण किया है, वे हैं कुल
—17
- * सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की प्रगति की दिशा में विभिन्न देशों द्वारा किए गए प्रयासों की प्रगति जानने हेतु निर्माण किया गया है
—सस्टेनेबल डेवलपमेंट इंडेक्स का
- * 'विश्व पर्यावरण दिवस' मनाया जाता है
—5 जून को

- * देश की प्राकृतिक पूंजी में सम्मिलित किए जाते हैं
—वन, जल तथा खनिज
- * वे संसाधन, जो हमें प्रकृति द्वारा प्रदत्त होते हैं, कहलाते हैं
—प्राकृतिक पूंजी अथवा प्राकृतिक संसाधन
- * वर्ष 1972 में आयोजित किया गया था
—स्टॉकहोम अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन
- * सौर विकिरण की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है —जल चक्र में
- * राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी शोध संस्थान (NEERI) अवस्थित है
—नागपुर में
- * NEERI कार्य करता है —विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन
- * सतत विकास के लिए आवश्यक है —जैविक विविधता का संरक्षण,
प्रदूषण का निरोध एवं नियंत्रण तथा निर्धनता को घटाना
- * पृथ्वी शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया था —रियो में
- * संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा पर्यावरण एवं सतत विकास पर पहला पृथ्वी
शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया
—वर्ष 1992 में रियो डी जनेरियो (ब्राजील) में
- * पृथ्वी सम्मेलन में 21वीं सदी के लिए पर्यावरणीय विकास हेतु कार्यक्रम
निर्धारित किए गए। इन कार्यक्रमों को नाम दिया गया —एजेंडा-21
- * रियो-20 घोषणा-पत्र का शीर्षक था —द फ्यूचर वी वांट
- * पृथ्वी के चारों ओर गैसों के समूह को कहते हैं —वायुमंडल
- * वायु है, एक —मिश्रण
- * नाइट्रोजन (78%), ऑक्सीजन (21%), ऑर्गन (0.93%), कार्बन
डाइऑक्साइड (0.038%), इत्यादि गैसों पाई जाती हैं
—वायुमंडल (Atmosphere) में
- * नोबल गैसों में से वह गैस जो वायु में नहीं पाई जाती है —रेडॉन
- * वातावरण में सर्वाधिक प्रतिशत है —नाइट्रोजन का
- * यदि पृथ्वी पर पाई जाने वाली वनस्पतियां (पेड़-पौधे) समाप्त हो जाएं,
तो वह गैस जिसकी कमी होगी —ऑक्सीजन
- * वह कार्य जो पेड़-पौधों का नहीं है —वायु का प्रदूषण
- * पृथ्वी के कार्बन चक्र में कार्बन डाइऑक्साइड जुड़ती है
—श्वसन, जैव पदार्थों का अपक्षय तथा ज्वालामुखी क्रियाओं द्वारा
- * कार्बन पृथ्वी पर बहुत सारी अवस्थाओं में पाया जाता है, यह अपने मूल
रूप में पाया जाता है —ग्रेफाइट एवं हीरा में
- * पृथ्वी के कार्बन चक्र में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा को नहीं बढ़ाता
है —प्रकाश संश्लेषण
- * अपक्षय का विचार संबंधित है —एक प्राकृतिक क्रिया से जो चट्टानों
को सूक्ष्म कणों में विभक्त करती है
- * विश्व मौसम विज्ञान संगठन का मुख्यालय अवस्थित है —जेनेवा में
- * विश्व मौसम विज्ञान अभिसमम (World Meteorological Convention)
लागू हुआ —23 मार्च, 1950 को
- * यू.एन.ई.पी. का मुख्यालय अवस्थित है —नैरोबी में
- * संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP-United Nations
Environment Programme) की स्थापना हुई थी —वर्ष 1972 में
- * UNEP के वर्तमान प्रमुख हैं —एरिक सोल्हेम
- * EPA का पूर्ण रूप है —इनवायरमेंटल प्रोटेक्शन एजेंसी
- * EPA (Environmental Protection Agency) संयुक्त राष्ट्र अमेरिका
की संघीय एजेंसी है, जिसकी स्थापना की गई थी —2 दिसंबर, 1970 को
- * N.E.A. से आशय है —नेशनल इनवायरमेंट अथॉरिटी
- * ग्रीन पीस इंटरनेशनल का मुख्यालय अवस्थित है —एम्सटर्डम में
- * ग्रीन पीस इंटरनेशनल है —एक गैर-सरकारी पर्यावरण संगठन
- * 'इकोमार्क' उन भारतीय उत्पादों को दिया जाता है, जो
—पर्यावरण के प्रति मैत्रीपूर्ण हों
- * ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स द्वारा वर्ष 1991 से दिया जा रहा है
—'इकोमार्क' प्रमाण-पत्र
- * पर्यावरण अनुकूल उपभोक्ता-उत्पादों को चिह्नित करने के लिए सरकार
ने आरंभ किया है —इकोमार्क
- * धारणीय कृषि (Sustainable Agriculture) का अर्थ है
—भूमि का इस प्रकार प्रयोग कि उसकी गुणवत्ता अक्षुण्ण बनी रहे
- * भारत में टिकाऊ कृषि के लिए राष्ट्रीय मिशन चल रहा है
—वर्ष 2014-15 से
- * भारत में 'हरितगृह कृषि' (Green House Farming) प्रारंभ करने
वाला राज्य है —पंजाब
- * कथन (A): प्राकृतिक वनस्पति जलवायु का सही सूचकांक है।
कारण (R): जल-प्रिय पौधे आर्द्र जलवायु में पाए जाते हैं।
—(A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R),
(A) का सही स्पष्टीकरण है।
- * नगरीकरण एवं औद्योगीकरण हानिकारक है
—संतुलित विकास के लिए, पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी
के लिए, जैव-विविधता के संरक्षण के लिए
- * राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण अधिनियम, 2010 भारतीय संविधान के
जिस प्रावधान के आनुरूप्य अधिनियमित हुआ था/हुए थे
—स्वस्थ पर्यावरण के अधिकार के आनुरूप्य,
जो अनुच्छेद 21 के अंतर्गत जीवन के अधिकार
का अंग माना जाता है

- * राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (National Green Tribunal) के अध्यक्ष हैं
—**जस्टिस आदर्श कुमार गोयल**
- * राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण की स्थापना राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण अधिनियम, 2010 के तहत की गई —**18 अक्टूबर, 2010 को**
- * 'हरित विकास' (ग्रीन डेवलपमेंट) पुस्तक के लेखक हैं
—**डब्ल्यू.एम. एडम्स**
- * आम तौर पर समाचारों में आने वाला रियो + 20 (Rio+20) सम्मेलन है
—**धारणीय विकास (सस्टेनेबल डेवलपमेंट) पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन**
- * रियो + 20, धारणीय विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन का लघु नाम है। यह सम्मेलन जून, 2012 में संपन्न हुआ था
—**रियो डी जनेरियो, ब्राजील में**
- * पृथ्वी सम्मेलन+5 आयोजित हुआ था —**वर्ष 1997 में**
- * 23-27 जून, 1997 के मध्य संयुक्त राष्ट्र महासभा ने एक विशेष बैठक का आयोजन किया (जो रियो+5 या पृथ्वी सम्मेलन+5 के नाम से जाना जाता है)
—**न्यूयॉर्क में**
- * विकास की वह अवधारणा जिसके तहत वर्तमान की आवश्यकताओं के साथ-साथ भविष्य की आवश्यकताओं को भी ध्यान में रखा जाता है
—**धारणीय विकास (Sustainable Development)**
- * वैज्ञानिकों, अर्थविदों, सिविल सेवकों तथा व्यवसायियों की एक संस्था जो मानवता के समक्ष उपस्थित होने वाली वैश्विक चुनौतियों के समाधान हेतु सुझाव देती है
—**क्लब ऑफ रोम**
- * अर्थ समिट या पृथ्वी शिखर सम्मेलन स्टॉकहोम सम्मेलन की 20वीं वर्षगांठ मनाने के लिए आयोजित किया गया। इसमें सम्मिलित देशों ने धारणीय विकास के लिए एक कार्यवाही योजना स्वीकृत की, जिसे जाना जाता है
—**'एजेंडा 21' के नाम से**
- * कई प्रतिरोपित पौधे इसलिए नहीं बढ़ते हैं, क्योंकि
—**प्रतिरोपण के दौरान अधिकांश मूल रोम नष्ट हो जाते हैं**
- * मूलरोम की कोशा-भित्ति मुख्यतया बनी होती है —**सेलुलोज से**
- * मूलरोम मृदा से चिपके रहते हैं —**पेक्टिन के कारण**
- * पर्यावरण अपकर्ष से अभिप्राय है
—**पर्यावरणीय गुणों का पूर्ण रूप से निम्नीकरण, मानवीय क्रिया-कलापों से विपरीत परिवर्तन लाना, पारिस्थितिकीय विभिन्नता के परिणामस्वरूप पारिस्थितिकीय असन्तुलन**
- * पर्यावरण संतुलन के संरक्षण से संबंधित है
—**वन नीति, पर्यावरण (सुरक्षा) अधिनियम, 1986, औद्योगिक नीति तथा शिक्षा नीति**
- * 'जैव-विविधता पर अभिसमय' एवं 'जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र ढांचा अभिसमय' के लिए वित्तीय क्रियाविधि के रूप में काम करता है
—**भूमंडलीय पर्यावरण सुविधा (GEF)**
- * वैश्विक पर्यावरण सुविधा (GEF-Global Environment Facility) की स्थापना की गई
—**रियो अर्थ समिट, 1992 के दौरान**
- * UNFCCC के तहत अल्प विकसित देशों को अल्प विकसित देश निधि (Least Developed Countries Fund : LDCF) उपलब्ध कराता है
—**GEF**
- * विशिष्ट जलवायु परिवर्तन निधि (The Special Climate Change Fund : SCCC) की स्थापना की गई
—**CoP-7 की बैठक माराकेश से प्राप्त निर्देशों के आधार पर**
- * वर्तमान में GEF की मुख्य कार्यकारी अधिकारी व अध्यक्ष हैं
—**नाओको इशी (Naoko Ishii)**
- * पलाचीमाड़ा जो पर्यावरण की अपार क्षति के कारण चर्चा में था, अवस्थित है
—**केरल में**
- * पर्यावरण सुरक्षा अधिनियम (ई.पी.ए.) को अन्य जिस नाम से जाना जाता है
—**छाता विधान**
- * वर्ष 1972 में स्टॉकहोम में आयोजित संयुक्त राष्ट्र के प्रथम मानव पर्यावरण सम्मेलन के निर्णयों को कार्यान्वित करने के उद्देश्य से भारत सरकार ने पारित किया —**पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986**
- * जेनेटिक इंजीनियरिंग अनुमोदन समिति का गठन किया गया है
—**पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के अधीन**
- * जेनेटिक इंजीनियरिंग अनुमोदन समिति (Genetic Engineering Approval Committee) का नाम बदल दिया गया है। 'आनुवंशिक इंजीनियरिंग अनुमोदन समिति' शब्दों के स्थान पर, जहां कहीं वे आते हैं, शब्द रखे जाएंगे —**आनुवंशिक इंजीनियरिंग आकलन समिति (Genetic Engineering Appraisal Committee)**
- * अपने वार्षिक सर्वेक्षण के परिणाम के रूप में नेशनल जियोग्राफिक सोसायटी एवं अंतरराष्ट्रीय मतदान कंपनी ग्लोबस्केन ने ग्रीन-डेक्स, 2009 स्कोर के तहत भारत को शीर्ष स्थान दिया। वह स्कोर है
—**विभिन्न देशों में पर्यावरणीय रूप से धारणीय उपभोक्ता व्यवहार का मापक**
- * भारत में कृषि के पर्यावरण अनुकूल, दीर्घस्थायी विकास के लिए जो रणनीति सर्वश्रेष्ठ है
—**मिश्र शास्यन, कार्बनिक खादें, नाइट्रोजन यौगिकीकर पौधे और कीट प्रतिरोध शास्य किस्में**

- * प्राकृतिक कृषि का अन्वेषक है —**मसानोवू फुफुका**
- * पर्यावरण संरक्षण के लिए 'ग्रीन आर्मी' को प्रारंभ किया —**ऑस्ट्रेलिया ने**

पारिस्थितिकी

- * 10 प्रतिशत नियम संबंधित है —**ऊर्जा का खाद्य के रूप में एक पोषी स्तर से दूसरे पोषी स्तर तक पहुंचने से**
- * जीव से जैवमंडल तक जैविक संगठन का सही क्रम है—**जनसंख्या → समुदाय → पारिस्थितिक तंत्र → भू-दृश्य**
- * स्वपोषी (स्वपोषणज) स्तर पर उत्पादन को कहा जाता है —**प्राथमिक उत्पादकता**
- * परपोषी (विषम पोषणज) स्तर के उत्पादन के संदर्भ में आता है —**द्वितीयक उत्पादकता**
- * एक पारिस्थितिक तंत्र में ऊर्जा की मात्रा एक पोषण स्तर से अन्य स्तर में स्थानांतरण के पश्चात —**घटती है**
- * कुछ कारणों वश यदि तितलियों की जाति (स्पीशीज) की संख्या में बड़ी गिरावट होती है तो इसके जो संभावित परिणाम हो सकते हैं, वे हैं —**कुछ पौधों के परागण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसके कारण बरों, मकड़ियों और पक्षियों की कुछ प्रजातियों की समष्टि में गिरावट हो सकती है।**
- * पारिस्थितिकी पारस्परिक संबंधों का अध्ययन है —**जीव और वातावरण के बीच**
- * जीव विज्ञान की एक शाखा है जिसमें जीव समुदायों तथा उनके वातावरण के मध्य पारस्परिक संबंधों का अध्ययन करते हैं —**पारिस्थितिकी**
- * अर्नेस्ट हैकल ने पारिस्थितिकी (Ecology) शब्द का प्रयोग किया —**Oikologie के नाम से**
- * 'जीवधारियों के कार्बनिक और अकार्बनिक वातावरण और पारस्परिक संबंधों के अध्ययन को पारिस्थितिकी अथवा पारिस्थितिकी-विज्ञान' कहते हैं, यह बताया —**अर्नेस्ट हैकल ने**
- * पारिस्थितिकी प्रकृति की संरचना एवं प्रक्रिया का अध्ययन है, यह बताया —**यूजीन ओडम ने**
- * सर्वप्रथम 'पारिस्थितिकी तंत्र' (Ecosystem) की संकल्पना प्रस्तावित की गई —**वर्ष 1935 में ए.जी. टांसले द्वारा**
- * पारिस्थितिकी तंत्र की विचारधारा को बायोसिनोसिस (Biocoenosis) तथा माइक्रोकॉस्म कहा —**कार्ल मोबियस तथा फोर्ब्स ने**
- * प्रकृति की एक कार्यात्मक इकाई (Functional Unit) के रूप में जानी जाती है —**पारिस्थितिकी तंत्र**

- * पारिस्थितिक तंत्र के संबंध में सही कथन हैं —**पारिस्थितिकी तंत्र किसी निश्चित स्थान-समय इकाई के समस्त जीवों तथा भौतिक पर्यावरण का प्रतिनिधित्व करता है, यह एक कार्यशील इकाई है, इसकी अपनी उत्पादकता होती है।**
- * पारिस्थितिक तंत्र के विषय में सही नहीं है —**यह एक बंद तंत्र होता है**
- * पारितंत्र (ईकोसिस्टम) शब्द का सर्वोत्कृष्ट वर्णन है —**जीवों (ऑर्गनिज्म) का समुदाय और साथ ही वह पर्यावरण जिसमें वे रहते हैं**
- * किसी क्षेत्र के सभी जीवधारी तथा वातावरण में उपस्थित अजैव घटक संयुक्त रूप से निर्माण करते हैं —**पारितंत्र (Ecosystem) का**
- * कृत्रिम पारितंत्र है —**खेत**
- * कृत्रिम पारिस्थितिक तंत्र है —**धान का खेत**
- * घास स्थल, वन तथा मरुस्थल उदाहरण हैं —**स्थलीय पारिस्थितिक तंत्र के**
- * झील, नदियां तथा समुद्र आते हैं —**जलीय पारिस्थितिकीय तंत्र में**
- * किसी निश्चित क्षेत्र में प्राणियों की संख्या की सीमा, जिसे पर्यावरण समर्थन कर सकता है, कहलाती है —**वहन क्षमता**
- * बिना पर्यावरण की रुकावट के प्रजनन की क्षमता कहलाती है —**जैविक विभव (Biotic Potential)**
- * एक पद, जो केवल जीव द्वारा ग्रहण किए गए दिकस्थान का ही नहीं, बल्कि जीवों के समुदाय में उसकी कार्यात्मक भूमिका का भी वर्णन करता है —**पारिस्थितिक कर्मता**
- * पृथ्वी के सर्वाधिक क्षेत्र पर फैला हुआ पारिस्थितिकी तंत्र है —**सामुद्रिक**
- * पृथ्वी पर विद्यमान जलमंडल (Hydrosphere) में समुद्री जल होता है —**लगभग 97 प्रतिशत भाग**
- * समुद्री जल में सर्वाधिक व्याप्त लवण है —**सोडियम क्लोराइड**
- * पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में मदद करता है —**वनारोपण, वर्षा जल प्रबंधन तथा जैवमंडल भंडार**
- * वन्य जीव संरक्षण एवं पर्यावरण में व्याप्त प्रदूषण का निवारण मददगार है —**पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में**
- * भारत में पारिस्थितिक असंतुलन का एक प्रमुख कारण है—**वनोन्मूलन**
- * वह कार्य जिससे पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ता है —**वृक्ष काटना**

- * पारिस्थितिकी तंत्र (Ecosystem) में उच्चतम पोषण स्तर का स्थान प्राप्त है —**सर्वाहारी (Omnivorous) को**
- * पारिस्थितिकी तंत्र का एक जीवीय संघटक नहीं है —**वायु**
- * पारिस्थितिकी निकाय में ऊर्जा का प्राथमिक स्रोत है —**सौर ऊर्जा**
- * पारितंत्र में खाद्य शृंखलाओं के संदर्भ में जिस प्रकार के जीव अपघटक जीव कहलाते हैं —**कवक, जीवाणु**
- * अपघटक वे जीव होते हैं, जो अपक्षय या सड़न की प्रक्रिया को तेज करते हैं जिससे पुनः चक्रिकरण हो सके —**पोषक तत्वों का**
- * निर्जीव कार्बनिक तत्वों को अकार्बनिक यौगिकों में तोड़ते हैं —**अपघटक**
- * सूक्ष्म जीवों की एक विस्तृत किस्म जैसे फफूंद, जीवाणु, गोलकृमि, प्रोटोजोआ और केंचुआ भूमिका अदा करते हैं —**अपघटकों की**
- * प्राथमिक उपभोक्ता हैं —**चींटी तथा हिरण**
- * किसी खाद्य शृंखला में मुख्यतः प्राथमिक उपभोक्ता की श्रेणी में आते हैं —**शाकाहारी प्राणी**
- * अपघटक (decomposer) तथा प्राथमिक उपभोक्ता दोनों की श्रेणी में आती है —**चींटी**
- * वे जीवधारी जो अपना भोजन प्राथमिक उत्पादकों (हरे पौधों) से प्राप्त करते हैं, कहलाते हैं —**प्राथमिक उपभोक्ता**
- * खाद्य शृंखला (फूड चेन) में मानव है —**प्राथमिक तथा द्वितीयक उपभोक्ता**
- * शाक-सब्जियों का सेवन करने पर मनुष्य प्राथमिक उपभोक्ता जबकि मांसभक्षी होने पर श्रेणी में आएगा —**द्वितीयक उपभोक्ता की**
- * समुद्री वातावरण में मुख्य प्राथमिक उत्पादक होते हैं —**फाइटोप्लैन्क्टॉन्स**
- * पारिस्थितिक तंत्र के जैविक घटकों में उत्पादक घटक हैं —**हरे पौधे**
- * हरे पौधे सूर्य के प्रकाश का उपयोग करके अपना आहार स्वयं निर्मित करते हैं —**प्रकाश संश्लेषण की विधि द्वारा**
- * प्रथम पोषक स्तर के अंतर्गत आते हैं —**हरित पादप**
- * पौधे हरे रंग के लवक (क्लोरोफिल) की सहायता से करते हैं —**प्रकाश संश्लेषण**
- * जीवित घटकों में शामिल होने के कारण पारिस्थितिक तंत्र से संबंधित हैं —**हरे पौधे**
- * एक घासस्थलीय पारिस्थितिकी तंत्र के खाद्य शृंखला में विभिन्न घटकों का सही क्रम है
—घास→ टिड्डा → मेंढक → सर्प
↓ ↓ ↓ ↓
(उत्पादक) (प्राथमिक उपभोक्ता) (द्वितीयक उपभोक्ता) (तृतीयक उपभोक्ता)
- * ऐसे पदार्थ जिनके ऑक्सीकरण के पश्चात जीवधारियों को ऊर्जा प्राप्त होती है, कहे जाते हैं —**खाद्य (Food)**
- * जीवों द्वारा ऊर्जा का प्रवाह होता है —**एकदिशीय (Unidirectional)**
- * आहार शृंखला का निर्माण करते हैं —**घास, बकरी तथा मानव**
- * जीवभार का पिरामिड, जिस पारिस्थितिक तंत्र में उलट जाता है, वह है —**तालाब**
- * पारिस्थितिकीय तंत्र के विभिन्न स्तरों के प्रति इकाई क्षेत्र में उपस्थित जीवभार के रेखाचित्रिय निरूपण को कहते हैं —**जीवभार का पिरामिड**
- * स्थलीय पारिस्थितिकीय तंत्र में जीवभार का पिरामिड होता है —**सीधा (Upright)**
- * पारिस्थितिकी तंत्र में DDT का समावेश होने के बाद किस एक जीव में उसका संभवतः अधिकतम सांद्रण प्रदर्शित होगा —**सांप**
- * जब कुछ प्रदूषक आहार शृंखला के साथ सांद्रता में बढ़ते जाते हैं और ऊतकों में जमा हो जाते हैं, तो इस घटना को कहते हैं —**जैविक आवर्धन (Biomagnification)**
- * DDT जैसे प्रदूषक होते हैं —**जैव अनिम्नीकरणीय (Non biodegradable)**
- * पारिस्थितिकी मित्र नहीं है —**यूकेलिप्टस**
- * यूकेलिप्टस को उसकी अत्यधिक जल ग्रहण शक्ति के कारण घोषित किया गया है —**पर्यावरण शत्रु**
- * वृक्ष जो पर्यावरणीय संकट माना जाता है —**यूकेलिप्टस**
- * 'लैन्टिक आवास' का उदाहरण है —**तालाब एवं दलदल**
- * स्थिर जल के आवास लैन्टिक आवास के अंतर्गत आते हैं, इनके उदाहरण हैं —**आर्द्रभूमि, तालाब, झील, जलाशय**
- * बहते जल के आवास लोटिक (Lotic) आवास कहे जाते हैं, जैसे—**नदी**
- * दो भिन्न समुदायों के बीच का संक्रान्ति क्षेत्र कहलाता है —**इकोटोन**
- * सर्वाधिक स्थायी पारिस्थितिक तंत्र है —**महासागर**
- * सबसे स्थायी पारिस्थितिक तंत्र है —**समुद्री**
- * पारिस्थितिक तंत्र में तत्वों के चक्रण को कहते हैं —**जैव भू-रासायनिक चक्र**
- * जल चक्र को ओडम (Odum) ने सम्मिलित किया है —**गैसीय चक्र में**
- * पारिस्थितिकी संतुलन से संबंध नहीं है —**औद्योगिक प्रबंधन**
- * 'पारिस्थितिकी स्थायी मितव्ययिता है'—यह जिस आंदोलन का नारा है —**चिपको आंदोलन**
- * नर्मदा नदी के ऊपर बनाई जा रही बहुउद्देशीय बांध परियोजना को रोकने के लिए चलाया गया आंदोलन है —**नर्मदा बचाओ आंदोलन**

- * दक्षिण भारत का पर्यावरण संरक्षण से संबंधित आंदोलन है
—एपिको आंदोलन —वर्ष 1972 में
- * 'चिपको' आंदोलन संबंधित है —पादप संरक्षण से
- * पारिस्थितिकी तंत्र से संबंधित प्रमुख कथन हैं
—पारिस्थितिकी-तंत्र (Ecosystem) शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम ए.जी. टांसले ने किया था, जो जीव अपना भोजन स्वयं उत्पादित करते हैं, उन्हें स्वपोषित (Autotrops) कहते हैं।
- * पारिस्थितिकी तंत्र (Ecosystem) शब्द का प्रथम प्रयोग किया गया है —ए.जी. टांसले द्वारा
- * सूक्ष्मजीव जो मृत पौधों, जंतुओं और अन्य जैविक पदार्थों को सड़ा-गला कर वियोजित करते हैं, कहलाते हैं —वियोजक (Decomposers)
- * पारितंत्रों की घटती उत्पादकता के क्रम में जो अनुक्रम सही है —मैंग्रोव, घासस्थल, झील, महासागर
- * अधिक विविधता वाले पारितंत्र की उत्पादकता भी होगी —अधिक
- * खाद्य शृंखला उस क्रम का निदर्शन करती है, जिसमें जीवों की एक शृंखला एक-दूसरे के आहार द्वारा होती है —पोषित
- * पारिस्थितिकी तंत्र में ऊर्जा का अंतरण क्रमबद्ध स्तरों की एक शृंखला में होता है, जिसे कहते हैं —खाद्य शृंखला
- * जैवमंडलीय पारिस्थितिक तंत्र में ऊर्जा का प्रवाह होता है —एक दिशी
- * ऊर्जा का न तो सृजन हो सकता है और न ही उसे नष्ट किया जा सकता है। यह एक स्वरूप से दूसरे स्वरूप में परिवर्तित हो सकती है —ऊष्मागतिकी के पहले नियम के अनुसार
- * हर पोषण स्तर पर उपलब्ध ऊर्जा की मात्रा —घटती जाती है
- * विभिन्न पारिस्थितिक तंत्रों में उत्पादकों की सकल उत्पादकता का ही शाकाहारियों द्वारा स्वांगीकृत हो पाता है —लगभग 10 प्रतिशत भाग
- * सर्वप्रथम 'गहन पारिस्थितिकी' (डीप इकोलोजी) शब्द का प्रयोग किया —अर्नीज नेस ने
- * पारिस्थितिकी निशे (आला) की संकल्पना को प्रतिपादित किया था —ग्रीनेल ने
- * पारिस्थितिकीय पदछाप के माप की इकाई है —भूमंडलीय हेक्टेयर
- * एक मनुष्य के जीवन को पूर्ण रूप से धारणीय करने के लिए आवश्यक न्यूनतम भूमि को कहते हैं —पारिस्थितिकीय पदछाप
- * अविवेकशील जीवन शैली जिसमें पारिस्थितिक तंत्र के घटकों यथा - जल, ऊर्जा इत्यादि का आवश्यकता से अधिक दोहन किया जाता है, बढ़ा देती है —पदछाप के आकार को
- * 'भारतीय वन्य जीव संरक्षण अधिनियम' लागू किया गया
- * पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, पर्यावरण के संरक्षण एवं सुधार के लिए लागू किया गया —वर्ष 1986 में
- * जनजातियों एवं अन्य पारंपरिक वन निवासियों के (वन अधिकारों को मान्यता) अधिनियम लागू किया गया —दिसंबर, 2006 में
- * वन संरक्षण अधिनियम लागू किया गया —वर्ष 1980 में
- * 'मिलेनियम इकोसिस्टम एसेसमेंट' पारिस्थितिक तंत्र की सेवाओं के प्रमुख वर्गों का वर्णन करता है —व्यवस्था, समर्थन, नियंत्रण, संरक्षण और सांस्कृतिक
- * वह जो एक समर्थन सेवा है —पोषक चक्रण और फसल परागण
- * एक साधारण समुद्री आहार शृंखला का सही क्रम है—
—डायटम (स्वपोषी)
↓
क्रस्टेशियाई (शाकाहारी उपभोक्ता)
↓
हेरिंग (मांसाहारी उपभोक्ता)
- * जैव-वानिकी (Bionomics) के संबंध में सही हैं —यह पारिस्थितिकीय का पर्याय (Synonym) है, यह प्राकृतिक तंत्रों के मूल्य पर बल देता है, जो मानव तंत्रों को प्रभावित करते हैं।
- * जैव-वानिकी अर्थात् बायोनॉमिक्स शब्द bio तथा nomics शब्दों से मिलकर बना है। bio शब्द का तात्पर्य जीव या जीवन से है जबकि nomics ग्रीक शब्द nomos से व्युत्पन्न है जिसका अर्थ है, नियम (law)। बायोनॉमिक्स शब्द का शाब्दिक अर्थ —जीवन के नियम
- * किसी जल निकाय में घनत्व प्रवणता को दर्शाती है —पिक्नोक्लाइन
- * किसी जल निकाय में लवणता प्रवणता को प्रदर्शित करती है —हैलोक्लाइन
- * किसी जल निकाय में गहराई के साथ तापमान परिवर्तन को दर्शाती है —थर्मोक्लाइन
- * पारितंत्र उत्पादकता के संदर्भ में समुद्री उत्प्रवाह (अपवेलिंग) क्षेत्र इसलिए महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि ये समुद्री उत्पादकता बढ़ाते हैं —पोषकों को सतह पर लाकर
- * वायु प्रवाह द्वारा समुद्र की सतह पर विद्यमान गर्म, पोषकरहित जल को सघन, ठण्डे तथा पोषक तत्वों से परिपूर्ण जल द्वारा स्थानांतरित कर दिया जाता है —समुद्री उत्प्रवाह द्वारा

- * पारिस्थितिक संवेदी क्षेत्र वे क्षेत्र हैं, जिन्हें घोषित किया गया है
—पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के तहत
- * पारिस्थितिक संवेदी क्षेत्रों में कृषि को छोड़कर सभी मानव क्रियाओं का निषेध नहीं है, बल्कि कुछ पर प्रतिबंध लगाया गया है और कुछ को किया गया है
—विनियमित
- * घासस्थलों में वृक्ष पारिस्थितिक अनुक्रमण के अंश के रूप में जिस कारण घासों को प्रतिस्थापित नहीं करते हैं, वह है
—जल की सीमाओं एवं आग के कारण
- * भौतिक वातावरण में किसी समुदाय का समय के साथ रूपांतरण ही कहलाता है
—पारिस्थितिक अनुक्रमण
- * जैविक अनुक्रमण की प्रावस्थाओं का सही क्रम है
—नगनीकरण, प्रवास, आस्थापन, प्रतिक्रिया, स्थिरीकरण
- * वर्ष 1916 में पौधों की विभिन्न प्रजातियों का अध्ययन किया तथा अनुक्रमण (Succession) की सर्वमान्य परिभाषा दी
—एफ. क्लिमेंट (F. Clement) ने
- * वह प्राकृतिक विधि जिसके अंतर्गत एक ही निहित तथा निश्चित स्थान पर एक विशेष समूह, दूसरे समूह द्वारा विस्थापित हो जाता है।
—अनुक्रमण

जैव-विविधता

- * राष्ट्रीय उद्यानों में आनुवंशिक विविधता का रख-रखाव किया जाता है
—इन-सीटू संरक्षण द्वारा
- * TRAFFIC मिशन यह सुनिश्चित करता है कि वन्य पादपों और जंतुओं के व्यापार से खतरा न हो
—प्रकृति के संरक्षण को
- * TRAFFIC की स्थापना वर्ष 1976 में की गई थी। यह रणनीतिक गठबंधन है
—WWF एवं IUCN का
- * जैव-विविधता को इस प्रकार परिभाषित किया जाता है
—किसी पर्यावरण में विभिन्न प्रजातियों की श्रेणी
- * जैव-विविधता अल्फा (α), बीटा (β) तथा गामा (γ) नामक श्रेणियों में विभाजित की जाती है। यह विभाजन वर्ष 1972 में किया था
—व्हिट्टैकर (Whittaker) ने
- * जैव-विविधता का अर्थ है
—एक निर्धारित क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के पादप एवं जंतु
- * जैव-विविधता का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है
—पारिस्थितिक तंत्र का निर्वहन
- * आनुवंशिक, जाति, समुदाय व पारितंत्र के स्तर पर विभिन्न प्रकार के कार्य करके पारिस्थितिक तंत्र का निर्वहन करती है
—जैव-विविधता

- * जैव-विविधता के नाश का कारण है
—जीवों के प्राकृतिक आवास की कमी, पर्यावरणीय प्रदूषण, वनों का नाश
- * जैव-विविधता के हास का मुख्य कारण है—प्राकृतिक आवासीय विनाश
- * प्राकृतिक संसाधनों के दोहन तथा औद्योगिक उत्पादन एवं नगरीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्राकृतिक वास का विनाश किया जा रहा है, जो सर्वाधिक महत्वपूर्ण कारक है
—जैव-विविधता के हास के लिए
- * जैव-विविधता के हास के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण कारक है
—प्राकृतिक वास का विनाश
- * जैव-विविधता के कम होने का मुख्य कारण है
—आवासीय विनाश
- * संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा जैव-विविधता दिवस मनाया जाता है
—22 मई को
- * भौगोलिक क्षेत्र में जैव-विविधता के लिए संकट हो सकते हैं
—वैश्विक तापन, आवास का विखंडन, विदेशी जाति का संक्रमण
- * जैव-विविधता के लिए बड़ा खतरा है
—प्राकृतिक आवासों और वनस्पति का विनाश तथा झूम खेती
- * देश के पूर्वी और उत्तर-पूर्वी हिस्सों में यह खेती प्रचलित है जो कि खेती का अवैज्ञानिक तरीका है
—झूम खेती
- * जैव-विविधता हॉटस्पॉट स्थलों में शामिल है
—पूर्वी हिमालय (Eastern Himalayas)
- * भारत में जैव-विविधता के 'ताप स्थल' (हॉटस्पॉट) हैं
—पूर्वी हिमालय व पश्चिमी घाट
- * जैव-विविधता हॉटस्पॉट केवल उष्णकटिबंधीय प्रदेशों में ही नहीं बल्कि पाए जाते हैं
—उच्च अक्षांशीय प्रदेशों में भी
- * भारत में चार जैव-विविधता हॉटस्पॉट स्थल हैं। ये हॉटस्पॉट हैं—पूर्वी हिमालय, पश्चिमी घाट, म्यांमार-भारत सीमा एवं सुंडातैण्ड
- * भारत में जैव-विविधता की दृष्टि से संतृप्त क्षेत्र है
—पश्चिमी घाट
- * जैव-विविधता के संदर्भ में भारत में क्षेत्र 'हॉटस्पॉट' माना जाता है
—अंडमान निकोबार द्वीप समूह
- * हॉटस्पॉट शब्दों का सर्वप्रथम प्रयोग वर्ष 1988 में किया
—नार्मन मायर्स ने
- * जहां पर जातियों की पर्याप्तता तथा स्थानीय जातियों की अधिकता पाई जाती है लेकिन साथ ही इन जीव जातियों के अस्तित्व पर निरंतर संकट बना हुआ है। वह क्षेत्र कहलाता है
—हॉटस्पॉट
- * सबसे लंबा जीवित वृक्ष है
—सिकोया (Sequoia)
- * किसी प्रजाति को विलुप्त माना जा सकता है, जब वह अपने प्राकृतिक आवास में देखी नहीं गई है
—50 वर्ष से

- * किसी प्रजाति के विलोपन के लिए उत्तरदायी है
—बड़े आकार वाला शरीर, संकुचित निच (कर्मता), आनुवांशिक भिन्नता की कमी
- * किसी प्रजाति के विलोपन के लिए उत्तरदायी नहीं है
—व्यापक निच (Broad Niche)
- * प्रकृति एवं प्राकृतिक संसाधन अंतरराष्ट्रीय संरक्षण संघ (IUCN) द्वारा विलुप्ति के कगार पर खड़े संकटग्रस्त पौधों और पशु जातियों की सूचियां सम्मिलित की जाती है
—रेड डाटा बुक्स में
- * 'रेड डाटा बुक' अथवा 'रेड लिस्ट' से संबंधित संगठन है
—आई.यू.सी.एन.
- * प्राणी समूह जो संकटापन्न जातियों के संवर्ग के अंतर्गत आता है
—महान भारतीय सारंग, कस्तूरी मृग, लाल पांडा और एशियाई वन्य गधा
- * सोन चिरैया या महान भारतीय सारंग (Great Indian Bustard), साइबेरियन सारस और सलेटी टिटहरी (Sociable lapwing) अति संकटग्रस्त श्रेणी में, कस्तूरी मृग संकटग्रस्त श्रेणी में और एशियाई वन्य गधा संकट के नजदीक (Near Threatened) श्रेणी में जबकि लाल पांडा शामिल है
—संकटग्रस्त श्रेणी में
- * गोल्डन ओरिओल, ग्रेट इंडियन बस्टर्ड, इंडियन फैनटेल पिजियन तथा इंडियन सनबर्ड भारतीय पक्षियों में से अत्यधिक संकटापन्न किस्म है
—ग्रेट इंडियन बस्टर्ड
- * यद्यपि भारत की जनसंख्या तीव्र गति से बढ़ रही है, किंतु पक्षियों की संख्या तेजी से घट रही है, क्योंकि
—पक्षियों के वास स्थान पर बड़े पैमाने पर कटौती हुई है, कीटनाशक रासायनिक उर्वरक तथा मच्छर भगाने वाली दवाओं का बड़े पैमाने पर उपयोग हो रहा है
- * उत्तराखंड में जैव-विविधता के हास का कारण नहीं है
—बंजर भूमि का वनीकरण
- * सड़कों का विस्तार, नगरीकरण एवं कृषि का विस्तार उत्तरदायी कारकों में शामिल हैं
—जैव-विविधता के हास के लिए
- * वर्ष 1975 में यह भारत का अभिन्न अंग बन गया था। इसे वनस्पति शास्त्रियों का स्वर्ग माना जाता है
—सिक्किम
- * पूर्वी हिमालय के हॉटस्पॉट क्षेत्र में आता है
—सिक्किम
- * जैव-विविधता के साथ-साथ मनुष्य के परंपरागत जीवन के संरक्षण के लिए सबसे महत्वपूर्ण रणनीति जिस एक की स्थापना करने में निहित है, वह है—
—जीवमंडल निचय (रिज़र्व)
- * जैव विविधता के संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण रणनीति है
—जैवमंडल रिज़र्व
- * वह स्थल जो वनस्पति संरक्षण हेतु स्वस्थान पद्धति (in-situ) नहीं है
—वानस्पतिक उद्यान
- * क्रायो बैंक 'एक्स-सीटू' संरक्षण के लिए जो गैस सामान्यतः प्रयोग होती है, वह है
—नाइट्रोजन
- * वनस्पतियों एवं जानवरों की विलुप्तप्राय प्रजातियों का संरक्षण उनके प्राकृतिक आवास से पृथक किया जाता है
—एक्स-सीटू संरक्षण द्वारा
- * सर्वाधिक जैव-विविधता पाई जाती है
—उष्ण कटिबंधीय वर्षा वनों में
- * उष्ण कटिबंधीय वर्षा वनों का विस्तार पाया जाता है
—10° उ. तथा 10° द. अक्षांशों के मध्य
- * इन क्षेत्रों में पादप तथा प्राणियों के विकास तथा वृद्धि के लिए अनुकूलतम दशाएं पायी जाती हैं, क्योंकि इसमें वर्ष भर रहता है
—उच्चा वर्षा तथा तापमान
- * किसी निश्चित भौगोलिक क्षेत्र में पाए जाने वाले जीवों की संख्या तथा उनकी विविधता को कहा जाता है
—जैव-विविधता
- * सर्वाधिक जैव-विविधता पायी जाती है—उष्णकटिबंधीय वर्षा वन बायोम
- * प्राणियों और पादपों की जातियों में अधिकतम विविधता मिलती है
—उष्ण कटिबंध के आर्द्र वनों में
- * जैव-विविधता में परिवर्तन होता है, क्योंकि यह
—भूमध्य रेखा की तरफ बढ़ती है
- * सर्वाधिक जैव-विविधता पाई जाती है
—उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में
- * शान्त घाटी, कश्मीर, सुरमा घाटी तथा फूलों की घाटी में से सर्वाधिक जैव-विविधता पाई जाती है
—शान्त घाटी में
- * 'शान्त घाटी' अवस्थित है
—केरल में
- * 'साइलेंट वैली परियोजना' जिस राज्य से संबंधित है, वह है—केरल
- * 'फूलों की घाटी' अवस्थित है
—उत्तराखंड में
- * आर्द्र क्षेत्रों में जिन्हें रामसर का दर्जा प्राप्त है
—चिल्का झील, लोकटक, केवलादेव तथा वूलर झील
- * रामसर सूची अंतरराष्ट्रीय महत्व की आर्द्र भूमियों की सूची है। इस सूची में वर्तमान में भारत के शामिल स्थल हैं
—कुल 26 स्थल
- * रामसर कन्वेंशन के अंतर्गत रामसर स्थल है
—भोज आर्द्र स्थल
- * रामसर सम्मेलन संरक्षण से संबंधित था
—नम भूमि के
- * वेटलैंड दिवस मनाया जाता है
—2 फरवरी को
- * भारत की सबसे बड़ी अंतर्देशीय लवणीय आर्द्रभूमि है
—गुजरात में

- * जीवमंडल आरक्षित परिरक्षण क्षेत्र है
—आनुवंशिक विभिन्नता के क्षेत्र
- * प्रवाल-विरंजन का सबसे अधिक प्रभावी कारक है
—सागरीय जल के सामान्य तापमान में वृद्धि
- * प्रवाल-विरंजन समुद्री तापमान और अम्लता में वृद्धि, वैश्विक ऊष्मन सहित पर्यावरण दबाव के कारण होता है जिससे सहजीवी शैवाल का मोचन और साथ ही घटित होती हैं
—प्रवालों की मृत्यु
- * जिनमें प्रवाल-भित्तियां हैं
—अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह, कच्छ की खाड़ी, मन्नार की खाड़ी
- * सर्वप्रथम 'बायोडायवर्सिटी' शब्द का प्रयोग किया था
—वाल्टर जी. रोसेन ने
- * जैव-विविधता जिन माध्यम/माध्यमों द्वारा मानव अस्तित्व का आधार बनी हुई है
—मृदा निर्माण, मृदा अपरदन की रोकथाम, अपशिष्ट का पुनःचक्रण, शस्य परागण
- * संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 2011-20 के लिए दशक निर्दिष्ट किया है
—जैव-विविधता दशक
- * पारिस्थितिक तंत्र की जैव-विविधता की बढ़ोत्तरी के लिए उत्तरदायी नहीं है
—पोषण स्तरों की कम संख्या
- * पारिस्थितिकी तंत्र होता है
—एक गतिकीय तंत्र
- * हिमालय पर्वत प्रदेश जाति विविधता की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध है। इस समृद्धि के लिए जो कारण सबसे उपयुक्त है, वह है
—यह विभिन्न जीव-भौगोलिक क्षेत्रों का संगम है
- * भारतीय संसद द्वारा जैव-विविधता अधिनियम पारित किया गया
—दिसंबर 2002 में
- * 'भारतीय राष्ट्रीय जैविक-विविधता प्राधिकरण' स्थापित किया गया
—वर्ष 2003, चेन्नई (तमिलनाडु) में
- * राष्ट्रीय जैव-विविधता प्राधिकरण (NBA) भारत में कृषि संरक्षण में सहायक है, यह—जैव चोरी को रोकता है तथा देशी और परंपरागत आनुवंशिक संसाधनों का संरक्षण करता है, NBA की अनुशंसा के बिना आनुवंशिक/जैविक संसाधनों से संबंधित बौद्धिक संपदा अधिकार हेतु आवेदन नहीं किया जा सकता है।
- * सीबकथोर्न के विश्वव्यापी मार्केट की बड़ी सम्भावनाएं हैं। इस पेड़ के बेर में विटामिन और पोषक तत्व प्रचुर होते हैं। चंगेज खां ने इसका प्रयोग अपनी सेना की ऊर्जस्विता को उन्नत करने के लिए किया था। रूसी कॉस्मोनाटो ने इसके तेल को कास्मिक विकिरण से बचाव के लिए किया था। भारत में यह पौधा पाया जाता है
—लद्दाख में
- * भारत सरकार 'सीबकथोर्न' की खेती को प्रोत्साहित कर रही है। इस पादप का महत्व है
—यह मृदा-क्षरण के नियंत्रण में सहायक है और मरुस्थलीकरण को रोकता है। इसमें पोषकीय मान होता है और यह उच्च तुंगता वाले ठंडे क्षेत्रों में जीवित रहने के लिए भली-भांति अनुकूलित होता है।
- * भारत में लेह बेरी के नाम से लोकप्रिय एक पर्णपाती झाड़ी है
—सीबकथोर्न
- * पिछले दस वर्षों में गिद्धों की संख्या में एकाएक गिरावट आई है। इसके लिए उत्तरदायी कारक एक साधारण सी दर्द निवारक दवा है, जिसका उपयोग किसानों द्वारा पशुओं के लिए दर्द निवारक के रूप में एवं बुखार के इलाज में किया जाता है। वह दवा है
—डिवलोफिनेक सोडियम
- * भारत में गिद्धों की कमी का अत्यधिक प्रमुख कारण है
—जानवरों को दर्द निवारक देना
- * कुछ वर्ष पहले तक गिद्ध भारतीय देहातों में आमतौर से दिखाई देते थे, किंतु आजकल कभी-कभार ही नजर आते हैं। इस स्थिति के लिए उत्तरदायी है
—गोपशु मालिकों द्वारा रुग्ण पशुओं के उपचार हेतु प्रयुक्त एक औषधि
- * मॉरीशस में एक वृक्ष प्रजाति प्रजनन में असफल रही, क्योंकि एक फल खाने वाला पक्षी विलुप्त हो गया, वह पक्षी था
—डोडो
- * मॉरीशस में टम्बलाकोक (Tambalacoque), जिसे डोडो वृक्ष के नाम से भी जाना जाता है, प्रजनन में असफल रहा, जिसकी वजह से यह लगभग विलुप्त हो रहा है। इसका मुख्य कारण है
—डोडो पक्षी की विलुप्ति
- * भारतीय वन्य जीवन के संदर्भ में उडुयन वल्गुल (फ्लाइंग फॉक्स) है
—चमगादड़
- * 'ग्रेटर इंडियन फ्रूट बैट' (Greater Indian Fruit Bat) के नाम से भी जाना जाता है
—इंडियन फ्लाइंग फॉक्स
- * डुगोन्ग नामक समुद्री जीव जो कि विलोपन की कगार पर है वह है एक
—स्तनधारी (मैमल)
- * भारत में पाये जाने वाले स्तनधारी 'ड्यूगोंग' के संदर्भ में सही है/हैं
—यह एक शाकाहारी समुद्री जानवर है, इसे वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची I के अधीन विधिक संरक्षण दिया गया है।

- * यह एक समुद्री स्तनधारी है और घास खाने की इनकी आदत के कारण इन्हें 'समुद्री गाय' (Sea Cow) भी कहा जाता है —**इयूगोंग**
- * जिन तीन मानकों के आधार पर पश्चिमी घाट-श्रीलंका एवं इंडो-बर्मा क्षेत्रों को जैव-विविधता के प्रखर स्थलों (हॉटस्पॉट्स) के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है, वे हैं —**जाति बहुतायता (स्पीशीज़ रिचनेस), स्थानिकता तथा आशंका बोध**
- * 'बर्डलाइफ इंटरनेशनल' (BirdLife International) नामक संगठन के संदर्भ में कथन सही हैं —**यह संरक्षण संगठनों की विश्वव्यापी भागीदारी है, यह 'महत्वपूर्ण पक्षी एवं जैवविविधता क्षेत्र' (इम्पोर्टेंट बर्ड एंड बायोडाइवर्सिटी एरियाज़) के रूप में ज्ञात/निर्दिष्ट स्थलों की पहचान करता है।**
- * जैव-विविधता हॉटस्पॉट की संकल्पना दी गई थी —**ब्रिटिश पर्यावरणविद् नॉर्मन मायर्स द्वारा**
- * जैव-सुरक्षा पर कार्टाजेना उपसंधि (प्रोटोकॉल) के पक्षकारों की प्रथम बैठक (MOP) 23-27 फरवरी, 2004 के मध्य सम्पन्न हुई थी —**मलेशिया की राजधानी क्वालालम्पुर में**
- * भारत ने जैव-सुरक्षा उपसंधि (प्रोटोकॉल)/जैव-विविधता पर समझौते पर हस्ताक्षर किया था। —**23 जनवरी, 2001 को**
- * जैव-सुरक्षा उपसंधि (प्रोटोकॉल) संबद्ध है —**आनुवंशिक रूपांतरित जीवों से**
- * जैव-सुरक्षा उपसंधि/जैव-विविधता पर समझौते का सदस्य नहीं है —**संयुक्त राज्य अमेरिका**
- * जैव-सुरक्षा (बायो-सेफ्टी) का कार्टाजेना प्रोटोकॉल कार्यान्वित करता है —**पर्यावरण एवं वन मंत्रालय**
- * बलुई और लवणीय क्षेत्र एक भारतीय पशु जाति का प्राकृतिक आवास है। उस क्षेत्र में उस पशु के कोई परभक्षी नहीं हैं किंतु आवास ध्वंस होने के कारण उसका अस्तित्व खतरे में है। यह पशु है —**भारतीय वन्य गधा**
- * जैव-विविधता पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के दलों का दसवां सम्मेलन आयोजित किया गया था —**नगोया में**
- * जैव-विविधता पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के दलों का ग्यारहवां सम्मेलन (CoP-11) 8-19 अक्टूबर, 2012 के मध्य आयोजित किया गया। —**हैदराबाद, भारत में**
- * UN-REDD+ प्रोग्राम की समुचित अभिकल्पना और प्रभावी कार्यान्वयन महत्वपूर्ण रूप से योगदान दे सकते हैं —**जैव-विविधता का संरक्षण करने में वन्य पारिस्थितिकी की समुत्थानशीलता में तथा गरीबी कम करने में**
- * दो महत्वपूर्ण नदियां जिनमें से एक का स्रोत झारखंड में है (और जो उड़ीसा में दूसरे नाम से जानी जाती है) तथा दूसरी जिसका स्रोत उड़ीसा में है- समुद्र में प्रवाह करने से पूर्व एक ऐसे स्थान पर संगम करती हैं, जो बंगाल की खाड़ी से कुछ ही दूर है। यह वन्य जीवन तथा जैव-विविधता का प्रमुख स्थल है और सुरक्षित क्षेत्र है। वह स्थल है —**भितरकनिका**
- * प्रकृति एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय संघ (इंटरनेशनल यूनियन फॉर कन्जर्वेशन ऑफ नेचर एंड नेचुरल रिसोर्स) (IUCN) तथा वन्य प्राणिजात एवं वनस्पतिजात की संकटापन्न स्पीशीज़ के अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (कन्वेंशन ऑन इंटरनेशनल ट्रेड इन एन्डेंजर्ड स्पीशीज़ ऑफ वाइल्ड फॉना एंड फ्लोरा) (CITES) के संदर्भ में सही हैं —**IUCN, प्राकृतिक पर्यावरण के बेहतर प्रबंधन के लिए, विश्व भर में हजारों क्षेत्र-परियोजनाएं चलाता है। CITES उन राज्यों पर वैध रूप से आबद्धकर है जो इसमें शामिल हुए हैं, लेकिन यह कन्वेंशन राष्ट्रीय विधियों का स्थान नहीं लेता है।**
- * आईयूसीएन एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है जो प्रकृति संरक्षण एवं प्राकृतिक संसाधनों के सतत प्रयोग के क्षेत्र में कार्यरत है। यह अंग नहीं है —**संयुक्त राष्ट्र का**
- * 'पारितंत्र एवं जैव-विविधता का अर्थतंत्र (The Economics of Ecosystems and Biodiversity-TEEB) नामक पहल के संदर्भ में सही है/हैं —**यह एक विश्वव्यापी पहल है, जो जैव-विविधता के आर्थिक लाभों के प्रति ध्यान आकर्षित करने पर केंद्रित है। यह ऐसा उपागम प्रस्तुत करता है, जो पारितंत्रों और जैव-विविधता के मूल्य की पहचान, निदर्शन और अभिग्रहण में निर्णयकर्ताओं की सहायता कर सकता है।**
- * TEEB, संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (United Nations Environment Programme) के अंतर्गत कार्य करने वाली संस्था है। इसका कार्यालय है —**जेनेवा, स्विट्जरलैंड में**
- * सिंह-पुच्छी वानर (मॅकाक) अपने प्राकृतिक आवास में पाया जाता है —**तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक में**
- * भारत में प्राकृतिक रूप में पाए जाते हैं —**काली गर्दन वाला सारस (कृष्णग्रीव सारस), उड़न गिलहरी (कंदली), हिम तेंदुआ**
- * चीता को भारत से विलुप्त घोषित किया गया था —**वर्ष 1952 में**

- * समुद्र तल से 3000-4500 मीटर की ऊंचाई पर पाया जाता है
—हिम तेंदुआ
- * जम्मू एवं कश्मीर का राज्य पक्षी है —काली गर्दन वाला सारस
- * भारत में सर्वाधिक उड़न गिलहरी हैं —हिमालय के पर्वतीय क्षेत्रों में
- * शीतनिष्क्रियता की परिघटना का प्रेक्षण किया जा सकता है
—चमगादड़, भालू, कृतक (रोडेन्ट) में
- * समशीतोष्ण (Temperate) और शीतप्रधान देशों में रहने वाले जीवों की उस निष्क्रिय तथा अवसन्न अवस्था को जिसमें वहां के अनेक प्राणी जाड़े की ऋतु बिताते हैं। कहते हैं
—शीतनिष्क्रियता (Hybernation)
- * गिलहरियां (Squirrels), छछूंदर (Must Rats), चूहे (Rats), मूषक (Mice) आदि स्तनधारी प्राणी आते हैं
—कृतक (Rodents) गण में
- * उच्चतर अक्षांशों की तुलना में जैव-विविधता सामान्यतः अधिक होती है
—निम्नतर अक्षांशों में
- * पर्वतीय प्रवणताओं (ग्रेडिएन्ट्स) में उच्चतर उन्नतांशों की तुलना में जैव-विविधता सामान्यतः अधिक होती है —निम्नतर उन्नतांशों में
- * अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में पाया जाता है —लवण जल मगर
- * अंडमान एवं निकोबार के समुद्री जीव-जन्तुओं में डूगॉग्स, डॉल्फिन, व्हेल, साल्ट वाटर समुद्री कछुआ, समुद्री सांप आदि सामान्य रूप से बहुतायत से पाए जाते हैं। विशाल हिमालय शृंखला में पाए जाते हैं
—शू एवं टैपीर
- * भारत में उत्तर पूर्व के सघन वनों में रहता है
—स्लो लोरिस (Slow Loris)
- * वृक्षों पर रहने वाला वह स्तनधारी जिसका जूलॉजिकल नाम ऐलुरस फल्गेंस (Ailurus Fulgens) है —रेड पांडा
- * भारत में रेड पांडा प्राकृतिक रूप में पाया जाता है
—उत्तर-पूर्वी भारत के उप-हिमालयी क्षेत्रों में
- * यह ज्ञान के विकास और संग्रहण के लिए तथा व्यावहारिक अनुभव का बेहतर नीतियों हेतु पक्षसमर्थन करने के लिए क्षेत्र स्तर पर कार्य करता है
—वेटलैंड्स इंटरनेशनल
- * 'वेटलैंड्स इंटरनेशनल' (Wetlands International) एक गैर-सरकारी एवं गैर-लाभकारी वैश्विक संगठन है जो आर्द्रभूमियों एवं उनके संसाधनों को बनाए रखने तथा उन्हें पुनः स्थापित करने हेतु कार्यरत है। इसका मुख्यालय स्थित है
—नीदरलैंड्स में
- * भारत रामसर अभिसमय (Ramsar Convention) का एक पक्षकार है और उसने बहुत से क्षेत्रों को रामसर स्थल घोषित किया है। वह कथन जो इस अभिसमय के संदर्भ में सर्वोत्तम रूप से बताता है कि इन स्थलों का अनुरक्षण कैसे किया जाना चाहिए
—इन सभी स्थलों का, पारिस्थितिकी तंत्र उपागम से संरक्षण किया जाए और साथ-साथ उनके धारणीय उपयोग की अनुमति दी जाए
- * भारत रामसर अभिसमय का एक पक्षकार है और उसने बहुत से क्षेत्रों को रामसर स्थल घोषित किया है ताकि इन सभी स्थलों का, पारिस्थितिकी तंत्र उपागम से संरक्षण किया जाए और साथ-साथ अनुमति दी जाए।
—उनके धारणीय उपयोग की
- * यदि अंतरराष्ट्रीय महत्व की किसी आर्द्रभूमि को 'मॉन्ट्रियो रिकॉर्ड' के अधीन लाया जाए, तो इससे अभिप्राय है
—मानव हस्तक्षेप के परिणामस्वरूप आर्द्रभूमि में पारिस्थितिक स्वरूप में परिवर्तन हो गया है, हो रहा है या होना संभावित है।
- * पारिस्थितिकीय निकाय के रूप में आर्द्र भूमि (बरसाती जमीन) उपयोगी है
—पोषक पुनर्प्राप्ति एवं चक्रण हेतु पौधों द्वारा अवशोषण के माध्यम से भारी धातुओं को अवमुक्त करने हेतु, तलछट रोक कर नदियों का गादीकरण कम करने हेतु
- * जलीय तथा शुष्क स्थलीय पारिस्थितिकीय तंत्र के बीच के क्षेत्र कहलाते हैं
—आर्द्र भू-क्षेत्र
- * आर्द्रभूमि के अंतर्गत देश का कुल भौगोलिक क्षेत्र अन्य राज्यों की तुलना में अधिक अंकित है
—गुजरात में
- * भारत में तटीय आर्द्रभूमि का कुल भौगोलिक क्षेत्र, आंतरिक आर्द्रभूमि के कुल भौगोलिक क्षेत्र से
—कम है
- * जैव द्रव्यमान का वार्षिक उत्पादन न्यूनतम होता है —गहरे सागर में
- * जैव द्रव्यमान के उत्पादन की दृष्टि से प्रथम स्थान पर आते हैं
—उष्णकटिबंधीय वर्षा वन
- * 'टुमारोज बायोडायवर्सिटी' पुस्तक की लेखिका हैं —वंदना शिवा
- * जैव-विविधता से संबंध रखते हैं —खाद्य एवं कृषि हेतु पादप

आनुवंशिक संसाधनों के विषय में अंतरराष्ट्रीय संधि, मरुभवन का सामना करने हेतु संयुक्त राष्ट्र अभिसमय, विश्व विरासत अभिसमय

हरित गृह प्रभाव एवं जलवायु परिवर्तन

- * वर्ष 1997 में विश्व पर्यावरण सम्मेलन आयोजित किया गया था

—क्योटो में

- * जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र संघ का कन्वेंशन ढांचा संबंधित है

—ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी से

- * यूरोपीय संघ (EU) द्वारा विकासशील देशों के साथ वार्तालाप एवं सहयोग से वर्ष 2007 में स्थापित की गई

—भूमंडलीय जलवायु परिवर्तन संधि (GCCA)

- * यह लक्ष्याधीन विकासशील देशों को उनकी विकास नीतियों और बजटों में जलवायु परिवर्तन के एकीकरण हेतु प्रदान करती है

—तकनीकी एवं वित्तीय सहायता

- * **कथन (A):** भारत में जलवायु परिवर्तन से सामाजिक तनाव बढ़ रहा है।

कथन (R): मौसम की चरम दशा की बारंबारता एवं तीव्रता से खाद्य सुरक्षा पर गंभीर प्रभाव पड़ेंगे।

—(A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) का सही कारण है।

- * वायुमंडल के प्राकृतिक संतुलन के लिए कार्बन डाइऑक्साइड की उपयुक्त सांद्रता है

—0.03 प्रतिशत

- * जलवायु परिवर्तन के प्रमुख कारक हैं

—जीवाश्मिक ईंधन का अधिकाधिक प्रज्वलन,

तैल चालित, स्वचालितों की संख्या विस्फोटन तथा

अत्यधिक वनोन्मूलन

- * वह देश जिसने ग्रीन हाउस गैस के उत्सर्जन में कमी करने हेतु वर्ष 2019 में 'कार्बन टैक्स' लगाने की घोषणा की

—सिंगापुर

- * कार्बन डाइऑक्साइड के मानवोद्भव उत्सर्जनों के कारण आसन्न भूमंडलीय तापन के न्यूनीकरण के संदर्भ में कार्बन प्रच्छादन हेतु संभावित स्थान हो सकते हैं

—परित्यक्त और गैर-लाभकारी कोयला

संस्तर, निःशेष तेल एवं गैस भंडार

एवं भूमिगत गंभीर लवणीय शैल समूह

- * झारखंड राज्य ने जलवायु केंद्र स्थापित किया है,

—संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यू.एन.डी.पी.) के सहयोग से

- * जलवायु परिवर्तन पर झारखंड कार्ययोजना प्रकाशित हुई

—वर्ष 2013 एवं 2014 में

- * झारखंड जलवायु परिवर्तन कार्ययोजना रिपोर्ट (2014) के अनुसार सबसे संवेदनशील जिला है

—सरायकेला खारसवां

- * जलवायु परिवर्तन का कारण है

—ग्रीन हाउस गैसों, ओजोन पर्त का क्षरण तथा प्रदूषण

- * जीवाश्म ईंधन के जलने से वायुमंडल में ग्रीन हाउस गैसों में वृद्धि तथा ओजोन परत का अवक्षय प्रमुख कारण हैं

—जलवायु परिवर्तन का

- * वर्ष 2015 में 21वां जलवायु परिवर्तन सम्मेलन हुआ था

—पेरिस में

- * ग्रीन हाउस इफेक्ट वह प्रक्रिया है

—जिसमें वायुमंडलीय कार्बन डाइऑक्साइड द्वारा

इन्फ्रारेड विकिरण शोषित कर लिए जाने से

वायुमंडल का तापमान बढ़ता है।

- * एक प्राकृतिक प्रक्रिया जिसके द्वारा किसी ग्रह या उपग्रह के वातावरण में मौजूद कुछ गैसों उस ग्रह/उपग्रह के वातावरण के ताप को अपेक्षाकृत अधिक बनाने में मदद करती हैं

—ग्रीन हाउस प्रभाव

- * 'ग्रीन हाउस प्रभाव' है

—गैसों के वायुमंडल में जमा

होने से पृथ्वी के वातावरण का गर्म होना

- * ग्रीन हाउस गैसों की संकल्पना की थी

—जोसेफ फोरियर ने

- * 'क्योटो प्रोटोकॉल' संबंधित है

—जलवायु परिवर्तन से

- * क्योटो प्रोटोकॉल एक अंतरराष्ट्रीय समझौता है, जो संबद्ध है

—UNFCCC (United Nations Framework

Convention on Climate Change) से

- * सही कथन हैं-

—क्योटो उपसंधि वर्ष 2005 में लागू हुई।

मेथेन, कार्बन डाइऑक्साइड की तुलना में

ग्रीन हाउस गैस के रूप में अधिक हानिकारक है।

- * किसी गैस के अणुओं की दक्षता एवं उस गैस के वायुमंडलीय जीवनकाल पर निर्भर करता है

—गैस का वैश्विक तापन विभव (GWP:

Global Warming Potential)

- * कार्बन डाइऑक्साइड का वायुमंडलीय जीवनकाल परिवर्तनीय है, जबकि सभी समयावधियों के दौरान इसका वैश्विक तापन विभव 1 पाया गया है, वहीं दूसरी ओर मेथेन का 20 वर्ष के दौरान वैश्विक तापन विभव पाया गया

—72

- * पर्यावरण में ग्रीन हाउस प्रभाव में वृद्धि होती है

—कार्बन डाइऑक्साइड के कारण

- * वायुमंडल में उपस्थित वह गैसों जो तापीय अवरक्त विकिरण की रेंज के अंतर्गत विकिरणों का अवशोषण एवं उत्सर्जन करती हैं

—ग्रीन हाउस गैसों

- * ग्रीन हाउस गैस नहीं है

—O₂

- * गैस समूह जो 'ग्रीन हाउस प्रभाव' में योगदान देता है

—कार्बन डाइऑक्साइड तथा मेथेन

- * प्राकृतिक रूप से पाई जाने वाली ग्रीन हाउस गैस जो सर्वाधिक ग्रीन हाउस इफेक्ट करती है —जलवाष्प
- * वैश्विक ऊष्मन के लिए उत्तरदायी नहीं है —ऑर्गेन
- * मई, 2011 में विश्व बैंक के साथ हुए उत्सर्जन हास क्रय समझौते के बारे में सही है —समझौता 10 वर्ष के लिए लागू रहेगा, समझौता हिमाचल प्रदेश की एक परियोजना के लिए कार्बन क्रेडिट सुनिश्चित करने के लिए है, समझौते के अनुसार एक टन कार्बन डाइऑक्साइड एक क्रेडिट इकाई के समतुल्य होगी।
- * एक गैस जो धरती पर जीवन के लिए हानिकारक और लाभदायक दोनों है —कार्बन डाइऑक्साइड
- * आज कार्बन डाइऑक्साइड (CO₂) के उत्सर्जन में सर्वाधिक योगदान करने वाला देश है —चीन
- * वह देश जिसे दुनिया में 'कार्बन निगेटिव देश' के रूप में माना जाता है —भूटान
- * वे पदार्थ जो सार्वत्रिक तापन उत्पन्न करने में योगदान करते हैं —मेथेन, कार्बन डाइऑक्साइड तथा जलवाष्प
- * ग्रीन हाउस गैस नहीं है —हाइड्रोजन
- * हरित गृह गैस नहीं है —नाइट्रोजन
- * गैस जो ग्लोबल वार्मिंग के लिए ज्यादा जिम्मेदार है —कार्बन डाइऑक्साइड
- * कार्बन डाइऑक्साइड गैस ग्लोबल वार्मिंग के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार है, क्योंकि वायुमंडल में इसकी सांद्रता अन्य ग्रीन हाउस गैसों की तुलना में है —बहुत अधिक
- * भूमंडलीय उष्णता (Global warming) के परिणामस्वरूप —हिमनदी द्रवीभूत होने लगी, समय से पूर्व आम में बौर आने लगा तथा स्वास्थ्य पर कुप्रभाव पड़ा।
- * वैश्विक ताप के असर को इंगित करते हैं —हिमानी का पिघलना, सागरीय तल में उत्थान, मौसमी दशाओं में परिवर्तन तथा ग्लोबीय तापमान में वृद्धि
- * भूमंडलीय ऊष्मन की आशंका वायुमंडल में जिसकी बढ़ती हुई सांद्रता के कारण बढ़ रही है —कार्बन डाइऑक्साइड की
- * एक सर्वाधिक भंगुर पारिस्थितिक तंत्र है, जो वैश्विक तापन द्वारा सबसे पहले प्रभावित होगा —आर्कटिक एवं ग्रीनलैंड हिमचादर
- * वायु में कार्बन डाइऑक्साइड की बढ़ती हुई मात्रा से वायुमंडल का तापमान धीरे-धीरे बढ़ रहा है, क्योंकि कार्बन डाइऑक्साइड —सौर विकिरण के अवरक्त अंश को अवशोषित करती है
- * प्रमुख ग्रीनहाउस गैस मेथेन के स्रोत हैं —धान के खेत, कोयले की खान, पालतू पशु, आर्द्रभूमि
- * मेथेन उत्सर्जन के प्राकृतिक स्रोत हैं —आर्द्रभूमि, समुद्र, हाइड्रेट्स (Hydrates)
- * मानव की क्रिया जो जलवायु से सर्वाधिक प्रभावित होती है —कृषि
- * जुगाली करने वाले पशुओं से जिस ग्रीन हाउस गैस का निस्सरण होता है, वह है —मेथेन
- * मेथेन (CH₄) गैस को कहते हैं —मार्श गैस (Marsh Gas)
- * यह एक आंदोलन है, जिसमें प्रतिभागी प्रतिवर्ष एक निश्चित दिन, एक घंटे के लिए बिजली बंद कर देते हैं तथा यह जलवायु परिवर्तन और पृथ्वी को बचाने की आवश्यकता के बारे में जागरूकता लाने वाला आंदोलन है —पृथ्वी काल
- * जलवायु परिवर्तन और पृथ्वी को बचाने की आवश्यकता के बारे में जागरूकता लाने हेतु 'वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर' (WWF: World Wide Fund for Nature) द्वारा आयोजित किया जाने वाला एक विश्वव्यापी आंदोलन है —पृथ्वी काल (Earth Hour)
- * 50 से अधिक देशों द्वारा समर्थित संयुक्त राष्ट्र का मौसम परिवर्तन समझौता प्रभावी हुआ —मार्च 21, 1994 को
- * यह सरकार एवं व्यवसाय को नेतृत्व देने वाले व्यक्तियों के लिए ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन को समझने, परिमाण निर्धारित करने एवं प्रबंधन हेतु एक अंतरराष्ट्रीय लेखाकरण साधन है —ग्रीन हाउस गैस प्रोटोकॉल (Greenhouse Gas Protocol)
- * 'वर्ल्ड रिसोर्स इंस्टीट्यूट' (WRI) तथा 'वर्ल्ड बिजनेस काउंसिल ऑन सस्टेनेबल डेवलपमेंट' (WBCSD) द्वारा किया गया है —ग्रीन हाउस गैस प्रोटोकॉल का विकास
- * क्योटो प्रोटोकॉल प्रभावी हुआ —वर्ष 2005 से
- * जापान के क्योटो शहर में हुए UNFCCC के तीसरे सम्मेलन में क्योटो प्रोटोकॉल को स्वीकार किया गया —11 दिसंबर, 1997 को
- * क्योटो प्रोटोकॉल समझौते के अनुसार, अधिक ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन करने वाले देशों के लिए उत्सर्जन में वर्ष 2008 से 2012 तक कटौती करने का प्रावधान किया गया था —5.2 प्रतिशत की
- * वर्ष 2015 में पेरिस में UNFCCC की बैठक में विकसित देशों ने वैश्विक तापन में अपनी जिम्मेदारी स्वीकार की तथा साथ-ही साथ कई देशों की सहायता से वर्ष 2020 तक जलवायु निधि जमा करने की प्रतिबद्धता जताई —100 अरब डॉलर

- * विश्व के तापमानों पर आंकड़े इकट्ठा करने के लिए वैश्विक वायुमंडल चौकसी स्टेशन स्थापित किया गया है
—अल्जीरिया, ब्राजील तथा केन्या में
- * सी.डी.एम. के लिये सत्य नहीं है
—यह विकसित देशों को विकासशील देशों की परियोजनाओं में पूंजी लगाने का निषेध करता है।
- * सी.डी.एम. (C.D.M.– Clean Development Mechanism) ग्लोबल वार्मिंग में कमी के लिए हरित गृह गैस उत्सर्जन को नियंत्रित करने की प्रणाली है, जो सामने आई थी
—क्योटो प्रोटोकाल के तहत
- * CO₂ उत्सर्जन एवं भूमंडलीय तापन के संदर्भ में UNFCCC के अंतर्गत उस बाजार संचालित युक्ति का नाम जो विकासशील देशों को विकसित देशों से निधियां/प्रोत्साहन उपलब्ध कराती हैं, ताकि वे अच्छी प्रौद्योगिकियां अपनाकर ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन कम कर सकें
—स्वच्छ विकास युक्ति
- * कार्बन जमाओं (कार्बन क्रेडिट्स) के बारे में स्वच्छ विकास युक्ति (CDM) है
—क्योटो नवाचार युक्तियों में से एक
- * एनेक्स-I के विकसित देश गैर-एनेक्स-I देशों में स्वच्छ विकास युक्ति परियोजनाएं कार्यान्वित कर प्राप्त कर सकते हैं
—कार्बन क्रेडिट
- * CDM के अंतर्गत कार्यान्वित होने वाली परियोजनाएं एनेक्स-I के देशों द्वारा कार्यान्वित की जाती हैं परन्तु इन परियोजनाओं को गैर-एनेक्स-I विकासशील देशों में किया जाता है
—क्रियान्वित
- * UNFCCC के क्योटो प्रोटोकॉल की धारा 12 के अंतर्गत वर्णित है
—स्वच्छ विकास युक्ति (CDM-Clean Development Mechanism)
- * 1 टन कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा को घटाने से प्राप्त होती है
—एक CER यूनिट
- * जैव-विविधता अभिसमय (Convention on Biological Diversity-CBD) का पूरक प्रोटोकॉल, जो जैव प्रौद्योगिकी द्वारा उत्पन्न जीवित संशोधित जीवों (Live Modified Organisms-LMO) द्वारा उत्पन्न संभावित खतरों से जैव-विविधता की रक्षा करने हेतु प्रतिबद्ध है
—कार्टाजेना प्रोटोकॉल
- * आनुवंशिक संसाधनों (Genetic Resources) को प्राप्त करने एवं उनसे मिले लाभों के समुचित व निष्पक्ष बंटवारे से संबंधित है
—नगोया प्रोटोकॉल
- * सही सुमेलित हैं
—प्रथम विश्व जलवायु सम्मेलन - 1979
प्रथम पृथ्वी शिखर सम्मेलन - एर्जेडा-21
पृथ्वी शिखर सम्मेलन प्लस-5 - 1997
- * क्योटो प्रोटोकॉल के तहत पर्यावरण में कार्बन उत्सर्जनों को कम करने के लिए लागू की गई थी
—कार्बन क्रेडिट प्रणाली
- * अंतरराष्ट्रीय बाजार में कार्बन क्रेडिट का क्रय-विक्रय किया जाता है
—उनके वर्तमान बाजार मूल्य के अनुसार
- * 'कार्बन क्रेडिट' का दृष्टिकोण शुरू हुआ
—क्योटो प्रोटोकॉल से
- * 'बायोकार्बन फंड इनिशिएटिव फॉर सस्टेनेबल फॉरेस्ट लैंडस्केप्स' (Biocarbon Fund Initiative for Sustainable Forest Landscapes) का प्रबंधन करता है
—विश्व बैंक
- * 'बायोकार्बन फंड इनिशिएटिव फॉर सस्टेनेबल फॉरेस्ट लैंडस्केप्स' एक बहुपक्षीय कोष है, यह कोष स्थलीय क्षेत्र (Land Sector) से कमी करने को बढ़ावा देता है
—ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जनों में
- * यह सरकारों, व्यवसायों, नागरिक समाज और देशी जनों (इंडिजिनस पीपल्स) की एक वैश्विक भागीदारी है, यह देशों की, उनके वनोन्मूलन और वन निम्नीकरण उत्सर्जन कम करने+ [(रिड्यूसिंग एमिसन्स फ्रॉम डीफॉरेस्टेशन एंड फॉरेस्ट डिग्रेडेशन+ (REDD+)] प्रयासों में वित्तीय एवं तकनीकी सहायता प्रदान कर मदद करती है
—वन कार्बन भागीदारी सुविधा (फॉरेस्ट कार्बन पार्टनरशिप फेसिलिटी)
- * वन कार्बन भागीदारी सुविधा विश्व बैंक का एक कार्यक्रम है, जो प्रारंभ हुआ था
—जून, 2008 में
- * वैज्ञानिक दृष्टिकोण यह है कि विश्व तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर पर 2°C से अधिक नहीं बढ़ना चाहिए। यदि विश्व तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर से 3°C के परे बढ़ जाता है, तो विश्व पर उसका संभावित असर होगा
—स्थलीय जीवमंडल एक नेट कार्बन स्रोत की ओर प्रवृत्त होगा तथा विस्तृत प्रवाल मर्त्यता घटित होगी
- * 'आईपीसीसी' (Intergovernmental Panel on Climate Change) द्वारा प्रकाशित "Assessing Key Vulnerabilities and the risk from Climate Change" नामक रिपोर्ट के अनुसार, यदि विश्व तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर से 2°C बढ़ जाता, तो पृथ्वी के पारिस्थितिकी तंत्र का रूपांतरित हो जाएगा
—1/6 भाग
- * यदि विश्व का तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर से 3°C से अधिक बढ़ जाता है तो स्थलीय जीवमंडल एक नेट कार्बन स्रोत की ओर प्रवृत्त होगा, साथ ही विलुप्त होने की कगार पर पहुंच जाएंगी
—30% तक ज्ञात प्रजातियां
- * पिछली शताब्दी में पृथ्वी के औसत तापमान में वृद्धि देखी गई है
—0.8°C की

- * हाल के वर्षों में मानव गतिविधियों के कारण वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की सांद्रता में बढ़ोतरी हुई है, किंतु उसमें से बहुत-सी वायुमंडल के निचले भाग में नहीं रहती, क्योंकि
 - समुद्रों में पादप प्लवक प्रकाश संश्लेषण कर लेते हैं
- * यदि किसी महासागर का पादप प्लवक किसी कारण से पूर्णतया नष्ट हो जाए, तो इसका प्रभाव होगा —कार्बन सिंक के रूप में महासागर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा एवं महासागर की खाद्य शृंखला पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।
- * जलवायु परिवर्तन के खगोलीय सिद्धांतों से संबंधित है
 - पृथ्वी की कक्षा की उत्केंद्रता (अंडाकार कक्षीय मार्ग), पृथ्वी की घूर्णन अक्ष की तिर्यकता (झुकाव), विषुव अयन (पृथ्वी की सूर्य से अपसौर या उपसौर की स्थिति)।
- * जलवायु परिवर्तन से संबंधित सिद्धांत दिए जाते हैं कि पृथ्वी की लंबी अवधि के कक्षीय स्थिति से संबंधित है
 - मिलुटिन मिलान्कोविच (Milutin Milankovitch) ने
- * पृथ्वी का धुरी पर अवस्था बदलना जलवायु परिवर्तन के लिए एक कारक है, यह कथन है —मिलुटिन मिलान्कोविच का
- * जलवायु परिवर्तन का क्रायोजेनिक संकेतक प्राप्त किया जाता है
 - आइस कोर से
- * किसी ग्लेशियर या बर्फ की चादर को छेदकर प्राप्त किया गया, एक बेलनाकार नमूना है —हिम तत्व (Ice Core)
- * भारत की जलवायु परिवर्तन पर प्रथम राष्ट्रीय क्रिया योजना प्रकाशित हुई
 - 2008 ई. में
- * भारत सरकार की जलवायु कार्य योजना (क्लाइमेट ऐक्शन प्लान) के आठ मिशन में सम्मिलित नहीं है —आणविक ऊर्जा
- * ग्लोबीय तापवृद्धि का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम यह है कि इससे ध्रुवीय बर्फ की टोपियों के पिघलने के बाद वृद्धि होगी —समुद्र की सतह में
- * ग्लोबीय तापवृद्धि से विश्व के समस्त द्वीप डूब जाएंगे —मूंगे के
- * यह सम्भावना है कि 2044 ई. तक फिजी डूब जाएगा और समुद्र तल के बढ़ने से इसी वर्ष तक एक गंभीर संकट छा जाएगा
 - नीदरलैंड्स पर
- * IPCC के अनुसार, वर्ष 1900-2100 के बीच समुद्र सतह में वृद्धि का अनुमान है —0.33 से 0.45 मीटर वृद्धि का
- * मैनचेस्टर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने हाल में भू-अभियंत्रण द्वारा पैसिफिक महासागर के ऊपर 'चमकीले बादल' उत्पन्न कर ग्लोबल वॉर्मिंग के बढ़ने पर रोक लगाने का सुझाव दिया है। इसकी पूर्ति के लिए वातावरण में छिड़का जाता है —समुद्री जल
- * वैश्विक जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में जो पद्धतियां मृदा में कार्बन प्रच्छादन/संग्रहण में सहायक हैं
 - समोच्च बांध, अनुपद सस्यन एवं शून्य जुताई
- * युनाइटेड नेशन्स फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज (UNFCCC) एक अंतरराष्ट्रीय संधि है, जिसका गठन हुआ था
 - रियो डि जनेरियो में 1992 में संयुक्त राष्ट्र संघ के पर्यावरण और विकास सम्मेलन (यू एन कॉन्फेरेंस ऑन एन्वायरनमेंट एंड डेवलपमेंट) में
- * अभीष्ट राष्ट्रीय निर्धारित अंशदान (Intended Nationally Determined Contributions) पद को कभी-कभी समाचारों में जिस संदर्भ में देखा जाता है, वह है —जलवायु परिवर्तन का सामना करने के लिए विश्व के देशों द्वारा बनाई गई कार्ययोजना
- * भारत की कार्ययोजना के तहत वृक्ष लगाकर कार्बन सिंक को बढ़ावा देना, प्रदूषण उपशमन, स्वच्छ ऊर्जा विशेषकर नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना, ऊर्जा दक्षता को बढ़ाना इत्यादि शामिल हैं
 - आईएनडीसीसी के लक्ष्यों में
- * कानकून सम्मेलन में प्रावधान किया गया
 - एक 'हरित जलवायु कोष' (GCF) का
- * डरबन में आयोजित जलवायु परिवर्तन सभा में स्थापना हुई थी
 - हरित जलवायु कोष (जी.सी.एफ.) की
- * विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन का सामना करने हेतु अनुकूलन और न्यूनीकरण पद्धतियों में सहायता देने के आशय से बनी है
 - हरित जलवायु निधि (ग्रीन क्लाइमेट फंड)
- * विश्व का पहला देश जिसने भूमंडलीय तापन के प्रतिकरण के लिए कार्बन टैक्स लगाने का प्रस्ताव रखा
 - न्यूजीलैंड
- * बड़े पैमाने पर चावल की खेती के कारण कुछ क्षेत्र संभवतया वैश्विक तापन में योगदान दे रहे हैं। इसके लिए कारण जिनको उत्तरदायी ठहराया जा सकता है
 - चावल की खेती से संबद्ध अवायवीय परिस्थितियां मेथेन के उत्सर्जन का कारक हैं, जब नाइट्रोजन आधारित उर्वरक प्रयुक्त किए जाते हैं, तब कृषि मृदा से नाइट्रस ऑक्साइड का उत्सर्जन होता है।
- * एशिया-पैसिफिक संघ के सदस्यों के संबंध में सही है
 - वे विश्व की 48% ऊर्जा का उपयोग करते हैं, वे विश्व की 48% हरित गृह गैसों के निस्सारण के लिए उत्तरदायी हैं, वे क्योटो प्रोटोकॉल को समर्थन देना चाहते हैं।

ओजोन परत क्षरण

- * ओजोन परत मुख्यतः जहां अवस्थित रहती है, वह है—स्ट्रेटोस्फीयर
- * स्ट्रेटोस्फीयर (समतापमंडल) के निचले हिस्से में पृथ्वी से लगभग 10 से 50 किमी. की ऊंचाई पर अवस्थित रहती है —ओजोन परत
- * ओजोन परत पृथ्वी से करीब ऊंचाई पर है —20 किलोमीटर
- * क्लोरोफ्लोरोकार्बन के लिए सत्य नहीं है
—यह 'ग्रीन हाउस' प्रभाव में योगदान नहीं देती है
- * क्लोरीन, फ्लोरीन एवं कार्बन के मानव निर्मित यौगिक हैं —CFC
- * ओजोन छिद्र के लिए उत्तरदायी है —CFC
- * वायुमंडल में उपस्थित ओजोन द्वारा जो विकिरण अवशोषित किया जाता है, वह है —पराबैंगनी
- * ऑक्सीजन के तीन परमाणुओं से मिलकर बनने वाली एक गैस है
—ओजोन (O₃)
- * ऊपरी वायुमंडल में ओजोन परत के रूप में पृथ्वी पर जीवन को बचाती है —अल्ट्रावायलेट किरणों से
- * ओजोन परत मानव के लिये उपयोगी है, क्योंकि
—वह सूर्य की अल्ट्रावायलेट किरणों को पृथ्वी पर नहीं आने देती
- * वायुमंडल में उपस्थित ओजोन परत अवशोषित करती है
—अल्ट्रावायलेट किरणों को
- * सूर्य से आने वाला हानिकारक पराबैंगनी विकिरण कारण हो सकता है
—त्वचीय कैंसर का
- * अधिक समय तक सूर्य के पराबैंगनी विकिरण के शरीर पर पड़ने पर हो सकता है —डीएनए में आनुवांशिक उत्परिवर्तन
- * 'ओजोन परत संरक्षण दिवस' मनाया जाता है —16 सितंबर को
- * क्लोरीन, फ्लोरीन एवं ऑक्सीजन से बना मानव निर्मित गैसीय व द्रवीय पदार्थ है जो कि रेफ्रिजरेटर तथा वातानुकूलित यंत्रों में शीतकारक के रूप में प्रयोग किया जाता है —क्लोरोफ्लोरोकार्बन
- * वायुमंडल के ध्रुवीय भागों में ओजोन का निर्माण धीमी गति से होता है। अतः ओजोन के क्षरण का प्रभाव सर्वाधिक परिलक्षित होता है
—ध्रुवों के ऊपर
- * ओजोन परत को सर्वाधिक नुकसान पहुंचाने वाला प्रदूषक है
—क्लोरोफ्लोरोकार्बन
- * वायुमंडल में जिसकी उपस्थिति से ओजोनोस्फीयर में ओजोन परत का क्षरण होता है —क्लोरोफ्लोरोकार्बन
- * ओजोन परत की क्षीणता के लिए उत्तरदायी नहीं है
—विलायक के रूप में प्रयुक्त मेथिल क्लोरोफार्म

- * ओजोन परत की क्षीणता के लिए उत्तरदायी गैसों हैं
—सीएफसी, हैलोजेन्स, नाइट्रस ऑक्साइड,
—ट्राइक्लोरोएथिलीन, हैलोन-1211, 1301
- * वह ग्रीन हाउस गैस जिसके द्वारा ट्रोपोस्फीयर में ओजोन प्रदूषण नहीं होता है —कार्बन मोनोऑक्साइड
- * ओजोन छिद्र का निर्माण सर्वाधिक है —अंटार्कटिका के ऊपर
- * मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल जिसके रक्षण से संबंधित है, वह है
—ओजोन परत
- * 1 जनवरी, 1989 से प्रभावी हुआ था —मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल
- * मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल संबंधित है—ओजोन परत के क्षय को रोकने से
- * 'मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल' संबंधित है —क्लोरोफ्लोरोकार्बन से
- * समतापमंडल में ओजोन के स्तर को प्राकृतिक रूप से विनियमित किया जाता है —नाइट्रोजन डाइऑक्साइड द्वारा
- * ओजोन परत की मोटाई मौसम के हिसाब से बदलती रहती है। बसंत ऋतु में इसकी मोटाई सबसे ज्यादा होती है तथा वर्षा ऋतु में रहती है
—सबसे कम
- * ओजोन परत को मापा जाता है
—डॉबसन इकाई (Dobson Unit-DU) में
- * 0°C तथा 1atm दाब पर शुद्ध ओजोन की 0.01 मिमी. की मोटाई के बराबर होती है —1 डॉबसन यूनिट
- * क्लोरोफ्लोरोकार्बन, जो ओजोन-ह्रासक पदार्थों के रूप में चर्चित हैं, उनका प्रयोग होता है —सुघट्य फोम के निर्माण में, ऐरोसॉल कैन में दाबकारी एजेंट के रूप में तथा कुछ विशिष्ट इलेक्ट्रॉनिक अवयवों की सफाई करने में
- * एक अत्यधिक स्थायी यौगिक जो वायुमंडल में 80 से 100 वर्षों तक बना रह सकता है —क्लोरोफ्लोरोकार्बन
- * क्लोरोफ्लोरोकार्बन, हैलोजेन्स तथा कार्बन टेट्राक्लोराइड तीनों ही पदार्थ हैं —ओजोन रक्षिकारक
- * सीएफसी, हैलोजेन्स तथा अन्य ओजोन रक्षिकारण रसायनों जैसे कार्बन टेट्राक्लोराइड के उत्पादन पर रोक लगाई गई है
—मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के अनुसार
- * अंटार्कटिक क्षेत्र में ओजोन छिद्र का बनना चिंता का विषय है। इस छिद्र के बनने का संभावित कारण है
—विशिष्ट ध्रुवीय वाताग्र तथा समतापमंडलीय बादलों की उपस्थिति तथा क्लोरोफ्लोरोकार्बनों का अंतर्वाह
- * ऐसा माध्यम जहां क्लोरीन यौगिक ओजोन परत का विनाश करने वाले क्लोरीन कणों में परिवर्तित हो जाते हैं
—ध्रुवीय समतापमंडलीय बादल

- * फ्रिजों में जो गैस भरी जाती है, वह है —**मेफ्रोन**
 - * प्रशीतक के रूप में बड़े संयंत्रों में प्रयुक्त होती है —**अमोनिया**
 - * सर्वप्रथम वर्ष 1985 में 'टोटल ओजोन मैपिंग स्पेक्ट्रोमीटर' की मदद से अंटार्कटिका के ऊपर ओजोन छिद्र का पता लगाया था —**ब्रिटिश दल ने**
 - * तिब्बत पठार के ऊपर वर्ष 2005 में 'ओजोन आभामंडल' (ओजोन हैलो) का पता लगाया —**जी.डब्ल्यू.केंट मूर ने**
 - * मनुष्यों में खांसी, सीने में दर्द उत्पन्न करने के साथ-साथ फेफड़ों को भी क्षति पहुंचा सकता है —**O₃ का उच्च सांद्रण**
 - * **कथन (A) :** ओजोन जैविक जीवन के लिए परमावश्यक है।
कारण (R) : ओजोन परत पृथ्वी को उच्च ऊर्जा विकिरण से संरक्षित करती है।
—**(A) व (R) दोनों सही हैं, तथा (R),(A) की सही व्याख्या है।**
 - * सूर्य के उच्च आवृत्ति के पराबैंगनी प्रकाश की 93-99 प्रतिशत मात्रा अवशोषित कर लेती है (जो पृथ्वी पर जीवन के लिए हानिकारक है) —**ओजोन परत**
 - * ओजोन का अवक्षय करने वाले पदार्थों के प्रयोग पर नियंत्रण करने और उन्हें चरणबद्ध रूप से प्रयोग-बाह्य करने (फेजिंग आउट) के मुद्दे से संबद्ध है —**मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल**
- ## वन एवं वन्य जीव
- * चमोली के रैणी गांव में वन-कटाई के विरोध में आंदोलन चलाया गया —**गौरा देवी के नेतृत्व में**
 - * जिस पारिस्थितिकीय तंत्र में पौधों का जैविक पदार्थ अधिकतम है, वह है —**उष्णकटिबंधीय वर्षा वन**
 - * अधिकतम पादप विविधता पाई जाती है —**उष्णकटिबंधीय सदाबहार वनों में**
 - * यदि हम घड़ियाल को उनके प्राकृतिक आवास में देखना चाहते हैं, तो जिस स्थान पर जाना सही होगा, वह है —**चंबल नदी**
 - * भारत में यदि कछुएं की एक जाति को वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची I के अंतर्गत संरक्षित घोषित किया गया हो तो इसका निहितार्थ है कि —**इसे संरक्षण का वही स्तर प्राप्त है, जैसा कि बाघ को**
 - * वन्यजीव सुरक्षा अधिनियम, 1972 के अनुसार किसी व्यक्ति द्वारा, विधि द्वारा किए गए कतिपय उपबंधों के अधीन होने के सिवाय जिस प्राणी का शिकार नहीं किया जा सकता, वह है —**घड़ियाल, भारतीय जंगली गधा एवं जंगली भैंस**
 - * जलवायु के प्रमुख घटक जो झारखंड राज्य के वन के क्षेत्र की जलवायु को प्रभावित कर रहे हैं—**जंगल की आग**
 - * झारखंड राज्य में जंगलों को 'सुरक्षित वन' के रूप में वर्गीकृत करने का उद्देश्य है —**बिना अनुमति सभी गतिविधियों पर प्रतिबंध**
 - * भारत का वह राज्य जहां सर्वप्रथम 'मुख्यमंत्री जन वन योजना' का प्रारंभ किया गया —**झारखंड**
 - * सहाबहार वन पाए जाते हैं —**पश्चिमी घाट में**
 - * उत्तर-पूर्व भारत और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के 200 सेमी. से अधिक औसत वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्रों में पाया जाता है —**उष्णकटिबंधीय सदाबहार वनों का विस्तार**
 - * विषुवतीय-वनों की अद्वितीय विशेषता/विशेषताएं हैं —**ऊंचे, घने वृक्षों की विद्यमानता जिनके कीरीट निरंतर वितान बनाते हैं, बहुत-सी जातियों का सह-अस्तित्व हो, अधिपादपों की असंख्य किस्मों की विद्यमानता हो।**
 - * विषुवतीय वन ऐसे उष्ण कटिबंध क्षेत्रों में मिलते हैं, जहां वर्षा होती है —**200 सेमी. से अधिक**
 - * विश्व भर की लगभग 80% जैव-विविधता पाई जाती है —**विषुवतीय वनों में**
 - * भारत में उपयुक्त पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने के लिए वनाच्छादन हेतु न्यूनतम संस्तुत भूमि क्षेत्र है —**33%**
 - * राष्ट्रीय वन नीति में भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र के जितने प्रतिशत पर वन रखने का लक्ष्य है, वह है —**एक-तिहाई**
 - * राष्ट्रीय वन नीति (1952) के अनुसार, जो वन का संवर्ग नहीं है —**राष्ट्रीय उद्यान**
 - * वनों को वर्गीकृत किया गया है— (i) संरक्षित वन (ii) राष्ट्रीय वन (iii) ग्राम वन एवं (iv) वृक्ष-भूमि (Tree-lands) —**राष्ट्रीय वन नीति (1952) के अनुसार**
 - * देहरादून स्थित भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग उपग्रह चित्रण के माध्यम से 'वन स्थिति रिपोर्ट' (The State of Forest Report) जारी करता है —**प्रत्येक दो वर्ष पर**
 - * भारत में निर्वनीकरण का प्रभाव नहीं है —**नगरीकरण**
 - * जो एक बार उपयोग होने के बाद पुनः उपयोग में लाए जा सकते हैं —**नवीकरणीय संसाधन**
 - * वनों से पर्यावरण की गुणवत्ता बढ़ती है, क्योंकि वन पर्यावरण से कार्बन डाइऑक्साइड का अवशोषण कर मुक्त करते हैं —**ऑक्सीजन**

- * विकास के चरण के आधार पर प्राकृतिक संसाधनों को निम्न समूहों में विभाजित किया जा सकता है—**संभाव्य संसाधन, वास्तविक संसाधन**
- आरक्षित संसाधन, स्टॉक संसाधन**
- * जो एक क्षेत्र में स्थित हैं तथा भविष्य में भी प्रयोग में लाए जा सकते हैं
—**संभाव्य संसाधन**
- * जिनका सर्वेक्षण किया गया है तथा उनकी मात्रा एवं गुणवत्ता का पता लगाया गया है और जिनका वर्तमान समय में प्रयोग किया जा रहा है
—**वास्तविक संसाधन**
- * राष्ट्रीय सुदूर संवेदन अभिकरण (NRSA) प्रणाली से चित्रित वह भू क्षेत्र, जो वास्तव में वनाच्छादित होता है, कहलाता है —**वनावरण**
- * मेंग्रोव वनस्पतियों का विकास अधिकांशतः होता है —**तटों के सहारे**
- * भारत में मेंग्रोव (ज्वारीय वन) वनस्पति मुख्यतः पाई जाती है
—**सुंदरबन में**
- * ये डेल्टा प्रदेशों तथा समुद्र के ज्वार वाले भागों में होते हैं तथा इन्हें मेंग्रोव वनस्पति के नाम से भी जाना जाता है —**ज्वारीय वन**
- * मेंग्रोव वनस्पति का सर्वाधिक क्षेत्र सुंदरबन डेल्टा में पाया जाता है। यहां के वनों में विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं —**सुंदरी वृक्ष**
- * एक संरक्षित कच्छ-वनस्पति क्षेत्र है —**गोवा**
- * भारत में मेंग्रोव वन, सदापर्णी वन और पर्णपाती वनों का संयोजन है
—**अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में**
- * नागालैंड के पर्वत क्रमशः बंजर होते जा रहे हैं, उसका प्रमुख कारण है —**झूम कृषि**
- * वह राज्य जिसके द्वारा 'अपना वन अपना धन' योजना प्रारंभ की गई है
—**हिमाचल प्रदेश**
- * भारत में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम लागू किया गया था
—**वर्ष 1972 में**
- * वन्य जीवों की तस्करी, अवैध शिकार से रक्षा एवं संरक्षण के लिए भारत सरकार द्वारा पारित किया गया था
—**वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972**
- * भारत में वन संरक्षण अधिनियम कब पारित किया गया—**वर्ष 1980 में**
- * भारत में वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 लागू होने की तिथि है
—**25 अक्टूबर, 1980**
- * भारतीय वन्य जीव संस्थान स्थित है —**देहरादून में**
- * वन अनुसंधान संस्थान स्थापित है —**देहरादून में**
- * वन अनुसंधान संस्थान की स्थापना उत्तराखंड के देहरादून जिले में की गई थी —**वर्ष 1906 में**
- * पर्यावरण से संबंधित है —**विज्ञान और पर्यावरण केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण संस्थान, भारतीय वन्यजीव संस्थान**
- * विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के अधीन राष्ट्रीय सर्वेक्षण और मानचित्रण के लिए भारत सरकार का एक प्राचीनतम विभाग है
—**भारतीय सर्वेक्षण विभाग**
- * जे.आर.बी. अल्फ्रेड (J.R.B. Alfred) की पुस्तक फॉनल डाइवर्सिटी इन इंडिया (Faunal Diversity in India) के अनुसार विश्व के कुल जंतु प्रजातियों (Animal Species) की संख्या का भारत में पाया जाता है
—**7.28 प्रतिशत भाग**
- * भारत की सबसे बड़ी मछली है —**व्हेल शार्क**
- * यह भारत की ही नहीं पूरे विश्व की सबसे बड़ी मछली है तथा यह 50 फुट तक लंबी हो सकती है —**व्हेल शार्क**
- * वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड (W.W.F.) का प्रतीक जानवर है
—**जाइन्ट पाण्डा**
- * इसका वैज्ञानिक नाम '*Ailuropoda melanoleuca*' है। इसका निवास स्थान मुख्यतः शीतोष्ण चौड़ी पत्ती वाले और मिश्रित वनों में मिलता है
—**जाइन्ट पाण्डा (Giant Panda)**
- * गैवियलिस (घड़ियाल) बहुतायत में पाया जाता है —**गंगा में**
- * घड़ियाल (Gavialis) एक प्रजाति है
—**मगरमच्छ कुल (Crocodylia) की**
- * भारत में पाए जाने वाला मगरमच्छ तथा हाथी हैं
—**संकटापन्न जातियां**
- * 'चिपको' आंदोलन मूल रूप से विरुद्ध था —**वन कटाई के**
- * चिपको आंदोलन का नेता माना जाता है —**सुंदरलाल बहुगुणा को**
- * देश भर में वनों के विनाश के विरुद्ध हुए संगठित प्रतिरोध को चिपको आंदोलन का नाम दिया गया था —**1970 के दशक में**
- * चिपको आंदोलन के प्रणेता हैं —**चंडीप्रसाद भट्ट**
- * भारत में वन्य जीव सप्ताह मनाया जाता है —**2 से 8 अक्टूबर के मध्य**
- * विश्व संयुक्त राष्ट्र महासभा के 68वें वार्षिक सत्र के दौरान प्रतिवर्ष 'विश्व वन्य जीव दिवस' (World Wildlife Day) के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया —**3 मार्च को**
- * पगमार्क तकनीक का प्रयोग किया जाता है
—**विभिन्न वन्य जन्तुओं की जनसंख्या के आकलन के लिए**

- * निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए
कथन (A) : भारत में वनक्षेत्र का ह्रास भारत के जनांकिकीय संक्रमण से प्रत्यक्षतः संबंधित रहा है।
कारण (R) : वनक्षेत्र एवं जनसंख्या वृद्धि में प्रायः नकारात्मक संबंध होता है।
—(A) तथा (R) दोनों सही हैं ।
तथा (R), (A) की व्याख्या करता है।
- * वन ह्रास का मुख्य कारण है **—औद्योगिक विकास**
- * राजीव गांधी वन्य जीव संरक्षण पुरस्कार दिया जाता है
—शैक्षिक तथा शोध संस्थाओं, वन एवं वन्य जीव अधिकारियों तथा वन्य जीव संरक्षकों को
- * 'नेशनल ब्यूरो ऑफ प्लांट जेनेटिक रिसोर्सस' स्थित है
—नई दिल्ली में
- * पेड़-पौधों एवं जंतुओं की सर्वाधिक विविधता विशेषता है
—उष्णकटिबंधीय आर्द्र वन की
- * भारत में वन-प्रारूप जिसमें, सागौन (टीक) एक प्रभावी वृक्ष स्पीशीज है
—उष्णकटिबंधीय आर्द्र पर्णपाती वन
- * उष्णकटिबंधीय आर्द्र पर्णपाती वन ऐसे क्षेत्रों में पाए जाते हैं, जहां वर्षा होती है
—100 सेमी. से 200 सेमी. के मध्य
- * बांस, शीशम, चंदन इत्यादि अन्य व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण वृक्ष प्रजातियां पाई जाती हैं **—उष्णकटिबंधीय आर्द्र पर्णपाती वन में**
- * ये चौड़ी पत्तियों वाले नमी-युक्त वन हैं, जो दक्षिण अमेरिका के अमेजन बेसिन के एक बड़े भू-भाग पर फैले हैं **—अमेजन वर्षा वन**
- * अमेजन वर्षा वन 'पृथ्वी ग्रह के फेफड़ों' के रूप में जाना जाता है क्योंकि इनकी वनस्पति लगातार कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर मुक्त करती रहती है **—ऑक्सीजन को**
- * पृथ्वी की 20 प्रतिशत से अधिक ऑक्सीजन उत्पादित होती है
—अमेजन वर्षा वनों द्वारा
- * वह महाद्वीप जिसमें उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वनों का विस्तार अधिक है
—एशिया
- * मानसूनी वन कहते हैं **—उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वनों को**
- * समाचारों में कभी-कभी दिखाई देने वाले 'रेड सैंडर्स' (Red Sanders)
—दक्षिण भारत के एक भाग में पाई जाने वाली एक वृक्ष जाति है।
- * इसका वैज्ञानिक नाम टेरोकार्पस सेंटेलिनस (Pterocarpus santalinus) है। यह पेड़ आंध्र प्रदेश के पालकोंडा व सेशाचलम पर्वत श्रेणियों में मुख्यतया पाया जाता है। इसकी लकड़ी सफेद होती है जो कालांतर में लाल रंग के चिपचिपे रस के स्राव के कारण लाल हो जाती है
—रेड सैंडर्स (रक्त चंदन)
- * आयुर्वेद व सिद्धा दवाइयों को बनाने में, पूजा सामग्री में एवं पारंपरिक खिलौनों को बनाने में किया जाता है **—रेड सैंडर्स का प्रयोग**
- * राष्ट्रीय वन नीति के मुख्य उद्देश्य क्या थे
—सामाजिक वानिकी को प्रोत्साहन देना, देश की कुल भूमि का एक-तिहाई वनाच्छादित करना
- * मरुस्थलीकरण को रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र अभिसमय (United Nations Convention to Combat Desertification) का/के क्या महत्व है/हैं **—इसका उद्देश्य नवप्रवर्तनकारी राष्ट्रीय कार्यक्रमों एवं समर्थक अंतरराष्ट्रीय भागीदारियों के माध्यम से प्रभावकारी कार्रवाई को प्रोत्साहित करना है, यह मरुस्थलीकरण को रोकने में स्थानीय लोगों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने हेतु ऊर्ध्वगामी उपागम (बॉटम-अप अप्रोच) के लिए प्रतिबद्ध है।**
- * मरुस्थलीकरण को रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र अभिसमय (United Nations Convention to Combat Desertification) की स्थापना की गई थी **—वर्ष 1994 में**
- * यह अकेला कानून बाध्यकारी समझौता है, जो संयुक्त रूप से पेश करता है **—पर्यावरण एवं विकास तथा टिकाऊ भूमि प्रबंधन को**
- * भारत में जो नगर वृक्षारोपण में विशिष्टता रखता है **—वालपराई**
- * वालपराई नगर स्थित है **—कोयंबटूर जिले में**
- * चीन, भारत, इंडोनेशिया तथा जापान में से जिसके भौगोलिक क्षेत्र का उच्चतम प्रतिशत वनाच्छादित है **—जापान का**
- * कुल भौगोलिक क्षेत्रफल के 70% भाग पर वन बनाए रखने का संवैधानिक प्रावधान है **—भूटान में**
- * एल्युमीनियम को इसके पर्यावरणीय हितैषी स्वरूप और नवीकरणीय योग्य होने के कारण कहा जाता है **—हरी धातु**
- * पूर्वी दक्कन पठार में प्रमुखतया पाए जाते हैं **—शुष्क सदाबहार वन**
- * "वाणिज्यिक दृष्टि से लाभप्रद वृक्षों की एकपादप (Monoculture) कृषि.....की अनुपम प्राकृतिक छटा को नष्ट कर रही है। इमारती लकड़ी का विचारशून्य दोहन, ताड़ रोपण के लिए विशाल भूखंडों का निर्बनीकरण, मैंग्रोवों का विनाश, आदिवासियों द्वारा लकड़ी की अकैष कटाई और अनाधिकार आखेट समस्या को अधिक ही जटिल बनाते हैं। अलवण जल कोटरिकाएं (Fresh water pockets) त्वरित गति से सूख रही हैं, क्योंकि निर्बनीकरण और मैंग्रोवों का विनाश हो रहा है," इस उद्धरण में निर्देशित स्थान है **—सुंदरवन**

- * वर्ष 2004 की सुनामी ने लोगों को यह महसूस करा दिया कि गरान (मैंग्रोव) तटीय आपदाओं के विरुद्ध विश्वसनीय सुरक्षा बाड़े का कार्य कर सकते हैं। गरान सुरक्षा बाड़े के रूप में जिस प्रकार कार्य करते हैं, वह है
—गरान के वृक्ष अपनी साघन जड़ों के कारण तूफान और ज्वारभाटे से नहीं उखड़ते
- * कथन (A) : उड़ीसा तट भारत में सर्वाधिक चक्रवात-प्रवण क्षेत्र है।
कारण (R) : महानदी डेल्टा क्षेत्र में भारी मात्रा में मैंग्रोव का निर्वनीकरण हुआ है।
—A तथा R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
- * चक्रवात अवरोधक के रूप में कार्य करते हैं —मैंग्रोव वन
- * ओडिशा के केंद्रपाड़ा जिले में ब्राह्मणी, वैतरणी और महानदी डेल्टा क्षेत्र में स्थित है —भितरकनिका गरान
- * यह मैंग्रोव वनों के लिए प्रसिद्ध है। यह एक रामसर स्थल (वर्ष 2002 में घोषित) भी है —भितरकनिका गरान
- * सही कथन हैं
—टैक्सस वृक्ष हिमालय में प्राकृतिक रूप से पाया जाता है, टैक्सस वृक्ष रेड डाटा बुक में सूचीबद्ध है, टैक्सस वृक्ष से 'टैक्सॉल' नामक औषध प्राप्त की जाती है, जो पार्किन्सन रोग के विरुद्ध प्रभावी है।
- * सही कथन हैं
—विश्व वन्य जीवन कोष की स्थापना 1961 में हुई, जुलाई, 2000 में उड़ीसा के नन्दन वन अभयारण्य में 13 शेरों की मृत्यु का कारण ट्राइपनोसोमिएसिस रोग रहा, भारत का सबसे बड़ा जीवनशाला कोलकाता में अवस्थित है।
- * यूकेलिप्टस वृक्ष को कहा जाता है —पारिस्थितिक आतंकवादी
- * ये उष्ण कटिबंधीय जलवायु क्षेत्रों में पाए जाते हैं। ये मुख्यतः मध्य एवं दक्षिणी अमेरिका के सदाबहार वनों में पाए जाते हैं —स्पाइडर वानर
- * भारतीय प्राणिजात जो संकटापन्न हैं
—घड़ियाल, चर्मपीठ कूर्म (लेदरबैक टर्टल) तथा अनूप मृग
- * भारत में प्राकृतिक रूप से पाए जाते हैं —तारा कछुआ, मॉनीटर छिपकली तथा वामन सुअर
- * भारत में पाई जाने वाली नस्ल 'खाराई ऊंट' के बारे में अनूठा क्या है हैं
—यह समुद्र-जल में तीन किमी. तक तैरने में सक्षम है, यह मैंग्रोव (Mangroves) की चराई पर जीता है।
- * ये ऊंट कच्छ (गुजरात) में पाए जाते हैं —खाराई ऊंट
- * इन ऊंटों को संकटग्रस्त प्रजाति (Endangered Species) घोषित किया गया है —खाराई ऊंट
- * कथन (A) : मैंग्रोव कुछ समुद्र तटों के सीमावर्ती उष्ण कटिबंधीय और उपोष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों के अति विशिष्ट वन पारिस्थितिक निकाय होते हैं।
कारण (R) : वे तट रेखा को स्थिर रखते हैं और समुद्र द्वारा सीमोल्लंघन के विरुद्ध प्राचीर का काम करते हैं। —A और R दोनों सही हैं, और A की सही व्याख्या R करता है।
- * ये वन जैव-विविधता के संरक्षक होने के साथ समुद्र और तट के बीच महत्वपूर्ण कड़ी का काम करते हैं और तट को समुद्र की ओर से आने वाली तीव्र लहरों के विनाश से बचाते हैं —मैंग्रोव (Mangroves)
- * अमृता देवी स्मृति पुरस्कार दिया जाता है
—वन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए
- * विश्व बाघ शिखर सम्मेलन, 2010 आयोजित किया गया था
—पीटर्सबर्ग में
- * विश्व का प्रथम बाघ शिखर सम्मेलन (Tiger Summit) सेंट पीटर्सबर्ग (रूस) में आयोजित किया गया था
—21 से 24 नवंबर, 2010 के मध्य
- * नेपाल एवं भारत में वन-जीवन संरक्षण प्रयासों के रूप में 'सेव' (SAVE) नामक एक नया संगठन प्रारंभ किया गया है। 'सेव' का उद्देश्य है संरक्षण करना —टाइगर का
- * टाइगर के खाल का प्रयोग आसन लगाने एवं सौन्दर्यीकरण के लिए किया जाता है —तिब्बती बौद्धों द्वारा
- * यदि आप हिमालय से होकर यात्रा करते हैं, तो आपको वहां जिन पादपों को प्राकृतिक रूप में उगते हुए दिखने की संभावना है
—बांज और बुरुंश
- * चीड़ इन वनों का मुख्य वृक्ष है परंतु अधिक आर्द्रता वाले भागों में बांज या ओक (Oak) जैसे चौड़ी पत्ती वाले वृक्ष देखे जाते हैं
—उपोष्ण कटिबंधीय वन
- * प्रत्येक वर्ष कतिपय विशिष्ट समुदाय/जनजाति, पारिस्थितिक रूप से महत्वपूर्ण, मास-भर चलने वाले अभियान/त्वौहार के दौरान फलदार वृक्षों की पौध का रोपण करते हैं। वे समुदाय/जनजाति हैं
—गोंड और कोर्कू
- * भारत के एक विशेष क्षेत्र में, स्थानीय लोग जीवित वृक्षों की जड़ों का अनुवर्धन कर इन्हें जलधारा के आर-पार सुदृढ़ पुलों में रूपांतरित कर देते हैं। जैसे-जैसे समय गुजरता है, ये पुल और अधिक मजबूत होते जाते हैं। ये अनोखे 'जीवित जड़ पुल' पाए जाते हैं —मेघालय में
- * अगर किसी पेड़ को काटे बिना उससे पुल बना दिया जाए, तो उस पुल को कहते हैं
—जीवित पुल या प्राकृतिक पुल

- * भारतीय पशु कल्याण बोर्ड देश में पशुओं के कल्याण को बढ़ावा देने तथा पशु कल्याण कानूनों पर है —एक 'सांविधिक सलाहकारी निकाय' (Statutory Advisory Body)
- * राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण एक 'सांविधिक निकाय' (Statutory Body) है
 - पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अंतर्गत
- * भारत की पहली राष्ट्रीय वन नीति प्रकाशित की गई —1894 ई. में
- * स्वतंत्र भारत की पहली राष्ट्रीय वन नीति तैयार हुई —वर्ष 1952 में
- * देश के एक-तिहाई अथवा 33.33 प्रतिशत क्षेत्र में (पहाड़ी क्षेत्रों में दो-तिहाई अथवा 66.67 प्रतिशत क्षेत्र में) वन अथवा वृक्षावरण होने आवश्यक हैं
 - राष्ट्रीय वन नीति, 1988 के अनुसार
- * जिनका वृक्ष छत्र घनत्व 70 प्रतिशत से अधिक होता है
 - अति सघन वन
- * जिनका वृक्ष छत्र घनत्व 40-70 प्रतिशत के बीच होता है
 - मध्यम सघन वन
- * जिनका वृक्ष छत्र घनत्व 10-40 प्रतिशत के मध्य होता है —खुले वन
- * 10 प्रतिशत से कम वृक्ष छत्र घनत्व वाली निम्नस्तरीय वन भूमि को वनावरण में शामिल नहीं किया जाता तथा इन्हें रखते हैं।
 - झाड़ी (Scurb) की श्रेणी में
- * ISFR- 2017 के अनुसार, देश में झाड़ियों का क्षेत्रफल 45,979 वर्ग किमी. है, जो कुल भौगोलिक क्षेत्र का है
 - 1.40 प्रतिशत
- * ISFR-2017 के अनुसार, देश में कुल वनावरण एवं वृक्षावरण देश के कुल भौगोलिक क्षेत्र का है
 - 24.40 प्रतिशत
- * सर्वाधिक वनावरण प्रतिशतता वाला राज्य/संघीय क्षेत्र
 - लक्षद्वीप
- * सर्वाधिक वनावरण प्रतिशतता वाला राज्य
 - मिजोरम
- * कुल वृक्षावरण एवं वनावरण क्षेत्र की दृष्टि से सर्वाधिक क्षेत्रफल वाले 5 राज्य
 - मध्य प्रदेश > अरुणाचल प्रदेश > महाराष्ट्र > छत्तीसगढ़ > ओडिशा
- * इसी दृष्टि से भौगोलिक क्षेत्र के सर्वाधिक प्रतिशत वाले 4 राज्य/संघीय क्षेत्र
 - लक्षद्वीप > मिजोरम > अंडमान एवं निकोबार > अरुणाचल प्रदेश
- * ISFR-2017 के अनुसार, क्षेत्रफल की दृष्टि से सर्वाधिक वनावरण वाले 5 राज्य क्रमशः
 - मध्य प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा एवं महाराष्ट्र
- * क्षेत्रफल की दृष्टि से सर्वाधिक वनावरण वाले 5 संघीय क्षेत्र क्रमशः
 - अंडमान एवं निकोबार, दादरा व नगर हवेली, दिल्ली, पुडुचेरी तथा लक्षद्वीप
- * सर्वाधिक वनावरण प्रतिशतता वाले 5 राज्य/संघीय क्षेत्र क्रमशः
 - लक्षद्वीप (90.33%), मिजोरम (86.27%), अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह (81.73%), अरुणाचल प्रदेश (79.96%) तथा मणिपुर (77.69%)
- * सर्वाधिक वनावरण प्रतिशतता वाले भारत के 5 राज्य क्रमशः
 - मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय तथा नगालैंड
- * न्यूनतम वनावरण क्षेत्र वाले 5 राज्य क्रमशः हैं
 - हरियाणा, पंजाब, गोवा, सिक्किम एवं बिहार
- * न्यूनतम वनावरण प्रतिशतता वाले भारत के 5 राज्य क्रमशः
 - हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश एवं गुजरात
- * सर्वाधिक वनावरण प्रतिशतता वाले भारत के 4 संघीय क्षेत्र हैं क्रमशः
 - लक्षद्वीप, अंडमान एवं निकोबार, दादरा एवं नगर हवेली तथा चंडीगढ़
- * वृक्षावरण की दृष्टि से ISFR-2017 में सर्वाधिक क्षेत्रफल वाले 5 राज्य क्रमशः
 - महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात तथा जम्मू एवं कश्मीर
- * न्यूनतम क्षेत्रफल वाले 5 राज्य क्रमशः
 - सिक्किम, त्रिपुरा, मणिपुर, गोवा एवं नगालैंड
- * भौगोलिक क्षेत्र के प्रतिशत के रूप में सर्वाधिक वृक्षावरण वाले 5 राज्य क्रमशः
 - गोवा, केरल, गुजरात, झारखंड तथा तमिलनाडु
- * संघीय क्षेत्रों में सर्वाधिक वृक्षावरण प्रतिशत क्रमशः
 - दमन एवं दीव, चंडीगढ़, दिल्ली तथा लक्षद्वीप
- * कुल वृक्षावरण एवं वनावरण क्षेत्र की दृष्टि से सर्वाधिक क्षेत्रफल वाले 5 राज्य क्रमशः
 - मध्य प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ एवं ओडिशा
- * भौगोलिक क्षेत्र के सर्वाधिक प्रतिशत वाले 4 राज्य/संघीय क्षेत्र क्रमशः
 - लक्षद्वीप (97.00%), मिजोरम (88.49%), अंडमान एवं निकोबार (82.15%) तथा अरुणाचल प्रदेश (80.92%)
- * ISFR-2017 के अनुसार, देश के पहाड़ी जिलों में कुल वनावरण 283,462 वर्ग किमी. है, जो कि इन जिलों के भौगोलिक क्षेत्रफल का
 - 40.22 प्रतिशत
- * ISFR-2017 के अनुसार, देश के 14 भू-आकृतिक क्षेत्रों (Physiographic Zones) में क्षेत्रफल की दृष्टि से सर्वाधिक वृक्षावरण है
 - मध्य उच्च भूमियों का
- * लवण सहिष्णु वनस्पति समुदाय जो विश्व के ऐसे उष्णकटिबंधीय एवं उपोष्ण कटिबंधीय अंतःज्वारीय (Intertidal) क्षेत्रों में पाए जाते हैं, जहां वर्षा का स्तर 1000-3000 मिमी. के मध्य एवं ताप का स्तर 26-35°C के मध्य हो
 - मैंग्रोव (Mangrove)

- * ISFR-2017 के अनुसार, भारत में मैंग्रोव आवरण विश्व की संपूर्ण मैंग्रोव वनस्पति का है —लगभग 3.3 प्रतिशत
- * भारत में सर्वाधिक मैंग्रोव आच्छादित चार राज्य/संघीय क्षेत्र क्रमशः —पश्चिम बंगाल (2114 वर्ग किमी.), गुजरात (1140 वर्ग किमी.), अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह (617 वर्ग किमी.) तथा आंध्र प्रदेश (404 वर्ग किमी.)
- * चार सर्वाधिक मैंग्रोव आच्छादित जिले क्रमशः —दक्षिण चौबिस परगना-प. बंगात (2084 वर्ग किमी.), कच्छ-गुजरात (798 वर्ग किमी.), उत्तरी अंडमान-अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह (425 वर्ग किमी.) तथा केंद्रपाड़ा-ओडिशा (197 वर्ग किमी.) हैं।
- * विश्व में मैंग्रोव का सर्वाधिक क्षेत्र —एशिया में
- * उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक वनावरण क्षेत्र वाले जिले —सोनभद्र, खीरी, मिर्जापुर
- * उत्तर प्रदेश में न्यूनतम वनावरण क्षेत्र वाले जिले —संत रविदास नगर, मऊ, संत कबीर नगर एवं मैनपुरी
- * उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक वनावरण प्रतिशत वाले जिले —सोनभद्र, चंदौली, पीलीभीत
- * उत्तर प्रदेश में न्यूनतम वनावरण प्रतिशत वाले जिले —संत रविदास नगर, मैनपुरी, देवरिया
- * उत्तर प्रदेश में कुल वनावरण 14,679 वर्ग किमी. है, जो राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्र का है —6.09 प्रतिशत
- * उत्तर प्रदेश में कुल वृक्षावरण 7,442 वर्ग किमी. है, जो राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्र का है —3.09 प्रतिशत
- * राज्य में कुल वनावरण एवं वृक्षावरण 22,121 वर्ग किमी. है, जो कि राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्र का है —9.18 प्रतिशत
- * वन क्षेत्र के संदर्भ में शीर्ष 3 देश —रूसी संघ, ब्राजील, कनाडा
- * सर्वाधिक मैंग्रोव आच्छादित राज्य/संघीय क्षेत्र —पश्चिम बंगाल
- * 'वैश्विक वन संसाधन आकलन' (GFRA : Global Forest Resources Assessments) के तहत विश्व के वनों एवं उनके प्रबंधन की नियमित निगरानी करता है—संयुक्त राष्ट्र का खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO)
- * उत्तराखंड राज्य के जिस राष्ट्रीय पार्क को वर्ष 2016 में 'प्रोजेक्ट टाइगर परियोजना' के अंतर्गत सम्मिलित किया गया —राजा जी राष्ट्रीय पार्क
- * उत्तराखंड के जिस वन्यजीव विहार समूह की स्थिति का पश्चिम से पूर्व की ओर का सही क्रम है, वह है —केदारनाथ-नंदा देवी-बिनसर-अस्कोट
- * सुमेलित हैं-
राष्ट्रीय उद्यान राज्य
इन्तानकी - नगालैंड
बेतला - झारखंड
सिरोही - मणिपुर
गुईदी - तमिलनाडु
- * M-STrIPES शब्द कभी-कभी समाचारों में जिस संदर्भ में देखा जाता है, वह है —बाघ अभयारण्यों का रख-रखाव
- * हाल ही में कुछ शेरों को गुजरात के उनके प्राकृतिक आवास से जिस एक स्थल पर स्थानांतरित किए जाने का प्रस्ताव है, वह है —कुनो पालपुर वन्यजीव अभयारण्य
- * पारिस्थितिक दृष्टिकोण से पूर्वी घाटों और पश्चिमी घाटों के बीच एक अच्छा संपर्क होने के रूप में जिसका महत्व अधिक है, वह है —सत्यमंगलम बाघ आरक्षित क्षेत्र (सत्यमंगलम टाइगर रिजर्व)
- * झारखंड सरकार ने राज्य के विभिन्न वन्यजीव अभयारण्यों में वन्यजीव प्रबंधन योजना शुरू की है —10 वर्ष की अवधि के लिए
- * महुआडार अभयारण्य झारखंड के जिस जिले में है, वह है—लातेहार
- * अंतरराष्ट्रीय 'टाइगर दिवस' मनाया जाता है —29 जुलाई को
- * भारत के अधिकांश वन्य जीव संरक्षित क्षेत्र घिरे हुए हैं —घने जंगलों से
- * भारत में आज ऐसे कितने राष्ट्रीय उद्यान हैं, जिन्हें देश के वन्य-प्राणियों की सुरक्षा के लिए बनाया गया है —103
- * सरकार की 'बाघ परियोजना' का उद्देश्य है —भारतीय बाघ को समाप्त होने से बचाना
- * भारतीय टाइगरों को बचाने के लिए प्रोजेक्ट टाइगर प्रारंभ किया गया था —वर्ष 1973 में
- * भारत का राष्ट्रीय जैविक उद्यान स्थित है —नई दिल्ली में
- * भारत में स्थापित पहला राष्ट्रीय उद्यान है —जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान
- * राजीव गांधी नेशनल पार्क अवस्थित है —कर्नाटक में
- * पेरियार गेम अभयारण्य प्रसिद्ध है —जंगली हाथियों के लिए
- * बेतला राष्ट्रीय पार्क की स्थापना 1986 में हुई थी —तत्कालीन बिहार (वर्तमान झारखंड) में

अभयारण्य/जैवमंडल रिजर्व

* भारत में सबसे बड़ा बाघ आवास पाया जाता है —आंध्र प्रदेश में

* एशियाटिक बब्लर शेर (Asiatic Lion) का निवास कहां है

—गिर वन

जैवमंडल रिजर्व उनके क्षेत्रफल एवं स्थापना वर्ष			
क्रम सं.	जैव मंडल रिजर्व	क्षेत्रफल (वर्ग किमी. में)	स्थापना वर्ष
1.	अचानकमार-अमरकंटक*	3835.51	2005
2.	अगस्त्यमलाई*	3500.36	2001
3.	दिहांग-दिबांग	5111.50	1998
4.	डिब्रू-सैखोवा	765	1997
5.	ग्रेट निकोबार*	885	1989
6.	मन्नार की खाड़ी*	10500	1989
7.	कंचनजंगा	2619.92	2000
8.	मानस	2837	1989
9.	नंदा देवी*	5860.69	1988
10.	नीलगिरि*	5520	1986
11.	नोकरेक*	820	1988
12.	पचमढी*	4981.72	1999
13.	सिमिलीपात*	4374	1994
14.	सुंदरवन*	9630	1989
15.	कच्छ	12,454	2008
16.	शीत रेगिस्तान	7,770	2009
17.	शेशाचलम पहाड़ियां	4755.997	2010
18.	पन्ना	2998.98	2011

नोट- * इन्हें यूनेस्को ने MAB कार्यक्रम के तहत जैवमंडल रिजर्व के विश्वतंत्र की सूची में शामिल किया है।

* जैवमंडल आरक्षित क्षेत्र नहीं है —नल्लामलाई

* केवलादेव घाना राष्ट्रीय उद्यान जिसे पूर्व में भरतपुर पक्षी अभयारण्य के नाम से जाना जाता था, भरतपुर (राजस्थान) में स्थित है। यहां की संरक्षित प्रजाति नहीं है —शेर

* जीवमंडल आरक्षित परिरक्षण क्षेत्र है —आनुवांशिक विभिन्नता के

* जैवमंडल रिजर्वों एवं उनकी अवस्थिति का सुमेलन है-

— नोकरेक	मेघालय
मानस	असम
दिहांग-दिबांग	अरुणाचल प्रदेश
अगस्त्यमलाई	केरल-तमिलनाडु
नंदादेवी	उत्तराखंड
कंचनजंगा	सिक्किम
शीत मरुस्थल (कोल्ड डेजर्ट)	हिमाचल प्रदेश

* भारत सरकार ने अब तक 18 जैवमंडल आरक्षित क्षेत्र स्थापित किए हैं, जिनमें यूनेस्को ने जैवमंडल आरक्षित क्षेत्रों के विश्व संजाल में सम्मिलित किया है- —10 को

* भारत के विभिन्न जैव भंडारों में से जो गारो पहाड़ियों पर फैला हुआ है —नोकरेक

* नंदादेवी जीव मंडल जिस राज्य में स्थित है, वह है —उत्तराखंड

* 'विश्व धरोहर' स्थल (वर्ल्ड हेरिटेज साइट) घोषित है —नंदादेवी जैव मंडल आरक्षित क्षेत्र

* भारत के जैव मंडल रिजर्व की सूची में हाल ही में (वर्ष 2009 में) जोड़ा गया है —कोल्ड डेजर्ट (शीत रेगिस्तान) को

* राष्ट्रीय उद्यान की सीमा रेखा परिभाषित होती है —विधान से

* वन्य प्राणी अभयारण्य में अनुमति होती है —सीमित जीवीय हस्तक्षेप की

* जिस वर्ग के आरक्षित क्षेत्रों में स्थानीय लोगों को जीवभार एकत्रित करने और उसके उपयोग की अनुमति नहीं है —राष्ट्रीय उद्यानों में

* जिस राष्ट्रीय उद्यान/अभयारण्य को 'विश्व प्राकृतिक धरोहर' के नाम से जाना जाता है —केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, भरतपुर

* हाथी परियोजना शुरू की गई थी —फरवरी, 1992 में

* जंगली गदहों का अभयारण्य है —गुजरात में

* एक सींग वाला गैंडा पाया जाता है —पश्चिम बंगाल एवं असम में

* अभयारण्य (सैंक्चुएरी) राइनों के लिए जाना जाता है —काजीरंगा

* गैंडे को पुनर्वासित करने का कार्य जिस राष्ट्रीय उद्यान में चल रहा है, वह है —दुधवा राष्ट्रीय उद्यान

* उधव पक्षी विहार अवस्थित है —साहेबगंज में

* सही सुमेलन है

राष्ट्रीय उद्यान	राज्य
बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान	मध्य प्रदेश
बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान	कर्नाटक
रोहला राष्ट्रीय उद्यान	हिमाचल प्रदेश
गिर राष्ट्रीय उद्यान	गुजरात

* उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश व प. बंगाल में से जिसमें सर्वाधिक संख्या में वन्य जीव अभयारण्य (नेशनल पार्क और अभयारण्य) हैं

—मध्य प्रदेश में

* सर्वाधिक राष्ट्रीय पार्कों की संख्या 9-9 हैं

—अंडमान-निकोबार एवं मध्य प्रदेश में

- * उत्तर प्रदेश के प्रश्नगत पक्षी विहारों का उनके जिलों के साथ सही * सही सुमेलन है-

सुमेल इस प्रकार है-

पक्षी विहार	जिला
नवाबगंज पक्षी विहार	उन्नाव
ओखला पक्षी विहार	ग्रेटर नोएडा
समसापुर पक्षी विहार	रायबरेली
पार्वती अरंगा पक्षी विहार	जयप्रकाश नगर (गोंडा)

- * साइबेरियन सारस के लिए आदर्श प्राकृतिक निवास है

—राजस्थान

- * राष्ट्रीय उद्यानों का उनके राज्यों के साथ सही सुमेल इस प्रकार है

राष्ट्रीय उद्यान	राज्य
राजाजी राष्ट्रीय उद्यान	उत्तराखंड
पिन वैली	हिमाचल प्रदेश के लाहौल एवं स्पीति जिले में

- * राष्ट्रीय पार्कों एवं संरक्षण के लिए उनमें रखे हुए वन्य जीवों की सूची इस प्रकार सुमेलित है-

राष्ट्रीय पार्क	वन्य जीव
बांदीपुर	बाघ अभयारण्य
काजीरंगा	एकल शृंग गैंडा अभयारण्य
सुंदरबन	जैवमंडल एवं बाघ अभयारण्य
सिमिलीपात	हाथी अभयारण्य

- * सरिस्का एवं रणथम्भौर जिस जानवर के लिए संरक्षित हैं —बाघ

- * बाघों का प्रमुख रिजर्व 'सरिस्का' जिस राज्य में अवस्थित है

—राजस्थान (अलवर जिला)

- * 'सलीम अली राष्ट्रीय उद्यान' स्थित है —जम्मू और कश्मीर में

- * चन्द्रप्रभा वन्य जीव अभयारण्य 78 वर्ग किमी. क्षेत्रफल में विस्तारित है

—उ.प्र. के चंदौली जिले में

- * करेरा वन्य जीव अभयारण्य लगभग 202 वर्ग किमी. क्षेत्र में स्थित है

—म.प्र. के शिवपुरी जिले में

- * 160 वर्ग किमी. क्षेत्र में फैला जयसमंद वन्य जीव अभयारण्य स्थित है

—राजस्थान के उदयपुर जिले में

- * नाहरगढ़ वन्य जीव अभयारण्य एक लघु अभयारण्य है, जो है

—राजस्थान के बारां जिले में

क्रमांक	प्रोजेक्ट टाइगर वाले राष्ट्रीय उद्यान	राज्य
1.	कार्बेट	उत्तराखंड
2.	बांदीपुर	कर्नाटक
3.	मानस	असम
4.	पलामू	झारखंड
5.	रणथम्भौर	राजस्थान
6.	सिमिलीपात	ओडिशा
7.	सुंदरबन	प. बंगाल
8.	कान्हा	मध्य प्रदेश
9.	मेलघाट	महाराष्ट्र
10.	पेरियार	केरल
11.	सरिस्का	राजस्थान
12.	नामदफा	अरुणाचल प्रदेश
13.	नागार्जुन सागर-श्री शैलम	आंध्र प्रदेश
14.	अमराबाद	तेलंगाना
15.	इन्द्रावती	छत्तीसगढ़
16.	बुक्सा	प. बंगाल
17.	दुधवा कतरनीघाट	उत्तर प्रदेश
18.	कालाकाड-मुंडनथुरई	तमिलनाडु
19.	वाल्मीकि	बिहार
20.	पेंच	मध्य प्रदेश
21.	बांधवगढ़	मध्य प्रदेश
22.	पन्ना	मध्य प्रदेश
23.	दम्फा	मिजोरम
24.	तदोबा-अंधेरी	महाराष्ट्र
25.	भद्रा	कर्नाटक
26.	नमेरी	असम
27.	पेंच	महाराष्ट्र
28.	बोरी-सतपुड़ा	मध्य प्रदेश
29.	पक्के	अरुणाचल प्रदेश
30.	अन्नामलाई	तमिलनाडु
31.	उदंती और सीतानदी	छत्तीसगढ़
32.	सतकोसिया	ओडिशा

33.	काजीरंगा	असम
34.	अचानकमार	छत्तीसगढ़
35.	डंडेली-अंशी	कर्नाटक
36.	संजय-दुबरी	मध्य प्रदेश
37.	मुडुमलाई	तमिलनाडु
38.	नागरहोल	कर्नाटक
39.	पारम्बिकुलम	केरल
40.	सह्याद्री	महाराष्ट्र
41.	कावल	तेलंगाना
42.	बी.आर.टी	कर्नाटक
43.	सत्यमंगलम	तमिलनाडु
44.	मुकुन्द्र हिल्स	राजस्थान
45.	नवेगांव नागजीरा	महाराष्ट्र
46.	पीलीभीत	उत्तर प्रदेश
47.	बोर	महाराष्ट्र
48.	राजाजी	उत्तराखंड
49.	ओरंग	असम
50.	कामलांग	अरुणाचल प्रदेश

- * भारत में बाघ संरक्षित परियोजना के अंतर्गत नहीं है —चिल्का
- * बाघ आरक्षित क्षेत्र घोषित है —बांदीपुर, मानस, सुंदरबन
- * भारत के टाइगर रिजर्व में से जो मिजोरम में अवस्थित है —दम्फा
- * सही सुमेलित हैं-

(बाघ आरक्षित क्षेत्र)	(राज्य)
बुक्सा	पं बंगाल
दम्फा	मिजोरम
नमेरी	असम
नामदफा	अरुणाचल प्रदेश
- * बाघ आरक्षित क्षेत्र दो राज्यों में विस्तृत है —पेंच
- * व्याघ्र अभयारण्य हैं —कान्हा, रणथम्भौर, बांधवगढ़
- * काजीरंगा जाना जाता है —गैंडा के लिए
- * सही सुमेलन है

(अभयारण्य)	(राज्य)
गर्म पानी	असम
पाखल	आंध्र प्रदेश
सरिस्का	राजस्थान

- * असम में मानस अभयारण्य जाना जाता है —बाघों के लिए
- * सही सुमेलित है-

(राष्ट्रीय उद्यान)	(जिला)
कान्हा राष्ट्रीय उद्यान	मंडला (मध्य प्रदेश)
बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान	शहडोल (मध्य प्रदेश)
माधव राष्ट्रीय उद्यान	शिवपुरी (मध्य प्रदेश)
इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान	बस्तर (छत्तीसगढ़)
- * सही सुमेलित हैं

(राष्ट्रीय उद्यान)	(राज्य)
गिर वन राष्ट्रीय उद्यान	गुजरात
भरतपुर पक्षी विहार	राजस्थान
बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान	मध्य प्रदेश
काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान	असम
- * सही सुमेलन है

(पार्क तथा वन्य जीव अभयारण्य)	(राज्य)
दाचीगाम वन्यजीव अभयारण्य	जम्मू एवं कश्मीर
केवलादेव घाना पक्षी अभयारण्य	राजस्थान
कान्हा राष्ट्रीय पार्क	मध्य प्रदेश
पेरियार वन्यजीव अभयारण्य	केरल
- * सही सुमेलन है-

(राष्ट्रीय पार्क)	(राज्य)
दाचीगाम	जम्मू एवं कश्मीर
पापीकोंडा	आंध्र प्रदेश/तेलंगाना
संजय राष्ट्रीय उद्यान	मध्य प्रदेश
- * सही कालक्रमानुसार में हैं

(राष्ट्रीय उद्यान)	(स्थापना वर्ष)
जिम कॉर्वेट	1936
कान्हा	1955
काजीरंगा	1974
साइलेंट वैली	1980
- * बस्तर क्षेत्र में अवस्थित है —इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान
- * मध्य प्रदेश के शहडोल मंडल के उमरिया जिले में स्थित है —बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान
- * दांडेली अभयारण्य स्थित है —कर्नाटक में
- * उत्तराखंड के तीन जिलों देहरादून, हरिद्वार और पौड़ी गढ़वाल में अवस्थित है —राजाजी राष्ट्रीय उद्यान

- * सही सुमेलन है-
(राष्ट्रीय उद्यान) (राज्य)
अंशी राष्ट्रीय उद्यान कर्नाटक
बेटला राष्ट्रीय उद्यान झारखंड
इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान छत्तीसगढ़
गूगामत राष्ट्रीय उद्यान महाराष्ट्र
- * सही सुमेलन है-
(अभयारण्य/राष्ट्रीय उद्यान) (मुख्य संरक्षित वन्य पशु)
काजीरंगा गैंडा
गिर शेर
सुंदरबन बाघ
पेरियार हाथी
- * सही सुमेलित हैं-
पेरियार राष्ट्रीय उद्यान : बाघ एवं हाथी
राजाजी राष्ट्रीय उद्यान : हाथी
मानस राष्ट्रीय उद्यान : हाथी
दुधवा राष्ट्रीय उद्यान : टाइगर
- * सही सुमेलित युग्म है-
—केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान — भरतपुर
- * महान हिमालयी राष्ट्रीय उद्यान हिमाचल प्रदेश के कुल्लू क्षेत्र में, राजाजी राष्ट्रीय उद्यान उत्तराखंड के देहरादून, हरिद्वार और पौड़ी गढ़वाल में, केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान राजस्थान के भरतपुर जिले में तथा वन विहार राष्ट्रीय उद्यान विस्तारित है
—मध्य प्रदेश राज्य के भोपाल जिले में
- * यलोस्टोन नेशनल पार्क स्थित है —संयुक्त राज्य अमेरिका में
- * सागरीय राष्ट्रीय उद्यान है —मन्नार की खाड़ी में
- * यूनेस्को ने जुलाई, 2016 में भारत के जिस राष्ट्रीय उद्यान को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया वह है
—कंचनजंगा (खांगचेंग जोंगा) राष्ट्रीय उद्यान
- * सही सुमेलित हैं
— बायोस्फीयर रिजर्व - एडवर्ड सुएस
इको सिस्टम - ए.पी. डी कंडोल
इकोलॉजी - ए.जी. टांसले
जैव विविधता - रेमंड एफ. दासमैन
- * कॉर्बेट तथा राजाजी राष्ट्रीय उद्यान में वन्य जीव प्रबंधन हेतु जिस पैमाने के हवाई छाया चित्र उपयुक्त हैं
—लघु पैमाने वाले हवाई छाया चित्र
- * एक नेशनल पार्क इसलिए अनूठा है कि वह एक प्लवमान (फ्लोटिंग) वनस्पति से युक्त अनूप (स्वैप) होने के कारण समृद्ध जैव-विविधता को बढ़ावा देता है —केडबुल लाम्जाओ नेशनल पार्क
- * चमकीले नीले धब्बों के साथ मखमली काले पंखों वाली ब्लू मारमॉन (Blue Mormon) तितली को सर्वप्रथम 'राज्य तितली' के रूप घोषित किया है —महाराष्ट्र ने
- * सदरन बर्डविंग (Southern Birdwing) भारत की सबसे बड़ी तितली है, जिसे 'राज्य तितली' का दर्जा दिया है —कर्नाटक ने
- * यूनेस्को द्वारा 'मैन एंड बायोस्फीयर प्रोग्राम' (MAB) की शुरुआत हुई थी— 1971 में
- * ग्रेट हिमालय राष्ट्रीय पार्क जिसे यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल घोषित किया है, स्थित है —हिमाचल प्रदेश में
- * नीलगिरि, नंदादेवी, सुंदरबन तथा मन्नार की खाड़ी में से यूनेस्को द्वारा प्रमाणित (क्षेत्रफल की दृष्टि से) भारत की वृहत्तम जैवमंडलीय निधि है —मन्नार की खाड़ी
- * मेघालय स्थित गारो-खासी रेंज का एक भाग है —गारो पहाड़ियां
- * लोकटक झील भारत में ताजे पानी (मीठा पानी) की सबसे बड़ी झील है, जो स्थित है —मणिपुर में
- * यह पूर्वी हिमालय जैवविविधता हॉट स्पॉट एरिया में सबसे बड़ा संरक्षित क्षेत्र है —नामदफा राष्ट्रीय उद्यान
- * भारत का सोलहवां जैवमंडल आरक्षित क्षेत्र 'शीत मरुस्थल' स्थित है —हिमाचल प्रदेश में
- * पांच मौसमों का बाग स्थित है— —महरोली के समीप
- * 'भारत में एशियाई X की सर्वाधिक संख्या है। आज केवल लगभग 20,000 से 25,000 तक X सदाबहार वनों, शुष्क कंटिले वनों, अनूप क्षेत्रों और घास के मैदानों में फैले हुए अपने प्राकृतिक आवासों में हैं। तथापि उनके प्रमुख आवास नम पर्णपाती वन हैं। भारत में X की संख्या उत्तर-पश्चिम भारत से लेकर, जहां वे उत्तराखंड के देहरादून व नैनीताल तथा उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिलों के वन विभागों में पाए जाते हैं, कर्नाटक और केरल राज्यों में पश्चिमी घाट और तमिलनाडु तक में फैली हुई है।
"केंद्रीय भारत में उनकी संख्या दक्षिणी बिहार और उड़ीसा में बंटी हुई है। पूर्व में वे उत्तरी बंगाल, असम और कुछ अन्य राज्यों में दिखाई पड़ते हैं।"
- इस उद्धरण में वर्णित प्राणी 'X' है —हाथी

- * समस्त विश्व में बाघों की आकलित संख्या 3,000-4,000 के मध्य है। भारत में बाघों की संख्या (नवीनतम बाघ गणना के अनुसार) आकलित है —2226
- * जिस राष्ट्रीय उद्यान ने वन्यजीव प्रबंधन के लिए ड्रोन या मानव-रहित हवाई वाहन का उपयोग करना प्रारंभ कर दिया है —बांदीपुर टाइगर रिज़र्व
- * गिर के शेरों को रखे जाने हेतु जिस राष्ट्रीय पार्क/अभयारण्य का चयन किया गया है —पालपुर कूनो
- * पालपुर नामक स्थल पर अवस्थित कूनो वन्य जीव अभयारण्य (Kuno Wildlife Sanctuary) का एशियाई शेरों के पुनर्प्रवेश स्थल के रूप में चयन किया गया है —श्योपुर (मध्य प्रदेश) जिले में
- * निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—
(संरक्षित क्षेत्र) (जिसके लिए जाने जाते हैं)
भितरकणिका, उड़ीसा लवण जल मगर
मरुस्थल राष्ट्रीय उद्यान, राजस्थान महान भारतीय सारंग
- * पूर्वोत्तर भारत के राज्यों में विशेषतः असम में पाए जाते हैं —दुतुक गिबन
- * 'ग्रेट इंडियन हॉर्नबिल' के अपने प्राकृतिक आवास में पाए जाने की सबसे अधिक संभावना कहां है —पश्चिमी घाट
- * इसका प्राकृतिक आवास पश्चिमी घाट है। इस पक्षी का वैज्ञानिक नाम ब्यूसेरस बाइकार्निस् (Buceros bicornis) है। यह पक्षी एक विशेष प्रकार का घोंसला बनाता है। वनों की कटाई होने से इस पक्षी की प्राकृतिक आवास नष्ट हो रहा है —ग्रेट इंडियन हॉर्नबिल
- * सही सुमेलन है—
(राष्ट्रीय उद्यान) (अवस्थिति)
काजीरंगा गोलाघाट नवगांव
कुद्रेमुख चिकमंगलूर
साइलेंट वैली (शांत घाटी) पालघाट
पेंच घाटी नागपुर
- * भारत का प्रथम तितली उद्यान, बन्नरघट्टा जैविकी उद्यान है, जो स्थित है —बंगलुरु में
- * अस्कोट वन्य जीव सैंक्चुअरी जिस जनपद में है, वह जनपद है —पिथौरागढ़
- * सही सुमेलन है—
(बाघ आरक्षित क्षेत्र) (राज्य)
बांदीपुर कर्नाटक
मेलघाट महाराष्ट्र
बुक्सा पश्चिम बंगाल
पाकुई अरुणाचल प्रदेश
- * कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान अपना जल प्राप्त करता है —रामगंगा नदी से
- * नेशनल पार्कों में से जिसकी जलवायु उष्णकटिबंधीय से उपोष्ण, शीतोष्ण और आर्कटिक तक परिवर्तित होती है —नामदफा नेशनल पार्क
- * बुक्सा बाघ परियोजना भारत के किस राज्य में स्थित है, वह है —पश्चिम बंगाल
- * शुक्लाफांटा वन्यजीव अभयारण्य स्थित है —नेपाल में
- * सही सुमेलित हैं—
— दाम्फा टाइगर रिज़र्व मिजोरम
गुमटी वन्यजीव अभयारण्य त्रिपुरा
सारामती शिखर नगालैंड
- * कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान से होकर प्रवाहित होती हैं —रामगंगा एवं कोसी नदियां
- * ब्रह्मपुत्र, दिप्लु, मोरा दिप्लु एवं मोरा धनसिरि नदियां प्रवाहित होती हैं —काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से होकर
- * साइलेंट वैली राष्ट्रीय उद्यान से होकर गुजरती है —कुंतीपुजहा नदी
- * पंजाब प्रांत में व्यास और सतलुज के संगम पर स्थित है —हरिके आर्द्रभूमि
- * राजस्थान प्रांत के भरतपुर में गंभीर और बाणगंगा नदी के संगम पर स्थित है —केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान
- * आंध्र प्रदेश में कृष्णा और गोदावरी नदी के डेल्टा में स्थित ताजे पानी की झील है —कोलेरु झील
- * भारत में सर्वप्रथम एक समुद्री सैंक्चुअरी, जिसकी सीमाओं के अंतर्गत प्रवाल भित्तियां, मोलस्का, डॉल्फिन, कछुए और अनेक प्रकार के समुद्री पक्षी हैं, स्थापित किया गया है —कच्छ की खाड़ी में
- * नीलगिरि की 'मेघ बकरियां' पाई जाती हैं —इरावीकुलम राष्ट्रीय पार्क में

- * सही सुमेलित है

<p>सूची-I</p> <p>(राष्ट्रीय पार्क/वन्य जीव अभयारण्य)</p> <p>बोंडला वन्य जीव अभयारण्य</p> <p>कांगेरघाट राष्ट्रीय पार्क</p> <p>ओरंग अभयारण्य</p> <p>ऊषाकोठी वन्यजीव अभयारण्य</p>	<p>सूची-II</p> <p>(राज्य)</p> <p>गोवा</p> <p>छत्तीसगढ़</p> <p>असम</p> <p>ओडिशा</p>
---	---
 - * जिसे मिनी काजीरंगा के नाम से भी जाना जाता है

—ओरंग अभयारण्य—असम
 - * चिनार वन्य जीव विहार अवस्थित है

—केरत में
 - * सुल्तानपुर बर्ड सैंक्चुअरी स्थित है

—गुड़गांव (गुरुग्राम) में
 - * तमिलनाडु का पक्षी विहार अवस्थित है

—कारीकिली में
 - * जिस देश में उसके कुल क्षेत्रफल का 30 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र राष्ट्रीय पार्क के अंतर्गत आता है

—भूटान
 - * विश्व का सबसे बड़ा वानस्पतिक उद्यान स्थित है

—क्यू (इंग्लैंड) में
 - * बुंदाला (Bundala) जीव मंडल आरक्षित क्षेत्र जो हाल में ही UNESCO के मानव तथा जीव मंडल (मैन एंड बायोस्फियर-MAB) तंत्र में सम्मिलित किया गया है, यह स्थित है

—श्रीलंका में
- ## वैकल्पिक ऊर्जा
- * 'सबके लिए सतत ऊर्जा दशक' पहल है

—संयुक्त राष्ट्र संघ की (वर्ष 2014-2024 तक)
 - * 'अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन' का प्रथम शिखर सम्मेलन संपन्न हुआ

—नई दिल्ली में
 - * सौ फीसदी सौर ऊर्जा पर चलने वाला भारत का पहला केंद्रशासित प्रदेश है

—दीव
 - * कभी-कभी समाचारों में दिखाई पड़ने वाले 'घरेलू अंश आवश्यकता' (Domestic content Requirement) पद का संबंध जिससे है, वह है

—सौर शक्ति उत्पादन के विकास से
 - * शैवाल आधारित जैव ईंधन उत्पादन को स्थापित करने और इंजीनियरी करने हेतु निर्माण पूरा होने तक जरूरत होती है

—उच्च स्तरीय विशेषज्ञता/प्रौद्योगिकी की
 - * ऊर्जा का एक नवीकरणीय स्रोत है

—सौर ऊर्जा
 - * सौर, पवन, ज्वारीय, पनबिजली ऊर्जा आदि प्राकृतिक संसाधन उदाहरण हैं

—नवीकरणीय ऊर्जा के
 - * कभी न समाप्त होने वाली तथा प्रदूषण रहित ऊर्जा है

—सौर ऊर्जा
 - * वैकल्पिक ऊर्जा का सबसे बड़ा संग्रहागार है

—सौर ऊर्जा
 - * सौर ऊर्जा (Solar Energy) प्राप्त होती है

—सूर्य से
 - * जैविक मात्रा में सर्वाधिक उपयोग की जाती है

—सौर ऊर्जा
 - * सूर्य के प्रकाश को सौर ऊर्जा में परिवर्तित किया जाता है

—फोटोवोल्टोइक तकनीक के द्वारा
 - * पेट्रोलियम उत्पाद, वन उत्पाद, नाभिकीय विखंडन तथा सौर सेल में से सर्वोत्तम पर्यावरण अनुकूल है

—सौर सेल
 - * जीवाश्म ईंधन नहीं है

—यूरेनियम
 - * पौधे के वे उत्पाद जो कि हजारों वर्षों से पृथ्वी के नीचे दबे पड़े थे या पौधे के वे जीवाश्म जिनका उपयोग हम ईंधन के रूप में करते हैं, कहलाते हैं

—जीवाश्म ईंधन
 - * नाभिकीय ऊर्जा उत्पादन हेतु कच्चे माल के रूप में प्रयुक्त किया जाता है

—यूरेनियम
 - * परमाणुओं के संयोजन अथवा विखंडन प्रक्रिया द्वारा उत्पन्न की जाती है

—नाभिकीय ऊर्जा
 - * न्यूनतम पर्यावरणीय प्रदूषण उत्पन्न करता है

—हाइड्रोजन
 - * हाइड्रोजन के महत्व को देखते हुए भारत में वर्ष 2003 में गठन किया गया है

—राष्ट्रीय हाइड्रोजन बोर्ड का
 - * वैज्ञानिकों के अनुसार, भविष्य का ईंधन है

—हाइड्रोजन
 - * ऊर्जा संकट से तात्पर्य है

—कोयला तथा पेट्रोल जैसे जीवाश्म ईंधन के समाप्त होने का खतरा
 - * कोयला, खनिज तेल एवं गैस, जल विद्युत तथा परमाणु ऊर्जा में से भारत में धारणीय विकास के दृष्टिकोण से विद्युत उत्पाद का सबसे अच्छा स्रोत है

—जल विद्युत
 - * सौर शक्ति, जैव पुंज शक्ति, लघु जल विद्युत शक्ति तथा अपशिष्ट से अर्जित ऊर्जा में से भारत में जो नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत सर्वाधिक संभाव्यता वाला है

—सौर शक्ति
 - * जैव-ईंधन के संबंध में निम्न में से कथन सत्य हैं

—जैव-ईंधन पारिस्थितिकी अनुकूल होता है।
 - * जैव-ईंधन ऊर्जा संकट के समाधान में योगदान दे सकता है।

जैव-ईंधन मक्का से भी बनता है।
 - * बायोडीजल की फसल है

—जोट्रोफा
 - * एथेनॉल एक प्रसिद्ध एल्कोहल है। इसे 'एथिल अल्कोहल' भी कहते हैं। इसका प्रयोग होता है

—हरित ईंधन के रूप में
 - * पाइन, करंज, फर्न से भी किण्वीकरण कर एथेनॉल प्राप्त किया जाता है। इसे शामिल करते हैं

—हरित ईंधन स्रोत में
 - * जिसकी खेती एथेनॉल के लिए की जा सकती है, वह है

—मक्का

- * जोट्रोफा, पौंगामिया और सूरजमुखी की खेती की जा सकती है
—बायोडीजल के लिए
- * नाभिकीय शक्ति परियोजनाओं के अंतर्गत पर्यावरणीय प्रभाव, जिनका अध्ययन किया जाना तथा हल निकाला जाना है, वे हैं
—वायु, मृदा एवं जल का रेडियोधर्मी प्रदूषण, वन अपरोपण तथा पेड़-पौधों एवं जंतु समूह की क्षति, रेडियोधर्मी अपशिष्ट का निस्तारण
- * अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (International Solar Alliance) को प्रारंभ किया गया था
—2015 के संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में
- * कर्क रेखा व मकर रेखा के बीच स्थित 121 देशों का एक समूह है, जो अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए सूर्य द्वारा प्राप्त ऊर्जा का उपयोग करने हेतु प्रतिबद्ध है
—अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (International Solar Alliance-ISA)
- * फरीदाबाद, हरियाणा में है
—ISA का सचिवालय
- * ऊष्मा रासायनिक परिवर्तन द्वारा टोस बायोमास का, दहन योग्य गैस मिश्रण में रूपांतरण ही है
—बायोमास गैसीकरण
- * जीवभार गैसीकरण को भारत में ऊर्जा संकट के धारणीय (सस्टेनेबल) हलों में से एक समझा जाता है। इस संदर्भ में कथन सही हैं
—नारियल आवरण, मूंगफली का छिलका और धान की भूसी का उपयोग जीवभार गैसीकरण के लिए किया जा सकता है
- * नारियल आवरण, मूंगफली के छिलके तथा धान की भूसी द्वारा उत्पन्न गैस का उपयोग, बिजली पैदा करने वाले जेनरेटर से जुड़े उपयुक्त रूप से डिजाइन किए गए अंतर्दहन इंजन में, किया जा सकता है
—डीजल की जगह
- * बायोमास में अप्रत्यक्ष रूप से पाई जाती है
—सौर ऊर्जा
- * 'फ्यूल सेल्स' (Fuel Cells) जिसमें हाइड्रोजन से समृद्ध ईंधन और ऑक्सीजन का उपयोग विद्युत पैदा करने के लिए होता है, से संबंधित सही कथन है
—यदि शुद्ध हाइड्रोजन का उपयोग ईंधन के रूप में होता है, तो फ्यूल सेल उप-उत्पाद (बाइ-प्रोडक्ट) के रूप में ऊष्मा एवं जल का उत्सर्जन करता है
- * फ्यूल सेल में एक रासायनिक अभिक्रिया के माध्यम से उत्पादन होता है, न कि दहन (Combustion) के माध्यम से
—विद्युत का
- * फ्यूल सेल से विद्युत उत्पादित होती है
—दिष्ट धारा (DC) के रूप में
- * कथन (A) : कोयला-आधारित तापीय बिजलीघर अम्ल वर्षा में अंशदायी होते हैं।
कारण (R) : कोयले के जलने पर कार्बन की ऑक्साइडें उत्सर्जित होती हैं।
—A और R दोनों सही हैं, किन्तु R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
- * सल्फर डाइऑक्साइड के लिए उत्तरदायी है
—कोयले में सल्फर की उपस्थिति
- * सूक्ष्मजैविक ईंधन कोशिकाएं (माइक्रोबियल फ्यूल सेल) ऊर्जा का धारणीय (सस्टेनेबल) स्रोत समझी जाती हैं, क्योंकि
—ये जीवित जीवों को उत्प्रेरक के रूप में प्रयुक्त कर कुछ सबस्ट्रेटों से विद्युतीय उत्पादन कर सकती हैं। ये विविध प्रकार के अजैव पदार्थ सबस्ट्रेट के रूप में प्रयुक्त करती हैं।
ये जल का शोधन और विद्युत उत्पादन करने के लिए अपशिष्ट जल शोधन संयंत्रों में स्थापित की जा सकती हैं।
- * जैव-परिवर्तनीय सबस्ट्रेट में उपलब्ध रासायनिक ऊर्जा को सीधे विद्युतीय ऊर्जा में परिवर्तित कर देती हैं
—सूक्ष्मजैविक ईंधन कोशिकाएं (MFC)
- * भारत में संप्रति उपलब्ध प्रौद्योगिक स्तर को देखते हुए सौर ऊर्जा का सुविधा से उपयोग किया जा सकता है
—आवासीय भवनों को गर्म पानी की पूर्ति करने के लिए, लघु सिंचाई परियोजनाओं हेतु जल की पूर्ति करने के लिए, सड़क प्रकाश व्यवस्था के लिए
- * भारत में जैविक डीजल के उत्पादन के लिए जोट्रोफा करकास के अलावा पौंगामिया पिनाटा को भी क्यों एक उत्तम विकल्प माना जाता है, क्योंकि
—भारत के अधिकांश शुष्क क्षेत्रों में पौंगामिया पिनाटा प्राकृतिक रूप से उगता है।
पौंगामिया पिनाटा के बीजों में तिपिड अंश बहुतायत में होता है, जिसमें से लगभग आधा ओलीइक अम्ल होता है
- * भू-तापीय ऊर्जा स्रोत नहीं पाए गए हैं
—गंगा डेल्टा में
- * पृथ्वी की भूपर्पटी में पाए जाने वाले उष्ण जल से प्राप्त होने वाली वह ऊर्जा जिसका उपयोग मानव अपने विभिन्न कार्यों के लिए करता है, कहलाती है
—भू-तापीय ऊर्जा
- * भारत में भू-तापीय ऊर्जा स्रोत के प्रमुख क्षेत्र हैं
—हिमालय, खंभात बेसिन, सोनाटा [SO-NA-IA (Son-Narmada - Tapi)], पश्चिमी घाट, गोदावरी बेसिन और महानदी बेसिन

- * सही सुमेलित हैं

खनिज	समाप्त होने योग्य
सौर ऊर्जा	असमाप्त होने योग्य
बायोगैस	मेथेन तथा कार्बन डाइऑक्साइड
वन-अपरोपण	वर्षा
- * जैव-मूल ऐस्फाल्ट (बायोऐस्फाल्ट) पर मूल सीमाशुल्क की पूरी छूट प्रदान की गई है। इस पदार्थ का महत्व है

—पारंपरिक ऐस्फाल्ट के विपरीत, बायोऐस्फाल्ट

जीवाश्म ईंधनों पर आधारित नहीं होता।

बायोऐस्फाल्ट जैव अपशिष्ट पदार्थों से निर्मित हो सकता है।

बायोऐस्फाल्ट से सड़कों की ऊपरी सतह बिछाना

पारिस्थितिकी के अनुकूल है।

- * बायोऐस्फाल्ट, डामर (Asphalt) का विकल्प है जिसका निर्माण नवीकरणीय स्रोतों से किया जाता है —गैर-पेट्रोलियम आधारित

प्रदूषण

- * हवा में तैरते हुए श्वसनीय सूक्ष्म कणों का आकार होता है

—5 माइक्रोन से कम
- * जलवायु एवं स्वच्छ वायु गठबंधन (Climate and Clean Air Coalition : CCAC) विभिन्न देशों, नागरिक समाजों (Civil Societies) व निजी क्षेत्रों का एक वैश्विक प्रयास है जो अल्पजीवी जलवायु प्रदूषकों को न्यूनीकृत कर प्रतिबद्ध है—वायु की गुणवत्ता को बेहतर बनाने हेतु
- * सही सुमेलित हैं—

(सामान्यतः प्रयुक्त/ उपयुक्त पदार्थ)	(उनमें पाए जाने वाले संभावित अवांछनीय अथवा विवादास्पद रसायन)
लिपिस्टिक	- सीसा
शीतल पेय	- ब्रोमीनित वनस्पति तेल
चाइनीज फास्ट फूड	- मोनोसोडियम ग्लूटामेट
- * यह प्रकृति में घटित होने वाली जैव निम्नीकरण प्रक्रिया का ही संवर्धन कर प्रदूषण को स्वच्छ करने की तकनीक है

—जैवोपचारण (बायोरेमीडिएशन)
- * जैवोपचारण के लिए विशेषतः अभिकल्पित सूक्ष्म जीवों को सृजित करने के लिए उपयोग किया जा सकता है —आनुवंशिक इंजीनियरी का (Genetic Engineering)
- * मानव-जनित पर्यावरणीय प्रदूषण कहलाते हैं —एन्थ्रोपोजेनिक
- * वे पदार्थ जिनसे प्रदूषण फैलता है, कहलाते हैं —प्रदूषक
- * जैव निम्नीकरणीय रहित प्रदूषक मुख्यतया पर्यावरण में प्रवेश करते हैं

—मानव-जनित (एन्थ्रोपोजेनिक) प्रदूषण के कारण

- * जैव-विघटित प्रदूषक है —वाहित मल
- * ऐसे प्रदूषक जो सूक्ष्म जीवों जैसे-जीवाणु आदि के द्वारा समय के साथ प्रकृति में सरल, हानिरहित तत्वों में विघटित कर दिए जाते हैं, कहलाते हैं —जैव-विघटित प्रदूषक
- * कोयला, पेट्रोल, डीजल आदि का दहन मूल स्रोत है

—वायु प्रदूषण का
- * जब मानवीय या प्राकृतिक कारणों से वायुमंडल में उपस्थित गैसों के निश्चित अनुपात में (विषाक्त गैसों या कणकीय पदार्थों की वजह से) अवांछनीय परिवर्तन हो जाता है, तो इसे कहते हैं —वायु प्रदूषण
- * वायु प्रदूषण के दो स्रोत हैं। (i) प्राकृतिक स्रोत और (ii) मानवजनित स्रोत। वनान्नि तथा ज्वालामुखी उद्गार, जैविक पदार्थों के सड़ने-गलने से निकलने वाली गैसों; जैसे-सल्फर डाइऑक्साइड (SO₂), नाइट्रोजन के ऑक्साइड (NO_x) इत्यादि आते हैं —प्राकृतिक स्रोत में
- * जैव-अपघटनीय प्रदूषक है —सीवेज
- * प्रकाश-रसायनी धूम कोहरे के बनने के समय उत्पन्न होता है

—नाइट्रोजन ऑक्साइड
- * प्रकाश रासायनिक धूम कोहरा (Smog) शब्द बना है

—Smoke और fog के मिलने से
- * जहां पर अधिक यातायात रहता है, वहां पर भी गर्म परिस्थितियों तथा तेज सूर्य विकिरण से निर्माण होता है

—प्रकाश-रासायनिक धूम कोहरे का
- * नाइट्रोजन के ऑक्साइड (NO_x), ओजोन (O₃) तथा पेरॉक्सीऐसीटिल नाइट्रेट से बनता है

—प्रकाश-रासायनिक धूम कोहरा
- * सूर्य विकिरण वाले क्षेत्रों में या खास मौसम में धूम कोहरा अपूर्ण रूप से बनता है। ऐसी वायु को कहते हैं —भूरी वायु
- * प्रकाश-रासायनिक धूम का बनना किनके बीच अभिक्रिया का परिणाम होता है —NO₂, O₃ तथा पेरॉक्सीऐसिटिल नाइट्रेट के बीच, सूर्य के प्रकाश की उपस्थिति में
- * गर्म, शुष्क और तीव्र सौर विकिरण वाले महानगरों में वायुमंडलीय हाइड्रोकार्बन और वाहनों व बिजली संयंत्रों से निकलने वाली नाइट्रोजन ऑक्साइड सूर्य के प्रकाश में अभिक्रिया करके कई सारे द्वितीयक प्रदूषक बनाती है, जैसे—

—ओजोन, फॉर्मिलिहाइड और पेरॉक्सीऐसिटिलनाइट्रेट (PAN) आदि
- * इन अभिक्रियाओं को प्रकाश रासायनिक कहते हैं क्योंकि इनमें दोनों शामिल होते हैं —सूर्य का प्रकाश और रासायनिक प्रदूषक
- * ऑक्सीजन व नाइट्रोजन के मिलने से नाइट्रिक ऑक्साइड (NO) बनती है। यह गैस वायु से मिलकर नाइट्रोजन डाइऑक्साइड (NO₂) का निर्माण करती है। NO₂ है

—भूरे रंग की तीखी गैस

- * नवजात ऑक्सीजन (Nascent Oxygen) सूर्य के तीव्र प्रकाश की उपस्थिति में ऑक्सीजन के एक अणु (O₂) से क्रिया करके बना लेती है
—ओजोन (O₃)
- * परऑक्सिल मूलक या तो ऑक्सीजन के अणुओं से मिलकर ओजोन (O₃) बना लेते हैं अथवा नाइट्रोजन डाइऑक्साइड (NO₂) से मिलकर निर्माण करते हैं
—पेरॉक्सीएसीटिल नाइट्रेट (PAN) का
- * यह क्लोरोप्लास्ट को नुकसान पहुंचाता है। इस वजह से प्रकाश-संश्लेषण की क्षमता एवं पौधे का विकास कम हो पाता है। यह कोशिका के माइटोकॉन्ड्रिया में होने वाले इलेक्ट्रॉन यातायात प्रणाली (Electron Transport Chain-ETC) को बाधित करता है। यह एंजाइम प्रणाली को भी प्रभावित करता है
—PAN
- * मनुष्यों की आंखों में बहुत ज्यादा जलन या उत्तेजना पैदा करता है
—PAN
- * PAN तथा O₃ मिलकर छोटी-छोटी बूंदें बना लेते हैं। वायु में मिलकर PAN तथा O₃ धुंध बना लेती है। अधिक धूम्र कोहरे (Smog) के निर्माण से घट जाती है
—दृश्यता
- * भारी ट्रक यातायात, निर्वाचन सभाएं, पॉप संगीत, तथा जेट उड़ान में से अधिकतम ध्वनि प्रदूषण का कारण है
—जेट उड़ान
- * किसी वस्तु से उत्पन्न सामान्य आवाज को कहते हैं
—ध्वनि
- * ध्वनि की इकाई है
—डेसीबल (dB)
- * अनियोजित औद्योगिक विकास, अत्यधिक मोटर वाहनों का प्रयोग तथा यांत्रिक दोषयुक्त विभिन्न प्रकार के वाहनों का परिचालन योगदान देते हैं
—ध्वनि प्रदूषण करने में
- * ध्वनि की गति से तेज चलने वाले जेट विमानों से उत्पन्न शोर को कहते हैं
—सोनिक बूम (Sonic Boom)
- * सोनिक बूम को व्यक्त किया जाता है
—मैक इकाई (Mach Unit) में
- * जो वस्तुएं ध्वनि की रफ्तार से चलती हैं, उनसे उत्पन्न शोर को कहते हैं
—मैक-1
- * सामान्य स्थितियों में वातावरण में प्रदूषण उत्पन्न करने वाली गैस है
—कार्बन मोनोऑक्साइड (CO)
- * कार्बन मोनोऑक्साइड (CO) जो कि रंगहीन (Colourless) तथा अति विषैली (Highly Poisonous) होती है
—एक प्रमुख प्राथमिक वायु प्रदूषक (Air Pollutant) है
- * CO वायुमंडल में कम समय के लिए रहती है तथा इसका ऑक्सीकरण हो जाता है
—CO₂ में
- * एक द्वितीयक प्रदूषक नहीं है
—सल्फर डाइऑक्साइड
- * वे वायु प्रदूषक जो प्रदूषक स्रोत से सीधे वायु में मिलते हैं, कहलाते हैं
—प्राथमिक प्रदूषक
- * ऐसे वायु प्रदूषक जो प्राथमिक वायु प्रदूषकों तथा साधारण वातावरणीय पदार्थों की क्रिया के फलस्वरूप उत्पन्न होते हैं, जाने जाते हैं
—द्वितीयक वायु प्रदूषक
- * पीएएन (Peroxyacetyl Nitrate), ओजोन तथा स्मॉग (Smog) हैं
—द्वितीयक प्रदूषक
- * सल्फर के ऑक्साइड (मुख्यतः सल्फर डाइऑक्साइड), नाइट्रोजन के ऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड हैं
—प्राथमिक प्रदूषक
- * अधूरे प्रज्वलन के कारण मोटर कार एवं सिगरेट से निकलने वाली रंगहीन गैस है
—कार्बन मोनोऑक्साइड
- * यह रक्त के हीमोग्लोबिन के साथ क्रिया करके एक स्थायी यौगिक बना लेती है, जिससे हीमोग्लोबिन ऑक्सीजन को ऊतकों तक नहीं पहुंचा पाता है। यह मानव स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक गैस है
—कार्बन मोनोऑक्साइड
- * मोटर वाहनों से निकलने वाली निम्न में से कौन-सी एक मुख्य प्रदूषक गैस है
—कार्बन मोनोऑक्साइड
- * वाहनों में पेट्रोल के जलने से धातु वायु को प्रदूषित करती है
—लेड
- * इंजन में नॉकिंग (Knocking) रोकने के लिए प्रयुक्त किया जाता है
—लेड को
- * बच्चों में दिमाग के विकास में बाधा पहुंचाता है, उनके बुद्धिलब्धि लेवल (I.Q.) को घटाता है तथा वयस्कों में हृदय व श्वसन संबंधी बीमारियों को उत्पन्न करता है
—लेड
- * वायु प्रदूषकों में से जो रक्त धारा को दुष्प्रभावित कर मौत उत्पन्न कर सकता है
—कार्बन मोनोऑक्साइड
- * वायु प्रदूषक ऑक्सीजन की अपेक्षा अधिक शीघ्रता से रक्त के हीमोग्लोबिन में घुल जाता है
—कार्बन मोनोऑक्साइड
- * यह गैस हीमोग्लोबिन अणुओं से ऑक्सीजन की तुलना में 240 गुना से 300 गुना अधिक तेजी से संयुक्त हो जाती है, जिस कारण वायु में पर्याप्त ऑक्सीजन होने पर भी सांस लेने में कठिनाई होती है और घुटन महसूस होने लगती है
—कार्बन मोनोऑक्साइड
- * ओजोन, हाइड्रोजन सल्फाइड, कार्बन डाइऑक्साइड तथा कार्बन मोनोऑक्साइड में से जो वायु प्रदूषक सर्वाधिक हानिकारक है, वह है
—कार्बन मोनोऑक्साइड
- * भूमिगत जल को दूषित करने वाले अजैविक प्रदूषक हैं
—आर्सेनिक

- * भारत में कई जगहों पर भूमिगत जल आर्सेनिक से संक्रमित होते हैं। यह संक्रमण मुख्यतया प्रकृति में पाए जाने वाले उत्पन्न आर्सेनिक से होता है, जो उत्पन्न होता है —**बेडरॉक (Bed Rock) से**
- * आर्सेनिक के लगातार संपर्क से बीमारी हो जाती है —**ब्लैक फुट**
- * विश्व स्वास्थ्य संगठन (W.H.O.) के मानक के अनुसार, आर्सेनिक की मात्रा होनी चाहिए —**0.05 मिग्रा./लीटर**
- * धान का पौधा बेहतर अवशोषक माना जाता है —**आर्सेनिक का**
- * भू-जल के जरिए आर्सेनिक अनाज में पहुंच रहा है। इससे प्रभावित हो रही है —**समूची खाद्य शृंखला**
- * उर्वरक के अत्यधिक प्रयोग से होता है —**मृदा प्रदूषण, जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण**
- * यह प्रदूषण विभिन्न प्रकार के फसलों के माध्यम से मानव एवं पशुओं के आहार शृंखला में भी पहुंचता है तथा विभिन्न प्रकार की गंभीर बीमारियों से मनुष्य एवं पशुओं को ग्रस्त करता है —**उर्वरक**
- * अकार्बनिक पोषक जैसे फॉस्फेट तथा नाइट्रेट घुलकर जलीय पारिस्थितिकी तंत्र में आ जाते हैं। यह जलीय पारिस्थितिकी तंत्र में बढ़ाते हैं —**सुपोषण (Eutrophication) को**
- * अकार्बनिक उर्वरक तथा कीटनाशक अवशेष मृदा के रासायनिक गुणों को बदल देते हैं तथा विपरीत प्रभाव डालते हैं —**भूमि के जीवों पर**
- * औद्योगिक मलबे से सर्वाधिक रासायनिक प्रदूषण होता है —**चमड़ा उद्योग से**
- * जल प्रदूषण तथा मृदा प्रदूषण के लिए प्रमुख रूप से यही उद्योग उत्तरदायी है —**चमड़ा उद्योग**
- * अम्ल वर्षा, निम्नांकित द्वारा वायु प्रदूषण के कारण होती है —**नाइट्रस ऑक्साइड एवं सल्फर डाइऑक्साइड**
- * सामान्यतया ऐसी वर्षा जिसका pH मान 5-6 से कम हो, कहलाती है —**अम्ल वर्षा**
- * वातावरणीय प्रदूषण, औद्योगिक निःसृतों एवं प्रकृति में होने वाली विभिन्न क्रियाओं के फलस्वरूप उत्पन्न सल्फर डाइऑक्साइड तथा नाइट्रस ऑक्साइड गैसों वायुमंडल में पहुंचकर, ऑक्सीजन और बादल के जल के साथ रासायनिक अभिक्रिया कर क्रमशः सल्फ्यूरिक अम्ल तथा नाइट्रिक अम्ल बनाकर वर्षा के साथ पृथ्वी पर गिरती हैं। इससे पृथ्वी पर होता है —**अम्ल का जमाव**
- * अम्लीयता का लगभग आधा हिस्सा वायुमंडल से पृथ्वी पर स्थानांतरित होकर जमा होता है —**शुष्क रूप में**
- * मरुस्थलीय क्षेत्र में शुष्क से आर्द्र निक्षेप का अनुपात उच्च रहता है, क्योंकि वहां पर ज्यादा होता है —**शुष्क जमाव**
- * अम्लीय वर्षा, अम्लीय कोहरे और अम्लीय धुंध को सम्मिलित रूप से कहा जाता है —**अम्ल निक्षेप**
- * अम्ल वर्षा के लिए उत्तरदायी गैसों हैं —**नाइट्रस ऑक्साइड एवं सल्फर डाइऑक्साइड**
- * उद्योगों एवं यातायात के उपकरणों से निस्सृत नाइट्रस ऑक्साइड (N₂O) तथा सल्फर डाइऑक्साइड (SO₂) जैसी गैसों वायुमंडल में स्थित जलवाष्प से प्रतिक्रिया करके सल्फ्यूरिक तथा नाइट्रिक अम्ल बनाती हैं और ओस अथवा वर्षा की बूंदों के रूप में पृथ्वी पर गिरने लगती हैं। यही कहलाती है —**अम्ल वर्षा**
- * अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सल्फर के उत्सर्जन में कमी का प्रयास किया जा रहा है —**हेलसिंकी प्रोटोकॉल (1985) के तहत**
- * मथुरा की तेलशोधनशालाओं से उत्सर्जित SO₂ से उत्पन्न अम्ल वर्षा, क्षति पहुंचा रही है —**ताजमहल के सौंदर्य को**
- * ताजमहल पर अम्ल वर्षा से जनित हानिकारक प्रभाव को रोकने के लिए भारत सरकार द्वारा विकसित किया गया है —**ताज ट्रेपिजियम (Taz trapezium) जोन**
- * SO₂ को क्रैकिंग गैस (Cracking Gas) भी कहते हैं, क्योंकि यदि लगातार यह पत्थर पर प्रवाहित की जाए, तो पत्थर हो जाता है —**क्षत-विक्षत**
- * अधिक अम्लता के कारण अम्ल वर्षा के हाइड्रोजन आयन एवं मृदा के पोषक धनायन (यथा K⁺ एवं mg⁺⁺) के बीच आदान-प्रदान होता है। इसके फलस्वरूप पोषक तत्वों का निक्षालन (Leaching) हो जाता है एवं समाप्त हो जाती है —**मृदा की उर्वरता**
- * अम्ल वर्षा में वे प्रदूषक जो वर्षा जल एवं हिम को प्रदूषित करते हैं —**सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड**
- * अम्ल वर्षा होती है —**बादल के जल एवं सल्फर डाइऑक्साइड प्रदूषकों के मध्य प्रतिक्रिया के फलस्वरूप**
- * शंकुधारी वृक्षों के घने कैनोपी में पत्तियों के भूरे रंग के लिए उत्तरदायी होता है —**अम्ल वर्षा का निक्षेप**
- * अम्ल वर्षा से कम हो जाता है —**मृदा के pH का मान**
- * अम्ल वर्षा जहरीली धातुओं को उनके प्राकृतिक रासायनिक यौगिकों से टूटने में मदद करती है। ये धातु पीने योग्य जल एवं मृदा में प्रवेश कर दुष्प्रभाव डालते हैं —**बच्चों के तंत्रिका तंत्र पर**
- * वर्षा के पानी में घुलने से वर्षा का पानी अम्लीय (अम्ल वर्षा) हो जाता है —**सल्फर ऑक्साइड के कारण**
- * एक वायु प्रदूषक गैस है और जीवाश्म ईंधन के ज्वलन स्वरूप उत्पन्न होती है —**सल्फर डाइऑक्साइड**

- * वायु प्रदूषण से संबंधित नहीं है —**युट्रोफिकेशन**
- * जल में जब जैविक तथा अजैविक दोनों प्रकार के पोषक तत्वों की वृद्धि हो जाती है, तो इस घटना को कहते हैं —**सुपोषण**
- * अत्यधिक पोषकों की उपस्थिति में शैवालों का विकास तेजी से होने लगता है। इसे कहते हैं —**शैवाल ब्लूम (Algal Bloom)**
- * एस्बेस्टस फाइबर से घिरे वातावरण में ज्यादा देर रहने से हो जाता है —**एस्बेस्टोसिस**
- * 'फ्लाई ऐश' एक प्रदूषक दहन उत्पाद है, जो जलाने से प्राप्त होता है —**कोल (पत्थर के कोयले) को**
- * कोल के दहन से उत्पन्न प्रदूषक है —**फ्लाई ऐश (Fly ash)**
- * कोयला आधारित ताप विद्युत घरों से उत्पन्न होने वाले इस सूक्ष्म पाउडर से जीवों में होते हैं —**श्वसन संबंधी रोग**
- * जिसे वायु में मिलने से रोकने के लिए इलेक्ट्रोस्टैटिक अवक्षेपक (Electrostatic Precipitator) या अन्य कण निस्संयंदन उपकरणों का प्रयोग किया जाता है —**फ्लाई ऐश**
- * 'ग्रीन मफलर' संबंधित है —**ध्वनि प्रदूषण से**
- * विशालकाय हरे पौधे अधिक ध्वनि प्रदूषण वाले क्षेत्रों में रोपित किए जाते हैं क्योंकि उनमें ध्वनि तरंगों को अवशोषित करने की क्षमता होती है। ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने वाले ये हरे पौधे कहलाते हैं —**ग्रीन मफलर**
- * भोपाल गैस त्रासदी (मिथाइल आइसोसाइनेट- 'मिक' रिसाव) की घटना हुई थी —**3 दिसंबर, 1984 को**
- * भोपाल में यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री से जो गैस रिस गई थी, वह थी —**मिथाइल आइसोसाइनेट**
- * भोपाल गैस त्रासदी में जिस गैस के रिसने पर बड़े पैमाने पर मृत्यु हुई —**एम.आई.सी.**
- * भोपाल गैस त्रासदी से संबंधित रोगिक का नाम था —**मेथाइल आइसोसायनेट**
- * पॉलिथीन की थैलियों को नष्ट नहीं किया जा सकता, क्योंकि वे बनी होती हैं —**पॉलीमर से**
- * मूलतः कार्बन एवं हाइड्रोजन के अणुओं के मिलने से बनता है। यह एथिलीन C₂H₄ का पॉलीमर (बहुलक) होता है —**पॉलिथीन**
- * इसकी खोज 1953 ई. में इटली के रसायनशास्त्री गिलियो नत्ता और कार्ल जिगलर (जर्मनी) ने की। इन्होंने सर्वप्रथम देखा कि कार्बन एवं हाइड्रोजन के कण आपस में एक शृंखला बनाते हैं तथा एकल बन्ध एवं द्विबन्ध के रूप में स्थापित हो जाते हैं। इस खोज के लिए गिलियो नत्ता एवं कार्ल जिगलर को 1963 ई. में रसायन का नोबेल पुरस्कार प्राप्त हुआ —**पॉलिथीन की**
- * वस्तु जो जीवाणुओं से नष्ट नहीं होती —**प्लास्टिक**
- * जैव-निम्नीकरणीय है —**रबर**
- * वे पदार्थ जो जैविक प्रक्रम द्वारा अपघटित हो जाते हैं, कहलाते हैं —**जैव-निम्नीकरणीय**
- * सिगरेट का टुकड़ा, चमड़े का जूता, फोटो फिल्म तथा प्लास्टिक का थैला में से जिसके क्षय होने में सबसे अधिक समय लगता है —**प्लास्टिक का थैला**
- * वायु प्रदूषण के जैविक सूचक का कार्य करता है —**लाइकेन**
- * शैवाल तथा कवक के द्वारा होता है —**लाइकेन का निर्माण**
- * वायु प्रदूषण का सबसे अधिक प्रभाव लाइकेन पर पड़ता है क्योंकि ये होते हैं, बड़े —**संवेदनशील**
- * प्रदूषण संकेतक पौधा है —**लाइकेन**
- * लाइकेन्स सबसे अच्छे सूचक हैं —**वायु प्रदूषण के**
- * जैविक ऑक्सीजन आवश्यकता (बी.ओ.डी.) एक प्रकार का प्रदूषण सूचकांक है —**जलीय वातावरण में**
- * बीओडी का अधिक होना, दर्शाता है —**जल के संक्रमित होने को**
- * कार्बनिक अपशिष्ट (जैसे-सीवेज) की मात्रा बढ़ने से अपघटन की दर बढ़ जाती है तथा O₂ का उपयोग भी इसी के साथ-साथ बढ़ जाता है। इसके फलस्वरूप मात्रा घट जाती है —**घुली ऑक्सीजन (Dissolved Oxygen-DO) की**
- * कुछ ही सहनशील प्रजातियों के जीव तथा कुछ कीटों के डिंब ही बहुत अधिक प्रदूषित तथा कम DO वाले जल में जीवित रह सकते हैं, जैसे —**ऐनेलीड**
- * जिस जलाशय के DO का मान 8.0 mgL⁻¹ से नीचे हो जाता है। उसे रखा जाता है —**संक्रमित (Contaminated) जल की श्रेणी में**
- * किसी जल क्षेत्र में बी.ओ.डी. की अधिकता संकेत देती है कि उसका जल —**सीवेज से प्रदूषित हो रहा है**
- * नदी में जल प्रदूषण के निर्धारण के लिए घुली हुई मात्रा मापी जाती है —**ऑक्सीजन की**
- * गंगा नदी में बी.ओ.डी. सर्वाधिक मात्रा में पाया जाता है —**कानपुर एवं इलाहाबाद के मध्य**
- * जैव उपचारण (Bio-remediation) से तात्पर्य है —**जीवों द्वारा पर्यावरण से विषैले (Toxic) पदार्थों का निष्कासन**
- * इसके द्वारा किसी विशेष स्थान पर पर्यावरणीय प्रदूषकों के हानिकारक प्रभाव को समाप्त किया जा सकता है। यह जैव रासायनिक चक्र के माध्यम से कार्य करता है —**जैव-उपचारण (Bio-remediation)**
- * जैवोपचार यदि प्रदूषण प्रभावित क्षेत्र में किया जाता है, तो इसे कहा जाता है —**स्व-स्थाने जैवोपचार (In-Situ Bio-remediation)**

- * यदि प्रदूषित पदार्थ को किसी अन्य जगह पर ले जाकर इस तकनीक का प्रयोग किया जाता है, तो इसे कहते हैं
—बाह्य-स्थाने जैवोपचार (Ex-Situ Bio-remediation)
- * प्रदूषकों को जड़ों व पत्तियों में संगृहीत कर जैवोपचार की क्रिया करना कहलाता है
—फाइटोनिष्कर्षण (phytoextraction)
- * जल प्रदूषक नहीं है
—सल्फर डाइऑक्साइड
- * आर्सेनिक द्वारा जल प्रदूषण सर्वाधिक है
—पश्चिम बंगाल में
- * भारत के गंगा-ब्रह्मपुत्र के मैदानी इलाकों तथा बांग्लादेश के पद्मा-मेघना के मैदानी इलाकों में भूमिगत जल अत्यधिक प्रदूषित है
—आर्सेनिक प्रदूषण से
- * भारत के सात राज्यों-पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश, असम, मणिपुर तथा छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में भूमिगत जल अत्यधिक प्रभावित है
—आर्सेनिक प्रदूषण से
- * भूजल में आर्सेनिक की अनुमेय सीमा है
—10 माइक्रोग्राम प्रति लीटर तक
- * चेर्नोबिल दुर्घटना संबंधित है
—नाभिकीय दुर्घटना से
- * रूस में चेर्नोबिल (Chernobyl) स्थित परमाणु केंद्र में नाभिकीय दुर्घटना हुई थी
—26 अप्रैल, 1986 को
- * विघटित होते रेडियोएक्टिव न्यूक्लाइड्स से उत्पन्न होने वाला विकिरण स्रोत है
—रेडियोएक्टिव प्रदूषण का
- * विकिरणों के प्रभाव से जीवों के आनुवंशिक गुणों पर भी पड़ता है
—हानिकारक प्रभाव
- * जैवीय रूप से अपघटित होता है
—मल
- * स्वचालित वाहन निर्वातक का सबसे अविषालु धातु प्रदूषक है
—लेड
- * स्वचालित वाहनों में एन्टीनॉकिंग एजेंट के रूप में प्रयोग किया जाता है
—लेड (सीसा) का
- * केंद्रीय तंत्रिका तंत्र, मस्तिष्क, पाचन तंत्र इत्यादि प्रभावित होते हैं
—लेड के कारण
- * पेयजल में कैडमियम की अधिकता से हो जाता है—इटाई-इटाई रोग
- * पारा (मरकरी) युक्त जल पीने से हो जाता है
—मिनामाटा रोग
- * वर्ष 1987 से इस अधिनियम में ध्वनि प्रदूषण को भी शामिल कर लिया गया है
—वायु प्रदूषण एवं नियंत्रण अधिनियम, 1981 के तहत
- * भारत का सर्वाधिक प्रदूषित नगर है
—अंकलेश्वर
- * जनवरी माह में उत्पन्न मौसमी कारक था जो उत्तर भारत में असाधारण ठंड का कारण बना
—ला नीना
- * अपने प्रदूषकों के कारण 'जैविक मरुस्थल' कहलाती है
—दामोदर
- * सरसों के बीज के अपमिश्रक के रूप में सामान्यतः निम्नलिखित में से किसे प्रयोग में लाया जाता है
—आर्जीमोन के बीज
- * आर्जीमोन मैक्सिकाना मेक्सिको में पाई जाने वाली पोस्ते की एक प्रजाति है। सरसों के तेल में इसकी मिलावट से महामारी फैल सकती है
—ड्रॉप्सी नामक
- * प्रदूषण युक्त वायुमंडल को स्वच्छ किया जाता है
—वर्षा द्वारा
- * भारत के समुद्री जल में हानिकारक शैवाल प्रस्फुटन में हो रही वृद्धि पर चिंता व्यक्त की गई है। इस संवृत्ति का/के क्या कारक तत्व हो सकता है/सकते हैं
—ज्वारनदमुख से पोषकों का प्रभाव, मानसून में भूमि से जलवाह, समुद्रों में उत्प्रावह
- * 'एशियाई भूरा बादल' (Asian Brown Cloud) 2002 अधिकांशतः फैला था
—दक्षिण एशिया में
- * 'एशियाई ब्राउन क्लाउड' या एशियाई भूरा बादल उत्पन्न होता है
—वायु प्रदूषण के कारण
- * कथन : जाड़े की ऋतु में दिल्ली में वायु प्रदूषण उच्च स्तर का रहता है
कारण : मोटर गाड़ियों में दहन प्रक्रिया जाड़े में बढ़ जाती है
—A सही है, परंतु R गलत है
- * एक रंगहीन, गंधहीन रेडियोएक्टिव अक्रिय गैस है
—रेडान
- * फेफड़े का कैंसर (Lung Cancer) तथा रक्त कैंसर होने की संभावना होती है
—रेडान गैस से
- * घरेलू गतिविधियों के कारण उत्पन्न होने वाले वायु प्रदूषण को कहा जाता है
—घरेलू वायु प्रदूषण
- * WHO के अनुसार, प्रतिवर्ष लाखों लोगों की मृत्यु होती है
—घरेलू वायु प्रदूषण के कारण
- * सिगरेट के धुएं में मुख्य प्रदूषक है
—कार्बन मोनोऑक्साइड व बैन्जीन
- * शरीर में श्वास अथवा खाने से पहुंचा सीसा (लेड) स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। पेट्रोल में सीसे का प्रयोग प्रतिबंधित होने के बाद से अब सीसे की विषाक्तता उत्पन्न करने वाले स्रोत हैं
—प्रगतन इकाइयां, पेंट
- * घरों में पुताई के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले पेंट में असुरक्षित स्तर तक हो सकती है
—सीसे की मात्रा
- * मनुष्य के केंद्रीय तंत्रिका तंत्र और मस्तिष्क को नुकसान पहुंच सकता है
—सीसे की अधिक मात्रा से

- * सही सुमेलित हैं

सूची-I

(वायु प्रदूषक)

ऐस्बेस्टस धूल

सीसा

पारा

कार्बन मोनोऑक्साइड

- * ऐस्बेस्टस जहरीला पदार्थ है, इसकी धूल से हो सकता है

—फेफड़े का कैंसर

- * पारे की विषाक्तता से उत्पन्न होती हैं

—उदर संबंधी समस्याएं

- * सही सुमेलन है

(प्रदूषक)

कार्बन मोनोऑक्साइड

नाइट्रोजन के ऑक्साइड

धूल कण

सीसा

(प्रभाव)

लीवर और किडनी को क्षति

कैंसर

श्वास संबंधी रोग

केंद्रीय नर्वस सिस्टम

- * रक्त में घुलकर कोशिकीय श्वसन को बाधित करती है तथा यह हृदय को क्षति पहुंचाती है

—कार्बन मोनोऑक्साइड

- * मानव शरीर में कैंसर उत्पन्न कर सकते हैं

—नाइट्रोजन के ऑक्साइड

- * भारत में इस्पात उद्योग द्वारा मुक्त किए जाने वाले महत्वपूर्ण प्रदूषकों में चारों ही शामिल हैं

—कार्बन मोनोऑक्साइड (CO), सल्फर के ऑक्साइड (SO_x), नाइट्रोजन के ऑक्साइड (NO_x) तथा कार्बन डाइऑक्साइड (CO₂)

- * ऑक्सीजन की सीमित आपूर्ति में कार्बन के ऑक्सीकरण से कार्बन मोनोऑक्साइड उत्पन्न होती है

—वात्या भट्टी (Blast Furnace) में

- * अम्ल वर्षा से वे देश जो सर्वाधिक प्रभावित होते हैं

—कनाडा, नॉर्वे

- * जर्मनी तथा यूनाइटेड किंगडम में स्थित मिलों से उत्सर्जित SO₂ तथा नाइट्रोजन के ऑक्साइड के कारण में अधिक अम्ल वर्षा होती है

—नॉर्वे तथा स्वीडन में

- * अम्ल वर्षा को कहा जाता है

—झील कातिल (Lake Killer)

- * चीन, जापान, नार्वे तथा संयुक्त राज्य अमेरिका में से जिस देश में सर्वाधिक अम्लीय वर्षा होती है

—नार्वे में

- * अंतरराष्ट्रीय अम्ल वर्षा सूचना केंद्र स्थापित किया गया है

—मैनचेस्टर में

- * उत्सर्जन उष्मीय शक्ति संयंत्रों में कोयला दहन से उत्सर्जित होता है/होते हैं

—कार्बन डाइऑक्साइड (CO₂), नाइट्रोजन के ऑक्साइड (N₂O), सल्फर के ऑक्साइड (SO₂)

- * ईंधन के रूप में कोयले का उपयोग करने वाले शक्ति संयंत्रों से प्राप्त 'फ्लाइ एश' के संदर्भ में सही कथन हैं

—फ्लाइ एश का उपयोग भवन निर्माण के लिए ईंटों के उत्पादन में किया जा सकता है, फ्लाइ एश का उपयोग कंक्रीट के कुछ पोर्टलैंड सीमेंट अंश के स्थानापन्न (रिप्लेसमेंट) के रूप में किया जा सकता है

- * कोयला आधारित विद्युत संयंत्रों से विद्युत उत्पादन के फलस्वरूप उपोत्पाद (By Product) के रूप में प्राप्त होता है

—फ्लाइ एश

- * यह सूक्ष्म पाउडर होता है, जो वायु के साथ दूर तक यात्रा करता है। इसमें सीसा, आर्सेनिक, कापर जैसी जहरीली भारी धातुओं के कण भी होते हैं

—फ्लाइ एश में

- * अनाजों और तिलहनों के अनुपयुक्त रखरखाव और भंडारण के परिणामस्वरूप आविषों का उत्पादन होता है, जिन्हें एफ्लाटॉक्सिन के नाम से जाना जाता है, जो सामान्यतः भोजन बनाने की आम विधि द्वारा नष्ट नहीं होते। जिसके द्वारा उत्पादित होते हैं, वह है

—फफूंदी

- * मुख्यतया, एस्पेर्जिलस फ्लेवस (Aspergillus flavus) के द्वारा उत्पन्न होता है।

—एफ्लाटॉक्सिन (Aflatoxin)

- * एफ्लाटॉक्सिन में एक कैंसर जनक पदार्थ (Carcinogen) होता है, जो उत्पन्न करता है।

—यकृत कैंसर

- * वायु प्रदूषण की रोकथाम की एक यंत्रिय विधि नहीं है

—साइक्लोन डिवाइडर

- * कारखानों की चिमनियों से निस्सृत धुएं तथा कालिख के साथ मिश्रित कणकीय पदार्थों को अलग करने के लिए प्रयोग किए जाने वाले विशिष्ट फिल्टर को कहते हैं

—बैग फिल्टर

- * 50 माइक्रोमीटर से कम व्यास वाले कणकीय पदार्थों को पृथक करने के लिए प्रयोग किया जाता है

—बैग फिल्टर का

- * रेडियोधर्मी प्रदूषण से संबंधित सही कथन हैं

—यह पशुओं में आनुवांशिक परिवर्तन लाता है,

यह रक्त संचार में व्यवधान पैदा करता है,

यह कैंसर पैदा करता है

- * यह तेलीय पंक तथा बिखरे हुए तेल के उपचार हेतु पारिस्थितिकी के अनुकूल विकसित प्रौद्योगिकी है

—आयलजैपर

- * ऑयल जैपर एक बैक्टीरिया संकाय है। यह पांच बैक्टीरिया को मिलाकर विकसित किया गया है। इसमें उपस्थित बैक्टीरिया तेल में मौजूद हाइड्रोकार्बन यौगिकों को अपना भोजन बनाते हैं तथा उनको परिवर्तित कर देते हैं

—हानिरहित CO₂ एवं जल में

- * अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन का मुख्यालय स्थित है —लंदन में
- * यह संयुक्त राष्ट्र संघ की विशेष एजेंसी है जिस पर अंतरराष्ट्रीय नौवहन के सुरक्षा सुधार संबंधी उपाय करने और पोतों से होने वाले समुद्री प्रदूषण की रोकथाम की जिम्मेदारी है। यह संस्था उत्तरदायित्व और मुआवजा से संबंधित वैधानिक मामलों को देखने के अलावा अंतरराष्ट्रीय समुद्री यातायात को सुविधाजनक बनाने का कार्य करती है
- अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (International Maritime Organization- IMO)
- * जैव शौचालय प्रणाली में अपशिष्ट पदार्थों को विखंडित कर उसे पानी और गैस (मेथेन) में परिवर्तित कर देता है —अवायवीय जीवाणु
- * जैव शौचालय प्रणाली में पानी को टैंक में जमा कर उसे क्लोरिन की मदद से साफ कर दिया जाता है जबकि गैस हो जाती है —वाष्पीकृत
- * भारत के कुछ भागों में पीने के जल में प्रदूषक के रूप में पाए जाते हैं —आर्सेनिक, फ्लुओराइड तथा यूरेनियम
- * 'नॉक-नी संलक्षण' उत्पन्न होता है —फ्लुओराइड के प्रदूषण द्वारा
- * यद्यपि पानी में अल्प मात्रा में उपलब्ध होता है जो मसूड़ों और दांतों को संरक्षण प्रदान करता है परंतु इसका अत्यधिक सांद्रण (Excess Concentration) फ्लुओरोसिस (Fluorosis) नामक रोग का कारण बनता है। अत्यधिक फ्लुओराइड को ग्रहण (Intake) करने के परिणामस्वरूप संभावना बढ़ जाती है
- कूबड़पीठ (Humped back) होने की
- * पैरों के मुड़ने (Bending) का कारण होता है, जिसे 'नॉक-नी संलक्षण' कहते हैं —उच्च फ्लुओराइड संग्रहण
- * कैल्शियम पादपप्लवक की वृद्धि और उत्तरजीविता प्रतिकूल रूप से प्रभावित होगी, प्रवाल-भित्ति की वृद्धि और उत्तरजीविता प्रतिकूल रूप से प्रभावित होगी। कुछ प्राणी जिनके डिम्बक पादपप्लवकीय होते हैं, की उत्तरजीविता प्रतिकूल रूप से प्रभावित होगी
- महासागरों के अम्लीकरण के कारण
- * CO₂ के लिए एक भंडार गृह की तरह कार्य करता है —समुद्र
- * यूरो उत्सर्जन नियम, उत्सर्जन के मानक हैं और ये एक वाहन से उत्सर्जन के लिए सीमा निर्धारित करने के पैकेज प्रदर्शित करते हैं। इसके अंतर्गत आच्छादित है —कार्बन मोनोऑक्साइड, हाइड्रोकार्बन तथा नाइट्रोजन ऑक्साइड
- * यूरोपीय देशों में वर्ष 1992 में यूरो मानक I तथा वर्ष 1997 में लागू कर दिया था —यूरो मानक II
- * वाहनों से निकलने वाले प्रदूषकों को नियंत्रित करने के लिए चरणबद्ध रूप से यूरो मानकों को भारत में क्रियान्वित करने की संस्तुति की थी —माशेलकर समिति ने
- * स्वच्छ परिवहन पर अंतरराष्ट्रीय परिषद (The International Council on Clean Transportation : ICCT) ने भारत को इस बात की छूट दी है कि वह वर्ष 2020 में यूरो V के बदले अपना सकता है —सीधे यूरो VI को
- * BS-IV मानक भारत में लागू कर दिया गया है —1 अप्रैल, 2017 से
- * यूरो - II मानकों को पूरा करने के लिए अति अल्प सल्फर डीजल में सल्फर की मात्रा होनी चाहिए —0.05 प्रतिशत या इससे कम
- * यूरो नार्मर्स स्वचालित वाहनों में एक गैस उत्सर्जन की मात्रा की सीमा निश्चित करते हैं। यह गैस है —कार्बन मोनोऑक्साइड
- * हमारे देश के शहरों में वायु गुणता सूचकांक (Air Quality Index) का परिकलन करने में साधारणतया वायुमंडलीय गैसों में विचार में लिया जाता है —कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड तथा सल्फर डाइऑक्साइड
- * भारत में आठ मुख्य प्रदूषकों के आधार पर बनाया जाता है —वायु गुणता सूचकांक (Air Quality Index)
- * शहरों में बढ़ते वायु प्रदूषण को रोकने के लिए पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता सूचकांक (National Air Quality Index : NAQI) जारी किया गया था —17 अक्टूबर, 2014 को
- * यह सूचकांक शहरी क्षेत्रों में वायु प्रदूषण का स्तर बताने के लिए एक संख्या-एक रंग-एक विवरण (One Number-One Colour-One Discription) के रूप में कार्य करता है। उल्लेखनीय है कि इस पहल को आरंभ किया गया है —स्वच्छ भारत अभियान के तहत
- * वाहनों में उत्सर्जित कार्बन मोनोऑक्साइड (CO) को कार्बन डाइऑक्साइड (CO₂) में परिवर्तित करने वाली उत्प्रेरक परिवर्तन की सिरैमिक डिस्क स्तरित होती है —पैलेडियम से
- * कथन (A): मृदा प्रदूषण औद्योगिक प्रदूषण की अपेक्षा अधिक खतरनाक होता है। कारण (R): उर्वरक तथा कीटनाशक भोजन की शृंखला में प्रवेश करते हैं। —(A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है
- * उर्वरक, पीड़कनाशी, कीटनाशी और शाक-नाशी मृदा के प्राकृतिक, भौतिक, रासायनिक और जैविक गुणों को नष्ट करके मृदा को बेकार कर देते हैं। रासायनिक उर्वरक नष्ट कर देते हैं —मृदा के सूक्ष्म जीवों को

- * भारत के जिस महानगर में वार्षिक प्रति व्यक्ति सर्वाधिक ठोस अपशिष्ट उत्पन्न होता है —दिल्ली
 - * कई घरेलू उत्पादों, जैसे गदों और फर्नीचर की गदियों (अपहोल्स्टरी), में ब्रोमीनयुक्त ज्वाला मंदकों का उपयोग किया जाता है। उनका उपयोग कुछ चिंता का विषय है, क्योंकि —उनमें पर्यावरण में निम्नीकरण के प्रति उच्च प्रतिरोधकता है, वे मनुष्यों और पशुओं में संचित हो सकते हैं
 - * रासायनिक, जैविक तथा फोटोलिटिक (Photolytic) प्रक्रियाओं द्वारा पर्यावरण में निम्नीकरण के प्रति प्रतिरोधी कार्बनिक यौगिकों को कहते हैं —पॉप्स (POPs : Persistent Organic Pollutants) अर्थात् चिरस्थायी कार्बनिक प्रदूषक
 - * 'स्थायी जैव प्रदूषकों पर स्टॉकहोम अभिसमय' (Stockholm Convention on Persistent Organic Pollutants) द्वारा कुछ चिरस्थायी कार्बनिक प्रदूषकों की सूची में शामिल किया है —'ब्रोमीन युक्त ज्वाला मंदकों' (Brominated Flame Retardants) को
 - * विभिन्न उत्पादों के विनिर्माण में उद्योग द्वारा प्रयुक्त होने वाले कुछ रासायनिक तत्वों के नैनो-कणों के बारे में कुछ चिंता है, क्योंकि —वे पर्यावरण में संचित हो सकते हैं तथा जल और मृदा को संदूषित कर सकते हैं, वे खाद्य शृंखलाओं में प्रविष्ट हो सकते हैं, वे मुक्त मूलकों के उत्पादन को विमोचित कर सकते हैं
- ## जल संरक्षण
- * झारखंड राज्य गंगा नदी संरक्षण प्राधिकरण गठित हुआ —वर्ष 2009 में
 - * जल प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण अधिनियम लागू हुआ —वर्ष 1974 में
 - * विश्व जल संरक्षण दिवस मनाया जाता है —22 मार्च को
 - * जैविक संसाधन नहीं है —शुद्ध जल
 - * भारत सरकार द्वारा 'केंद्रीय गंगा प्राधिकरण' का गठन किया गया — वर्ष 1985 में
 - * सितंबर, 1995 में इसका नाम बदल कर 'राष्ट्रीय नदी संरक्षण प्राधिकरण' (NRCA) कर दिया गया —केंद्रीय गंगा प्राधिकरण का
 - * वर्तमान में इसे 'राष्ट्रीय नदी संरक्षण प्राधिकरण' (NRCA) के नाम से जाना जाता है। इसके अध्यक्ष प्रधानमंत्री होते हैं यह है —केंद्रीय गंगा प्राधिकरण
 - * नेशनल गंगा रिवर बेसिन अथॉरिटी की स्थापना की गई —फरवरी, 2009 में
 - * केंद्रीय बजट, 2014 में समन्वित गंगा संरक्षण अभियान को कहा गया है —नमामि गंगे
 - * राष्ट्रीय गंगा नदी बेसिन प्राधिकरण (NGBRA) का गठन किया गया है —फरवरी, 2009 में
 - * NGBRA का लक्ष्य है कि गंगा को उसमें प्रवाहित होने वाले औद्योगिक अपशिष्ट व अशोधित सीवेज जल से मुक्ति दिला दी जाए —वर्ष 2020 तक
 - * वर्ष 2009 में भारत ने स्वच्छ गंगा के लिए स्थापित किया —राष्ट्रीय गंगा नदी तलहटी प्राधिकरण
 - * जिस पर्यावरणविद् को 'जल पुरुष' के नाम से जाना जाता है —राजेंद्र सिंह
 - * 'तरुण भारत संघ' नामक गैर-सरकारी संगठन के चेयरमैन हैं —राजेंद्र सिंह
 - * पीने के पानी को शुद्ध करने के लिए प्रयोग में जिसे लाया जाता है —क्लोरीन को
 - * मरुस्थल क्षेत्रों में जल हास को रोकने के लिए पर्ण रूपांतरण होता है —कठोर एवं मोमी पर्ण, लघु पर्ण अथवा पर्णहीनता, पर्ण की जगह कांटों में
 - * रेगिस्तान में पाए जाने वाले पौधों की पत्तियां जल-हानि को रोकने के लिए प्रायः बदल जाती हैं —कांटों में
 - * गंगा नदी डॉल्फिन की समष्टि में हास के लिए शिकार-चोरी के अलावा और क्या संभव कारण हैं? —नदियों पर बांधों और बराजों का निर्माण, संयोग से मछली पकड़ने के जालों में फंस जाना, नदियों के आस-पास के फसल-खेतों में श्लिष्ट उर्वरकों और अन्य कृषि रसायनों का इस्तेमाल
 - * IUCN ने इन्हें रेड लिस्ट सूची में संकटग्रस्त (Endangered) वर्ग में रखा है —गैटिक डॉल्फिन
 - * कई डॉल्फिन संयोग से मछली पकड़ने वाले जाल में फंस जाती हैं। इसे कहते हैं —बाई कैच (By Catch)
 - * गंगा नदी डॉल्फिन का वैज्ञानिक नाम है —प्लास्टैनिस्टा गैंगेटिका (Platanista gangetica)
 - * गंगा नदी डॉल्फिन संरक्षण कार्यक्रम आरंभ किया गया था —वर्ष 1997 में
 - * भारत का राष्ट्रीय जल जीव (National Aquatic Animal) घोषित किया गया है —डॉल्फिन को

- * यदि राष्ट्रीय जल मिशन सही ढंग से और पूर्णतः लागू किया जाए, तो देश पर उसका प्रभाव पड़ेगा —शहरी क्षेत्रों की जल आवश्यकताओं की आंशिक आपूर्ति अपशिष्ट जल के पुनर्चक्रण से हो सकेगी, ऐसे समुद्रतटीय शहर, जिनके पास जल के अपर्याप्त वैकल्पिक स्रोत हैं, की जल आवश्यकताओं की आपूर्ति ऐसी समुचित प्रौद्योगिकी व्यवहार में लाकर की जा सकेगी, जो समुद्री जल को प्रयोग लायक बना सकेगी।
- * 30 जून, 2008 को जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य-योजना (National Action Plan on Climate Change : NAPCC) आरंभ की गई थी। इसी कार्ययोजना का एक भाग है —राष्ट्रीय जल मिशन
- * वाटर (प्रिवेन्शन एंड कंट्रोल ऑफ पॉल्यूशन) सेस एक्ट लागू किया गया —1977 में
- * चेन्नई, कानपुर, कोलकाता तथा मुंबई में से पेयजल में संख्या प्रदूषण सर्वाधिक है —कोलकाता में
- * जल शुद्धीकरण प्रणालियों में पराबैंगनी (अल्ट्रा-वायलेट, UV) विकिरण की भूमिका है —यह जल में उपस्थित नुकसानदेह सूक्ष्मजीवों को निष्क्रिय/नष्ट कर देती है।
- * पराबैंगनी विकिरण एक प्रकार का है —विद्युत चुंबकीय विकिरण
- * जल को जीवाणु मुक्त करने हेतु प्रयुक्त होता है/होते हैं —ओजोन, क्लोरीन डाइऑक्साइड, क्लोरैमीन
- * यमुना एक्शन प्लान औपचारिक रूप से प्रारंभ किया गया था —1993 में
- * 'यमुना कार्य योजना' (Yamuna Action Plan) तथा 'गोमती कार्य योजना' (Gomati Action Plan) को अप्रैल, 1993 में अनुमोदित किया गया —गंगा कार्य योजना-द्वितीय चरण के तहत
- * श्री श्री रविशंकर की संस्था 'आर्ट ऑफ लिविंग' द्वारा 'वर्ल्ड कल्चर फेस्टिवल' आयोजित किया गया था —11-13 मार्च, 2016 के बीच
- * वर्तमान में 'मैली से निर्मल' यमुना पुनरुद्धार योजना, 2017 चलाई जा रही है। यह स्वच्छता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी —यमुना की
- * 'राष्ट्रीय गंगा नदी बेसिन प्राधिकरण' (National Ganga River Basin Authority-NGRBA) की प्रमुख विशेषताएं हैं —नदी बेसिन, योजना एवं प्रबंधन की इकाई है, यह राष्ट्रीय स्तर पर नदी संरक्षण प्रयासों की अगुवाई करता है।
- * इसके अध्यक्ष प्रधानमंत्री होते हैं। उन राज्यों के मुख्यमंत्री जिनसे गंगा होकर बहती है, इस प्राधिकरण के सदस्य होते हैं, वह प्राधिकरण है —राष्ट्रीय गंगा नदी बेसिन प्राधिकरण
- * प्रदूषण नियंत्रण के उद्देश्य से राष्ट्रीय झील संरक्षण योजना (NLCP) के अंतर्गत जिन शहरी क्षेत्रों में पड़ने वाले जलमग्न भूमि को चुना गया है, वे हैं —भोज - मध्य प्रदेश, सुखना - चंडीगढ़, पिचोला - राजस्थान
- * NLCP के अंतर्गत ओडिशा की झील शामिल है —बिंदुसागर
- * राष्ट्रीय झील संरक्षण परियोजना के अंतर्गत सम्मिलित किया गया है —भीमताल को
- * फरवरी, 2013 में 'राष्ट्रीय झील संरक्षण परियोजना' और 'राष्ट्रीय नम भूमि संरक्षण कार्यक्रम' को समन्वित कर आर्थिक मामलों पर मंत्रिमंडलीय समिति द्वारा स्वीकृत प्रदान की गई —राष्ट्रीय जलीय पारिस्थितिक-तंत्र संरक्षण योजना

विविध

- * 'विश्व पर्यावरण दिवस, 2018' का मुख्य विषय (थीम) था —प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करो (Beat Plastic Pollution)
- * भारत सरकार के विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय (DMI) द्वारा जारी एक गुणवत्ता प्रमाणन चिह्न है —AGMARK
- * जिसे 'दक्षिण गंगोत्री' के नाम से जाना जाता है —भारत का प्रथम अंटार्कटिक शोध केंद्र
- * इसकी स्थापना वर्ष 1983-84 में की गई —दक्षिण गंगोत्री
- * भारत ने अपने दूसरे अनुसंधान केंद्र 'मैत्री' की स्थापना की —वर्ष 1988-89
- * अंटार्कटिका में भारत के तृतीय शोध केंद्र का नाम है —भारती
- * भारती की स्थापना की गई —वर्ष 2012 में
- * यह 21वीं सदी में विश्व पर्यावरण संरक्षण हेतु एक कार्य योजना है —एजेंडा 21
- * सतत विकास के संदर्भ में संयुक्त राष्ट्र की गैर-बद्ध स्वैच्छिक कार्य योजना है —एजेंडा 21
- * यह कार्य योजना वर्ष 1992 में ब्राजील के रियो डी जनेरियो में संपन्न 'पर्यावरण एवं विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन' (UNCED) के दौरान सृजित की गई थी —एजेंडा 21
- * 'एजेंडा-21' जिस क्षेत्र से संबंधित है —सतत विकास

* सही सुमेलित हैं

सूची-I

त्वचा कैंसर

ध्वनि प्रदूषण

वैश्विक तापन

ओजोन छिद्र

सूची-II

पराबैंगनी प्रकाश

डेसीबल

कार्बन डाइऑक्साइड

क्लोरोफ्लोरोकार्बन

* उत्तर प्रदेश में प्रथम बायो-टेक पार्क स्थापित किया गया है

—लखनऊ में

* पोषण का राष्ट्रीय संस्थान (National Institute of Nutrition) स्थित है

—हैदराबाद में

* भारत का वन्य जीव संस्थान (Wildlife Institute of India) स्थित है

—देहरादून में

* आयुर्वेद का राष्ट्रीय संस्थान (National Institute of Ayurveda) स्थित है

—जयपुर में

* नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नेचुरोपैथी स्थित है

—पुणे में

* जयपुर के 'जंतर-मंतर' को यूनेस्को (यू.एन.ई.एस.सी.ओ.) द्वारा विश्व धरोहर का दर्जा घोषित होने के साथ भारत में अगस्त, 2010 तक कितने स्थलों को यह दर्जा प्राप्त हो चुका है

— 28

* यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में सम्मिलित की गई इमारत है

—महाबोधि मंदिर

* सुनामी की उत्पत्ति जिसके द्वारा होती है, वह है

—समुद्र के भीतर उत्पन्न होने वाले भूकंप से

* सही सुमेलित हैं

— पारिस्थितिकीय विज्ञानों का केंद्र

- बंगलुरु

भारतीय वन्य प्राणी संस्थान

- देहरादून

भारतीय वन प्रबंधन संस्थान

- भोपाल

हिमालयी पर्यावरण एवं विकास

- अल्मोड़ा

का गोविंद बल्लभ पंत संस्थान

* प्रत्येक वर्ष दिए जाने वाले इंदिरा गांधी पर्यावरण पुरस्कार का आधार होता है

—पर्यावरण के क्षेत्र में सार्थक योगदान

* सही सुमेलित हैं

एपिको आंदोलन

- पी. हेगडे

चिपको आंदोलन

- एस.एल. बहुगुणा

नर्मदा बचाओ आंदोलन

- मेधा पाटकर

शांत घाटी आंदोलन

- डॉ. सलीम अली

* भारत में 'रेली फॉर वैली' प्रोग्राम का आयोजन निम्न में से जिस एक समस्या को उजागर करने के लिए किया गया था, वह है

—विस्थापितों के पुनर्वास की समस्या

* विश्व परिवेश दिवस मनाया जाता है

—5 अक्टूबर को

* विश्व तंबाकू निरोध दिवस प्रति वर्ष मनाया जाता है

—31 मई को

* 19 नवंबर जिस दिवस के रूप में मनाया जाता है

—विश्व शौचालय दिवस

* सही सुमेलित हैं

(महत्त्वपूर्ण दिवस)

(दिनांक)

विश्व पर्यावरण दिवस

5 जून

विश्व वानिकी दिवस

21 मार्च

विश्व पर्यावास दिवस

अक्टूबर का प्रथम सोमवार

विश्व ओजोन दिवस

16 सितंबर

* भारत के प्रधानमंत्री ने 'स्वच्छ भारत अभियान' आधिकारिक रूप से प्रारंभ किया

—गांधी जयंती पर

* डायनासोर जीवाश्म राष्ट्रीय पार्क की स्थापना जिस जिले में की जा रही है, वह है

—धार

* केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (काजरी) अवस्थित है

—जोधपुर में

* सेंट्रल एरिड जोन रिसर्च इंस्टीट्यूट स्थित है

—जोधपुर में

* इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इकोलॉजी एंड एनवायरनमेंट अवस्थित है

—नई दिल्ली में

* एगमार्क एक्ट भारत में लागू किया गया

—वर्ष 1937 में

* विज्ञान का वह क्षेत्र जिस एक में बोरलॉग पुरस्कार दिया जाता है

—कृषि

* भारत का राष्ट्रीय जलीय प्राणी है

—गंगा की डॉल्फिन

* मौसम विज्ञान संबंधी प्रेषण के लिए, जिसको गुब्बारों को भरने में उपयोग में लाया जाता है

—हीलियम

* मानवीय जनसंख्या के श्रेष्ठतर जीवनयापन के लिए जो कदम सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है

—वनारोपण

* अगर किसी क्षेत्र का लैंडसेट (LANDSAT) आंकड़ा आज मिलता है, तो उसके पश्चिम में स्थित क्षेत्र का आंकड़ा कब उपलब्ध होगा

—उसी समय (स्थानीय समय के अनुसार)

कुछ दिनों बाद

* हरिकेन ने सन् 2012 में यू.एस.ए. के उत्तर-पूर्व एवं पूर्वी तटीय प्रांतों को दुष्प्रभावित किया

—सैण्टी

- * धूल प्रदूषण रोकने के लिए उपयुक्त वृक्ष है —सीता अशोक है, वह है —संघटकों की सूची, जिसमें
- * एर्जेन्डा-21 में समझौते हैं —4 संयोजी शामिल हैं, पोषण-विषयक सूचना
- * यह नए शस्त्रों के प्रादुर्भाव को रोकने के लिए रासायनिक उद्योग का अनुवीक्षण करता है, यह राज्यों (पार्टियों) को रासायनिक आयुध के खतरे के विरुद्ध सहायता एवं संरक्षण प्रदान करता है। शाकाहारी/मांसाहारी
- रासायनिक आयुध निषेध संगठन (Organization for the Prohibition of Chemical Weapons -OPCW) * जो भारतीय वैज्ञानिक, 'यूनेप' (UNEP) द्वारा 'फादर ऑफ इकोनॉमिक इकोलॉजी' अभिष्यत है —एम.एस. स्वामीनाथन
- * इस समय 192 सदस्य देश हैं, जो विश्व को रासायनिक हथियारों से मुक्त करने हेतु प्रतिबद्ध हैं —OPCW में * यह क्रिया-आधारित अनुसंधान, शिक्षा एवं लोक जागरूकता के माध्यम से प्रकृति को बचाने का प्रयास करता है, यह आम जनता के लिए प्रकृति खोज-यात्राओं एवं शिविरों का आयोजन एवं संचालन करता है
- * विश्व की 98 प्रतिशत जनसंख्या, भू-भाग व रासायनिक कारखानों का प्रतिनिधित्व करते हैं —OPCW के सदस्य देश * सदाबहार फल वृक्ष है —लोकाट
- * 'हरित भारत मिशन' (Green India Mission) के उद्देश्य को सर्वोत्तम रूप से वर्णित करता है —वन आच्छादन की पुनर्प्राप्ति और संवर्धन करना तथा अनुकूलन (अडैप्टेशन) एवं न्यूनीकरण (मिटिगेशन) * मौसम अनुश्रवण युक्ति सोडार स्थापित है —कैगा तथा कलपक्कम में
- के संयुक्त उपायों से जलवायु परिवर्तन का प्रत्युत्तर देना * देश में 'विंटर लाइन' की प्राकृतिक परिघटना जिस नगर में दृश्यमान होती है, वह है —मसूरी
- * प्रतिष्ठित 'टायलर पुरस्कार' जिस क्षेत्र में प्रदान किया जाता है * प्रायद्वीपीय भारत निम्न हिम युगों में से जिस युग में हिमानीकृत हुआ, वह है —प्लीस्टोसीन हिम युग
- पर्यावरण सुरक्षा * यदि आप ग्रामीण क्षेत्र से होकर गुजरते हैं, तो आपको यह देखने को मिल सकता है कि अनेक प्रकार के पक्षी, चरने वाले पशुओं/भैंसों के पीछे-पीछे चलते हैं और उनके घास में चलने से अशांत होने वाले कीटों को फकड़ते हैं। ऐसा पक्षी है —साधारण मैना
- * राजीव गांधी पर्यावरण पुरस्कार दिया जाता है, श्रेष्ठतर योगदान के लिए —स्वच्छ प्रौद्योगिकी एवं विकास * यह हिमालय के दक्षिण में उष्ण कटिबंधीय एशिया में पाया जाने वाला पक्षी है। इसका मुख्य आहार आर्द्रभूमि के छिछले जलीय स्थलों में पाई जाने वाली छोटी मछलियां हैं —चित्रित बलाक (Painted Stork)
- * 'ग्लोबल 500' पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं —पर्यावरण प्रतिरक्षा के लिए * यह तिब्बत के पठार, भूटान तथा भारत के अरुणाचल प्रदेश, लद्दाख आदि में पाया जाता है। यह सर्वभक्षी है जो पौधों की जड़, कंदमूल, आलू, कीड़े-मकोड़े, मछलियां, मेंढक, अनाज सभी कुछ खाता है। किंतु मुख्य रूप से कटाई के पश्चात खेतों में अन्न के अवशेषों को अपने आहार के रूप में प्रयोग करता है —काली गर्दन वाला सारस (Black-Necked Crane)
- * प्राकृतिक आपदा ह्रासीकरण का अंतरराष्ट्रीय दशक माना जाता है —वर्ष 1990 - 1999 को * शीतोष्णकटिबंधी वन, उष्णकटिबंधी वन, शीतोष्ण कटिबंधी घास प्रदेश तथा उष्ण कटिबंधी सवाना में से जिसकी औसत शुद्ध प्राथमिक उत्पादकता सबसे कम है —शीतोष्णकटिबंधी घास प्रदेश
- * प्रत्येक मास के अंतिम शनिवार को राष्ट्रीय स्वच्छता दिवस मनाता है —सिएरा लियोन * भारत का राष्ट्रीय सामुद्रिक पार्क स्थित है —कच्छ की खाड़ी में
- * जिसे मेगा-डाइवर्स देश के रूप में जाना जाता है —ऑस्ट्रेलिया * 'भितरकणिका' जिसे विश्व धरोहर स्थल की सूची में सम्मिलित किया गया है, अवस्थित है —ओडिशा में
- * जिसे 'डाइनोसोर्स का कब्रिस्तान' कहा जाता है —मोन्टाना * * * * *
- * 'इको मार्क' योजना 1991 में उपभोक्ताओं को ऐसे उत्पादों को खरीदने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु आरंभ की गई जिनका पर्यावरणीय प्रभाव कम हानिकर हो। उपभोक्ता उत्पादों में से इस योजना के अंतर्गत अधिसूचित है —साबुन एवं अपमार्जक, कागज एवं प्लास्टिक, सौंदर्य प्रसाधन एवं ऐरोसॉल

